

Istual

सं• 37]

नई बिल्ली, शनिवार, सितम्बर 14, 19.

No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBE

्र इस भाग में जिल्ल पृथ्क संख्या दी जाती है जिससे जि यह 🕾 (Separate paging is given to this Part in order that it way be 1907) RA 23, 1907)

## भाग III-खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उष्ण न्यायालयों, नियम्बन और महालेखापरीक्षक, संघ लोग हे सरकार के संलग्न और अधीन कार्याखर्यों द्वारा (Notifications issued by the High Courts, the Comptrol Public Service Commission, the Indian Governmen and Subordinate Offices of the Gov

और भारत

⊟aien

संघ लोक सेवा भ्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1985

मं० ए० 32014/1/85-प्रभा० III—राष्ट्रपति, मंघ लोक सेवा श्रायोग के निम्नितिष्वित श्रनुभाग श्रिधकारियों को, उनके सामने निर्विष्ट श्रविध के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्याक्षय में तदर्थ श्राधार पर डेस्क श्रिधकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्थ नियुक्त करते हैं:---

ऋम नाम	ग्रवधि
सं०	
1. श्री यशपाल डवास	1-5-85 में 30-6-85 तक
2. श्री ग्रनिल कुमार	1-5-85 से 14-6-85 तक
	<del></del>

उपर्युक्त श्रिधकारी कार्मिक एवं प्रणासनिक सुधार विभाग के कार झार मंर 12/1/7!—सीर एमर (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के श्रनुसार कर 75/- प्ररु मार की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

एस० बनर्जी ग्रवर सचित्र (प्रशा०) संघ लोक सेवा ग्रायोग नई दिल्ली-11001 ...

सं० 32013/2/85-प्रणा० I—राष्ट्र.
के निम्नलिखिन स्थायी ग्रेड 1 श्रिधकारी जिनको ५.
की चयन सूची में चयन ग्रेड के लिये सम्मिलित कर लिय।
है, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में प्रत्येक के सामने
यथानिर्दिष्ट ग्रविध के लिये ग्रवि श्रामामी श्रादेशों तक,
जो भी पहले हो को उप सचिव के पद पर तदर्थ श्राधार
पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्रम नाम सं०	चयन सूची में अम संख्या	ग्रवधि
1. श्री किणन सिंह	13	1-5-85 से 31-5-85 तक ।
2. श्री जीत सिंह	19	1-6-85 से 30-6-85 तक ।

यह इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 23-3-85 तथा 30-3-85 के श्रनुकम है।

दिनांक 24 जुलाई, 1985

मं ए० 32014/1/85 (1) प्रणा० I—मंघ लोक वा श्रायंग के संघर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड 'ख') श्री के० एस० भूटानी को राष्ट्रपति द्वारा 2 जुलाई, 85 से 30 सितम्बर, 85 तक की भविष्य के लिए ग्रंथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ ग्राधार पर निजी सविष्य (के० स० स्टे० से० का ग्रेड 'क') के पद पर कार्य करने के लिये सहर्ष मियुक्त फिया जाता है।

2. श्री भूटानी प्रवगत कर लें कि निजी सिव्त (कें स्र स्टे॰ से॰ के ग्रेड 'क') के पद पर उनकी निध्<sup>ती</sup> किंदी प्राधार पर हैं और इससे इन्हें कें कि से॰ स्टे॰ से॰ के ग्रेड 'क' में विलयन का श्रयवा उक्त ग्रेड में विरिष्टता का कोई हक नहीं मिलेगा। इनकी निध्वित कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के श्रनुसोदन के श्रध्यधीन है।

सं० ए० 32014/1/85 (2) प्रांति—I—संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में के० स० टें० से० के वैयिक्तक सहायक श्री रामेश्वर दास को रार्ध्रपित द्वारा 2-7-85 से 30-9-85 तक की श्रवधि  $^{6}$  लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो,  $\sqrt{1}$  संवर्ग में वरिष्ठ वैयिक्तक सहायक (के० स० स्टें० से०  $^{6}$  श्रेंड ख) के पद पर तक्थं श्राधार पर सहर्ष नियुक्त क्या जाता है।

श्री रामेश्वर दास श्रवनः कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (कें स॰ स्टे सें के ग्रेड "ख") के पद पर उनकी नियुक्ति नदर्थ शाधार पर है और इससे इन्हें कें स॰ स्टे से २ ग्रंड ख में विलयन श्रथवा उक्त ग्रेड में विरिष्ठता कर है हक नहीं मिलेगा। इनकी नियुक्ति कार्मिक एवं दिन्ते भाषा के श्रनुमोदन के श्रध्यधीन है।

## दिनांक 7 ग्रगस्त 1985

सं० 32013/2/85-प्रशा० I—राष्ट्रपति के० स० से० के निम्नलिखित स्थायी ग्रेड 1 ग्रधिकारी जिनको वर्ष 1984 की चयन सूची में चयन ग्रेड के लिये सम्मिलित कर लिया गया था, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में प्रत्येक के सामने यथानिर्दिश्ट तीन मास की श्रवधि के लिये अथवा श्रागमी श्रादेशों तक जो भी पहले, को उप सचिव के पद पर तदर्थ श्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रम नाम सं०	चयन सूची में क्रम सं०	. भ्रवधि
1 श्री किशन सिंह	13	1-6-85 से 31-8-85
2. श्री जीत सिंह	19	तक । 1-7-85 से 30-9-85 तक ।

एम० पी० जैन भ्रवर सचिव (प्रशासन) संव लोक सेवा श्रायोग

# कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 22 भ्रगस्त 1985

मं० 3/31/85-प्रणा० 5-राष्ट्रपति, श्री प्राप्त० के० भाटिया, भा० पु० सेवा (उ० प्र०-1974) को 'दिनांक एक प्रगस्त, 1985 पूर्वाह्म सं, श्रगले श्रादेश होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में प्रति-नियुक्ति के श्राधार पर पुलिस श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 23 ग्रगस्त 1985

सं० 3/29/85-प्रणा० 5--राष्ट्रपति, श्री डी० एन० एस० श्रीवास्तव, भा० पु० सेवा (श्रसम एवं मेवालय-1964), को दिनांक 24 जुलाई 1985 (पूर्वाह्म). से, श्रगले श्रादेण होने तक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, प्रतिनिधुनित के श्राधार पर, पुलिस उप-महानिरीक्षण के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 3/30/85-प्रशा० 5-राष्ट्रपति, श्री ग्रार० एन० रिव, भा० पु० सेथा (केरल-1976) को, दिनांक 29 जुलाई, 1985 पूर्वाह्न से, ग्रगले ग्रादेश होने तक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर, पुलिस ग्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> शार० एस० नागपाल प्रशासन मधिकारी (स्था०) केन्द्रीय मन्वेषण ब्यूरी

## कर्मचारी चयन आयोग

नई दिल्ली-110003, दिनांक 20 घगरत 85

सं० ए-19014/1/84-प्रणा०--राष्ट्रपति जी, गृष्ठ मंत्रालय के सर्वा में केन्द्रीय सिवालय सेवा के स्थायी धनुभाग श्रिष्ठकारो श्री डी० एस० सम्मी को कर्मचारी चयम श्रायोग के कार्यालः में दिनांक 16-11-84 से 27-12-84 तक 42 दिन की श्रवधि के लिए तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न श्रवर सचिव तथा दिनांक 28-12-84 से श्रगले श्रादेश तक स्थानापन्न श्रवर सचिव (केन्द्रीय सचिवालय सेवा का ग्रेड-1) नियुक्त करते हैं।

नरेश कपूर श्रवर सचिव (प्रशा०)

गृह मन्नालय महानिदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 19 ग्रगस्त 1985

सं० ओ० दो० 91373-स्थापना—-डा० शेख हमीद उस्लाह, जी डी भ्रो ग्रेड-II 62वीं० बट० के० रि० पु० वल की सेवार्य विवेश मंत्रालय (हज सेल) को प्रनितिमुक्ति के श्राधार पर विनांक 8-8-1985 (श्रप०) से निवर्तन की जाती हैं।

## दिनांक 20 ग्रगस्त 1985

सं ग्रो वो 1513/80-स्थापना--श्री करनेल सिंह ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप पुलिस उप-अधीक्षक 71 बाहिनी, कें रि० पु० बल के पद का कार्य भार दिनांक 31~7~1985 (ग्रपराह्म) को त्याग दिया।

सं० ग्रो० दो० 1774/83-स्थापन-महानिदेशक, के रि॰ पु॰ बल ने डा॰ एस॰ के॰ परिमल को दिनांक 27-7-85 (पूर्वाह्म) से कै० रि० पु० बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रधि-कारी के पद पर केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमिल नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्प नियुक्त किया है।

सं अो वो वो 1942/85-स्थापना-महानिदेशक, के व रि० पु० बल ने डा० (श्रीमती) जी० रतना कुमारी को दिनौक 15-7-85 पूर्वाह्म से के० रि० पु० बल में कनिष्ठ चिकित्सा मधिकारी के पद पर केवल 3 माह भ्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तथर्थ रूप से सहवं नियुक्त किया है।

## दिनांक 21 श्रगस्त 1985

सं० ग्रो० दो० 2003/85-स्थापना--महानिदेशक, के० रि० पु० बल ने डाक्टर मन्जार ग्रफाक को दिनांक 28-7-85 (पूर्वाह्न) से के० रि० पु० बल में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधि-कारी के पद पर केवल 3 माह के लिए ग्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीय तक तद्यं रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

#### नां 22गरस 1985

सं० डी० एक०-26/85-स्था० 1--श्री ए० गृहा राय, सहायक निदेशक (परिचालन), महानिदेशालय, के० रि० पु० बल को सेवाएं दिनांक 7-8-85 (पूर्वाह्न) से भारत सरकार, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली को, मुख्य सुरक्षा प्रधिकारी के पद पर नियुक्ति होने से, डेपुटेशन प्राधार पर सौंपी जासी हैं।

> अशोक राज महीपति सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय, केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 श्रगस्त 1985

ई-32015(4)/16/84-कार्मिक 1--राष्ट्रपति, भी एस० एस० सिंह, सहायक कवांडेंट (तदर्थ) के० ग्रां० स्० ब० युनिट, बी० एस० एल०, बोकारो को उनके निरीक्षण (कार्यपालक) के मूल रैंक पर 29 जुलाई, 1985 के अपराह्म से पदावनत करते हैं।

सं **६-32015(4)/51/85-का**र्मिक I--राष्ट्रपति, श्री बाई० एन० शर्मा को, प्रोप्तति पर, 7 श्रगस्त, 1985

के पूर्वाह्न में कें० ग्री० मू० ब० युनिट, श्राई० पी० सी० एल० बड़ाँदा में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

> ह० भ्रपठनीय महानिदेशक, के०भ्रौसुब

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

श्रम विभाग

(धम ब्यूरा)

शिमला-171004 दिनांक 9 सितम्बर 1985

संख्या 23/3/85-सी.पी.आई. -- जुलाई, 1985 में औ-द्योगिक श्रोमकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मृल्य स्चकांक (आधार वर्ष 1960-100) जून, 1985 के स्तर 606 से नौ अंक बढ़ कर 615 (छ: सी पन्द्रह) रहा। जुलाई, 1985 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949-100) पर परिवर्तित किए जानं पर 747 (सात सौ सैंतालीम) आहा है।

> जिसेन्द्र नाथ शर्मा निदाशक श्रम ब्योरा

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग) नई दिल्ली-110002, दिनाँक 26 ग्रगस्त 85

सं प्रभाग-1/का ग्रां संख्या-229-- इस कार्यालय के स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी (स्थायी प्रनुभाग म्रधिकारी) श्री जय गोपाल दास पूरी का विनांक 13-8-1985 को बेहावसान हो गया है श्रीर इस कारण से उनका नाम इस कार्यालय के नामावली में से दिनाँक 14-8-1985 से निकाल दिया गया है।

श्री पुरी की जन्मतिथि 1-4-1928 है तथा वे सरकारी सेवा में 16-5-1949 को भर्सी हुए थे।

सं प्रशासन 1/कार्यालय आदेश सं 230-निवेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1 इस कार्यालय के श्री इन्द्र सिंह राह्मा स्थायी अनुभाग अधिकारी अब सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी को स्थानापन्न लेखा परीक्षा प्रधिकारी के वेतन कम 840-1200 रु० में 21-8-85 पूर्वाह्म से श्रागले श्रादेश श्रामे तक नियुक्त करते हैं।

> **ह**० ग्रपठनीय उपनिदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा)-1, बिहार गंची-2, दिनाँवा 14 भ्रगस्त 1985

ज्ञापन सं प्र०-प्रो०-1251--महालेखाकार (लेखा)-1, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग-अधि- कारी श्री रथीन्द्र नाथ मुखर्जी को दिनॉक 30-7-85 के पूर्वाह्म से श्रगला श्रादेश होने तक स्थानापन्न लेखा श्रधि-कारी के पद पर रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 वेसनमान में सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

ज्ञापन सं० प्र०-प्रो०-1268--महालेखाकार-(लेखा)-1, बिहार, राँची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री कल्याण कुमार राय को दिनाँक 30-7-85 के पूर्वाल्ल से भ्रगला श्रादेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 वेतनमान में सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

पी० सेन गुप्ता वरीय उप-महालेखाकार (प्रगा०) बिहार

# कार्यालय महालेखाकार (जि०प०) 1 कर्ताटक बंगलौर, दिनाँक 8 श्रगस्त 1985

सं० म० ले० (ले० प०) 1/प्रशासन 1/ए-1/85-86/317--महालेखाकार (ले० प०) 1, श्री के० पी० माधव राव, सहायक लेखापरीक्षा श्रिधकारी को लेखापरीक्षा श्रिधकारी के रूप में रू० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 वेतनमान में केवल श्रस्थायी क्षमता में उनके वरिष्ठों को बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले श्रागामी श्रादेश तक उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनौंक से सहर्ष पदीन्नति करते हैं।

लेखा गरीक्षा श्रधिकारी के एन में पदोन्नति होने के फलस्वरूप, स्वामी संकलन (नवाँ संस्करण) के एफ० श्रार० 22 सी के नीचे दिए गए भारत सरकार के निर्णय (15) भा० स० ग० मं० कामिक श्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग के ज्ञ० सं० एफ० 7/1/80/स्था० पी० ए० दिनाँक 26 सितम्बर, 1981 के श्रनुसार उन्हें उच्च वेतनमान में वेतन नियत करने के लिय पदोन्नति होने के दिनाँक से एक महीने के श्रंदर विकल्प प्रकट करना होगा।

हं० ग्रपठनीय उप महालेखाकार (प्रशा०)

महालेखाकार (ले० व०ह०) का कार्यालय, केरल तिरुवनन्तपुरम~695039, दिनौक 21 श्रगस्त 85

सं० स्थापना/प्र/5/9-86/खण्ड 2/34--श्री एस० नागेन्द्रन नायर, श्रनुभाग श्रधिकारी को 31-7-1985 पूर्वाह्म से श्राने श्रादेशों तक लेखा श्रधिकारी के पद में स्थानापन्न होने के लिये नियुक्त करने को महालेखाकार (ले० व० ह०) संतुष्ट हुए हैं।

यह नियुक्ति सिविल विविध अर्जी सं० भ्रो० पी० 750/ 84-के-में 1749/84के-पर केरल के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जो भ्रादेश जारी किया जाए, उनके भ्रध्यधीन भ्राने ग्रादेश तक अस्थायी है।

> एस० बी० पिरुलै वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा) म० प्र० भ्वालियर, दिनौंक 19 श्रगस्त 1985

क्रमाँक प्रशा० एक/ले० भ्र०/प्रमो०/1056—महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) म० प्र० ने नि० लि० स्थायी अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न लेखा अकिधारी के पद पर वेतन मान ६० 840-40-1000-द० र.० 40-1200 में उनके नाम के श्रागे दर्शायों गये दिनाँक से श्रागामी श्रादेश तक पदीन्नत किया गया है ।

क्रमॉक	नाम	स्थायी कर्मांक	पदोस्रति का दिनाँक
2. श्री	ग्रार० जी० घुसे	02/334	17-7-85 पूर्वाह्म
	पी० एन० जैन	02/346	1-8-85 ग्रपराह्म
	किशोर कुमार	02/441	2885 पूर्वाह्म

प्राधिकार-महालेखाकार (त्रेखा एवं ह्कदारी) के भ्रादेश दिनाँक 16-7-1985 एवं 1-8-85)।

> ह० श्रपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा)

महालेखाकार का कार्यालय, उत्तर प्रदेश (ले० प्री) इलाहाबाद, दिनांक 19 ग्रगस्त 85

मं० ए० ग्रो० (ने० प्रो०/1/प्रशा०/13-7/1074--निम्नलिखित स्थायी लेखा परीक्षा ग्रधिकारी निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर 31 जुकाई 1985 (ग्र० प०) को सेवा निवृत्त हो गये हैं।

- श्री मुरेन्द नाथ कार्यालय महाालेखाकार (ले० प०)
   उ० प्र०; इलाहाबाद
- श्री एस० ग्रार० ग्रार० गर्मा, कार्यालय महालेखाकार (ले० प०) 1, उत्तर प्रडेग, इलाहाबाद
- 3 श्रो प्रेम सिंह, कार्यालय महालेखाकार (ले० प०) 2, उ० प्र०, इलाहाबाद

बी० के० चड़ोपाध्याय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

डो० जो० ग्रो० एफ० मुख्यालय, सिविल सेवा ग्राय्ध निर्माणी बोर्ड

विषय: सेवा निवृति

सं० 85/ए/ई-1 (एन० जी०)--वार्धक्य निवृति ग्रायु प्राप्त कर श्री गोसाई लाल घोष दस्तिदार स्थानापन्न महायक स्टाफ प्रधिकारी (मी० एवं स्थाई उच्च० श्रे० लि०) दिनाँक 31-7-85 (प्रपराह्म) में सेवा निवृतः हए।

02. श्री घोष दस्तिदार को उसी दिन से पेंगन स्थापना में स्थानान्तरित किया जाता है।

# इस्पात, खान ग्रीर कोयला मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकना-700016, दिनाँक 15 जुलाई 1985

सं० 7201 बी०, ए-32013 (एस० फ्रो०)/84/19 ए--भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण के भंडार प्रधीक्षक (तकनीकी), प्रवरण कोटि, श्री एस० के० सिन्हा राय को भंडार ग्रधिकारी के रूप में, उसी विभाग में, नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ए० के वेतनमान में, प्रस्थायी क्षमतायी में, ग्रागामी प्रादेश होने तक 27-5-85 के पूर्वाह्न से पदोन्नात पर नियुक्त कर रहेई।

श्रमित निदेशक (कार्सिक) भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो
नागपुर, दिनाँक 19 ग्रगस्त 1985
सं० ए-19912/143/81-स्था० ए०--विभागीय
पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एस० राममृति,

सहायक मंपादक (तदर्थ भाधार पर) को भारतीय खान ब्यूरो में दिनाँक 2 ग्रापस्त, 1985 के श्रपराह्म से नियमित रूप से सहायक संपादक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन श्रिधकारी कृते महानियंत्रक

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग महामर्वेक्षक का कार्यालय देहरावून, दिनांक 19 प्रगस्त 1985

सं० सो-6241/579-ए--निम्निलिखित प्रधि-कारी, महायक भण्डार प्रधिकारी (मा० सि० सेवा) प्रुप "बी" पद) के। पद पर येप्रत्क के नाम सामने दी गई तारीख से मूल रूप में नियुक्त किए जाते हैं:--

- 1. श्री के० रामास्वामी (ग्रानु० जनजाति) 27-1-82
- 2. श्री बी० ग्रार० भटनागर 8-4-83
- 3. श्री विश्वम्बर सिंह (ग्रन्० जाति) 1-8-84
- 4. श्री एल० पी० श्रीवास्तव

25-10-84 जी० सी० ग्रग्रवाल

मेजर जनरल

भारत के महासर्वेक्षक

# श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 मगस्त 1985

सं 17/31/85-एम जार--ादोन्नित के परिणामस्वरूप निम्निलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों ने विभिन्न श्राकाणाणा एवं दूरदर्शन केन्द्रों/कार्यालयों पर प्रत्येक के नाम के आगे लिखो तारीख से अगले आदेशों तक श्रस्थायी पद क्षमता में सहायक अभियंता के पद का कार्यभार संभाल लिया है:---

कम सं०	नाम	केन्द्र/कार्यालय	कार्यभार ग्रहण करने की तारी ख
1	<u></u>	3	4
सर	र्वश्री	ang adaptat ang ak-adaptat ang atalahan ang ang ang ang ang ang ang ang ang a	منا منا رشق انتقا منند خان منا منا منا منا منا منا منا منا انتقال انتقام انتقال المناسط منند منافل الكفاء منتم
1. স্বা	णीप चौधुरी	श्राकाणवाणी, कलकत्ता	28~6 <b>~8</b> 5 (पूर्वाञ्च)
2. Ųŧ	त पी० मौधुरी	एल०पी०टी०, तेजपुर	20-6-85 (पुत्रिक्त)
3. Ųŧ	न्त्रभो० चक्रवर्ती	मुख्य ग्रभियंता (पूर्वी क्षेत्र),	
·		श्राकाशवाणी, कलकत्ता	31-5-85 (पूर्वाह्म)
4. জ	। वासुदेवन	दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास	21-6-85 (पुर्वाह्म)
	जय कुमार बजाज	भाकाषायाणी, लेह	26-6-85 (पूर्वाक्ष)
	ार० एम० वर्मा	श्राकाशवाणी, नागपुर	28-6-85 (पूर्वाहर)
7. Ų	<ul><li>के० मुन्दरानी</li></ul>	मुख्य अभियंता (आर एंड डी)	18-6-85 (पूर्वाह्न)
8. श्र	ार०के० धर	मुख्य ग्रभियंता (ग्रार एंड डी)	27-6-85 (पूर्वाञ्च)
9. बी	oकेo सरमाह	भाकाशवाणी, गौहादी	4-6-85 (पुनीत)
10. U	म०बी० कुलकर्णी	टो०वो०प्रार०सी०, ग्रहमदनगर	5-6-85 (पूर्वाह्म)
11. स	वियासची वैष्य	दूरवर्णन केन्द्र, गौहाटी	5-6-85 (पूर्वाञ्च)
12. E	। । अके० चौधुरी	दुरदर्शन केन्द्र, गौहाटी	5-6-85 (पुर्वाह्म)
	म <b>ु</b> भाई० खान	श्राकाशवाणी, रायपुर	2-7-85 (पूर्वाह्म)

कलकता, दिनाँक 16 अगस्त 1985

सं० 8/85/ए/ई-I (एन० जी०)--डी० जी० ग्रो० एफ० महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को वर्तमान रिक्तियों में वरिष्टता पर बिना प्रभाव के प्रत्येक नामों के सामने दर्शाई गई तारीख से पदों पर पढोन्नत करते है।

- 1. श्री सूर्यदेव नारायण सहायक स्टाफ दिनाँक 31-7-85 सिन्हा, श्रफसर (तदर्थ) (पूर्वाह्म) मे श्रागामी स्थानापस सहायक श्रादेश होने तक
- 2. श्री हरीप्रसम्भ नक्रवर्ती, —वही— --वही— स्थानापन्न सहायक
- श्री सुशील कृमार ---वही--- चन्द
   सन्द
   स्थानापन्न सहायक
- उन्त पदोष्ठतियों में माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल को गई अयोल के परिणानानुनार पाला किया जाएगा।
- 3 उपरोक्त अधिकारीयों ने दिनाँक 31-7-85 (अपराह्म) से ए० एस० भ्रो० के रूप में उच्च पद का कायभार ग्रहण कर लिया है।

एस० दास ग्'ता निदेशक/प्रशासन कृते महानिदेशक, ग्रायुध निर्माणियाँ

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, ग्रायात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनौंक 14 ग्रगस्त 1985 श्रायात ग्रीर निर्यात व्यापार नियंत्रण

### (स्थापना)

स० 1/22/83-प्रशासन (राज०)/136--राष्ट्रपति, श्री के० बी० इरनीराया, भारतीय प्रशासनिक सेवा (कर्नाटक: 66) को 7 अगस्त, 1985 के पूर्वाह्म से अगले श्रादेश होने तक, मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, नर्झ दिल्ली में अपर मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

राजीव लीचन मिश्रा मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं नियति

नई दिल्ली, दिनौंक 12 ग्रगस्त 1985

सं० 6/1398/82-प्रशासन (राज०)--इस कार्यालय के श्री ग्रार० एल० मालिक, नियंतक, ग्रायान तथा निर्यात सेवा-निवृत्ति को ग्रायु प्राप्त कर नेने पर 31 जुलाई, 1985 के भ्रपराह्न से सरकारी सेवा से सेंवा निवृत्त हो गए हैं।

शंकर चन्द

उप मुख्य नियंत्रक, स्रायात एवं नियति कृते मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं नियति

उछोग मंत्रालय

श्रीचोगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनाँक 21 श्रगस्त 1985

सं० 12 (484)/65-प्रशा० (राज०)--कामनवेल्थ सिनवालय, लन्दन, श्रौद्योगिक विकास संगठन, केन्द्रीय पादुका प्रशिक्षण केन्द्र के अधीन बाहासास में परामर्श्रदाता के रूप में बाह्य सेवा (फारेन असाइनमेंट) पर चले जाने के फलस्वरूप श्री कमल कपूर ने दिनौंक 5 मई, 1985 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (ल० उ०) का कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (आधोगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण) के पद का कार्याभर छोड़ दिया।

सं० ए० 19018 (769)/84-प्रका० (राज०)-राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, तिचूर के लघु उद्योग
संवर्धन ग्रधिकारी (ग्राधिक भ्रन्वेषण) श्रो भ्रार० प्रसन्ना
चन्द्रन को, दिनांक 10-6-1985 (पूर्वाह्म) से अगले
भादेणों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गुलबार्गा में सह।यक
निदेशक, भ्रेड-- (श्रौद्योगिक प्रवन्ध प्रशिक्षण) के पद पर
नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशसान अनुभाग-)

नई दिल्ली, दिनाँक 12 ग्रगस्त 1985

सं० ए-1/1 (1153)--इस महानिदेशालय के स्थायी किनष्ठ प्रगति ग्रिधिकारी ग्रीर पूर्ति निदेशक (यस्त्र), बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक, निदेशक (ग्रेड-II) श्री ई० एल० श्रीनिवासन दिनाँक 31-7-1985 के श्रेगराह्म से सेवा निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर सरकारी मेवा से निवृत्त हो गए।

> राजबीर सिह उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

1 2	3	4
14. श्री सी०डी० गाह	दूरदर्शन केन्द्र, बम्बई	30-5-85 (पूर्वाङ्क्ष)
15. श्रीमती गीता लोलगे	दूरदर्शन केन्द्र, बम्बई	6-6-85 (पूर्वाह्न)
सर्थं श्री		
16. एस० बी० देगपांडे	दूरदर्शन केन्द्र, बम्बई	6⊶6-85 (पूर्वाह्न)
17. श्रशोक कुमार गोयल	म्राकाशवाणी, कोहिमा	28-6-85 (पूर्वाह्न)
18. एस०के० चटर्जी	<b>अ</b> ।काषावाणी, रां <b>ण</b> ी	27-6-85 (पूर्वीह्म)
19. पी०डी० हिन्गानकर	मुख्य <b>प्र</b> भियंता (पश्चिम क्षेत्र)	18-6-85 (पूर्वाह्म)
20. एन० सुन्दरम पिल्लई	दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास	9-7-85 (अपराह्न)
21. एस० जैयराम	मुख्य स्रभियंता (पश्चिमी क्षेत्र)	27-6-85 (पूर्वाह्न)
2.2. टी०एस० त्यागराजन	दूरदर्शन केन्द्र, कटक	6-7-85 (पूर्वाह्न)
23. एन० रामकृष्णन	दूरदर्शन केन्द्र, कटक	6 <b>78</b> 5 (पुर्वाह्न)
24. मी०एस० राधाकृष्णन	दूरदर्शन केन्द्र, कटक	2-7-85 (पूर्वाह्न)
25. एच०एन० प्रधान	दूरवर्णन केन्द्र, कलकत्ता	13-6-85 (पूर्वाह्न)

वी० एस० जैन प्रयासन उपनिवेशक (ई) कृत महानिदेशक

# सूचना श्रौर प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 14 अगस्त 1985

सं० ए-32014/1/83-आर०सी०--विभागीय पदोश्वति सिमिति की संस्तुति पर श्री के० राघव राव को रुपये 650/- प्रतिमाह के बेतन पर रुपये 650-30-740-35-880-द०रो०-40-960 के वेतनमान में दिनांक 31 जुलाई, 1985 के अपराह्म से लेकर अगला आदेश मिलने तक फिस्म प्रभाग, लखनऊ में शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया गया है।

एम० एन० शर्मा प्रशासकीय अधिकारी कृते मुख्य निर्माता

# खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा मंस्था

कानपुर, दिमांक 26 अगस्त 1985

सं० ए-19012/56/85-स्था०/3293---अधोहस्ताक्षरकर्ता श्री पी० खी० खनेजा, जे०एस०ए० ग्रेड-I, रक्षा
मंत्रालय (डी०जी०आई०) कन्ट्रोलर आफ इन्स्पेक्शन (जी०
एस०) को वर्ग "ब" के पद प्रशासन एवं कय भौर विकय
अधिकारी के पद पर ६० 650-30-740-35-810-ई०बी०
35-880-1000-ई०बी०-40-1200 के बेतनमान पर
राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर में दिनांक 14-8-1985
(पूर्वाह्र) से एक वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त
करते हैं।

श्री पी० डी० खनेजा ने प्रशासन एवं कय श्रीर विकय अधिकारी का पद भार उमी निथि को ग्रहण कर लिया है।

> राम कुमार निदेशक

# भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई 400085, विनांक 16 अगस्त 1985

सं० पीए/73(7)/85-आर-4/824— नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र डा० (श्रीमती) मीना प्रमोद खलतकर को निवासी चिकित्सा अधिकारी पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के आयुक्तिनान प्रभाग में अगस्त 1, 1985 (पूर्वाह्म) से तीन वर्ष की अबिध तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पीए/73(7)/85-आर-4/826—ि नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र डा० रोहित रघुनाथ पेंडसे को निवासी चिकित्सा अधिकारी पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में अगस्त 1, 1985 (पूर्वाह्म) से तीम वर्ष की अविध तक अस्थायी रूप में निमुक्त करते हैं।

म० व० गाइगील उप स्थानना अधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंघन सम्मिश्र

हैसराबाद 500762, दिमांक 13 अगस्त 1985

सं० ना ईं म/का प्रभ/0703/1566---नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के प्रशासन के उप मुख्य कार्यपालक जी सहायक लेखाकार श्री मा० भरतन को तदर्थ आधार पर ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में दिनांक 5-8-1985 से 7-9-1985 पर्यंत अथवा आगामी आदेशों पर्यंत, इनमें से जो भी पूर्वघटित हो, तियुक्त करते हैं।

जी० ज़ी० कुलकर्णी प्रबंधक, कार्मिक व प्रणासन

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिमांक 14 अगस्त 1985

सं० ए-32013/5/83-ई०सी०—राष्ट्रपति, नागर विमान्तन विभाग के निम्नलिखित सहायक संचार अधिकारियों को दिनांक 16 जुलाई, 1985 में ग्रौर अन्य आदेश होने तक, नियमित आधार पर संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

नाम	फ़ <b>्सं</b> ० ना <b>म</b>
श्री डी॰पी॰ चौहान	15 श्री साईबल गुप्ता
श्री बी०आर० श्रीनिवासन .	16 श्री ए०के० मुखर्जी
श्री सी०एल० खेड़ा	17. श्री के०एस० गोपालभ
श्री एस०एस० चौधरी	18. श्री एस०एन० दत्ता
श्री जी०एस० बेदी	19. श्री आर०एम० मुखर्जी
श्री के०सी० विश्वास	20. श्री एम०एल० जाला
श्री पी०के० दसा	21. श्री ए०के० दास
श्री एम०एस० पाल	2.2. श्री ए०के० गोस्वामी
श्री पी० रामदौस	23. श्री वाई०बी० भोपटकर
श्री एम०एस० संबदेव	24. श्री एम०एस० नायर
श्री वी० रंगानाथन	25. श्री जे०एस० सन्धु
श्री एस०के० मेम	26 श्री पी०आर० मायर
श्री कें०सी० सेमगुप्ता	27. श्री आर०वी० खरे
श्री पी०एम० मिलिक	28. श्री <b>बी</b> ०एम० करमजय

वी० जयचन्द्रम उपनिदेशक (प्रशासम्)

# नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1985

सं० ए-32014/3/83-ई०एम०—महानिदेशक, नागर विमानन श्री जोजफ गुरंग, भण्डार महायक को दिनांक 20-6-85 से छः मास की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, भण्डार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री गुरंग को नियन्सक, केन्द्रीय रेडियो भण्डार डिपो, नेताजी नगर, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया गया है।

एम० भट्टाचार्जी उपनिदेशक (प्रशासन)

# वत अनुसंधाम संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 19 अगस्त 1985

सं० 16/438/85-स्थापता-I—पंघ लोक गेवा आयोग की सिफारिण पर अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महा-विद्यालय, देहरादून, श्री मुरेण कुमार महाजन की वन अनु-संधान संस्थान एवं मडाविद्यालय, देहरादून, के अर्न्तगतः अनु-संधान अधिकारी (यांविकी) के पद पर दिनांक 6-8-85 की पूर्वाह्म में आगामी आदेण होने तक अस्थायी कुल में सहर्ष नियुक्त करने हैं।

### दिनांक 23 अगस्त 1985

सं० 16/425/84-म्थापना-1--अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डॉ॰ सी॰ बी॰ एस॰ दत्ता का त्याग पत्र 29-4-1985 के अपराह्म में स्तीकृत करते हैं।

> जे० एत० सक्मेता कुल सचिव वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

# समाहर्तालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर, दिंनौंक 22 ग्रगस्त 1985

सं० 7/85—प्रशासनिक श्रिधकारी, के० उ० शु०, समूह "ख" के पद पर पदोन्नत होने पर श्री पी० एल्० चिकाटे, कार्यालय श्रिधकारी के दिनांक 1-8-1985 के पूर्वाह्न में प्रशासनिक श्रिधकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह "ख" के पद पर प्रभाग-I नागपूर में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

मं० 8/85—ममाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नागपूर के श्री जी० एम० दातेराव, प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह "ख" नियर्तन की श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-7-85 के श्रयराह्म में शासकीयं तेवा से निवृत्त हुए।

> स्रार० के० मादिम उप समाहर्ता (कार्मिक मौर स्थापना)

# केन्द्रीय जल और विद्युत श्रनुसंधान गाला पुणे-24, दिनांक 22 श्रगस्त 1985

सं० 608/190/85-प्रणासन—-निर्वतन की श्राय हो जाने के कारण श्री भास्कर गणेश पटवर्धन, प्रणासन श्रधिकारी, केन्द्रीय जल और विश्वत श्रनुसंधान शाला, दिनोक 31-7-1985 के श्रपराह्म में केन्द्र सरकार की सेवांसे निवृत्त हो गये।

टी० पी० यजन सहायक श्रनुसंधान श्रक्षिकारी प्रभारी प्रणासन कृते निदेशक निय्वनंतप् म, धायकर धायुक्त का कार्यालय

# तिरुवनंतपुरम-1, दिनांक 8 जुलाई 1985

सी० सं० 125(1)/प्रशा०/85-86—ग्रायकर ग्रिजिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 125 के की उपारा (1) द्वारा प्रदत्त शिवतयों तथा इस निमित उक्त प्रिधिनियम के ग्रिधीन प्राप्त भ्रन्य शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तिस्वनंत्रम श्रीयकर श्रीयुक्त एतद्द्वारा निदेश करता है कि निम्तलिखित श्रनुसूची के कोलम 2 में उल्लिखित श्रीयकर श्रीक कालम 2 में उल्लिखित श्रीयकर श्रीक कालम 3 में उल्लिखित श्रीय सभी प्रकार्य, श्रनु ची के कोलम 3 में उल्लिखित निरीक्षी सहायक श्रीयुक्तों में निहित होंगी श्रथवा उनके द्वारा समातीं ढंग से संमाल किए जाएंगे:—

## **ग्रन्**र्ची

- प्रायकर श्रिवक री, निरीक्षी सङ्ख्यक श्रायकर ए-वार्ड, तिरुवनंतपुरम श्रायुक्त, तिरुवनंतपुरम रेंज, तिरुवनंतपुरम
  - (ख) भ्रायकर भ्रश्चिकारी, बी-बार्ड, तिस्वनंतपुरम
  - (ग) श्रायकर श्रविक री, सी-वार्ड, तिस्वनंतपुरम
  - (घ) भ्रायकर भ्रतिकारी, डी-वार्ड, तिरुवनंतपुरम
  - (क) ग्रायकर ग्राजिक री, ए-वार्ड, सापरी सकित, तिरुवनंतपुरम —-तदैव---
  - (ख) ग्रायकर ग्रजिकारी, बी-वार्ड, सालरी सर्किल, तिरुवनंतपुरम,
- III (क) ग्रायकर ग्रधिकारी, ए-वार्ड, कोल्लम
  - (ख) श्रायकर श्रविक.री, बी-वार्ड, कोल्लम — सदैव-
  - (ग) भायकर भ्रधिक री, सी-वार्ड, कोल्लम
  - (ध) भ्रायकर भ्रधिकारी, जी-वार्ड, कोल्लम
- (क) झारकर भ्रविकःरी, ए बार्ड, तिस्वल्ला
  - (ख) झायकर झिंबक री, बी-वार्ड, तिरुवल्ला

I		2	3	
V	( <b>क</b> )	श्रायकर श्रजिक री, ए-बार्ड, श्रोतण्कुग		•
	(ख)	ग्रायकर श्रकितारी, बी-वार्ड, ग्रालफुरा	त <i>ईव</i> -	
	(ग)	श्रायकर श्रप्रिकारी, सी-त्रार्ड ,ग्रालप्पुषा		
Λī	(क)	श्रायकर श्रधिकारी, ए-वार्ड, कोट्टयम		
	(জ)	भ्रायकर ग्रायकारी, बी-त्रार्ड, कोट्टयम		
	(ग)	म्रायकर म्रजिक री, मी-बार्ड, कोट्टयम		
	(ঘ)	म्रायकर म्रजिक री, डी-बार्ड, कोट्टरम		
	(ङ)	ग्रायकर श्रमिक री, ई-वार्ड, को <sub>टै</sub> यम	— <b>–</b> त <b>रैव</b> ~⊷	

2 यह श्रादेण दिनांक 15-7-1985 से लागू होगा।

सी० सं० 125(1)/प्रणा०/85-86—धनकर श्रिशित्यम, 1957(1957 का 27) की धारा 8 क क द्वारा प्रवत्त शिक्तयों तथा इस िमा उन्त श्रिशित्यम के श्रधीत प्राप्त श्रुवत्यां तथा इस िमा उन्त श्रिशित्यम के श्रधीत प्राप्त श्रुवत्य शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तिस्वनंतपुरम धनकर श्रायुक्त एतद्शारा निदेश करता है कि ति नितिश्चित श्रुपुची के कोलम 2 में उल्लिशित श्रायुक्त श्रिशित समस्त शिक्तियां श्रथवा उन्हें सींपे सभी प्रकार्य, श्रुपुची के कोलम 3 में उल्लिशित निरीक्षी सहायक श्रायुक्तों में निहित होगी श्रथवा उनके द्वारा समन्ती हंग में मंभाल किए जाएगे:—

## ग्रनुसूची

	<i>અનુ</i> લુવા	
कम् सं∘	धनकर श्र <sub>िक</sub> ्री का पदन म	निरोक्षी सहायक श्रायुक्त क.प.न.म
1	2	3
	<del>-</del>	निरीक्षी सहायक धनकर द्यायुक्त, तिरुवनतपुरम रेंज, तिरुवनतपुरम
(ग)	) धनकर श्रविकारी, सी∹वार्ड, तिस्वनंतपुरम	
(ম	) धनकर भ्रधिकारी, बी-वार्ड, तिरुवनंतपुरम	

3 1 🖁 II (क) धनकर ग्रवि री, ए-वार्ड, सागरी सिकिल, -तदैव∽--तिरुवनंतपुः म (ख) धनकर म्राजिक री, बी-वार्ड, सागरी सर्किल, तिरुवनंतपुः म III (क) धनकर ग्राजारी, ए-बार्ड, कोल्स (ख) धनकर प्रजिप्त री, बी-वार्ड, कोल्लम (ग) धनकर प्रिया री, ---तदेव∽ सी-वार्ड, कोल्लम (ष) धनकर अग्रिटारी, डी-बार्ड, कोल्लम IV (क) धनकर प्रशिकारी, ए-वार्ड, तिरुवल्ला —त**दैव**— (ख) धनकर भ्राजिकारी, बी-वार्ड, तिरुवल्ला V (क) धनकर श्रधिकारी, ए-वार्ड मालप्पुषा (ख) धनकर प्रधिकारी बः-वार्ड, धाः∵फ्या (ग) धनकर अधि । रिः, सः-वार्ड, आल्प्फुप VI (क) धनकर अधिकारो, एत्वार्ड, को यम (ख) धनकर मधिकारी, र्बा-वार्ड, कोट्टयम (ग) धनकर अधिकारी, सो-वार्ड, कोट्यम (घ) धन हर स्रिधारी, डा-वार्ड, कोट्ट्यम (क) धनकर मधिकारो, ई-वार्ड, कोट्टयम --हःदेव--

7. यह म्रावेभ िर्नों रु 15-7-1985 से लागू होगा। सी०सं० 125(1)/अमा०/85-36--दान रुर म्रधित्यम, 1958(1958 का 18) की धारा 7कक द्वारा प्रदत्त किंदों तथा इ.उ तिचित उत्तः म्रधितियम के म्रधःन प्राप्त मृन्य भिन्तियों का प्रयोग करते हुए जिन्ननं पुरम दान कर मायुक्त ए द्वारा िदेश करता हैं कि निमानिविध अनुसूची के कोलम 2 में उल्लिबित भाग कर मींच ियों में निहित समस्त पनियां अथवा उन्हें सौंपे सभी प्रकार्य, अनुसूची के कोतम 3 में उल्लिबित निरोक्षो सहायक भायुक्तों में निहित होंगी अथवा उनके द्वारा समवर्ती ढंग से संभाल किए जाएगें :—

## **मन्**सूची

कम सं० दान हर अधि ारो का तदााम निरोक्षी सहाय ह स्नायुक्त का पदाम

1 2 3

 I (क) दात कर अधि जरो निरीक्षी सहाय क दानकर
ए-वार्ड, आयुक्त, तिरुवनं पुरम रेंज,
 तिरुवनंप्रम निरुवनं पुरम

(ख) दान कर मधि जारी, बी-पाई, तिक्वन पुरम

- (ग) दानकर प्रधिकारी, सी-वार्ड, तिरुवनंतपुरम — तवव-
- (ष) धानकर अधि ारी, डा-वार्ड, तिरुवनःपुरम
- II (क) द नकर अधि ारी, ए-वार्ड, साजरो सर्िल, सिरुवनंतपुरम ---तदैव---
  - (ख) दानकर श्रिष्ठि गरी, बो-वार्ड, सालरी सक्ति, तिरुवनंतपूरम
- III (क) दानकर श्रधि तरी, ए-वार्ड, कोल्लम
  - (ख) दान कर प्रधि तरी, बा-वार्ड, कोल्लम ——सदैव——
  - (ग) दातकर श्रक्षि गरी, सा-वार्ड, कोल्लम
  - (व) दानकर मधि गरी, डा-वार्ड, कोल्लम
  - (क) दान कर मिस्र गरी, ए-वार्ड, तिरुवस्ला — तर्देव—
  - (ख) दानकर प्रक्षि गरी, बो-वार्ड, तिरुवल्ला
- V (क) ६ तकर प्रधि तरी, ए-वार्ड, प्रालप्सूथा ---तर्दव--

मार्ग [[]श्राणक्षः 1]	मारन का राजपत्र, सित	म्बर 14, 1985 (भा <b>र</b> पद 23, 1907) 310
1 2	3	(ग) दान हर श्रिधा ारी, स⊹वार्ड, कोट्टयम
(ख) दानकर म्रधि ारी, बं:-वार्ड, श्रालप्कुग		(घ) दातकर श्रधि ारी, सः-वार्ड, कोह्यम —-तदैव
(ग) दाकर मधि जरी, सः-वार्ड, मालप्फुषा	तदैंद	(ङ) दान रुर मधि ारी, ई-वार्ड, कोट्टयम
VI (क) दानकर ग्रधिारी, ए-वार्ड, कोट्टयम		2 रह प्रादेश दिनांक 15-7-1985 से लागू होग
(ख) दान घर प्रवि गरी, बी-गाई, कोटुरम		एम० गे० मार तिरुगनं त्यु सम्प्राय <i>ा</i> र <b>श्राय</b> ु

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, एरणाकुलम

एर्णाक्लभ, दिनॉक 5 प्रगस्त 1985

ितदेश सं० एल० सी० 7.64/85~86——ग्रद: मुझे श्री० रिवबालन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमर्में इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/-रुपय मं अधिक है

और जिनकी सं श्रमुक्षी के श्रमुवार है तथा जो कालीकट एड्र में स्थित है (प्रोर इन्ते उत्तबद श्रमुवो में भौर पूर्ण रूप से विज्ञ है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालिकट में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षितयम 1908 (1908 का 16) के स्रधोन तारोख 19-12-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित बाग्नाक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दान के अध्ययक के दाजित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए, मोर/या
- (स) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) केरला केंडिट कारपे।रेशन, कालीकट। (श्रन्तरक)
- (2) ए० करनि करन भ्रौर ए० माधवी, बीच रोड, कालिकट।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्पाना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्यों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (खं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकतेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### वंग संची

तारीख 19-12-1984 उपरिजम्ट्री कार्यालय कालिकट के दस्तावेज सं० 1112 में संलग्न ग्रनुसूची के श्रनुतार कालिकट गहर सर्वे सं० 603, 600, 606, 602 में 63 सेंट भूमि के साथ दो गोटैणा और तीन श्रोर दीवार।

> बी० रविद्यालन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुसम

दिनाँक : 5-8-1985

योद्द 🚜

प्रारुप वाई. टी. एन. एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक बायकर बायका (निरीक्षण)

**ग्र**र्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनाँक 5 भ्रगस्त 1985

निदेश सं० एल० सी० 765/85-86--म्रतः मुझे वि० रिवशलन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रोर जिनकी सं० धनुसूची के धनुतार है तथा जो कालिकट शहर में स्थित है (श्रोर दनसे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विजित है) रिजिस्ट्री तो श्रीधकारी के कार्याजय कालिकट शहर रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोन तारोख 12-12-1984

का प्वेंक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथाप्वोंक्त मम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वक्य से उक्त अन्तरण कि जिल्हा में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के 'खए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 की 27) को प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए।

बर्तः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिङ पक्तियों, अर्थात् ;—-

- (1) केरला क्रीडिट कारपोरेशन , कालिकट । (ग्रन्तरक)
- (2) ए० करित करन श्रौर ए० माधिव बोच रोह, कालिकट । (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्बद्धित के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकामन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाग।

स्यव्यक्तिरण:-- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याहै।

## बन्स्की

तारीख 12-12-1984, उपरिजस्ट्री कार्यालय कालिकट के दस्तावेज सं 1098 में संलग्न अनुसूची के अनुगर कालिकट शहर में सर्वे सं टी॰ एउ॰ 19-21-601-11 सेंट भिन के जाय दो गोहैना और तोन श्रोर दोवार।

बी० रिवचालन सक्षम प्राधि हारी सहाय हु आय हर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, एरणा कुलस

दिनौंक: 5-8-1985

## अस्य आर्थ , इर्फ , स्य , एक , -----

आप्ताकर जेपिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक भाषकर बाब्क्ट (मिरीक्रक)

श्वर्जन रेंज, बिहार,पटना पटना ,दिनाँक 6 श्रगस्त 1985

िदेश सं० 111 978/प्रर्शा/85-86-स्रतः मुझे, प्रबोध कुमार द्वे

हार कर माना स्थान सम्मान स्थान स्था

श्रीर जिसकी सं० खाता सं० 1 है तथा जो प्लाट नं० 3423, मौजा धैया, धनवाद में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद श्रनुतूचों में श्रीर पूर्ण का सेविंगत है) रिन्ट्री निश्ची गरी के कार्यालय धनवाद में रिन्स्ट्री हरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख

18-12-1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृन्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्यांक्त सम्पत्ति का अचित वाजार मृन्य, उसक स्रयमान प्रतिफन स एस स्वयसान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तारित्या) क पांच एस बन्तरण के निए त्य पाना वजा प्रतिफल, निम्नोनिषित उद्योग्य से उक्त अन्तरण विश्वह में वास्त्यिक रूप स कथित नहीं किया ववा है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्क विध-नियम के अधीन कर दान के अंतरक के वायित्व में कमी करण या उससे बचन में सुविधा के निष्; बार/अ
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्त आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर आभानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-का आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं अधीर: निय्नीलियन व्यक्तियों, स्थान् :--- (1) श्री महेश्वर प्रताद तिह,
2. श्री विशेश्वर प्रताद तिह,
सुपुत्र श्री राजा राम काली प्रताद िह,
अरिया, धनवाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रभय कुमार हाहावादी ,
2. श्री निर्भय कुमार शाहावादी,
सृपुत्र श्री विश्वनाथ प्रताद शाहावादी,धनवाद
(श्रन्तरक)

को पह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्पन के विसर कारकगहरा करता हो।

खयल सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में 'कोई' भी साक्षेप '---

- (क) इस स्वाम को राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबिंध या तत्त्रस्थान्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स. किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सुकेंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कस्यों और पदों का, जो उक्त ऑफिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया क्या ही।

#### अमुस्पी

1/3रा हिस्ता 3.98 एठड़ भूमि में जित्रमें एक तालाब य प्रमत्तल भूमि पुराने भवन के ताय मौजा धैया, जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूपेण बाजिका सं० 10959 दिनौंक 18-12-1984 में वर्णित है ग्रौर जिज्ञका निबंधन पटाधिकारी, धनबाद के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबीध कुमार दुवे सक्षम प्राधिारी महायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनौंक : 6-8-1985

ीहर 🛭

प्ररूप भाई. टी. एन . एस .-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, दिहार, पटना पटना, दिर्जंक 6 ग्रगस्त 1985

निदेश पं० III-976/ग्रर्जन 85-86---श्रतः मुझे प्रबोध कुमार दुबे

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्णित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिनकी सं खाता सं 0-1 है, प्लाट नं 0 3423, मौता ध्या, तथा जो धनवाद में स्थित है (ग्रीर इससे उणाबद्ध भनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिस्ट्रीकर्ता ग्रिधवारी के कार्यालय धनवाद में रिस्ट्रोकरण शिधनिएम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 18-12-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के प्रदेश है और अंतरित (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित लद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त निगम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-छ को उपधारा (1) को अभन, निम्नेजिक्कित व्यक्तिकारों, अर्थातु:—

- ( 1) श्रं महेस्वर प्रतार हिं, 2. श्रो विशेश्वर प्रताद िंह, लुपुत्र श्रो राजा काली प्रताद िह, सारिया, धतवाद। (उन्तर्क)
- (2) श्री तिर्मल कुमार काहाबादी,
  2. श्री विमल कुमार घाहाबादी,
  मुपुत श्री विश्वताय प्रताद धाहाबादी, धनवाद ।
  (श्रन रिता)

को यह स्च्ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सम्बन्न के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरणः ---इसमे प्रयुक्त रुव्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

1/3राहिस्ता 3.96 एकड़ भूसि में जिनमें एक कालाब ब समाल मूनि बहुत पुराने भवत के तथ मौजा धैया, िला धाराः में स्मित है एमं पूर्ण करेग मीजा खंडला 10958 बिताँ है 18-12-1984 में बिणित है मौर जिल्हा विश्वत जिता भवर निबंधक पदाधिकारा धनवाद के हारा तहन्त हुना है।

> प्रबोध कुमार बुबे सक्षत नावि गरो, सहाय र स्नाय हर स्नायुक्त (निरोजण), स्नावित रोज, त्रिद्वार सटक्य

दिनौंक : 6-8-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज बिहार, पटना पटना, दिनौंक 6 श्रगस्त 1985

मुझे निदेश मं० प्रबोध कुमार दुवे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है"), की 269- ख का अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्याण करने कारण ह<sup>4</sup> कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं। मौर जिसकी सं० खाना मं०-1 है तथा जो प्लाट नं० 3423, मौना धैना, धनबाद में स्थित है और इसे उनायद्व अनुम्बो में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री ति

मिक्ष हारों के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रोकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधोन तारोख 20-12-1984 को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यनान प्रतिफल के लिए अर्त्तारत की गई है और मुक्ते यह विद्यास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितयाँ) के बीच एंसे बतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तविक . रूप संबर्धभत नहीं किया गया है :---

- (थः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस , उक्त अधि -नियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (व) एोसी किसी बाय सन किसी भन या अस्य अवस्तिवाँ कां, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम,, 1957 (1957 का 27) कै प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्क्रियाने में स्विभा के जिए;

अबः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिबित स्पन्तियों, अर्थात् :---

(1) महेरवर प्रताय जिंह, विशेश्वर प्रताद जिंह, सुपुत्र श्रा राजा काला प्रताद तिह, हरिया, धनबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो विश्वनाथ प्रजाद शाहावादी, सुपुत्र श्रो उत्तम घन्द शाद्याबादी, श्रो राजकुमार शाहावादी, स्पुत्र श्रो विश्वनाथ शाहावादी धनवाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के लर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका स्टे 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, आरे भी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी । सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकी।

ल्पब्सीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्चा

1/3राहिस्ता 3.96 एकड़ भूमि में जिप्तमें एक तालाव व समतल भूमि अहुत पुराने भवन के साथ मौजा धैया, जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रुपेग वाशिका संख्या 11012 दिर्तौक 2.0 – 1.2 – '∍ड4 में वर्गित है ग्रीर जिसका निबंधन जिना प्रवर निबधक पदाधिकारी, धनबाट के द्वारा सम्पन्न हुमा है।

> प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निराक्षण) भर्जन रेंज, बिहार पटना

विनोक : 6-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अधीन स्चना

#### नारत तरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तज) · श्रर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनाँक 12 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5830—श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से लिधिक है

मौर जिसकी सं० इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम कर्मांक 44, प्लाट नं० 226 पर बना मकान है तथा जो इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उद्देश व्यवमान प्रतिष्ठन सं, एस व्यवमान प्रावस्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे बंतरण के अप क्ष पाय नाम वा अधिकत, किन्तिसिक उद्देश के क्ष्म बंतरण कि सिवित में बास्तिक स्थ से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) शंतरण सं हाई किसी बाय की बाब्द, उक्त, विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य मां कजी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोणनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,
- नतः भव, उक्त विधिनयम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीतः निम्निल्चित व्यक्तियों, अर्थात् :—
  3—236GI/85

- (1) श्रीमती लक्ष्मी माटा पति श्री नंदलाल माटा, निवासी-145, जयरामपुर कालोनी, इंदीर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गीना पति राजेश वाधवानी.
  2. लता, पति महेश वाधवानी,
  3. उद्धाराम पिता सिरुमालजी वाधवानी,
  निवासी-9, राजमहल कालोनी इंदौर ।
  (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निर्काशियाहियां करता हुं।

वक्त सम्परित को बर्जन के गम्भाग में कोर्ज में आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हैं। अने भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में हैं (ए.) किस्सार होती.
- (स) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के शीलर तथा रणावा समिति की हिस-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के साक किसिन में निका का करोंगे :

रक्का करक: --- इसमें प्रमुक्त शक्यों और पयों का, जो उक्त निक-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं। हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रन्मुओं.

प्लाट नं० 226 पर बना हुआ। प्रकान (इंदीर विकास प्राधि-करण स्कीम नंबर 44) इंदीर में स्थित है। यह वह स्थावर संपति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिनी द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37जी में निहित है।

> एस० में अर्मा सक्षम प्राप्य तारी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, भोपाल

विनौंक : 12-8-1985

मोहरु 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

वार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनौंक 12 प्रगस्त 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन रें ज/ भोपाल-5831 श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

कायकर पिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चास् 'उद्ध अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक ह<sup>\*</sup>

ग्रीर जिसकी सं० भूमि भर्वे नं० 3915 से 3982 है तथा जो उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपबाद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संम्पास के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतियत के लिए अंतरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्सरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तिलिखा उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ष्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृविधा के लिए।

भतः नयः, उक्त निधिनियमः, की धारा 269-ग के सन्सरभ माँ, माँ, उक्त अधिनियम ्त्री धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः, गिम्म्लिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) 1. शिवाजी रात्र पुत्र विजय सिंह राव,
  7. संभाजी राव 3. हनुसंन राव, 4. कु कामिनी,
  5. कु० उषा पुत्र-पुत्रीगण श्री विजय सिंह राव
  6. कु० वीणा 7, मीराबाई, 8. शशीकाला,
  पत्नी श्री विजय सिंह इंगले,
  निवासी देवास रोष्ट्र, उष्जीन ।
  (श्रन्तरक)
- (2) भ्रादर्श विक्रम सहकारी गृह निर्माण संस्था भर्यादित उज्जैन द्वारा श्रध्यक्ष मिट्नलाल, पिता भ्राशाराम वर्मा, श्रादर्श नगर, उज्जैन। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना अपनी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में नमाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अनुसूची**

भूमि सर्वे नं० 3915 में 3982 तक, उज्जैन में स्थित यह वह स्थाबर संपति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नं० 37जी में निहित है!

> एस० सी० णर्मा सक्षम प्राधिकरी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

दिनौक : 12-8-1985

मोहर 🕍

प्ररूप आहु. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, भोवाल भोवाल, दिनांक 12 श्रगस्त, 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० मं/०/ग्रर्जन/भोपाल/5833---यतः, मुझे, एस० मीर० शर्मा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हो

श्रीर जियको संव म्युव महाज नव ई-30, साकेत जगर, इंदौर, तथा जो इंदौर में वियत है (श्रीर इसन उपायद्ध श्रव्भुर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रो हर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजिस्ट्र हरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रदोन, तारीख दिसस्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अध्क अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे कचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री राजेन्द्रलाल पिता ब्रिजलाल उप्पल
 श्रीमती पुष्पा पत्नी श्री राजेन लाल उपल निवासी—-डी-5, सत्यवती कालोनी, श्रशोक विहार, फ़ेस-3, बिल्ली-110052 ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती पुष्पा बेन संधवी पत्नी श्री रामनिय लाल निवासी ---- 38, साकेत नगर, कालोनी, इंदौर । (ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

म्यु० म तान नं० ई-30, साकेत नगर पालीना इदार व स्थित हैं। यह बहु स्थावर समात्ति है जितास पूर्ण विवरण शन्तिरती द्वारा सत्वापित फार्म नम्बर 37-जो में निहित्त हैं।

> एक० माठ असी क्षत जाति रा सहायक स्नायकर स्नायुक्त (किर क्षण) स्रजीत के किरोक्त

त्रं दिखाः । 12-8-1985

प्रारूप आर्ड्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्राजन रेंघ, भोषाल भोपाल, दिनार 12 श्रगस्त 1985 निर्देश मं० श्राई० ए० सें:०/ग्रर्जन/भोपाल 5834--यतः,

मुझे, एस० सं१० अर्माः

**बायकर बाँ**धनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे **इसमें** इबके पक्षात् 'उक्त भाधनियम' कहा गया है), की भारा 269-स वो अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित नाजार मून्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं.

म्यु० महान नं० ई-30, लाकेन नगर, इंदौर है, तथा जो इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदोर म परीवन्द्रा स्वधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख

दिसम्बर, 1984

**की पूर्वोंक्स सम्प**रिस के अभिन्त बाजार मुख्य से **कम के करगान** प्रसिफल के विषय का का पहार्ज और मुक्ते यह विश्वास **करने का** कारण है कि यथापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंस अन्तरण के नि**ए तथ पाया नवा** इतिफल,, निम्नसिंखित उद्देश्य से उनत अन्तरण सिविक में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🖦

- (क) मन्तरण संहुद्दं किसी अाय की बाब**स उक्त म**िन-नियम के बधीन कर दोने के बंदरक के बाबिएक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; श्रीर/या
- (च) एेसी किसी आम या किसी भन या ान्य आहिस्तयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विधित्यम, 1922 (1922 का 11) भा उनत् शृतिस्था, बा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयाजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अल्डा चाहिए चा, कियाने में स्विधा के लिए;

 श्रो राजेन्द्रलाल पिता क्रिजलाल उप्पल 2. श्रामती पुष्पा परनी श्री राजेन्द्रसास उप्पस, निवासी--- 5, सत्यवतो कालोनी, प्रशोक विहार फ़ेस-3, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीरामनीकलाल संधवी पिता श्री नागर दास संधवी निवासी--38, माकेत नगर, कालोनी, इंदौर । (ग्रन्तरितरे)

को बहु सूचना वारी करके पूर्वोंक्स सम्परित को अर्थन के निए। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (कि) इस स्वनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति वुवारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकर्षणः -- इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है.

## अनुसूची

म्यु० म हान नं० ई-30, साकेत नगर, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण शन्तरिती द्वारा सत्यापित पार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्चर्जन रेंज, भोपल

बराह बय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

तारीखः 12-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

> भारत सरकार सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण अर्जन रेज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 श्रगस्त 1985

निर्देश मं० स्नाई० ए० मं:०/अर्जन/भोपाल/5835—-श्रतः, मुझे, एस० मीर० णर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परभात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं भूमि खं नं 303/1 है, तथा जो ग्राम निरंजनपुर तह इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रार्स्स ग्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्राक्षण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूरध्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरध्यान प्रतिफल से, ऐसे दूरध्यान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

- 1. 1. श्री भागीरण पिता श्री दयाराम
  - 2. श्री सवजीराम पिता श्री द्याराम
  - 3. श्री मीताराम पिता श्री दयाराम
  - 4. श्री बद्री पिक्षा मार्वत
  - 5. सालग्राम पिता साथैत
  - 6. श्री नारायण पिता श्री सावंत
  - 7. श्रीमती धामीबाई पत्नी श्री विशन

(ग्रन्तरक)

2. णान्ती नगर सहकारी गृह निर्माण संस्था मर्यादित इंदौर द्वारा ग्रह्मक श्री अनूप कुमार पिता श्री जवाहरलाल जैन

निवासी∼−107, श्रग्रवाल नगर इंदार ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि ख नं 303/1 ग्राम निरंजनपुर, तहसील इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका हं संपूर्ण विवरण भ्रन्तिरती द्वारा त्यापित फार्म नं 37-जी में निहित्त है

एस० सी० **शर्मा** सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निराक्षण) भ्रजन रोज, भोषाल

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 12-3-1985

## प्रस्य बार्ड ही एन एस ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के मधीन स्चना

#### भारत सूर्वाह

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोषाल

भोषाल, दिना इ. 12 श्रागस्त 1985 निर्देश सं० श्राई ए० नः०/श्रजंग/भोषाल 5836—-श्रतः, मक्षे, एस० सी० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्याह 'उक्ष अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी: सं० भू० ख० नं० 290/2 एवं 290/3 है, तथा जो ग्राम निरंजनपुर, तह्० इंदीर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का ने विणित है), रजिल्द्री ति श्रीधिकारी के कार्यालय, इंदीर में रजिन्द्री तरण श्रीधिस्थम 1908 (1908 का 16) के श्रवान, नारीख दिशम्बर 1984

को र्वोंक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य सं कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात स रिक्क हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच एस अंतरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल निम्निसिश्च उव्योध्य से अक्त बंतरण निम्निसिश्च उव्योध्य से अक्त बंतरण निम्निसिश्च उव्योध्य से अक्त बंतरण निम्निसिश्च अंतरित को कार्या है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी माय की बावल, जनत क्रिंपिनियम के अधीन की इसे के बंतरक के द्रियरम में कीमी करने या उसस नजने में सुविधा के लिए; क्रिंप्या
- ्थं एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) स उदत किसिन्यम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सत्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या विजया जना प्रहिए या बियाने में श्रुविशा के लिए;

अतः कवः. अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् 😘

- 1. त. सरदार , त्याण सिंह पिता अर्जुन सिंह,
  - 2. जयवंत सिंह पिता स्व० पूर्ण सिंह,
  - श्री उमराव सिंह
  - 4. बलवन्त निह
  - 5. गोबिन्द सिंह
  - रामकुंबर बाई पत्नी श्रं। पूर्ण सिंह
  - 7. महेन्द्र सिंह
  - 8 प्रताप जिह्
  - कोर्नन सिंह नभी पुत्र विका पूर्ण सिंह निवासी—-ग्राम निरंजनपुर, तह०

(अन्तर ह)

- 2. श्री लक्ष्मी को हा० मो० लि० तरफे ग्रध्यक्ष श्री मनोहर लाल
- निवासिः 20, मार्तण्ड, जाँक इंदौर

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर स्थान की तामीज से 30 दिन की अवधि, आ भी बाधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विज को भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पात सिविस में किये वा सकींगे।

स्थ्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बर्ध बाँड पर्यो का, को उक्त शींश्रीमयम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा

## मन्स्ची

भिम खं ० २ ० 290/2, एवं 290/3, ग्राम निरंजनपुर, तह ० इंदीर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्बत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरितो द्वारा सत्यापित फ़ार्म नस्वर –37-जी मे निहित है।

> ए~्सः० जर्मा सक्षम प्राधि झर्रः सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेज, भोपास्क

तिरि⁄ख: 12-3-1985

प्रकप वार्ड. टी. एन. एस. -----

भाषा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यनय, रहायक आयकर आत्कत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोवाल

भोपाल, दिनांक 12 अगस्त 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5837--असः, मुझे, एस० सी० णर्मा,

269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उधित बाबार जूखा 1,00,000/-क. से अधिक है

स्रोर जिन्ही संबद्धाटनं 9 है, तथा जो गोपालबाग कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रीप इससे उपात्रत अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री हर्ता अधि हारी के कार्यालय इंदौर में रिजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मून्य से कम के रखमान बितफक के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफों यह विश्वास करणें करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बूल्य, उसके इंश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम वाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वत भें नास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के किए; और/वा
- (ण) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उस्त अविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बँ, मँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीत, जिस्तिशिक स्थितियों, अभीत् ध— . 1. श्री अम्बालाल पिता गोवर्धन पुरोहित, निवासी---47, ए प्रेम नगर, इंदौर ।

(अन्तरक)

 आण्नोप गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित 7, सुभाष चोक, इदार अध्यक्ष श्री ग्रोमप्रकाश सोनी पिता नारायणदास सोनी निवासी—7, सुभाष चौक इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बीत के कर्चन के विश् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में आये भी जानेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र ता प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की कमिश्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समिश्र जो जी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इसस्चना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच तिकित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विजा नवा है:

# अनुसूची

प्लाट नं० 9, गोपाल बाग कालोती, इंदौर में स्थित है। यह बड़ स्थावर सम्बत्ति है जिल्ला संपूर्णविवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंप रेंज, भोपाल

तारीख : 12-8-1985

मोहुदु 😀

प्ररूप आई. टी एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1981 (1961 सा 43) की बादा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5838—स्त मुझे, एस० सी० शर्मी

नायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके नक्षात् 'उनते अधिनियम' अहा नवा हैं), की नारा 269-व से अधीन समय प्राधिकारों की यह निश्चाध करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उपित नाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं०भूमि खा० नं० 64 है, तथा जो ग्राम बावड़िया कलां,तह ० हजूर जिला भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनिवम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्विति संस्पत्ति को उचित वाकार मूल्य है और बहु विवयस प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और बहु विवयस करने का कारण है कि बभाप्कॉफ्त डम्पत्ति का उचित वाकार पूच्य, उसके अवसाम प्रतिफल है, एसे अवसान प्रतिकत का प्रमान प्रतिकत्त में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंखरियी (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया क्या प्रतिकत्त, निम्नसिक्त उक्करेक्यों से अवस बन्तरण किकित के वास्तरिक रूप से अधित नहीं किना नक है हि—

- (क) कन्त्रम्भ से हुन्दे किसी बाप की वायस सकत स्वीध-विस्तर से बचीन कर बारे के बन्तरक के सारित्य में सभी कहने या उन्हों क्ष्माने में सुविधा से सिक्; सीन्/बा
- (क) एंती किसी नाम ना किसी भग ना नन्य आस्तियों को, भिन्हों भारतीय नाम-कर अविनियन, 1922 (1972 का 11) ना उन्त प्रधिनियन, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिटी व्यारा प्रकट नहीं किना नेना था ना किना वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा ने निष्ह;

- श्री बिन्दरा चन्द पिता श्री मूलचन्द
   निवासी—-ग्राम बावडिया कलां, तह० हजूर जिला भोपाल।
   (अन्तरक)
- 2. रोहित हाऊर्लिंग कार्पोरेटिव सोमाइटी लिमिटेड, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# कवत सम्बक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में क्रीव्यं भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राधवन में प्रकाशन की वारीय के 45 दिन की अविथ वा तत्संवंधी व्यक्तियों पर स्थान की ताशीस से 30 दिन की अविध, जो भी वनिध बाद में समन्त होती हो, से मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इंड ब्लाग के राजपण में प्रकाशन की तारीस वे 45 दिन के भीतर उक्त स्कायर सम्पत्ति में हिंछ-क्लूब किसी सन्य स्वतित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास सिरीक्त में किए जा सकति।

हमानिकरण:---इसमें प्रवृक्त कर्मा और वर्षों का, यो उक्त सीमीनिकन, के मध्यान 20-क में परिभाषित ही, नहीं सर्म होगा, यो उस अध्यास में दिया यस ही।

## अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 64, ग्राम बावड़िया कलां तह्र॰ हजूर जिला भोपान में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती]द्वारा मत्यापित फार्म नं॰ 37-जी में निहित हैं।

> एस० सी० कर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषास

बड्ड बर्, उन्ह बीपविषय की धारा 269-न के अमृत्ररण में, भें, उन्ह बीचियन की धारा 269-च की उपधारा (।) में जना, निम्नीनियत व्यक्तियों, अधीर हरू

तारीख : 12-8-1985

प्रक्रम कार्च, टी. एन. एस. -----

## जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीत स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल 5839--यतः, मुझे, ए० सी० शर्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

प्रौर जिसकी सं विविद्या एम० एच० नं ० 5/396 है, तथा जो लग्कर, ग्वालियर में स्थित है (प्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्द्रीकर्ता अधियारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया रूप हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर वचने में सामचा के लिए: बीर/बा
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कर. जिन्हें भारतीय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या एकश जाना कालिए था दिवस में मृतिया के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--4---236GI/85

- श्री आनन्दपुर ट्रस्ट स्थित आनन्दपुर जिला गुना की श्रोर से मु० आम महातमा विचार परमानन्दजी महाराज चेलाश्री 108 श्री स्वामी दर्शन पूर्ण आनन्द महाराज निवासी—आनन्दपुर जिला गुना
  - (अन्तरक)
- 2. श्री होलाराम आत्मज श्री लडूमलजी निवासी—फीजदारान मोहल्ला दाना ग्रोली, लश्कर (अन्तरिती)

की प्र**ह सूच**ना जारी करके पृथीकत स्पत्ति के अवित्र की जि**ल्** कार्यवाहियां करसा हुं।

जनस सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमा दक्ष सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

बिल्डिंग, एम० एच० नं० 5/396, केथवाली गली. लएकर, ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्बन्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 डी जी में तिहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-8-1985

प्ररूप आहें. टी. एत. एस.-----

<u> 1000 m. januari 100 m. januari 100</u>

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्जालय , महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5840—श्रतः, मुझे, एस०सी० शर्मा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकं पश्चान 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बंगला नं० 48 है, तथा जो नीमच में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण पम से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. नीमच में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीय, तारीख दिसम्बर, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापर्वोक्त अम्पिटन का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-माल प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से बाधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खं एंसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में श्विभा के लिए;

सतः अव, उसतः अभिनियम की धारा 269-ग के बनसरण मं, में उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—  श्री एस० जे० कान्द्रेक्टर श्री एन० जे० कान्द्रेक्टर श्री पी० जे० कान्द्रेक्टर बंगला न० 48, नीमच

(अन्तरक)

2. श्री गजेन्द्र वर्मा पिता आनन्द स्वरूपजी धर्मा बंगला ने० 48-ए, नीमच

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारात्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हिल्बव्य किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकोंने !

स्पष्टीकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### Sec. of

बंगला नं० 48, नीमच जिला मंदसौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है ।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-8-1985

भक्त बार्ड , दर्री , एन , एस , + · · · · ---

# बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बभीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्चर्जरें... भोपाल

भोपाल, दिनां ह 14 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भाषाल 5841-ग्रतः, मझे, एस० सी० शर्मी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसकं परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक **ह**ै

48 है, तथा जो नीमच में स्थित (और इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नीमच में रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीखा दिसम्बर, 1984

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास का कारण

कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे च्ययमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्त से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोरय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं थित्या गया 🗗 :---

- (क) मन्तरण संहुर्द किसी याय की मानवा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविभा के लिए भौर/या
- '(स) एेसी किसी आव या किसी धन या अन्य जास्सियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा अहे लिए;

इनत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुहरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

1 श्री एस० जे० कान्ट्रेष्टर श्री एन० जे० कान्द्रेक्टर पी० जे० कान्देक्टर

(भ्रन्तरक)

2 श्री रघुनन्दन प्रसाद वर्मा श्रीमती गुलाब देवी वर्मा बंगलानं० 48, ए, नीमच।

(भ्रन्तरिती)

का बहु सुभना जारते करका वृद्योक्त संपत्ति के अधन के भागा कार्यवाहियां बरू करता हो।

## उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां उर स्थना की तामील से 30 दिन की अवर्ध भ, जा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र माँ प्रकाशन की गारी श 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदुभ किसी अन्य व्यक्ति वृष्याच अभाष्ट्रस्ताकारी ह पास जिलात में किए ना सकोंगे।

स्पच्चीकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यो का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्यास से दिया राया ∂ँ∶

### वन्सुधी

बंगला नं ० 48, नीमच जिला मंदसील में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका स्पूर्ण विवरण श्रन्तिनती द्वारा रात्पापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मी सक्षम प्राधिकारी साहय⇒ श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-8-1985

महिए :

प्रकृष् भाषां . टी . एन . एस . - - - ----

भागकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के प्रधीन स्वना

#### सारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

भोषाल, विनां है 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सीं०/अर्जन/मोपाल/5842-अतः, महो, एस० सी शर्मा

अ। यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं भागन, प्लाट नं जड़ी 102 ए (स्कीम नं ० 27) है तथा जो गैलेन्द्र नगर रायपुर में स्थित है (ओर इसमें उप बद्ध स्थनसूची में और पूर्ण स्थ से विणत है), रिजय्हीकर्ता प्रधितारी के शायनिय, रायपुर में रिजय्हीकरण अधिनियम, 1908

(1908 ता 16) के श्रधीन, विसम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पृत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के उच्चमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफाल ने, एसं स्थ्यमान प्रतिफाल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अंतरिक) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उज्ज्य अन्तरण लिखित में बास्तिवक स्थ से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मृत्तर्थ ते हुई किसी माम की बाबत, धनत का संत्राम के अधीन कर दोने के जन्तर्क के यू में कमी धारने या उससे बचले में अविधा के लिए; बार/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय के कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वान केंद्र नहीं विद्या करा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

शतः अब उकत अधिनियम का धारा 269-ए के अनमण्य मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के सधीन, निम्निष्णिक प्राक्तियों, अर्थात् :—

 श्रीमती रानीबाई जैन पत्नी धननाज जैन, निवासी -सोकर पथ, भद्रा स वर्तमान रायपुर

(भ्रन्तरङ्)

2 श्रीमती ज्या बेन पत्नी दणरथ भाई पटेल, निवासी---38, राम बाग पटेल सांसायटी मनी नग,र श्रहमदाबाद (गुजरात)

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चाना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के दिए कार्यवाहियां कारता हु।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त कर्मान्तमां या से फिसी क्योंकत क्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकारी

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रश्नुवत शब्दों और पदो का, जा उवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्सूची

मशत, प्राप्त नंश की-102-ए (स्कीम नम्बर 27), शैलेन्द्र नगर रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्थापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> एस०सी० शर्मा नक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीम्ह : 12-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ५७७ ३६० ७ (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर काय्क्त (निरीक्षण) अर्ज. रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1.2 ग्रगस्त 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० मीं/०ग्रजन/भोपाल 5843--ग्रतः, मुझे, एन० सी० शर्मा,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि ख. नं. 3 (पी. एप. नं. 30) है, तथा जो नृत्येगंन्दी, रा. नि. मं . छछ कांकर बस्तर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) र जिस्ट्री-इस्ति अधिरतारों के कार्यालय कांकर (दस्तर) में र जिस्ट्रीकरण अधिनियम 19008 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की भई है और मुभे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके ध्ययमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तविक कप में व्यक्ति तहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम औं अधीन कर दीने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वृचने में सुविधा के जिए; बरि/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतिय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः जभः, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तिया, अर्थात् :--- 1 श्रीं अनिल कुमार घोष पिता स्थ० श्रीं जितेन्द्रनाथ घोष निवामी-जगदलपुर (इंद्रावाड़ी)

(श्रन्तरकः)

2 श्री राम प्रवेश पिता भन्हाई प्रसाद गुप्ता अन्य 3 निवासी----टिकरापारा कांकेर तह व कांकेर, जिला बस्तर (ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संजंध में कोई भी आक्षप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थादर सम्परित में हितबक्ष किसी बन्स व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताकरी के पाक तिरिखत में निक्र का सकरें।

स्पस्कोकरणः — इसमें प्रयुक्त वब्दों और पदों का, वो उक्त विधिनियम दे बाध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्धी

भूमि खु 3 (पीं० एच० ने० 30) लूलेगोल्दी, तहरू हाकेर जिला बस्तर स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका समपूर्ण विचरण भन्निस्ती द्वारा सत्वापिते फार्म नं० 37जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा स्ट्राम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

ता रीख : 12-8-1985

माहर :

शक्त बाई. टी. एन. एस. ------

शासकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यक्ति सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासयः सहायक भागकर नागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोषाल, दिनांक 12 श्रगस्त 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोषाल/5844-श्रतः, मुझे, एस० सी० शर्मा,

काधकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के परकार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्तम प्राधिकारी को., यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विस्का उचित वावार स्क्यं ;

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं ज्लाह नं 3, डी सेक्टर, जमालपुरा है, तथा जो बेरिनया रोड, भोषाल में स्थित है (और इसमें उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सी अधिकारी कार्यानय, भोषाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्षा 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

कां प्यों करा सम्परित के उचित बाधार मृत्य सं कम के दियमान वृतिपत्न के निए अन्तरित की पर् हैं, और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्यों कर संपरित का उचित् याचार स्म्य, उसके दरमान प्रतिफल से एसे दम्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पाया नया प्रक्रिकन, निम्मृतिशित उद्देशका वे उच्य अन्तरण कि विश्व में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्धरूप वं शूर्व किसी बाद करें बादत उसत अधि-रिवृद्ध के ब्योद कर दोवें के बन्दरूप के वादित्य में कभी कर्दने वा उदये क्यूने में बृदिभा के लिए; बीर/वा
- (व) एंसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य बास्तियों करें, विश्व बारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या वनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाचनार्थ ब्लारिटी ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किसा बाता आहिए था, कियाने में सुविधन के सिए;

मतः नवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, जनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत क्यक्तियों, नर्यात ध—

 श्री जमवन्त राय पिता नन्दलाल निवासी-→21, ताप्ती श्रपार्टमेंट्स जी० टी० बीं० क्सम्यलेक्स, टी० टी० नगर, भोपाल

(अन्तरक)

2 श्री मोहन्ताल पिन्योमल निवासी----172, न्यू सिधी व्'लोनी, भीपाल (श्रन्तरिती)

की यह मुखना जारी करके पूर्वोंकत सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं। उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस ब्या के राथपन भें प्रकाशन की तारीय सं 45 विन की अवधि में स्टब्स भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की बर्वीध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं फिसी स्पक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उवत स्थात्रर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए का सकेंगे।

स्पव्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिः नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, बो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसूची

प्लाट नं 3, डी-सेक्टर, जमालपुरा, बेरिमया रोड, भोषाल में स्थित है । यह बह स्थाघर सम्पत्ति है जिल्हा संपूर्ण विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नश्रम्बर 37-जी में निहित है । एन० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 12-8-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्राजन रेज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 12 प्रगस्त 1985 निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/प्राजन/भोपाल/5845—-अतः, मुझो, एस० सी० भर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिनकी सं० एल० स्राई० जी० सी०-6 है, तथा जो सरस्वती सगर, जवाहर ची ं, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपावत स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण का से विजित है), रिजिस्ट्रीतार्त स्रिधितारी के कार्यालय, भोगाल में रिजिस्ट्रीकरण स्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के स्रोत, लारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पित के उधित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिन्त की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/भा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :——

 श्री चेतराम पुत श्री दणरथ सांगीरे निवासी:---47, शास्त्री नगर, भोपाल

(अन्तर ह)

2. श्रीमतः देवीबाई पत्नी तखतसिंह निमासी—67/18, साउथ टी० टी० नगर, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्विकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

## अन्स्ची

मकान एल० ध्राई० जी० सी०-6, सरस्वती नगर जवाहर जी ह, भोषाल में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है, जिस हा मंपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फ़ार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> एस० मी० णर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-8-1985

राप्य लाइ . ती . एत . एख . -----

रायकार लिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 अगस्त 1985 निर्देश मं० प्रार्ड० ए० मो०/अर्जन/भोपाल/5846—प्रतः, मझे, एस० सी० शर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० म जान का भाग, भूखण्ड सहित है, ितया जो रिज रोड़, ईदगाह हिल्म, भोपाल में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीक जरी के कार्यालय, भोपाल में रिजिस्ट्री करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिवीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है। —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में अधिभा के सिह; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वा प्रकट महीं किया गया भा या किया चाना चाड़िए था, छिपाले में सविधा के लिए;

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-अ के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—  श्री महेण पिता मोहनदास तिवासी—45-बी एवं 45-सी रिज रोड ईदगाह हिल्स, भोपाल ।

(भ्रन्तरक)

2. मोहनदास पिता कालूमल, निवासी—-45 बी एवं 45 सी, "भूखण्ड", रिज रोड भोपाल ईदगाह हिल्स , भोपाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीपनियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं सर्थ द्वांगा को उस सभ्याय में दिशा गया हाँ।

### **ग**नुस्वी

म हान काभाग "रोकी विला" भूखंड सहित, प्लाट नं० 45 की एवं 45-वी ईदगाह हिल्स, रिज रोड, भोपाल में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण प्रन्तरिती द्वारा मत्यापित फ़ार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> ास० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज, भोपाल

तारीख : 12-8-1985

### प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

भोताल, दिलां र 12 ग्रास्त 1985 निर्देश संबग्धाई० ए० स:०/ग्रार्जन/भोताल/5847—ग्रातः मुक्षे, एस० सार्वणार्गाः

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रीर जित्रको सं० म जन नं० 27/33(पो) है, तथा जो मोबापारा रायपुर में स्थित है (स्रोप इस विजाबित सन्मुत्र में स्रोप पूर्ण का व वर्णि है), एरिस्ट्रा ली स्रीत जरी के जायिलिया, राजपुर में एजिस्ट्रा जरण स्रीतित्यम, 1908 (1908 का 16) के स्रामित, ताराख दितम्बर, 1984

को पृथोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के **स्वयमान** प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्इ है और मूक्के यह विस्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान मितफल सं, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से उधिक हैं और अंतरिक अंतरिक (अंतरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदद्दर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के ह १०० तरन या उक्तम बच्ह मा स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या विया जाहा बाहिए था, छिपाने में 'सूविधा के लिए;

यक्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति, व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-236GI/85

 श्री राजश्रः महंत्र वैष्णश्रात गृष्ट श्राः बजरं दास वैष्णत द्वाबारी, रायपुर ।

(अन्तर ह)

 श्री मननोहन कुनार पिता शिवदात, मोधापा रा द्वारा राज इंजोंनियरिंग, रायपुर, एवं 3 ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सृष्यना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राज्यक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्व किसी व्यक्ति व्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळकिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

म हान नं॰ 27<sup>1</sup>39(पो), पोधाारा, रायपुर में स्थित है यह वह स्थावर समाति है जितका संपूर्ण बिएण धन्तिता द्वारा सर्थापित फार्म नम्बर 37-जीं में निहित है।

> एस० सी० शर्मा नक्षम प्राधि तरो सड़ायात्र श्रायहर श्रापुक्त (तिरःक्षण) अर्जन रेज, भोपास

तारीच : 12-8-1984

साहर 🛭

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आएकर आयक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंन, भोनाल

भोगल, दिगाँउ 12 प्रगत 1985 विकेश एक सार्वित का मार्वित से 1985

िर्देत पं० प्रार्ट० ए० ताः./प्रतेत्र/नो ात्त्र/5848 ∻-प्रातः, मुझो, एस० सी० धनी,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जिक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उचित वाजार मुल्ब 1.00 000/-रह. से अधिक है

ग्री पिसकी सं० मारा स्पर्ण नं० ० (पार्ड नं० ३१) है, एथा जो नोम चौरा परलाम में स्थित है (पौर कार्र बार्ड ब्राप्ट्यों में ग्रीत पूर्ण का कि निष्य है), त्रिक्त सिंग ब्रिशित्र के कार्याना, त्राक्षण केंद्र क्रिक्ट एटण प्रविश्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधान, त्रास्थ दिस्मात, 1984

की पर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के क्ष्यमान मिलक के लिए बस्तरित की गई है बीर सभी यह विकास करने का कारण है कि यथापत्रों क्त संपत्ति का उचित बाजार क्रूब्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफास से एमे क्ष्यमान प्रतिफास का क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म प्रतिफास का क्ष्म क्ष्म क्ष्म प्रतिफास के बीच एमे क्ष्म का किए त्रंय पामा गया प्रतिफास, निम्नीलिंगों के बीच एमे अन्तरण के लिए त्रंय पामा गया प्रतिफास, निम्नीलिंगत उक्विण से नकत अन्तरण कि सित्त में बास्तविक कप से क्षित हों किया यस है \*\*\*

- (क) अंतरण से हुई किसी शाय की शावत, उक्त बांधिनियम के बधीन कर दोने के शन्तरण क दायिल्य में कड़ी करने ना उसने वचने में बृदिधा के बिए, शाँध/मन
- (ख) ऐसी किसी नाव या किसी धन या बन्य ब्रास्नियों को जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किथिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्सीरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए गा, जियाने में श्रीयंथा के सिए;

बतः बंब, उक्त विधिनियम की धारा 260-स के बनसरक में में, उक्त बिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) बे क्यीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, कथाल प्रकार

- श्रःमनः बादाप बाई विधवा चांदमलणः मग्रनास,
  - 2. गराम सुन्दर,
  - 3. एमा , न्ति,
  - 4. अशः तन्त पिहासन चांदमलजे अग्रवाल निवासः—17, गीवाला रोड, रतलाम

(भ्रतारः)

 श्री गुमानमल मूणत श्रातमा श्री घम्माकाराज मूणत विदात --- 9, न'म चौ ∴ रतलाम हाल मुक म 24/8 चौ ुख पुरा, रतकाम

(भ्रनः;ित∵)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि से गत्नियं धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी क्रविध शद में समाप्त हाती हों. के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्पाना के राजवन में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित न किए जा सकती।

## अनुपूची

मातान म्यु० नं० (वार्ड नं० 30) नोम ची ते, एकसाम में स्थित है। यह कह स्थावात तमाति है जिसात संपूर्ण विवास प्रमतिसो द्वारा तत्मानिक कार्य नम्बर 37-जा में विद्या है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधि तरी सहाय के भाय हर श्रायुक्त (िर क्षण) श्रर्जन रोज, भोपास

तारीख : 12-8-1985

होहर:

प्रकृष बार्च .टी . एन . धात . ------

अन्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुमना

#### भारत वरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर वायकत (निराक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनां ह 12 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० माई० ए०सा०/मर्ज /भोजाल 5849:-- माः ुमो, एस० सा० मानी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसको इसको पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाबार मून्य 1,00,000/-रा. संअधिक है

भीर ितकः संख्या मकल म्यु नं० 8 है, तथा जो चैतुको पुल, रतलाम में स्थित है (और इत्तर उपाबद्ध भारूच में भीर पूर्व रूप रूप का विलाह है), रिवस्ट्र ली भ्रधि देर के कार्यालय, रतलाम में रिस्ट्र एण भ्रधि रियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रायान दिसम्बर, 1984।

का प्याक्त सम्पत्त क उचित बाजार मृत्य म कम के क्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन के कारण है कि संभापुनायत सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक देश्यमान प्रतिफल के, एस देश्यमान प्रतिफल के। वृत्य प्रतिफल के तिए तय पाय। गया प्रति- क्रम निम्मां विकार उद्देश्य स उस्त नतरण कि विषय पाय। गया प्रति- क्रम निम्मां विकार उद्देश्य स उस्त नतरण कि विषय में नास्ति विकारण के स्वर्ण के के विषय में नास्ति विकारण के स्वर्ण के विषय में नास्ति विकारण के स्वर्ण के विषय में नास्ति विकारण के स्वर्ण के कि विकारण के स्वर्ण के विवास के विकारण के स्वर्ण के विवास के विकारण के स्वर्ण के स्वर्ण के विवास के विव

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की वाबत, उपस जोधीनस्म क जधीन कर इन क जन्तरक के सामस्य मा कभी करने या उसस यचन मा सूम्बिधा कालए; और/या
- (क) एंसी किसी बाम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय बायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्मा में सूर्विधा काल,

 अ. अ. अ. उमत जी धीनियम की धारा 269-व को उन्धरण में, में, उक्त जी धीनियम की धारा 269-व की उनधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तितां, अर्थात् :—

- 1- आ तुमारका क्रिक्ति सम्सात्म जो क्रिस्ता चारुका दुव, इत्रास्त (मण्प्रण) (प्राचारक)
- 2. श्री निर्मल कुमार निमा मोत/लाज मुक्त, निमातः नामुम्युल, रतलाम (म० प्र०)।

(अन्त रती)

कारों यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के बर्चन के सिएं कार्यवाहिया करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के बर्बन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्कूष्मा के राजपत्र में प्रकाश्म की तारीच सं 45 दिन की जवाध या तत्सवधी ज्यातियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की जबधि, जो भी जविध बाद मा समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तिया मा किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पान्त में हित्तबद्वध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा संधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

रपब्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 -क मा परिभाषित हैं, वहां अध्यक्षिया जा उस कथ्याय में दिया गया हुं।

### बन्स्ची

माध्य स्पुर्व 8, चौर्डापुर्व, खिलम में स्थिए है। यह बर्ड स्थावार अस्थित हैं विश्व सन्पूर्ण जिल्ला प्रत्यित्ता द्वारा अस्थावित कार्ग स्थार 37 वर में विद्या हैं।

> एउ० सी० पार्या, सक्षम प्रधिक री स**ह**पाउ आपकर आयुक्त(िर क्षण) अर्जन रैंक भोजल

न रोख: 12-8-1985

म्बह्र :

# प्रका नार्षं ही. प्रवा प्रवा-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) क अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल, दिए ह 12 मगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० मीं०/श्रर्जन/भोपाल/5850—-श्रतः मुझे, एस० सा० शर्मा,

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इस क पश्चात् उक्त आधीनयम कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीए जिला संख्या प्लाट मं० 9/6 स्ट्रीट नं० 5 है, तथा जो मनोप्रमागंज, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इसन उपाबढ़ ग्रासूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिस्ट्राइस्ति ग्रीविश्वासी के अर्थालय, इन्दौर में रिस्ट्राइस्तण ग्रीधिसम 1908 (1908 का 16) के श्रवास, सामाल दिसम्बर, 1984

करं पृत्रोंकत सम्पत्ति के बिचत बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूबाक्त सम्पत्ति का उपवत बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और वत-रिती (अर्तारित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखत उद्दश्य सं उक्त अंतरण लिए स्व मां बास्तिवक रूप सं कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) जन्नरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपके बिधानियद के अधीन कर दने के जतरक के दायित्य में कभी करने या उसस वचन में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्रा नःजू सिंह पिता दालू राम 9/5 मनोरमागंश, इन्दार।

(अन्तरक)

 मैसर्स प्रिस्टेज र न्युक्कान कम्पनी 87/1, तारावेका रोड. सियागंज, इन्दौर।

(मर्तारती)

को यह तुषना कारी करके पृत्रंनित सम्परित के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां करता हूं।

उच्च सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :--

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्याक्तया हा से किसी व्यक्ति ह्वाराह
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के मीसर उक्त स्थावर सपत्सि में द्वित-बद्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिक्ति में किए का सक्षमें।

स्वक्यक्रिक्शण:---- इससे प्रस्त सम्बं और पठों का, को स्वक्त स्विधिनयम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्थ हागा को उस सभ्याय में दिया नदा है।

## अनुस् बी

प्लाट नं० 9/6, स्ट्रंट नं 5, मनोरमागंअ, इन्द्रीर में स्थित है। यह बह स्थावर तमात्ति हैं जितात सम्पूर्ण विवास श्रदारिता द्वारा सर्वापित क्षार्म नम्बर 37 जा में निहित हैं।

> एस० सी० शर्मा, सक्षम प्रशिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, भोपास

त.रीख : 12-8-1985

मोहर 🗈

प्रकृप बाइ .दा . एव . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत प्रस्कार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्कण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 धगस्त, 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी० प्रजेत/भोताल/ 5851—-माः मुझे, एस० सा० धार्मा,

कायकर अधिशयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोति अका संख्या प्याट नं ० 196 है, अया जो सन्तर नगा कालोनी इन्दोत्त में स्थित है (श्रोर इज्ञा उपाबस स्नामूना में श्रीर पूर्ण छा से विणा है), रिकिट्रा उत्ती श्रीय तर के कार्यालय इन्दोत्त में रिकिट्रा उरण श्रीयनियम 1908 (1908 हा 16) के स्थान, दिसम्बर, 1984

का प्रवास्त सपीला क जायत वाजार मन्य में कम के रुष्यमाने मितिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्वीनत सपिता का जायत बाजार मृन्य, जसक इश्यमान प्रतिफल से एसे रुष्यमान प्रतिफल की पन्तर (अन्तरका) बार बन्तरित (अन्तरित्यां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वस्य से जनत अन्तरण कि बिस सम्तरित में बास्तिक रूप संकिथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उपन्त शीध-नियम के बधीन कर दानके अन्तरक के दायित्व को कती करने या उससे वचने में सुविधा के किए; बीट्/व्या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का धिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1947 का 27) के प्रयाजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, । अपाने में सृविधा के निए;

कतः अब उकत अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. श्रा नारायण जिहा पिता गम्मार जिह राठीर 184, साकेत नगर, इन्दीर। (भ्रन्तरक)
- श्री पुरुषोत्तम सात पिता राधाकृष्ण जोगी।
   साउप राज मोहल्ला, इन्दौर।

(भ्रन्तिरती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तिः के नर्जन के सिए कार्यनाहिया करता हुई।

जनत सम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चं 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितकव्ष किसी जन्म व्यक्ति ब्वाएं अभाहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकींगे।

स्थळीक एण: -- इसमें प्रयंक्त कर्मा और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्म हांगा जो उस कथ्याय में विका गमा है।

#### नन्स्ची

ण्लाट नं 196, अनूप नगर, इन्वेर में रियह हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण दिवरण अन्ति है। द्वारा सत्याक्ति फार्म नम्बर 37 जा में निहित है।

> एस० सरे० शर्मा, सक्षम प्रक्षितारः सहायक द्वायकर द्वायुक्त (िर क्षण) द्वानं रेंज, भोपास

तारेख: 12-8-1985

योहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोजल

भोगाल, दिनां ह 12 अगस्त 1985

ति हैंग तं ० अ ई० ए० सं १०/अर्जन/मो तल 5852:---अतः मुझे, एम० सा० सनी,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 204-व क अधीन मक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिल्ला संख्या भूमि सर्वे० नं० 13 है, तथा जो ग्राम मेहाता, बिल्लग्राय, नागदा में स्थित है (श्रीर इसते उनावड श्रापुत्रा में श्रीर पूर्ण के रूप में ग्रीमित है), रिजिस्ट्रा-रण कर्ती प्रक्रियारा के सार्याला, खाबरोद में रिजिस्ट्रा-रण श्रीविशम, 1908 (1908 जा 16) के श्रवात, साराख दितम्बर, 1984

को प्यानित सम्पारत के उणित गाजार मृत्य से कम के ध्रम्यमान श्रीतफल के लिए कन्तरित की गई है जोर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उणित गाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का नन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितया) क बीच एस अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल निम्नालाखत उद्दश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तायक रूप स काथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय को बाबत संबंध अधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमा करन या उत्तस अधन में सुविधा के लिए; बीर/या
- (बा) एती किसी बाय या किसी धन या अन्य आसितयों का, जिन्ह भारतीय आयकर आधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधीनयम, या धन-कर अधीनयम, या धन-कर अधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अधीत :—

 मौ सं दि ग्वाहियर रेयान रिल्स भैन्दूप्रैक्यीं ग (वाविय) कु० लिमि० केमि ल डिवास, नागदा (म० प्र०)।

(भ्रन्तरक)

 मैं ार्स भारत तामसं एण्ड इण्डस्ट्राज्यः, विरलाग्रामः, नागवा (म० प्र०।

(भन्तिती)

को यह सचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस मुखना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हानी हो. के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अधिहागा वो उस अध्याय में दिवा वया है।

#### जन्सूची

भूमि पूर्वे० नं० 13, ग्राम महतवात, बिल्लाग्राम, नागदा में स्थित है। यह बह स्थागर जनात्ते हैं जितान संपूर्ण विशास प्रात्तेता हारा सत्याधित कार्य नम्बर 37 जा में निहित हैं।

> एउ० सः० शर्मा सक्षम प्राधि हारी सहाय ह आयकर आयुक्त (दिसेक्षण) अर्जन रेंज, भोगान

सार<sup>®</sup>ख: 12-8-1985

मोहर ७

प्रस्प बाइ'. दी. एन. एस. ----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

आर्यालब, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोताल

भोगल, दिनांक 12 प्रगरा, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ार्जन/भो तल 5853:---अतः मुझे एस० सी० शर्मा

बाक्कार कांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विक्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर संस्थित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर ति उकी नंख्या म जान ज्याप्त नं० 243 (स्कीप नं० 44) इन्दौर वि तास प्राधिताल है तथा जो इन्दौर में स्थित है भीर इतने उलाबद्ध अनुची में और पूर्ण केल में विलि है। रिनिशी जिल अभिक्ति हैं। के के यित्र इन्दौर में जिल्ह्री जाल अभिक्ति वि अभिक्ति के अभिक्ति लागीख विद्यम्बर 1908 (1908 का 16) के अभी कारीख विद्यम्बर 1984।

कर पशांकत समित के तिषत बाबार मृल्य से कम के क्षण्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बासिवक रूप से किथत नहीं किया क्या है:—

- (क) कम्परकः से हु इं किसी 'बस्य की कावत', उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने मा जबके मचने में सुविधा के तिछा और/या
- (ख) एमी किसी बाय वा किसी धव वा बस्य बास्सिकों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अध्याजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए:

अतः अड. उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण में में उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यंक्तियों, अधीत:—  श्री संजय पान िम श्री त्राजीमात्र नाजन के सिमाधी-45 सुमार गकी
 इन्दार।

(अन:रह)

2. श्री दौरा जान िए श्री चोरमजनी छोटवानी जिल्ली-27 गांवा जालानी इन्दोर ।

(अन्तिरती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कायवाहिंग करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील मं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्र व्यक्तिया म स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

## असमुखी

महार प्राप्त ने० 243 (प्रीर्गनं० 44) इन्होर विज्ञात प्राप्तिकरण इन्दौर में थ्यि: है। यह वह स्थावर सम्भी हैं शिक्षा तम् शिक्षा निर्माण निर्माण तस्त्रीत फार्म नम्बर 37 जी में शिहित हैं।

> एत० सी० गर्ना सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज, भोगल

तारीख: 12-8-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोगल

भोपाल, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्ज निर्मातन/5854:—
अतः मुझे, एस० सी० शर्मा
बायका अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त रुधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269 ख को अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक हैं
श्री गितकी संख्या प्लाट नं० 8 (म्कीन नं० 55) 2—सी.
एक टेंग्लन, है, तथा जो न्य प्लाजिया, इन्दौर में न्याः है
(श्रीर इतने उलाबद्ध अनु ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणन्
है), रिजिन्द्री त्री अधिज्ञरी के कार्यालय, इन्दौर में िन्द्रीकरण, जिनित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
हारी विजन्नर, 1984।

का पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसं द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्ता में अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित को के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गतिफल, मिम्नालिखत उद्देष्ण्य से उक्त बन्तरण कि चित्र में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क्र) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अतरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, क्षेत्र अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधिन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थातु :---

- श्री गोविन्द लाल रतातावजी सादानी
  - 1, मोहरा नगर, इन्दार।

(अरहरक)

2. यश गृह निर्माण सहजारी संस्था मर्यादित 101, अश्रवाज नगर, इन्दोर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मं काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्य दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

प्लाट नं० 8, (स्कीत नं० 55 (2 सी, एक्जरेंगत न्यू पाजिया इन्दौर में स्थित हैं) यह वह स्थावर समानि हैं जिज्ञा सम्पूर्ण विवाण अन्तर्तिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> एस० सी० शर्मा, सक्षम प्राधिव।री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 12-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन, एस.-----

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिभांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5855:— अतः, मुझे, एस० सी० भर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीप जिसकी संख्या मकान, प्लाट नम्बर एस०-86 स्कीम नम्बर 31 है तथा जो इन्दौर विकास प्राधिकरण, इन्दौर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं). रिजस्ट्री उत्ती अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्री उत्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्री उत्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयभाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे स्थममान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या गरा। भा किया धाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के बन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभागः (1) के के अधीन निम्नितिबित व्यक्तियों, अर्थात :—— 6 —236GI/85

- श्रीमित सामित्री देवी पत्नी नानक राम जी ग्यानवन्द्रांनी निष्ठ-68 सर्वोदयं नगर, इन्दौरद्वारा मूण् श्राम श्री विजयं कुमार पिता रतन कूमार संचर (अन्तरक)
- श्री रतन कुमार पिता श्री उधोममल जी निवासी-978, खाती वाला, टैंक, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में संक्षिपी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकने।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका पया हैं।

#### अनुसूची

मकान, ब्लाट नम्बर एस०-86 (स्कीम नम्बर 31), इन्दौर विकास प्राधिकरण इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित कार्स नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> एस० सी० शर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

नारीख: 12—8—1985

## प्रकप बाह् .टी. एन . एस . ------

जासकर निविनिधम, 1961 (1961 का 43) की . भाष 269-ज (1) के जंबीन गुचना

#### भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जम रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० आ० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5856—यतः, मुझे, एस० सी० शर्मा,

कायकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'तक्त अधिनिषम' कहा गया हैं), की पारा 269-ल के अधीन सक्तम प्रापिकारी का वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. स आधिक ह

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 36, पर निर्मित
एक मंजिला मकाभ है, तथा जो चन्द्रलोक
एक्सटेंशन, इन्दौर में स्थित हैहै (श्रीर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीम दिसम्बर, 1984

को वृशेषित सम्पर्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए जन्मरिनी की पर्द और म्के यह विश्वास करने का कारण है कि वस्तपूर्वोक्स सम्पर्ति का उपित नावार पृथ्य, उसने ध्रयमान प्रतिपन्न से, इसे बस्पमान प्रतिपन्न का पन्नह प्रक्रियत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और सम्बद्धि (अन्तरिक्ता) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तम पामा गया प्रतिपन्न किया जन्मक्स से उपक अन्तर्भ लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बगतरण से हुई िकानी लाग की नावता, उनका समितियम के संजीत कर क्षेत्रे के वम्सरका की खरियन में कमी करने में समझे बचने में सुविचल है लिए; बौर/मा
- (स) एंसी किसी आब या किसी धन या जन्य नास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में मृनिभा के लिए;

कतः अप, उनत अधिनियम की भारा 269-न के जन्धरण को, में उपत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात दू— (1) श्री नील कण्ठ पिता कृष्णराद तरफे खास मु० प्रकाशचन्द्र सिंह पिता श्री रघुनाथसिंह बक्षी निवासी प्रामि० तहमील सांबेर।

(अन्तर∙ह)

(2) सुधीर कुमारी पिता कल्याण मल जी० टोग्या निवासी-36, मनीष पुरी खजराना, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को क्षेत्र क्ष्यना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन कालप कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सरपतित को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीस से 4.5 किन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की बाधील से 30 किन की अविध, यो की अविध बाद में जनाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में में निर्मी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसक्च्थ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरों के पास सिविस में किए जा सकेंगे।

स्वक्रतीकरण: -- इसमें प्रयुक्त बच्चों और पत्तों का, को सक्स जिल्लीगयम के जन्माव 20-क में परिभाषित हैं, जहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया वस हैं।

#### अनुसूची

ण्लाट नं० 36, पर एक मंजिला मकाम, चन्द्रलोक एकाटेंणन, इन्दौर में स्थित हैं। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नवीर 37-जी म निहित हैं।

> एम० सी० गर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त िरीक्षण अर्जन रेंज, भोनाल

नारीखा: 12—8—1985

मोहर ४

प्रस्प बार्ड. टी. एत. एस. -----

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के जभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सङ्गयक आयकर नामृक्त (निर्याक्षण)

ग्रर्जन रंज. भोपाल

भोपाल, दिनौंक 12 श्रगम्त 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 5857:—म्रतः मृझे, एस० सी० शर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया इ"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक इ"

श्रौर जिसकी संख्या भूमि ग्राम सिधखेड़ा है, तथा जो ग्राम सिधखेड़ा, तहसील बुरहानपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपा-बढ़ ग्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती ग्रिधकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रिजस्ट्रोकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारोख दिशम्बर, 1984।

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाधार मूल्य से कम के ब्रह्मान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे व्रह्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्क में वास्तिक रूप से कांधित नहीं किया गया है:—

- (क) अप्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-बिधिनियम के अधीन कर दोने के अत्तरक के दादित्व में कभी करने वा उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, सा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया सा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृविभा सै सिए;

अत: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—  श्रोमती योगा बाई पत्नी गोपी नाथ लक्कड़वाले निवासी चौक बाजार, बुरहानपुर, जिला खण्डवा।

(भन्तरक)

2. श्री गोपाल पिता स्नासा राम मोरे निवासी श्रालम गंज, बुरहानपुर, जिला खण्डवा।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उपन सम्मिरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इन भूषता ने राज्यम् में प्रकार की सारीत से 45 भिन्न की स्वर्धम् या सरक्ष्मण्यी व्यक्तिकों पूर स्थान की सारीत के 30 विश् की सर्वाभ, यो भी नवीभ बाद में बमाप्त होती हो, को भीतर पूर्वनिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भी तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया नवा है।

#### मन्स्ची

भूमि खा० नं० 21, सिधखेड़ा तहसील बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रम्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> एस० सी० धर्मा, मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 12-8-1985

मोहरः

प्ररूप आह<sup>5</sup>.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/5858:——श्रतः मुझे, एस० सी० धर्मा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी संख्या सम्पत्ति, 7/बी 'मेघ" है, तथा जो एम०
जी रोड, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इनसे उपावद्ध ग्रनुसूची
में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी
के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रिधीन, दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह बिह्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (फ) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत', उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती (डा०) उषा भदन मड़के द्वारा मु० स्ना० के० बी० पी० हड़के, 32 ग्रम्बर, एम० जी० रोड, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती शीला पत्नी जवाहरलाल प्रग्रवाल,
 63, मंगलम, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त. व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति, 7/बी, ''मेघ" एम० जी० रोड, इन्दौर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्नरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> एम० सी० भर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 12-8-1985 मोहर:

## प्रकृष् भाइ . दी . एन . एस् . -----

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनाँक 13 ग्रगस्त, 1985

सं० श्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोषाल 5859:—-श्रत मुझे, एस० सी० धर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर संख्या भूमि खं नं 21 है, तथा जो ग्राम सिधखेड़ा सहसील बुरहानपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैषधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६ श्रीमती योगा बाई पत्नी गोपी नाथ लक्कड्बाले निवासी चीक बाजार, बुरहानपुर, जिला खण्डवा।

(अन्तरक)

 श्रीमती कमला बाई पत्नी श्रामा राम मोरे निवासी श्रालम गंज, बुरहानपुर जिला खण्डवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🚟

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिग़ें पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## अनुसूची

भूमि ख० नं० 21, ग्राम सिधखेड़ा तहसील बुरहानपुर जिला खण्डवा में स्थित है 'यह वह स्थावर राम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> एस० सी० शर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

सारी**य** : 13-8-1985

मोहर 🛭

त्रकप कार्षः, टी., एव., <u>एव.,----</u>----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुपना

#### भारत चड्डकार

कार्यालय, सङ्ग्राक जायकर आयुक्त (जिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भोपाल

भाषा , दिनौंक 1 श्रगस्त, 1985

सं० भ्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 5860:—-ग्रतः मृझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर तब्यति, जिसका उधित बाजार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 9. है, तथा जो श्रम्रवाल नगर, इन्दौर में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एक दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिकस, निम्नसिवित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण हैनिवत में स्वतिकस कर से क्षित नहीं विश्वा पना है हिन्स

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अभीन कार दोने के जन्तरक के बादित्य में कभी कुर्ने वा उत्तस वजने में सुविधा को दिवद; ब्रीड/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी थम या अन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर आधानसमा 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अं लिए;

जतः चंत्र, उच्त अधिमित्रम, की भाग 269-व की जनुभरण में मैं. नवत अधिनियम की धारा (%के व की नपश्चना (1) अस्मित्र निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित् क्रिक्त  श्री वारेन्द्र मित्तल पिता द्वारका दास मित्तल 316, टैक्सटाइल क्लर्क कालोनी, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती चन्द्रा पिता गुरूल दास
 17, श्रालापुरा नं० 2, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोर्डभी आक्षीप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं क 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यास्त्यों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृथ किसी क्या व्यक्ति वृत्ति वृत्

स्पथ्डीकरण : स्पर्मे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्क जिथिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे को उस अव्याय में दिका ग्या है।

## श्रनुसूची

प्लाट नं० 8, अग्रवान नगर इन्दौर में स्थित हैं। यह बह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती हारा सत्यापित कार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> एस० सी० शर्मा, यक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-8-1985

मोहर 🛭

## प्रकथ आह<sup>र</sup>्टी, एन, **एव**, -----

## बारकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धाद्धाः 269-व (१) के नधीन स्वाता

#### मार्क बहुकार्

## कार्यक्षत्र, बहावक भावकार जागुबस (विद्वारिक्क)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /ग्रर्जन/भोपाल/5861—यतः मझे, एस० सी० शर्मा,

जायकार जिभिनियान, 1961 (1961 का 43) (ज़िल्बे इसके इसके प्रकार (उनस अधिनियान) कहा गया है), की भास 269-क के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धि जिसका उपित बाजार मून्य 1,00000/-स. ने अधिक है

और जिसेकों सं० म तान एवं प्लाट है तथा जो नजूल णीट नं० 29, भगत सिंह घाड, सिविध लाईना, बैनूल में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिष्म्ट्रीकर्ना अधिकारी के धार्यालय, बैनूल में रिष्म्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वीयः संपत्ति के उचित नाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतर्क (अंतरिता) और अंतरिता (अंतरितायाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) कतारण न क्षूड़ किमी नाय की शाक्स, उस अधितियम के जधीन कर दोने की अन्सरक के प्रविद्या में कसी कराई या जससे सकते में सृविधा के निस्तु और/धा
- (ध) इसी किसी आस या किसी धन या अस्य आसियों को, जिल्हों भारतीय प्रथानर प्रशिक्षणम् । १९५५ १९६९ का ११) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट ग्रेगी किया गया धा सा किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा से लिए;

अन अब. उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की अनुसर्ण वी, सी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उरभाग (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा० ग्रंग्विन्द कुमार यशवन्त संमुश्रल उर्फ ग्रहण पिता श्री मुगील सेमुश्रल, भिलाई, जिला दुर्ग।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शेखर सोमन पिता श्री बलबन्त सोमन, बैनुल गंज, तहसील बैनुल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह बुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्मिति के अर्पन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उन्त तम्मिति के कर्नन के सम्बन्ध मा कोई भी जाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाध्य हाती हों, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तिमां में से किसी सिंगत व्यक्ति,
- (व) इस सूचना क राजपक में प्रकाशन की तारीह ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्च व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पात निविद्य में किए जा सकोंगे :

स्वयद्गीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दो और पवः का, यो उवक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गणा है।

#### अमुसूची

मकान एवं प्लाट नं० नजूल शीट नं० 29, भगत सिंह षार्ड, सिविल लाईन्स, बैतूल में स्थित है। यह षह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विघरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> एस० मी० धर्मा मक्षम प्राधिकारी महायदा स्रायदार द्वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाच

तारीख: 13-8-1985

## **इक्ट बार्ड . ट\्यून . एस**्------

# बावकर ग्रीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के वभीन स्वना

#### 

कार्यालय, सह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्वर्णन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांस 13 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5862⊸-ग्रतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विक इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-क के मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर नम्पत्ति, विश्वका उचित् आजार मृश्व 1,00,000/- क. से अधिक हैं

अरि जिसकी सं० प्लाट नं० 203 है तथा जो श्रन्प नगर, इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रधींन, तारीख दिसम्बर, 1984

को प्वाँक्स सम्पन्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के उस्थान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्स सम्पन्ति का उचित बाबार बृज्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे इस्थमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखित उद्देश्य में उक्स अन्तरण जिखित में अस्तिक रूप में किया गया हैं क्रम

- (क) अन्तरण ने हुवं फिक्कों बाव की बावत उच्चत अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते अचने में सुविधा के सिए; और/ना
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही शारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के सिए ॥

श्रदः वथ उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम को धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तित्यों, कथील अ——

- (1) श्री पुरुषोत्तम जोशी पिता श्री राधाकिशन जी जोशी, निवासी-22, साउथ राज मोहल्ला, इन्दौर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री राकेश, 2 राज कुमार पिता श्री रमणनालजी खण्डेलवाल, निवासी 216, एम० खासीवाला टैंक, इन्दौर ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन की ितए कार्यनाहियां करता हूं।

## दन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप 🚁

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविभि या तस्सव्यन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासीस से 30 दिन की अविभ, यो भी सविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा,
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिवित में किए जा सकर्षी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त विधिनियस, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अभ्यास में दिवा क्या है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 203, अनूप नगर, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरितीं द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जीं में निहित है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: : 13--8--1985

प्रकप नाइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोषाल, दिनां 🕆 13 श्रगस्त 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० सीं०/श्रर्जन/भोषाल/5863---यतः, मुझे, एस० मीं० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात उन्हें साथिनियम कहा गया है), की पाटा 269-स के अधीन राक्षण प्रशिष्णण की, यह विदाण उन्हें का किया है कि स्थावर सम्पत्ति, पिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और््मुं जिलकी संव प्लाट नंव 21-ए पर बना हुआ मकान नंव 11 (पुराना नंव 28) है तथा जो मीरा पथ, (नेहरू पार्क), इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से स्पित हैं), रिजिस्ट्रींवर्ना अधिकारी के वार्यालय, इन्दौर में रिजिस्ट्रींवरण अधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ए से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्क, उसके इच्यमान प्रतिफल से, एते इच्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकल के पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिकल, निय्नलिकित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निर्मित में बास्तिक क्या से किया नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीव-नियम के अधीन कर धोने के अंतरक के दायित्य में अभी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए: कीर/मा
- (स) एके किसी आय या किसी भन या बन्य आस्थियों का, जिल्हें भारताय जायकर अभिनियम, 1921 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या बन्ध कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

 (1) एउट उद्दार्गा बाई पिता तक्षमणदाल देव, नि०—श्राम डकाच्या, हाल मुक्काम 15, गणेण कालोनी, इन्दौर ।

(भ्रन्तरकः)

(2) मैं भं वायला तस्ट्रक्णन,8, कावरा कम्पाउण्ड, उन्दौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुकना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्षां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तल्लक्ष्मनधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रकारण अविधि वृक्षारः
- (क) इस मुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस के १५ दिन के जीतर उक्त स्थावर मंगरित मों हित-वद्भ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के एक राज्यिक को किस

श्यक्ष्टीकारण:---तमा प्रवृक्षः शब्दा श्रीर प्रदाका, का उत्तर अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में किया कुछा हैं:

#### अनुपुची:

ण्याद नं० 21-ए पर विभिन्न मकान नं० 11 (पुराना नं० 28), सीधा पत्र (बेहरू पार्क), इन्दीर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा पश्चम पाधितारी सहायक श्राग:र श्रायुक्त (वेडरीक्षण) धर्जन रीज, भोषाल

नारीख: 13··8-1985

#### प्रसम्बद्धाः हो. ध्नः एस.----

जामकर बॉभिनियज, 1961 (1961 का 4.2) কী भाग 269-ল (1) को अभीन सुचना

#### गारल हरकार

## कार्याक्य, सहायक अयक र जायभ्रत (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/म्रर्जन/भोपाल/5864---बत:, मुझे, एस० सी० शर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 61 पर निर्मित मेतान है तथा जो राज महल एक्पटेंशन कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजर्म्ट्रींकरण अधिनियम, 190के (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर, 1984

की प्योंति सम्पत्ति के रिष्ठ बाहार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह जिस्ताल करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उच्चित्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का नंबह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) तीर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक अप में किंवत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसो आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिता में कसी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/आ
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>1</sup> भारतीय आएकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना बाहिए था, लियाने में मिलिया के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) **इ. सभी**न, निम्नतिस्तित व्यक्तित

- (1) रामप्रपाद पिता श्री हीराणाः, निवासी—28, गोधा कालोनी, इन्दौर। (श्रन्तरक)
- (2) सत्य नारायण पिता श्री रामचन्द्रजीं गुप्ता, 11 ग्, स्नेह नगर, इन्दीर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुष्पना धारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्थन ः िन्तु कार्यवाहियां करता हां।

जनत संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 4.5 बिन को अवध्य या सत्सवधी व्यक्तियों पर सूजना की सामील से 30 बिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर एटोंकिंड अविसरों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उठत स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

प्लाट नं० 61 पर निर्मित मकान, राज महल एक्सटेंगन कालोनी, इन्दौर में स्थित हैं। यह बह् स्थावर सम्पत्ति हैं जिन्ना रम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्य नं० 37-जी में निहित हैं।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राह्मितरी सहाकात श्राप्तका (विरीक्षण) शर्जन रेंज, भोगाल

तारीख: 13-8-1985

युक्त नाव . टी. एन. एस. ज्याननाराज्य

**आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की शारा 2**69-% (1) के अधीन स्पना** 

#### भारक चुड़कार

शायांलयः महायक बायकर बायुक्त (निर**ीक्षण)** श्रर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनां का 12 प्रगस्त 198

निवेश सं० आई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5865---ग्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिपकी गं० प्लाट नं० 79 पर बना हुआ मकान है तथाँ जो राज महल जालोनी, इन्दार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरी प्रधिकारी के ार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्याँक्स संपत्ति का अचित अखार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का मृत्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-अस निम्निसित उद्योद से उन्त अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से किथत नहों किया गया है:—

- (क) अन्तरण से सुद्दे जिंकी शाद को बाधन समय सणि-नियम के संबंधि कर दोने के अन्तर्य के बामित्य में कमी अरने या उससे दक्षण में सुनिधा के निए; शहर/सा
- (क) एकी किसी आम मा किसी पन वा अन्य नारितवाँ को, जिन्हों भारतीय गायकार नाधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर निधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के विव्;

बतः अब, उक्त बिधिनयम की धारा 269-न के अनुसरण माँ, माँ, उक्त बिधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिक्त न्यिक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री माँगीं लाल पिता श्री हनुमान जी, 9, कमला नेहरू नगर, इन्वौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भगवान धास श्री गम्भू मल जी, निवासी 97, कसेरा बाखल, इन्दौर।

(श्रन्तरितीं)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के नम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप:---

- (क) इस स्वान के श्वापन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तस्सन्तन्थी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की ववधि, जो भी ववधि वाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिता। वद्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वभाहस्ताक्षरी वी एस निस्ति में किए का सकति।

ल्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ्रै पही अर्थ होगा जा उस अध्याय के दिया लक्षा हुर्ग

## जन्मूची

प्लाट नं० 79 पर बना हुआ मकान, राज महल कालोनी, इन्दौर में स्थित हैं । यह वह स्थाघर लप्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिनी द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित हैं ।

> एस० सीर्वणमा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-8-1985

मोहर 🗈

प्रथम बार्ड , टा १८ १७

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरका

## कार्यासय, सहायक सायकर जायुक्त (निरीक्षक)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांव: 12 श्रगस्त 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सीं०/श्रर्जन/भोपाल/5866--- श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 4/3), (जिसे में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), का भारत 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह जिस्ताम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः जिसका उचित अप्रार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाष्ट नं० 27 है तथा जो जानकी नगर कालोनी, इन्दीर में स्थित है (और इन्हों उपावस अनुसूची में आर पूर्ण रूप से बणित है), रिश्न्ट्री हती अधिकारी के कार्यात्य, इन्दीर में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

करे पूर्वेक्स सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान श्रीतफाल के लिए अन्होंरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रूब्यमान प्रतिफल के पन्ताह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कुष से किथत नहीं किया गुवा है है—

- (क) वंतरण ते हुई किसी बाय की बायत, उनत ं किस्यक के अर्थाल अर्थ की वी अन्तरक के शासित्व में कभी कारने या जब्दे वचने में सुनिया के सिद्ध; बार/बा
- (क) ऐसी किसी अस्य था किसी धन वा अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय माणकार अधिनियम, 1992 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियम, 1997 का 27) के अवोचनार्ज अस्ति असी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, जिपाने में स्विधा के जिए:

बतः नव, उन्त निभिनियमं की भारा 269-ग के जनसरण को, मी, उन्त निभिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीत, निभ्मिलिकत व्यक्तियों, नर्भात् सर -

(1) श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्री करन सिंह जी, बी बिल्डमें कालोनी (मकान नं० 19), इन्दौर ।

(भ्रन्तरितीं)

(2) श्री हस्ती मल पिता श्री मुगनचन्द एवं 2. श्रीमती प्रकाश देवी पत्नी श्री हस्तीमल, इन्दौर ।

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना बारी कर्के पूर्वोक्त सन्परिष्ठ के वर्षन के दिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के अर्थन के सन्धनम में कोई भी बाक्षेप्ः--

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की नवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचवा की दामीन दे 30 दिन की व्यक्ति, को भी नवीध नाद में संभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- किसी कम्य क्यक्ति ब्यास क्योइस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्यब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पशों का, वो उक्त विभिनयम, के बुध्याय 20-क में परिभावित है वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 27, जानकी नगर, इन्दौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सन्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है ।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीख : 12-8-1985

प्रकप भार्दः टी. एन. एस. - - -

## नारकड निधनियम, 1961 (1961 का 43) क्हीं पाडा भारा 269-म (1) के क्षीन स्वना

STREETS WHEN STREET STREET

#### सामय ब्रुक्त

## न्यार्थानव , सहायक आयकर आवृत्य (नि<u>ह्रीक्ष</u>ान)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांकः 12 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भीपाल/5867—-ग्रतः मुझे, एस० सी० गर्मा.

नायकर निभिन्यम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार, 'उक्स जिधनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, ततीय मंजिल, प्लाह नं० 4, है तथा जो कैलाज पार्क, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में और पूर्ण रूप में बंजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधियारी के आर्थालय, इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 पा 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्स सम्परिस के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह दिश्यास करने का कारण है

कि यथा पूर्विनत सम्पक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिवित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप चे कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुए सिकी बाय की पावत, उपस् शीपरियम में अधीप कर दोने के बन्तरक के श्वित्त में कमी करने वा उनसे अपने में नृतिथा के तिए; बॉर्/वा
- (क) एसी किसी नाम वा किसी भन या नम्य नास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अप अधिनियम, या धन-अप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा मा किया जाना चाहिए था, छिवाने में सुविधन चे निया;

कतः क्रव, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण के. कें, उक्त किंधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ु— (1) श्री प्रेमचन्द मन्नः लाल, 4, कैलाण पार्क, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(1) श्री नरेन्द्र कुमार रिसक्त लाल.
 चिन्द्रका बेन पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार.
 21/2. माउथ हाथीपाला, इन्दौर।

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सल्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियाँ करता हुं

उन्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काहे साक्षेत्र हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबूध किसी जन्म व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

पलैट नं तृतीय मंजिल, बिल्डिंग प्लाट नं 4, कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर में स्थित है । यह वह स्थाचर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37-जी में निहित है ।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंच, भोषाल

दिनौंक 12-8-19**8**5 मोहर : प्रकृष बाहें. हो. एस्., एक्., न्यानन

## बायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्धा 269-थ (1) से अधीर सुख्या

#### ATTA CENTS

## कार्यालय, सहाबक अध्यक्त आबुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनां 🕸 17 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भाषाल/5868---श्रतः मक्षे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं सं क्याँट नं 1, दूसरी मंजिल, प्लाट नं 113 हैं तथा जो श्रीनगर एक्सटेंगन, इन्दौर में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप के विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर से रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिपम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाकार मूच्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्यामान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पत्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे क्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देशय से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किंगत नहीं किया गया है :--

- (क) कलात्य से हुई किसी नाम की कावत उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य मों कनी करने या उसने उचने में सुविधा के सिए; शीर/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी पन या अपन शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं विका च्वा था वा किया थाना चाहिए था, कियाने वें चृतिया से किसह;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हो. मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अभीत् ह

(1) श्री प्रेसचंद मन्तालाल कैलाश पार्क कालोनी, इंदौर द्वारा मु० श्रामश्री नंदिकशोर राम किशन श्रमणाल।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मेखर पिता श्री वीं० के० खाडेकर, 40, मांति नगर, यूनियन बैंक, इन्दोर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां कुरू करता हुं।

वक्क बम्परित के अर्थन के यभ्यस्थ में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रायुषन के प्रकारण की ताड़ी हो 45 दिन की जबिध का तत्सका की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद के सीतर पूर्वे कित व्यक्तियों से में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ण होगा को उस्साय में दिया गया है।

#### वनुसूची

फ्लैट नं० 1, द्वितीय मंजिल, प्लाट नं० 113, श्रीनगर एक्सर्टेशन, इन्दौर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण श्रन्तरितीं द्वारा सत्यापित फॉर्म नं० 37-जीं में निहित है।

> एस० सीं० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 12-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाद्दं, टी, एन. एस ------

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 अगस्त 1985

निदेश सं० आर्६० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/5869— अतः मुझे एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनित्तम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० महाम नं० एल० आई० जी०-31 है तथा जो शंकर भगर, राथपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप रावणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख विसम्बर 1984

(1908 का 16) के अधीन तारीख विसम्बर 1984 की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने. का कारण हो कि प्रथाप्यों वत स्परित का उचित प्राच्य मध्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अत्रोरती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में बास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कन्यरण सं हुई किसी आध का रावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के उधिस्य में कमी करने दा उससे वचने में सुविधा अर्थ निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धर अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्राथा किया जाना नाहिए भा किया में प्रिया के लिए,

हाए का कुका विभागिता है। असे १६० वर्ष अस्मरा हो, मौ, उन्नत अधिनियम की भाग 269-ग की उपधारा (1) है क्षी: जिस्तिविधित व्यक्तियों, अर्थन :- (1) श्री बालमुकून्द अग्रवाल पिता आर० एम० अग्रवाल रीक्षा पेपर इन्डस्ट्रीज बिलासपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० जी० कुरियाकोस नि० एल० आई० जी०31 मंकर नगर, रायपुर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के अम्बन्ध में कोई भी आसार ----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में अकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचका की तामीस से 30 दिन की अवधि, यो भी बबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रन्सुची

मकान नं० एल० आई० जी०-31 शंकर नगर रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति जिसका संपूर्ण बिवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा पञ्चम प्राधिकारी क्षहाबन आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 12-8-1995

32 TT 1

पुरुष **बाद". टी., एव., एव**.,-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्थान

भारत शरकार

कार्यालय, भहायक अध्यकर कावक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 अनस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5870—यतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयश्य अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान प्लाट ख० नं० 5/39 (पी० एच० नं० 13/1) है तथा जो गायखुरी (वार्ड नं० 15) बालाधाट में स्थित है (श्रौर इसमे उपादि अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्री एनी अधिकारी के कार्यालय बालाधाट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसम्बर 1984

को पूर्विक्षत सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के क्षतमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते वह विद्यास करमें का कारण है कि यथापूर्विक्ष सम्परित का उचित बाबार गून्य, उसके ६६२२माल अञ्चल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रति-कस निम्नसिवित संबुधेस्य से उक्त जंतरण निवित में वास्तिक मण न किशन नहीं किया बना है इल्ल

- (क) अन्तरण सं धुद्दं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के वाजित्य में कमी अपने वा उससे वचने में सुविधा क निता: आर/भा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-जार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जत: अब. उक्त अधिनिवस की भारा 269-व के बनुतरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) हो अधीन, निज्यतिविक व्यक्तियों, वर्षात :—

(1) श्री प्रकास स्ति। गर्जनलान डोंगर मौजा गायजुरी, वार्डनं० 15, बालाधाट ।

(अन्तर्क)

(2) श्री पोपटमल पिता जोधामल मोटवानी निवास -गायती मंदिर के पास, बार्ड नं० 13, बालाधाट।

(अन्तरिती)

को नह सूचना चाड़ी करके पूर्वोक्द सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

**उच्छ सम्परित के वर्षन के** सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस ध्यमा के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वनिंध या त्रस्तक्विणी व्यक्तियों पर स्वात की तायीन से 30 दिन की श्विध, को भी क्वीच नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित प्रक्रिता में से किसी न्यक्ति इवर्ग;
- (क) इत स्वान के एकएक में प्रकाशन की तार्रीक से 45 विक् को भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, वधोहस्ताकरी के पास तिकित में किए या सकेंगे।

रचव्यक्रिप्तः — इसमें प्रयुक्त क्षन्यों जीए पदों का, को उनत् विभिन्तियम, को नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा वक्त हैं।

#### वसक्की

मकाम, प्लाट ख॰ नं॰ 5/38 मौजा गायखुरी, वार्ड नं॰ 15 बालाधाट में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंगर 37- में मिहित है।

एम० भी० गर्मा सञ्जम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिमांक : 12-3-1985

प्रो**हर**ः

## प्रस्य नाइ .टी. एत. एव . ------

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सृजना भारत सरकाह

कार्यांसय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल भोपाल, दिनां : 14 श्रमस्त 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 5871—अतः मुझे, एस० सी० धर्मा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 34 सेक्टर ए है तथा जो इन्डिस्ट्रियल इस्टेट, सावेर रोड, इन्द्रार में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में फ्रांर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्री इती अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजिस्ट्री इरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीज दिसम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से काम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित बैं बास्तविक क्य से कीयत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के सिछ; बीट/बा
- (व) एँसि: िकसी आय गा किसी भन या कत्य झास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 "1922 जा 11) या अक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिकी व्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने प्र स्पीनभा के नित्तरः

(1) मेसर्स टी० चिँह्थराम फाउंडेशन, (ए पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट) 6116, रामजस रोड, करोल बाग, दिस्सी प्रशासम आफिस गोधा कालोनी, इंदौर । (अन्तरक)

(2) मेससं टी॰ सी॰ इंटरप्राइसेस
29, गाधा कालोनी इंदोर,
भागीदार श्रीमती मीला बाई एम॰ पगरानी
2. श्री सूलसी एम॰ गंगारमानी
3. श्रीमती चन्द्रा के॰ मूरजानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके गूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

#### मन्सूली

जाट तं० 34 (सेनटर ए) इन्डिस्ट्रिशन इस्टेट, व शावेर रोड, इंदौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्ति ती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है ।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-8-1985

महिंग :

## प्रकृप काइ. टी. एन. एस------

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यांसय, सहायक कायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 14 अगस्त 1985

निदेश सं० आई० ए०सी०/अर्जन /भोपाल/5872---अतः मुझे, एस० सी० शर्मा

जायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिधिनयम' कहा गया है), की धार 269-श्व के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,05,000/- रु. से अधिक है

घौर जिसकी सं० सेवया नं० 275 का भाग (भूमि) है तथा जो स्ट्रीट नं० 3, घोल्ड पलासिया इंदौर में स्थित है (धौर इससे उपाबक अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के सर्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास कर रे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य सक्ते स्थ्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अक्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, सिम्नसिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिमिच में बास्तिक रूप से कांचित नहीं किया पाया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीप कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिश: के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृतिभा के आए;

- (1) श्रीमती मोहिती देव पत्नी स्व० श्री रावजी शाह हीरेन्द्र सिंह, 52, बैंक कालोनी, इंदौर। (अन्तरक)
  - (2) एस॰ जी॰ एम॰ होटल्स (प्रा) लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर श्री सुरेन्द्र साधी, 56, वल्लभ नगर इंदौर ।

(अन्तरिती)

का यह बुखुना आड़ी करने पूर्वों कर सम्पृत्ति के वर्षन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### रक्त सम्मत्ति के सर्वत के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (त) इस स्थान के राज्यक के प्रकाशन की दारी से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति अधिहस्ताक्षरी के पास किमि के किए वा सकी ।

स्थाब्दीकारणः --- इसमा प्रमृक्त अव्यो और पदौ का, वो स्थान वाधिनियम के अध्यास 20-क मा गरिभाषित है, वहीं अर्थ क्रोगा को उस अध्यास में दिया गया है।

#### अनुसूची

सेवेदा नं० 275 का भाग (भूमि) स्ट्रीट नं० 3 शोर ड पलासिया इंदौर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पित हैं जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फाम नंबर 37-जी में निहित हैं।

एस० सी० प्रार्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपास

बत्तर बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुस्तरण मा, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-म की ल्एधारा (1) के बभीन, निम्मलिकिए प्रक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 14-8-1985

## इक्ष्य बार्ड, टी. हुन्, क्रुट, नन्त

## भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 ग्रगस्त 1985

निवेश सं० माई० ए० सी०/म्रजेन रेंज/भोपाल--5873--मृत: मुझे, एस० सी०शर्मा

नायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसने परनात 'उनत निधनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित नाआर मून्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नंबर 30 पर बना हुआ मकान है तथा जो जानकी नगर कालोनी , इंदौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिवस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

का' पृथां कत संपत्ति के उचित बाजार मृश्व हे कम के क्याना प्रितफल के लिए अंतरित की यहां है और मुक्त यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथाप्वें कित संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वदेश से उक्त अन्तरण निम्निलिश्वत उद्वदेश से उक्त अन्तरण निम्निलिश्व उद्वदेश से उक्त अन्तरण

- (क) जन्तरण से हुई कि वी जाय की वायत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरका जे दायित्व में कमी करने या उससे सकने में सृध्यिधा के विष्: बांड/बा
- (व) ऐसी किसी बाम या किसी अप या अस्य आस्तियी का, जिन्हां भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना आहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए।

नतः अन, उन्त निमित्यम की भारा 269-ग के अनुसूरन में, में, उन्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (i) के नभीर निम्निमित्रित कानित्यों, अमृतिश्र— (1) श्री मोहम्मद ग्राकिर पिता फेज हैदर, निवासी-जानकी नगर कालोनी , म०नं० 30, इंदौर।

(भ्रन्तरक )

(2) श्रीमती प्रभा देवी विधवा जगदीश प्रसाद जी रमेण चन्द्र व दिनेश चन्द्र व श्यामलाल, पिता जगदीश प्रसाद, आर पार्वा कर्नार 1 निरु 61, जानकी कालोनी नगर, इंदौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना को राजपज में प्रकाशन की तारीब लें 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबत्थ कि.सी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गाल् विश्वित में किए का इकाने।

स्वकाकिरण: ---इसमे प्रमुक्त कर्न्यों नीर पूर्वों का, वां जवक नीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं नर्थ होंगा जो उस न्ष्याम में विदा गया है।

## नग्रुच्

प्लाट नं० 30 पर बना हुग्रा मकान जानकी नगर इंदौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी में निहित है ।

> एस० सी० **धर्मा** सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (नि**रीक्षण)** अर्जन रेंज, **भोपाल**

दिनाँक : 14-8-1985

मोहर 🔞

## भुक्तः कार्यः हो । प्रमुख प्रमुख्याननकारण

कायकार मांभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### मार्त चरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

भ्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विरुली, दिनौंक 8 श्रगस्त 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्यमान् बातिफल के लिए बन्तरित की गई है जौर मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्योध्य से उस्त अन्तरण लिकित में वास्य-विक स्प स कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचमे में सृविधा के लिए; आर्/या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी वंग या वन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय कायकार वांधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिपिनियम, या वनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया वा वा किया वाता वाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए

कतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वि, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) विवर्धन, निम्नुलि**चित व्यक्तिन्**र्मे अर्थात् क्रम् (1) श्रीमती प्रेम लता सरोबर, निवासी एस-488, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(मन्तरक)

(2) श्री सी० एल० पुरी श्रीमती कृष्णा पुरी, निर्तात पुरी, नियासी-टी. 10, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाष्ट्रियां कारता हुई।

## बबत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेड ड---

- (क) इस सूचना को राज्य में प्रकाशन की शारीक वें 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पुड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृत्र विद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदू कि बिक्स किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी बें पास निवित में किए जा सकेंगे।

क्ष्यीक रणः ---- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवा का, वा उत्सव ाधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाविष् है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया (या है।

#### प्रनुसूची

फ्लेट नं॰ एस-488 ग्रेटर कैलाश-1, सई दिल्ली, तादादी 1100 वर्गफीट ।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भजेंन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनौक: 8-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

## नायकर निमित्रम्, १९७१ (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-84/ 1403—श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

भायकर रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जो० एफ०-24 है तथा जो बहादुर भाह जफर मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भिधारों के कार्यालय भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयरुर प्रधिनियम 1961 के ग्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

करें प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का सम्बद्ध प्रतिकात में अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गवा प्रतिक फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तन विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बारियक में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के हिलए। और/या
- (w) ऐसी किसी जान वा किसी धन था अन्य बास्तिवीं का, जिन्हीं भारतीय जायकर अभिनित्रका, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया सृतिथा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीकिष्यत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) **डा॰ वि**जय सभरवाल, 67/1, रोहतक रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विद्या चन्धोक श्रीर श्री राजीव चन्धोक, निवासो-ए-192, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के सिष्टु कार्यनाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 हिम की अवधि या उत्सम्बन्धी स्यक्तियां पर म्चना की तामील से 30 दिन की अवधि , जा भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीं क्या स्यक्तियों में किसी व्यक्तियां स्वारा;
- (बं) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिख-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वें वास किविक्त में किस् या सकोंगे।

स्वष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त छ ब्दों और पदों का, जो उक्त भौधानियम, के अभ्याय 20-के में परिभाधिक ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## जन्स्ची

फ्लेट नं० जो० एफ-24, हंस भवन विग-1, बहादुर णाव् जकर मार्ग, नई दिल्ली, तादादों 547 वर्गफोट।

> म्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनौक : १-8-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याधय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 8 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/12-84/ 1405—यतः, मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 805 है तथा जो आकाश दीप, 26-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज—I, नई दिल्ली में श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिसम्बर 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त दन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावस, उक्त गिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासिस्थ में कमी करने या उससे अधने में सूदिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

शतः त्रभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण मं. मं. अभत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो पर्रावन्दर सिंह बगा निवासी-43, रेसकोर्स रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एल० सरना ग्रीर श्री जे० एल० सरना, मैं० पी० एन्ड एस० एक्सपीर्टम कार्पोरेशन, 802, श्राकाश दीप बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्स्याक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्क जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

#### वन्स्ची

फ्लैट नं० 805, झाकाण दीप; 26, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादावी 440 वर्गफीट।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनौक: 8-8-1985

मोहर 🖫

प्रकथ नाइ". टी, एन. एस .------

कारकर कंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बबीन सुवना

#### बारत सहकार

## कार्यासन, सहायक आयकर नायुक्त (निर्द्रीकुन)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई० एस० सी०/एक्यू/1/37ईई/12-84/ 1406---श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की वाख 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित वाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 801/98 है, तथा जो ने इक प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इपने उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से अणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधोन सारीख दिसम्बर 1984

करे पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देष्य से ३०३ अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरन ते हुई फिली बान की बाबत अवल कथि-रिन्न के व्यक्ति कर दोने के बम्तरक के दासित्व में क्रमी कहने या उत्तवे वचने में तुनिधा की सिए; क्षीड-/मा
- (क) एको किसी बाब वा किसी वह वा अस्य कास्तिवाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाडिए था, कियाने में सुविधा के किए:

वित: धव उक्त विधिनियम की धारा 209-न के जननरक वं, वं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नितिवत व्यक्तियाँ,, अर्थात् — (1) मैं० दिल्ली गन हाउस , कश्मीरी गेंट, दिल्ली ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रमिता खोसला, पत्नी डा॰ राजीव खोसला, निवासी-1166, जोर बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्द संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ध-

- (क) इस स्चना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीचं चे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के एक विकास में किए का करेंगे।

स्पन्दोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिध-नियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्**स्**ची

फ्लेट नं० 801, हैमकुन्ट टावर, 98 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, ताबादी 634 वर्गफीट।

> श्मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-1 नई दिल्ली

दिनांक : 8-8-1985

मोहुरु 🛮

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं श्राई० ए० सी ०/एनयू ०/1/37ईई/12-84/ 1407-- प्रतः मुझे, भ्रार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 / - रत. से अधिक हैं

श्रीर जिलको सं० खेल नं० 9~ए है तथा जो ब्लाइ 'ई', नेहर प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इतसे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिल है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय प्रार्जन रंज-1, नई दिल्लो में भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1961 के प्रधीन तारीख दिसम्बर

1984

को पुर्वक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृख्य से काम को धरममान प्रतिफल के िलए अन्दरित की गहुँ मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे शृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनसरका) बार बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिश्वत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का **27**) **क**े प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए:
- 📴 श्रथ, उक्त ऑधिनियम की भारा 2,69-ग के अनुसरण मा, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्थन, निर्मालिश्वत व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) मैं० नेहरू प्लेस होटल्स लि०, इरोज अनेमा बिल्डिंग जंगपुरा, नई दिल्ली-14

(भन्तरक)

(2) श्री केवल कृष्ण प्रग्रवाल सुपुत्र स्व० श्री सोहन लाल, श्रीमती श्याम लता पत्नी के० के० प्रग्रवाल, कमारी वंदना और कुमारी अंजली सुपुन्न श्री के०के० भग्नभाल ग्रीर श्री के० के० भग्नवाल ग्रीर फैमिली, एच० यु० एफ०, निवासी-सी-6, फैलाश कालोनी, नई दिल्ली ।

(धन्सरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टींकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित **है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया** गया है।

## अनुसूची

स्थान सं० 9A, 520 वर्ग फुट 8 वर्ग तल E बलाक, होटर कम कामशियल कम्प्लैक्स नेहर प्लेस नई दिल्ली में स्थित है।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

विनांक : 8-8-1985

मोहर 🕫

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ----- (1) श्री ए

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-!, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनौं ह 8 ग्रगस्त 1985

निर्देश मं० आई० ए० मो०/एक्यू०/I/37-ईई/12-84/1409 - - गा. पुरे, जार्का हि।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं 1406/89 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इतसे उगबद्ध सनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रजन रेंज-I, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनम्बर 1984

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का णंक्रह भीतक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया भित्तिक निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिश्वा के लिए:

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत जिल्लामित व्यक्तियों. अधीत जिल्लामित व्यक्तियों.

(1) श्री एउ० ए४० ग्रग्रवास, ए-एन/59—बी, डी० डी० ए० फ्लैंट, शालीमार बाग, दिल्ली—33 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीश्रीहर्प पासी;
 ए-23/194 लोदी रोड कालोनी;
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना लारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्नोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क से ९रिभाषित हों, वहीं को शिंग जो उद्यास में दिया गया हों

#### अनुसूची

पलट नं० 1406/89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 332 वर्गफीट ।

> श्रार० पी० राजेश स्थाम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

विनांक: 8-8-1985

प्ररूप आर्घ.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज--I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देष। सं० म्राई० ए० सी०/एनयु०/ग/37-ईई/12-84/ 1410---यतः, मुझे, म्रार० पी० राजेश,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 34 है तथा जो फीरोज भाह कोटला रोड नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार म्ल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 260-म के अनुसरण मों, मीं, उबत अधिनियम की धारा 260-म की उपधारा (1) के शभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—→ (1) मैं ० कैलाक नाथ एन्ड एसोसिएट्स, 1006, कचन जंगा, 18 वाराखम्बा शेड, नई दिल्ली—1।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रम्न कुमार सुरपल, 5-ए/७, ग्रंसारी रोड, दरिया गंज, न**ड** दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**श्र**न्सूची

श्रादिश्वर श्रपार्टमेंट 34 -फीरोजशाह रोड, 6वीं मंजिल, बहुमंजिली भवन, ताधदी 1600 वर्गफीट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायह ग्रायकर प्रापुक्त (निरीक्षण) ग्राजेन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 8-8-1985

## प्रकम कार्दः टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० मंा०/एक्यु०/1/37ईई/12-84/ 1411--यत. मुखे ग्रार० पो० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वत करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 805/43 है तथा जो चिरंजीव टावर, नेहरू फेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावड श्रनुसुकी में ग्रौर पूर्ण का में वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के श्राधीन नारीख दिसम्बर 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अंतरण ते हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वादित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा को सिए; बॉर/वा
- (च) ऐसी किसी बाग का किसी धन या बन्य कास्सियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहुई किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुनिधा के लिए।

बतः सम्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन . निम्नलिखित स्थिकत्यों , अभार्तः— (1) ग्रशोध कपूर एन्ड सन्स (ऐच यु एफ़) द्वारा कर्ता श्री श्रशोक कपूर, 102, जोर बाग, नई दिल्ली ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती त्रिना जैन, पत्नी श्री सुबोध चन्द जैन, निश्वासी-अनन्ते भवन, 4798/23, दरिया गंज, दिल्ली-2।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

चनत सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति सुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्भ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकता।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **धनुसूची**

कमिशयल फ्लेट नं 805/43, चिरंजीवटावर नेहर फ्लेस नई दिल्ली, तादादी 830 वर्गफीट।

> न्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 8-8-1985

## त्रक्ष भादः . टी. एन . एता . ------

## बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन स्वना

#### नारत प्रस्कार

## कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सो०/एक्यू०/1/37-ईई/12-84/ 1412---यतः, मुझे, श्रार०पी० राजेश,

भा कर शिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधितियम' कहा भया हो), की धारा १६९० व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को नह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 1412/89 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर से प्रणित है) एजिस्ट्रेंग्इर्ती श्रिधकारी के कार्यालय श्रर्जनरेंज-1, नई दिल्ली में ग्रायकर श्रिधनियम, 1961 के ग्रिधन दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षत्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्ट्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए स्य पापा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चोध्य से उक्क बन्हरूच लिखत में बास्तिक क्ष्य से किएत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उक्त अधिभाग की स्थीय कर दोने के श्रमास्क से शिवत्य में कभी करने वर सब्ब स्थान में श्रीयचा के श्रमाह, कॉट/सा
- (क) एंती किलो नाव वा किसी भंध मा नत्व नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ जन्मरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, कियाने में जुनिया को स्विधः;

कतः क्षम, उक्त की धीनयम की धारा 269-ग के अनुसरक कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैं० स्कापर देख्स प्रा० लि०, कापर भवन, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एल० अरोड़ा श्रीर कुमारी कविता अरोड़ा, श्रीभभावक श्री एम० एल० अरोड़ा, निवास:--एस-339, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्लो।

(अन्तरिती)

ा वह स्थमा धारो धारके पूर्वोक्त संपन्ति के तर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्त संवरित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षंप :---

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 विन की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबिथ, वो भी जबिथ बाद में संज्ञाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए का सकति।

स्वच्छीकरण:----इतमें प्रयुक्त शब्दों की ए वदों का, को अवद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्रसाही

#### नगत्त्रची

फ्लैंट नं० 1424/89, नेहरू प्लेप, नई दिल्ली, ताबादी 150 वर्गफ्रीट ।

> भार० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनां कः 8-8-1985

## प्ररूप बाईं दी एन एस . ------

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश गं० ग्राई० ए० सिं०/एक्यू०/1/37-ईई/12-84/ 1413--श्रतः भृक्षे श्रार० पी० राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० 1415/89 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का में विणा है) प्रजिस्ट्राकर्ता श्रिध हारी के कार्यालय श्रजंत रेंज⊸1, नई दिल्ली में श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिटीन दिसम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुई कियी बाय की बाबत, अध्यक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक को विस्थित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा० श्रीमती भरम जात कौर बंसल, निवासी—बी-5 एन० डी० एस० ई०-11, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोना गुप्ता, निवासो—मकान नं० 644 सेक्टर 16-ए, फ़रोदाबाद (हरियाणा)

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में काई वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड विकास में किस जा स्थाने।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया सवा है।

## अनुसुची

फ्लैट नं० 1415 स्तोपर टावर, 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्लो, ादादी 500 वर्गफीट ।

> श्चार० पां० राजेश सक्षम प्राधि हारो सहाय ह श्वाय हर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांफ : 8 -8-1985

मोहुर ु

## प्रसम् बाह्रे , टी., एन., एत., -----

## आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269--व (1) के अधीन सूचना भारत संस्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मो०/एक्यू/1/37ईई/12-84/ 1414---श्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेण,

वायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इवर्गे इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राभिकारों कां, यह विश्वस्थ करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाधार मृस्य 1,00,000/~ रु. से अभिक हैं

ग्रीर जिसका सं० मपेस नं० 10 है तथा जो 56, नेहरु फ्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रामंन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायर श्रिधिनयम 1961 के ग्रीयान तारीख दिसम्बर

1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्ष्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हो और मुझं यह नवस्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूष्य, उत्तको क्ष्यमान श्रीतफल से, एवे क्ष्यमान श्रीतफल कर बच्छह श्रीतवात से अधिक हो बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तों) के बीच एसे अन्तरण से किए वस बाग गया श्रीतफल निस्नतिथित उच्चदेश से उच्च अन्तरण निश्चित् में नास्त्रिक क्ष्य से क्षिक सूही क्षिया वसा है:—

- (क) बन्दरम से हुई स्मिसी मान् की नामछ उथन विध-शिवन के नकीन कुर को में मृत्युरक के समिल्ल में कनी करने ना बकुचे नजने में बुनिधा में किए; श्रीहर/का
- (क) प्रेसी किसी नाम था किसी थन वा अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय धायकर वीधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त मृष्टिनयम या थन कहा विभानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नाभ क्रियुंडियों कुनाड़ तकर नहीं किया भूमा वा या किया जाना चाहिए था क्रियान में सुनिधा के विकास

वतः कथ, उन्त विधिनियम की धारा 269-व के अनुसरम मं", मं, अकत विधिनियम की धारा 269-व की उरधारा (1) के वधीन,, निम्मसिद्धित व्यक्तिवास, संगीत क्ष्यान (1) श्री भजन शंकर और श्रीमती सोना सखे सक्सेना, 720, डबल स्टोरी, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(प्रन्सरक)

(2) मास्टर म्रजुन गुप्ता, मास्टर नकुल गुप्ता,
सुपुत्र श्रां ग्राधिनाश चन्द गुप्ता,
निवासों--एस-481, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली
मास्टर निसंगलाल श्रार कुमारी रिटीका लाल,
सुपुत्र ग्रीर सुपुत्ता श्रो ग्रश्वनो लाल,
निवासी एस-87 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
(भन्तरिर्ता)

 श्री यह बुचना वारी करक पूर्वोक्त सम्मरित के बर्चन के किए कार्यवाहियां करता हों।

जबत सम्परित के अंजन के सम्बन्ध मा कोई भी शासके हे---

- (क) इत व्याप के रायपण में प्रकाशन की तारित से 45 विभ की जमभि ना तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर नृष्मा की ताजीन से 30 दिन की जमिंग, भी भी वनिष नाद में समाप्त होती हो, के जीवर गृजेंका व्यक्तियों में से किसी स्थानत स्वारा;
- (क) इस सूपना के राजपत्र मं प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्या अभोहस्ताक्षरों के या श्री विविद्य में किए या सकीने।

रमक्कीकरणः — इसमें प्रयूपत नन्दों और वर्षों का, जो उपत अधिनियन के अध्याय 20 के में वरिश्लाविष्ठ हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में विद्या भया हैं।

### **श्र**नुसूची

स्पेस नं० 10, पांचवी मंजिल, 56 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली ताक्षादी 328 वर्गक्षेट।

> श्रीर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 8-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-थ (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय महाभार यागवार अभ्यक्त 'निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1985
निर्देश सं० श्राई० ए० मी० /एक्यू०/1/37 ईई०/12-84/

1415— ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश शयकर गरैपनियम, 1961 /1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात कार्य ही कारण हैं कि स्थावर समाधित, जिसका उच्चित बाजार मृत्य

और जिसकी सं आर० टी० टी० 22 है तथा जो जी-2, कालोजी, नई दिल्ली में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रधिनयम, 1961 के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1984

1,00,000/- रह. से अधिक हैं।

को प्रवेक्त सम्पर्ति के उचित बाषार मुख्य सं कम के अवजान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे श्रम्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तक पावा गया प्रतिकल, निम्मनिवित उद्वेषम से उक्त कन्तरण निवित में बास्तिकल कप में कवित नहीं किया गया है.—

- (क) बन्तरण सं शुद्धं किसी जान की बावत, इन्द्रं भौधीनसम् के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में केसी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए, और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम शा धर-अण अधिनियम, १६५७ (१५५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्थिए।

अतः अवा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:---- (1) मैंसर्स राजेन दास,एन-52-ए, कनाट प्लेस,नर्ड दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धरम पाल, 10/135, दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, ग्रम्बेडकर नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुचना प्रारी करात पुर्वाक्त मध्यन्ति के अर्जन क सिर्यु कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सभ्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारी स से 45 दिन की जबीं था तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की जबिंध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इत त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विश्व के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्त में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होंगा ज उस अध्याय में दिसा गया ही।

## नन्स्ची

ग्रारः डी॰ टी. -22, (बेसमेंट) जी-2, वापिंग सेन्टर कम्युनिटी फैंमेलिटीज, कालकाजी, नई दिल्ली, तादादी 61.75 वर्ग फीट ।

> म्रार० पी० ाजेश सक्षम प्रा बकाी सहायक ग्रायकर ज्ञायुक्त (दि.ीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नारीख : 8-8-1985

## ्राच्यु **सार्ह**े**टी. एम्. एस**्यान्यात्राच्या (1) मैठ शिव क

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के अधीन मुचना

#### शरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्वेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/12-84/ 1416—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेण,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-क के अधीन स्काम प्राधिकारी वारे, यह विकसास करने का भारण है कि प्यापर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 15 है तथा जो 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन नारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है

मुक्त यह गम्पवास करन का कारण ह कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से, एमें इड्समान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (को अल्परण म हुई। रिकासी नाम की धावत, उपस् अधिनियम के वधीम कर बाने के बन्तह्रक वी काबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा 45 लिए; और/सा
- (ख) एोपी किसी आज रा किसी धन या अन्य शास्तियों को जिल्हा भारतीय राध कर अधिरियों । 1920 (10) 2 का (1) या उदल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीयनाथ अन्तरियों (देश प्रकट नहों किया। एया था वा किया। बाला चाहिए था। फियानं में विकास के निया।

असः अव, उक्त मधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269 स की उपधार (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैं० णित्र कपूर जोगिन्द्र कपूर, 2720, श्रजमल खां रोड, करौल बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती पृष्या जी० वादनी, श्री जी० सी० तादानी, 53, सुन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

.उक्त मम्परित के अर्थन के संबंध भें कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृशारा;
- (व) इत सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की लाटीख़ में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-क्ष्म किसी जन्म क्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित मों किए जा सकोंगे।

स्विचित्र :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों नीह पूर्वों का, को उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ हरेगर को उस अध्याय में दिया गया हैं:

## भ**न**्हो

प्लाट नं० 116, 21, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली, तादादी 500 वर्ग फीट ।

> श्र!:(० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्राथुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 8-8-1985

महर.

and the second

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारह सरकार

कार्यालय, सहायक अधकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगम्न 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० मी० /एक्यू०/1/37 ईई०/12-84/ 1417—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश.

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६२चात् 'छवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षद पाधिकारी का, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर गर्प त जिसका उचित बाजार मृल्य 1,90,900/- रहा से अधिक है

और जिसकी मं० 607/7 है तथा जो टालस्टाय मार्ग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में अग्यकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

यो पूर्विकः, संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने कि कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एग्रेसे दृश्यमान प्रतिफल का पंडह प्रतिशत के अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी अग्र की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उग्नसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- यर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिरियो व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अदः, उत्ततः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण सो, मी, उदा अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, "स्वतिकिट सावितयों, अर्थात् :~ (1) विग कमान्डर एस० एन० सहगल, डा० (श्रीमती) सरलजीत सहगल, कुमायी णिनीका सहगल, निवासी डी-11/78, काका नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला मेहरा, श्री राजीव मेहरा, श्री राकेश मेहरा, निवासी श्रार-881, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो ,के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमृसूची

फ्लैंट नं ० 607, 6वीं मंजिल, टालम्टाय मार्ग, नई दिल्ली, नादादी 466 वर्ग फीट ।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ार्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नारीख: 8--8-19

मोहर :

10 --- 236GJ/85

प्ररूप बाहाँ, टी. एन. एस. ----

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>शायकर वायुक्त (निरीक्षण)</mark>।

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 श्चगस्त 1985

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा १६० व के अधीन मध्य पाधिकारों को यह विक्यास आरने का कारण हो कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० -ए/77 है तथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में ग्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली में श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मूफे यह विश्कास करने का कारण है कि यथमपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक संहुद्ध किसी बाय की बावत, उक्त सीधनियम् के बधीन कर दोने के बन्दरक के शियत्व के कमी करने या सबसे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसे किसी अब या किसी भन या करण आरित्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विधा खें लिए !

चर्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फें अधीन. जिस्तिज्ञित व्यक्तियमें, अर्थात् :——

- (1) श्री जी० एस० बेदी सुपुत श्री टी० एस० बेदी, निप्रासी 209, गोल्फ लिंक, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं ० सम्भरवाल एसोसिएट्स,
  प्रधान कार्यालय, राजिन्द्र बाजार,
  निकट ताज होटल, जम्मू तथी (जे० एण्ड के०),
  पताचार सी-36, गुल मोहर पार्क, नई दिल्ली ।
  (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच धे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस भजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास जिल्हात में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीन्यम के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया प्रा है।

## यम्स्ची

पलैट न० ए→ ग्राठवीं मजिल, 17, वणावादा रोड, नई दिल्ली, नादादी 580 वर्ग फीट ।

> म्राट पी० एजेस, सन्नम प्राधिकारी सत्त्वक भ्रायक्तर सायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज−1, नई दिल्ली

**लारीख** : 8-8-1985

## त्रक्ष बाइं. टी. एम. एत . .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-ण (1) में अभीन स्पना

#### मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 7 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सं/० /एस्यू०/1/37 ईई०/12--84/ 1419—अस: मुखे, श्रार० प्रो० राजेश,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले एसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा बस्म हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विष्वास करने का ज्ञारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 19/28 है तथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रौर इसन उपाबद्ध श्रानुसूची में ग्रौ पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्लो में ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 के ग्रियोन तारीख दिसम्बर, 1984

हो पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यकान सिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास इस्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार पूल्य , उसके वश्यमान प्रतिकल से , एसे वश्यमान प्रतिकल के ल्वह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और शिरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ।या प्रतिकल, निम्नलिसिस उद्योध से उक्त जन्तरण लिखित में गास्तविक रूप से कथिस मुद्दी किया गया है ए---

- (क) जन्तरण के हुइ किसी जास की बाबत, उक्त सीधीनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक क दावित्य में कभी कड़ने वा उत्तरे क्यारे में बूधिशा के सिक्; बांड /वा
- (क) ऐसी किसी नाव वा किसी भन या जन्म जास्तियों की चिन्हें भारतीय जानकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए।

जतः जब , उन्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं , मैं , उन्तं अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) मैं अधील , निम्यश्लिक्ति व्यक्तिमों , संभात् म— (1) मैं गोपाल दास इस्टेट्स एण्ड हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड, 28, गोपाल दास भवन, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरजंस लाल क्षकड़ सुपुत्र श्री षुती जन्द कक्कड़, निवासी ई-174, मस्जीद मोठ, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह स्थमा जारी करकं पृश्वांकत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की विवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वाना की तामील से 30 दिन की जबिथ, जो मी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकर
  व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इंवारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्यस्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विधितियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जन्तु की

स्पेस नं० 9, एस० जो० एफ० 28, बाराखम्ता रोड डा० गोपाल दास भवन, नई दिल्ली, तादादी 140.78 वर्ग फ़ीट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-8-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय सहायक शायकर आयुक्त (निर्दाक्त)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्डिश सं० घाई० ए० मं:० /एक्यू०/1/37 ईई०/
12-84/1420--प्रनः मुद्दो, ग्रार० पं:० राजेश,
भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

स्रौर जिसको सं० स्पेन नं०81 है तथा जो 28, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ला में स्थित है (स्रौर इपसे उपानद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली,भारतीय श्रायकर के नियन 1961 के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1984

1,00,000/- रा. से अधिक है

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से जिथक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त एन्तरण किवान में बास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के बभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने का जबसे बचने में सुविभा के लिए; बॉर/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए;

सतः नव, उन्त निर्धानियम की गारा 269-म के ननुसरण वो, मी, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलियित व्यक्तियों, नर्भात् :---

- (1) श्रोमतः सरोज ग्रर्राङ्गः, 51, य्० पः० जवाहर नगर, दिल्ली--7। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमती सुदेश कुमारी, श्रामती वनिता चुघ, श्रीमती लाजवन्ती मार्फत श्रामती इन्दर मौहन (स्पेस ए० सी०), मी० डी० एस० (बा० एन०पी०), (श्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की उविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की वबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त इति हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में पिया गया है।

#### अनुसूची

एसा जी एमा स्पेस नं या था। जी गोपाल दास भवन, 28, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली, तादादी 154.20 वर्ग फीटज ।

ग्रारः पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नर्ष्ट दिल्ही

तारीख : 7-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बार्षं .टी . एन . एस . .----

शायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) करे भारा 269-च (1) के अधीर मृत्या

#### भारत बरकाइ

भार्यालय, सहायकः अध्यकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रजंन रेंज−1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोंक 7 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०य/एक्यू०/1/37 ईई०/12-84/ 1421---श्रत: मुझे, श्राप्य पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी कं 1420/38 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं। (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्भ अधिकारी के कार्यालय, अर्थन रेज-1, नई दिल्ली में आयकर श्रिधिनयम, 1961 के अधीन वारीख दिसम्बर, 1984

क्षेत्र पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित वाजार मृत्य हे कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर्न का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पृष्ट प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में नास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण देहुई किसी साथ की शायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कभी कारले या उत्तस्ते वचने प्रें सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गयर था या किया जाना चाहिए था, छिमान में सुविधा औ लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की अपधारा (1) के अधीन, निस्तिचिक व्यक्तियों, सर्वात क्रिन्सिक

- (1) मैं व बंसल भवन प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड, 115, बंसल भवन, 16, कें जी० मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मास्टर श्राभीश पाल, मास्टर श्रमित पाल, मार्पत डा०के०के० पाल, निवासी २० 1, महादेव रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन हे भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, को उक्क विश्वनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसूची

पलैट २० 1420, टावर बिल्डिंग, 38, नेहरू प्लेस, नादाधी 399 वर्ग फीट, नई दिल्ली ।

> श्रार्० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज∼1, नई दिल्ली

नारीख : 7-8-1985

मोहर 🕹

# प्रकथ बाइं.बी.एन.एस.------

# आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मभीन मृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिमांक 7 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्राई० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/12-84/ 1432--ग्रतः मसे, ग्रार० भी० राजेश.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मंत 704/13 है तथा को टालस्टाय मार्ग, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबक्ष श्रनुसूची और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में आयकर श्रिधिनयम, 1961के श्रिधीन, नारीख दिसम्बर, 1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरन का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पंद्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकां) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिल कित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनाथं अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ण को अनुसरण मों, मीं उत्तन अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिथों, अथोत् :--- (1) श्री बनशी विश्रम विकास कल्स्ट्रेनशन कं० प्राइवेट लिमिटेड, 13, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) सरदार गुरवचन मिह और सरदार शामा गुरवचन सिह, 12, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीहर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

कार्यालय फ्लेट नं० 704, बिल्डिंग नं० 13, तादादी 696 वर्ग फीट, 7वीं मंजिल, बहु मंजिली भवन, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नारीख: 7-8-1985

**श्रुप्त शाह**ें. टी. एस्., एस., ल --- -

नायक जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 ग्रगस्त 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/1/37 ईई०/12-84 1423--ग्रतः मझे, ग्रार० पी० राजेण,

भायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं 01/36 है तथा जो कैलाण कालोनी, एक्सटेंशन, जंगपुरा, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिन्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली में ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभे यह विश्वास मान का लोग हो कि यथाप्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृद्य उसके दश्यमान प्रतिकत्त से एसे दश्यमान प्रतिफल का शन्यह प्रतिकात सं अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण संहुई किली बाय की बाबत उक्त मिन-नियम के बचीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बांद्य/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन था जन्य जास्तिकों करों, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधीनयम, या चन- कर उसीवधम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा वा किस्त असीवधिय पा कियाने के सुनिका नहीं किया

भतः जन्म, उन्तः भिनियम की भारा 269-प की भन्सरण में, मैं, उन्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिरों, अभीत् :—

(1) मैं० पलाइट डेबलपर्स प्रा० लि०, 115, अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) एस० राजिन्द्र सिंह,बी-8/4, वसन्त विहार,नई दिल्ली ।

(म्रन्तरिती)

का यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त कम्परित के बर्बाइ के विक् कार्यवाहिया करता हुए।

बक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेद:--

- (क) इस बुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सम्राप्त होती हो, खें भीतर प्वोक्ट स्थिनतयों में से किसी स्थमित युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष है 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हिंह- व्यूप किसी अन्य स्थावर स्थार, अथोहस्ताक्षरों के पार सिवित में किए वा स्कारी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगसभी

पलैट न० 101, प्लाट न० 36, फ्लाइट हाउस, कम्युनिटी मेन्टर, कैलाश कालोनी एक्सटेंशन (जमरूद पुर), नई दिल्ली, तादादी 430 वर्ग फीट ।

> ग्रार० री० राजेण सन्नम प्राविकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 7-8-1985

माहर 🖫

## प्रकप बाह्र . टी एत एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (†) के बधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1985 निर्देश संब आई० ए० सी० /एक्यूंंंं/1/37 ईई०/12-84/ 1425---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 506 है तथा जो 72, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीयनी अधिकारी के कार्यालय, प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा ले लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ई1922 का ११) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1987 (1957 का 25 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गा, भी, उक्त अधिकियम भी धारा १६० व की एपधारा (!) के अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमनी अशिवाला प्रयत्नाल बुलन्ड बगमा न० 1, गुडगैस रोड, सिविल लाइन्स रामपुर (उत्तर प्रदेश)। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रमेण कृमार मोनल (कर्ना) श्री रमेण कुमार मित्तल (एच० यू० एफ०), 320, गली लटमारन, देवी भवन वाजार, जोधावरी (हरियाणा) ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्त सम्पाटत के अजन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमं प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्यो

प्लाट न० 506, लक्ष्मी नगर, 72, नेहरू प्लेम, नई दिल्ली, नादादी 532 वर्ग फीट ।

> श्चार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) ग्राजेन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 7-8-1985

महिर:

## प्रकार पार्ष: हाँ. एम्. **एस**.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**य**ना

#### भारत सरकार

कायां लय , सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 प्रगस्त 1985

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का करने हैं।

और जिसकी सं रूपेम नं 12 है तथा जो 17, वाराख्नम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली में ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के प्राधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण े कि बनाए क्षा रामित का उचित बाजार मृत्य, उत्तके स्थ्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्धह प्रसिश्त अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और नंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त कीं भीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करन या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर किशिनयम, 1922 (1922 मा १४) या उबल अधिनियम या धर कार विर्धालन, 1957 (1957 का 27) ए एया जान अस्तियों द्वारा प्रकट तहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उपत्र अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 11 —23601/85 (1) मैं गुजराल इस्टेट प्रा० लि०, 17, बाराखम्गा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दुष्यन्त कुमार मेहतानी मुपुत्र श्री दुर्गा प्रसाद मेहतानी, गली नं० 14, हाउस नं० 10766, प्रताप नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दा आहे. पदों का, जो उक्त विधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची ।

स्पेम नं० 12, लोबर ग्राउन्ड फ्लोर, 'विजया' विल्डिंग, 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, नादादी 110. 110.80 वर्ग गज।

> स्राप्तः पी० राजेण सहायकं श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनं रेंज-1, नई दिल्ली

नारीख: 7-8-1985

## प्रकृष बाहाँ, टी, इन, एस, ------

# बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के स्वीत स्वता

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/27 ईई०/12-84/ 1427—म्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेण;

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्परित, त्रिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 8 ब्लाक 'ई' है तथा जो नेहरू क्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, तारीख विसम्बर, 1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विद्यास करन का कारण है कि सथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाय गया प्रतिफल निम्निनिस्त उद्देष्य से उस्त अंतरण कि लिए ती की बार प्रतिका से वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ वे हुई किती गांग की यायस, अक्स विधिनियम के अभीन कर दोने के सन्तरक के वादित्य में कमी करने या उससे भवने में सुधिया के किए: कार्यना
- (च) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिये था. खिपान में ब्रिश्स के बिह्म के बिह्स;

जतः जब, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त मिश्रनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्नोलिकित स्यक्तियों, जधाँत :--- (1) मैं नेहरू प्लेस होटलस लि०, ईरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुरेण गुप्ता मुपुत्र श्री हरीणचन्द्र गुप्ता, निवासी एन-108, पंचणील पार्क, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

बकत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाहोप :

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की सारीय से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जां भी अध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितबब्ध किशी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहन्तालरी के पास निवित में किए वा सकति।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रपृष्त शब्दों और पदों का, को उनत व्यक्तिसम के सभ्याम 20-क में परिभाविक हाँ, वहीं वर्ष होता, को उस सभ्यास में दिया गया है।

#### अपूर्व हैं।

स्पेस नं० 8, नौंबीं मंजिल, ब्लाक 'ई', होटल कार्माशयल कम्पलेक्स, नेहरू व्लेस, नई दिल्ली, तादादी नं० 484 वर्ग-फीट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्वेन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 7-8-1985

# असन बार्ड . टी., रूम . एस . सन्तरमध्यानस

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-थ (1) से स्थीन सुचना

### भारत रहकाड

कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दितांत 12 दिसम्बर 1985 निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/12-84/1428, अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पक्षात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं)., की भाड़ी 269-छ की निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 0 309, तादादी नं 0 240 वर्ग फिट है तथा जो 51-52, नेहरू प्लेग, नई दिल्ला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण का स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध हारा के लायिलया, श्राजन रेंज-1, श्रीयकर अधिनियम, 1961 के अधीन नारीख विसम्बर, 1984

हा प्राचित सम्पतित क उण्यित बाजार मृत्य से कम के स्थमान शितफाल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यित बाजार मृत्य, उसके स्थयमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ट) और अंतरिती (अन्तरितिशीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (का) यन्तरण से हुई किसी बार की बावत, उक्त प्राथमियम के अधीन कर दोने की अन्सरक की राजिस्य मी किसी करने या उससे बचने मी सुविधा राजिस्ट क्याराय.
- (च) एसी किसी अथ या किसी धन या कन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था कियाने में सावधा के सिए;

बत: बाब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में. इक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निजिबत व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती राधा रानी भण्डारिया परनी श्री श्रमोका भण्डारिति, निवासी 18-बी, शेख सराय भाग-1, नई दिल्ला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रामता मंजु श्ररोड़ा पत्नी श्रा सुशील कुमार, निवासी 54, स्टेट बैंक कालोनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना अपरो करके प्याबत सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्रोप :---

- (क) इत त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश वे 45 दिन की अनीभ का तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर त्यना की तानील से 30 दिन की अनिभ, यो भी अनीभ नाव में तनाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इत बूचना के याजपत्र में प्रकातन की दारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिच्छित में किए जा सकरेंगे।

स्पञ्चीक रणः — इसमी प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उपक अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगेर को उस सध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 309, तादादी 230 वर्ग फ्रीट, 51-52 नेहरू प्लेम, नई दिल्ली ।

> ग्नार० पी० रा**जेग** सक्षम प्रांधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1985

# प्रकृप काइ<sup>र</sup>्ट को , पुन , पुच , ------

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269 व (1) के अधीन सुकता

#### भारत बहुकाह

कार्यासय, सहायक जामकर भागूम्स (निरीक्रण) ग्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रगस्त 1985 । निदेश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई 12-84/1429---श्रतः मझे, श्रार० पं/० राजेण,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पत्रवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारों को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी लंग 1525, तादादं 150 वर्ग फ़ीट है सथा जो 89, नेहरू फेस, नई दिल्ला में स्थित है (ग्रौर इसन उपाबद्ध श्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण का स विणित है), रजिस्ट्रा इती श्रधिकारी, के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में श्रायकर श्रधिनियम 1961 के अर्थान तारीख दिसम्बर, 1984

का पूर्ण जा नपास्त के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यभान प्रतिफ स के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किस्त में बास्तिद्द रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण संहुर किल्ली बाय की बाबत, उक्क अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा क लिए; और√या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कशः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निकासिकत स्पीकतयों, अधीत ह—

- (1) मैं० स्कीपर निरुत्त प्रा० लि०, स्कीपर भवन, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।
- (2) मैं श्रानन्द ब्रास (एच० यू० एफ०), एच-71, एन० डी० एस० ई०-भाग-1, नई दिल्ली-69 ।

(भ्रन्तरितो)

कां यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षण :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यां कारायें पर धूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्य स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थिति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिमकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

## अन्**स्ची**

पर्लंड नं १५२५, तादादी १५० वर्ग फ़ीट, ८९, नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली ।

> श्चार० पी० राजेश नक्षम श्रधिकारी : सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-1; नई , दल्ली

तारीख: 12-8-1985

## प्रकप बाई . ही . एन . एस . ------

# मायकर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) से मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई .दरलं? दिनाव 9 ग्रगस्त, 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए.० सी:०/एसवू०/1/37ईई/12-84/ 1430-त्राः पुझो, श्राप्त० पी:० राजेश.

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचार 'उनत ऑधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगीत जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,006/- ए. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकें: सं० फ्लेट किं/ है तथा जो 17-वाराखम्बा रीड नई दिल्लों में स्थित हैं (ग्रीर इसन उपाबद्ध अनुसूच में ग्रीर पूर्णक्ष्य ने वर्णित है), रिजस्ट्री इर्ती श्रीध कारा के कार्यालय, ग्रर्जन-रंज-1, नई देल्ला, मारताय ग्रायकर ग्रीधनियम-1961 के ग्रवीन, नारीख दिसम्बर, 1984,

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के नीच एस अंतरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) यन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे अधने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा से सिष्ट,

अतः अब, उक्त र्वाधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण क, मैं, उथत अभिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जगदीश चन्द्र सुपुत्र श्री ठाकुर दास, निवासी-सी7-33, ग्रामन्द निकेतन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं श्रानीचर केमिक्ट्स, 812/813, तुलसं/यानं/ चेम्बर्स, नरीमान पाइन्टस, वेस्ट विग, बभ्बई-21।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत प्र पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक्ष्म किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **श्र**नुसूर्चः

फ्लेट 'बी' 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, 13-वीं मंजिल, तादादी 965 वर्ग फ़िट, साथ में टैरेस 169 वर्ग फ़िट।

> स्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधि हारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9-8-1985

भोहर :

प्ररूप आइ .टी.एन.एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० ग्रार०टा०टा०-322 है तथा जो जो-2, शाल जा-जो, नई दिल्ला में स्थित है(ग्रीर इयस उपाबड श्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री हती ग्रीधकारी के कार्यालय, श्रजन-, रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर ग्रीधिनयम 1961 के ग्रीम तारीख दिसम्बर 1984,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित का गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हुं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दक्ष्यमान प्रतिफल से, एोसे दक्ष्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिदास से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलाखत उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किंथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्रा) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करं, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत्:— (1) मैं० राजेन्द्रा, एन-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्लो ।

(ध्रन्तरक)

(2) श्रीमिति भूषिन्त्र कौर, निवासी-सी०एच०-39, ग्रीन पार्क एक्सटेंगन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ऋरता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस गूचना क' राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्रार्व्ही व्हीं ०-422, श्रेष्टी मंजिल, जी-2, शापिंग सेन्टर, कम- इम्बुटो फ्रैसलिटीज, कालकाजी, नई दिल्ली तादादों, 60.5 वर्ग फिट।

> श्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

ताखरी: 9-8-11985

## प्रकप आई.डी.एन.एस.-----

# सायकर सिथीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र ज-1, नई दिफली

मई दिफली, दिनांक 9 अगस्त 1985

निर्देश सं । ाई० ए० सी ०/ए यू०/1/37-ई ई/12-84/ 1432-यतः, मुझे, आए० पी० राजेश,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विकास करने का कारण है कि स्थानर कम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. ते अधिक है

श्रोर जिसकी सं 0 1325: नादादी 150 है, तथा जो 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिसम्बर, 1984

को प्योंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल सं, एसे दस्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबस, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (का) एली किली बाय या किसी धन या बन्य बास्तिक को, जिल्हां भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर लांधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा को निए;

भतः वन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरणी मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अधित :---

स्कीपर सल्म प्रा० लि०, स्कीपर भवन,
 22-बाराखम्बा रोड, भई दिल्ली .

(अन्⊹रक)

2. कुमारी स्मीता पुरी, अभीभावक श्री एस० एम० पुरी, भिवासी—ई-35, साउथ एक्सटेनगर् 1, वई दिल्ली (अन्तरिसी)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

जकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ ना तस्तं नंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध नाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर खाँकतयों में से सिक्ती व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता हो ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के णम तिस्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो अवद अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

#### वयसर्वी

पर्लैट नं० 1325, नादादी 150 वर्ग फीट, 89-नेहरू प्लेस, मर्ड दिल्ली ।

> आर० पी० राजण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (धिरीक्षण) अर्जन रोंज-I, नई दिल्ली ।

नारीख : 9-8-985

प्ररूप बार्ष ० टी० एन० एस०--

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के क्षीन सचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, नई दिल्ली मई दिफली, दिभांक 9 अगस्त 1985

निर्देश सं अर्हि ए० सी ०/ए यू ०/ 1/3 7तई है/ 12-84/ 1433--यत:, मझे, आर० पी० राजेण,

बाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसफो परचात् 'उक्त अधिनियम' कक्क गया हैं), की भाग 269-स के अभीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने क कारन है कि स्थावर सम्पत्ति किसका उचित वाकार मृत्य 1,∪0,000 ∕ - रत. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० 22-बाराखम्बा रोड़, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रींग इससे उपाब इ अनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से वर्णित है ), रिजस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जभ रेंज-1, मई दिल्ली, आयक्र अधिशियम 1961 ये अधीम **वि**सम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के डरयमान प्रतिर्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर, 🔭 कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजर मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतियत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप स काथत उनी किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अर्थि-नियम के मधीय कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कमी कड़ने या उससे बचने में सविधा के लिए मीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य कास्टिकों की किन्ह भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, वा भा-कर कांध्राविकाः, 1957 (1957 कार 27) क प्रयाजनार्थ क्यान्ति द्यारा प्रकट नहीं किया भाग का कारकार काल का**दिए था, डियाने में** स्थिभा के लिए;

बत्त: सब, उपन्त विधिनियम की धारा 269-ए छ। अम्बर्गण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. मैं ० आटो पीन्स (इण्डिया ) प्रा० लि०, 9-सा उथ एवन्य\_, महाभानी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री मोहन बाधवा, श्री विजय बाधवा, मै० राधिजा इनवस्टमेंट, (1 आप 2) 24/56 पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को बढ़ स्चना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस तुचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीजा 45 दिन की अवधि ना तत्संबंधी व्यक्तियों स्थना की दामीस से 30 दिन की मनधि, जो औ अविधि क्षाव में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त न्यक्सिकों में से किसी न्यक्ति इवायः
- (क) इस रूपना के रायक्त को प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रिसंक्ष्य किर्म अन्य व्यक्तित देवारा अधिकस्साक्षरी के पास निश्वित में फिए जा सकरेंगे।

स्वक्टीकरण :---इतमे प्रयक्त कर्यो और पदी का. अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहा कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

फ्लैट नं ०-2-बाराखम्बा रोड, 10वीं मंजिल, तादादी-500 वर्ग फीट, मई दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज-1, मई दिल्ली ।

तारीख: 9-8-1985

प्रस्य नाइ. ही. एन्. एस . ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जम रोंज 1, मई दिल्ली मई दिल्ली, दिमांग 9 अगम्द 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1-37तई ई/12-84/ 1434——यत:, मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आर० टी० टी०-20, बेसमेंट है, तथा जो जी-2, कालकाजी, भई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण क्या मे वर्णि । है), रिजिय्ह इनी अधि जारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली, आयक्तर अधिनियम, 1961, के अधीन, दिसम्बर, 1984

को पूर्वोगत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निचिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उनने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी भव वा जन्य नारिसमाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त जिनियम, या भव-कर जिनियम, या भव-कर जिनियम, या भव-कर जिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, स्थितने में सुविधा औ सिए:

शतः जवः जक्त अभिनियम की भारा 269-व के जनसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीनः निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ः—-12--236GI/85  मैं० राजेन्द्रा, एन-52-ए, कर्नाट प्लेस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

मास्टर गिरीश गुरनानी,
 I35, लाजपत नगर II, ई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह स्थना धारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कांड्रों भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस & 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कन्दी और पदों का, जो उक्त बिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया ध्या हैं।

श्रमुसुची

आर० टी० टी०-20, (बेसमेंट) जी-2, शापिंग सेन्टर कम-कम्युनिटी फैसलीटीज, कालका जी, नई दिल्ली, तादादी— 20 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजे-1, मई दिल्ली ।

तारीख: 9-8-1985

# इक्ष् वाद्'ृदी,<u>एवं,</u>पुर्व, ×-----

अध्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-च (1) के अधीन सूचना

### MEG STATE

कार्यासय, सञ्चयक नायकार नायुक्त (निरोक्तण)

अर्जम रोज-ा, नई दिल्ली मई दिल्ली, दिमांक 9 अगस्त 1985

भिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1-37-ई ई/12-84/ 1435 यत:, मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' बहुत कमा इ'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० आर० टी० टी०-2, बेसमेंट हैं, तथा जो जी-2, कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर मने उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि हारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली, नें आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, दिसम्बर, 1984

को पृशेंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि बथा पृशेंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि जित में वास्तविक रूप से किंवत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की बावत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यां
- (श) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चा अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधः के सिक्षः

बतः मंब, बक्त विधिनियम की भारा 269-ग सै अनुबरण टीं, में उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :---

- मैं० राजेन्द्राज, एम-52-ए कनाट प्लेस, मई दिल्ली (अन्तरक)
- श्री राम बाबु,
   निवास 10/126 दक्षिणपुर, एक्सटेनशन, नई दिल्ली-52 (अन्तरित)

को अञ्चल कारी करको पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

## क करा संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की नविभ मा तृत्संबंधी स्थानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी सबीध बास में समाप्त होती हो, के भीतर पृथानिक स्थानित्यों में से किसी स्थानित स्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो अवद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिगए नवा है।

## मन्स्ची

आर० टी० ट ०-2, (बेसमेंट) जी-2, शापिंग सेंटर कम्युनिटी फैसलीटीज, कालकाजी, नई दिल्ली, तादादी 95.25 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जारेंज-, नई दिल्ली ।

तारीख: 9-8-1985

मोहर 🖰

# प्रस्प बार्च ् टी. पुन्ः पुन् ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के विभीन सूचना

## भारत वरकाड

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनौंक 9 श्रगस्त 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/47-ई र्द्ध/12-84/1436—यतः, मुझे, श्रार० पी० राजेश,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रांरितिसकी सं० भ्रार०टी०टी०-115 है, तथा जो कालका जी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इपसे उपायक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पल्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निंसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है ह—

- (क) सन्तर्भ से हुई किसी बाय की नावत, उक्त स्वितिष्ण के स्थीन कर देने के बन्तरक के दासित्व में कनी कर्दने वा स्वसंत्रे वचने में स्विधा के सिए; मूरि/या
- (क) एसी किसी बाम वा किसी धन वा कन्य जास्तिओं को चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सनिधा के लिए।

विश्व वेव, उक्त वीधीनवन की धारा 269-न के अवृत्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों हु बक्ति ह—  मैं० राजेन्द्रास, एन-2-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

श्री मुख लाल मेहता,
 निवासी—ए-122, अमर कालोनी, लाजपत नगर,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के जर्जन् के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बक्षेप ;---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जबिंध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

श्रार्० टी० टी०-115, ग्राउन्ड फ्लोर, जो-2, शापिंग सेन्टर, कम-कम्युनिटी फैमलेटी, कालकाजी, नई विल्ली, तादादी— 15 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 9-8-1985

मोहरू 😕

# प्रकथ नाइ. टी. एन एस . -----

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### गारत संरकार

# कार्यानय, सहायक वायकार आयुक्त (निरीक्षण)

स्रजंन रेंज-1, नई दिल्ला नई दिल्ली, दिनौंक 9 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मो०/ए क्यू०/1/37-ई ई/12-84/ 1437---यत:, मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 रू. से ग्रांचिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1524 है, तथा जो 89, नेह्र फ्लेन, नई दिल्लो में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण का से वर्गित है), रिजिस्ट्रेफिती प्रधिकारों के कार्यालय, सर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय स्रायकर स्रधिनियम 1961 के स्रधीन, नारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरति (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त किमिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के टायित्व को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क्ष) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों कां, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में गुँवभा के लिए

अतः त्रवः, उक्त अधिनियमं की धारः 269-मं के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) है अधीके निम्नलिखित व्यक्तिमां, अधात्ः—

- स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, सकीपर भवन, 22, बाराखभ्या रोड़, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सरला भाटिया पत्नी श्री एन० ए० भाटिया, निवासी—-ए/8, एन० डी॰ एस० ई०-1, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त जिन्सम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुकः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नागीख : 9-8-1985

# प्ररूपः नार्दः, दीः, प्रसः, प्रसः, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अपीन सुचना

#### भारत स्रकाह

## कार्यालय, महायक क्षायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 8 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०/1/37-ई ई/12-84/ 1438--यतः, मुझे, अगर० पी० राजेश,

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- सः से अधिक हैं

ग्रींग जिसकी मं । 1425/89, है, तथा जो नहरू प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रींग पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1971 के ग्रधीन, नारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरक दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरक से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित में वास्त्विक रूप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बायत, उभल अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृदिधा के बिए; बाँड√या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों क्यें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- मैं० स्पीपर सेल्स प्रा० लि०, स्कीपर भवन, 22-बाराखम्बा रोइ, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री एम० एल० ग्ररोड़ा, मास्टर अमित ग्ररोड़ा, मास्टर मंदीप ग्ररोड़ा, ग्रभिभावक श्री एम० ग्रार० ग्ररोड़ा ग्रीर एम० एल० ग्ररोड़ा,

निवासी--एस/339 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यविधारा के सूचना की तासील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि वाद में स्माप्त होती हो, के भीतार गुनाक्त स्याक्तमों में से किसी व्यवित इंडरण:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्तीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभक्षियक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

फ्लैट नं० 1425, तादादी---150 वर्ग फीट, 89-नेहरू फ्लेस,नई दिल्ली।

> श्रारः पीः राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: : 8-8-1985

मोहर 🗄

# प्रकृप बाई हो एन एस् -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० भ्राई०ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/12-84/ 1439---यतः, मझे, स्नार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्राँर शितको सं० स्पेस नं० 28 है, तथा जे। 17-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रेंकर्ता ग्रिथितारों के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिथिन्यम, 1961 के ग्रिधीन सारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्या से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है

अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के कांच एंसे अंतरका के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित के क्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित खाँ किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित ःिक्तच्यों, अर्थात् ः—

- 1. श्री सीतल चड्ढ़ा, निवासी—2-सी/4, न्यू रोहतक रोड़, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. डा ावंजय लाल कोचर और श्रीमती आमिता कोचर, निवासी——डी-11/35 शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

स्पेस नं० 28-लोवर ग्राउन्ड फ्लोर विजया बिल्डिंग, 17-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी——178.8 वर्ग फीट ।

> ग्रार० पी० राजेश नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नारीख : 8-8-1985

मोहर 🚁

## प्रकथ आई . ट्री . एन . एस . -------

# सामकर सभितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुकता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 8 ग्रगस्त 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई ई/12-84/ 1440-—थतः, मुझे, श्रार० पी० राजेष,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० 1125 है, तथा जो 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रधीन, दिसस्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ऑधनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त व्यक्तियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त व्यक्तियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) चे अधीक, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, क्ष्मित् :---

- (1) स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, स्कीपर भवन, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक
- (2) शी पी एम शोबिन्दानी सुपुत्र श्री एम शोबिन्दानी, निवासी-सी-95, पंचणील इनकलेव, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकर्णः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **भ्रनुसूची**

फ्लैट नं० 1125, तादादी---150 वर्ग फीट, 89 नेहरू प्लेस, नई विल्ली ।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 8-8-1985

प्रस्प भाई. टी. एन. एस. - - - --

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 8 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/12-84/ 1441--यतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

नायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसमें इससे पर्वात 'उक्त' अधिनियम' कहा नया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक खुला कार पाकिंग हैं, तथा जो 19-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन, दिनम्बर 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के हरपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और बुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य. उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरवमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (जंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) नंतरण संहुइ किसी नाथ की वाबत, उक्त निधिन्यम के नंधीन कर बेने के नंतरक के वाधित्य में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) लें प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. वा या किया वाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा वें सिए;

बतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में एक्त निधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वै अधीन, निम्नसिवित कवित्वनों, कर्षात् ——

- मै० कैनाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स,
   1006 कंचनजंगा, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।
   (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रंजली बेहन, ू बी-540, न्यू फ्रैन्ड्स कालोनी, नई विल्ली-65 । (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के रायपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्वष्यक्रिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवागया है।

#### वस्यची

एक श्रोपन कार पाकिंग, स्पेस लोवर बेसमेंट, बहु-मंजिली भवन, श्रहणाचल, 19-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी (सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 8-8-1985

मोहर 1

प्ररूप आर्धः .टी. एन . एस . -----

नायकर वॉधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरक्षिण) भूजीन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 8 अग्रन 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० में0/एक्यू०1/37ईई12-84/1442—यनः मुझे, श्रार्० पी० राजेश,

शायकर श्रांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उम्स श्रांभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव बेसमेंट नंव-2 है, तथा जो रेड रोज, 49-50, नेहरू पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोफर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिसस्बर 1984

को पूर्वोक्स संपरित् के उणित् बाबार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिक्रस के सिए जन्तरित की गई है जौर मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिक्रत से, एसे द्रश्यमान प्रतिक्रत का पंद्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रत निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्त-विक क्या स कथित नहीं फिया गया है:---

- (क) अन्तरभ सं हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक आ दायित्व में कभी करन या उससे धवने में सुनिधा के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनक़र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाता वाहिए आ कियाने में सृविधा के लिए:

किया जाना चाहिए जा कियाने में सुनिधा के लिए:

कत जहा, ज्या विधिनियम की धारा 269-म के जनुमुख्य था, हो, ज्या किचिनमम की धारा 269-म की जपधारा (1) हे सभीत । एस्टिनियम स्वित्तमों, वर्धात है । 13—236GI/85

 मै० इण्डिया एपील त, सी-13, वसन्त विहार, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

ची० केशर टाम (एच० यू० एफ०)
 ज्ञारा करना श्री केशर दास, 66, रिग रोड,
 लाजपन नगर-3, नई किल्ली ।

(भ्रन्तरितो)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इत क्वना के राध्यम में प्रकावन की तारीय के 45 दिन की संवीध ना तत्त्रंतंत्री व्यक्तियों पर स्थान की तानीन से 30 दिन की नवींन, को भी नवींथ नाद में संवाद्य होती हो, को भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 वित्र के भीतर उपल स्थापर उप्पत्ति में द्वितवस्थ किती जन्म स्थापत स्थाप्तर कथाक्स्ताकरी के पाष जिवित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गदाः है।

#### अन्स्ची

बेलमेंटनं०-2 लादादी—-855वर्ग फिट 'रेड रोज' 49−50. नेहरू देश , नई दिल्ली ।

> श्चार० पा० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

नारीख : 8-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ, टी. एन . एस . ------

भारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की अधीन स्वना

# भारत बहुत्कर कार्यातक, बहुत्यक नायकर सायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 7 प्रगस्त 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० सो०/एक्य्०/1/37-ईई/12-84/1444—सतः मुहो. श्रार० पी० राजेश,

कासकर अधिनियम, १९६१ (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ली गं० 810 है, तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीअकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के श्रीधीन दिसम्बर, 1984

कों पूर्वोका सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के क्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करण का करण हैं कि प्रधाप्तियत सम्पति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक भूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उन्तर विभिन्नियम के बचीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कही करने वा उससे बचने में सूबिया के सिए; करि/बा
- (क) एकी किसी आय या किसी धन या जन्म जास्तियों की जिल्ह भारतीय अप्रकर आयीवसम, 1932 (1922 की 11) या उच्च विधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया मा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अंग: बब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) को लाधीन, गिम्मलिखिद व्यवित ें स्मृति :--- 6 एकवेरिया,
 ई-13, राधेपुरो, दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्री राजीव गुप्ता, मो-32,पंचशील इनक्लेब, नई जिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सुचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकोंगे।

स्वाकीकरण:—हसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

# **मन्त्रप**ी

प्लाट न० 810, आठशें मंतिय, ताश्ची—500 वग फोट. बिल्डिंग नं० 6, देविका टावर, नई दिल्ली। }

> श्रार० पी० राजश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

**तारी**ख : 7-8-1985

मीहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/12-84/ 1445--यतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- एत. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 60 -एल-जी-एफ है, तथा जो 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ऑर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984 को पूर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरसमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे इख़ने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, दिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--

- रीटीका अरोड़ा और मीता अरोड़ा, प्रभिभावक स्रार० के० स्ररोडा, निवासी सी-85, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली । (भ्रन्तरक)
- श्रोमती ग्रमत सिंह पत्नी एच०एम० स्वाइन, श्रीमसी कंवल हज्रिया पत्नी डा० श्रार० एन० हज्रिया, श्री ग्ररविन्धर सिंह सुपुत्र श्री एच० एस० स्वाइन, निवासी ई-14, ग्रेटर कैलाध-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहिका सरू करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो अधिनियम, के अध्याय 20-कर्मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

लोवर ग्राउन्ड फ्लोर नं० 60, ताबादी-196, 97 वर्ग फीट. 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1985

प्रकप भाष् . ट्री . एन . एस . -----

# नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) ने मधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1. नह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० मो०/एक्पू०/1/37-ईई/12-84/ 1446---यतः म्झे, आर० पा० राजेण,

भायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 18 है, तथा जो टोडरमूल रोड, नई दिल्ली तादादो—935 वर्ग फीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजंत रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधान, दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान इित्यल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कन्रण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्यः, उसके दश्यमान प्रतिफल सं,

एसे रूप्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिति उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबस अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर क वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी घर या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 ' (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नम् , उक्त निधिनियम की धारा 269-ग्य के अन्सरण में, में, सकत निधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (।) के नभीन, निम्नलिनित व्यक्तियां, जधात

- श्रीमती स्वराज तलवार, तलवार विल्डिंग, भरमपुरी, लुधियाना । (श्रन्तरक)
- श्री राजिन्दर मैनी, निवासी 70-सो, भोषा राड मुजक्फर नगर, नई दिल्लो।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **प्रनुसूची**

पहली मंजिल के सामने फ्लैट 18, टोडर मल रोड, नई दिल्ली, तादादी---935 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेश यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नारीखा : 12-8-1985

\_\_\_\_\_\_

प्रकप बाह् .टी. एन. एस . -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 12 ग्रगम्न 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/12-84/ 1447—सतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारां 269-इंड के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उतिकार मस्य 1,00,000/-रंत से अधिक हैं

भौर जिसकी सं शाप नं 1 है, तथा जो जी एफ ०-12, भोसियन बिल्डिंग, नेहम प्लेस, नई दिल्ली में थ्यिन है (प्रांग्य इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिल्ला है), प्रजिस्होकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन वेज-1. नई दिल्ला, भारतीय भायकर अधिनयम, 1961 के अधीन, दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसक दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस,, उक्त वाभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी कारने या उससे अवने मां मृथिभा के सिष्ट; बांद्र/वा
- (क) एची किसी जाय या किसी धन अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः जब, उथत कीभृतियम की धारा 269-म के बन्धरण भी, भी, उथत जीधितियम की धारा 269-च की उपभारा (1) की अधीन, निम्नीलीयत व्यक्तियों, जर्थात् :--

- मैं०रीवियेरा श्रपार्टमेंट, (प्रा० लि०),
   ्देक्षिनेश्वर, 10-हैंली रोड, नई दिल्ली।
   (ग्रन्तरक)
- 2. मैं हाइ इनवेस्टमेंट प्रा० लि०, फ्लैंट नं० 4, 10-हैंलो रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की शारी करों पर 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वहीं अर्थ होगा का उस अध्याय में दिशा गया हैं।

# **अन्स्ची**

दुकान नं ० 1, प्राउन्ड फ्लोर 13, श्रोसियन बिल्डिंग, नेहरू फ्लेम, नई दिल्ली, तादादी----688 वर्ग फीट ।

> आए० पी० राजेश सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-1, नई दिल्ली

नारीख: 12-8-1985

प्रस्य भाषे, टी. एन. एस. ------

बाय्कार व्यक्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्वना

## मारत बरकार

# कार्याजय, सहायक कापमुर वायुक्त (निद्धीक्रक)

ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० जी०/एनयू०/1/37-ईई/12-84/ 1448--- यतः मझे श्रार्० पी० राजेश,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गमा हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 18 (एफ० एफ०) है नथा जो 21 - बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ट्राकर्ती ग्रिधिकारी के दार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्राय पर श्रिधितियम, 1961 के श्रिधीत दिपम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाषार मूक्य से कत के धरमजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्तः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण चं हुन्दं चित्रवीं बाच की वावधा, उनक् श्रीधिणवस के वधीन कद दोने के बस्तरक के वावित्व मो कभी करने या उद्यव क्वन में बुनिधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी धन या जन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय जायकर जीधीनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त नीधीनयस, या धनकर जीबिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा भा या किया काना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किहा

अतः अधः, उक्त विभिनियम की भाषा 269-न के बनुसहण भः मः, उपत विभिनियम की भाग 269-न की उपधारः (1) अन्तर्भान, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

- श्री शिव कपूर जोगिन्दर कपूर,
   2720 श्रजमल खान रोड, करौल बाग, नई दिल्लो-5 (श्रन्तरक)
- 2. श्री भजन लिह चौहान, श्री शमशेर राजन चौहान, कुमारी सृजाता चौहान, निवासी धी-6/27, वलन्त विहार, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अच्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसुची

प्लैट नं ० 18, पहली मंजिल बहु-मंजिली भवन, 21-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी--- 595 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्लो

नारीख: 12-8-1985

प्ररूप आइ".टी.एन.एस.-----

मायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 7 ग्रगस्त, 1985

निदेश सं० पटियाला/39/84-85—-प्रतः मुझे, जोगिन्द्रसिंह शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पण्चात् 'छका अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं मकान नं 8ए है, तथा जो हीरा नगर, पटियाला में स्थत है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक विसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, उभके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण सिखित में अस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उपा अधिनियम के अधीन कर वाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँकिए था, छिपाने में सुविधा से सिए।

कतः स्म, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्निलिखित व्यक्तिकाँ, अमृति :---

- 1. श्रीमती श्राणा ल्ला, टागरी पान श्री सत्य अकाण टांगरी, निवासी अन्, हीराननर, पटियाला । श्रव मकान नं 138, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, श्रम्बाला। (श्रन्तरक)
  - 2. श्री नजेन्द्र सिंह पूत्र श्री जीगिन्द्र सिंह, निवासी 8ए, हीरा नगर, पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेकित अविधि वाद में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी बन्ध विक्त द्वारा अधोहस्स्याक्षरी के पास निवित्त में किए जा तकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनिजम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसुची

मकानन ० ८ए, हीरानगर, पटियाला । (प्रर्थात् वह जाय-दाद जोकि रजिस्ट्रीकर्गा प्रशिकाी, पटियाला के बिलेख संख्या 3042 माह दिसम्बर, 1984 के तहतं दर्ज है।)

> जोगित्व सिंह सक्षम प्राधिकारी [सहायक श्रायक्षण श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, लिश्रयाना

दिनाक 7-8-1985 मोहर: प्ररूप आइ<sup>६</sup>.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्**क्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1985

निदेश सं० खरड़ | 67 | 84-85— प्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह - त्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरुवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिद्यान से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंश्ररक से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के तिए;

अतः अध, उक्त आधिनियम की धारा 260-ग के अन्यरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग को उपधारा (;) के अभीन, जिल्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती स्पेह प्रसा पूर्वा पहिना श्री एमं के वर्मा द्वारा, उनकी जीवणीव एव, श्री राम चन्द मौधी निवासी 627, फैज-5, मोहाली।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती ताजिबन्द कौर, पत्नि श्री जसबन्त सिंह, मैनी निवासी माकान नं 10-सी, फैज-iii, ए, मोहानी। (ग्रन्तिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिनेकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

#### गनसूची

मकान नं० 10-सी, फेज-UU ए, मोहाली तहसीत खरड़, (अर्थान् वह जायदाद जोकि रिजम्ड्रीकर्गा अधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 3641 माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुबियाना

ंदिनांक 8-**8-**1985 **मोहर**ः १स्य बार्च हो द्य एव . ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्ष धारा 269-व (1) के नधीन श्वना

#### शास्त्र सम्बद्ध

कार्यालय, सहायक नायकः नायकः (निर्दाक्तक) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1985

निवेण सं खरड़ | 68 | 84-85 — प्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह बायकर अभिनिवम, 1961 (1961 का 43) (विशेष्ट इसमें इसमें प्रमात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की काम 269 व के अभीन सक्षम प्राधिकारों की यह निरमास करवे का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित नावार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं अपूर्म 7 कनाल 1 मरला, है, तथा जो वह माजरा, नहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण त्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्त से कम के शश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाबाद मूल्य उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे रहसमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के शिष्ट तव पाना कृत प्रतिफल निम्निविधित उद्देश्य से उन्तर बन्तरण जिल्हित वे वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गना है कि

- (क) जन्तर्ग से हुई किती जाय की बावत उपस् अधिनिक्षम के अधीन कर बोने के अध्यक्त की वाजिएन में अभी करने या उससे वचने में सुविधन के लिए, और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आसिसओं की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वाय प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना आहिए था. किया में सुविधा के लिए;

बतः वन, उन्त विभिनियम की भारा 269-ग वै वन्तर्यक्तः में में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, वर्भात् :----14---236GI/85 1. सर्व श्री रल्ला सिंह, हजारा सिंह, भजन सिंह, पुतान श्री किरपा सिंह, तथा सर्व श्री, सम्पूर्ण सिंह, चरण सिंह, करनैल सिंह, पुतान, श्री हजारा सिंह, निवासी बड़ माजरा, तहसील खरड़।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जगजीत सिंह पुत श्री पाल सिंह, निवासी 503, हिल-एन० सी० 72 पाली हिल रोड, बम्बई।

(ब्रन्तिरती)

करीं क्यू बूचना बारी कारके पृत्तीं कर सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियाँ शुरू करता हुं।

## क्क क्लारित से वर्षन से सम्मन्त में कोई भी नार्षप्र--

- (क) इस सूचमा को राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर कृषना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी समित बाद में बनाया होती हो, जो नीतर प्रांचिक व्यक्तियों में से किसी स्वीच्छ ब्यापाई
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के शीतर उक्त स्थाप्य कम्मीत्व में द्वितवृथ किसी क्या क्यांक्य द्वारा नभोहस्ताक्षरी के शब् विश्वित में किए था सकेंगे।

## वर्स्या

भूमि 7 कनाल 1 मरला, जोकि गांव बड़ माजरा, तहसील बरड़ में स्थित है। (प्रशीत वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता मिश्रकारी, खरड़ के विलेख संख्या 3643 माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

किनांच 8-8-1 ( मोहर : प्रारूप आई.टी.एन.एस. .....

आध्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० खरड/69/84-85— ग्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह भायकर बिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं अधिन 14 कनाल, 13 मरला है, तथा जो गांव बड़ माजरा, तहसील खरड स्थित है (और इससे उपावझ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्वयमान प्रतिक्त से ऐसे द्वरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वदेव से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की वावत, जक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हुं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था "छपाने में स्विधा के लिए;

मंं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण के अधीन, निम्नलिश्विन व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. स्वं श्री रल्ला सिंह, हजूरा सिंह, भजन सिंह, पुत्रान श्री किरपा सिंह तथा सर्वंश्री सम्पूर्ण सिंह, चरण सिंह, करनैलसिंह, पुतान, श्री हजूरा सिंह सभी निवासी गांव बड़ माजरा, तहसील खरड़।

(भ्रन्तरक)

2. मैसज पालटैक इंडस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड, राजस्टर्ड झाफिस, ई-6, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली द्वारा, इसके डायरेक्टर श्री बलदीप सिंह निवासी ई-6, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

की. बृह् सूचमा चारी करके प्योंक्त सम्परित के वर्णन के मिए कार्मुड़ाहियां गुरू करता हुं।

ें **बक्द सम्पत्ति के अर्थ**न के सम्बन्ध में काई भी जाक्षय .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की सर्वाभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी सब्भि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (च) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए का स्कोंने।

स्पब्दिकरण :---इसर्म प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह", वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या ह" ॥

# अनुसूची

भूमि 14 कनाल, 13 मरना, जोकि गांव बड़ माजरा, तहसील खरड़ में स्थित है। (श्रयोत् वह जायदाद जोकि रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी खरड़ के विलेज, संख्या 3644 माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर फ्रान्युक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

दनीक: 8-8-1985

प्ररूप मार्ग , टी , १न , पुर , ==== ===

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जभारेज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 8 अगस्त, 1985

निदेश सं० चन्डी ०/84/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्नें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्राँग जिसकी संव रिहायशी अने विस नंव 281 है तथा जो सैक्टर 33ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रींग इससे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रींग जो पूर्ण का से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीटरण अधिनियमअ 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण सं हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
   के अधीत, निध्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- ले० कर्नल बी० के० रफली, पुत्र स्वर्गीय श्री आई० एम० रल्ली, मित्रासी मकान नं० 3221, सैक्टर 21 डी, चन्डीगढ़।
- 2. श्री अतर सिंह पुत्र श्री गुलाबी/सिंह, तथा श्री गुरपाल सिंह पुत्र श्री अत्तर सिंह, निवासी 22/1ए, नरायण इंडस्ट्रियल एरिया, फेज I, नई दिल्ली।

(अन्तरती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🚈

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमो प्रयुक्त शब्दों और पद्मां का, जा उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाग्यत हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया 'गरा हैं।

## अन्सूची

रिहायणी अनेतिस, तं० 281, सैक्टर 33 ए, अम्बी एउ । (अर्थात वह जायदाद जो कि र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भण्डीगढ के विलेख संख्या, 873 माह दितम्बर, 1984 के तहा दर्ज हैं।)

> जोजिन्ह जिड् महास आहेर कारी सहायक आयकर अत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज, ल्"ध्रयामा

दिनांक : 8-8-1985

म्हिर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश मं० चण्डी ०/88/8 बत्8 5---अनः मुझे जोगिन्द्र सिंह नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मुख्य 1,00,000/- रतः से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० महान नं० 408, का 1/2 भाग है, तथा जो सैक्टर 15 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर जो पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अशीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त तम्परित के उपित बाजार मूस्य से कम के क्रवजाल पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास अरने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार ूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का निक्रह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया जवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण जिक्कित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (भ्ह) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उसते नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाविस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या राज्य आस्तियों कारे जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री रतम चन्द सुपुत्र श्री टोडर मल, निवासी मकान नं० 408, सै टर 15 ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री तरलोक चन्द्र पुत्र श्री टोडर मल निवासी मकान नं० 408, सैक्टर 15ए, चण्डीगढ ।

(अन्तरितो)

कारे बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उपल सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति ब्यारा;
- (क) इत कृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

मकाम ने० 408 का 1/2 भाग, सैक्टर 15ए, चण्डीगढ । (जर्थातद्र, वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या, 908 माह दिसम्बर 1984 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्रःधिकारी **सहायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेज, सुधिया

दिनांक 7-8-1985 कोहर :

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 अगस्त, 1985

निदेश सं० चण्डी ०/90/84-85—अतः मुझे जोगिनद्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

द्यौर जिसकी संव माक न नंव 730 है, तथा जो सैक्टर 22ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रींग इसने उपाबद्ध अनुसूत्री में ग्रींर जो पूर्ण रूप में विणा है) रजिस्ट्री हर्ता अधि हारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्री करण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां र दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल तो, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा नया प्रतिक कत, निम्नलिवित उद्देश्य से उवत अन्तरण मिविश में बास्तिवृद्ध रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या शन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै. मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन, निम्निकिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री अतिल कपूर, पुत्र श्री के०डी० कपूर,अमरीका के भिवासी द्वारा, उनकी जनरल अटारनी श्री राज मल्होता पुत्र श्री ज्ञान चन्द मल्होत्रा, निवासी मकान नं० 1019; सैक्टर 21-वी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्रमती प्रेम लता, पहिन श्री जगदीश मित्र जोशी, निवासी माकान नं० 730, सैक्टर 22 ए, चण्डीगढ ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — स्मां प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

# अनुसुची

मकान नं० 730, सैक्टर, 22ए, चण्डीगढ़। (प्रार्थात् वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 914, माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, लुधियाना

दिनांक 7-8-1985 मोहर: प्रकल बार्च, टी. एव., एक अस्टरना

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाख़ 269-च (1) के अधीन अचना

भारत सरकार

कार्यास्य, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियानज्ज,

लुधियाान, दिनाच ७ अगस्य, 1985

सिदेश सं० चण्डीगढ़/95/84र85—-अ ः मुक्ते जोगिनद्रसिह बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विजे इत्तर्भ इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), व्यी बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँरिजिसकी संव माक ननंव 1938 है, तथा जो से टर 22 बी, चण्डीगढ़ में स्थित ई (ग्राँर इसमे उपाबद्ध अनुसूत्री में ग्राँरि जो पूर्ण रूप में बिङ्कित है) र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगहु में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उधित जाजार मृत्य सं कम के द्रयमान क्रितिक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिफल का पन्मह प्रतिफात से अधिक ही और जन्तरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमं जन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसस अंतरण लिखित में बासरिक कम से कारिश नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण के हुई कियी बाब की बाबत, उपक्ष मीधीनसम के वधीन कर दोने के बम्तारक के धींबरल में कमी करने का अससे क्याने में मुविधा के लिए; बॉफ/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

नतः वाव उन्त जीभीतवमः की भारा 269-त के अनुकरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (:) भे जभीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधारतः :---  हर्व श्री चन्द्र मोहन, रिक्तिन्त, सुधीर मोहन, तथा विजय कुनार पुतान, श्री ईश्वर दास, निवासी मकान नं 1922, सैक्टर 22 बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

श्री मुलखराज, पुत्र श्री कमं चन्द तथा।
 श्रीमती कुलबन्त रानी पत्नी श्री मुलख राज,
 निवासी मकान नं० 2539-ए, सैक्टर 20 सी,
 चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

 मैसर्स अपोलो प्रापर्टी, डीजर्स, मकान नं ्1938, सँक्टर 22 बी, चण्डीगड़ ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

का बहु बूचना भारी करके प्यानित तम्मीता के बुचन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत तस्वरिश के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाधीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीय वें
  45 दिन की जनभि मा तरसंबंधी व्यक्तियों पड़े
  स्वा की सामील से 30 दिन की जनभि, को भी
  वर्षा वाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 किन के भीतर उच्छ स्थानर सम्पत्ति में दिववकृष्ट किसी बन्च व्यक्ति वृवारा स्थोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकान।

स्वकारिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जनत अधिविद्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, कहीं कर्ष होगा जो उक्त अध्याय में विद्या नवा है।

### अनमुची

मकान नंद 1938 सैक्टर 22 बी, चण्डीगढ़। (अर्थात् वह जायदाद जो के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारीयचण्डीगढ़ के विलेख संख्या 924, माहदिसम्बर, 1984 के तहरु दर्जे हैं।)

> जोगिन्द्र सिंह सप्त / प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निनीक्षण) अर्जन रेंज, ल्वेथयाना

दिनांक 7-8-1985 · मोहर:

. .s<del>====</del> --...-, . . .

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस. -----

मायंक्टर अधितियः., 1981 (198, का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन मुखना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 8 अगस्त, 1985

निर्देण सं० चण्डी ० | 97 | 84-85 — अतः मुझे, जो गिन्द्र सिंह, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परवात् 'उक्त् अधिनियमं कहा गया है); की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिनारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

भीर जिसकी सं । भाग कम प्लैट साईट नं । 223, है, तथा जो मोटर मार्केट, एण्ड कमियल कम्प्लैक्स मनीमाजरा, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता आधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण आधूनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को प्रांकित सम्पत्ति के उणित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे मह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल सं, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से जिथक है और जंतरक (अंतरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक कप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था खिपाने में तुविधा को तिए॥
- बतः जब, उक्त अधिनियम की भार 269-ग के बनुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अभोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री मती इन्द्र कोपानी पांतन श्री हर्ष कुमार, जोकि डा० (मिसेज) कुसुम बी० अलहावत पति डा० चतर सिंह, अलहावत निवासी, मकान नं० 102, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़, के कानूनी अटानी है। (ग्रन्सरक)

2. श्री बलराज सिंह गिल पुत्र श्री बलवन्त सिंह तथा श्रीमती पर्मिन्द्र कौरगिल पत्नि श्री बलराज सिंह गिल, निवासी मकान नं० 725, सैक्टर 11, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वना की शामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वयोकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा ववा है।

### **भन्स्**ची

शाप कम फ्लैंट साईट नं० 223, मोटर मार्केट, एण्ड कर्माशियल, कम्पर्लंक्स मनीमाजरा, (यू० टी० चण्डीगढ़)। (अर्थात् वह जायदाद जोकि राजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या, 934, माह दिसम्बर, 1984 के तहन दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 8-8-1985

प्रक्प बाइं.टी.एन.एस.-----

# बायागर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अगस्त, 1985

निर्देण सं० चण्डी ०/ 99/ 84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्रांधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान नं 319 है, तथा जो मैक्टर 21 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चित बाबार मून्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल के पन्त्रह पतिकत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निसिकत उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की शियत्व में क्यी करने वा उससे वचने में सुविधा के तिए; बॉर/वा
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अजूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निस्निविद्या स्वित्यमें, अधीतः :——

- शीमती सन्य बाला विधवा स्व० श्री ए० एन० ठाकर मकान तं० 319, मैक्टर 21ए, चण्डीगढ़।
  - (अन्तरक)
- 2. श्री इन्द्रजीन सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह, बतीर ट्रस्टी, उनके फैमली ट्रस्ट, मक.न नं० 109, सैक्टर 21ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविध यह तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूच्या के राज्यत्र यो प्रकाशन का तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्य स्थावत वृजारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकांगे।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शम्बों और पर्वों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्त्र्यी

मकान नं० 319, सैंक्टर, 21 ए, चण्डीगढ़। (अर्थात् वह जायदाद जोकि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या, 955 माम दिसम्बर, 1984 के तहन दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8−8−1985

मोहरः

प्रस्प भार्च . टी . एन . एस . ------

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधि २६७ म (1) के जभीन स्था

भारत गएकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 अगस्त, 1985

निदेश सं० चण्डी०/ 104/ 84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

हासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ष्रौर जिसकी सं ्रिहायगी साइट नं 116, है, तथा जो सैक्टर 36ए, वाडीगड़ वे कियत है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित कि गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पहुर प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मिलिखित उद्दोस्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्दरण् सं हुद्दं किसी नाय की नावट उक्ट अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक की ग्रायित्व में कभी करने वा उससे बचने में स्विधा क श्लिए व्यक्तिया
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों करं, श्वान्ते भारतीय आय-कर आभिनियमं, १०२७ (192 का 11) या उक्त अधिनियमं, १०२७ का 11) या उक्त अधिनियमं, १०२७ के भ्रयोजनार्थ अन्तरियमं, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, फिथाने से स्विका के निष्;

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण मों, मौ, अकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीर, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----15—236GI/85

- शि सुनील कुमार सातया एण्ड सन्ज (एन० यू० एफ०) हार. श्री सुनील कुमार सातया कर्ता, पुत्र श्री किशोर चन्द्र सेतिया निवासी मकान नं० 502, सैक्टर 8 बी, चण्डीगढ़। द्वारा, उनकी स्पेशल, अटार्नी श्री एमश चन्द्र सेतिया पुत्र श्री किशोर चन्द्र सेतिया, निवासी मकान नं० 502, सैक्टर 8 बी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. श्री महेन्द्र सिंह अटवाल पुत्र श्री प्रीप्तम सिंह, श्रीमती दलजीत कौर पत्ति श्री महेन्द्र सिंह अटवाल, गां तथा डाकखाना खुर्दपुर, जिला जालन्धर। (ग्रन्तरिती)

को यह कृषना जारी करकी वृत्राचिल वास्तीतल को बाजन की लिए कार्यवाहियां करता हुं।

**चनस् सम्मरित** के **सर्व**न के सम्बन्ध में कोई जी झाक्षेत्र.---

- (क) इस् सूचना के राज्यन में प्रकासन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षीध पाद में समाप्त होती हो, के पीलट पूर्वीका अविश्वासों में से किसी अविकर द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबवृष् किसी अन्य क्यिक्त व्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

### श्रनुसूची

रिह.यशी माइट नं० 116, सैक्टर 36ए, चण्डीगढ़। (अर्थान् वह जायदाद जोकि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या, 960 माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है।)

जीनिन्द्र सिह् सक्षप्र प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 7-8-1985

# प्ररूप आहें दी एन एस \_-=----

बायकर अधिनियम, 1961 (1.961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निज्ञीक्षण)

अर्जन रेंज, ल्धियाना

ल्धियाना, दिनांक 7 अगस्त, 1985

निदेश सं वण्डी । 105/84-85-अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थानर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ० मकान नं ० 1697 है, प्रथा जो सैक्टर 33 डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के टब्यमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दब्यमान प्रतिफल से एसे दब्बमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया, प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) के उनके आक्ष्मिक्त के 27) के कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना अहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिचित व्यक्तियों, अधीत :---  ले० कर्नल मुरजीत सिंह पुत्र श्री अमर सिंह, निवासी 390/4, एन०पी० मार्ग, आफीसर्जे इन्कलेव, नई दिल्ली-21

(अन्सर्क)

2. श्री बलवन्त सिंह, संधु पुत्र श्री चानन सिंह संधु, निवासी बी-1, सुभद्रा पलैटम, नवरंगपुर, अहमदाबाद-9 ब्रारा, उनकी जनरल अटारनी, श्री कुलदीप सिंह जरग पुत्र कैंप्टन, नेजा सिंह, निवासी 141, मुनीरका इन्कलेब, नजवीक, बसन्त विहार, बम डिपो, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यकाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अवधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंक- बब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरणः — इस्में प्रयुक्त क्षम्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बनस्ची

मकान नं र 1697, सैक्टर 33 डी, चण्डीगढ़। (अर्थात वह जायदाद जोक राजस्ट्रीकर्ना अधिकःरी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या, 968 माह दिसम्बर, 1984 के तहते दर्ज है।)

> ोशिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकःरी सहायक आयकर अःयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, ल्धियाना

दितांक 7-8-1935 मोहरा प्ररूप बाह्र .टी.एन.एस. . .-----

# आयकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) में बभीन सुखना

#### भारत वस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लिधयाना

ल्धियाना, दिनां र 7 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० चण्डिंगड़/107/84-85 — श्रातः सुझे जोगिनद्र सिंह, आयकर किंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव महान नंव 632 है, तथा जो मैक्टर 33 बी चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रौर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्णक्व से वणित हैं) रिजिस्ट्री हर्ता श्रिधकारा के जार्यालय चण्डागढ़ में रिजिस्ट्री हरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिथीन दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्ध सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वसमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए स्व भावा ग्या प्रतिफल, निम्निसिश्त उश्वदेश्य से जन्त मन्तरण है सिए स्व

- (b) अन्तरण से हुई किसी साथ की वाक्त, उक्स जिमियम के बभीच कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कमी करने या उत्तस वचने में सुविधा के लिए; बौट्/या
- (भ) एंसी किसी आज या किसी भन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति हती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) में अधीन, जिल्लिसिय व्यक्तियों, अधीन क्रिक्ट

- लैं० हर्नल भं/म सैन पुत्र श्रो बिन्दरा बन निवासा म० नं० 2/1, प्रेम भगत इन्कलेख, चिनार कम्मलैक्स, ऊधमपुर, जम्मु तथा काश्मीर (श्रन्तरक)
- 2. श्री बलराज सिंह राय पुत्र श्री जसवन्त सिंह राय, श्री प्रिस राज सिंह राय पुत्र श्री जसवन्त सिंह ाय, श्री जसवन्त सिंह राय पुत्र श्री ग्रार्जुन सिंह राय, निवासी मकान नं० 632, सैंक्टर 33 बी, चण्डीगढ़।

की यह सूचना जारी कर्यने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यशाहियां शुरू करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क्य) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 पिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितजब्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध दिल्ली अन्य अक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किल्लिक में किल्लिक सम्मेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

म हान नं ० 632, सैक्टर 33 वी. चण्डोगढ़ । (स्रथीत् वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं ० नं ० 974 माह विसम्बर, 1984 के तहत वर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधि हारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

दिनांक 7-8-1985 मोहर:

# **१७५ वार्ड**्टी. युवे - १६ -----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन त्यना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकार आयुक्त (निर्देशिष) श्रर्जन रेंज, लुधियाना, लुधियाना, दिनांक 7 श्रयस्त, 1985

निदेश सं० नाह्न/4/84-85 -- ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक **है** ग्रौर जिसकी सं० 3 भूमि 1 विसवाहै, तथा जो गाँउ श्रोगला, हाला ग्रम्ब तहसील नाहन में स्थित है (ग्रीर इसने पाबद्ध ग्रन्भूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है। अजिस्ट्रेस सी प्रजिज्ञारों के अर्जालन, नाहन में रजिस्ट्राज्ञाण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान दिनां क दिलम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उपनत बाजार मुल्य उसके दृष्यभाग प्रतिफाल सं, एसे दृष्यभाग प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बम्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकन निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित से

ब्रस्स्तविक रूप से क्रीअत नहीं किया प्या हैंं.—

- (क) अन्तरण ने हुइ किसी शाब की वाबल, अपेट आधिनियंत्र के बधीन कर योगे के अन्तरक के वाबित्य में कभी करने या उक्तम वनमें में स्वीताना की निस्; आर/मा
- (अ) एसी जिसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों कों, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयाजनार्थ अन्तीरती ध्वारा प्रकट कहीं किया गंग या किया जाना चाहिए था, किया को सावधा से शिए;
- शत: अबं, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग कें, अनुसरण भी, भी, उस्त अधिनियम की धारा (160 ध की अभ्यार) (१) ए रुसेंट विकास स्थितिक स्थानिकार, अर्थातुक्र-

- श्रं खेर दं।न पुत्र श्रं। श्रलाई। बन्सा, निवास। गांव श्रोगला काला श्रम्ब, तहसील नाहन । (श्रन्तरक)
- मैसर्स उमेण इंडस्ट्रीयल इंटरप्राइजेस, प्राइवेट लिमिटेड, काला अम्ब, नाहन द्वारा, मैनेजिंग डायरेक्टर,

श्री गोविन्द राम, कोहली, पुत्र श्री नानक चन्द कोहली निवासी 40 शिवाजी पार्क, माङल टाउन, यमुनानगर जिला श्रम्बाला।

(भ्रन्तरितः)

**की यह स्थना भारी करकं प्रतिकत अ**रूपतित अ अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हो<sup>†</sup>।

**उन्त बुज्यित के मुर्बन के** सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्वयक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वयक्तियों में से किसी व्यक्तित बवादा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत क्षं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोगे।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रणुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीज्नियम् के अध्याय 20-क में उरिभाषित ही, बही अर्थ होगा, को उत्त अध्याय में दिया नवा ही !

### अनुसूची

भूमि 3 बीघा 1 बिस्या जोकि गांव श्रोगली, काला श्रम्ब, तहसील नाहन में स्थित हैं (श्रयीन, वह जायदाद जोकि रिजस्ट्री कर्ती श्रधिकारी नाहन के विलेख संख्या 252 माह विसम्बर, 1984 के तहत दर्ज हैं।

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधि हार्रः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक *7*-8-1985 मोहर :

# वक्त बार्व हो पुन . एक . -------

काशकर जर्रीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) से सभीन स्थना

#### भारत तरकार

# कार्यासय, सहावक भाषकर नायुक्त (निरोधाय)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 ग्रगस्त, 1985

निदेश सं० लुधियाना/384/84-85---अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, नावकर निर्मिषम्, 1961 (1961 का 43) (चित्रे दवने दक्के परचार्ष् 'उक्त निर्मिषम' कहा थवा हैं), की वाच 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारभ हैं कि स्थानर तम्मित्त, जिसका अधित वाचार मूक्त्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मान नं 19 श्राई का 1/3 भाग, है तथा जो सराया नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रमुसुकी में श्रीर जो पूर्ण क्य से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन धिमम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाबार मृश्य से कम के क्यमांव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास

करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृथ्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के तीच एसे यन्तरण के लिए तय पाया गया बितिक के निम्नलिखित उद्देश्य से दृष्ट अन्तरण विधित में बास्तिक के एसे सिन्तरित नहीं किया गया है:---

- [क) बन्दरण ते हुन्ने निकी वाल की नावक, बनक बहुँचहुँचन ने क्यींग कर दोने के बन्दरण के वृत्तिक को करी करने ना कक्के नजने के बृधिका के किन्नु। क्येंग/मा
- (व) एनी फिली नाम ना निम्मी भन ना नाम वास्तिनों नहें, विन्हें भारतीन वान-कर विश्वित्तिक, 1922 (1922 को 11) ना जनत विश्वित्तिक, ना भव-कर अभिनिक्त, ना भव-कर अभिनिक्त, 1957 (1957 का 27) में प्रवोक्तान अन्तिरिती हुवारा प्रवट नहीं किया क्या था वा किया साना प्रतिहास था, कियाने में वृष्टिया में किया है जिल्ह;

भतः शवः, उभतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनूतरण भैं, मैं, उपतः निधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, वर्षाव ६----  श्रोमती प्रेम लता सुद, पत्नि श्रो बाल बहादुर कुमार निवासी 48-श्राई, सराया नगर, लुधियाना । (श्रन्सरक)

 श्रीमती मोहिन्द्र कौर पत्नि श्री बलवन्त सिंह, निवासी 26डी, सराया नगर, लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह बुचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति से सर्चन के प्रैक्षण् कार्यवाहियां करता हूं।

क्यक बन्धारित के अर्जन के संबंध में कांचे भी नाक्षर :---

- (क) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन की श्वीध मा तत्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की स्वीध, वो भी सर्वीध मोद में संबोध्य होती हो, के धीसर पूर्वीचक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित प्रशास:
- (च) इस स्पना के राजपत्र में प्रकावन की दारीच वें 45 दिन के भीतर उन्त स्वावर बस्पत्ति में द्विष-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, स्थोहस्ताक्षरी वें वास सिवित में किए जा सकेंगे।

रचक्कीकरणः—इसमे प्रमुक्त कव्यों मीर परों का, जो उक्त अभि-निवस के अध्याद 20-क में परिभाष्टि है, वहीं कर्थ होगा, प्यों उस सध्याव में दिका नवा है।

### वन्स्ची

मकान नं 19 भाई, का 1/3 भाग, सराया नगर, लुधियाना। (भ्रयत् वह जायदाध जोकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना, के विलख संख्या 8691 माह दिसम्बर, 1984 के तहस धर्ज है।)

> जोगि**न्द्र** सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निर्र*ी*क्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 9-8-1985 माहुर 3 प्रस्य बार्ड, टी. एन. एस. -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार ?69-भ (1) में अभीन स्चना

### भारत सरकार

**बा**र्यालय, सहायक नायकर गायकत (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनां : 8 म्रगम्न, 1985

निदेश सं० लुधियाना/355/84-85—प्रतः मृक्षे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान नं बी-7, 1108 का 1/4 भाग है, तथा जो सराय बंसीधरची ह घण्टाघर, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती ग्रीप्रकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के ग्राधीन दिनों ह दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रबमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रबमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उत्तसे अचने में तुबिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आम या किसी धन था अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में तृषिभा में शिष्

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्कित व्यक्तितां, अर्थात् ं--- 1. श्री मुखपतराय अग्रवाल, पुत्र श्री कुंज बिहारी लाल निवासा कांग्रेस आई दफ्तर, के पीछे, की तरफ़, जीव टीव रोड, लुधियाना ।

(मन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द्र पुत्र श्री वद प्रभाण निवासी 771, पटेल नगर, सिविल लाईन्ज, लुधियाना ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्वपाहियां शुरू करता हुं।

# खनक चैनति भी नर्जन के संबंध में कोई भी नामांव हा—

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की ताराध स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्त्र स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारणः — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ डोगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

# वनुसूची

मकान नं० बी-7,1108 का 1/4 भाग, जो कि सराय बन्सी धर, जी०टो० रोड, लुधियाना, में स्थित है (ग्रर्थात् वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 8414 माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है।)

> र्जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 8-8-1985 मो**हर**ः प्ररूप आइं.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रोंज, लुधियामा लुधियामा, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० लुधियाना/356/84-85-अतः मुझे, जोगिन्द्र सिष्ट.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं काम नं बी- VII -1108 का 1/4 भाग, है तथा जो सराय बन्सी घर, चौक घंटाघर, लुधि का में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1984

कां पूर्वीक्त संपत्ति के जिन्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुक्क किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर को के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्त्रलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री अमोक कुमा अप्रवाल पुत्र श्री कुंज बिहारी लाल कांग्रेम-आई के दक्तर के पीछे की तरफ, जी० टी० रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री भूषण गोपालपुत्र श्री वेद प्रकाश, निवासी 771, पटेल नगर, सिवल लाईन लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्यव्हीकरण: —- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुस्ची

मकान नं ः बी०- VI -1108 का 1/4 भाग, जो कि सराय बन्सी धर, घन्टाघर चौक लुधियाना में स्थित है। (अर्थान बह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 8415 माह दिसम्बर 1984 के नहत दर्ज है)।

> नोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधि⊴ारी सहायक श्रायकर ग्रायुवन (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 8-8-1985

मोहर 🖫

प्रसम आहु . टी . एन . एस . ------

भायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) कर धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सहकार

शायलिय, सहायक आयकार आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिमांक 9 अगस्त 1985

निर्देश सं० चन्डी/87/84-85—-अतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंहः

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् उनत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

घौर जिसकी सं० एस० सी० श्रो० 188-189 है तथां जो सैक्टर 8, मध्य मार्ग, चडीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपा-बढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायर्लिय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य ते कम के इध्यमन प्रतिफल को लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उरुके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्ररिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निक्ति उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक्त कर में क्रिया उन्ती किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाम की बाबत, उक्स जिमियम के अधीन कर दोने के उत्सरक के दायित्व में केमी करने या उक्स बक्क में कृषिणा के सिए; जौर/या
- (ण) ऐंदी किसी बाब ा किसी अन या जन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोगनार्थ पारित्यों ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या या विद्या जाना साहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए;

अतः कथ उस्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिरियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री एतभाम सिंह पृत्व श्री जनवन्त सिंह, श्रीमित नमीता एस० सिंह पतिन श्रो सतनाम सिंह, श्री विकाल सिंह 1 नाबालिय उनके पिता तथा नैजूरल गाडियन श्री मतनाम सिंह; निवासी महान नं० 2136, सैंक्टर 15सी, चन्डीगढ़ा

(भ्रन्तरक)

2. श्री भजम सिंह पुत्र श्री केंहर सिंह, भिवासी 10-आई, 6 हैंसर्टिंगज पार्क रोड, कलकत्ता-27।

(अन्तरिती)

 मैसर्स मोदी कारपट लिमिटेड एस० सी० श्रो० नं० 188-189 सैक्टर 8, मध्य मार्ग, चण्डीगढ़।

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को बहु सुखना बारी करके प्वेक्ति सम्पोत्त के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविश्व, जो भं अविश्व वाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्रशंकत का तिस्ता में किसी स्परित स्थारा
- (क) वस सूचल में उत्प्रवृत्त में प्रकारण की वार्डील से 45 विष् में भीतर करत स्वावृत कमारित में दिस्तवृत्त विकार कमा महीकत दूशारा मुखेदरतासाड़ी में वास् विकार में दिसर वा सुकीने 3.

रच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त बन्दों बीर नवीं का, ची उन्त वीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, रही वर्ष होना को उस अध्याय में दिया नवा है।

# अनुसूची

एस० सी० श्रो० 188-189, सैक्टर 8, मध्य मार्ग, चण्डीगढ़ (अर्थात वह जानदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 893 गाह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह पदास प्राधि ारी सहाय ३ श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लिखियासा

तारीख: 9-8-1985

माहर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# शर्यालय, सहाय इ द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाणः लुधियाना, दिनांक 9 अगस्त 1985

निर्देश सं० चण्डी 108/84-85 — अतः, मुझे, जोगिन्द्र सिष्ठ,

षायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाकार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्पीर जिसकी सं मकान नं 1230, है तथा जो सैक्टर 8 सी, चण्डीगढ़ सें स्थित है (श्रीर इससे उपायह अनुसूर्व में श्रीर पूर्ण रूप में विण्य है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिक्षियम, 1908 (1908 का 16) के अधीक, स्ट्रीख दिसम्बर 1984

को पृषेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूवों कता मंपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशित से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (बन्दिरियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-इक्स निम्निसित उद्देश्य से उक्त जन्तरण विश्वित में बाह्य-विक क्य ने स्थित सहीं किया स्था है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आबत उक्त अधि-प्रियंग के सधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कभी करने वा उक्के वचने में सूथिशा के जिए; बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, गण्यन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
16—236GI/85

मेजर टी० एस० अहजावत (रिधायर्ड) (ग्रब कर्नल)
पुत्र श्री आर० एस० अहलावत, निवासी मकाम
नं० 2186, सैक्टर 19, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री सी० एस० राजवन्त (एच० यू० एफ०) मकाभ नं० 252, सैंक्टर 35, चण्डीग**ह**। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिधु कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाड़ा?
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्षि हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दिल -बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के नाव निश्चित् में किए जा सकेंगे।

ं ध्रवद्धीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उत्तह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# भपुस्ची

मकान नं० 1230, सैक्टर 8सी, चण्डीगढ़। (अर्थात जायवाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 975 माह विसम्बर, 1984 के सहस दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-8-1985

प्रक्षाः वाद्रौः टीः एवः एसः ⊬ ≠ + - ०

# शासकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के सभीन सूचना

### भारत सरकाद्ध

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियानां, विनांक 9 अगस्त 1985

मिर्देश सं० चण्डी/85/84-85—अतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह, नायक्टर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (कियो इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एस० सी० एफ नं० 1 है तथा जो सैक्टर 27-डी, नण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपायब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि वभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एमें रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल निम्नीसिवित उद्विध से स्वत्त अन्तरक कि बित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं कि का यथा है ---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियत के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित में किसी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; जर/बा
- (क) ऐंबी किस्ती बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियन 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनीय अन्तियम, 1958 (1957 का 27) की प्रयोगनीय अन्तिया जीन (वाहिए था कियाने में सिवधा की लिए)

बक्षः वव, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१४ के अधीत, निम्निष्टिकत व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री मंगत राम सेठी पुत्र स्व०श्री गाला राम से ঠা श्रीमती शशि सेठी पत्नि श्री मंगत राम सेठी, श्रीमती कीशल्या रानी पत्नी श्री प्रेम सागर द्वारा जनरल अटारनी श्री एम० आर० सेठी श्रीमती दया रानी पत्नि श्री टेक चन्द, श्रीमती णिव रानी पत्नी श्री शाम मृन्दर द्वारा जनरल अधारनी श्री मंगस राम सेठी श्रीमती सुनीता रानी पत्नि श्री डी० जी० सचदेवा द्वारा जनरल अटारनी श्री मंगत राम सेठी, निवासी एफ० सी० एफ०नं० 1, सैक्टर 27डी० चन्डीगढ़। 2. श्री केंगो राम पुत्र श्री राम चन्द श्रीमती मृति देवी पत्नी श्री केणो राम, श्रीमती कांता देवी पत्नी श्री छोटा राम, संजीव कुमार (नाबालिग) पुत्र श्री छोटा राम। सभी निवासी मकाम नं० 247, सैक्टर 35 ए , चन्डी गढ़

(अन्∄रिती)

 मैसर्स फैंडज स्टेशनर मार्ट, एस० सी० एफ० नं० 1, सैक्टर 27 डी, चन्डीगढ़।

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है।)

को बह सुभना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हाँ।

उन्त राम्परित के वर्षन के शम्बन्ध में कोई भी वासंप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों माँड पदों का, जो उन्स मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुर वर्ध झोगा को उस मध्याय में दिया गवा हैं।

### RECENTED

एस० सी० एफ० नं० 1, सैक्टर 27 डी, चन्डीगढ़। (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डी गढ़ के विलेख संख्या 876 माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-8-1985

मोक्ट 🖫

प्ररूप आर्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनां ह 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० लुधियाना/373/84-85--- ग्रतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और सिकीं मं० मकान न० बीं०-XX-1171/6 है तथा जो सराया नगर, लुबियाना (23डी का 1/9 भाग में स्थित है और इससे उपागड प्रनुचनी में और पूर्ण रूप से विणा है), रिजम्ट्री-जर्ता प्रिविशारी के नार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्री रिण प्रिविशारी के नार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्री रिण प्रिविश्वारा, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दखने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री ग्रजीत तिह गित पुत श्री मनमोहन सिंह गिल द्वारा श्री मनमोहन सिंह, निधासी महान नं० 28 डी, सराला नगर, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मीतपाल सिंह पुत्र श्री हरभजत सिंह निवासी मकान नं० 23 डी, सराला नगर, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति दुशरा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्ल अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विया गया है।

### अनुस्धी

. मजान नं० बी-XXब1171/6 (23 डी) का 1/9 भाग, (श्रयीत् घह जायदाद जो कि जिस्ट्रींकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 8 621 माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ने है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकय ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

मारीख: 12-8-1985

# श्रुष्य बाह्य दी पुत्र पुत्र प्रस्तान

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग्र 269-भ (1) के अभीन सूचना

### नारत त्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनोंक 12 अगस्त, 1985

निर्देश सं० लुधि /367/84-85---श्रतः, मुझे, जोगिनद्र सिंह

भायकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें १सके परचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

त्रौर जिसकी सं०९ 1/हिस्सा कोठी न० 23डी, सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री हर्ती श्रिधियारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्री उरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित काजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का चन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय जाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भीधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :---

 सरदार अजीत ित्त गिन पुत्र सरदार मनमोहन सिंह गिन द्वारा जी० पी० सरदार मनमोहन मिह निवासी 23-डी० सराभा नगर लुधियाना। (अन्मेरक)

7. श्री नंबतेज जिंह पुत्र सरदार हरभजन जिंह, निषासीं 23-डी॰ सराला नगर लुधियाना। (धन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पांत के अर्थन के सिए लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष स्मिन्त्यों में से किसी स्मिन्त ब्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो खाक्त विधिनियम के अध्याद 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

### अनुसूची

1/9 हिरुपा कोठी नं० 23-डी० सयाभा नगर, लुधियाना (मर्थात् षह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीक्षभी म्रधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या नं० 8560 माह दिसम्बर 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष्मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, लुधियाना

तारीव: 12-8-1985

माहर -

प्ररूप आईं.टो.एन.एसं.-----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 धगरत 1985 निर्देश सं० लुधियाना/374/84-85---- प्रतः, मुझे, जीगिन्य सिंह,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

बार जिसकी सं मकान नं बी-XX-1171/6 (28 डी॰) हो 1/9 भाग है तथा जी समानः नगर, लुधिराहा में स्थित है और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से दिणत है), रिजिस्ट्री शिक्षा श्रीविद्यारी के हायित्या, लुधिराना में, रिजिस्ट्री करण श्रीविन्यम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्त के लिए प्रम्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वा स करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्तन ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पश्चारु प्रतिक्षत से सिवि ह ह और सस्तर्य (अस्तर्यों) और अस्तर्यः (अस्तरितियों) के बीच ऐसे यस्तर्य के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रमः निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बाक्तिक कप से कवित नहीं किथा गया है:—

- (क) बन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उबत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँग्/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोधनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रिका के निय;

जरा व्या ज्या जिल्ला जीधीनयज्ञ की भारा 269-ए के जनुसरण कां, कां उक्त अधिनियन की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीर, जिल्लासिस व्यक्तियों, अथार्त ड— मनमोहन निह गिल पुत्र श्री अनीख जिह निवासी
 23ईी, सराभा नगर, लुिंध्याना।

(ग्रन्तरकः)

 श्रीमती महेन्द्र जीत और पत्नी श्री घरणबीर सिह निवासी मजान न० 23 डी०, सयाभा नगर, लुधियाना।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

### उक्त सम्मत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस, स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सकरें।

स्पट्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

### अमूस्ची

मकान नं० बी-XX -1171/6 (23 डी) का 1/9 भाग सयाला नगर, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जी कि रजिल्ड्री हर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 8622 माह दिसम्तर, 1984 के तहत वर्ज ई)।

> जोगिन्त्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 12-8-1985

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनां ३ 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० लुधि०/586/84-85---श्रतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिपकी सं० 1/9 हिस्ता कोठीं न० 23 डी है तथा जो सराशा नगर नुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), जिस्ट्रीं ति अधिवारी के वार्यालय लुधियाना में, विजिन्द्रीं ति अधिवारी के वार्यालय लुधियाना में, विजिन्द्रीं ति अधिवारी के वार्यालय लुधियाना में, विजिन्द्रीं ति प्रकार 1984 को पूर्वाकत सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य में काम के स्थमां प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिपत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक स्थ के थित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उकत जाभ-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में कविशा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी जाए या किसी धन वा अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना भाषिए था, क्रियाने संस्थिता के सिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) ल अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात :——

- 1. सरदार मतमोहन बिह पुत्र सरवार प्रनोख सिह निवासी 23 डी० सयाभा नगर लुधियाना। (प्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री शींतपाल सिंह, निवासी 23-डी॰ सराभा नगर लुधियाना। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथिकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ! तिस्त में किए का सकरेंगे।

स्पव्यक्ति पण: -- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उनत निभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

### अनुसूची

1/9 हिस्पा कोठी नं० 23-डी सरामा नगर लुधियाना (ग्राशीत् वह जायताद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 8728 माह दिसम्बर 1985 के तहत क्षेत्र है।

> जोगिन्द्र] सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 12]8-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बाई. टी. एन. एत. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 260-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज, लुधियाना
सिधियाना, दिनांक 12 ग्रंगस्त 1985

निर्देण सं० लुधियाना/380/84-85----ग्रतः, मुझे, जोंगिन्द्र

सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव महान नंव बी-XX-1171/6(23 बी) का 1/9 भाग है तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित हैं (और इससे पागत प्रमुची में और पूर्ण हुए से दण्डि हैं), रहिः दी-वर्ता भ्रिधिकारी के वार्यालय लुधियाना में, रिवर्ट्रींटरण प्रक्रि-नियम, 1908 (1908 वा 16 के श्रधीन, तारीक विश्वयर 1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के व्यथमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किश्वित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिन नियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें. जिल्हों भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1929 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उत्तर का का का भारतीय अधिनियम स्वास का या किया जाना शाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की शारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उवत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :--

मनमोहन सिंह गिल पुत्र श्री अनीख सिंह निवासी
 23डी, सेराभा नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

श्रीमती चरेन्द्र कौर पत्नी श्री नवतेज सिंह, निवासी
 23 डी, सराभा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कांश्वी मा आक्षंप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अधिक पा तलाम्बन्धी व्यक्तिया पर स्थान की तामील से 30 दिन की अधिक, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्थितियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अपहेत्याकानी के पास लिखित में किए जो सकींगे।

स्पद्धीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा।रिभाषित है, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय व्य दिया गया है।

# अनुसुची

मकान न० बी-XX-1171/6 का 1/9 भाग, सराभा नगर, लुधियाना 1 (श्रर्थात् वह जायभाद तो ि रिजिस्ट्री अर्ता श्रिधिकारी , लुधियाना के विलेश संख्या 8642 माह दिशम्बर, 1984 के तहत दर्श है)।

> जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिशारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुबियाना

तारीख 12-8-1985 मोहर :

# **एक्य आइ**र.टी.एन एस ~~ व्यापन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अधीन संस्था

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निराक्षण)

प्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनौंक 12 श्रगस्त, 1985

निर्देश सं० लुधियाना/381/६  $\pm$ -85 —श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी सं मकान नं वी-XX-1171/6 (23 डी) का 1/9 भाग है तथा जो भराभा नगर , लुधिआना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रीवकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन तारीख विसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वरेग से उच्त अन्तरण लिसित में पासनिक हुए से कथित नहीं किया गया है इन्न

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की पावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की यावित्य में कामी करने ना उससे तथने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को । जन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1422 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिये था, कियाने में सुविधा के तिए;

बातः अस, उक्त सिपियम की भारा 269-मं के संपूर्तरण ने मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) प्रधीन निम्तिविक्ति व्यक्तिकों, स्थीत १०००

श्री अजील िह गिल पुत्र श्री मनमोहन सिह गिल ब्रारा श्री मनमोहन सिह निवासी मकान नै० 23 डी, सराभा नगर, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

2. श्री चरनबीर सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह निवासी मकान नं० 23 डो, सराभा नगर, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्रांक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोड़ भी वाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए ना सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रश्नक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकात नं० बी- -1171/6 (23 डी) का 1/9 भाग, सराभा नगर, लुधियाना (श्रयीत् वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रो-कर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 8643भाह दिशम्बर 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 12-8-1985

प्ररूप बार्ड. ट्री. एम. एस्.----

बाबकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्वता

### भारत सहकाह

# नार्वाभय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनौक 8 श्वगम्न, 1985 निदेश सं० लुधियाना/445/81-85—श्वन: मुझं, जोगिन्द्र सिंह,

जाय कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पक्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर मंपित जिसका उचित राजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं बिल्डिंग नं बी-2-1555/1 तथा 1555/2 (पुराना) बी-2-1554 (नया) का 1/15 भाग कचा मन्त दास नजदीक घण्टा घर, लुक्षियानां में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकिती ग्रिधिकारी के कार्याज्य, लुक्षियानां में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख दिपम्बर, 1984,

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कारने का कारण हैं कि शभाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृज्य, अनके दूरयमान प्रतिफल में, होसे दूरयमान प्रतिफल फा मन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अम्मिरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निविचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निचित में नास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी बाय की बावत उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने में जन्तरक के दाधित्य में अजी करने या उत्तव बचने में सुविधा के लिए; सीर/या
- (सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यां की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) धी प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिएाने में स्विधा के लिए;

बतः कार, सक्त विभिनियम, की भारा 269-ग वी अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्तीलीकत व्यक्तियों, वर्षोत् ≝— 18—236GI/85 (1) शोमति हर्गात कौर दिन श्री कुनदीन निह, निवामी – 59-श्राई, सराभा नगर, लुधियाता ।

(ग्रन्भरक)

(2) श्रीमित रनबीर कीर पत्नि श्री करमजीत सिह निवासी-522, रत्तन मार्कीट, गिल रोड, लुक्षियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## जबत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी-वासप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि स्विधियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पात शिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्मर्व्धकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनसधी

किल्डिंग ने बा-2-1555/1 तथा 1555/2 (पुराना), बी-2/1554 (नया) का 1/15 भाग जो कि कूचा मन्त दास, नजदीक घण्टाघर, लुधियाना, में स्थित है। (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, लुधिया 1/15 माह दिसम्बर, 1984 तह दंगे हैं।)

जीगिन्द्र तिह् :तम प्राधिकारी महायक ग्राथकर ग्राप्युक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, लुधियाना

ता**रीख**ः १-४-1985

प्रस्प बर्ता, टी. एन. एस. .....

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ . (1) के अधीन सुचना

### भारत तरकार

कामसिय, महायक कामकर जाताक्त (निरोक्षण)

श्रजंन रेंज, लिंघयाना

लुधियाना, दिनांकं 8 ग्रगस्त, 1985 निदेश सं० लुधियाना/423/84-85-- ग्रतः मृझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिधीनयम' कहा गया है'), की धारा 269-ज के लधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह जिख्यान करने का कारण हैं, कि स्थावर संपत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से उधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बिल्डिंग नं० बी-2-1555/1 तथा 1555/2 (पुराना) बी-2/1554 (नया) का 1/15 भाग कूचा पुन्त दास, नजदीक घण्टा घर, लुधियाना में स्थित है (और इमसे उपाबद ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्णकप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिवारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिवियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984.

की प्वेंकित सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि अध्यम्भोंकत सम्पन्ति का उचित बाबार मूख, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योध्य से उक्य अन्तरण जिल्लित में बास्तिक स्प में कथित नहीं किया गया है....

- (क) मनारण से हुई कियी। तात की बाह्यमा अवस् अधिनियम के अभीत काम याने के अन्तरक को वाजित्य में काजी कारने हा उत्तरह स्थलों की मुक्तिया के सिए; जोर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या किसी प्रास्तियों करों, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) है। उकत अधिनियम, या भन-कर किशीवार (1937 का 1937 का १२) के प्रयोचनार्थ कल्मीनियी क्यारा प्रकट नहीं किया गया का मा किया जाना वाहिए ला, स्थिता में क्रिया के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्निविक्ति व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमित सुरेख कार पहित मनजीत तिह, निवासी~59, ग्राई० सराभा नगर, लुधियाना ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमित रनबीर कीर, पत्नि श्री करमजीत सिंह, निवासी-522, रतन मार्कीट, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को सूह सुचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए आर्थवाहियां करता हुन्।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 किन को अर्बाध ना तत्स्य नंधी अर्धावराजा पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वीक्य व्यक्तियों हो से किसी अर्थेक्स बनाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर जन्स स्थावर संपत्ति माँ हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवाय अवाह्स्साक्षरों के पास लिगाउ में किए पा गक्ति।

स्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, को समस अधिनियम के अध्याय 20-क मां परिभाषित हाँ, बहुरी वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## 4F. 26 119 1

बिल्डिंग नं० बीं-2-1555/1 तथा 1555/2(पुराना), बी-2/1554(नया) का 1/15 भाग जो कि कूबा मन्त दास, नजदीक घण्टा पर, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 9098 माह दिसम्बर, 1984 के तहन दर्ज है।)

जोगिन्द्र निह् नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

লক্তিয়ে : ১৮৪-৮**985** 

प्र**स्थ आर्ड**.टी.एन.एस. ------

बायकर किभिनियम्, 1961 /1961 का 43) की थारा 269-म (1) के बभीन सुमा

### मारत तरकार

# कार्यांकव, सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्तण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 8 ग्रगस्त, 1985

निदेश सं० लुधियाना/434/84-85-- ग्रनः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर सिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके पश्चात् 'उस्त नींपिनयमं सहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाषार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं बिल्डिंग नं वि:-2-1555/1 तथा 1555/2, (पुराना), बी-2/1554(नया) का 1/15 भाग, कूचा तस्त दान, नजदीक घण्टाघर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प में विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिनम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अपने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षक से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय धाया गया प्रतिफल, निक्शितिष्ठ उद्विश्य से उचित अन्तरण लिखत में वास्तिविक अप से किथत नह किया गया है :—

- कि) जनस्य संबुद्ध किया जाव की वाबत, अवस निजियन के अभीन कर दोने के जनस्यक ले बाजिय में की करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; जीर/मा
- (भ) एसा किसी भाव का किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ही भारतीय आयदार अधिभयम, 1022 (1922 का 11) वा उपत मिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) ये इसोयवार्थ अन्यरियो इवारा प्रकट वहीं किया वदा था वा स्थित याना बाहिए था जिन्हों के स्विभा के निष्;

ातः गर्व, उक्त विधित्तमः कौ बारा 269-व के मण्करण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीमति सुरेद्ध कौर, पत्नि श्री मनजीत सिंह, निवासों —59-ग्राई०, सराभा नगर, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री करम जीत सिंह, पुत्र श्री हरभजन सिंह, निवासी-522, रतन मार्कीट, गिल रोड, लुधियाना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए व्यर्वकरिक्स करका हुं।

# उनत उम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र हु---

- (क) इस स्वमा के राववण में अकाधन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की हामीन ने 30 दिन की नविभ, को थी नविभ याद में तमाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशित की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें दित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के वास निवित्त में किए या करोंगे।

स्पद्धिकरण:----इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### श्रन्सूची

विल्डिंग नं० बी-2-1555/1 तथा 1555/2 (पुराना). बी-2-1554(नया) का 1/15 भाग जो कि कूचा सन्त दास. नजदीक घण्टा घर, लुधियाना में स्थित है। (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 9179 माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

# की धारा 269 च (1) के बधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 8 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० लुधियाना/459/84-85--- श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की भारा 269-स को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हाँ

श्रीर जिसकी सं० बो-2-1555/1 तथा बो-2-1555/2 (पुराना) तथा जो बी-2-1554 (नया) का 1/15 भाग, क्चा सक्त धार नजदीक घण्टा घर, लुधियाना में शिथन है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हप से विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता श्रीधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजिस्ट्रोकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारी ख दिसम्बर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त काबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित रिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ वे हुई किसी शाय की वाधता, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंडी किसी काब वा किसी धन या जन्य अस्तियों को, चिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्ति रित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, कियाने में तुनिधा तृतिया से निय;

बत: अंगः, उत्तर निभिनियम की भारा 269-न के जनुसरण में, में, उक्त निभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के वभीन, निस्तिविधन व्यक्तियों, अवस्ति :--- (1) श्रीमित हरजीत कौर,
 पत्नि श्री कुलदीप सिह,
 निवासी-59, श्राई० सराभा नगर,
 लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री करम जीत सिंह, पुत्र श्री हरभजन सिंह, निवासी-522, रतन मार्कीट, गिल रोड, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

को वह बुक्ता जारी करके पूर्वोक्त तक्तरित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

# बन्द सन्तित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि सो संगप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचन स्थानर संपत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिवित में किए जा सकती।

स्पत्नकरणः -----इसमें प्रयुक्त सन्तों और पतों का को उनक अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### अनुसुची

बिल्डिंग नं० बी-2-1555/1 तथा 1555/2 (पुराना) बी-2-1554 (नया) का 1/15 भाग जो कि कूचा मन्त दास, नजजीक घण्टाघर, लूधियान में स्थित है। (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, लूधियाना के विलेख सं० 9339 माह दिसम्बर, 1984 के तहत है)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारो यहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-8-1985

मोह्रर :

# इक्न बाई दी एन एस : -----

# नायकर निपित्तियन, 1961 (1961 का 43) बढी चारा 269-न (1) के स्पीत् सूचना

### बार्व सहस्रह

कार्यालय, सहायक नावकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधिथाना

लुधियाना, दिनाँक 8 ग्रगस्त, 1985

निदेश सं० लुधियाना /443/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसर्धे इसमें इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर क्यारित. विस्तका जीवत वाचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० बी-2-1555/1 तथा 1555/2 (पुराना), बी-2/1554 (नया) का 1/15 भाग, क्चा सन्त दास, नजदीक घण्टा घर, लिधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावंग्र अनुसूची में ग्रौर पूर्णांक्य से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1984,

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अपूर्य, उसके अपमान प्रतिफल से, एसे अपमान प्रतिफल का पंतह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकास कि कि जिल्लाक कि निरु तम पामा गमा प्रतिकास कि जिल्लाक कि कि जिल्लाक कि निरु तम पामा गमा प्रतिकास कि जिल्लाक कि कि जिल्लाक कि निरु तम पामा कि वास्त्रिक कि कि जिल्लाक कि कि जिल्लाक कि कि जिल्लाक कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, अन्त कीपन्त्रियक के सुवीय कार बाने के अन्तरक के बादिश्य के कवी कहते ना करूबे दूसने में सुविधा के विषय; सुद्धि/शा
- (वा) एसे किसी जाय का किसी धन वा अस्य जारितवाँ को, विन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1,22 का 11) या उक्त अधिनियम, सा वक्कर विधिनियम, सा वक्कर विधिनियम, सा वक्कर विधिनियम, विधिनियम,

भधः सन, उक्त विधिनियम की भारा 269-न की अवुक्रस्थ में, भी, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमित कमलजीत कीर परित श्री दर्भन सिह, निवासी-59, ग्राई० सराभा नगर, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित परिमन्द्र कौर, पत्नि श्री बलदेव मिह, निवासी-522, रतन मार्कीट, गिल रोड, लुधियाना।

(म्रन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए आर्यवाहियां करता हो।

उन्त राज्याता के वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तादीब सं 45 दिन की मनिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी बनिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में के किल्कि प्रकाश मुख्या.
- (क) इस स्वामा के राजपत्र में प्रकासन की तारीच है 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिस्ति में किस आ सकत्य ।

र्म्किप्पारम्श-प्रवृत्ते प्रवृत्ता सन्तो बीट पत्तो का, ब्रह्म सम्ब वृत्तिम्बन्, के मध्याय 20-क वो प्रियमिष्क हुँ वही वृत्ते होगा को उस सध्याय में विशा यवा हुँ।।

### अगुसूची

बिल्डिंग नं० बी-2-1555/1 तथा 1555/2 (पुराना) बी-2-1554 (नथा) का 1/15 भाग जो कि सन्त दास कूचा, नजदीक घण्टा घर, लुधिताना में स्थित है। (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख मं० 9245 माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है।

जं।िगन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रें ज, लुक्षियाना

तारीख: 8-8-1985

## प्रस्य वार्षः दीः एनः एसः । - ४ नन्न

# बायकर निविनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्पना

### शारत शहकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्त)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 8 ग्रगस्त, 1985

निर्देश सं० लुधियाना/422/84-85—म्प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर क्ष्यिति, जिसका जिथा जाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० विलिंडग नं० बों-2/1555/1 नथा 1555/2. (पुराना), बीं-2-1554 (नया) का 1/15 माग कूचा सन्त दास, नजदीक घण्टा घर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में बींगत है), रिजन्द्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजन्द्रोकरण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख दिशम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के अधित नाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विस्तास करने का कारण है कि स्थाप्नीचन सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके समारात जीता जो होंगे द्रश्यमान प्रतिपत्त का पन्ति प्रतिपत्ति का पन्ति प्रतिपत्ति का पन्ति प्रतिपत्ति सं अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) जार अन्तरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिपत्ते, निम्नीनिवित उद्देश्य से उसत जन्तरण मिश्विध में बास्यविक कप से क्षित नहीं किया नवा है कि

- (क) कलरण वं शुद्ध किली जान की नामकः, जनक विश्वित्रय के अभीन कर दोने के नल्तरक के शांधाल में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/६।
- (क) एसी किसी अप या किसी धन या बच्च अस्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने मा सुविधा के जिए।

कतः कावः उच्छा विधिनियम की धारा 269-ण कै वनुवरण को, मी, उक्त किंपिनियम की यारा 269-ण की उपधारा (1) को वधीन, निम्निविचित व्यक्तियों वधाद्यः ;—— (1) श्रीमति हरजीत कौर, पत्नि श्री कुलदीप पिह, निवासी-59, श्राई, गरला नगर, लुधियाना।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमति परिमन्द्र कौर, पत्नि श्री बलदेव सिंह, निवासी-522, रतन मार्कीट, गिल रोड, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कर्क पृथोंक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यशक्तिंस शहर करता हुं।

उच्च सम्पत्ति को अर्थान को सम्बन्ध मा कार्ड भी नाक्षंप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धूवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर नम्मास्त में हिल स्थानर नम्मास्त में हिल स्थानर नम्मास्त में हिल स्थानर व्याप्त द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए ना सकेंगे।

स्मच्छीकरण — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया वया हैं।

### अनुसूची

बिर्लंडग नं० बी-2-1555/1 तथा 1555/2 (पुराना) बी-2-1554 (नया) का 1/15 भाग जो कि कूचा सन्त दास, नजदीक घण्टा घर, लुधियाना में स्थित है। (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो लुधियाना के कार्यालय विलेख सं० 9097 माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है।

जौगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियानः

तारीख: 8-8-1985

ऑहर 🛭

प्रकृष आर्ध हो . एत . एस . -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आधूक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, लुधिां याना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० लुधियाना / 458/84-85--श्रत- मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त की धीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रोत्त जिसकी सं० बिल्डिंग नं० 2बी—1555 तथा 1555/2 (पुराना) बी—2/1554 (नया) का 1/15 भाग कूचा सन्त दाम नजदीक घंटाघर, लुधियाना में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यात्रम पृधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख दिमण्बर 1984 की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) छे वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण रा हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उसने बच्चों में स्विधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी िती आय या किसी धन या कत्य आस्तियों कर, किन्स आएनीय अपन्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 1), हा उक्त विधिनयम, ता अनकर अधिनियम, (1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा ध्वत तहीं किया गया भागा किया अत्र प्रतिकृत के स्वीवश्य के लिए:

अस अत्र , एका विभिन्निक की गाप १६० । ज लहा का सों, सी ताह अधिनिक्स की गाम 1,65-ए सी माधाम (4) के जथीर (स्थारिकाल पर्वाचार ) त (1) श्रीमती सुरेन्द्र कौर पत्नी श्री मनजीत सिंह, नियासी-59, श्राई० सराभा नगर, लुधियाना ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बलदेव सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह, निवासी 522, रत्नन भावींट, गिल रोड़, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त अपत्ति के अर्जन के संबंध में कां हूं भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर प्रविचयों में से जिमी व्यक्ति द्यारा;
- (क्त) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दन किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताकारी के पाच लिक्टिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विका गंग है।

#### अनुसूची

बिल्डिंग नं० बी-2-1555/1 तथा 1555/2 (पुराना) बी-2/1554 (नया) का 1/15 भाग जो कि कचा सन्त दास घंटा घर , लुधियाना में स्थित है । (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 9338 माह दिसम्बर 1984 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह संशय प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 8-8-1995

माहर .

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नुधियाना, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निदेश मं० लुधियाना/408/84-85—म्नतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विशास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० विल्डिंग नं० बी-2/1555/1 तथा 1555/2 (पुराना) बी-2/1554 नया), का 1/15 भाग कूचा सन्त दास, नजदीक घंटा घर लुधियाना में स्थित है (श्रौर इसमे उपाब श्रम्नुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्री-करस्र श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित धाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निजालिन्ति सही किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती सुरेन्द्र कौर पत्नि श्री मनजीत मिंह, निवासी 58 ग्राई० मवाया नगर, लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती परमिन्द्र कौर पत्नी श्री बलदेव सिंह, निवासी 552, रत्न मार्कीट, गिल रोड़, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निर्कृत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बिल्डिंग नं० बी $\sim 2/1555/1$  तथा 1555/2 (पुराना) वी $\sim 2/1554$  (नया) का 1/15 भाग जो कि कूचा सन्त दाम , नजदीक घंटा घर , लुधियाना में स्थित है (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 8987 माम दिसम्बर 1984 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 8 - 8- 19**8**5

### प्ररूप बाह्रे. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (†961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुकना

#### भारत सरकार

कार्यासय , सहायक जायकर जायूक्त (किरोजन) भ्रजीन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 8 प्रगस्त 1985

निदेश सं० लुधियाना/427/84-85—श्रतः **मुझे** जोगिन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिन्ने इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-वा के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, चितका स्थित समार नृष्यं 1,00,000/- रहः से अधिक हैं।

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 13-श्रार का 1/2 भाग है तथा जो माडल टाउन , लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बिणत है) रिजस्ट्रीफर्ता प्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख़ दिसम्बर 1984

को प्वांक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रावमाणें प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्बंधित का उचित बाजार मून्य, उसके रवबान प्रतिफल से, एसे उच्चमान प्रतिफल का पंच्ह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अंच-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिसत उद्वेष्ट्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक स्प में किंधत नहीं किया यया है:—

- (क) जंतरण से हुई किसी काम की कामत, उक्क अभिनियम के अभीन कार दोने के जंतरक हैं रुपिटन को कारी करने या उससे अक्षे के सूबिका द निगह और/बा
- (न) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य नास्तियों के जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उस अभिनयम, का धन- के अभिनयम, 1957 1957 का 27) इस्मियों अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कथा, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखितं व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1 —236GI/85 (1) श्री गांति प्स्वरुप पुत्र श्री राम दिला, निवासी 132-ग्रार, माइल टाउन, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती महेन्द्र कीर पत्नी श्री यश पाल सिंह, निवासी 132-श्रार० मागल टाउन, सुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

**को यह स्वतः कारी करके पूर्वोक्त** सम्मित्ति के अर्थन के लिए व र्यवाहियां करता हो।

स्कत सम्बन्ति के अर्जन के जातन ही नीज़ी भी शक्ति ।---

- (क) एक बुषमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किया की क्षीपत होता।
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिदयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे जा उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

मकान नं 132 श्रार माडल टाउन का 1ह2 भाग कृषिकाना । (श्रयीत वह जायदाद जी कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकाी, कृषियाना के विलेख संख्या 9160 साह दिसम्बर विसम्बर 1984 के तहत दर्ज है)।

> जीगिन्द्र सिह् मुक्तम प्राधिकारी सहायक आयुक्तर भ्रापुक्त (निरीक्षभ्र) अर्जन रेंज, लुधियाना

**विनांक : 8-8-1985** 

महिर 🏞

प्रक्रम् बाइ' टी. एन् एस् ------

नायकर निधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म् (1) के संधीन सुचना

### नाइत चुडका

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (ानराक्षण). भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना विनांक 9 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० लुबियाना/ /84-85--श्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चित् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुक्स 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जायदाद जो कि मन्ना सिंह कोल्ड स्टोरेज 8 कनाल 4 मरला पर कारातारा, लुधियाना में स्थित है, (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख विसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्याध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश्य मे उकत अन्तरण तिश्वित में नाम्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बायत उक्त अधि-नियम को जभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे जलने में सुविधा वी सिए, भीर्'या
- (श) एसी किसी आय का किसी धन का कत्य कास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायक र जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में मुविधा के हिंगए;

जतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः निकासिकित स्विकतारों. वर्षात डूक्त

> (1) मेससं मन्ना सिंह कोल्ड स्टोरेज बाई पास मजदीक सब्जी, मंडी खुद्यियाना द्वारा श्रीमती तजेन्द्र कौर, पत्नी श्री मन्ना सिंह, निवासी मकान नं० बी-2/738 जी० टी० रोड, खुद्यियाना तथा श्री रघुबीर सिंह पुट्ठल श्री राम सिंह, तथा

श्री कंबल नैन सिंह तथा जसजीत सिंह सिंह, पुत्र श्री रघुबीर सिंह, निवासी ग्रम्बाला तथा श्रीमती तजेन्द्र कौर पत्नी श्री परमजीत सिंह, पुत्र श्री मन्ता सिंह,, निवासी बी-2-738/2, जी० टी० रोइ, लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स किसान केल्ड स्टोरेज, जी०टी० रोड़ बाईपास लुधियाना द्वारा श्री पलविन्त्र सिंह, पुत्र श्री गुरचरण सिंह,, श्री प्रीत मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री गुरकरण सिंह, श्री गुरकरण सिंह, श्री गुरकरण सिंह, श्री गुरकरण सिंह, गांव सेखोबाल तहसील तथा जिला लुधियाना, श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्रीरगजोध सिंह, निवासी गांव हीरा तहसील तथा जिला लुधियाना, श्री जगीर सिंह सुद्र श्री चेत सिंह, निवासी मकान नं० 146 तिन्तर गंग, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

की यह स्थान बारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अजन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

# क्ष्मत सुम्पृतित के बुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

रम्थ्योंकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित है, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्पी

कारोबार, लुधियान में 8 कनाल 4 मरला पर स्थित है। जायदाद, मन्ना सिंह कोल्ड स्टोरेज (ग्रथित वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना द्वारा विलेख सं० 8631 माह दिसम्बर 1984 के तहत वर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज, लुधियाना

विनांक : 9~8-1985

# प्ररूप **भाइं.टी.एन.एस**्, ==========

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निर्शिक्य)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निवेश सं० चन्डी/83/84-85---ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसर्जे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास भरने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मं. मकान नं. 3230, हैं तथा जो सैक्टर 27 डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़

अधीन, दिस्म्बर 1984
को पूर्वो कत सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य,
उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

- (क) जन्तरण संहुद्दं किसी बाब की बाबस, अंक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने की बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाव वा किसी भन या अन्य आस्तिवों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्निर्लिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री हरी राम दुआ
पूत्र श्री जीवन दास दूजा
श्री मूंशी राम गुलाटी
पुत्र श्री गुलाब राम गुलाटी,
निवासी कोठी नं 3230,
सैक्टर 27 डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश करि पत्नी श्री भगवान सिंह श्री भगवान सिंह पुत्र श्री राम सिंह निवासी गांव बृह्मपूरा तहसील सरन तारन, जिला अमृतसर, (पंजाब) ।

(अन्तरिती)

(3) श्री किरपाल सिंह,
श्री करतार सिंह,
श्री गुरचरन सिंह,
श्री प्रेम सिंह,
श्री अजीत सिंह,
श्री राजेन्द्र सिंह,
सभी निवासी मकान नं 3230,
सैक्टर 27 डी, चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के अम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति स्वास्त;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के भी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्टारा

स्पर्धांकरण:--इसमाँ प्रयुवत शब्दों कीर पत्नों की, जो उक्त अधिनियम के अध्याय १०-क माँ परिभाषित श्री, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया मंगा है।

### जगस्ची

मकान नं० 3230 सेक्टर 27—डी जन्डीगढ़ : (ग्रयीत वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 860 माह दिसम्बर 1984 के तहन दर्ज है)

> जोगिन्द्र मिह् सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 9-8-1985

### प्रकार बाहें. टी. श्रम . श्री . - - - ----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 45) जी

#### भागत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर **आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना लिधयाना, दिनांक ३ अगस्त 1985

रिदेश सं० चन्डि:/103/84-85---- ग्रत: मुझे जौगेन्द्र

सिंह

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवे इसके पहचात् उत्तर अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने स्व कारण है कि स्थानर सम्पत्ति , जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० एस० सी० एफ० 156 से 158ए मी 158वी से 160 है तथा जो सेक्टर 8 चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौरु इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वकान अतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विकास कारने का कारण हाँ कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित संवार कारने का कारण हाँ कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित संवार कारने का कारण हाँ कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित संवार का प्रतिकाल की एसे स्वकान प्रतिकाल का प्रतिकाल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीया) क बीन एसे अन्तरण के लिए तय वामा गया अतिकाल, विकास संवार उद्देश्य से अक्त अन्तरण कि किस में अस्तिक रूप में कथित नहीं किस गया है :---

- (का) अन्तर्भ न शुरू किसी आय की वावस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के वृन्त्रक के दायिक में कही जरने या उत्तर्श विषये में सुविधा क रिनार अर्थ रा
- (ख) श्रसी किसी आग या किसी थन या जना जास्तिकों कां, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया का का किया नाम नाहिए था स्थित में मृषिधा के रित

स्तर सब ८०९ की तिथान की धारा 239-ग को संस्कृतिया है, सै. एउन अभिनियम की भारा 269-व को सम्बद्ध (भी हो सकीर निकारणितियम कावित्यों सम्बद्ध ---

(1) श्री मोहन सिंह (एच० यू० एफ०)
पुत्र श्री शेर विसह
2. श्री सुखदेव सिंह एच० यु० एफ०
पुत्र श्री मोहन सिंह
3. श्री इन्द्रजीत सिंह (एच० यु० एफ०)
पुत्र श्री मोहन सिंह

- 4. श्री जसबीर सिंह (एच० यु० एफ०) पुत्र श्री गुरमुख सिंह
- 5. श्रीमती किरण दीप पत्नी जसबीर सिंह
- 6. श्री बसंबीर सिंह (एच० यु० एफ०) पुत्र श्री गुरमुख सिंह
- 7. श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी बलदेव सिंह नीलम कौर पुत्नी श्री जगीर सिंह सभी निवासी मकान नं० 130 सेक्टर 9बी चन्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री भगत सिंह (एच० यु० एफ०) पुन्न श्री सरन सिंह श्री हरचरन सिंह (एचं यु० एफं) पुत्र सरन सिंह श्री हरनाम सिंह (एच० यु० एक०) पुत्र श्री प्रेम सिंह श्रीमती हरेन्द्र कौर पत्नी श्री भगत सिंह श्रीमती दलविन्द्र कौर पत्नी श्री हरचरण सिंह श्री जसबन्त सिंह मान (एच० यु० एफ०) पुत्र स्व० श्री लाभ सिंह श्री मोहिन्द्र सिंह (एच० यु० एफ०) पुत्र श्री डोगर सिंह श्रीमती सुरजीत कौर, पत्नी श्री मोहिन्द्र सिंह रवेन्द्र कौर पुत्नी श्री हरभजन सिंह बलविन्द्र कौर पुत्री श्री हरभजन सिह श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी श्री हरनाम सिंह ग्रमरेन्द्र कौर पुत्री श्री प्रीतम -सिंह श्री पृथ्वीपाल सिंह पुत्र श्री जगीर सिंह निवासी मकान नं० 130 सेक्टर 9बी चन्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)
- (3) स्थराज माजदा (सरकारी ग्रदारा) एस० सी० एफ० नं० 156 158 ए ग्रौर 158बी-160 सेक्टर 8, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पति है)।

(4) ग्रमरजीत सिंह (एच० यु० एफ०), स्वर्ण कौर सन्त कौर, जगीर सिंह (एच० यु० एफ०) कंवल जीत सिंह (एच० यु० एफ०) वीरेन्द्र कौर, करन सिंह, सुरेन्द्र सिंह (एच० यु० एफ०), परिमन्द्र कौर (एस० सी० एफ०) 156 से 158, 158वी से 160 सेक्टर 8, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है) ।

**को यह सूचना पारी करके** पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कं किए कार्य**पाहियां** कारता ह**ूं**।

जिन्हें सम्प्रीत के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओं :----(क) इस त्यना के रायपण में प्रकादन की तारीख सं 45 दिन की स्वतिष्या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसम् बुचना की तामील से 30 दिन की अवस्थि, को बी जनिथ शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंताय:

(ब) इस स्वना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्य किसी अन्य व्यक्ति वृवार अभीहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, वो उक्त बाधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याम में दिसा स्था है।

#### अञ्चलके

एस० सी० एफ० नं० 156 /158ए श्रीर 158 बी-160, सेक्टर 8 चन्डीगढ़। (श्रर्थात वह जायदाद जी कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डोगढ़ के विलेख संख्या 959 के तहत माह दिसम्बर 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिह मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

विनांक : 9-8-1985 मोहर :

प्ररूप आर्थः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा २६०-म (1) के अधीन सम्मन

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायंक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेंज, क्रियाना

लुधियानः, विनांकः 12 ग्रगस्त 1985 निदेश सं० लुधियाना/387/84--85---ग्रतः गुझे, जोगिन्द्र सिंह,

कायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जमीन 71 कनाल 12 मरला है तथा जो (खाता नं० 417/476-419/478, 420/479-421-480-432/494) ढंढारी कला, तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीर इसरी उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1903 हा 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उदित याजार मृत्य स कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और (अन्तरिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और (अन्तरिश्त से अधिक हो के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया स्था प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिक कास्तिक हम में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुइ किसी जान की नावत उक्त जीध-निसम के अधीन कर दोने के जन्तरक के समित्य में अपनी करने या उजसे बचने में स्विधा के लिए; जीस/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीवनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए: और/या

कतः कतः, उक्त काश्वीनयम की भारा 269-व के बनुसरक में, मंं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- 1. सर्वर्थः वर्णन सिंह, जात सिंह, मलकीत सिंह, मधर सिंह, पुत्रान श्री सरदारा सिंह तथा सर्वर्थः गुरनाम सिंह, सुज्ञान सिंह पुत्रान श्री निरंजन सिंह,—निवासी ढंढारी कला, तहमील लुधियाना। (अन्तरक)
- 2. समाल इंडस्ट्रियल यूनिट्ज ता विग, ग्राल इंडिया साईकल ट्रेड ट्रैवलर्ज एसोसियोगन, मिल्लर गंज, लुधियाना। (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र्र 45 दिन की अपिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (बं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबव्ध बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्याक्षीकरणः----इसमाँ प्रमुक्त शब्दां और पदों का, वां उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वदा है।

### अनुसूची

भूमि 7। कनाल 12 सरला (खाता नं० 417/476—419/478. 420/479—421/480-432/494) नो कि ढंडारी कलां, नहसील लुधियाना में स्थित है। (ग्रश्चीत् वह जायबाद जो ि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 8828 माह दिसम्बर, 1984 के नहत दर्न है)

जोगिन्दर विह सक्षम प्रविभारः सहायक श्रायक श्रायुक्त (निरःक्षण) श्रर्जन रोज, स्थियाना

तारीख: 12--8--1985

मोहर 🦠

# प्रकल् बाह् ्रो क्न एवं . ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

#### HIGH USAN

# कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निर्दाक्षण)

**म्रजं**न 'रेज', लुधियाना

लुधियाना, दिनां । १ श्रगस्त 1985

निवेश सं० चण्डं र०/91/84--85---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रभिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० महान नं० 23 का 1/2 भाग, है तथा जो सैक्टर 3-ए० चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिशहरी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अंशीन, तारीख़ दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त विक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दुई किसी नाम की नावत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दर्ज के अन्तरक के दावित्व में कामी करने या उचने क्या में वृतिचा औ विदः न्यूर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत प्रतिशियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था ता किया जाना चाहिए या, खिपाने में स्विचा के किया

जत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-व के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री विनोद कुमार ग्रग्नवाल पुत्र श्री फकीर चन्द ग्रग्नवाल, एडवोकेट, श्रम्बाला शहर।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री राकेश कुमार अग्रवाल

  पुत्र श्री फ़कीर चन्द अग्रवाल, एडवोकेट,
  अम्बाला शहर।
  श्रीमती निक्षा अग्रवाल,
  पत्नी श्री राकेश कुमार अग्रवाल,
  निवासी श्रनाज मण्डी, अम्बाला शहर।
  (श्रन्तरिती)
- 3. श्री कृष्ण कुमार ग्रग्नवाल निवासी मकान २० 23, सैक्टर 9-ए०, -चण्डीगढ़। श्रीमती कमल तलवार, श्री जी० सी० मेहरा, रिटायर्ड बिगेडियर, श्री धर्म पाल, श्री तेज पाल, श्रीमती सुन्दरी, सभी निवासी मकान नं० 23, सैक्टर 9-ए०, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना शारी करके प्योक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यनाहिम्से करता हो ।

### इक्त क्यारिए के बर्चन में तस्थान में कोई भी आक्षेत्र हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भं। अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वित स्थक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाध सिचित में किए वा सकेंगे।

सम्बन्धितमः -- इस्को प्रयुक्त बन्दों और पदों का, श्री सक्त विभिन्तिम के नभ्याय 20-क में परिभावित है, कारी नर्भ होना को उस अभ्याय में विभारमा है।

### प्रनुसूची

मकान नं० 23 सैक्टर 9-ए०, का 1/2 भाग, चण्डीगढ़, (म्रथीत् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिक री. . चण्डीगढ़ के विषेध्व संख्या 915 माह दिसम्बर, 1984 के तंहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजीन रोज, लुशियाना

**सार∂खाः** 9-8-1985

मोहर 🤢

प्रक्य बाह्र , टी. एन. एस. - - - ----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यामय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देशक)

**ग्र**र्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 8 श्रगस्त 1985

निवेश सं० लुधियाना/444/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र

सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग नं० बी-2-1555/1 तथा
1555/2 (पुराना) बी-2-1554 (नया) का 1/5 भाग
है तथा जो कूचा सन्त दास, नजदीक घण्टा घर, लुधियाना
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची) में श्रीर पूर्ण रूप
से विणित है), रिजिस्ट्रीकिती श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16)
के श्रिधान, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृहं है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खिख में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) मन्तरण संहुदं किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भ कमी करने या उसके वचने हैं शुविधा के सिद्धः श्रीरापः
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाओं में स्विभा चे रेगए;
- कि शतः अस, उस्त क्रिभिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण -में, में, उस्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) हे यभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्रर्रोत क्र---

 श्रीमती सुरेन्द्र कीर पत्नो श्री मनजीत सिंह, निवासी 59-म्बाई, सवाया नगर, लुधियाना।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती इकबाल कौर पत्नी श्री दिलीप सिंह, निवासी 522, रत्तन मार्केट, गिल रोड, लुधियाना।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# क्रवत मृत्यात के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र क्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धों क्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेतित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थिति में किए वा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया भया है।

### धनुसूची

बिल्डिंग नं० बी-2-1555/1 तथा 1555/2 (पुराना), बी-2-1554 (नया) का 1/15 भाग जो कि कूचा सन्त दास, नजदीक घण्टा घर, लुधियाना में स्थित है। (ग्रथीत् बहु जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 9246 माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह पक्षम प्राधि हारी सहायक ब्रायकर ब्रायक्त (निरक्षण) प्रजन रज, लुधियाना

तारीख: 8-8-1985

मोहरः

प्रकम काइ. टी. एन. एस.----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### गारत चरकार

# कार्यासय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनाँक 8 श्चगस्त 1985 निदेश सं० लुधियाना/435/84~85~-श्चनः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

'श्रीर जिसकी से विल्डिंग नं बी-2-1555/1 तथा
1555/2 (पुराना) बी-2-1554 (नया) का 1/15
शाग में स्थित है तथा जो क्चा सन्त दास नजदीक घण्टा
घर सुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची
में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908
(1908 का 16) के श्रधीन नारीख दिसम्बर 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाबार मूल्य से कम के अवमान
शतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुन्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार
मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिकल से, एसे इस्यमान प्रतिकल का
गंग्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और
अंतरिती (अंतरित्यार) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य वाबा
गया प्रतिकल, निम्नलिखित उव्वर्थ से उक्त अन्तरण मिखित
में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरभ सं हुइंकिसी जाय की वायक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृत्विधा के सिन्दर; बील्ड/वा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कार जिन्हों भारतीय जाय-कार जिन्हों भारतीय जाय-कार जिन्हों भारतीय जाय-कार जिन्हों भारतीय या धनकर जीधनियम, या धनकर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रधोणनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नदा था किया बाना थाहिए था, कियाने जें सुविधा के विष्;

जतः अव, अभत अभिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अभिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, वधीत् ह—

 श्रोमती कमलजोत कार पत्नो श्री दर्शन सिंह निवासी 59-श्राई० सरामा नगर लुधियाना।

(मन्तरक)

2. श्रीमर्ता इक्वाल कौर पत्नी श्री दलीप सिंह, निवासी 522, रत्तन मार्केट गिल रोड़, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

के वृद्द कृष्या नारी कहके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उच्या सम्पत्ति के अर्थन के संअंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की नवींच था उत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह स्वना की तामील से 30 विन की नवींथ, जो भी समित बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पृश्वींक स्वाप्त गर्म में किसी स्ववित हवादा;
- (प) इस स्वाम के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकेंगे।

स्यव्यक्तिरंणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पवाँका, जो उक्त वाधिनिवस, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, चहीं वर्ष होना को उस क्ष्माद में द्विता नवा है।

### **गन्स्**ची

विल्डिंग नं० बी-2-1555/1 तथा 1555/2 (पुराना) बी-2-1554 (नया) का 1/15 भाग जो कि कूचा सन्त क्षां, नजवोक घण्टा घर, लुधियाना में स्थित है। (प्रधीत् वह जायदाद जो कि रिजम्ट्रोकर्ता अधिकारी, लुभियाना के विलेख संख्या 8180 माह दिसम्बर, 1984 के तहत वर्ज हैं)

जोगेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुवन (निराक्षण) स्रजेन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-8-1985

प्ररूपः नार्दः दौः एतः एस् । - - - -

जायकर जाँभिनियम, 1961 (1961 को 43) की पारा 269-च (1) के जभीत सुचना

The Book of the State of the Committee o

#### भारत सरकार

श्राग्रांतयः, सहायक वायकर नाव्कः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दनौंक 9 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० लुधियाना/432/84-85--श्रतः मुझै, जोगिन्द्र सिंह.

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) विका इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा १६९-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अध्या है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से विध्व है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 132-श्रार० का 1/2 भाग है तथा जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्री करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख दिसम्बर 1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रविक्त का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंसरकार्ग) और अंदरिसी (अन्तरिशिक्ष) के बीच होसे अन्तरण के लिए तय पाचा गया प्रतिफल, निम्मिचिक्त उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित गस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने औं अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्कसे बचने में सुविधा के निए; और/जा
- (क) एती किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, मा भन- कर अधिनियम, मा भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म<sup>5</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--20-236 GI/85

शौति स्वरूप

पुत्र श्री राम दत्ता,

निवामी 132--आरण, माडल टाउन,

पुधियाना।

(प्रनारक)

2. श्री मोहिन्द्र कौर, पत्नी श्री यशपाल सिह निवासी 132-ग्रार०, माडल टाउन, लुधियाना।
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए ार्याणक्रमां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस मृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थानतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारी कर्षे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा जधोहस्ताक्षरी के पार्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः ----इसको पयुक्त करूरी और पर्वी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही कर्ष होता के उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मन्**स्ची

मकान न ० । 32-म्रार ० हाँ 1/2 भाग, माइल टाउन, लुधियाना । (म्रथीत् वह आयदाद जो क रिजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 9177 माह दिसम्बर, 1984 के तहन दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह् मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायक्षर स्रायुक्त (निर्रक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख : *9--*8-1985

महिर .

प्ररूप आइ. टी. एन. एस्ं।-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनौंक 9 श्रगस्त 1985

निदेश सं० लुधियाना/395/84-85--ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्तका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि 2 बीघा पुखता है तथा जो हुगरी, तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजम्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूथमान प्रतिफल से एसे रूथमान प्रदिफल का पंग्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः इयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--

 गर्वश्रो जमपाल सिंह, गुरमुख सिंह, जमराज सिंह, पृतान श्री नवराता सिंह तथा श्री ग्रवतार सिंह पृत्र श्री सरदारा सिंह, निवासी गाँव डुगरी तहसील लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

 कुलदीप सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह, 98, माडल हाउस, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्भाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्भाग की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयूत्तर रुखों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं-, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि 2 बीघा (पुखता) जो कि दुगरी तहमील, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियना के विलेख संख्या 8791 माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9⊸8—1985

मोहर:

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निदेश सं० लुधियाना/376/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं प्रकान नं बी-XX-1195/22 का 1/4 भाग है तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप रो विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) जंतरक से हुई किसी आय े वास्त, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

कतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात:— श्रीमती नीना वधवा
पत्नी श्री रिवन्द्र कुमार वधवा,
निवासी 3-ग्राई०, सराभा नगर,
लुधियाना।

(श्रन्तरक)

2. मैसर्स रिशीपाल प्रापटींज (प्रा०) लि०, 704, प्रगती टावर्ज, राजेन्द्रा पैलेस, नई दिल्ली, द्वारा श्री मनमोहन सिंह, डायरेक्टर कम्पनी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं बी $-\mathbf{X}\mathbf{X}-1195/22$  का 1/4 भाग, सराभा नगर, लुधियाना। (म्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 8628 माह विसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रज, लुधियाना

तारीख: 9-8-1985

मांहर :

### प्रकृष् वाह्युं, द्वी , धृत्, धृत्या, ------

**बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरकार

### कार्यांसय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिक)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनक 9 अगास्त 1985

निदेश सं० लुधियाना/377/84-85---श्रतः, मुझे, जोगिन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० बी-XX--11952.. या 1/4 भाग है तथा जो सराभा नगर लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण कप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान विस्तित्त को लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास कारते का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पामा म्या प्रतिफल निम्निस्थित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) मनाइन है हुई किसी भाष की बाधत, उक्छ वीपतिकम के भपीन कड देने के अन्तरक के समितक में कनी करने या उससे बचने में सुनिधा के निए; और/मा
- (का) एसे फिसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती व्याप् पृक्त नहीं किया गया या सा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविज्ञा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री रिवन्द्र कुमार बधवा
 पुन श्री द्वारका दास
 निवासी 3-श्राई० सराभा नगर
 लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स रिणीपाल प्रापर्टीज, (प्राइवेट) लिमिटेड 704 प्रगती टावर्स राजेन्द्रा पैलेस, नई दिल्ली द्वारा श्री मनमोहन सिंह यरेक्टर कम्पनी।

(भ्रन्तरिती)

का बृह बृषका पारी कारके पूर्वोक्स सम्मूरित के वर्षन के हिन्द् कार्यवाहियां सुक्ष कारता हूं ।

### उक्त सुन्यरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई थी जाओर ह----

- (क) इस ब्रुच्या के रावप्त में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की संवध्य या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की संवध्य स्थान की तानील से 30 दिन की संवध्य स्थान को सी संवध्य क्यां में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्थानित व्यक्ति व्यक्ति स्थानित व्यक्ति स्थानित व्यक्ति स्थानित स्थानि
- (क) इस सूचना के एवपण में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्रिकरण ह—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया दश हैं।

#### अनुसुची

मकान नं० बी-XX-1195/22 का 1/4 भाग सराभा नगर लुधियाना। (श्रर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 8629 माह दिसम्बर, 1984 के सहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 9-8-1985

मोहर :

प्रकप बाईं हो. एन्. एस.,-----

वायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के मधीन स्वना

#### नारत प्रकार

### कार्याक्य, सहायक करण्कर वान्वत (निर्देक्ष)

भर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 9 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० लुधियाना/385/84--85--- ग्रतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

बायकर विभिनितम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च वें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,90,000/- रा. से अधिक ही

यौर जिसकी सं प्रकान नं बी-XX--1195/22 का 1/4 भाग है तथा जो सराभानगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को प्रवेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपरित का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नितिशत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) सन्तर्भ से हुए किसी बाग की पान्त, जनक वीपीन्यम् के स्पीन कर दोने की बन्तरक के खीनत्व में कनी करने मा उससे बुचने में सुविधा के सिए; बार/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा का वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविवा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अभूतरण गः, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (।) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधीतः :— श्री रविन्द्र कुमार वधवा,
 पुत्र श्री द्वारका दास,
 निवासी 3-श्राई०, सराभा नगर,
 लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

2 मैसर्स रिणीपाल प्रापर्टीज (प्राईवेट) लिमिटेड, 704, प्रगती पैलेस, नई दिल्ली द्वारा श्री मनमोहन सिंह, डायरेक्टर कम्पनी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचमा भारी करके पूजाँक्त संगीतत के वर्जन के किन्। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त कम्परि के नर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस क्षमा के रामपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 हिंग की शविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तानीस से 30 दिन की वयिष, जो भी अविद् वाद में त्रजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षापः;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकींगे।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, नहीं कर्य होगा, को उस अध्याय में विवास

#### मनुसूची

मकान न० बी—XX—1195/22 का 1/4 भाग, सराभा नगर, लुधियाना। (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 8692 माह दिसम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-8-1985

मोहर:

### प्रकल गाइँ, टौ. एन. एस. -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायका (निरीकन)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांः 9 प्रगस्तः 1985

निदेश सं० लुधियाना/386/84-85--श्रतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आग्रक शिंभिनयम, 1961, ,961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित आजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० महान नं० वी-XX-1195/22 का 1/4 भाग, है तथा जो गराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इसरो उपावड प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिशारीं के दार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के व्ययमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृत्रींनत लग्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, . गूर्स दृश्यमान प्रतिकाल की पन्द्रह प्रतिकाल से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बील एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बें बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) क्याउन वे हुई कियी बाव की बावत क्या अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वावित्व में कभी करने या उत्तवे वचने में तृतिया के भिए धाँड/वा
- (अ) ऐसी किती नाम या किसी धन वा नाम वास्तियों को जिन्हें भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कार निधिनयम, 1957 (1957 का 27) में प्रवोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया चाना चाहिए था, स्मिन वें स्विधा के निद्

बतः नव, उनत जीधनियम की भाषा 269-ग के बन्तरच बी, जी, उनत अधिनियम की भाषा 269-व की उपभाषा (1) वी अभीन<sub>कि</sub> जिन्नचिचित्र न्याँनत्वी<sub>क</sub> न्यांत् क्र-ा। .1. श्रीमती बीना वधवा, पत्नी श्री रविन्द्र कुमार वधवा, निवासी 3--ग्राई, तराभा नगर, लुक्षियान⊺

(भ्रन्तरक)

मेसर्स दिशीपाल प्रापर्टीज (प्राईवेट) लिमिटेड,
 704, प्रगति टावर्ज,
 गाजेन्द्रा पैलेस, नई दिल्ली।
 हारा श्री मनमोहन सिंह,
 डायरेक्टर कम्पनी।

(भ्रन्तरितीं)

को यह चुचना जारी करके पूर्वोक्त भच्यांत के अर्थन का लाए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षी वाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ष) इस सूचना के राजध्य में प्रकाशन की तारीख से 45 षिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकड्ण: --इसमें प्रयुक्त श्रव्यों और पदों का, जो उक्त विभिन्निया, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विमा गवा है।

#### मन संची

मकान नं० बीं०-XX-1195/22 ा 1/4 भाग, सराभा नगर, लुधियाना। (श्रर्थात् बहु जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 8693 माह दिसम्बर, 1984 के मेहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-8-1985

गोहर 🗈

मुख्याः बाह्यः डॉ. एन्. एसः -----

पश्यकार तिथिनिक्स 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन समा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 ध्रगस्त 1985

निवेश सं० खरड /६३/८४-८५--ग्रतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह, बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इलको परवात 'उमन अधिनियम' कहा गया 👣 , 🐃 भारा 269-स के मधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर कम्पनि, जिसला उचित बाजार अस्व 1,00,000/- रु. से अधिक **है** और जिसकी सं० मन्यान नं० 228 है तथा जो फेज~, मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रन्मुचीं में और पूर्ण रूप से तर्णित है), रिनस्ट्रीरिती अधि-कारी के टार्यालय में वर्णित है), रिवस्ट्रीयती प्रधिकारी के हार्यातय, खिरल में, राविस्ट्रींतरण श्रधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अवीन, नारीख दिवस्वर, 1984 को प्रवेक्ष सम्पत्ति के उचित बाबार ब्रुट्य से कम के क्यांबान प्रतिफेल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करूने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके इत्यमान प्रतिकल से, एसे इत्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हूं कोर अंतरक (जंतरकाँ) और जंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफास, निम्नलिखित उद्देशिय क्षे उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फ़िली जाब की बाबत उनक निध-नियम की बारीन कर होने में बन्तरक के बायित्व में कभी क्रापने या उत्तास अवने में सुविधा के सिए; भीद/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्सियों की किहा किसा कि कि कि किसा किसी भन या अन्य आस्सियों की किहा किसा कि किसा किया जाति किया किया जाति किया किया किया जाति स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता आहिए था छिपाने में सुनिभा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, विकासित व्यक्तियों, अधीन, किन्न श्री देस राज जैन,
 पुल श्री तरन राम,
 मैनेजिंग ट्रस्टी-- मैसर्स जे० जे० फैमिली ट्रस्ट,
 एम० सी० ओ० ने० 15,
 सैक्टर 17-ई०,
 चण्डीगढ़।

(श्रन्तरकः)

श्रीमती सतवन्त कौर,
पश्नी श्री दर्शन भिंह ओबराय,
निवासी मकान न० 314,
मैक्टर 21-ए०,
चण्डीगढ।

(ग्रन्तरिती)

को सह कूचना जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिकों करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजवण में प्रकाशभ की तारीच के 45 दिव की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवीं , जो भी काक्षि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स कार्यकारी में से किसी कार्यका व्यापता;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 किन को भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य स्थाकत इवारा अभोहस्ताकाष्ट्री के पास स्थिति में किए जा सकेंगे।

स्वक्यक्रियमः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वक्ष विधित्वमः, को जन्माय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध हांगा. जो उस अध्याय में विका वक्ष हैं।

### अनुसूची

महान नं 228, भेज ।, मोहाली, तहसील खरड़, (अर्थात् वह जागदाद जो ि रिनस्ट्रीकर्ता अधिवारी, खरह के विलेख संख्या 3615 माह दिनम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)

जीगिन्दर सिंह ाक्षम प्राधिकारी महायक श्रायक्ष श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

नारींख: 9--8--1985

एतेहरू 🖫

### प्रकम् आहे ,दी, एन . एक , व्यक्तनन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **धारा 269-म (1) के मधीन सूचना** 

#### भारत सरकार

### कार्यानय, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्तिण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 ग्रगस्त 1985

निर्देश मं० चण्डींगढ़/89/84--85---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भागकर अभानगम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/-रा. सं अधिक है

और जिनकी संव महान नंव 75 (प्लाट नव 166 पर बना) है तथा जो सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के आर्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को प्योंका सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमाण प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संवति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्लीम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण तं हुक् किथी आप की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन यह दोंग कि अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/बा

एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्त, । कर्ी सारगीय गायकर अधिनयम, 1922 (1922 कः ।।) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, विश्वापानी किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त मधितियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में अक्त मधितियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निक्तिविक अविकासों, वर्णात् - 1. श्रीमती निर्मल खोनला, परनी स्व० ष्ठा० गरदेव खोनला, कुमकुम पत्नी स्व० डा० हरदेव खोनला, श्री मुनील खोनला, पुत्र डा० हरदेव खोनला, निवासी 1191, मैंबटर-8-सी०, चण्डींगढ़।

(अन्तरक्)

 श्रीमती श्रमरजींत कौर पत्नीं श्री प्रताप सिंह, निवासीं 1575, सैक्टर 183/, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरितीं)

 श्री हचा सिंह होडा, एडवोकेट, मकान नं० 85, सैक्टर 18-ए, चण्डींगढ़।

> (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया सूरू करता हुं।

उन्नत संपत्ति को मर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी श्रव्या वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (च) इस सुचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबच्च किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकातिकरणः ----इसमें प्रवृक्त व्ययों और पदों का, जो उक्त गीधनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया ही।

#### मनसंची

महात नं० 75 (प्लाट नं० 16 पर बना), सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़। (अर्थान् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-ार्गि अधिारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 909 माह दिलम्बर, 1984 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्दर सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, लुधियाना

तारीख: 9-8-1985

मोहन ;

प्रस्प बाइं.टी.एन.एस. - - --

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का **43) की** भारा 269-व (1) के अधीन स्**व**ना

#### भारत सरकाड़

### कार्याक्षय, बहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-ग्र

मद्रास, दिनांक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/15337/84-85--यतः मुझे, एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वाद कर है कारण ही कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं. 3/1 कृष्णमेन स्ट्रीट तेल्ग्पालयम् कायम-बत्तूर है, जो सर्वो नं. 549 में स्थित ही (और इससे उपावद्य अनुसूची में और पूर्ण क्य से विषित ही), रिचम्द्रीकार्सा अधिकारी के कार्यालय, कांगमवत्तूर लेख सं. 4526/84 में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीत दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल में एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रक्ष प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए त्रिय पाया गया शितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल के बास्तिक कप में क्षियन नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उन्तर अधिनियम की अधीन कर दोने के जन्तरक के अधिक्य में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिक्ष के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा को लिए;

ब्रक्षः अव, उक्त अधिनिषम की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, 'नम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. श्री केंश्र मृतियधान् ।

(भ्रन्तरक्)

2. श्री पण्युग सुन्दरम् ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुरें।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन का तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्का अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं ॥

#### अन्सृची

भूमि और मकान-3/1-कृष्णमेरन् स्ट्रीट तेलुगुपासयम् कायम-बत्तुर तालूक कायमबत्तुर लेख सं. 4526/84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधि हारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रोज-II, मद्रास

विनांक : 9-8-1985

मोहर 🖫

### इक्ष भाव ती व्यक्त एक प्राप्त

आयकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-ज (1) के अधीन स्च**ना

#### भारत रक्तार

### कार्यालय, अहायक आवकर आवृत्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II;

मद्रास, दिनांक 9 प्रगस्त, 1985

निर्देश सं० 56/विस०/84--श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ग्रेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जी० एस० नं० 376/2 एण्ड 376/1, अडबल्ली गांव है, तथा जो कोयम्बलूर, तालुक में स्थित है (ग्रीरे इससे उपाबढ अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण क्प से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, कोयम्बलूर में लेख सं० 4766/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को प्योंक्त सम्पत्ति के उपित बाकार मृत्य से कम के स्ववस्थ प्रीतिक के निष् अंतरित की नहीं हैं बौर मुझे यह विस्तास करने का कारण है कि बचाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाकार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पत्त्रह् प्रतिकार से अधिक है और कत्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच होने जन्तरक से जिस् सम्पत्त क्या स्तिकार, विस्तरिक्त सन्दर्भकों में उन्तर अन्तर्भक किंग्लिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) सम्बद्धम् चं हुद्धं सिद्धीः नाम की भागतः, उत्तरः अधिनिक्तः के वधीन कर दोने की बन्तारक के श्रामित्यः में कनी क्याने या क्याने म्याने में सुविधा के सिद्धः सीद/मा
- (क) एंची किसी बाय या किसी थन या अन्य बास्तियों को, विन्हों भारतीय सायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यथितियन, या वर्क कर स्थितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया बाता था, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातु:— 1. श्री के० पी० प्रयास्वामी घौर प्रन्य।

(म्रन्तरक)

मैससं प्रभिरामी,
 रोयल एस्टेट की मैनेजिंग पार्टनर कण्णन्।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

उनत संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्याय अधाहस्ताक्षरी के पास निधित्त में किए वा स्कोंचे।

स्पर्कतं अरुन हमारे प्रयुक्त कर्यों बीर पड़ों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विया क्या हैं।

### अनुसूची

कृषि खेती, बड़बस्ली, गांव जी० एस० 376/2, 376/1; कोयम्बस्र, लेख सं० 4766/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधि ार्रः सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 9-8-1985 मोहर : प्रस्व मार्च / टॉ. एन. एस., -----

जायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) ही। भारत 269-ज (1) के अभीन स्थना 1. श्रीमती मरियमुत्तु श्रम्माल ।

(ग्रन्तरक)

े 2 श्री एम० एस० टी० संपत्त ।

(भन्तरिती)

#### भारत संस्कार

### नार्वास्त्र, सक्षावक आयकर नाव्यत (निहरीकाण)

ग्रर्जन रेंज- ,

मद्रास, दिनांक 9 भ्रगस्त, 1985

ोनर्देश सं० 61/दित्तम्बर,84ः-च्य्रतः मुझेश्रोमती एम० सामुबेल,

बायकर श्रीधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्स अधिनियम' कहा नवा है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर तम्बत्ति, विसकत उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका संव टाव एसव नंव 10/1739 ट्रिकी रोड, रामताधपुरम्, है, जो कांयम्बसूर, में स्थित है (ग्रीर इससे उगाबद्ध जापुना में ग्रीर जा पूर्ण का से विणित है) रिजिस्ट्रांकर्ता ग्रीधिकारों के कार्यालय, कोयम्बसूर में , लेख संव 5555/84 में रिजिस्ट्रांकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान दिनांक दिसम्बर, 1984

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के सधीन कर, दोने के अन्तरक के ह्यायित्व में कभी करने या उससे क्यन में श्रीसभा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या नन्य कांस्तय। को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर क्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था छिपाने में सुरुषधा को निधिन

भतः वयः, उक्त विधिनियमं की पासः 269-मं को वन्यस्य में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीत्, निम्निलिखित अपिनावीं, अर्थात् क्ष्मान

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पर्दिश को अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी माक्षीप :----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पत मृथना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म क्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिविदा में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:---हसमें प्रवृक्त कव्यों और पदों का, को उक्क अधिनियम के वध्याय 20-क से परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

#### अनुसुची

भूमि $\frac{1}{2}$  श्रीर मकान् रामनाथपुरम, कोयम्बस्तूर, लेख सं० 5555/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रोज II, महास

दिनांक: 9-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप मार्ड , टी. एन . एस . -----

श्वा पा० बालमुन्नामणियन् ।

(ध्रन्तरक)

श्रीमती के० राधा।

(भ्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रजंन रेंज-II,

मब्रास, दिनां ह 9 ध्रगस्त, 1985

निदेश सं० 66/दिसम्बर, 84—अतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (त्रिसं इसमें हसके प्राचाल 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं टी एस सं सं 461/1, 449/2 है, जो रामताथपुरम् कीयम्बलूर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध प्रमुख्या श्रीर जो पूर्ण करके विजात है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीव जरी के ज्यांलिय, कोयम्बलूर लेख सं 5603/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीविनयम, 1908 (1908 हो 16) के श्रावीन दिनां जिदिसम्बर, 1984.

को पूर्वीक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निचितों में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौद्र/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

गतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात् :--

की यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्मिक के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए का सकोंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिना गया है।

#### अनुसूची

ृषि खेती रामनायपुरम टो॰ एस॰ नं॰ 461/1,449/2, कोयम्बसूर, लेख सं॰ 2372/84 ।

> एम० सामुवेल सञ्जम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज II, मद्रास

दिनों : 9-8-1985

मोहर 🖫

ब्रुक्त बार्ड, टी., प्रमृत प्रमृत्यान्य

नायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### नारत तरकार

कार्यानन, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण)

**प्र**र्जन रेंज-II

मद्रास विनांक 9 श्रगस्त 1985

निदेश सं० 69/दिसम्बर 84—म्प्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्नीरिजिन्नकी सं० टी० एस० नं० 1/919/1 हिस्सा अनुपरपाल-यम् गाँव है तथा जो कोबज्जत् र में स्थित है (ब्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ब्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजिस्ट्रीन सी मिधकारी के कार्यालय कोबज्जस् र में लेख सं० 5508/84 में रिजिस्ट्रीनरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के मुबीन दिनौंक विसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अस्तिफ ल के लिए अन्तरित की गई है कि मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए। तब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण निम्नलिखत अपनिष्ठ में वास्तिक क्या से करियन नहीं किया गया है है—

- (क) बलाइण से हुई किसी बास की बाबल, अक्त निधिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्ट/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना था, खिपाने में सुविधा खे लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 मैसर्स विनायक कन्स्ट्रक्शनत प्रायवेट लिमिटेड (प्रन्तरक)

2. श्री ई० ग्रार० ए० कन्दस्वामी।

(घन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को लारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सं कंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकारों।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु", वही अर्थ हांगा क्ये उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि ग्रनुपरपालयम् गाँव कोयम्बतूर कारपोरेशन टी॰ एस॰ नं॰ 1/919/1 हिस्सा कोयम्बत्र लेख सं० 5508/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज-11, मन्नास

विनौक 9-8-1985 मोहर:

### त्रक्ष्य नार्षः टी . एन . एस . -----

शायकर शिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सुमना

#### भारत सरकार

### कार्यांक्क, महावक नायकर नायुक्त (निरीक्सक)

### ग्रर्जन रेंज-II

मद्रास, दिनांक 9 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० 70/विसम्बर 84-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काएण हैं कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी स० 1/919/1 हिस्सा ब्लाक सं० 12 ग्रानुघर पालयम् है तथा जो कोयम्बत्त्र टाउन में स्थित है (ग्रीर इससे उपालक्ष ग्रानुम्नों में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कोयस्वत्त्र लेख सं० 5509/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और ग्रंभ यह विश्वास करने का फारण है कि वधापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिकल से, एसे अवमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के बिए तब पाना ग्वा प्रतिक कर लिल निम्नोलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में कमी करने या उससे बज़ने में सुविधा को निए; आर्ट/या
- (क) एवी किसी बाय या किसी पत्र या बन्य शास्त्रवाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रसोचनाथ अन्तरियों कुनारा अन्तर सहुर्य स्कार वया वा किया अन्तरिक्त साहित्य वा, कियाने में अविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

- मैं र्नर्स विनासक कन्तरस्ट्रक्शन प्रायवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- 2. श्री जी० रंगनाथन, श्रीर दूसरे।

(भ्रन्तरितो)

महे बहु सूचना चारी करके पुनाँक्त सम्पत्ति में नर्जन में निष् कार्यमाहियां करता हूं।

### बक्द सम्मृत्यि के अर्थन के सम्मन्य में कोई भी नावोद्ध--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की व्यक्तियां सरसम्बन्धी स्थितियाँ प्र स्वता की तामील से 30 दिन की जविध, भी भी व्यक्तियाँ में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांतिक व्यक्तियाँ में से किसी स्थितिस द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र के प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भारत उक्त स्थावत सम्पोत्त के हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित के किए का सकीर्य ।

स्पृथ्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उपध श्रीभिन्यज्ञ, के ब्रुथाय 20-क में प्रिशािष्य हु<sup>4</sup>, सही सूर्थ हुनेग को उस अध्याय में दिवा सवा हु<sup>8</sup>।

### अनुसूची

भूमि ग्रनुघरपालयम् गांव, कोयम्बत्तूर टाउन, 1/919/1, हिस्सा ब्लाक सं० 12, कोयम्बत्तूर, लेख सं० 5509/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, मद्रास

दिनौक 9-8-1985 मोहर शक्स बाहे. टी. एन. एस.

कायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सचना

## भारत सरकार

कार्यातय, महासक बायकर आयुक्त (मिरीक्षण)

श्रजंन रेंज-II,

मद्रास, दिनाँक 9 श्रगस्त 1985

निदेश सं० 87/दिसम्बर, 84-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसा इनके पश्चाए 'टकन अभिनियाक' कहा एया हुनै. भी भारा 269 स के अधीन सभा प्राणियारी का, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्यम् 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 82/3, 82/4, 3 उपिलिपालय है, तथा जो कोवस्व नूर में स्थित है (श्रीर दलमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्हीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिगानल्लूर लेख सं० 2372/84 में रजिस द्वीवरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक दिसम्बर, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ए'से स्वयमान प्रतिफल के। मंद्रह प्रतिकात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिस में बास्तिक रूप से जीवन नहीं किया गया है :---

- (स) बन्तरण से इन्हें किसी नाय की वावत, उपत अधिनियम को अधीन कर दाने को अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा को लिए: शौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनाथं अन्तिस्ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

शतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, क्रिक्निलिखत व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- 1. श्रो बी व वेंकटपति श्रौर श्रन्यों।

(ग्रन्तरक)

2. श्री के रामास्वामि।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के व्यक् कार्यवाहिया शरुर करता हां।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुख्या के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ज्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हों, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या हों।

**प्र**नुसूची

भूमि उपिलिपाल्लयम् टी० एस० सं० 82/3, 82/4 कोयम्बत् र तालुक सिंगनाल्लू र लेख सं० 2372/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज- , मद्रास

दिनौंक 9-8-1985 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कायलिया, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- ,

मद्रास, विनांक १ ऋगःत 1985 निदेश सं० 93/दिसम्बर, 84---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के लधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और नियको सं० गगानिपुरम् पल्लाङम् है, जो तिक्ष्युर जिला स्थिति (प्रीर नने उपात्रद्व प्रतम्मूची में ग्रीर जी पूर्ण रूप से विणतहै) रिजिस्ट्रोकर्ता प्रश्लिकारी के कार्यालय पल्लाडम, लेख सं० 1857/84 में रिजिस्ट्रोकरण ग्राजितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनौक दिनस्वण, 1984

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार सूल्य से कम के दरयमान मिक्कल को लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूख, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिष्ठ उत्देश्य से उयत अन्तरण लिखिता में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः तव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातू:—— 1. श्रो एस० ग्रार० रामलिंगन

(प्रन्तरक)

2. श्री एम० नारायण स्वामि श्रीर एम० लिंगस्वामी। (श्रन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### वनस्पी

भूमि गणपतिपुरम् पल्लंडम, तिरूप्पूर, जिला पल्लंडम लेख सं० 1857/84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक 9-8-198 द मोहर : प्ररूप नाई. ट. एन. एस. - - ---

करवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### मारत सरकार

### कार्यानय, सहायक जायकर माय्क्त (निर्देशक)

ग्रर्जनरेज 🗓

मद्रान दिनां हु 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० 97/विजय्बर 84--श्रदः मुझे, श्रीमसी एम० सामवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकर मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

स्रोर जिनकी सं० न्यू वार्ड ने० 13 (पुराना वार्ड नं० 1) श्री निवासनाय कर स्ट्रांट है जो कनकम्पालयम् गाँव में ियत है (स्रोर हासे उपावस सन् सुची में स्रीर जो पूर्ण रूप से विकित है) रिजिस्ट्रान्ती प्रियाणों के कार्यालय उड्मलनेठ कीयम्बसूर लेख सं० 2757/3-12-84 में रिनिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्राधोन दिनांक दित्स्वर 1984

को प्रवोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से क्षम के द्रायमान इतिफल के लिए बन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विद्यास करन का कारण है कि यथाप्योक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) जार बन्तरित (बन्तरितयार) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में मास्तिक रूप से कथित नहीं किया यस है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसस बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एमेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को फिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती दकारा प्रकट नहीं किया गया भा ना किया आना काहिए था, स्त्रियान से स्विका के सिए:

कतः कथः, उक्तं मधिनियमं भी भाषः 269-न के कनसम्ब हो, मी, अक्त सिथिनियमं की भारा 269-न की उपभाषः (1) के कथीतः, निरामिनिक लिन्तियों, संभाति ह 1. श्रा ए० धन्तम् ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कें व्यागराजन।

(श्रन्तरिसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कायवाहमा भूक करता हु।

### अक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्योक्तियां पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त स्थाकतयां मा संभिक्षा व्यापत द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्याक्त द्वारा अधाहस्तका के
  पास लिखिन मा किए जी सकेंग ।

स्वक्कीकरण :--हममें प्रयुक्त शब्दा ओर पदा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

#### वनसंची

भूमि और मारा त्यू ताई नंव 13 (पुराता वाई संव 1), श्रोशिशा १९१८ स्ट्रीट, उद्दुर शेठ, कोयत्यसूर, डिस्ट्रिक्ट, उद्दुर शेठ, लेख मंव 2757/3-12-84

> एम० सामुवेल सक्षम प्राप्ति : शि सहायक प्राप्यक्त प्रायुक्त (िर्शक्षण) स्रुजैन रोज, II, महास

दिरोत् **६**-८-१९४६ मोहर् : प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 कः 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

क्राजी: रोंप.-I', स्वास स्टिप्टार्क्डल्ड्स स्टब्स

मंद्रा , गि.ए. १९ इ.स.स्त 1985

िर्वोग सं० 10 //रि. म्ब , 8 -/रोज-II---श्रतः मुझे, श्रीं-ती एम० ाम्बेल,

बायकर ब्राधानयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचाता उपत लोधानियम कहा गया है), की भारा 269-क के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाजार सूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अंःि। को संवार्ध नं कि पोल्याच्ची, स्थापेल संयी, में स्थि है (अँग इको उपाद्ध शत्यूची में और जो पूर्ण रूप विकास है) पिल्ट्री लि श्रिव मरी के अपिए, पंत्रास्की लेश सं 2392/84 में पिल्ट्री एक यहिएम, 1908 (1908 में 16) के शक्षी मिली पिल्या, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई वे ओर सक्त यह जिल्लास करने का कारण है कि यथाप्त्रींक्त सम्पति का उचित बाजार बुस्य, उधक क्रयमान प्रतिफस स, एस दम्यमान प्रतिफल का पद्मेष्ठ प्रतिश्रत स अधिक ही और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के प्रीच एत्ये जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित व बास्त्रीनक कप स कांचन नहीं किया बया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी अन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या भत-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थित:---- 1. श्रीनिती एन० मंग्यर एणी।

(भ्रत्यर:)

श्री 'अण्यामि चेट्टियार।

(भ्रन्तिती)

को यह अचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के निक् कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करीं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजण्य में प्रकाशन की तारील से 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी बन्ध स्थिति वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए का सकेंगे।

न्यव्हाकरण:---कममें प्रयक्त भव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

श्मि लेख सं०  $239^{\circ}/84$ , की जिड्यु: में दीं हुई सम्पत्ति, पोल्याग्यी लेख स० 2392/84

एम० "ाम्बेरू सक्षम प्रारि गरी सहाय : भाग र गायक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज 2, महास

पितोत: 9-8-1985 मोहर: प्ररूप नाइ.टी.एन एस.-----

1. श्रीनती । ब्र बीबी

(भ्रन्तर∵)

2. श्रीचा]देश और प्रन्यों।

(प्रग्तिती)

भागतार साधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### नारत तरकार

### कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (मिरीक्रण)

अर्जन रेंद्र II, मद्रास

मद्रा , दितां , 9 अगस्त 1985

िक्षेत्र सं० 111/दि त्म्बाः, 84/रोज-II---श्रतः मुझे, श्रीमतीं एम० ताम्बेल,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करन का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

ओ :ि । तो पंज जिल्हा सार स्वापा है, तथा जो मेहुप्त सम में दिया है (अंदा इ.स. उपात्रत अनुपूर्वी में और जा पूर्ण रूप से वित्रा है) रिस्ट्रिं सि अबि तरी के तार्या से मेहूप्य सम् लेज गंज 2423/24-4-84 में दिस्ट्री ताण अबिद्यिन, 1908 (1908 ता 16) का अवंदि दिसार दिस्कर, 1984

को प्वाक्त सम्पत्ति क जीचत बाजार मुल्य स कम के ध्यममान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है आर मुक्त यह विश्वास करन का कारण है कि स्थाप्याक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मृल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिफत स अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) क बीच एस अन्तरण क लिए अस्तरण गयः गया प्रतिफल, निम्नीलीकत उद्ववस्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तयिक रूप स कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचन के सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धम या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के सिए;

कर्ते यह सृचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शक करता हु।

#### द्रवत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्पेप :---

- (क) इस मृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का वे 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उभत्त स्थावर संपत्ति में हितब्रहभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, को उवस अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्पी

ाति हेती जिला जाता हान् तांत्र, एउ० सं० 39 प्री, 50 प्री, 30 अ ते दूष्पारान् जातुर, ते दूष्पारान् लेख सं० 2423/247 र/84

एप० तामुबेच सक्षम प्राधि तरी लहाग ३ आज र श्राय्का (िरीक्षण) स्रोति रोग-, मद्राज

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की प्रपंधारा (1) के अधीरः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

दि∄्: 9-8-1965 मोहर प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.----- । श्र्या बी० राज्वेद्रहा

### **आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

 मार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II,

मद्राप, दियां है । श्रेगस्त 1985

िदेश सं । 113/दि स्बर, 84--अतः मझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हः , की धारा 260- में के अभीन राक्षण पाधिकारी का यह कि वास कारन की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपिन बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक **है** 

और रिक्ती संब क्षारंव ए रव नंव 171/1 है, जो कूल्यूर में स्थित है (और इस्में उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से र्वागा है) रिस्ट्रों भी अग्रियारी के यर्गाल कन्र लेख संव 1669 तथा 1670/84 में रिस्ट्रिं रंग श्रविहिम 1908 (1908 : 1716) के अप्रीत दिसंत दिस्कर, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात संअधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्दर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे समाने में सविधा के लिए; बार/या
- (4) ऐसं किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधीनयम, या धन-कर अधिनियात्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या तकया जाना चाहिए था, छिपान मा सावधा के लिए:

वार्तः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, बनुसरण 👣, 📬 ः श्वन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (४) अधीन, निम्नलिसिंत व्यक्तियों अर्थात् :---

(श्चन्तरु∵)

2. श्री धार० बी० गोनात, ष्यत, और दू रि। (श्रन्तरितीं)

की यह भूजना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वासे 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 🕏 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकारण:--हममें प्रयस्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष द्वारा, वा उस कथ्याय में दिया गया है।

**प्रतुम्**ची

भूपि और मातान डोर नं० 135, 137, 138 वार्ड सं० 19, कृतुर लेखा सं० 1669 एण्ड 1670/84।

> एम० सामवेल सक्षम गिधिहारी सहाय रुआय कर आधुक (ेीक्षण) अर्जन रेंज 11 मद्राम

दिनां ह 8-8-1985 मांहर 🌣

प्ररूप बाहां, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मन्नास

मद्रास, दिनांक 9 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० 114/दिसम्बर/84---यतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चाह 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक ही

ष्ट्रीर जिसकी संब्दी व्यवस्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची संस्थत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में प्रीर प्रूर्ग का से बाँगर है), रोजिल्ड्रो कर्ता श्रीवक्षारी के कार्यालय, वारापुरम लेख गंव 2838/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1984

को प्राेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रितफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलंख के अनुसार अन्त-रित की गद्दें हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल स, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स आधक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तीक रूप स कथित नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियी का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, टा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रय जनार्थ अनियम, दिल्ला प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नंत: अर्थ, उन्त निधिनियम की धारा 269-न नै अनुसरक मैं, यें, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन, निम्नितिसिस व्यक्तियों, सर्धाद्य :---

1. श्री के० गेल्लमुत्तु पिल्लै ग्रीर श्रम्यों

(भ्रन्तरक)

2. श्री टी॰ रघुपति

(म्रन्तरिती)

का वह संचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यित्रतयों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि धाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तिसमें में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर मन्पित में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमें जा सकरेंगे।

ह्यच्छीकारणः ---- इसमें प्रयक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त किधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्त्ची

भूमि ग्रौर मकान—टी० एस० सं० 75/2 सी० वार्ड 6 डोर नं० 38-वी 1, वारापुरम रोड़, बसन्ता रोड़, वारापुरम, लेख*ूँ* सं० 2838/84 ।

एम० सामुबेल सञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9-8-1985

मोहरं :

प्ररूप बाइ'. दी. एन. एस. -----

नासकार निर्धानिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुचना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकन (निरक्षिण) प्रजीन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1985

निवेंग स० 116/दिसम्बर/84--यतः मुझे श्रीमशी एम० सामुवेल

बाजकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० टो॰ एस॰ नं॰ 150/4/1 तोठ्ठिपालयम पलनडन तानु ह है तथा जो तिरू चूर लें इसं० 2438/84 में स्थित है (प्रीर इपमे उगाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रोकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय तिरू चूर में रिजिस्ट्रीकरण स्रिजिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

का पर्वाक्त सम्पात के उचित बाजार मृत्य से कम के दण्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यिवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण न हुद्दं किसी आयं की दावत, उक्त सिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उद्येख बचने में शिविधा क लिए; बॉर/या
- (क) एंनी किसी आय या किसी धन या कस्य कास्तिकों को, किन्हें भारतीय जाय-यन अधिनियम, 1929 (1022 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

बत: बज, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों अधाँत :--- 1. श्रीमती वेर मीनाक्षी

(भन्तरक)

2. श्रीमती श्रार० शांतामणि

(श्रन्तरिती)

को यह श्वना जारी कारक पृत्रीक्त सम्पत्ति के अजन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ ये 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, वा भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवादा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उठन स्थावर मध्यत्रि में दिन के भीतर उठन स्थावर मध्यत्रित के पास लिखित में किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्वों का, यो उक्त जीवियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में जिल्हा गराही।

### अमुभूची

भूमि मौर मकान टी० एस० नं० 150/4/1 तोठ्उपालयम पहलडम तालुक तिरू भूर——लेख सं० 2438/84।

> एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9-8-1985

मोहर :

प्रकप आई. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ने (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 भ्रगस्त 1985

तिईंग पं० 117/दिसम्बर 84--यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सब्यम प्राधिकारी को यह विदेशस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,06,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1298, 99, 1300/31/2 के० पी० एन० कालोनी है तथा जो तिरूचूर में स्थित है (श्रीर इमसे उगाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय तिरूचूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमार प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई ही और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा प्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रण्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिम्क रूप से कथित नहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबस, उपक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससंबचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्स ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविध के लिए;

उतः अय, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सर्क भं, भें एक अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीए० कण्णुस्वामी

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पी० महेश्वरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कायवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क्यू) रय सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवाद की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हमती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पार्श लिखित में किए जा सकेंग।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि ग्रीर मकान--15 वार्ड यून्यिन मिल रोड़ के० पी० एन० कालोनी-II स्ट्रीट---तिरुषूर र.ऊन दारापुरम---लेख संव 2439/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी स**हायक मा**यकर **शायक्त** (निरीक्षण) भजेंगे रेंज-11, मद्राक्ष

तारीख: 9-8-1985

योहर :

प्रकम बाई. टी. एव. एस. -----

1. श्रीमती एस० एम० तंगम्माल

(भग्तरक)

3. श्रीमती सी० मणि

(भ्रन्तरिती)

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के संधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 भगस्त 1985

निर्देश सं० 118/दिसम्बर 84---यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पण्यात 'उक्त अभिनियम' कहा नवा हैं), की भाष 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रितः, जिसका उच्चित्त वाकार सूक्त 1,00,000/-छ, से अधिक हैं और जिपकी संख्या पल्लंडम तालुक तोट्टिपालयम है तथा जो टी० एस० सं० 1306/

33/2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधि ारी के कार्यालय तिरूचूर लेख सं० 2485/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख दिसम्बर 1984

कां पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बल्का जसके रह्यमान प्रतिफल में एसे रह्यमान प्रतिफल का उच्चा प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) बीर बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया बचा बतिफल निम्निलिचित उदर्वेष्य से उच्च अन्तरण मिस्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हाड किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व को कसी करने या उसने बचने से स्विधा के लिए; बीर/बा
- (बा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, कियाने में सृविभा वै किए;

को यह सूचना जारी कारके पर्वोक्त संपत्ति के जर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि सद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विस्तयों में से किसी स्वित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
  पास निकास में किए जा सकरों।

स्थव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयक्त सब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनिधम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

### वन्स्ची

भूमि—दो॰ एस॰ सं॰ 1306/33/2, 7-की तोव्ठिपालयम पहलंडम—तिरूच्र लेख् सं॰ 2485/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायक्त (निरीक्षण) झर्जन रॅंज-II, मद्रास

 ०.व. त. त. व.व. व्यविधिया को धारा 269-ग को अमृत्यक को को उपलब्ध कीधारा 260-व को उपधारा (1) के मधीन, निज्निजिकित व्यक्तियों, कथाई:

तारीच : 8=8=1985

मीहर:

प्रस्त नाह<sup>\*</sup>. टी. एन. एस. ≝ - ⁴

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूजना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक शामकर शामूक्त (निर्दाक्षक) श्रजीन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं०123/विसम्बर /84---यतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकार यिधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात (उद्या अधिनियम) कहा गया है। की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विद्वास सहने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उण्डित राजार मृन्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 386 नार्थ रामिलगम स्ट्रीट है, तथा जो मइला इतुरें में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, माइलाइतुरें —लेख सं० 1134 में रिजस्ट्रीकरण श्रीवित , 08 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख विसम्बर, 1984

करे नुविकत संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथानुनीयत मन्यत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल ने एसे द्रायमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्दरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निश्मिक्ति उद्विक्य से उक्त अन्तरण निश्मिकत में वास्तविक स्पासे कथित नहीं किया गया है

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की वाबता, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; बार्/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर निर्वाशिक, १००० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपारे हैं स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रं, में उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपधास (1) क्रं अधीन, जिस्तिविद्यत व्यक्तियों. अर्थात् :--- 23 -23461/85

1. श्रीमती एन० एस० श्यामला श्रम्माल

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ए० हवाबीवी

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त मम्पित्त के अर्थन की लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

वक्त संस्परित हैं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अ-

(क) इत मुक्ता के राजपन में प्रकाशन की तार्गेंश में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गुनना की तामील रू 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त महिकार में के किसी व्यक्ति द्वारा;

अस्त वरा क राजपत्र म प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उन्दर स्थावर सम्परित में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

ल्लाकाकार के कार्या प्रतिकार को उ**यस का अपना के अध्याय 20 का में परिभाषित** जा का कार्याय **20 का में परिभाषित** के कार्याय को उसके कार्याय की **दिया** के की

### **नग्युपी**

भूमि यौर मकान---उत्तर : रामलिंगम स्ट्रीट महलाडुतुरै महलाडुतुरै--लेख सं० 1134।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, मद्रास

ता<sup>-</sup>ीगः : अ-8-1985

साहित्र

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. -----

ा. श्री नागराज भ्रय्यर

(भ्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 124/दिसम्बर/84--- यतः, मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 834, 828 है, तथा जो मइलाडुतुर वार्ड-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बद्दलाइतुर — लेख सं० 1135/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कृप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

भूमि श्रोर मकान---मइलाइतुरै तालुक वार्ड नं०-1 टी०एस० नं० 834, 828 मइलाइतुरै---लेख सं० 1135/84।

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हो करीय, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

ਜਾ : 9-8-1985

्रक्ष. वार्ष. टॉ. पुन्: एतः, -----कारम सरकाः

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें मार्थक क्ष्म (1) क-697 प्राप्त

कार्यास्त्र, सहायक बायकर शायः

अर्जन रंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1985

निवर्षेश सं. 127/विसम्बर/84--दतः, मुक्ते, श्रीमती एम सामुबल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं. 31 माठुतंरू, पट्डमंगलम हैं, तथा जो महलाड़ुतूरै टाउन में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण
क्य से विणित हैं), रिजस्ट्रीकिस अधिकारी के कार्यालय, महलाड़ुनुरै
लेख सं० 1119/84 (2 नं०) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपि। बाजार मृख्य से कम के देश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यह पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृख्य उसके दृश्यमान प्रतिकास से एसे दृश्यमान प्रतिफान का
पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया प्रतिफल, निम्नलिखित बृद्धारेय से उक्त अन्तरण
लिखत में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाव की बाबस, उक्स अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एंसी किसी साथ या किसी धन या अत्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

जतः अन उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिचितु अमृतिस्यों, अभिक्तिः 1. श्री वी० मृत्

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० भ्रब्दुल वसूद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके नुवांकत सम्पत्ति के वर्षण के किए कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्ह संपत्ति के अर्जन के तंबंध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविध सा उत्संबंधी व्यक्तियाँ पढ़ सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इ.च सूचना के राज्यत में प्रकावन की तारीचे वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए वा सकते।

स्मक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कथ्यों नीर वर्षों का, जो उनत अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही जर्थहोगा, जो उस नध्याय में दिया गया है।

#### अनुजुची

भूमि ग्रौर मकान—टी० एस० नं०226, 225, नं० 15, 16, वार्ड 3 मेठु तेरू पट्टमंगलम, मङ्गलाडुतुरै मङ्लाडुतुरै—सं० 1119/84/2 संख्या ।

० सामुवंत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, मद्रास

तारी**ख** : 9-8-1985

मोहर:

मुक्त बार्च हो , हो , हुद , हुद ,-----

भावकार वृधिनियम, 1961 र्1901 का महा कर भारा 26%-भ (1) में मधीन सुपना

#### काइ व व्यक्त माहि

### कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (विरक्षिक) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० 130/दिसम्बर/84—:यतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात 'उक्स निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर संस्पत्ति. जिसका उणित बाचार मूल्य 1,00,000/- रुसे अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2371/84 की शेंबूल में दी हुई सम्पत्ति है, तथा जो तिरूचूरूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, तिरूचूरूर — लेख सं० 2371/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख विसम्बर, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त सम्मित्स का उचित आजार शृन्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का शृंद्ध प्रतिदात से अधिक है और मंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए सब श्रामा नया प्रतिफल, प्रिम्निकिशित उद्श्योक। से स्वयद सम्प्राम्व श्रीहरू में बास्तरिक कप से का बिक सुक्षा किया प्रशाह क्षा

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की शास्त, उक्त वृधिनियम् के भूधीन् कर देवे के बुन्दुरक्ष वे वर्गिक्य के क्यी करूने ना क्यूबे क्यूबे के प्रक्रिका के सिर; औड़/शा
- (क) एसी किसी जाए या किसी अन या जम्म आस्तियों की, जिन्हीं आरतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया अथा का वा किया जावा जाहिये था, किया ये हाँच्या में दिए;

तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह् क्र--

1. श्री वी० एस० विजय रंगम

(श्रन्तरक)

2. मैसर्स प्रेवो प्रा० लिमिटेड

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यनाहियां सूक करता हुं।

उनत संपरि के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विश्व की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की ताबीस से 30 विन की अवधि , यो भी सर्विष वाद में संबंध्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्य व्यक्तियों में से किसी स्थानस ब्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन् के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थानर सम्मित में हितबब्ध किती जन्य व्यक्ति इनारा जभोहस्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकीने।

स्पट्टोकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त बिकियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा भवा है।

### अनुसूची

लेख सं० 2371/84की शेंडूल में दी हुई सम्पत्ति——तिरूत्रूरूर ---लेख सं० 2371/84।

> एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 9-8-1985

#[ . .

प्रकल नाइ. दी. एन. एवं .-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन स्वना

#### मारत परकार

कार्यां बयु, सहायक जायकर त्रायुक्त (निर्दाक्षक)

ग्रर्जन रेंज-2, मन्नास

मद्रास, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्धेश सं० 210/दिसम्बर/84—-रेंज-2—यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिले इसके इसके परकाल 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुक्ब 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 113, पलवासं गान्ट्रले गांव है, तथा जो कुम्बकोणम में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कुम्बकोणम—लेख सं० 2779, 2781,2785/84 में रिजस्ट्री-करण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के

भ्रायीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से एसे रूपयमान प्रतिफल का क्लाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उच्देश्य मे उक्त अन्तरण जिल्लित के बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया पना है :---

- (क) बन्दरण से क्षेत्र किसी बाब की बाब्स, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्दरक के शास्त्रिक में कभी करने वा उक्क दलने में ब्रॉलिश के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी अब या किसी भन या बन्ध आस्तिवाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन-कर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था किया में स्विका के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनिकम की भारा 269-ग में अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती ग्रार० वसंता ग्रौर श्रन्यों

(भ्रन्तरक)

2. श्रीके० बी० कृष्णन्

(अन्तरिती)

और यह श्रुवना कारी करके प्वॉक्त कम्पीत्त के वर्षन के निष् कार्यगाहियां सुक करता हुं।

उनक सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी स्थिक्तमों पर स्वना की तासीस से 30 दिन की बविध, वो भी स्थि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकल व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा:
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास सिरिश्त में किए जा सकेंगें।

स्थळकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### तप्रकृति

भूमि—-113, पलवात्तान कट्टलै गांव—-कुम्बकोणम कुम्बकोणम्—-लेख सं० 2779, 2781, 2785/84 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 9-8-1985

मोहर :

### **इक्ष्य आहे**्डी . **एव**्ड्यू .....

काशकाः विभिन्नियमः, 1961 (1961 का 43) की भागः भारा 269-च (1) के विभीन सूचना

#### भाइत बरमाह

कार्याक्षयः सहायक अध्यक्षाः जानवतः (निर्याक्ष्म)

ग्रर्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 214/दिसम्बर/84---यतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बन्धि, जिल्ला उचित भाजार म्र्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं०टी०एस० नं० 75/2 पोनमुडी गांव है, तथा जो पेरून्तुरै जिला—-लेख सं० 1901, 1902, 1904 से 1908 तक में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्ख सम्पन्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के किए अन्तरिश की नहीं हैं और मुभी यह विश्वास करने करने का कारण हैं कि यथापूर्वोवत सम्पन्ति का उचित बाजार बूक्ब, उसके स्वब्धान इक्षिफ्स से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अतरक (अंतरकों) और अंतर रती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया बिक्त निश्नतिवित उद्ववस्य से उसत अन्तरण निचित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया हैं:—

- हैंको बंग्रस्थ से शुप्तां भिन्नती भाग सर्थ नावक, बन्धां श्रीचित्रवृत्त के बचीन कर दोने के संस्था के दासित्य में कानी करने वा उससे नावने में सुनिधा के सिक्ष; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकर विधिवयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिवयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिशी व्यारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया बाग वाहिए था, छियाने में बुविया के निष्टु:

अक्ष: धंध, अक्स कांधांत्रधंभ की धारा 269-ग के बंग्सर्थ को, मी, उक्त किंधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निकाण्लिक व्यक्तियाँ, वर्षात :--- श्री रामस्वामी गौंडर ग्रौर अन्यों

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० टी० रामचन्द्रन ग्रीर ग्रन्यों

(भ्रन्तरिती)

करें मुद्द श्रृष्ट्राका चरड़ी कड़के वृत्यों कर सम्मत्ति के सर्वन् के सिए कार्यकारिका करका हाँ।

ज्या स्पारित के सर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र है---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 विज की अविश या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की बालील से 30 विन की नविश, जो भी वक्तें वाद में समान्य होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी कम्प व्यक्ति इसारा, जधोहस्ताक्षरी के वास सिक्ति में विक्रों का सकतें ।

स्यव्यक्तिरण :---इसमें प्रयूक्त सब्दों और पदों का, जो उसत जियान के अध्यस्य 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्ज होगा को उस अध्यास में दिवा क्या हैं।

#### बन्द दी

भूमि--पोन्मुडी गांव, पेरून्तुरै जिला पेरून्तुरै, ---लेख सं० 1901, 1902, 1904 से 1908 तक ।

एम० सामु<del>वै</del>ल <sup>्रुन</sup>सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 9-8-1985

मोहर :

### प्राक्तम आहे हो ध्री प्रस् -----

नायक र निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

#### भारत सरकार

### कार्यासम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मदास मद्राम, दिनांक 7 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 218/दिसम्बर/84---यतः, मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-म के तेभीस सक्षात प्रशासामी को पह निकास कर का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भ्मि सर्वे सं० 41/3, 41/2 और 41/4, मेमुरावपद्रकोमेन है, तथा जो पांडिनेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण मग से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विलियन्त्र--पांडिचेरी ---लेख सं० 1130/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान पतिफल के लिए अन्दिशिक जो गर्ज है और मुक्ते यह जिस्लास करन का कारण है कि यथाएवंकित संपति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिवास से अधिक ही बार अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिषित उद्देश्य के सक्त अन्तरण लिखिल में वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :----

- (क) मन्त्रमण में हार्ग निशी गए की शकर, उपन ारण ६ वर कोचे के **धन्त**रक **के** 朝祖帝从1774年,唐本学学、1976年7月17日 नी शिक्षः भीर/बा
- (स) एंसी किमी अप या किसी भर या अन्य आस्तियाँ करो जिन्हा भारत्रीय आयरकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) ए उक्त अधिनयम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रमोजनार्थं अस्तरिकी द्वारा एकर नहीं किया एक था या किया जाना चाहिए था किएसे में स्विधा 🐗 मिए;

अत: गम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीत, निम्नलिभित व्यक्तियों, अर्थातु :---

1. श्रो वी० मुरूगेश मींडर श्रीर दूसरे ।

2. श्री वी० बी० राघवल्, मैनेजिंग डारेक्टर श्री वारि पाक्की ग्रह प्रा० लिमिटेड ।

(श्रन्तरिती)

**ब्रांबर्ड ब्रुवना वारी करके प्**रांक्त सम्पत्ति के वर्षन के निय कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सी 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्दनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्वन्तियों में से किसी न्यन्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषिक है, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया नमा है।

### अनुसूची

कृषि खेती--सेसुराषट्ट विलियनुर,कोमन् पांडिचेरी--विसियनूर--लेख सं० 1130/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-II, मद्राम

तारीख /-8-1985

प्ररूप काइ .टी एन . एस . -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-II. मदास

मद्रास, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्वेषा सं० 225/विसम्बर 84/ग्रर्जन रेंज-II---यत:, मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है'), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः वाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 64, रोमरैम स्ट्रीट है, तथा जो पांडिचेरी कम्युन् में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी लेख--सं० 3032/84 में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 हा 15) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के छरममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्ड है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके रायमान प्रतिफल से, ऐसे रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाका गया तिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया गका 🕻 ६----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाग की बाबस , तिधितियम् के मधीन नार दोने की बन्तरक की हाजित्य में कभी करने या अवश्चे वयने में श्वीवधा ≖ें सिए⊁
- 🙀 एंगी किसी बाय या किसी धन वा बन्च बास्सिटी कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया काना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे जिल

🖛: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के. उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभारा (1) अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, वर्षात् 🏗---

1. श्रीमती प्रकल प्रगाम मेरी ग्रथवा इरूवय मेरी । तियो प्रैल, जुलियस सीमर रेप्रसन्टेड बै--श्री मेनठ विवेकानन्दन, म्रान्ठनी । (भ्रन्तरिती)

की यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यकाहियां करता हो।

बन्त संपरित के कर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयक्तियों सचना की हामील में 30 दिन की अवधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वयभ किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विमा मया हु ।

### पन्भूषी

भृमि श्रौर मकान--64, रोसरैंस स्ट्रीट, पांडिचेरी कम्युन पांडिचेरी-लेख सं० 3032/84।

> एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी महायक भागकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन दें त- . मद्रास

तारीख: 9-8-1985

मोहर :

प्ररूप: जाइ . टी. एन : एस : -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भार 269-च (1) के मधीन सचना

#### भारत सरकाह

कार्यास्य . सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्चर्जन रेंज-II,मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 228/दिसम्बर/84---यत:. मझे. श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चात 'उक्त विधिनिधन' कहा गया है।, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 47/6, नं० 4 वाताप है, तथा जो पेरियम्बालयम् में स्थत है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रन्सूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिसारी के कार्यालय, पेरूतुरै--लेख सं० 1928/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तरीख दिसम्बर, 1984, को वर्षेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के सिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमाः प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और **बंदरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया** वया प्रतिकार निम्नलिखित सद्देश्य से सक्त संतरण सिवित् में भास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में मिवधा के लिए: वौर/गा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्सरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या विख्या जाना चाहिए था छिपाने में मविधा के लिए,

बतः बदः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🕸 व्यथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात :---24-236GT/85

1. श्री एन० जयबालन श्रीर श्रन्य ।

(श्रन्तरक)

2. थोः चीनिमलै गौडर ग्रीर ग्रन्यों।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के निर् कार्यवाहिया शरु करता है ।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 बिन की अवधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (च) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति मां हिन-बबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नंबर हैं।

### श्रनुसूची (

भूमि--येरियम पालयम गांव, पेरुत्रै , --लेखा सं० 1928/84 ।

> एम्० साम्बेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निर्राक्षण) श्चर्जन रेज-I, मद्रास

नार्∖खः 9-8-1985 मोहर :

बायकर वीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीत सुभना

#### बाइव बहुकार

### कार्यासय, सहायक जावकर मागुक्त (निद्रीक्रण)

ग्रजन र ज-11. मद्रास

भद्रास, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 229/84/दिसम्बर /84- यतः मझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 1,00,000/- रह से मधिक हैं

श्रीर जिसकी मं $\circ$  98/1, 98/3, 98/7है ,तथा जो वेंगम्बर गांत **ई**रोड तालक में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूर्च) में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोडमुडी --लेख सं० 1068/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984 को पूर्वेक्त सम्परित के जीवत बाबार मृत्य से कम के इक्स्पान **प्रति**फल के लिए *बन्*वरिख की गर्द **है औ**र सूध्यें **बह विश्वास कारमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बरित का** डीचल बाजार मृल्य, उसके अध्यक्षान प्रतिकक्ष सें, ऐसे व्यवसान गीतफल का पंक्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) भीर बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ए'से बन्तरण के लिए इस पामा गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देशम से उक्त अन्तरण िलीचत में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय बायकर विधिनियम, १९२% (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, अ. भन-कर **अ**धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ दुवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना चाहिए था छिपाने हों सकिया चे किए ।

नतः जव, अनत अधिनियम की धारा 269-ग को जनसरक मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ उपधारा (1) के जनीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- **इस्य बार्ष. टी., एन., एवं., -----** 1. श्री/मती वी० ग्राए० जीवरित्तम् श्रीर श्रन्यी । (अन्तरक)
  - 2. श्री स्वामि श्रंघ गौडर ।

(अन्दरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियाँ करता हो।

जनत संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस सूचना क्रो राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की जवभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समान्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्र) इस स्वया के रावपत्र में प्रकातन की तारीच ते 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भे हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी व पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्वब्दीकरणः — इतमें प्रमृक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ध इल्लाओ उस अध्याभ में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

कुषि खेती--वेंगम्बूर गांव, ईरोड कोडुमुडी--लेख मं० 1068/84 ।

> एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी महाय र आयक्र आयक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-II मद्रास

तारीख: 9-8-1985

मोहर :

### प्रकृत नाइंग्, श्री, एस. १५० ० ० ० ०

### आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

### कार्यात्रम्, बहानक नान्तर माध्यत (निरक्षिण्)

अर्जन रेंज-U, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० 234/दिसम्बर- $84/\overline{\xi}$ ज- $\Pi$ —यनः, मुझे, श्रीं। मृति एम० सामुबेल,

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विंश क्ष्म क्ष्म प्रमात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की पारा 269-स के अधीय तक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार कृत्व 1,00,000/~ रा. से अधिक है

ग्रीत जिसकी संव पिष्वम नेह्स्जी रोड क्खापा विल्पुरम वार्ड नंव 13, पट्टा 249 है, तथा जो विल्पुरम -1 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड अनुमुची में ग्रीर पूर्ण हम में वर्णित है),

रजिस्ट्रेशक्ति श्रिधिकारी के कार्यालय, विलुप्पुण्म्—लेख गं० 2113/84 में रजिस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, नारीख दिसम्बर, 1984

कां पूर्वोक्त समपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्ष्ममान प्रतिफल को लिए जन्तिरित की गई हैं और मूमी यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजाद मूल्य उसके दश्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकों) और जंतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्न्द्रीलिकत उद्देश्य से उक्स अम्बरण निश्विस में बाक्स क्षिक क्य से क्षित नहीं किया नवा हैं

- (क) वन्तरण से हुइं किसी थायू की वायबः, क्यक् मिथिनियत् से स्थीन कर दोने से जन्महरू के स्थितरम में कनी करने या क्यचे यत्रने में द्विपा में देखाइ; मोद/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर निधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उपल जीविनियम, वा वन-कर सिधिनयम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयांजनार्थ सन्तरिती ब्वास प्रकृट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए का, कियाने में सूविधा के सिक्ष ।

जतः जन, उन्त जीभीनयम की बारा 269-न के बनुतरण को, मी. उन्त अभिनियम की भारा 269-च की उनभारर (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् ३── 1 श्रीमती मरगतम्माल ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नवनीत कृष्णन् ग्रीर श्रन्यों।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी फरके प्रतिकत सम्मति के नर्धन के जिस् कार्यगिष्टिमां करता हूं।

### उत्त सन्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी आसी ह—

- (क) इत जूबना के सबपत्र में प्रकाशन की तारीब कें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को खी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर धूबोंक्ड व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति हुनास;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकावन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वाब् सिविवत में किए जा सकोंगे।

स्थळिकरण:----इसमें प्रयुक्त सन्यों और पक्षे का, जो उनक अभिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाविक ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका वया ही।

### नम्स्या

भूमि---करपा विलुप्पुरम् पश्चिम नेहरूजी रोड़ विलुपुरम-1 विलुपुरम--लेख सं० 2113/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-II, मद्रास

নাগীৰা : 9-8-1985

मोहरु

श्रस्य आइ.टी.एन.एस-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

#### भारत सहकार

### कार्यालय, सहायक कायकर नायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, विनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 236/दिसम्बर/84---यतः मुझे, श्रीमतीः एम० सामुवेल,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं 15, मिल रोड़ कोडयूर गोपिए ट्रिपालयम् है, तथा जो गोपिये ट्रिपालयम् मे स्थित है (स्रॉप्ट इससे उपाब इ स्रमुख्ति में स्रीर पूणं रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, गोपिये ट्रिपालयम् — लेख सं 1318/84 में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित सामार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि सथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त जिथिनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्तः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निस्निसिक स्वितयों, अर्थातः :--- 1. श्रो टी० राजू और अन्यों।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जीं । पीं । गीपालन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्दश किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मंग्स्**ची

भूमि—वार्ड सं० 15 मिल रोड़, कोडयूर गांव, गोपिएट्रिपालयम् : गोपिएट्रिपालयम्—लेख सं० 1318/84 ।

> एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-11, मद्रास

तारीख : 9-8-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहें ही. एन. एस. ------

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निदेश सं० 249/विसम्बर 1984/रेंज-2---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० शिवागिरी है तथा जो ईरोड़, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याचय शिवगिरी लेख सं० 1337 से 1339 तक रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास रुने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित मही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में स्विधा के तिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्तिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मुत्तुस्वामि गोंडर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सदाशिवम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेरित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची ।

भूमि ---लेख सं० 1337 से 1339 तक की शेडुल में दी गई सम्पति शिवगिरी लख सं० 1337 से 133 क

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 8-8-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एास. .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 श्रगस्त 1985 निदेश सं० 259/दिसम्बर 1984—स्प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (हैंगर्स इसमें इसमें पश्चात् 'उनत मिनियम' मज़ नवा है), की बाख़ 269-क के अभीन समाम प्राधिकारी को मह विश्वात करने का आएए हैं कि स्थान्य संपरित, विश्वका उचित बाधार मुरुग 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० 103, मुत्तुपेट्ठे ग्रार० एस० नं० 114/9 है तथा जो तिरुतुरैंपूण्डी तालुक में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मुत्तुपेट्ठे लेख सं० 1157/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकत के लिए अन्तरित की गई है बार मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एते दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से विभवः है बार बन्तरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितिबार) के बीच एसे बन्तरण के जिए तब पाया गया प्रति-का निम्नीलिबित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निम्निवित में बास्त- किया कर्य से किया नहीं किया गया है :---

- (क) क्यारप् तं हुई कियों बाद की बावत, उद्ध विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाक्तिय में कवी करने वा अवसे वचने में स्विधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या खन्य आस्तियों को, विन्धु भारतीय वाय-कर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वस्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वाया किया वासा वादिए था कियाने में ध्रियान के किए:

- (1) श्री चोक्कालिंगम चेटियार ग्रौर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एन० सुन्दरेशदेवर । (श्रन्तरिती)

की यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सें 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

भूमि—103, मृत्तुप्पेठे श्रार ० एस० नं० 114/9, तिष-त्तुरैप्पूण्डी तालूक, मृत्तुप्पेठे लेख सं० 1157/84।

> एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज–2, मद्रास

नतः वय, अभ्त मृषिनित्रभ की धारा 269-म की, अन्सरन मैं, मैं: उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अ अधीन निक्नितिस्त स्मित्तयों समित ८─०

विनांक : 9-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

(1) श्री एम० बालकृष्णन्।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन मूचना

(2) तंबु चेटियार और श्रन्य ।

(अन्तरिसीं)

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निदेश सं० 263/दिसम्बर 1984---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० लेख सं० 710/84 की श्रेड्डल में दी हुई सम्पति है तथा जो कुम्बकोणम में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, कुम्बकोणम में लेख सं० 2710/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्त में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से किथत नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिण करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रय्यत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसुची

लेख सं० 2710/84 की घोडुल में दी हुई सम्पत्ति, कुम्बकोणम् लेख सं० 2710/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिवारी महायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्राम

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

दिनांक : 8-8-1985

मोहर 🚜

प्रकृष काइ. टी. एन. एस.,-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) को मधीन स्थान

# (1) श्री चिन्नम्माल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पद्मावती श्रम्माल ।

(अन्तिरती)

### HITE UTAME

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निर्शालक) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निवेश सं० 72/दिसम्बर 84/रेंज-II---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पोन्निराजपुरम लेख सं० 5270/84 की शेंडुल में दी हुई सम्पति है तथा जो कोयम्बद्दर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजर्स्ट्रीं ती अधिकारीं के वार्यालय, कोयम्बद्दर लेख सं० 5270/84 में रिजस्ट्री करण अधिनियम, में 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के निए तय पाया ग्या प्रतिक का निक्तिति उद्वेष से सक्त सन्तरक के निए तय पाया ग्या प्रतिक का कि कि सिक्ति सिक्त उद्वेष से सक्त सन्तरक कि एस निवस्त में वास्त्यक का से करियत नहीं किया पता है के

- (क) मनारण वं हुए रिक्की बाद की नायह बयह मिन-नियम के नधीन कर बने के जन्तरक के प्रायित्य में क्वी कहने ना कवते कुने में कृष्णिया के जिए? बीर/या
- (क) एंडी किसी बाब या किसी धन वा बन्च व्यक्तियाँ की, धिनहें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासितार्थ बन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गण का सा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निक्तिविक्ति व्यक्तियों, अधीत:— स्थे यह स्थाना चाड़ी करके पृथायत सन्तरित के नर्धन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उयत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधांप ---

- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिव की नविष, को भी तप्र व्यक्तियों से समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाध्न
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस-ब्द्ध किसी बन्य स्थावत इवारा अभोहत्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

निकास के स्थाप के स्थाप के स्थाप की स्

### मनस्यो

लेख सं० 5270/84 की श्रौडुल में दी हुई सम्पत्ति, कोयम्बटर, लेख सं० 5270/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

दिनांम : 9-8-1985

मोहर 🛭

# प्रकप सार्च . ही . एन . एस . ------

# भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, महाम

मद्राम, दिनांक 23 जुलाई 1985 निदेश सं० 7/दिसम्बर/84--श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजु.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'सक्य अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधी- प्रक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- ं. से अधिक हैं

और जिमकी सं० खुली जगह-11 पलोर डीड सं० 84 है तथा न्यू आवंडी रोड़, की नपार्क मद्राम 10 और अभिन स्वार्थ भावडी रोड़, की नपार्क मद्राम 10 और अभिन स्वार्थ भूम 1/3 में न्यित हैं (और इसमे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) रिजर्ट्ड क्रती अधिरारी के रार्यालय, पेरीयममेट (दस० सं० 1255/84) में जिल्हीं रण अधिनियम 1908 (1908 दा 16) के अधीन तार्र ख दिसम्बर 1984,

को पृवंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है :---

- (१) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के डायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; अरेर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, इत्तत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- 25-23601/85

(1) श्रीं सूयून क्लाडीं जेराडी निन्नाम।

(अन्तरकः)

(2) श्री नवीन टलाक्षीं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विश की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर एंपति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

सिष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाग्यत ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हां।

### अनुसूची

भूमि आंर निर्माण खुलीं जगह ा। पलोर डीड सं० 84, न्यू आषडी रोड़, िलाउ, मद्राय-10 और अभिन्न स्थायीं भूमि 1/3 (दय० सं० एप० ग्राय० पेरियममेट सं० 1255/84)।

> के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिगरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंत रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 23-7-1895

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बागकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 23 ज्लाई 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिशका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० ग्राउन्ड फ्लोर डोर सं० 84 है तथा जो न्यू ग्रावडी रोड, कीलपाक मद्रास-10 श्रीर श्रिभिन स्वार्थी भूमि 1/3 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पेरीयमेट दश्व सं० 1253/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख दिसम्बर 1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का वारण है कि यथा प्रवेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत से अधिक है दृष्य अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्दर्भ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने,या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर दिधनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

कतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं टक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के गधीर निम्नलिशिक व्यक्तियों, अधितः ---- (1) लुयुम कलार्डा जेराड मिन्नाम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरणद टलाक्षी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर सृष्ना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिव के भीतर एक्त स्थायर संपत्ति में हितब्द्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्यो

भूमि श्रौर निर्माण ग्राउन्ड पर्नार, डीर सं० 84, न्यू श्रालडी ग्रावडी रोड़, किलपाक, मद्राम, श्रौर ग्रिभिन्न स्वार्थी भूमि 1/3, एस० ग्रार० पेरियमेट दस० सं० 1253/84।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनाँक : 23 -7-1985

इक्स बार्च . दी . एवं . ११५ ------

बायकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) -श्रर्जन रेंज-1, मद्रारा

मद्राक्ष, दिनाँक 23 जुलाई 1985 निदेश सं० 9/दिसम्बर/84—-प्राप्तः मुझे, के० वेणु-गोपाल राज

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेपात् 'उक्त मिनियम' कहा पवा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनको सं 1 फ्लोर डोर्सं 84 है तथा जो 1 श्रावडी रोड़, मद्राम-10 श्रीर श्रीभन्न स्वार्थी भूमि 1/3 में स्थित है (श्रीर इपस उपावड श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय पेरियमेट (दसता असं 1254/84) में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार बृत्य, उसके स्थमान प्रतिकल से ऐसे स्थमान प्रतिकल का विश्व का वस्त्रह प्रतिकत से विश्व है बीर बंधरक (बंधरकों) बीर बंधरिती (बंधि-दिवा) के बीच ए'से बन्तरक के लिए तम रावा प्रधा प्रतिकल का विश्व तम प्रवा वस्त्र के लिए तम रावा प्रधा प्रसिक्त का विश्व के स्थल के

- (क) कन्छरन संबुद्ध किसी नाम की नामक बयल सिंध-नियम के नधीन कर दोने के अंडरक के दायित्व में कमी करने या उससे नधने नां सुविभा के लिए मीड/एं।
- (व) होती किसी बाध का विश्वी धन या अध्य वास्तियों की, चिन्हों शारतीय वासकर विधितियम, 1922 (1922 को १३) मा उनता व्यितियम, रा भन-कर विधितियम, रा भन-कर विधितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोधभाव बसारिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था का किया थाना वाहिए था, कियाने में सुविधा की लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अवधारा (1) के अधीन, निम्नलिगित व्यक्तियों। अर्थात् :-- (1) श्री लूयुम कलाडी जेरीड मिन्यास।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जेया पूंजा भाई

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के न्यूर कार्यवाहिया शुरू करता हु।

### उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई जी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्मबधी ध्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बयिध बाद में समाप्त हाती हो, है भीतर प्रविक्ष स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा,
- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय भ विश्व गणा है।

### अन्सूची

भूमि और निर्माण-1 फ्लोर डोर सं० 84, न्यू ग्रावडी रोड़, किलपाक, मद्रात-10 ग्रीर ग्राभिन्न स्वार्थी भूमि 1/3 एस० ग्रार० पेरियमेट (दसता० सं० 1254/84)

> के० वेणुगोपाल राजू ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज-1. मद्रास

दिनाँक : 23-7-1985

F. 77

# प्रकार बाह्य हो है एक है एस हर स्थान

# सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वदा

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास महास, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० 15/दिसम्बर/84---श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट बी 1 फ्लोर 813, पी० एच० रोड, कीलपाक है तथा जो मद्राम- 600010 में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजिस्ट्रीवर्ता श्रीक्ष कार्यालय एम० आरू० श्रीठ पेरियमेट (दसता सं० 1217/84) में रिजिस्ट्रीकरण श्रीठितियम 1908 (1908 का 16) के श्रीवीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तर्गरत को गर्ड है और मूर्फ यह विश्वास कारत का कारण है कि अकापूर्यका समित का विश्वास मूल्य उसके इर्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंकरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्ला में बास्तविक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाम की बायत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने था उससे अपने में सुविधा के बिस; आर्-शा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उच्चत अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में स्विधा की निष्।

बतः पत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) 1 एम० एल० पटवारी, 2रकशा शाह, 3खेट चन्द श्रीर 4 स्या देवी ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती ए० पलनी श्रम्माल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पृथोंकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस वं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड स्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इवारा;
- (व) इब सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीब छं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास जिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

#### अन्स्ची

प्लाट 1-बी, 1 फ्लॉर, 813 पो० एच० रोड़, कीलपाक, मद्रास-600010

एस० धार० घोर० पेरियमेट (दशका० सं० 1217/84)

के० वेणुगोत्राल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनाँक : 31-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याख्य, तहाबक नावकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 16 जुलाई 1985

े निदेश सं० 22/दिसम्बर/84——श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजु

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित्त, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/-रः. से अभिक है

ग्रीर जिसकी मं० 49, उन्तु काटन स्ट्रीट, मद्रास-3 है तथा जो नद्रास में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पेरियमेट (दप० स० 1205/84) में रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मुख्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए जन्हरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहरमान प्रतिफल से, दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे बन्तरण के निए तय पादा गया प्रतिफल, निम्नसिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा 🕊 :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वासरा, स्कर अभिनिय्त के अभीन कर दोने के असरका भे दायित्व में कनी करने वा उससे वचने में स्वीवधा के जिस्हा और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, कियाने में सुविधा के निहः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री यू० ई० ए० मेहिम्मद फारुक (ग्रन्तरक)
- (2) श्री टी॰ एम॰ ग्रब्दुल रहीम । (ग्रातरिती)

को बहु स्थाना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए आर्थनाहिकों करका हूं।

जबस संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (अ) इस सुमना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की मनिष मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अनिष, जो भी अनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य म्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए वा सकेंगे।

स्पक्किरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### क्रम स्थि

भूमि सं० 49, उन्तुकाटन त्र्ट्रीट, मद्राय-3 एम० ग्रार० पेरियपेट (दम० सं० 1205/84)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्राप्तुकत (निर्मेश्वण) अर्जन रेंज-L, मद्रास

दिनाँक : 16-7-1995

श्ररूप बाह् . टी. एन. एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 29/दिसम्बर/1984—श्रतः मृश्रे, के० बणुगोपाल राजू,

कावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने हा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 142, श्रम्मन कोइल स्ट्रीट, मद्रास-79 है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट (लेख सं० 609/84) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वाम करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (बन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तब्र पामा गवा प्रतिफल, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया प्रवाह है द—

- (क) अन्तरण से इन्द्रं कि सी आय की यायत उपल अधि-नियम के अभीन कर दीने के बन्तरक के दायित्व के कभी करने वा उचने वचने में सुविभा के सिये; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया न्या मा किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः वथ, उसत अभिनियम, की धारा 269-म में बन्दरम में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन., निम्नतिसित व्यक्तियों, कर्यात् :--- (1) श्री वी० कोतण्डरामन ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नेमिचन्द करनावट श्रौर श्रन्य (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं!

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध व कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सै 45 दिन की अविधि या अत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में ग्रिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भ्यस्यो

् भूमि ग्रौर मकान सं० 142, ग्रम्मन कोइल स्ट्रीट, मद्रास-79 (एस० ग्रार० ग्रीं० सौकारपेट लेख सं० 609/84)

> के० बेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्राप्तृक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 5-8-1985

मोहर ;

प्ररूप . बार्ड . ट्री . एत . एस . - म - न न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बचीव त्वना

### भारत श्रहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निदेण मं० 32/दिसम्बर/1984---श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पस्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० 23, वीरा स्वामी पिल्लै स्ट्रीट, मद्रास-1, है तथा जो मद्रास-1 में स्थित हैं (ग्रोर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जे० एस० ग्रार०-1 मद्रास उत्तर (दस० सं० 3380/84) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्निनियन तद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक रूप से निर्मातिक का मया है :---

- हैंकों सन्दरण से हुन्हीं कितीं बाय की वाचता, उच्छे प्रतिपित्रण में अभीत राज होते के बन्तरक के मुस्तियम्ब श्री मार्का कायन या प्रसन्न अचने अ स्विधः। प्रतिपात कोर/राज
- (क) एसी फिर्मी बाद या किसी धन या अन्य आस्तियों अहें, जिन्हों भारतीय राम-कर अधिनियम, 1922 (1932 का 11) धा उक्त अधिनियम, या धा-कार अधिजियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में अधिका वै किया.

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, पा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती एन० कृष्णबेणी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हाजी एम० मोहम्मद मुस्तफा। (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वन्त सम्पत्ति के वर्णन् त्ये संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (क) इस स्वाना क राजपत्र में त्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी थन्य व्यक्ति ब्वारा, वभोह्रताकरी के पास जिक्कि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूखी

भूमि धौर मकान :- 23, वीरास्वामी पिल्लै स्ट्रीट, मद्रास-1, (जे० ए.स० ध्रार०-I, मद्रास उत्तर दस सं० 3380/84)

> कें बेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी महायक ऋायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 5-8-1985

# प्ररूप मार्च. टी., एप्., एस.,-----

# भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वना

### भारत श्ररकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निदेश सं० 34/दिसम्बर 1984—-ग्रतः मुझे, के० बेणुगोपाल राजू,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस थे अभीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वात करने इस कारण है कि स्थावर सम्पंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- स्त. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 62, अोडेंपट्टर्ड गांव है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जे० ए.स० श्रार०—I, मद्राम उत्तर (लेख सं० 3357 अं.र 3479/84) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्रत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहाँमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी क्षाय या किसी अन या अन्य अइस्तियाँ को खिन्हों भारतीय वायक र विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनक र विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिकिट व्यक्तियों, प्रभात :--- (1) श्री ग्रार० कृष्णन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० बी० सुन्नमणियम सा

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रेकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए या सकेंगे।

स्पाचनीक रूप :---इसमें प्रमुक्त खब्दों और पदों का., जो उसल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया हुं:

### अनुसूची

भूमि :-- 62, श्रोडेंपट्टडें गांव, (जे० एस० श्रार०-I, मद्रास उत्तर दस सं० 3357 श्रौर 3479/84)।

> के० वेणुगोपाल राज़ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज--1, मद्रास

दिनांक : 5-8-1985

आरूप बार्ड टी.एन.एस. . . . . .

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 च (1) के अधीन स्वाना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्वेश सं० 57/विसम्बर 1984 — प्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- ग. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर निर्माण है तथा जो कोटै वरदप्प नायडू स्ट्रीट, वार्ड नं० 6, सेलम शहर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबक श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार०-3 में सेलम (दस० सं० 1334/84) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित हाजार मत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती /अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्योध्य में उक्त अन्तरण सिश्चित में वास्तियक कप से कथित नहीं कया गया है "——

- (क) अन्तरण ने हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उपलब्ध ने दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

ज्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिस्ति, व्यक्तियों, अर्थान :---- 26--236GI/85

(1) श्रीए० एस० जहीर तीन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रकबर बाशा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

दक्त सम्पत्ति को कर्षन को संबंध में कोई भी नाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो शीं अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-भव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्वव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिशा गवा है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण-कोर्ट वरदप्प नायडू स्ट्रीट वार्ड नं० 6, सेलम शहर । (जे० एस० झार०-3, दस० सं० 1334/84)

> के० बेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

विनांक : 31-7-1985

साहर:

वक्त नाह<sup>े</sup>. दी, एन् , एक<sub>्</sub>्रान्त्रान्त्रा

भागकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

#### सारत सरकार

# कार्यासव सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्राम, विनांक 1 श्रगस्त 1985

निवेश सं० 72/विसम्बर1984—म्ब्रतः मुझे के० वेणुगोपाल राजू

कायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उन्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डोर सं० 47/1, गांधी रोड़ है तथा जो गिवचामिपुरम,, सेलम-7 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सेलम (दस सं० 2370/84) में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984,

को पर्योका सम्परित के उचित वाजार मृत्य में कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकाँ) और (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्निनिवित स्वयं स्य से स्वयं अन्तरण निम्निवित में वास्तिक स्म से कथित नहीं किया गया है है—

- (था) काराया से हुए किया बाय की बावल, उपस् वरिविष्ण के अभीन कर दोने की कारायक के दासिएम में कभी कड़ने या उन्हों स्थाने में सुविधा के सिद्धा सांद/सा
- (क) ऐसी किसी आम मा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लक्त अधिनियम, या बनकार अधिनियम, या बनकार अधिनियम, (1957 (1957 कर 27) को अयोजनार्थ जन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया भवा मा मा किया जाना चाहिए था, कियाने भें ब्रिया में विश्व

णतः अव, उक्त विधितियम, की धारा 269-ग के अनुवास की, की, उक्ति ऑधिनियम की धारा 269-भ की उपभारः (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् अ— (1) श्री एस० श्रीरामन ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री एन० सुध्रमणियम ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

# जबत सम्पत्ति भी वर्जन के सम्बन्ध में खोड़ों भी बासीप उन्न

- (क) इस स्वात के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब . डैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वात की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी व्यक्ति वाद में समाप्त हातों हा, को भातर प्रवातित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उत्रत स्थावर संपित्त में हितबक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

. स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयात शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्यानिया है।

### मन्स्ची

भूमि भीर निर्माण डोर सं० 47/1, गांधी रोड, शिव-भामीपुरम, सेलम । एस० झार०सेलम (दस० सं० 2730/84)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षग्र) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

विनोक : 1-8-1985

प्रकृप बाह् .टी. एन. एस. ------

सावकर अभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) कर्रे भारा 269-च (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यक्षर, सहायक बायकर आयुक्त (निरोक्कण) ग्रर्जन रेंज-1, मन्नाम

मद्राम, दिनाँक 9 ग्रगस्त 1985

निवेश मं० 86/दिसम्बर 1984 — श्रतः मुझे, के० वेण्गोपास राजू

आवकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चाल 'खबत पवितियम' कहा गया है), की बारा 269-व के वसीन सकम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका अजित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि सर्वे मं० 667/2, है तथा जो
तारापडवेडु गाँव गुडिशान्तम तालूक नार्थ ग्रारकाट जिला
में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबत श्रतुसची में श्रीर पूर्ण
रूप से विणत है) रिजस्ट्रीयत्ती श्रिधितारी के कार्यालय काटपाडी
दस० मं० 3905, और 3908/84 में राजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम
1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख दिसम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बानत, सक्त विभिन्नियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कंसी करने वा उससे बचने में तृविधा के लिए; और/वा
- (क) इसी जिली बाब या किसी धन वा अन्य जास्तिबाँ को जिल्हें भारतीय जायकर अधिनिजय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा जोशक;

कतः अर्था, स्वतं कविनियमं क्षी भारा 269-गं के अनुसरण में, मा, अक्तं अधिनियमं की भारा 269-घं की उपधारा (1) हे अधीन, विक्तिविक स्वयुक्तियों, अर्थातः :——

- (1) श्री कण्णन गींडर ग्रौर के० चिन्न राजू (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बालाजी सिन्डीकेंट । (श्रन्तरिती)

का बह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना को राजवत्र में प्रकाशन की तारीक्ष को 45 दिन की अविधि या तत्सीक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इतस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए भा सकरें।

स्पच्छीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, चो उकत अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हारेग को उसे अध्याय में दिया नया है:

#### अस संपर्ध

कृषि भूमि सर्वे न ० ६०७/2, तारापडवेडु गांव गुडियात्सम, तालुक नार्थ ग्रारकाठ जिला । (एस० ग्रार० ग्रो० काठपाडी—-इस० सं० **390**5, और 3908/84)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, मद्रास

दिनौंक : 9--8-- 1985

प्रकृपः बाह्रं टी. एन. एस. - - - -

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्थना

#### भारत सरकार

**कार्यालय, सहायक** आयक्तर आयुक्त (निर्रीक्षण) श्रजीन रेंज-<sup>I</sup>. महास

मद्राम, दिनौंक 25 जुलाई 1985

निदेण सं० 96/दिसम्बर, 1984—-धतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू

कायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पहचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269 का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 1ए है तथा जो सि० एच० पी० कालोनी स्ट्रीट सं० 6, तिरुचेगेड, सेलम जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तिरुचेगेड दस० सं० 2904/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् साजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिकल से, एसे इत्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और जंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पामा ग्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिकल कप से कथित नहीं किया बना है:—

- (क) कलारण से हुई किसी नाम की नामक, उनस निर्माणक के जपीन कार की से जनसरक की सामित्रक में कभी कड़ने ना अबसे नज़ने में सुविधा की लिए; जॉर/ना
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भता अव, उपत श्रीवित्तम की भारा 269-ग की अनुसरण कों, बीं, उपत मिनियम की बारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एम० मरगत्तम्माल भौर भ्रन्य।
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० ग्राहमुघम ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की सर्वीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूषा की तामीस से 30 दिन की सर्वीच, वो भी सबीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास शिक्ति में किए था सकते।

स्वध्यीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

### अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण डोग्सं० 1ए, सि॰ एच० पी० कालोनी, स्ट्रीट नं० 6, तिरुचेंडु, सेलम जिला एम० श्रार० तिरुचेंडु (दस्र सं० 2904/84)

कें० वेण्गोपाल राजू मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—... मद्रास

विनौक : 25<del>-</del>7-1985

भोष्ट्र 🛮

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० 113/दिसम्बर, 1984--म्रनः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू

बावकर की धनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण हैं कि स्थानर मंपरित, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 6, वेलगोंडन पालयम गाँव हैं तथा जो धरमपुरी जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्री० धरमपुरी (दस० सं० 1664/84) में रिजस्ट्रोकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का मंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त क्लरण निश्चित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उचन अधिनियम के अभीन कर दोने जी बन्तरक जी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/बा
- (व) ऐसी किसी नाम वा किसी वन वा अन्य वास्तियने अने, विनदे भारतीय नाय-कर वीभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निभिन्यम, वा भव-कर वीभिनियम, वा भव-कर वीभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोधनार्थ अन्यरिती व्याप्त प्रकट नहीं किया दवा वा वा किया चाना वाहिए वा, कियाने वे सुविधन के विद्युष्ट

कर: कर, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के बनुसरण हों, में, रक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीम, निम्निजिसिक व्यक्तियों, बर्धान् :--- (1) डा० पी० मुक्रमणियम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० चेल्लय गोण्डर श्रीर श्रीमती मणीमेगले

(भ्रन्तरिसी)

को बहु सूचना चारी करके प्वोंक्त सम्पति के वर्णन के शिव्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी शाहोप उनन

- (क) इस बुक्ता के समयम में प्रकारण की तहाँक हैं 45 किन की वस्टिंग का तत्सक्कियों क्षेत्रक हैं सूत्र सूचना की तामील से 30 दिन की नविधा, जो भी क्यां मान में समाध्य होती हो, जो भीकर पूर्वों कर्य क्यां का में समाध्य होती हो, जो भीकर पूर्वों कर्य क्यां करों में सिकती क्यां कर पूर्वा कर्य
- (क) इस ब्रुवना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 किन को श्रीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितसम्बद्ध दिख्य करन स्थावर हवारा नभाइन्छ।अस्पी के शब्द विकास में किस वा सकी ने।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया एको हैं।

### **अनुसूची**

भूमि सर्वे नं ० ६, वेलगोण्डन पालयम गाँव धरमपुरी जिला--गुरा श्रार श्रो । धरमपुरी वेस्ट (दस सं ० 1664/84)

> के ० ्रैं वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज--1, मद्रास

दिनौंक : 31-7-19**8**5

मोहर 🛭

भूकप कार्ड . टी. एन. एस<sub>. ------</sub>

बाण्कर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्पना

#### भारत तरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 2 भगस्त 1985

निवेश सं० 129/दिसम्बर, 1984—श्रतः मुझे, के० वेण्गोपाल राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो जिल्लास्थावर प्राणित, जिल्ला उच्चित बाजार मून्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं भवें नं 89/2, श्रलगपुरम गाँव है जो सेलम तालुक श्रीर जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध शनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सुरमंगलम दम० सं 2556/84 में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीत तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार भूस्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विश्व हो और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:

- (क) वंतरण से हुई किसी आय की नावस, उक्त सिंपिन्डन के अधीन कर, देने के बंतहक के शियत्थ में कामी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी बाद या किसी धन या बन्य बास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जवः जजः, उक्त जोधीनयम को धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त जिधीनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अं जधीन. निम्नुलिप्चित् ध्यनिद्वरों, जबीत् अ—

- (1) श्री जि॰ गोविन्द रामानुजम,
  - श्रीमती ज्ञाना सेलवम 3. समुवेल नवगीता सेलवन ;
  - 4. विजयटाण 5. राणी और मेनर० प्रेम कुमार (भ्रन्तरक)
- (2) पि. तिदुवासगम।

(भ्रन्तरिती)

कां यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहरूनाक्षरी के पास निवित में दिये जा सके गे।

स्वक्योकरण: -- इसमें प्रभूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यात 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उल लभ्याय में विकासका कै।

### अम्भूषो

भूमि ग्रौर निर्माण--सर्वे नं० 89/2, श्रलागपुरम, गौव, सेलम तालुक ग्रौर जिला । एस० ग्रार० सुरमंगलम (दस० सं० 2556/84)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-, मद्रास

दिनाँक : 2-8-1985

प्रकृष काहर टी. एन. एक. ....

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के सभीन स्वना

#### नारत सरकार

कार्यातयः, सहायक जायकर नाय्क्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-1, मद्राम

मद्रास, दिनाँक . 5 श्रगस्त 1985

निर्देश मं० 134/विमम्बर 1984—— ग्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजु,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसमें परचात् 'उकत मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारों की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजिल माजार मृज्य 1,00,000/-रा. से विधिक है

और जिसकी सं० 11, समयवरतम्मन कोईल स्ट्रीट है तथा जो मद्राम-1 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जे० एस० ध्रार-1 मद्राम उत्तर (दस सं० 3451/84) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्च है और मुभे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा नवा प्रतिफल, निम्नलिचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिचित अं दास्त्विक कप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क्कं) अनत्यम स हार्ष किसी साम की भाषत, उस्क अभिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक भी याभित्व में कारी करते या उससे बचने में सुविभा जो निया; नीप्र/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अतियों द्वारा प्रकट नहीं जिल्या गया था या किया जाना पाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

क्रतः क्षत्र, उल्लं अभितियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् स— (1) सुजनमल श्रीर ६ श्रन्य।

(भन्तरक)

(2) पी० एम नैना मोहम्मद

(अन्तरिर्ता)

को यह सुभा। प्रारो करके पूर्णकत सम्पन्ति के नार्चन के जिला कार्यनाहियां करता हूं।

वक्त समात्ति के अर्जन के संबंध में कांड भी आक्षेप ----

- (क) इस स्वना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रांशः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-क्सूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के एस निविधन में किएए अस्तर्केंगे स

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### हर्गानी

भूमि भौर मकान- 11; समयवरनम्मन कोइल स्ट्रोट, मद्रास-1 (जे० एस० मार०-II, मद्राम उत्तर दस० सं० 3451/84)

के० वेणुगोपाल राजू गक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्राम

विनाँक : 5-8-1985

प्ररूप बाह् दी . एन . एस : ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीन सुचना

### भारत अरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~1, मद्रास

मद्रास,दिनांक 22 जुलाई 1985

निर्वेश सं० 137/दिसम्बर 1984—श्रतः मुझे, के० बेणुगोपाल राजू,

मायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० डोर सं० 84 है तथा जो कोइल स्ट्रीट, मेरजन्द स्ट्रीट मदास-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विश्वत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मद्राम उत्तर (दस० गं० 3356/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएजेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्ट्यमान अनिकल में, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह >िगफल से अधिव हो और अन्तरक (अन्तरकों) और मंतरिती (अप्तिरित्यों) हे नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दंश्य में उक्त अन्तरण लिखित वे बास्तिबक रूप से कीशत नहीं विद्या गरा है :---

- (क) अन्तरण ते शुद्द किन्दी थाय को बायस , क्यस नीधनियम के नधीन कार दोने के अन्तप्रक के वायित्व में कमी करने वा उससे वचने में स्विधा के लिए; मीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, सी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) को दशीत, निम्मलिनित व्यक्तियों, अधित् क्र— (1) बी० ए० जमीला बीवी।

(अन्तरक)

(1) 1. श्री एस० नारायनन, 2ं. एस० पेन्नुस्वामी, 3. एस० सम्पत, 4. एस० सुन्द्रम, 5. एस पेटुमाल (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भौतर उक्स स्थावर सम्मत्ति मों हिए- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अधे होगा को उस अध्याय में दिया नवा ही।

### वव्यूची

्रभूमि ग्रौर निर्माण डोर यं० 84, कोडल में बन्द स्ट्रीट, मनवाडी, मद्रास−1

(एस० भ्रार० मद्रास उत्तर (दस• सं० 3356/84)

के० वेणुगोपाल राज् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

विनांक : 22-7-1985

मोर ध

# दक्ष बाहुं है दी हर्ने हर्ने -----

भायकंरु अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज--1, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 141/दिसम्बर 1984---श्रतः मुझे के० वेणुगोपाल राजू

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त श्रीभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के श्रीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य,

1,00,000/- रहः से अधिक हैं
श्रीर जिसकी मं० प्लाट मं० 2586, श्रण्णा नगर वेस्ट
(मडुवक्करें गांव) है नथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर
इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं)
रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एम० श्रार० श्री० अण्णा
नगर (दस सं० 4242/84) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम
1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित्र बाजार मूस्य से काम के ध्रममान प्रतिकाल के लिए अन्तरित का गई है और मूक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिकाल से, ऐसे ध्रममान प्रतिकाल का चन्नुह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिकाल का मिन्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) बन्तरण से हुन्दं किसी बाव की बावस, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (था) एसी किसी बाय या किसी धन या बस्य बास्तियां को, विक्रुं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में यतिथा के बिए,

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रकीय, निक्मितिश्वक व्यक्तियों, अधीत ३०० 27—236GI/85

(1) श्रीमती कें लक्ष्मी भ्रम्माल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सीता देवी कबरा।

(भ्रन्तरिती)

की वृह सूचना जारी करुके पूर्वोच्छ संपृत्ति के वर्षन के विद कार्यवादियां करता हो।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी कसे 45 वित्र की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 वित्र की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतः पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति वृद्यारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदी का, वा दक्ष विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, विलो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

### नन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण प्लाट सं० 2586, ग्रण्णा नगर वेस्ट मद्राम (नडुवक्करै गांव)

एम० ग्रार्0 ग्रो० भ्राणा नगर (दम सं० 4242/84)

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 5-8-1985

मोहर र

प्रकप नाइं, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### शारत सरकार

कायालय, सहायक भायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, भद्रास

मद्रास, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 143/दिसम्बर 1984—-श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्,

लायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-क के अधीर मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही हि कि अधिक ही प्रिस्का उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- क. से अधिक ही

स्रौर जिसकी प्लाट सं० 1007 विस्लीवाक्कम, मद्रास है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रण्णा नगर (दस० सं० 4287/ग्रौर 4288/84) में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के द्रव्यमान प्रतिफल के सिए अन्दरित की गई और मूको यह विकास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यमान प्रतिफल से एरो व्यथमान प्रतिफल का पन्छद्र प्रतिक्षत से बॉथक है और अन्तरक (बन्तरकों) कोर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरन के तिव्यस्थ बाया क्या विकल, निकासिक्त उपुरक्त से उक्त व्यवस्थ निकास में बास्तविक्त रूप से क्षायत नहीं किया क्या है क्रिक

- (क) जन्तरण वे हुई किसी जाव की बावस, इस्स अधिनियम को अधीन कर दोने की अन्तरक वी दायित्व में कंसी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बीड/बा
- (४) तानी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयांजनार्थ व्यन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के सविभा के विष्:

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (†) के सर्धन निम्निकित व्यक्तियों, अर्थात ध— (1) श्री टी० कार्तीकेयन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एल० रवी।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकेंगी।

स्वव्यक्तिक,रण:---इसमें प्रमुक्त घट्यों और पदों का, को उन्सं विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय को विका गना है कि

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण प्लाट सं० 1007, विल्लीवाक्कम, मद्रास, एस० श्रार० श्रण्णा नगर (दस० सं० 4287/84 श्रौर 4288/84)

> के० वेंणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्राम

दनांक : 5-8-1985

मोहर 🖫

# प्रकृत वा<u>ष्ट्री हुन् हुन् अ</u>वस्थान

नायकार विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के वधीन सुमना

### भारत सरकार

# कार्याचन, सञ्चयक नायकर नायुक्त (निर्देशिक)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्राम

मद्रास, विनांक 5 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 144/दिसम्बर/1984—ग्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजु

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इस्वें इसकें परणात् 'उक्त अभिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उष्टिन बाबार मूक्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं अभूमि—प्लाट नं 362, विल्लीवाक्कम, श्रण्णा नगर, मद्रास है तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय प्रण्णा नगर (वस क्सं 4296/84) में रिजस्ट्री-करण, श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

का प्रांतिक सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्य सं कम के क्रममान प्रतिक्षण के निए अन्तरित की गई है और मुझे वह विकास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके दश्यमार प्रतिक्षण सं, एसे क्षममान प्रतिक्षण का बंद्रह प्रतिकृत सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय धावा मया प्रतिकृत, निम्निसित उद्देश्य से स्वत बंदरच विकास में मृत्यप्रिक इस से कथित नहीं किया बना है ——

- (क) अभ्यास सं हुई किसी साम की बामक, समय विधिनियम पूर्व वर्धीन कह दोने के बन्चडुक के बावित्य में कमी कहने या उच्च वर्षने में दुविधा के निष्; बहि/बा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या बन्स वास्तिकों को, चिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रताजनार्ध उन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया वया या किया जाना जाहिए था, स्थिपने में स्विधा के किस;

बतः नव, उक्त अभिनियम की भारा 269-गं के अनुसरम के, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की स्पथारा (1) के बधीन, निम्नीकिया अभिनामों क्षा के क्षा क्षा क्षा (1) श्री एन० रामकृष्णन :

(ग्रन्तरक)

(1) श्री कें सी० मोहन ।

(ग्रन्तींग्सी)

को वह सूचना जारी करके पृथीनत सम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### चक्त संपति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्रेप :---

- (फ) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की जबिभ या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिस की अविधि, को भी वाबीध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रतिकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ब) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नव्य किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अभोहस्ताक्षरी के यास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्वकाकरण :---इसमें प्रयुक्त बब्दों और पवाँ का, वो अक्त अधिनियम के लध्याय 20-क में परिभाषिः इं, बही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिस। नवा हैं।

### प्रमुखी

भूमि——प्लाट सं० 362, विल्लीवाक्कम, भ्रण्णा नगर, मद्रास एस० म्रार० श्रो० श्रण्णा नगर (दस० सं० 4296/84)

> के० वेणुगोपाल राज़ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज⊶ं, मद्रास

विनांक : 5-8-1985

भोहर :

त्रकप् बार्'.टी. एन. एस . -------

भायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के बधीन सूचना

#### शारत सहकार

# कांगीक्षय, तहायक भायकार भाष्ट्रत (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मब्रास, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 145/दिसम्बर 1984—ग्रतः मुझे, के० वेणगोपाल राज्

कायकार अधि त्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवास् 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उजित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 25/हिस्सा ग्रौर 26/हिस्सा ग्रयनावरम, मद्रास है जो ग्रयनावरम, मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रण्णा नगर दस० सं० 4302/84 में रिजस्ट्री करण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास संग्रीयत नहीं किया गया है एक

- (क) बन्तरण से हुई किनी नाम की नामछ, उपव निमिन्द के बंधीन कड़ देने के बन्तरूक हैं राजित्व में कजी कड़ने ना उनके नवन में सुविधा के निष्; नार्/ना
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः २४, उथत अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण वैं, जैं, बक्त ब्रिशनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत<sub>ा</sub> निक्तिकिद्ध व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती मंगलम सुन्दररामन ।

(भ्रन्तरक)

(2) डी॰ राजलक्ष्मी।

(अन्तरिती)

# को यह नुषना बाड़ी करके पूर्वांक्त सभ्यत्ति के वर्धन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्की और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

भूमि श्रौर मकान—टी० एस० सं० 25/हिस्सा श्रौर 26/ हिस्सा श्रयनावरम गांव, मद्रास (एस० ग्रार० ग्रो० श्रण्णा नगर (वस० सं० 4302/84)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजैन रेंज– , मद्रास

दिनांक : 5-8-1985

मोहर 🖫

बक्स बाह्" .टो .एन .एस .-----

बायकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० 146/दिसम्बर /84---अतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- गा. मं अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० प्लाट मं० 3922, अण्णा नगर, मद्रास (मुल्लम गांव) में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कृप में वर्णित है) र जिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय एस० आर० श्रो० अण्णा नगर, (दस्तावेज सं० 4301/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथम्पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रसिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गंबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण किवित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाव की वावत, अक्त ब्रिश्चित्रयम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बज़ने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अत्र अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमानिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री ईश्वरय्या।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अन्तम्मा जार्ज ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास निक्ति में किये जा सकर्ण।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वनसूची

भूमि ग्रोर निर्माण—प्लाट सं० 3922, अण्णा नगर, मद्रास (मुल्लम गांव)।

एस० आर० म्रो० अण्णानगर (दस्तिविज सं० 4301/84)।

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आकयर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 31~7~1985

असम् बार्ड्: ही एन एस :------

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

### गारत ब्रुकापु

कार्यासय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अगस्त 1985

निदेश सं० 148/दिसम्बर/84—-अतः मुझे, के० वेणु--गोपाल राज

शायकर श्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व स्थाय है। इसके श्रेष्पात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है। की बारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिस्तका उत्तित काजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० व्लाट सं० 3213, पेरिय कूडल गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर (दस्तावेज सं० 4172/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एस अतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- थ्रिंक) बंतरुष्य वे हुई किसी बाय कर्त वायत्, उनत अधिनियम् के अधीन कर दोने के बंतरुक के दायित्व में कभी करने या उत्तते नुष्ये में द्विधा के तिए; और∕या
- (क) ऐसी किसी जाम मा किसी भून मा जन्म जास्तिमी करों, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या भून-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती बुबारा प्रकट नहीं किया ग्या था हा किया जाना बाहिए था, छिपान से भूविशा के लिए;

अतः कवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण भाः, माः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) हो अभित्र निकनोशिक्त अधिकरों, सर्भात् ः (1) श्री सुरेण चन्द्र गुप्ता ग्रीर श्री देवेन्द्र कुमार मेता।

(अन्तरक)

(2) एन० सुगुणा ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शुरूषों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्तुवी

भूमि प्लाट सं० 3213, पेरियक्डल गांव । (एम० आर० भ्रो० अण्णा नगर--दस्तावेज सं० 4172/84) ।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 5-8-1985

मोहरः

# 

ज्ञायकार अमिनियज 1961 (1961 का 43) की धारा । 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० 150/दिसम्बर्/1984—अतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाणार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी मं० भूमि—सर्वे नं० 22, मुल्लम गांव, है तथा जो अण्णा नगर, मद्रास—40 में स्थिन है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची वें श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एस० आर० श्रो० अण्णा नगर (दस्तावेज सं० 4177/84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थवनास प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एते दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (संतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त बन्तरण सिचित में बास्त-

- (क) जन्तरक वे हुई किसी बाव की वाबतः, अवस विभिन्न के वभीन कर दोने के जन्तरक वी सावित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्रुक्ष, बब, उक्त विभिनियम, की धारा 269-ग के अनुस्रप्त् वे में उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ब्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री विन्तेण्वरा एन्टरप्राइसेए !

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मालती कुमारस्वामी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के निष्ट्र कार्यबाहियां करता हूं।

# उपन्न संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विशा नवा है।

# अनुसूची

भूमि——सर्वे नं० 22, मुल्लम गांव, अण्णानगर, मद्राम—

एस० आप० म्रो० अण्णानगर (दस्तविज सं० 4177/ 84)।

> के० वेणुगोपाल राजू सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−ा, मद्रास

नारीखं : 5-8-1985

माहर 🖫

प्रस्य कार्ष'. टी. एव. एव......

नायकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्चना

### नारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देण मं० 151/दिसम्बर, 84--अतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज

बामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्लाट सं 3278, अण्णा नगर. (नड्डबक्तरे गांव) है तथा जो मद्राम में स्थित है मद्राम (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण का से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० अहर० श्री० अण्णा नगर (दस्तविज सं 4185,84) र जिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के कश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ते यह विक्वास

करने का कारण है कि यथापृष्ठिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पावा गया प्रतिफल निम्निलिशित उद्देश्य से उन्त कर्ण लिश्व में वास्तविक स्व से क्षिथल नहीं किया गया है हिन्स

- (क) बन्सरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जीवनियम के बधीन कर दोने के बन्करक कें बाजिस्त में क्यों करने वा उक्क बच्चे में बृत्यिया
- (अ) एंसी किसी बाय या किसी थन या बस्य बास्तियों की बिन्हों भारतीय बाय-कर बीधनियम, 1922 (४७2.2 का 11) या उक्त अधिनियम, या यन-कार अधित्यम, 1957 (1957 का 27) की स्योजनार्थ अन्तरिती इंतारा प्रकट महीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में अविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार 🗥 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रीमती बिखी बाई।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला झावर।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्परित के वर्षन के क्यू कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्मृति, के वर्षन् के तंत्रंथ में कोई भी नाक्षेप्ः---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय तै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी वनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरां के पास निकित में किए वा स्केंगे।

स्यच्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विवा गया है।

### मनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण-प्लाट सं० 3278, श्रण्णा नगर (नड्अक्सरे गांव) मद्रास ।

एस० आर० ग्रो० अण्णा भगर (दस्तावेज सं० 4185 $_{\parallel}$ 84) ।

के० वेणुगोपाल राज् सक्षम प्राधकारी सहायक अ।यकर अ.युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

न(रीख: 31--7-1985

भक्ष्य माद्या, ठी. एन. एस<sub>.----</sub>

# श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकाडु

# कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक) अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 16 ज्लाई 1985

निदेश सं० 152 दिसम्बर, 1984——अतः मुझे, के० वैणुगोपाल राज्

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन मक्षम प्रशिवकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर :जसकी सं० 10 III कास स्ट्रीट ईस्ट मेनाई नगर, मद्रास-30 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावड़ अनुपूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णानगर (दस्तावेज सं० 4149/84) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गंप प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में सास्तियक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-आंशिनियम के अधीन ंद इन क अन्तरक क दाधित्व में कमी करने या तमले दशने में सुविधा के लिए; बीर्/मा
- (9) एसी किसी अब या किसी पन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 राष्ट्रिय का 11) या उन्त अधिनियम, हा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रशासनार्थ बन्तीयिही उत्तर प्रका हिंग किस स्था या किया जाना चरिहर् था, दिणाने में मुविधर के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखता व्यक्तयों, अर्थात् :--28-236GI/85

(1) श्री के० स्वामीनाथन।

(अन्तरक)

(2) डा० एस० बालसुक्रमनियम ।

(अन्तारती)

को यह स्वना जारी करके वृत्रोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के अजेन के मर्बंग में कोई भी गाओंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की बर्वांध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, हो भीतर पूर्वोदस व्यक्तियों को से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर शम्भीते में अध्यान, के किसी अन्य व्यक्ति व ताल अध्यान शक्ष्यां गी. १८८ (सांसित में बिल्जा सके में

स्वाद्धीकरणाः---इममी प्राप्तत शब्दों तीर परी ता. ती १६ जिथिनियम को अभाग 20-का को प्रत्यसमार **ही, वहीं अर्थ होगा जो** उस अभागा मी दिया भ्या है।

### अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-- सं० 10, III क्रास स्ट्रीट, ईस्ट णेन।ई नगर , मड़ास-30 । (दस्तविज सं० 4149/50)।

> के० वेणूगोपाल राज् मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 महाम

नारीख: 16-7-1985

- मोहर 🖫

म्हप् बाइं .डो .एन् .एस् . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

### धारत हरकाड

# कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनाँक 5 श्रगस्त 1585

निदेश सं० 164/दिशम्बर/84—श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसको सं० 123, मन्नारसामी कोइल स्ट्रीट, रायपुरम, मद्रास-13 है, तथा जो मद्रास-13 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूचो में स्रौर पूर्गरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, रायपुरम लेख सं० 1955/84 में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वों कत् संपत्ति के जियत बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित को नाम्वीविक रूप से किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर रोने के असारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एंसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया

बतः व्या, उक्त विधिवयम की धारा 269-वृ के वनुसर्थ थी, मी उक्त अधिनियम को धारा 269-व की स्पथारा (1) के अधीन जिम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थोत् :—

(1) श्रीमति एम० ए० सैयद मीरा श्रार्चा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० एम० एन० ग्रन्वर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त शम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बबिध, को भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राष्ट्रण में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर ठक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के गढ़ निवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ हागा, वो उस अध्याय में विका प्या है।

**ग्र**नुसूची

भूमि ग्रौर मकान---सं० 123, म-नारसामी कोइल स्ट्रीट, रायपुरम, मद्रास-13।

(एस॰ग्रार॰ग्रो॰ रायपुरम--लेख सं॰ 1955/84) ।

के • वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रें ज-I, सद्रास

ताराख: 5-8-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 5 अगस्त 1985

निदेश सं ० 153/दिसम्बर/84— श्रतः मुझे, के० वेणुनोपाल राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 2758, श्रीरंजर श्रण्णा नगर है, तथा जो श्रण्णानगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रण्णा-नगर (दस० सं० 4092/84) में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर,

को पूर्णीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

, अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीबी० जी० केसरी।

(ग्रन्तरक)

(2) डाक्टर सी० एन० राजगोपालन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिरां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि ग्रौर ग्रपूर्ण मकान---- स्लाट सं० 2758, ग्ररिजर ग्रण्णा नगर ।

(एस०म्रार०म्रो० म्रण्णा नगर---दम० सं०४० १२/८४)।

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रें ज-I, मद्रास

तारीख: 5-8-1985

प्रश्य गार्दः टी. एव. एख . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

शास्त्र सरण्डार

भार्यालय, महायक मायक र आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्राम, दिनाँक 5 श्रगस्त 1985

निदेश सं० 3/दिसम्बर/84—श्रतः सुझे, के० वेणुगोपाल राज्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4) (जिसं इसमें क्यकं प्रचान उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

द्यार जिनकी सं 17, जलगप्प मैस्त्री स्ट्रीट, चिन्ताद्विपेट, मद्रास 2 है तथा जो मद्रास 2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में जीर पूर्णस्प में विणित है) रिजम्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पिर्यमेट (दस० य० 1299/84) में रिजम्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्तीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि पथापूर्याक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके उध्यमान प्रतिफल को पन्तह प्रतिकत का पन्तह प्रतिशत से अधिक ही और बन्तरक (बन्तरकों) और कर्जरिती (असीरिटियों) के बीच एसे बंतरण के जिए तथ पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अंतरण निम्नलिखित में भास्टिकिक रूप से क्यान नहीं किया बना है :---

- (क) बरहाय स हाही किसी आयु को बाबत, उक्स रोधरायक के जनारक के बस्तरक के बरियत्व मा किसी करने या उसस बचने में सुरवधा र १८११ और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या गानका गीमिनियम, 1937 (1937 का 27) की प्रश्लेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जनति जा हा हिए था, गुजार कर नहीं किया गया था या किया जनति है।

कताः अब उक्त अधिनियम का भारा २६०-ग के अनुसरण मा, भी, सन्त अधिनियम की भारा २६९-व को उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रोनित डो० रत्ना बाई श्रीर अन्यों।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एल० करूणाकरन।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके प्रबंधित संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

रुपत राम्पति के अर्जन के हवंश मी कांग्र भी मानेप :---

- (क) इस स्वता के राजपव पो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वदीश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तासील से 30 दिन की व्यक्तियों पर स्वता की तासील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अवारित बाद मो समाप्त हाती हो, जो भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों भी राजित है कि मी प्रकार द्वारण:
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्थि से 45 वित्र की शिता की शिता का स्पानी निष्यति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षारी के पास जिसित मी किए जा सकती।

स्य क्षोकरणः ----इसम् प्रभूकः भाषी और पदी का, जो उक्त अभिनियम, ने समाय १० का में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना को लग्न अध्याद में दिया तर हैं।

**THE** 

भूमि ग्रीर सकान---सं० 17, उलगप्प मैस्त्री स्ट्रीट, चिन्ता-द्रिपेट, मद्रास 2।

(एम० ग्रार० पो० पेरियमेट--- दस० सं० 1299/84) ।

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-I, मद्रास

तारीख: 5-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांल 5 अगम्ट 1985

निर्देश मं० 162/दिसम्भव/1984—अलः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का (3) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रशिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ब्रॉर जिनकी सं० 46 है तथा जो स्पामीलाई का स्ट्रीट, चिन्ता द्रिपेट, मद्रास-2 में स्थित हैं (ब्रॉर इसरे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रॉर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजर्म्हीलर्सा अधिकारी के वार्यालय पूर्ण स्पास नेन्द्रक (दसरु सं० 1189/81) में रिजर्म्द्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर

कां प्वांक्स सम्भत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह बिश्वास करने का कारण है कि यथा प्वांक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से अध्यक्ष पत्त्रह प्रतिदात से अध्यक्ष अपेर अंतरिता (अंतरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के स्थए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, भे उद्भाविधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) को कारीन निक्निचित्रक व्यक्तियों। अर्थात् :---

- (1) श्री जी० एस० साराययस नाडार फ्रांर दूसरे (अन्सरक)
- (2) श्रीमती ए० एम० एस० सैयङ् अमात **खा**दिरियार (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मृचना के राजपत्र मों प्रकादःन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित ही, वही अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### मन्स्चर

भूमि अर मजान-46, स्वामिनाईकन स्ट्रीट, चिन्ताद्विपेट मद्रास-2 (एस० आर० श्रो० मद्रास सेन्ट्रल-इस० सं० 1189/ 84)

> के० वेणुगोनाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण); अर्जन रेंज–I, मद्रास

दिनांक: 5~8-198**5** 

मोहर 🖫

वक्त नाइ. टी. हन्. एत.] ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अधीन गुमान

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक सायकर सायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 8 अगस्तः 1985

निर्देश सं० 8/दिपम्बर/84/मदुरं/ए---अतः मुझे, के० वेणु- गोपाल राजू,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राभिकारों को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित काजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

द्यार जिसकी मं० प्लाट मं० 4, जाए० एस० सं० 15/9 है तथा जो मतिगरी गांव, महुरै उत्तर, महुरै में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का में विगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिलयाकुलम, महुरै देश सं० 4209/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिलांक 3 दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अपरण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का कन्त्रह प्रविश्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया अतिफल, निम्नितिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित मो भारतीयक स्थ में क्रीयत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वी दायित्व में कभी अपने मा उससे बचन में बृविधा अ 'लय; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, ्रांत्ः— (1) श्रीमती एस० वन्द्रा

(अहारक)

(2) श्री एम० चेट्टियप्द चेट्टियार

(अन्तरिती)

का यह सूचना भारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्विध्यों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (व) इस बूचना के राज्यन में प्रकारत की तारीय थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बच्च किसी बन्य म्यानित स्वारा, अभोइस्ताक्षरी के पास निविध्य में किए का सकोंने ।

स्वस्वीक रण: ---इसमें अयुक्त अन्वां और पर्धों का, जो उक्त अधिन नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहा अर्थ होंगा. जो उस मध्याय में दिया गया ही।

श्रन्सूची

प्लाप्ट सं० 4, आर० एस० सं० 15/9, मात्रगिरी गांव मदुरै, उत्तर, मदुरै (दस सं० 4209/84)

> के० वेणुगोनाल राजू, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जेत रेंज, मदुरै

दिनांक: 8-8-1985

प्रारूप आर्ड .टी .एन .एस . . . . . . . .

(1) श्रीमती एस० चन्द्रा

(अन्दर्क)

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० चेट्टियप्प चेट्टियार

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्जाः रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० 8-बी/दिसम्बर/84/मदुरै--अतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह शिकास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० प्लाट मं० 4, आप० एस० मं० 15/9 है तथा जो मंतिगरी गांव, मदुरें उत्तर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विभिन्न है), जिल्ह्री स्वी अधिकारी के कार्यालय, तिलयाकुलम, मदुरें (दम मं० 4212/84) में भारतीय रजिस्ट्री तरण अधिनियम, 1908 (1908 धा 16) के अधीन, दिनां रु 3 दिसम्बर 1984)

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान स्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उजित बाजार मूक्य, उत्तक व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का पत्रक प्रतिकत से मिथक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तब पाया पया प्रतिफल, निम्नलितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिल को बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है हुन्न

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससंबचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी भाग वा किसी भन वा कस्य कारिताओं को, जिन्हीं भारतीय सायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त काभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस नुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्योक्त्यों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की बविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी न्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकापन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाप्ट सं० 4, आर० एस० सं० 15/9, मतिगरी गांव महुरै उत्तर (दस० सं० 4212/84)

के० वेणुगोपाल राजू, सक्षम प्राधिकारी गृहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

कार अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-न के अनुसूर, को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ध्वे अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अधार्त:—

दिनांक: 8-8-1985

प्रक्ष बाइ .टी. एन. एस . -----

(1) श्रीमती एत० मुबलक्ष्मी

(अन्तर्क)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १८७ म (१) में गंधीन गुचना

(2) श्रीमती पी० ए० मीना

(अनः रिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जात रेंज, मदूरी

मदुरै, दिशांक 8 अ त 1985

तिर्देश मं० 9/दिसम्बर/84/मदुरै—–अतः मुझे, २० वेणुगोपाल राज्

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्मति, जिसका उचित वाजार मूला 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी गं टी एम एस सं 87417 है तथा जो महुरें में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विगः है), रिजस्ट्री हर्ना अधिकारी के कार्यालय, एस आर श्री , राज्याकुलम (दस्य सं 4278/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिवांक दिसम्बर 1984,

को पूर्वक्ति सम्पत्ति से उ**स्ति बाबार मृत्य से कम कै दश्यमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ह<sup>े</sup> और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उभके रूथ्यमान प्रतिफल सो, एसे रूथ्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीब एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, निम्तितिकत उद्देश्य से उसन अन्तरण स्विकृत में बास्तिक स्था में कासत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाय की बाबत उक्त अधि-निवस के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बनने में स्विशा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों कार, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा अना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिएड्रा

को यह मुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित कं अर्थन, को लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस स्वान के राज्या में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बर्ध व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत अविवरण के अविध विकास कराता।
- (क) धन मुल्ला के राज्य में प्रकारण की नारीक के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-क्ष्म किम्ने अन्य न्यांक्स व्यास अमहस्ताकरी की पाम निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारणः ---- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक किश्वित्यम की अध्यास 20-का मी प्रशिक्षाणिक ही, नहीं कर्ष झोगा जरे सम् काष्ट्राण में निकास गमा ही।

### बन्स्ची

भूमि—टी० एस० सं० 87417, उई सं० 4441 एरिया  $50 \times 24$ , तल्लाकुलम, मदुरै

के० बेणुगीपाल राजू, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

हत: गर्गा, तकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, तकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्तिखित स्पिकतियों, अर्थात :---

दिनांक: 8-8-1985

मोहर ः

प्ररूप बार्ड .टी. एन. एस. -----

(1) श्री गी०राजू

(अट.ए.३)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीके० आरमुवम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज**, मदुरै** मदुरै, दिनांक 8 अगस्त 1985

िर्देश सं० 10/दिसम्बर/84/मदुरै——५ $\kappa$ : मुझे, के० वेणु-गेंगाल राज्

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

र्मार जिसकी संग्रान्थ संग्रान्थ । 63 है तथा जो केंग्र वेग्र नगर, मार्र में िथत है (ब्रार इसमें उपाबद्ध उनुष्मी में ब्रार पूर्ण का में विणा है), रिजिन्द्री उत्ती अधिकारी के भाषीत्म, एसंग्र औरंग्र ब्रोल, रिलाकुल्म (दसंग्र संग्र 4256/84) में भा तीय रिजिद्दी गण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की सायखंसे 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यांतरा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर स्थावर सम्बन्ति में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के जध्याय 20 का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मूमि एस० सं० 163, प्लाय सं० 365, के० के० वगर. मब्रै ।

> के० प्रमुत्ते तात पाजू, सक्षम प्राधिकारी, महाय ह आयंकर लातुक्त (गिरीक्षम), अगन रॅंड, मयुरै

दिनां ह : 8-8-1935

माहर ३

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

## वारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनौं 🖯 8 श्रगस्त 1985

िर्देश सं० 11/दि म्ब /84/मदुरै—प्रतः मुझे, के० वेणु-गोताल राजू,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बृह्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भीर जिसको सं० प्लाट सं० 12, श्रार० एउ० सं० 49/2 बी भीर 49/3 है तथा जो माणिरा गाँव महुरै उत्तर, महुरै में स्थित है (श्रीर इ.से उपात्रक श्रन्थूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री इत्ती श्रीध तरों के कार्यालय, तल्ला नुलम महुरै (दा सं० 4258/84) में सारत य रिजट्र करण श्रीधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, दिनौक दिएमबर 1984

को पर्नाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वसास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अव्हरण में उचत अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मंक्रमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यों, जिन्हों भारतीय द्यायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

नतः नव, उकतं विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में में, उकतं अधिनियमं की धारा 260-मं की उपधारा (१) में अधीन, निम्मिनियक स्विक्तियों, नर्धात् ;

- (1) श्रामता डा० जिल्लामाल ग्रार कत्मगा ग्रान्मात (ग्रान्तररु)
- (2) श्री एउ० राठी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## जनत तंपति के अजर्भन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौक से 45 दिन की अवृधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्थळीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मग्स्ची

प्लाट सं० 12 मार० एम० सं० 49/2वी मीर 49/3, मनगिरा गाँव, मदुरै उत्तर, मदुरै (इस० सं० 4258/84) ।

> के० वेणुगोपाल राजू, सक्षम प्राधि ारो, सहायक भायकर श्रायुक्त (िर क्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

वित्तीक: 8-8-1985

मीहर:

## त्ररूप वार्ड. टी. इत. इस. ------

बाय कर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्पासय, सङ्घारक भारकर बाब्बत (मिरीक्शक) यजे रेंज, मदुरै

मदुरै, रिनौष 8 प्रगण्त 1985

निर्वेण संव 12/विजयम्बर/84/महुरै—— प्रातः मुझे, केव बेणुगोजल राज्

कावकर अधिनिजय, 1961 (1961 का 43) (विजे इक कि इस पण्याद 'उक्त अधितिया' कहा बना ही, की धाका 269-व को अधीन सक्तन शाधिकारी को वह विकास कारने का कारण है कि स्थानर सम्बन्धि, विज्ञान शिकत बाजार सूच्या 1,00,000/- रा. से स्थानर है

भौर ि को मं० प्लाट सं० 7, श्रार० एउ० 49/2 बी, है तथा जो, मागिरो गाँव, सदुरैं उत्तर में ध्थित है (श्रौर इ.उसे उताबद सनुप्तों में श्रौर पूर्ण रूप से विगत है), रिनिन्द्र ति श्रधिकारों के कार्यालय, नल्ला एलम में भारत य रिस्ट्राउरण श्रधियम, 1903 (1906 वा 16) के श्रधान, दिनौं न 7 दि स्वर 1984

को वर्षांक्त रूमित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करा का कारण है कि उधापबोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रह्यमान प्रतिफल से, एसे रह्यमान प्रतिफल का पन्देह प्रतिष्ठ से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अल्फल, निम्नोलांकत उद्देश्य से उक्त जन्तरण निर्माल के वास्तिक रूप से कार्या गया है:——

- (क) मन्तरक से हुई किसी बाद की बाबत, उक्त ब्रीध-नियम के अधीन कर दन के बतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रीट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 कतः जबः, जकर अधिनियमं की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मी, उक्त विधिनयमं की धारा 269-घ को उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- (1) श्रामतः उत्ति जिन्तम्माल ग्रार श्रा बाव वाव टाव वेल्लायम ग्रांचलमा, पावर एजेंट--श्रामता कामगो ग्रम्माल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतः भार० इन्द्राणी

(मन्तर्रातः)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कावजाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--- हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

## लन्स् भी

प्लाट सं० 7, घार० एउ० सं० 49/2को, मनगिरी गांव मदुरै उत्तर लातूह, मदुरै (वन सं० 4259/84)

> के० वेणुगोपाल राजू, सक्षम प्राधि .ारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण), श्रजंन रेंज, मद्दै

विनौक: 8-8-1985

मो ऱर:

प्रकप नाइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) प्रजीन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 8 मगस्त 1985

िर्देश सं० 15दि  $\mathbb{P}$ वर/84/मदुरै—-श्र $\mathbb{P}$ : मुझे, के० वेणुगीपाल राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
श्रीर जिन्नों संब टी एनंब संव 77 है तथा जो महुरै में
स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद श्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रून में
वर्णित है), रजिस्ट्रा तो श्रीधारा के कार्यालय, एनव श्रारव श्रीव तल्लाकुलम दा संव 4274/84 में भारताय जिस्ट्राकरण श्रीवियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, जिनौत दिनम्बर 1984,

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि. यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, ऐसे क्षयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अंशरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए. था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रामता ए क कमल महेम्बरा

(अन्तरक)

(2) श्री धनशैकरन्

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवा। हयां करता हूं।

ज़क्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगी।

स्पक्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, उन्ने अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुस्यी

म नान-टी० एस० सं० 77, तल्ला मुनम, मद्रै ।

के० वेगुगो एक ज ाका प्राधिकारी सहायक श्राय घर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रौ

विरोक: 8-8-1985

प्रकार बार . टा . एत . एव . ----

भाषकर सीधीनवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

#### नारत शरकार

कार्यालय, सहायक बाधकर बाय्क्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनौंक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 16/विसम्बर/84/मयु $^{3}$ ——श्रतः मुझे, के० बेणुगोपाल राजू,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आवरण है कि स्थाधर सम्बद्धित, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जितका सं० श्रार० एल० सं० 82/6 श्रीर 7 है तथा जो सादमंगलम, मदुरे में स्थित है (श्रीर इ.से उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिलस्ट्रकर्ती श्रीध ारा के कार्यालय, एस० श्रार० श्री० तल्लाकुणम (दत्त० सं० 4305/84) में भारताय रिलस्ट्रकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिनाँक विसम्बर 1984,

की बुबानत सम्पारत के डांचत बाचार मृत्य से कम के क्रममान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मृभे यह निश्मत करन का कारण है कि समाप्नाकत सपरित का उपनत बाजार मृत्य, उसके क्रममान प्रतिकल स, एस क्रममान प्रतिकल का पद्म प्रतिकत स अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिवित उद्वक्ष से उसत अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप सं कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त बाधानयम के बधान कर दान के अंतरक की दायित्व में कभी करने या उसने बचने में स्विधा कासए, बार/बा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आसितां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना जाहिए था, जिनान में सुविधा की जिल्हें।

बातः भव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग को अनुसरण बाँ, माँ, उक्त विधिनियमं की धारा 269-म की अपधारा (1) को बधीन, निम्निनिवार व्यक्तियों, अर्थात अ—— (1) श्रामतः तार्गभगाल श्रानाज

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० एस० सबिया कीवी

(श्रन्सर्तिः)

को बहु सुषंमा धारी करके पूर्वोक्त सर्व्यास्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उ—

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींचा से 45 दिन की व्यक्ति या तत्मवधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनाए;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनपुर किमी सन्य स्थानत द्वारा, सधाहरताक्षरी क अनि सिचित में किए या सकीये।

ज्याकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदी का, वा उक्षण कांधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया स्था ही।

# अनुस्**ची**

भूमि भौर महान——आर० एत० सं० 82/6 भौर 7 प्लाट सं० 394——एरिया 1000 एत० एह० टा०——तातनंगलम, मदुरै।

> कें० वेगुगोपाल राजू, संदास प्राक्षि ारी सहायक ग्रायकर ग्रायुका (दि:क्षण) ग्रर्जन रेंज, सदुरै

िर्मांक: 8-8-1985

मोह्नर:

प्रकष वार्'.टो. १व . एव ु-==--=

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के ब्भीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्पालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, िनौंक 8 श्चगरा 1985 निर्देश सं० 17/ि∉सम्बर/84—श्वतः मुझे, के० वेण्गोपाल राज्,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इतके इसके पत्र्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नानार भूज्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसको सं व्यार ए ए १० सं ० 7 छ / ४ व । है तथा जो महुरैं में रिथल है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रिस्ट्रिं ती स्रिधितारा के कार्यालय, एस० स्रार० स्रो० तत्लाकुलम (दन० सं० 4337/84) में भारतं यरिस्ट्रें जरण स्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधान, दिनौक पिसम्बर 1984,

का प्रांक्त सम्पाल के उचित नाजार मृत्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुझे वह विश्वास कारन का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रति प्रांत्यत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब वाबा वबा प्रतिफल, निम्नाभिवित उद्वेषम ने उच्छ वन्तरण विश्विच वे वास्तिक रूप से कचित नहीं किया नवा हैं:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बावस, क्ष्मस् सभिनियस से सभीन कर दोने के बन्तरक बे शांयत्व में कमी करने वा उन्नते सभने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (व) ऐसी किसी बाव वा किसी पन वा सम्ब सारितकों का, जिन्ह भारतीय बाव-जर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर विभिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गण था था किया जाना चाहियेथा. किया निवा कृतिभा के सिष्ट;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण भो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के बभीन, निम्निसिंगल व्यक्तियों गर्माल ४--- (1) श्रोमतः मार्शन राजम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० जफरूल्ला

(भ्रन्ति)

भी बहु सूचना चारी करके पृश्चोंकत सम्पृतित के अवंत के लिख्य कायवाहिया करता हो ।

## क्षका कर्माता के वर्षन के बस्तर में कोई मी बाक्षेत्र--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनकि वा तस्कान्त्रन्थी अवस्तिकों वर्ष कृषना की तामील से 30 दिन की जनकि, जो भी जनकि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर प्रान्त व्याक्तव्यों में से किसी स्थानित ब्याराप्त
- (ब) इंड स्वाना के रावपत्र में त्रकाशन की तारीब बें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य क्यक्ति इंगरा नथाहस्ताक्षरी के याब सिवित में किए वा सकीगे।

रुप्कतिकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बंधीर पदों का, जा उक्त जोभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वही जर्थहोगा को उस जध्याय में दिया भवा हैं औ

## त्रनुसू**ची**

भूमि श्रौर मकान श्रार० एउ० सं० 76/4 वी 1, तल्लाकुलम, मदुरै।

कि० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधि ारा सहायक द्यायकर द्रायुक्त (िरक्षण) प्रजैन रेंज, महुरै

धिनौक: 8-8-1985

माइंड 🛎

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मव्

मदुरै, दिनाँक 7 श्रगरत 1985

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

सौर जिसको सं० टी० एउ० 732/1 है तथा जो विण्डुगल में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विगत है), रजिन्द्र इसी अधिकारों के कार्यालय, एस० आर० और० विण्डुगल दस० सं० 2089/84 में भारत या किन्द्र करण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृज्य, उतके ध्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिप्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाना गया प्रात्फल, निम्नोलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित में अस्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक क दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, ख्रियाने वें सुविधा के लिए;

क्त: बब,, उक्त बिधिनयम की धारा 269-य के अनगरण में, में, जन्त बीधिनयम की भारा 269-य की उपध्रश (।) के अधीन, जन्मिलिकित व्यक्तियों, बर्धीत :---- (1) श्री सारव वेल् अमी

(भन्तरक)

(2) श्रीमतः वेम्बु अम्माल

(श्रन्तरितो)

को मह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के निष् कायवाहिया करता हु।

बन्द सम्मति के वृजन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिय से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी बन्य व्यक्ति देवारा, अधाहम्ताक्षरी के पास निश्चित में किये वा सकेंगे।

स्पूर्ण अप अप अप कर करों और पदों का, को उकर क्रांचिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हो, वहीं नर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिश ग्या है।

## अन्स्ची

भूमि भ्रोर मकान टी॰ एस॰ सं॰ 732/1, दिण्डुगल, महुरै।

तेः वेपुगोरान राजू, सक्षन प्राधि गरी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निर'क्षण), प्रजीत रेंज, मध्रै

दिन<sup>\*</sup>कः 7-8-1985

मीहर:

## प्रथम नार्केट दी. एक हर्म हरू हर न उत्तर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

#### मारत करकार

कार्यालय, सहावक बायकर नायकत (निरीक्षण)

ग्रजोत रेंज, महुरै मदुरै, दिनाँक 8 श्रगण्त 1985

निर्देण सं० 44/दितम्बर/84--श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू

मायकर अभितिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उन्त अधितिसम' कहा गया हो), की भाव 269-ख के सधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह तिश्वास करने का शारण है कि स्थायर सम्बक्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जितकी सं० छोर सं० 6/54 है तथा जो मोलबन्धान मदुरें में स्थित हैं (श्रीर इनसे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से बाँगा है), रिजिन्द्री हसी अधि तरों के कार्यातय, एन० ग्रार० ग्री० मोलबन्तान दत्र० सं० 1795/84 में भारत य रिजिट्टा हरण श्रीविधन, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिशीक दिसम्बर 1984।

का पर्योक्त संपत्ति के संचित बाजार बृह्य से कम के इस्थमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि संभापबाँक्त संपत्ति का उचित बाजार बन्स, उसके देश्यमान प्रतिकास से एते देश्यमान प्रतिफल का पन्दह इतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पासा गया इतिफल, निम्नलिखित उद्यक्ति से उसत. अन्तरण निचित्त भें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने से उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती क्यारा किस नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, । छपान में स्निभा के लिए।

बतः वब, उक्त विधिनियम की धारः 269-भ के वक्तरण वं, में उक्त वोधोनयम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के वधीन, निम्मीसिश्वतः व्यक्तिश्वातः, कथान् :---- (1) श्री रामः वामः राजा

(झन्तरक)

(2) श्री एस० मेकर

(भ्रन्तरिती)

ारे यह स्थाना कारी करके प्रवेषित संपत्ति के अर्थन के सिए ाम्यानाहिया करता हुए।

## धनत सम्बद्धि के वर्षन के संबंध में कोई भी शाक्षंप हुन्न

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भा अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विविक्त में किए जा सकेंगे।

स्पंध्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, भा उन्ह शांधानत, क तथ्याय 20-क में पीरशाधित हाँ, वहीं वर्ध होगा को उस नथ्याय में दिया ग्या है।

## अनुसुपी

रेत मिल म हात डीर सं० 6/54--एरिया 50 रेX---79/1/2 शोलवन्यात ।

> कें विगुगोताल राजू सभन प्राधि हारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरक्षण) श्रजन रेंज, मकुर

विमोक: 8-8-1985

श्रुवय कार्यः, द्वीः, **एव**ः **एव**ः,-------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### शास्त्र सुरकात्र

## कार्यासय, सहायक भायकार व्यवस्था (विरोक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० 45/दिसम्बर/84—श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्

बायकर मिश्तिमम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसमें इसमें प्रकार प्रकार निर्मान क्या प्रमा हाँ), की भारा 269-व के मधीन सभाव प्राधिकारों की वह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवत नाणार मूक्य 1,00000/- रा. से मधिक हाँ

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 6/50 हैं तथा जो शोलावन्धान में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबछ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिस है), रजिस्ट्रोफर्ता ग्रिश्चि हारों के कार्यालय, एस० श्रार० श्रो० शोलावन्दान दम० सं० 1795/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाँक दिसम्बर

को पूर्वोवस सम्पत्ति के उन्तित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रपिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गवा प्रतिफन, निम्मतिबित उद्वेदया से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी अध का किसी अभ वा अध्य वास्तिकों कर प्रिन्हों भागतीय अध्य-कर विभिनियन, 1922 (1922 का 11) या उनता व्यक्तितिवस, वा अनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अक्रोबनार्स जनतिर्दी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया कर या किया अध्या काशिए था, क्रियान में व्यक्ति के लिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीम, निम्नतिकिल व्यक्तियों, अधीत — 30—236GI/85 (1) श्री रामस्वामी राजा

(भ्रन्तरक

(2) श्रीमनी एस० सुषीला

(अन्तरिती)

को यह सूचका कारी करके प्रशेवित संपरित के अर्थन के लिए कार्यवादियां करता हैं।

एकत सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप:---

- (क) इस त्या के राज्यन में प्रकाशन की तार्रीय हैं
  45 दिन की सर्वीय का सरकान्त्री व्यक्तियों पर
  ब्या की वाबील से 30 दिन की सर्वात, वो भी
  वर्षा काद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित
  व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति स्वारा
- (व) इस तृत्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिव के मीतर उक्त स्थावर सम्मास्त में हितकपृथ किसी जन्य मानित इवारा अभोहस्ताझड़ी की शास निवाद में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उससे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

भूमि ग्रीर मकान—डोर सं० 6/50 एरिया  $32/1/2 \times 115/1/2 \times 56/1/2 \times 5$  शोलवन्दान मदुरै ।

के० वेणुगोपाल राजू, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुवद (विरीक्षण) प्रजीत रेंज, मदुर

दिनौक: 8-8-1985

प्रकथ आई. डी. एन. एस. -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० 51/दिसम्बर/84--श्रतः मुझे, कें० वेणुगोपाल राज्,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर तस्मित, जितका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एस० सं० 764/1 है तथा जो कुलवणिकर-पुरम, पालयमकोट्टै में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रन्स्चि। में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिवारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्री० मेलपालयम (दस० सं० नहीं/ए० सं० 221, 224, 225, 227, 228 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक दिसम्बर 1984।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यकान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरले का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पामा गया प्रतिकल, निम्नोसिचत उद्वोदय से उक्त अन्तरण विचित्त में बास्तविक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्व में कभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अन, उक्त श्रीधीनमम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप्र्यास (;) को अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री श्रालम मेहम्मद भनीफा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० मैरवेल सौरिमुत्तू

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्मत्ति के वर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 हिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्म व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में से किए जा सकेंगे।

स्मक्षीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियस, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया रथा है।

## **श्रनुसूची**

भूमि--एस० सं० 764/1 एरिया 350 मेन्टम, कुलबणिकर-पुरम, मेलपालयम ।

> कें० वेणुगोनाल राजू मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मकुरी

दिनांक: **8-8-**1985

प्रकप कार्च ही दुन पुरा ------

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रे

मदुरे, दिनाँक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० 55/दिसम्बर् $\sqrt{84}$ —~ग्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विह्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भ्रौर जिसकी सं एस एस रें 73/1, है तथा जो मनिगरी गाँव महुरै में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रॉर पूण रूप में बिणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एस श्रीपर बोठ, तल्लाकुलम दस र सं 4/85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक दिसम्बर 1984।

को पूर्वोवत संपत्त के उभित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबक, उक्त जिल्लीनयम के अभीन कर येने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) वे अधीन, निस्नलिखित अविकायों, अभीत्:—— (1) श्री एम० ए त० प्रेमनाथन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बी० ऊपा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया हैं।

#### श्रगुमूची

भूमि—एम० सं० 73/1 एरिया—9 सेंटम 327 एस॰ एफ० टी० मनगिरी गाँव, मदुरै तालुक ।

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

दिनाँक: 8-8-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनाँक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 56/दिसम्बर/84/मदुरैं---श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

कायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि—श्रार० एस० सं० 7/12बी है, तथा जो मनगिरी गाँव, मदुरै उत्तर मदुरै में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नल्लाकुलम मदुरै (दस० सं० 25/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक 4 जनवरी 1985,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विद्वास करने का नारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :— (1) श्रीमती एस० ललिता

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सौन्द्रम्माल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध विश्वति अना वालिए द्वारा अलोहरूवाक्षरी के पास जिब्दा मों किए जा सकरें।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, क्षेत्रध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

## अनुसूधी

भूमि—स्प्रार० एस० सं० 7/12बी—सनगिरी गाँव,मबुरै उत्तर, मदुरै (दस० सं० 25/85)

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, मदुरै

दिनौंक: 8-8-1985

प्ररूप आहू .टी.एन.एस. -----

आयकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

# कार्यालव, सहायक जायकर नायक्त (निर्धिका)

ग्रर्जन रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनाँक 8 अगस्त 19 85

निर्देश सं० 57/दिसम्बर/84--श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

भौर जिसकी सं श्रार एस । सं । 172/2 है तथा जो मदुरें स्थित है (और इससे उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिम्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, एस । श्रार । श्री । तल्लाकुलम दम सं । 26/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक दिसम्बर 1984 ।

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ध और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थाप्वाकत संगति तथा उन्हें कर विश्वास करने स्थान ही कि स्थाप्वाकत संगति तथा उन्हें कर विश्वास का पत्त्रह शितात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पावा पवा प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेश्य से उचत अन्तरण शिक्ति में वास्तविक रूप से कथिया नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से सुर्व किसी आय की बायत, उक्त सिंध-साँभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के सियस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए: साँर/सा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य बास्तियों को, खिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
  प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
  था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा
  के लिए !

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारः (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अधीन:——

(1) श्री एम० ए० सुब्बुसामी

(भन्तरक)

(2) श्रीमती मीनाल

(ग्रन्तरिती)

को बहु सृष्मा **पारी करके पूर्वीक्त** सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अंदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा;
- (व) इस स्वना के एजपक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में दितवदृष् किसी बृत्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि—-ग्रार० एम० सं<br/>० 172/2, एरिया 60 सेन्टम तल्लाकुलम, मदुरै

कें० वंणुगोपाल राजू मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

विनाँक: 8-8-1985

त्ररूप नाह्र . टी. एन . एत . -----

बायकर मिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को सभीन सुचना

#### WITE CHARLE

## कार्यासम्, सहायक बावकरु सायुक्त (चित्रीकाण)

ग्रर्जन रेंज, मबुरै

मदुरै, दिनाँक 7 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० 59/दिसम्बर/84—-श्रनः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्

सायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसमें इसमें प्रमात् 'उन्न मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्रमुक्तारों को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजाव मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी मं इंटिंग्स एउं सं 3686 है तथा जो पुदुकों है में स्थित है (आँर अससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जे इएम आर-1 पुदुकों है (दस सं 3138/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधि नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाधार मूक्य से बाज के कालका प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है बीर बुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायुकेंक्स सम्पत्ति का अध्याप कारण सून्य, इसके ध्रवमान प्रतिकाल है, एसे अवमान प्रतिकास का पंदह प्रतिशत से अधिक है और जंतरफ (अंवरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिबित उब्बेध्य से उक्स अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की शासका, समझ सीपीयचा में स्पीत कर दोने से संसरक में सायित्य में कभी करने या चत्तसे स्थाने में सूबिधा की जिए; जीर/या
- (व) एती किसी जाम वा किसी धन या करण वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नामकार कि धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या सा किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

वतः वन, उकत अभिनियम की भारा 269-म के बनुसरक बो, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखितः व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्री एम० शिवप्रकाशम

(भन्तरक)

(2) श्री एन० श्रब्दुल्ला

(अन्तरिती)

को यह सूचका पारी कारके पृत्रों यस सम्पत्ति को सर्वान को किए कार्यक्रतिहरूली करता हुं।

बस्य संक्रित के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेत्र:----

- (क) का पूजना से अवश्य में प्रकाश की साड़ीय में 45 दिन की वर्धीय या तत्त्वभ्याओं व्यक्तियों वर सूचमा की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी समीव बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत स्थीवता में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हां।
- (व) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकासन की तारीब के 45 दिन के मीसर उक्स स्थावर सम्प्रीस में दिसा के किस किस किस किस किस किस किस किस का सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वृधिनियम के कथ्याय 20 का में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया गुवा है।

#### नपुष्प प्री

मकान टी॰ एस॰ सं॰ 3686, एरिया 160'X161', पुरुकोई।

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

दिनाँक: 7-8-1985

मोह्य ह

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

राप कर विश्वसम्बद्धः 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत चरना

## कार्यालय, सहायक कायकर बाग्यत (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनाँक 7 श्रगरत 1985 निर्देश सं० 60/दिसम्बर/84—श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1572 श्रौर 1573 हिस्सा है तथा जो पुदुकोट्टै में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रिजम्ह्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०-1, पुदुकोट्टै दन सं० 3148/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौक दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार कृष्ण, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ खाबा गया प्रतिकात, निम्नलिखित उद्देश्य में उपन जन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किंदा गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, खबत किमिनियम के कभीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कभी करने या उत्तम वचने में जिथा के सिए; बार या/
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सविधा को लिए;

 अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1)
 अधिय । प्रस्तिकित अयिक्तयों, अधिक्रिक्तः (1) श्रीजलाल

(अन्तरक)

(2) श्री पलनी स्वामी

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना बाड़ी काइके पूर्वीक्त संपरित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविधि बाब में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुगरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहभाक्षरी के पाल सिवित में किए जा सकती।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बागीर पर्वोका, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

## नन्त्रची

भूमि और मकान—टी० एस० सं० 1572 और 1573 एरिया 100'X37', पुदुको $\vec{E}$ ।

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

दिनाँक: 7-8-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनाँक 7 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० 61/दिसम्बर/84—-म्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम!' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एस० सं० 124/10 है तथा जो पुदुकोईं में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार-1 पुदुकोईं (दश्व० सं० 3150/84) में भारतीय रजिस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाँक दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

(1) श्री ग्रलगप्पन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सिन्गमुत्तू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि श्रौर रेस मिल टी० एस० सं० 124/10--एरिया 90 सेंटस पुदुकोट्टै।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनाँक: 7-8-1985

पक्षप 'हाइ' . टा. एवं . एवं . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, महुरै,

मदुरै दिनां ह 8 अगस्त 1985

निर्दे तं० 67/दितम्बर/85:—-ग्राः पुन्ने, के० वेगुोगाल राजू, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर निक्र में संख्या टी० एप० सं० 1836 ग्रीर 1837 है, जो टिजी में स्थित है (ग्रीर इक्को उपायद प्राप्त्य में ग्रीर पूर्ण का से जिया है), प्रीर प्राक्त प्राप्ति में स्था है (ग्रीर इक्को उपायद प्राप्ति में ग्रीर पूर्ण का से जिया है), प्रीर प्राक्त प्राप्ति में कार्याला, जे० एस० ग्राप्ति नेप्राप्ति दिन में० 1817/84) में भारताय रिजिट्टा प्रण ग्रिजिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिशन, तरराख दिजम्बर, 1984 का पूर्वामत सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य स कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्दा है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसक स्थमान प्रतिकल सं, एस स्थमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल सं, एस स्थमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल सं अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बावत, उक्त बाधि-नियम के बधीन कर दन के अन्तरक क दाखिला में कमी करन या उसस बचन में सुविधा के सिए; बार/या
- (ब) एमी किसी बाय या किसी धन या बन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने बें स्विधा के लिए,

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में में उब्रत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम निम्निविद्यित व्यक्तियों, अधीत् :--- श्रा एउ० भृतुसावः अय्वरः।

(प्रन्तरह)

2. श्रोमती श्रार० विजयलक्षी।

(प्रकारिता)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## इक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवीध शह मा समाप्त हानी हो. के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दगरा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशादित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## **ग्र**्सूदी

भूमि और महान टो॰ एए॰ सं॰ 1835 और 1836 एरिया  $97 \times 15$  फुट तिरुकी

के० वेणुगोपल राज्, ृगक्षम क्राबि∴रः सहायक स्रावकर स्राह्मक (निर"क्षण स्रर्जन रेंज, मदुरै

हार् छ: 8-8-1985

HINE :

## प्रक्रम बाई.टी.एन एस.----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक वाणकर बागक्त (निरीक्षण) अर्जा रोंड, मदरै

मदुर, दिनांक 7 ग्रास्त 1985

निर्रेण पं० 70/दि एमाः,/4/1984: - श्रतः पुन्ने, के० वेणगोतास राज,

बायकर अभिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात 'जन्न अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण हैं कि स्थावक सम्पत्ति, विस्तात उचित बाजार मृख्य 1.00.000/- का से अधिक हैं

भी जिन्हों संव टीव एक संव 140 है, जो दिवीं में स्थित हैं (ती इसे उपाबद्ध अनसूत्री में भी तूर्य का में तिज्ञ हैं), रिक्ट क्ती भी धार्य के तार्याक्षण, जेव एक भारत-सी, दिवीं (ता संव 1910/84) में बार्य रिक्टिस, 1908 (1908 हा 16) के भारते हैं। दिनों दिना स्व 1984।

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इच्छमान प्रणिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विच्वास करन का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सल्म, उसके इच्छमान प्रतिफल में एमें इच्छमान प्रतिफल का पन्द्रस्थात्त्रणन में अभिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाण गमा प्रतिफल निरुत्तिकान उद्देष्य में उक्त अंतरण हिस्ति में जास्तिक रूप में किया गया है :---

- (क) जनसरण में हुड़ी किसी जाय की वावस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जनसरक औ दायित्व मां कमी करन या उसस वचन यां सुविधा के जिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी बाम या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) ता उक्त प्रश्नियम, या धन-कर या निया, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय प्रन्तारती द्वारा प्रकट नदी दिया गया वा ता किया काला चाहिए बा, जियाने में रिवधा के लिए।

अतः असं, उक्त विधिनियमं की असरा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) हो अधीन, निक्तिविक्तिक व्यक्तियों, अधीर क्रिक्त 1. श्री राजामणी ।

(प्रगारण)

2. श्री मंगीतलाल।

(प्रगरिती

की यह स्थान बारी करके प्रशिक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश्व कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त संपति के अजन क संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (५) इंड सूजना व राजपत्र में प्रकागन की नारीण में 48 वित्र का अविधि या नर्भवेची व्यक्तियों पर मुचना कं तामील से 30 वित की अवधि, जो भी सविध वाच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्त्यों में सं किसी व्यक्ति हारा;
- (च) इस मुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीण में 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर प्रम्पाल म हित्बढ़ किसी ध्रम्य व्यक्ति द्वारा, ब्रह्मोहस्ताक्षरी के पास किबात में किय जा मुकेंग ।

स्वस्ती हरण। —हमर्ने प्रयुक्त अन्तं पोर पर्यो का, जा उसन ए घ-नियम हे अह्याय 10-ह से परिवाधित है, बड़ी सर्व क्षोता, जो उस हाश्याय में दिया गया है।

## अनुपूत्री

भूमि भौर महान टो० एउ० सं० 140, ब्लाह सं० 33, वार्ड एफ० सिंदुवा।

> के० वेणुगो तलन राजू सक्षम प्रवि तरा सहाय त भाग तर आहुक्त (तिराक्षण) प्रजैत होंग, महुरै

हार्शक: ७-8-1985

ं महिर 🖰

प्ररूप शाइ . दी . एन . एस . -----

1. श्रामता श्रा धारन ।

(**प्र**ना५5)

2. श्रां(मत: एम० मुनियणः पिल्लै।

(जन्तःरेती)

का यह सूचना आरी करक पूर्वाक्त सम्मत्ति के अजन के लिए कार्यनाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सर्गगः

स्थव्हीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

भारा 269-भ (1) के अभीम सूचना

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज मदु<sup>है</sup>

मदुरै, दिलांक 7 श्रगस्त, 1985

निर्देश सं०73/दिसम्बर/84:— अतः मुझे, के बेणुगोताल राजू, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्णात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

श्रीर जिल्ला संव टाव एतव संव 18, है, जो टिर्ची में स्थित है (श्री हात जावब अनुसूची में श्री पूर्ण कार्त गणित है), रजिल्ट्रा ल्ला श्रिध जरा के जयन्ति, जेव एतव श्रारवल्ला।), टिर्ची (दतव संव 1986/84) भारताय रिजिल्ट्रा-करण श्रावेनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रावान, दिल्ला, 1984।

का पूबाक्त सम्पास के उषित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करन का कारण है। के यथापूराक्त सम्पास का उपका बाधार मृत्य, उपक दश्यमान प्रतिफल स, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल स अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) आर अतारतो (अन्तरितया) के बाच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्रल, निम्नालाखत उद्दश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स काथत नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण स हुद्दे किसी आय की बाबत, उक्त अभानयम क अधान कर दन क अन्तरक क दाायत्व म कमा करन या उसस अचन म सुविधा क लिए, और√या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्ह भारताय आमकर अधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहए था, स्थिपन में सुविधा के लिए;

**अन्यू**यी

भूमि और मारान टी० एम० सं० 18, जबाट या स्ट्रीट, तिरूची एरिया 2279 वर्ग फूट।

> के० जेगुतो तल राजू जजन गांवि तरा अहाग हे स्राय तर स्नापुत्तः (जिराक्षण) स्नर्जन हों हे सदूरी,

मतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के बनुसरण मी, मी, उक्त आधिनियम की धारा 269-न की उपधार (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

तारीख: 7-8-1985

प्ररूप बाइ<sup>ड</sup>. टी. एन. एस. -----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांा ८ श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 74/विसम्बर. 1984'-- श्रतः मझे, के वेणुगोपाल राजू,

बाएकर एपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीप लिसकी संव टीव एसव संव 182 है, जो टिवी में स्थित है (श्रीपद्यो उपाबद्ध अनुसूची में श्रीपद्यो स्प से विणित है), रिज क्ष्या श्रीपद्या श्रीधारा के कार्यालय, जेव एसव श्रीपव सार्व सार्व सार्व एसव श्रीपव संव 1985/84 में भारताय रिजस्ट्रा- करण श्रीधिविधम, 1908 (1908 का 16) के श्रीयान, तार ख दिसम्बर, 1984

कां प्रवावत सम्पोरत क उचित बाजार मूल्य सं कम के क्षयमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यभाप्नोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल सं, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतोरती (अतारात्या) क बाच एस बतरण के प्रिए तब पाया गया प्रति-क्ष्य मन्त्रीभविष उद्देष्ण से उनत बन्टरण सिक्ति में बाक्कृविक रूप संकाभित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण धे हुइं किसी बाय की बावत, डक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायत्व में कमी केइन या उसस ब्यन में स्वाबद. के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उन्छ अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिका के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) अंत्रिकी . निम्निसित व्योक्तियों, अधीत :--- - । श्रा संयानम नेवटायाण

(प्रकार ३)

2 था जा० तलाम् समन।

(भ्रन्तिगती)

को क् व्यत बारी करके व्योक्त सम्बद्धि के वर्षत के कि कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## बक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंची

भूमि और महान दो० एउ० सं० 182 ब्लाह सं० 2, एरिया, 4406 वर्ग पुट दीवी

> केंश वेगुपेतल राज्, सज़र प्रक्षिशरा सहायं हे आय हर आयुक्त (रिटाक्षण) आर्जन रेंज मदुरै,

तार**ेख**ः 8-8-1985

मांहर:

#### प्रकृष बाइ .टी. एन. एस. ------

# जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, भ्रजंत रोज, मदुरै मदुरै, दिनांक 8 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० 78/दितम्बर/84:---भतः मुझे, के वेगुगोताल राजु,

बायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीति जित्रका संख्या कला 124, है, जो तेशूत गात्र, टिली में स्थित है (श्रीत इत्तन उपावद शनुसूची में श्रीत पूर्ण का से लित है), रिजिस्ट्रें तो श्रीध तर के जार्यालय, उटेफुट (उत्ता० सं० 3727/84 में भारताय रिजिस्ट्रिं त्रण श्रीविन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधान, कार ख दि स्थर, 1984। का पृथीक्ट सम्मत्ति के डोचत बाबार मूल्य से कम के धर्ममान शिवफ के लिए भन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करन की कारण है कि यथाप्यानत संपात्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और बतारता (बतारित्या) के बीच के एस मन्तरण के लिए तथ निमा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण भाषा से बास्ताबक रूप से कोचत नक्षा क्या गया है :—

- (क) सन्तरण संहार्ड किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य संक्रमां करने या उग्नस वचन संधावधा कालए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य मास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना मां उए था, छिपान में सृविधा धा या किया जाना मां उए था, छिपान में सृविधा धा नए।

अतः अव, उप्तत अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) को सधीन.. निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

ा. श्रामता एउ० पा० एमासामा।

(प्रक्षरह)

2. श्रीमता पो० एल० तैयल नायकी।

(मज्जरतो)

कां यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:--

- (कां) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष के 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तिकों कर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध वाद में समाप्त हाती हो, कं नीतर प्रव कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्यारा:
- (क) इस सचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास लिखित मों किए जा सकीयो।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों स्था, जो उपक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो जस अध्याय में विदा गया ही।

#### अमस्ची

भूमि भीर महान ब्लाह सं० 24, नई वार्ड एफ़० एरिया 2400 वर्ग ५ट देशर गांव, टिची जिला।

> के० वेगुोाल पाजू सक्षम प्राधि : रे/ सहाय प्रभाग हर आयुक्त (गिरक्षण) अर्जन रेज, मदुरै

सार**ेख: 8~8-198**5

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियंस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रे

मद्दरै, दिनोंक 7 अगस्त, 1985

निर्देश सं० 81/दिसम्बर/84:--- अतः मुझे, के० वेण्गोपाल र∤जू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1., 00 ⋅ 000 / - रा. से अधिक ह

श्रीर जिनकी संख्या टी० एस० सं० 58, 59 है, जो करूर में स्थाहै (प्रीर इपने उर बढ़ अरसूरि में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र जस्दोक से अन्न रिकेत सैतर, मेल करूर (दस्ता मं 8936'84) में र जिस्की करण अधि नयम, 1908 (1308 क. 16) के अधीन, तरीख दसम्बर, 1934 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिर्फल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, अमने दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत स अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिप्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए प्रय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित ल्ड्बदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की **बाबत, उक्त** नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिएक

अत: ३ ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-क की उपधारा (1) फे अधोन, निम्नोलिखित व्य**विसयों, अर्थात्** :—

ा. श्रीमती पी० के० सुन्नम,णयम।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० रवीन्द्रन।

(अन रती)

को यह नुष्ना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकारन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सुचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति देवारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पर्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ कुरेश जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## अन्त्यी

भूमि स्रोर मकार टी० एप० सं० 58, 59, डोर सं० 40 म्(र्य) 11233 करूर।

> के० वेगुपोग/प्रार/जू, सक्षम प्राधिक रो महत्यक आयकर आयुक्त (तरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्भरें,

तारीख: 7-8-1985

मोहर

प्ररूप बार्षं .दी . एन . एस . -----

अगयकर गिर्भानयम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

#### शारत वरकात

कार्यातय, महायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, मदुरै,

मद्रै, दिनां 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० 93, दिसम्बर, 84--अत: मुझे, के० वेणुगी पाल राज्य आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चाल करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संज जी० पी० संज 284/2 ए/3 है, जो अरागल्य में स्था है श्रीर इस में उप बढ़ में अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से बिगत है), र जस्ट्रीकर्जा अधिक री के कर्यालय, जे० एस अर० II, अरीयालूर (बज्ञाल संज 1890/84) में र जस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, स.रीख दसम्बर, 1984

के पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के काणमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई और मुभे यह विक्यास करने का कारण है कि संभापनाक सम्मत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके कामान प्रतिफल से, एमें क्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पांचा गया प्रतिफस, निम्नलिकित उद्वेष्यों से उक्त बन्तरण निक्कित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या सससे वचने में सुविधा के मिए; अरि/वा
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्त्रयों कों, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ओधानयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा ने सिए;

बत: बन, उबस विधिनियम की धारा 269-ग को बनुसरम मा, मी, अस्त अधिप्रियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को सभीन, निम्निनिचित व्यक्तियों, बर्धात् :--- 1. श्रीमतो व० जी० र.मकृणा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बी० ज्यो तलिंगम।

(भ्रन्निरती)

की यह स्वता आती करके प्रोक्त सम्पत्ति के अजन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मबंध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन का अवधि या तत्मबधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना को राजपत्र मों प्रकाशन को तारीख के 45 किर को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति मों ब्रित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्त्रारा, अधाहस्ताक्षरी की पास लिखित मों किए का सफोगे।

स्पक्ष्मीकरण: --इसमो प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा, जा उस अध्याय में दिरा गया है।

#### वन्त्यी

भूमि श्रीर मक न टी० एस० सं० वि अ र० 284/ 2 ए/3, एरिया 12150 वर्ग फुट राजाजी नगर, अरीय लूर

> के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिशारी, (सह यक आयकार आयुक्त नरीकाण) कर्जन रेंज, मद्रै

ारीज: 8-8-1985

माहर :

प्रकथ बाहै. थी. एत्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

## मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांना 7 अगस्त, 1985

सं० 96/दिसम्बर, 1984/--अतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जसकी संख्या एस० सं०,1683 पर्ट 1687 पार्ट है, जो पुलीयुर गांव, करूरमें स्थित है (और इससे उप बढ़ में नौर गुर्ग का से बींगा है), र जिल्हा तर्जा अध करी के क परित्र, बें० एस० अर०-1 करूर (दस सं० 1367/84) में र जस्ट्री करण अध नयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीख दिसम्बर, 1984

का पूर्वांक्त सम्पत्ति क उसित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उसित बाबार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एस दृष्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिद्या से अधिक है और अंतरक (अंतर्गकों) और अंतरिती (अन्तरिगंत्रगों) के बीच एमं अन्तरक के लिए तब पाया यदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथानयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या सससे बचने में सुविधा ज खार, खार/बा
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य जास्तियों का, फिन्हू भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

.त: शव, जबत विधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, जबत विधिनियम की धारा 269-व की उपभादा (1) के वधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, वधीत :---- 1. श्री (पेच्च, मृहत् ।

(अन्तरक)

1. श्रीमती टी॰ तनपन।

(अन्तरिसी)

को गह सुवना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख हैं 45 दिन की बनिध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी ब-धि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्ध व्याक्त द्वारा कथाइस्ताक्षरी के वाक स्थित में किए का सकति।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रवी

भूमि टी० एस० सं० 1683 पार्ट, एरिया 6.99 एकड़ पृलियुर गांव, करूर।

> के० वेणुगोपाल र जु, सक्षम प्राधिकारी, सह्यक क्रायकार क्ष मुक्त (मिरीकाण) क्षर्जन रेज, नहुरै

त रीज: 7-6-1955

कहर 🖁

प्रकप प्राप्त", टी. एन. एस.------

नायकर वीधितियसं. 196√ (1961 का 43) की । गरा 269-म (1) में क्थीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 8 अगस्त 1985

सं० 97/विसम्बर/84:—अतः मुझे. के० वेणुगोपाल राजु,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्थात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है कि भारा 269-इ भे अभीन सकाम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या एस० सं० 150 पार्ट, 166/2 पार्ट, 166/3 पार्ट, 165/पार्ट, 165/2 ग्रीर 3 पार्ट 167/3, ग्रीर 4 पार्ट, है, तथा जो कुलीथालाई में स्थित है (ग्रीर इससे उगाबद में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जे० एस० आर-1, करूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वीयत सम्पर्णि के उथित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान लिए अन्तरित की गष्ट IN. विश्वास करने 平 का कारण **पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल** से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सी अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अध्यारण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया 📽 :---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमीं करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (14) शंती किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्ही शारतीय ब्राय-कर समितियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की किछ:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातु:---

के <mark>अधीन , निम्नलिसिस व्य</mark>क्तिय 32—236GI/85 1. श्रीमती बी० एल० ब्रट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० पलनीयण्पन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन में धम्बन्ध में कोई भी बाओप क्ष्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थल्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जया है।

## अनुस्ची

भूमि श्रीर मकान टी० एसं० सं० 165, 166, 167 पार्ट, एरिया 35.78 एकड़ कुलियालई गांव, करूर।

> के० वेणुगोपाल राजु, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, महुरै

तारीख: 8-8-1985

मोहर 🗯

प्रक्ष नार्षः टी. एव . एत . ------

1. श्रीमती पी० राजु मुदलीयार।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एन० बालाम्बगई।

(प्रन्तरिती)

माथकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

## नारव **राह्यान्।** कार्यासम्, सहायक मामकार वानुकत (विद्व**िका**र्ण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० 101 ए/दिसम्बर/84/मदुरै:——अतः मुझे, के० वेण्-गोपाल राज,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंदे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या डोर सं० 42/43, नयी सं० 50, अल-मारा थेरू, करूर शहर है, जो ग्रलमारा देक, करूर शहर में स्थित है (ग्रीरइससे उपाबद्ध ग्रनूस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-1, मन्नास उत्तर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाबार मूल्य ने क्या के क्याबान मित्रिक के जिए अंतरित की गई है जिर मूखे यह विकास करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यावमान प्रतिफल का पन्त्रह मित्रिक से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिक्ती (अंतरितियों) के बीच एते अंतरण के लिए तय पाया गया मित्रिक, निम्निलिवित उद्देश्य से उसत अंतरण जिचित में पस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नंतरक से हुई किसी नाय की वानत, उनत निध-नियम के अधीन कर दोने के नंतरक के वायित्य में कमी करने वा उसते वचने में नुविधा के सिए; नर्द/का
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा जन्त जास्तियों का भिन्दी भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जेतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वामा चाहिए था, कियान में सृविधा के सिद्;

वतः अय, उक्त मौधीनसभ की भारा 269-ण के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात---- को कह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन के बिए कार्यवाहियां गुरू क<u>रता हु</u>ें।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अनीभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किस वा सकेंगे।

#### वन्स्यी

भूमि भ्रौर मकान डोर सं० 42. 43 (नई सं० 50), अलमारा थेरू, करूर णहर (दस ता सं० 3297/84)।

के० वेणुगोपाल राजु सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, महुरै

तारोख: 8-8-1985

प्रकृ नाई.टी.एन.एस. -----

नायकर निधिविक्क, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वका

#### भारत चरकार

# कार्यालयः, तहामक बायकर वायकत (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, मदुरै,

मदुरै, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० 101 ग्रीर 101 प्/दिसम्बर/84/मदुरै:-ग्रतः मुझे, के० वेणगोपाल राज,

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या टी॰ एस॰ 597 श्रौर 598, वार्ड डिविजन 3 करूर शहर जो करूर शहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान मितफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निसिस उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुर्च किसी आय की बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

कतः अज्ञ, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अज्ञति :---

1. श्री पी० राजू।

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० नटराजन।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्फ्रीत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरि के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तुष्पा को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तुवना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस नुवान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त विभिन्निया, के क्रभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

#### यमसर्ची

भूमि भौर सकान टी० एस० सं० 597 भौर 598, वार्ड 3, डिविजन, 3, श्रलमारा थेंदु, करूर शहर। (वस ता० सं० 3296/84)।

के० वेणुगोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, मदुरै।

सारीख: 8-8-1985

प्ररूप बाह् की एन एस ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुवना

#### भारत सर्कार

# कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निकीक्षण) प्रार्जन रेंज, मदुरै

मवुरे दिनांक 8 अगस्त 1985

सं० 104/विसम्बर्/84:—-ध्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस् इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संयक्ति वितका उचित वादार मृख्य

1,00 000/- स्त. से निधक हैं

श्रीर जिसकी संख्या टी० एस० सं० 1610/12 श्रीर 1613 IV और V स्ट्रीट, महुरै, है, जो (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रीर 1, महुरै दस सं० 5961, 2845 श्रीर 2843/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि दथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंच्य प्रतिचत से विश्वक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाचा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण सिचित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) कारारण से हुए किसी साथ की शायत, टायक अधिनियस के अधीन कर दोने के अंतरक के दानित्य में कसी करने वा करवा क्यमें में सुविधा के जिए; और/वा
- क) होती किसी बाय या किसी वन वा क्य वास्तियों को, जिन्हों बारतीन बायकर वीधीनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोधनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिए;

नतः अन, उक्त निधिनियमः की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त भाषिनियम की भारा 269-म की उपभारत (1) में निधीन, निधीनिक्रित स्वित्तमी निधीत हु--- 1. श्री विजय कुमार पिटाल।

(भ्रन्सरक)

- 2. श्री डि॰ मदुगेमन।
- 2. श्री डि० रमेश।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करुके प्रॉक्त क्ष्मित से वर्णन के जिए कार्यमहियां करता हूं।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी नाक्षेप 🛶

- (क) इस सूचमा के बचपन में प्रकाशन की तारीड से 45 दिन की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की जनिय जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विक्त प्रांक्तिया मा स किसी व्यक्तित द्वारा,
- (प) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की शारीमार्थ 45 वित्र में डीवर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितअव्य किसी बन्य स्थानर स्थानर समोहस्ताक्षरी के पाद निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्वकाकरण :---इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त विश्वित्रम के बध्याम 20-क मों परिभावित ही, बही वर्ध होगा अने उस बध्याय मों विष्ण प्रमाही।

## अनुसूची

डोर सं० 17, टी॰ एस 1610/2, श्रोर 1613/10 [V स्ट्रीट, श्रनसारी नगर, मदुरै।

बेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज मदुरै

तारी**ख**: 8-8-1985

मोहर 🤃

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

चायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

## नाह्यं संरक्षेत्रः कार्यांक्यः, सहायक भावकर भावक्तः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, महुरै

मदुरै, दिनांक 8 स्रगस्त, 1985

िनर्देश सं० 110/दिसम्बर/84:-श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने ध्वाके ध्वाके ध्वाके प्रकार प्रकार (उनत निभिन्नम कहा गया है), की भारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाच करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उजित नामार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या टी० एस० 29 है, जो मदुरै में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मदुरै (दस सं० 2897/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियण, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसस्वर, 1984

को पृश्वित सम्मित्त को उचित बाजार मूस के का को जाननात अतिफल को लिए गंतरित की गई है और मूओ यह निर्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार सम्य बसके दश्यमान प्रतिफल का पत्तह बिखत से बिभक है बीर अन्तरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच पृषे अन्तरण के लिए तब गांवा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदस्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अन्तरिय कर में किथत नहीं किया गया है ---

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक अर्थ दायित्य में कमी अद्दाने या अससे रूचने में सुविधा से लिए; बाँड/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भग या बन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जबा था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में जबिया के लिए।

भतः अव, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरक हो, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती तयार श्रम्माल भौर भ्रन्य।

(धन्तरक)

2. श्री एम० वी० शनमुगवेल नाडार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तस्संबंधी ज्यित्रियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

क्लाक्ष्मं कर्णा क्रिक्स प्रमुक्त क्रम्यों कीटु पधों की, नो उनस अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रमुक्त हैं।

#### नगरा ची

मकान टी॰ एस॰ सं॰ 29, डोर सं॰ 82 ए एरिया 1380 वर्ग फुट, टबुन हाल रोड, मदुरै।

> कें० वेणुगोपाल राजू, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, मदुरै

तारीख: 8-8-1985

बोहर ७

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालका, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं 116/दिसम्बर/84-अत मुझे: के. वैंणुगीपाल राजू, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० डोर सं० 4, टी० एस० सं० 97, उत्तर पेदुमाल मेस्त्री स्ट्रीट है, जो मदुरै शहर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० 1 मदुरै दस सं० 6191, 6192, 6194 श्रीर 6199/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए उत्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आश की भागता, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के [लए;] और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— 1. श्री जे० रामकृष्णन

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रार० सीतालक्ष्मी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ः---

- (क) ६६ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

भूमि श्रीर मकान डोर सं० 4 टी० एस० सं० 97, वार्ड 6 सं० 31, उत्तर पेदुमाल मेस्त्री स्ट्रीट, मदुरे शहर (दस सं० 6191, 6192, 6194 श्रीर 6199/84)।

> के० वेणुगोपाल राजू, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै,

ता**रीख: 8-8-198**5

प्रसम बाइ.टी.एन, एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्दरै

मदुरै, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

मं० 117/दिसम्बर/84.—-ग्रत मुझे, के० वेणुगोपाल बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, खिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 40, कामजराज मलै, मदुरै गहर है, जो मदुरै गहर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनूसुची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ला ग्रिधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० 1 मदुरै वस सं० 5707, 5708, 5712 ग्रीर 5713/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख विसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त रूम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य' उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथिश नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा डे किए: और/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय शाय-कर जीवित्रवम, 1922 (1922 का 11) या जकत जीवित्रवम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च जन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया वा या रिजा वाना वाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

1. श्री मुस्तक वा माहिब सतगुरू श्रीर छोटे (श्रन्तरक)

2. मैसर्म भ्रम्बासाडर टेक्सटाईल।

(अन्तरिती)

कां यह श्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां बुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी भार्सप :---

- (क) इस कूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की व्यक्ति, जो भें. व्यक्ति कर में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वीक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाड निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पवाँ का, को उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हु<sup>4</sup>, वहीं अर्थ कोगर, को उस अध्याय में दिया वका हैं।

#### वनुसूची

भूमि ग्रीर मंकान डोर सं० 40, कामराज सालै, कोलमंतुर, मदुरै (दस सं० 5707, 5708, 5712 ग्रौर 5713/84)।

कें० वेणुगोपाल राजू, मक्षम प्राधिकारी, सहायकाकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज सदुरै,

कक्षः वयः, उत्तरः अधिनियमं की धारा 269-वं के कन्सरक् की, मी उक्तः अधिनियमं की धारा 269-वं की प्रपधारः (1) के अधीवः, निस्निविधित्तं व्यक्तिस्तरों, अधीतः क्रम्म

तारीख: 8-8-1985

मोहरः

प्रारूप आहाँ टी.एइ.एस ------

नायकार मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की

🖈 धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक बायकर नावुक्त (विरीक्तन)

मदुरै, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

सं 117 ए/दिनम्बर/84~-म्बर: मुझे, के विणुगोपाल जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का का कारण है कि स्थाप्केन्त संपत्ति का उण्यत बाकार मृन्य, 1,00,000/- रुक्त से अधिक हैं

और जिसकी संख्या एम० मं० 1974/1 पार्ट है, जो मदुरें में स्थित है (और इससे उपायद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रींकर्ता अधिकारीं के वार्यालय, जे० एम० प्रार० 1 मदुरें, (दस सं० 5709, 5710, 5708/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारींख दिसम्बर, 1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त संपत्ति का उचित कामार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तर्क (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिकन, निम्नीमिकत उदृश्यमा से उसके अन्तर्य विविद्य में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तारम् वं हुए कियी बाग की वावल, उनक नीम्निवृत्व के बनीन नए दोने के बन्तारक के व्यक्तित्व में कभी करने वा उसके अचने में वृत्तिया के निक्छ; बार/या
- (थ) एंडी किसी जांच वा किसी वंध वा कर्य वास्तिकी की जिन्हें भारतीय नाव-कर विभिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उपल विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया धाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

श्रीमतीं मुस्तप साहिब सतगुरु।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रार० नरेतर बालन।

(श्रन्तिशतीं)

को वह व्यामा भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन् के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति से सर्पन के सम्बन्ध यो सोहाँ भी बाह्रोप ८---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी कु कें 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, को भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में हितवहुध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकारी के शास सिचित में किस वा सकेंगे।

स्वक्रीकरण :----इसमें प्रयुक्त कव्यों कींट पर्यों का, वो उपह निधीनयज्ञ के जम्बाय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं नुर्भ होगा भी उस स्थाप में दिव्य गया ही।

#### धनुसूची

भूमि एस० सं० 1974/1, एरिया 2 सेंट्स 23 वर्ग फुट 10 इंच कीलमत्र मद्रै दक्षिण ताल्ः।

> कै० वेणु गोपाल राजू, ंक्षम प्राधितारी, महायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोज, मदुरी

तारींख: 8-8-1985

इ.ह**र** :

जत. भव, उक्त अधिनियम की धारा २६६ र के अनुसरण कों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को सधीन, निक्नतिचित व्यक्तियों, नेपांत् के— प्रकृष जाएं <u>,</u> हो , पुत्र ु पुत्र ु-----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के मधीन स्पना

#### भारत तहकार

# कार्वासय, सहायक नायकर नायक (निरक्षिण) अर्जन रेंज मदुर

मद्रौ, दिनांवः 8 श्रगस्त 1985

निदेश सं० 120/दिसम्बर/84--प्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चाक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या एम० सं० 135/1 पार्ट है, जो तिरूपर-कुंटम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के नार्यालय, जे० एम० आर०-1 मदुर दमतावेज मं० 130/84 में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1984

को प्रजित सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई जिसी जाय की वास्ता, धक्त विभिन्नस के बचीन कार दोने के बन्तरक के वामिरन में कमी करने या उससे बचने में जुनिशा के "लए: और/मा
- (स) एभी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं दिल्या गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिथा के लिए;

1. श्री वि० श्रार० राजेन्द्रन

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कमलम राजेन्द्रन।

(श्रन्तरिती)

को यह कुथना कररों करको पुनोंक्स स्म्यक्ति के वर्षन के लिए कार्यभाहियां कारता हुए।

## ज्यात सम्बन्धि को कर्णन को संबंध में कोई भी बाक्षेप हरू

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन को तारीस में 45 दिस की संवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की संवीध, जो भी संबीध गढ़ में संगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मभोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेये।

स्थाधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया भेका हैं।

## श्रनुमूची

भूमि प्लाट संर 160B, टींरएमर मंर 135/1, पार्ट एस्या 200 imes 168 वर्ग भूट।

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधितारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, मदुरै

तारीख: 8-8-1585

मोहर 🗯

**इक्ट बार्ट**, क्षेत्र एक इ**रम**्

बान्बर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) को अभीन क्षाना

## ATTA STATE

**फार्यांसन, सक्षायक नायकर नायुक्त (निर्धिकाण)** स्रार्जन रेज-3, बम्बई

श्रम्बई, दिनांतः 31 जुलाई, 1985 निर्देश सं० अई-3/37जीं/2591/83-84:---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या जमींन के साथ इमारत जो, सीं० टीं० एस० नं० 418/1, से 6, 419/1 से 8, अब्दुल्ना मंजिल, आम्बेड हर चौक, कुली, बम्बई-70 में स्थित हैं (और इसमें उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी हैं, तारीख 7-12-1984

की पूर्विक्स बन्धिस से उणित बाजार मृत्य से कम के दूरमान शितफल के सिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि अथापूर्विक्स सम्बक्ति का उणित बाजार मृत्य उजार द्वारामान प्रतिफल में, एसे क्रियमान प्रतिफल का पन्तह प्रतियात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्मीका कुद्धिक में जानत अन्तरण कि निक्त में बास्तायिक रूप से कथित नहीं किया गया है ५---

- (क) बन्तरक सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त वीधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के यानित्व में कमी कदने वा उसते बचने में बृश्विधा के लिए; आर/मा
- (श) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा अवस अधिनियम, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिटी इवारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना था हिए था, कियाने भे सुविधा के विद्या

अत अत, उक्त शिधिनियम, की धारा 269-व भी अनुसरक भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपण्या (1) की कधीन जिधनिसित व्यक्तियों, मधीत :---- 1. श्री महबूब मोहन्मद।

(श्रन्तरकः)

2. श्री अब्दुल्नाह् एम० साहेब जेंदी।

(भ्रन्तरितीं)

का वह सूचना बारों करके पूर्वोक्त संपृत्ति के जुनेन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

क्का स्मारित से वर्षभ के सम्बन्ध में खोड़े ही बार्बोर्ड--

- (क) इब स्वता के स्वपन वें प्रकारत की रारीय हैं

  45 दिन की बबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वार की रायीन के 30 दिन की क्यपि को भी
  स्वर्धि कक्ष हैं स्वतन्त होती हो, के नीतर प्रविका स्वित्यों में से किसी स्वतित द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की धारीब से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी बन्न स्थित द्वारा, अधाहस्ताक्षरां के गर निविक्ष में किए वा सुकेंगे।

स्पन्नीकरण: — इसमें प्रमुक्त कन्दों और पदों का, जा उक्त विधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्य होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

## अनुसूची

भ्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1029/83 और जो ऊपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 7-12-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),. श्रर्जन रोज-3, कम्बई

तारीख: 31-7-85

महर :

प्ररूप बाहुं. टी. एम. एस. -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तण) ग्रर्जन रोज-3, अम्बर्ध

बम्बई, विनां ह 31 जुलाई 1985 सं॰ मई-3/37ईई/जी/2559/83-84:---प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भाष 269~- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीत ा हिस्सा, बेग्ररिंग प्लाट नं० 8 ए. ... लैक्टर्स हालाती, बाधवली, चेंध्र, बम्बई में स्थित हैं (और इ.से उपाबड अनुमूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), ग्रांर जिसहा करारनामा ग्रान र अधिनियम, 1961 की धार 269 है, खें के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के सार्यालय, में रिजस्टई हैं लारीख 5-12-1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित जाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिकास से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आव की बाबक, जबका अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दामित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा अपिए; अरि/दा
- (क) एसी किसी या किसी धन वा जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्न जिधिनयम, या धन-कर जिथिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा धा वा किया जना चाहिए था, छिपाने ने सुविधा खे किए:

बतः व्या अपन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक भी, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीकरियत व्यक्तियों अधीत्:— 1. श्रीमती मुणीला देवी एल० चुघ और ग्रन्य।

(ग्रन्तरकः)

2. होटन, ग्रशपूर्णा, और भागींदार।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन की अवधि या तत्मान्त्रन्थी व्यक्तियों वर सूचना की तत्मील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर गुर्निक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमान में किये जा सकती।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा.. जो उस अध्याय में दिया गथा हैं।

## अनुसूची

श्रनुसूची जैंगा कि विलेख मं० एस० 3093/84 और जो ऊपर रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1984 को रिजस्ट्रजं, िया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधि गरी, सहायक प्रायक्त आयुक्त (निरीक्षण) स्रजीत रोज-3, कम्बई

दिनांक: 31--7--1985

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

सं॰ ग्रई-3/37 जी/2557/84-85:---भ्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के नधीन सक्त प्रतिभक्तरी को यह निकास करने का कारण है कि स्थायर सम्बद्ध मिन्स उपित वाबाद मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो, सर्वे० नं० 74 (अंग), सीं० टी० एस० नं० 564, मुलूंड (पूर्व), बम्बई में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), (और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है तारींख 3 -12-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार क्वा से कम के क्यानाव प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संस्थिति का उचित बाजार मूल्य उसके क्यानान प्रतिकत से, एसे क्यानान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तर्यों) के बीच एसे क्यान्य से लिए तथ्याना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निवित में आस्त्रिक रूप से किश्वत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बावस, उक्क निष्मियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम मा किसी धन वा जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा वै सिए;

वतः वनः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरक में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाराः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् ह्या 1. श्री जयवन्त बी० भोईर और ग्रन्य।

(अन्तरक)

2. श्री शिव शंकर को-म्राप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

**ां बहु** ६ पना वारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुकरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तालीब से 15 दिन की जनिध या तंत्वंबंधः व्यक्तियाँ पृष्ठ सूजना की तालील वे 30 किन की स्वर्णप, श्रो के स्वर्णप काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तिया स्वरूख;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, व्यक्तिसवास्त्रण के साथ सिवित में किए जा सर्वोंगे।

क्ष्यक्षिक दुण: --इतमें प्रवृत्त शब्दों स्वीर पदों स्वा, सी उक्स अभिनिस्त्र, से अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरे अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

## अनुसूची

प्रवृसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 2293/84 और जो ऊपर रिजस्ट्रांग, बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज – 3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 🔞

प्ररूप बाह", टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सुचना

#### भारत तरकार

## कार्यात्य, सहायक नामकर नामका (विरीक्षण) ग्रर्जन रेज्⊶3. कम्बई

बम्बई, दिनां ह 31 जुलाई 1985

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गवा हैं), की धारा 269-च के वधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, विसका उचित वाचार बुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन का हिस्सा, जो, सर्वे० नं० 74, सी० टी० एस० नं० 564 (अंग), मुलुंड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका कारनामा अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के आर्यालय में रिजस्ट्री है 3-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिकत के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रे वह विकास करने का कारण है कि यथापृद्धोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिकत से, एसे इत्यमान प्रतिकत का चंद्र प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा का प्रतिकत, निम्नतिस्ति उद्देश्य से उच्त वन्तरच निक्ति भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- ्ला) कलारक वे हुई किला नाव को बाबस उपक अपिनियम के अधीर कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; बार/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1923 (1922 का: 11). या उक्त अधिनियम, का जन-कर अधिनियम, का जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था डिपान में सुविधा के सिंह;

ं कतः अव, उक्त अधिनिक्य कौ धारा 269-ग के बनुसरण गैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बचीन, निम्निनियत व्यक्तियों, कर्वात् : ा. जयचन्त बी० भोईर और ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

सागर तिर्थं को स्राप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड।
 (म्रन्तिरती)

को यह बुक्ता बारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के नर्बन के जिल्ल कार्यनाहियां गृष्ट करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इत त्वान के राज्यम् में प्रकाशन की दारीय है 45 विश् की वनीय या तत्कानन्थी व्यक्तियों पर सूचका की दाबील हो 30 विन की ननिथ, जो भी बन्धि बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इब स्वान के खबपन में प्रकाशन की तारीब से 45 फिन के बीचर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्द अविक्त द्वाय व्योहत्ताकारी के वात निविक्त में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

## अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस 2214/84 और जो ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारीं, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 31-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्राजैन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्डोग सं० श्रई -3/37/ईई/14018/84~85:→प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) -(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन बैग्निश्चिम सबर नं 51, एष नं 1 (अंग) सर्वे नं 20, एच नं 6, सर्वे नं 22, एच नं 3, सर्वे नं 3, सर्वे नं 34, एच नं 2, त्रिले दिडोशी, चिचली, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुक्तीं में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिल्ला र रास्तामा श्रायवार श्रीधित्म 1961 की धारा 269 वर्ष के श्रधील, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के श्रायीलय में रिस्टी है, तार्राधा 1-12-1984:

की प्र्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मै० श्रादित्य ानस्ट्रमणन एण्ड चडेलोपर्स प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरह)

2. श्री माधच के० कामत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बर सची

जमीन बिग्नरिंग सर्वें नं 51, एस० नं 1 (अंग), सर्वें नं 34, एष० नं 2 (अंग), सर्वें नं 51, एष० नं 1 (अंग), सर्वें नं 20, एष० नं 6, सर्वे नं 22, एच० नं 2, सर्वें नं 3, षिलेज दिशीशीं, तालुका बोरियलीं, विचोली, बम्बई में स्थित है।

श्रानुभूची जैसा कि कि सं श्राई-3/37ईई/14018/84→85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज - 3, यम्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहर ः

शक्य नाह<sup>र</sup>े डी <sub>ह</sub> पुन<sub>्न</sub> पुच<sub>्न</sub> कारणात्रका

बायकर ब्रिशिनयम्, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्रुवीन त्याना

#### बार्क संस्था

## कार्यालय, सहायक नायकार नायुक्त (निहासक)

मर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985 मं० मई-3/37ईई/15031/84~85:---म्रतः मृत्ते, ए० द,

नायकर जीभिनियम, 1961 (1961 कर 43) (विश्वे इसको इसको प्रधात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्तम प्राधिकारी की, वह निश्नास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार बुख्य 1,00,000/- छ से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पर्लंट नं 10, तीसरी मंजिल, ब्राह्मण घाडी, पाइप रोड कुर्ली, बम्बई-400070 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 है, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान श्रीतफक्ष के लिए बंगरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का बल्खह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिबत उद्वदेश से उस्त अन्तरण निम्ति वे वास्तरिक कर से कार्यक नहीं किया प्रशास है कन्तरण के विष्त स्थाया विश्वास के वास्तरिक कर से कार्यक नहीं किया प्रशास है कन्न

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबत अधि-विवस के बचीन कर दोने के बन्तरक के दानित्व में कमी करने वा उबके बचने में सुन्धि के किछ; बीर/वा
- (कां) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 कां 11) या उक्त किधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 कां 27) कें अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए या, कियाने में सृत्धिय के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) चै अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, वर्धात् सं—  श्री अश्वीत थां। श्री गाला और लक्ष्मी चन्द मोरारजी सला।

(भ्रन्तरकः)

2. श्री योगीन्द्र मोहन और उपा देवीं

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीक ते 30 विन की व्यक्ति भी भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वविस अविकारों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के बाद सिक्ति में किए वा सकतें।

स्वकारिकरण ध---इसमें अयुक्त कन्दों और वदों का, को उन्तर विविधितक के अध्यास 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विया भगा भू

#### नन्स्की

फ्लैट नं० 10, जो, तीथरीं मंजिल, बाह्मण वाडी, पाइप रोड, कूर्ला, बध्बई 400070 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि क सं० श्रई-4/37ईई/15031/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12 1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रताद. तक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज्य- 3, बस्बई

दिनाक: 31-7-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3. वस्त्रप्र

श्रम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 सं० ग्रई-3/37ईई/15164/84~85:---ग्रतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या क्लैंट नं० बी-21 जो, 6ठी मंजिल, रतन पैलेस, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 से स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शावत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्बरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीम, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती एस० एल० ठक्कर।

(ग्रन्तरः)

2. श्री डी० भार० देशाई।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षतीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लैंट नं० बी--26, जो, 6ठी मंजिल, रतन पैलेस, गराडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई--77 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-3/37ईई/15164/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वरा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रकाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेजे-3, बस्बई

दिनां ्: 31-7-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-3, बम्बर्द बम्बर्द, दिनांक 31 जुलाई, 1985

नर्षेश मं० भ्रई-3,37ईई,14942/84-85---भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थान करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जसकी संव तमक्रवाला बंगला, जो महात्मा गांधी रोड, सीव टीव एमव नंव 210 विलेज घाटकोपर धीर सीव टीव एमव नंव 501, विलेज करील, घाटकोपर (पूर्व), वम्बई-77 में स्थित हैं (श्रीए इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारतामा धायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कुछ के श्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-84

को पूजींकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान वितिक्रल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रल से एसे दश्यमान प्रतिक्रल का यन्त्रह इतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उच्चेष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित भें बास्तिविक रूप से कांचित रूप वासा गया है :---

- (क) अन्तरण में हुइ किसी बाव की बाबत, उथत जीभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उत्तर्ध बचने में सुविधा भे निष्ठ, और/धा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाचा चाहिए था, किया में स्थिया भी हैंकए;

बतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् ः—- 34—236GI/85

(1) श्री गोर्धनदास शिवचंदराय गरोडिया

(ग्रन्सरक)

(2) श्रोमती सरोता महेशकुमार गरोडिया (अन्तरिती)

की बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं
  45 दिन की जविभ या तत्संतिभी स्थितिक्तों बद स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्तः स्थित्यों में से किसी स्थित दुवारा;
- (व) इत सूचना के काजपत्र में प्रकाशन की कारीब है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हिंहर- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का बकेंगे।

स्वण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

#### अनुसूची

नमकवाला बंगला, जो महातमा गांध्रो रोष्ठ, सी० टी० एस० नं० 210, विलेज घाटकोपर प्रांश सी० टो०एस० 501, विलेज जिरोल घाटकोपर (पूर्व), बम्बई--77 में स्थित है।

श्रनुसूर्वः जैसा कि कि सं श्रई-3/37ईई/14942/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारः, बम्बई द्वारा दिनां र 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाय, सलम प्राधिकारः सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

नार्र**ेख**: 3:-7-1985

माहर 🖟

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जनरें ज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/15174/84-85— श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, सर्वे नं० 41, एख० नं० 4, सी०टी०एम० नं० 288, हरियाली विलेज, विक्रोली, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रायोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण विचित में वास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अखने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण भी, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपक्षारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पुरुषोत्तम वास लालजो ढंकशर ग्रीर ग्रन्थ। (श्रन्तर ह)
- (2) मनिष हाउसिंग डेबलधमेंट। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हातेगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनसची

जनीन का हिस्सा, सर्वे नं० 41, एच० नं० 4, सी०टी०एस० नं० 285, ह्रियलो विलेग, विकोली, बम्बई में स्थित है। अनुसूर्वा जैपाहि क० सं० अई-3/37ईई/15174/84-85 और जो नग्रन पाबिहारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद यक्तम प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-3, बस्बई

तारीख : 31-7-1985

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 जुलाई, 1985

निदेश सं भई-3/37ईई/15229/84-85-- म्रतः मुझे, ए प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1., 00 , 000 / - रु. से अधिक हैं और जिसको सं फ्लेट नं 16, जो, गरोडिया नगर, ज्योति को -भ्राप० हाउसिंग सोक्षाइटो लि०, 143, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में (स्थत है (ग्रार इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रीः पूर्णरूप से वर्णित है), ग्रीर जि.का कथारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कुछ के श्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है ताराख 1-12-84; को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अर्न्तारितयों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिबिक रूप स कोश नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, उक्तें नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्सोलेखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— (1) श्रीमती गीता नारायणन ।

**(मन्तर**क)

(2) श्रीविजय राघवन मारंगपानी ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करकें पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्वीकरणः --- ध्समे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क मे प्रिभाषित हाँ, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

फ्लेट नं० 16, जो, गरोडिया नगर ज्योति को-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 143, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई,77 में स्थित है।

श्रनुसूजों जैसा कि कि सं श्रई-3/37ईई/15229/84-85 श्रौर जो सञ्जम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद, नक्षम प्राधिकार्। सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रुजन रें ज-3, बम्बई

नारिख: 31-7-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/14900/84-85— ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 44. जो. 4 थीं मंजिल, इ-विंग, इमारत नं० 2, 396, टक्स:मेंस को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि० आफ़ एल० बो० एस० मार्ग, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्णक्प से विणत है), श्रीर जिनका करारनामा आयकर श्रिविनियम 1961 का धारा 269 कुख के अवीन, बम्बई स्थित सक्तम प्राधि हारों के खार्यालय में रिजस्ट्री है तारोख 1-12-1984

को पूर्विभित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, असके दश्यमान प्रतिकास से, एवि दश्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिदात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंसर्टितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तथ पाना गया प्रति-क्षय, जिम्बितिया उच्चेष्य से उच्च क्ष्यरण कि विद्या में बाजा-

- (क) वस्तुद्रम व हुद्र किसी बाव की वावतः, क्वतः विधित्वम के वृधीन कर बोने के वृत्तुरक के वावित्व भी कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; शक्कि/बा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन था जल्ब आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्ज अन्तरिती ब्वारा प्रकट बहुत किया पंता था वा जिया की स्वारा के दिवस के स्वारा के दिवस के स्वारा के

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण कों, मीं, शक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) को बुधीन, निस्नलिकित व्यक्तियों, कर्षात् का (1) श्रोमती निर्मल सोमनाथ कपूर।

(अन्तरक)

(2) सरदार खान उस्मान खान पठाण ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए। कार्ववाहियां करता हुं।

ह कत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि ना तत्कावन्ती व्यक्तियों दृष्ट सुवना की तानील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर का किताओं में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवबुध फिसी जन्म क्यांकित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार्क लिएना में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 44, जो, 4थी मंजिल, इ-विंग, इमारत नं० 2, 396, टैक्सीमेंन को०-श्राप० हाउमिंग सोमाइटी लि०, श्रॉफ एल० बी०एस० मार्ग, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा वि ऋ० सं० अई-3/37ईई/14900/84-85 और-जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधि हारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

नार्शिख: 31-7-1985

भोहर:

## **इस्त बार्य**े **ग्री**ः **द्य**्य <del>ग्राम्यकः</del> 1. श्री बी०

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन मुचना

#### भारत बस्कार

## कार्बालय, सङ्ख्यक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निदेश सं० अई-3/37-ईई०/15077/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये है विधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लैट नं० 7, जो, 1लीमंजिल, धिरज अपार्टमेंट को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, श्रोघादभाई लेन, घाटकोपर, बस्बई-77 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारतामा आयरार अधिनियम, 1961 की श्रारा 269क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी है कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त जीधीनवन के नभीन कर दोने के नन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए जीड/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अस्य गास्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा से किया।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्याक्तियाँ अर्धात:—— ा श्री बी० डी० मेहता।

(अन्तरक)

2. श्री एच० पी० परमाप ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी जाक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सें 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मंतिस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकर्ग।

स्पटकोकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस्त अध्याय में दिशा गया थी.

#### नन्सूची

प्लैंट नं० 7, जो. 1ली मंजिल, धिरज अवार्टमेंट को-आप० हाउसिंग मोसायटी लि०. घोषादभाई लेन, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु संरु अई-3/37—ईई/15077/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसादं सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त **(निरीक्षण)** अर्जन रेंज-3, **बम्बई** 

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 🔞

### प्रथम मार्थः, डी., प्रम<sub>ा</sub> प्रथ<sub>क</sub> स्थान

## जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिमांक 31 जुलाई 1985 निदेश सं० अई-3/37-ईई/15553/84-85--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, ज्योत्सना को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, आर० बी० मेहता रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रौर पूर्ण स्प से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के अधीन; बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को प्रवाक्त सकाति के जिस्त बाजार मत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वोध्य स अक्त अंतरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचानं में सृविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः जस, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग्म के अनुसद्ध्य ों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जजति क्र— श्री वासुदेवन मरसिम्ह्म।

(अन्तरक)

2. श्री हिम्मतलाल कामजी पटेल ग्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध के कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि मां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंने।

स्यव्दोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

फ्लैट नं∘ 6, ज्योत्सना को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि॰, 2री मंजिल, आर॰ बी॰ मेहता रोड़, घाटकोपर (पूर्व), कम्बई--77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/15553/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्⊸3, बम्बई

बिनांक: 31-7-1985

मोहरः

प्रकृषाई.टी.एन. एस.-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं॰ अई--3/37-ईई/15294/84-85--अतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 602, जो, 6ठी मंजिल "सी" विंग, इमारत नं० 2 शांति पार्क गरोडिया नगर घाटकोपर (पूर्व), बम्बई—81 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करार-मामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्हारित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उणित नाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, ग्रेसे स्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही स्व्यंत्रेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किनत और अंतरिती (अंतरितियों) की भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखत महीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- '(त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों करें, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: जत. तकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम ती धारा 260-घ टी खण्धारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्य**ित्यों, अर्थात्**ः— 1. मैंसर्स निलम द्वेव्हलोवर्स

(अन्तरक)

2. श्री एम० एन० स्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए जा सकोंगे।

स्वत्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अव्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

पर्लैंट नं० 602, जो. 6ठी मंजिल, सी-विंग, इमारत नं० 2, शांति पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), सम्बद्द-81 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क० सं० अई-3/37-ईई/15294/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्रे ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶3, बम्ब**र्ड**

**दि**मांक: 31-7-1985

मोहर 🚁

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

**क्षायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) **को धारा** 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जीय रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिसांक 31 जुलाई 1985

मिदेश मं० अर्ड-3/37-ईई/15241/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर नंगुक्ति जिसका उच्चित ताजार मन्य

1,00,000/- जा. से अधिक हैं
भ्रीप जिसकी संव फ्लैट नंव 3, जो, दि निहारीका को-आपव हाउसिंग सोसायटी लिव, भावेण्यर छाया, रजावाडी, बस्वई-77 में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अतः, उन्त अभिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मो, मो, जक्त आधिनियम को भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

া, श्रीमती एन० पी० मनियास्।

(अन्तरफ)

2. श्री बी० एल० गाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति हों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 3, जो, दि निहारीका को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, भावेण्वर छाया, रजावाडी, बम्बई--77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 3/37-ईई/15241/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिसांक 1-12 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बस्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के नधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालरः, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिमांक 31 जुलाई 1985

मिदेश सं० अई-3/37 ईई/15153/84 85—अतः मुर्झे ए० प्रसाद

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 23 जो तल माला सुयोग ध्रुडस्ट्रियल इस्टेट एल० बी० एस० मार्ग विकोली (प०) बम्बई 83 में स्थित है (धौर इसमे उगाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है) धौर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क खं के अत्रीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल के एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल गिम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिजित व्यक्तियों, अर्थात् :---35----236GI/85 1. बी॰ सी॰ शहा (एच॰ यू॰ एफ॰) श्रौर अन्य। (अन्तरक)

⁴'नी फास्टेमसं

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुवित शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस्ची

यूमिट नं० 23 जो तलमाला सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट एल० बी० एस० मार्ग विकोली (प०) बम्बई 83 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37—ईई/15153/84—85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12—1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ॒ायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज−3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहर ;

## प्ररूप बाई .टी.एन.एस .-----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिमांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० अई--3/37--ईई/15266/84--85---अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्यके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 2 जो 1ली मंजिलः डी— विंग, दामोदर पार्क घाष्टकोपर (प०) बम्बई—86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्धि अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है, श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1—12—1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से, ऐसे इर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**य की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫— श्रीमती कुलजीत कौर।

(अन्तरका)

2. श्री के० बी० नाथम।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

जबस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीच से 45 दिन की बविभि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्धी और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसंधी

पलैंट नं० 2 जो 1ली मंजिल, डी-विंग दामोदर पार्क घाटकोपर (प०) बम्बई-86 में स्थित ई। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/15266/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिन्नांक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रकार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 बम्बई

दिनां क 31-7-1985 मोहर :

## प्रस्य नार्द . टी . एवं . एस् . ...-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्ाक्तिण)

अर्जन रेजि-3 बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 31 जुलाई 1985 मिदेश सं० अई-3/37-ईई/15108/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसक सं० फ्लैंट नं० 2, जो सी-विंग 2री मंजिल अभिजित वाकोला ब्रिज पुलीस स्टेशन के पास शांताकुज (पूर्व) बर्म्ड्ब में स्थित है (श्रीर इससे उपींछि, अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1∼12~1984

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अन्तरित के तिए की यह विष्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए`से दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक 🌓 और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चारेय से उक्त अंतरण लिखित में ब्रास्तविक रूप से कथित *प्र*हीं किया गया हैं ⊱—

- (क) बुन्तदम से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरंक के बाजित्व में कमी करने या उससे नमने में सुविधा के रिष्, सरिं/या
- (थ) एसी किसी बान वा किसी वन वा वस्य वास्तिवाँ का, विमही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) से अयोजनार्थ वान्तिहिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना जाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त आधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नुलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ्र— 1. मेसर्स खानोलकर एण्ड देमाई।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वृशाली व ० शिदे।

(अन्तरित )

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

## जनत संपत्ति के नर्यन के तंत्रंथ में कोई भी नाबोर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिस में किए शा सकी।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो लक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ दोंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसची

फ्लैट नं० 2, जो, सी-बिंग, 2रा मीजिल, अभिजित, बाकोला बिंज पोलिस स्टेशन के पास, सांताकुज (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/15108 /84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

िमांक: 31-7-1985

मृहिर 🖫

प्रकर नाइं दी. एन. एक्. - - - - -

जाबकर अभिनियस, 1961 (1961 क्य 43) की शारा 269-व (1) के अभीन सूचका

WALL STATE

कार्याजय, सहायक शायकर नामृक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-3, अम्बर्ध

बम्बई, दिमांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-3/37- ईई/14952/84---85 अत: मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वार 'उक्त अपिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, बेअरिंग सर्वे नं० 312, एव० नं० 24, 28 ग्रीर 23, सी० टी० एस० नं० 4883, 4884 ग्रीर 4205, बिलेज कोले कल्याण, कालिना, सांताकुल (पूर्व), बम्बई 98 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाक्त अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप में विणित हैं), ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सञ्जम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नार ख 1-12-1984

को पूर्वे जिस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बल्ग्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निभनिल्खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गवा है।

- (क) अन्तरण नं इ.व. फिली नान की क्लूस, क्लर वीवित्य में नवीव कर दोने के अन्तरक की वासित्य में कनी अरते वा उसने व्यक्त में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तिर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा औ लिए;

भवः वर्व उत्तर अधिनियम की भारा 269-म की अमृद्धरभ भूँ, मूँ, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अभित् क्ष्मान

- 1. श्रीमती किटेर उर्फ क्यू टी॰ ऍाड्रिंग श्रौर अन्य। (अन्तरक)
- 2. श्री राम ए० पांडेय ग्रीर अन्य। (अन्तरिसी)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों मा में किनी व्यक्ति द्रारा.
- (ण) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी ससे 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी जन्म क्यंक्ति त्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्थानिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बनी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मगत ची

जमीन का हिस्सा, बेअरिंग मर्वे नं० 312, एच० नं 24, 28 श्रौर 23, मी० टी० एम० नं० 4883, 4884 श्रौर 4205, बिलेज कोले कल्याण, कालिना, सांताकुज (पूर्व), बम्बई 98 में स्थित हैं।

अनुसूची जेंसा कि फ्र॰ सं॰ अई-3/37-ईई/14952/ 84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3, बस्बई

दिशांक: 31-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अग्राय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० प्रई-237 ईई/155084-85—म्नतः मुझे ए प्रमाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 37, जो, 3री मंजिल, ग्राहाण दर्शन की-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सांताकुज (पूर्व), अस्बई—55 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स विणित है), और जिसदा वरारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के लायित्य में धणित है रिजस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर—1984,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एमें ध्रयमान प्रतिफल से, एमें ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विथ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

क्सै: अंब, जक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीत रिम्तिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री वी० श्रार० गर्मा

(अन्तरक)

2. श्री पी० टी० छान्निया।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारोक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित इ<sub>ल</sub>े **वहीं अर्थ होंगा जो** उस अध्याय में दिया गया है।

#### अस सची

पर्लंड नं० 37, जो, 3री मंजिल, श्राकाण दर्शन को-आप० हार्जीनग सोनायटी लि०, प्रांताक्षुण (पूर्व), बम्बई--55 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि निं श्रई-3/37-ईई/15501/ 84-85 और जो लक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रका बाहें. टी. एवं. ५६. वाल्यावान

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को नभीन सुमना

#### मारत तरकार

कार्याज्ञ मायकर आयुक्त (निरीक्रण) श्रर्जन रेज-3, वस्वर्ध

बम्बई, विनांक 31 जुल**इ**ई 1985 निदेश सं० श्रई--3/37--ईई/15499/84--85⊸--श्रतः मुझो, र**्**प्रसाद

बावकर निर्मित्रमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उन्त निर्मित्रमा' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम श्रीभकारी की यह निश्चास करने का कारण हैं कि स्थाप संपति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से जिथिक हैं

और किसकी सं० फ्लैंट नं० बी-38, जो, छठीं मंजिल महावीर मेन्शन इमारत, प्लाट नं० 16, गरोडिया नगर घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं (और इससे उपाबंद अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा अवयार अधिनयम, 1961 की धारा 269 ख के अबीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्री हैं, नारीख 1-12-1984

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्नाई प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया बमा मृतिफल निमालिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) सम्प्रदेश के हुई किछी नाम की शावतः, क्षेत्रक समितितम के स्थीत कर दोने के सम्प्रदेश के शामित्स में सभी फारते या उंखके स्थाने के स्थिता के सिए; सेडि/वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या पन-कर निधिनियम, या पन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, जियाने में तृविधा ने विक्:

बर्गः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्थ कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविद्याल स्विकारों अधीन, निम्निविद्याल स्विकारों अधीन,

1. मेसर्स रतीलाल एण्ड कम्पनी।

(भन्तरक)

2. श्रीमती एस० के० गोतेचा और भ्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन कि अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की जबिभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबोंकर स्थक्तियों में से किसी स्थक्ति व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति व्यक्तियों।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 चिन के भीतर उक्त स्थानार संपंत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पाध्वीकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, ओ उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गवा है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० बी-38, जो, 65ों मंजिल, महाबीर भेरशन इमारत, प्लाप्ट नं० 16, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), सम्बद्ध-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि स० अई-3/37-ईई/15499/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज∽3, **बस्ब**ई

दिनांक: 31-7-1985

मोह्रु :

प्ररूप आर्ह.टी.एम.एस.-----

1. मेत्र्सं मनिश ापरिशन।

(म्रन्तरक)

धारा 2. श्री मी० ए० थामसः।

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज−3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/15288/84-85---श्रत: मुझ ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चाक् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यात करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० दूकान नं० 9, जो, हजारी क्षाम, हरियाली विलेज, जंकणन श्राफ स्टेणन रोड़, और एल० बी० एस० मार्गः, विकोली, बम्बई-83 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका क्रायकर ध्रिक्षियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्षार्यालय में रजिस्टी है, तारीक 1-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, आंभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वनसूची

दुशान नं० 9, जो, हजारी बाग, हरियाली विलेज, जंक्शन फ्राफ स्टेशन रोड़ आर एल० बी० एस० मार्ग, विक्रोली, बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क० सं० प्रई-3/37-ईई/15288/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टड िया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधितारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-13, अस्बई

दिनाङ: 31--7-·1985

माहर:

प्रमाण बहर्द् .टी . एव . एव . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मझीन सुभक्ष

भारत सरकार

कार्यातयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांःः 31 जुलाई 1985 निदेश सं० प्रई--3/37-ईई/15400/84--85----प्रतः मुझै, ए० प्रसाद, '

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी सं० यूनिट नं० 311. जो, हिल ध्यू इंडस्ट्रियल इस्टेट, 3री मंजिल, एल० बीं० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ध्य से विणत हैं), और जिसका करारनामा आययर शिंधित्यम, 1961 की धारा 269क, खंके अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-12-1984

को पूर्वीक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे व्ययमान प्रतिकाल का पन्नह प्रतिकाल से प्रविक है और प्रन्तरक (सन्तरकों) भीर पन्तरिती (प्रान्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के निए तब वावा बमा प्रतिकाल का विश्वतिवित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के निए तब वावा बमा प्रतिकाल का विश्वतिवित्यों के बीच ऐसे प्रन्तरक के निए तब वावा बमा प्रतिकाल का विश्वतिवाल सहेश्य से उस्त प्रन्तरच सिधित में वाक्तविकाल सुद्ध से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी नाम की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (क्ष) एेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें आरतीय धायकर प्रश्नित्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत प्रश्नित्यम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी धुनारा प्रकट नहीं निभा गया था था कि किया नामा काडिए था, क्रियाने म

1. मेनर्स चिमल संस्त कार्पोरेशन।

(ऋन्तरक)

2. श्री डी० एल० रामचंदानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों दर स्वान की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इंगरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम, के बध्याय 20-क में यथा परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा जो उस बध्याय में विका पदा हाँ॥

## अनुसू बी

यूनिट नं० 311, जो, हिल व्यू इंडस्ट्रियल इस्टेट, 3री मंजिल, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकापर (प०) बम्बई- 86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि कि प्रई-3/37-ईई/15400/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० जनाद सक्षत्र जा प्रकारी महासक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोंक-3, जस्सई

िनांक: 31-7-1985

मोहुर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सूचना

भारत ऋरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई--3/37--ईई/15056/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकीं सं० फ्लैट नं० ए/१, जो, 3रीं मंजिल, महाबींर मैन्शन, प्लाट नं० 16, गराडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबक श्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप ने विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिज्दी है, तारीख 1-12-1984

को पूर्णेक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पद्रह शित्रात सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई िकमी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुभरण का, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाब (1) वं अधीन, निम्हिलिखन व्यक्तियों, अर्थात :-- 36—236GI85

1. मेमर्म रतीवाल एण्ड कम्पनी।

(भ्रन्तरहः)

2. श्रीमतीं एस० पीं० पारेखा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्सूची

पलैट नं० ए/8, जो, उरी मंजिल, महावीर मैन्शन, ्लाट नं० 16, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई--77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा कि क० मं० श्रई-3/37-ईई/15056/ 84-485 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनों∉: 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रस्य बाइं सी, एस् , धरा , क्रांक्का

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीत संख्या

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांह 31 जुलाई 1.985

निदेश सं अर्ह-3/37-हेई/15369/84-485---- अतः मुझे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो, 4थी मंजिल, राम सागर, काज पाडा ब्रिज, शिव मेना आफिस के पास, आशा लेन, भटवाडी, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका अरारनामा प्रायकर प्रधिनियम. 1961 की धारा 269ए, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इक्यमान प्रक्तिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दक्यमान प्रतिफल से एसे दक्यमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और **भन्तरित (अंतरितियों)** के बीच एभे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनियम के ध्रमीन हो। होते के बन्तरक है कायित्व मी कामी अपने का उमाए क्याने मी सुक्ति के लिए: और/या .
- (स) ऐसी किस। गण या किसी वन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195**7 का** 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिती तुवारा एकट नदीं किया **गया था या कि**त्या जाता माहिका थाः, विकासी हा विविधा के नियः

नत: नन, उन्त अधिनियम की भारा 269-म के जनसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की नपधारा (1) के बधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात 🕌

मेधर्स रामराज बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री भ्याम मलकानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्तर अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित 🧃, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या चया 🚮

#### अमुसुची

फ्लैंट नं० 4, जो, 4थीं मंजिल, राम सागर, काज पाडा बिज, णिव सेना आफिस के पास, आशा लेन, भट-वाडीं, घाटकोपर (पू०), बम्बई- 84 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि ऋ० सं० प्राई-3/37–ईई/15369/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ के अधीन सूचना भारत सरकार

क्षायिलिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/1497 4/84-85--- स्रतः मुझे; ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 50/ए, जो, 1लीं मंजिल, सुयोग एण्डिस्ट्रियल इस्टेट, एलव बींव एसव मार्ग, विकोली (पव), बम्बई-83 में स्थित है (और इसमें उपाबद अनु-सूची में और पूर्ण रूप से बींगत है), और जिसका वरार-नामा आयक्षर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, खंक अधींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 1-12-1984

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत में अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक एप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेनर्स सुयोग इंटरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० जे० मंगोट और धन्य।

(भ्रन्तरितीं)

को यह मूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मं प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में रिशापित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

### श्रनुसूची

फ्लैट नं० 50/ए, जों, 1लीं मंजिल, धुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० वीं० एस० मार्ग, विक्रोली (प०), बम्बई-83 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर श्रई-3/37-१ई1/4974/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 💰

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3, कम्बई

बम्बई, दिनां ः 31 जुलाइ 1985

निदेश सं० श्रई--3/37--ईई/14945/84--85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचतः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकों सं० प्लैट नं० 7 और 8, जो, सी-विना अपार्टमेंट्स, असल्फा, हिमान्य सोसायटी के पान, एन० एस० एस० रोड़, घाटकोप्र, बस्बई-84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिपा उपारनामा आयार अधिनयम, 1961 की धारा 269%, जा के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी, के अपनियम में रिजन्दी है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे उत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः उतः उत्तरं अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ह्—

1. मै० स्टार बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमतीं एस० ग्राय० ए० शिहीकी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वात जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त इन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं० 7 अोर 8, जो. सी-बिना श्रपार्टमेंट्स, असाल्फा, हिमालय सोभायटी वे पास, एन० एस० एस० रोड़, घाटकोपर, बम्बई-84 में स्थित हैं।

प्रनुसूची जैसा कि ५० सं० प्रई-3/37–ईई/14945/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, श्रम्बई ३

दिनांक: 31--7--1985

## इस्स बाह्", टी. एन. एस. ------

1. मैसर्स निलम डिवनपर्स।

(अन्तरक)

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

2. श्री एम० एस० स्वामी।

(अन्तरिती)

#### मारत सरकार

कार्यासक, सहायक जायकर जायकत (मिर्दीक्षण) पूर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश मं० अई-3/37-ईई/15295/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 2'69-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का जारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका लिखत साजार मृस्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

1.00,000/- रु. स आधक हा फलेट नं ० 601, जो, 6 ठी मंजिल, सी-विंग इमारत नं ० शांती पार्क वरोडिया नगर. घाटकोपर (पर्व), बम्बई--81 (और इसमे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप ने विणित है) और जिसकी जरारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय

- 295 र खे जबान बच्चक (स्वत नवान कावकार) में रजिस्ट्री है तारीखा 1--13--84 को प्रकारन संपत्ति के उचित बाजार मध्य से का

कां पृषांकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित याजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिघात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रतिकाल, निम्नीलिखित उच्चेद्रम से उन्तर अन्तरण सिक्ति में साम्तिक रूप से किथत नहीं किया यमा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनयम के अधीन कर वांते के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तरिती ब्वाचा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए वा कियाने में धृविधः वे किए।

त्रतः अस, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उवत अभिनियम की भारा 269-घ क्षे उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह स्वना थारी करके प्रॉक्त संपत्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है पाठ एवन के मागर एक रशापर मम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास पश्चित में विश्वास सकींगे।

न्तार २१५ - एतम प्रयुक्त शब्दों और पदौ खा, बो उपस अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, तहीं अर्थ ग्रामा भे उस अध्याय में दिया समा ही।

#### पनुसूची

पलैट नं ० 601, जो, 6ठी मंजिल, सी-विंग, इमारत नं 2. णोतिपार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (१वें), बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा जि कर संर श्रई-3/37-ईई/15295/ 84-85 ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज−3, अस्कई

दिनांक: 31-7-1985

## प्रकृष कार्यं, टी. एन. एत -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, कम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई०/15368/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसकें पहचात् 'टक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जो, 2री मंजिल, राम सागर, काजूपाडा ब्रिज, बिवेंना श्रॉफिस के पास, श्रसाल्फे, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपावड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका अरारनामा श्रायवर श्रधिनियम, 1961 की धारा 2695, क के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कांग्लिय में रिजस्ट्री है। तारीख 1-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नितिबत उद्वोध्य से उच्त अन्तरण निम्नित से बाम्ब-बिक स्प से किशा गया है :—

- (क) शालर ज ले हुए किसी भाग की वायस उपय थायि-नियम ले बचीन कर दोने के बच्छरक के वाजिए वे कमी करने वा जससे संचने में सृष्टिया के किये; बार वा/
- (का) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उच्च अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया नवा धा वा किया जाना काहिए था, कियाने में सुविधा है सिए;

जत. बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनिक व्यक्तिसमी, अधीत क्र-र मैसर्म रामराज बिल्डर्स।

(भन्तरक)

2. श्रीमती दिपा दिलीप बोराडे।

(भ्रन्तरितीं)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की सर्वीध था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, यो जी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के मीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्दीकरणः---इसमें प्रयुक्त एक्दों और पदों का, थो इक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हाँ।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० 5, जो, 2रीं मंजिल, राम सागर, काजू-पाडा ब्रिज, शिवेंना ऑफिस के पास, असाल्फे, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/15368/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, कम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3, **३म्बई**

दिनांक: 31~7~1985

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प्र (1) के विधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांचय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रोज-3, अस्थई
अम्बई, दिनांछ 31 जुलाई 1985
निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/15563/84-85--श्रतः मुझे,
ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसओं पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 72-बीं०, जो, केन्नर लाईफ को-म्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 2री मंजिल, सिंधु बाडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-तियम, 1961 की धारा 2692, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-12-84

को पूर्वोक्स सम्मांस के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल को निए अन्सरित की गई है और मुभ्ने यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल के प्रतिक्त से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हार्ड किसी अध्य की शावत उक्त अधि नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दासित्व में कसी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती मोहिनी के० मखिजा।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रीमती कोमल एस० सभनानी।

(ग्रन्तरिती)

की बह स्थान जारी करके प्यॉक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्प्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिश की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में बिए जा राजेंगे।

स्पक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ हरोगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

#### -

फ्लॅंट नं० 72-बी०, जो, केश्चर लाईफ को-श्चॉप० हाउमिंग सोक्षायटी लि०, 2रीं मंजिल, मिधु वाडा, 252-ए०, एम० जी० रोड़, घाटकोपर, वस्वई-77 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि नं ध्रई-3/37-ईई/15563/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्काम प्राधिकारी सक्कायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रकृष आइं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-3, बभ्बर्ष

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/15564/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं टनमेंट नं 72-ए०, जो, केन्नर लाईफ को-प्राप० हार्जीस्म सोक्षायटी लि०, 1ली मंजिल, विधु वाडी, 252-ए०, एम० जीं० रोड़, घाटकोपर, बम्बई--77 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिनस्ट्री हैं, तारीख 1-12-84 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरिस की गई हैं और मूफे यह बिख्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीणीखत उद्विश्य से उक्त अंतरण विचित में वास्पविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्द में कभी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अशः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्रीमती मोहिनी के० मखीजा।

(अन्तरक्)

2 श्रीं एस० बी० सबनानी।

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

टेनमेंट नं० 72-ए०, जो, केन्नर लाईफ को-आप० हार्जीसग सोसायटी लि०, 1ली मंचिल, सिंधु वाडी, 252-ए०, एम० जी० रोड़, घाटकोपर, बम्बई- 77 में स्थित है। श्रमुस्त्री जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/15564/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज- 3, अम्बई

**信前**书: 31-7-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-३, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई, 1985

निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/15469/84-85→-ग्रन: मुझे ए० प्रसाद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 5423, जो, इमारत नं ० 197, महाराष्ट्र हाऊसिंग बोर्ड, पंत नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई- 75 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर श्रीधितयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 1-12-84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित, की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्वकर अधिनियम, या ध्वकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिशत क्यियतयों, अर्थात् :--- 37---236 GI 85

(1) श्री एम० एम० ढोलिकया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० बी० कामदार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनयम, के अध्याय 20-क में ९रिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### भ्रनमुची

"फ्नैट नं० 5423. जो, इपरित नं० 197, महाराष्ट्र हाऊसिंग बोर्ड, पंत तगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75 में स्थित हैं।

प्रतुमूचे। शैमा कि कि सं० सर्द-3/37-ईई/15469/-84-85 प्रीर जो पक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-3, **बम्बई**

दिनाँक: 31-7-1985

## प्रकथ आहे. टी. एन . एत . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के बधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यानय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० भ्रई-3/37-ईई/15290/84-85----श्रत: मुझे ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रूथावर सम्पत्ति, जिसका उमित वाजार मृल्य 1,00,000 ∕- रत. से **अधिक ह**ै।

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 19, जो, तल माला, जी-विग विक्रम ब्रागार्टमेंट, न्यू माणेकलाल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्म्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाें) और **शं**तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किली भाग की बाबत, अबब अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सावध के लिए; और/वा
- (च) इसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कार विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ बुवारा प्रकट नहीं किया नया थाया किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

बत: वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26०-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् ६——

THE STATE OF THE S (1) मैसर्स विक्रम डेव्हलोपर्स ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 4.5 विश की अविधि या तत्सम्बन्धी अयक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यास;
- (ह) इस तुमाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, कही अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया

दुकान नं० 19, जो, तल माला, जी-विग, विकम भ्रापार्ट-मेंट, न्यू माणेकलाल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

थ्रन्**सुची जैमा कि क० सं० थ्रई-3/37-ईई/15**290/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्राग दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक : 31-7-1985

में(हर:

## प्र**चल आह**्डी<u>. २</u>न्.**एव**ं वन्त्रवननवनवना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में सभीन समना

#### भाइत इएकर

## भार्यांसर, सहारक शारकर शाक्का (निरक्षिक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/15162/84-85—-प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत निधीनयम' कहा गया हैं), की वारा 269-ब के निधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विकास करने का कार्यन हैं कि स्थानर संपरित जिसका उचित नामार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, जो, 2री मंजिल, डी-इमारत;
सालमन चेंबर्स, एस० बी० एस० मार्ग, कुर्ली, बस्बई-70 में
स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को प्रवेक्त संपरित के उजित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान शितपाल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि येजाप्वोंक्त खब्मित का उजित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिपाल से, एसे स्थमान प्रतिपाल का बंबह प्रतिवात से बीधक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितीववाँ) के बीच एसे बंतरुष के निष्य तब पावा बंवा प्रतिप्त कर्त निम्मितिका उक्करेक से उनत बनारण विश्वित में बास्त-विक रूप से कर्षित नहीं किया गया है :---

- (का) बन्धरम् चे हुए चिन्नी बाव की बावक बनक विश्वतिका के अधीन कर बोने के बन्धरक श्रीकरक में कर्मी करने वा बसने बांसने को सुनिधा को बिए; बार/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, रिवाइ भारतीय वायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन कव जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकड नहीं किया परा वा किया वाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा की लिए:

ब्रुट: ब्रुव, ब्रुव्स अधिनियम की भारा 269-व के बनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की बुपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती बी० जे० ग्रतार।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० ग्राई० परकार।

(अन्तरिती)

को यह शुक्राना चारी अध्यक्ते पूर्वोक्य संपत्ति श्री वर्णन के सिक कार्यवाहियां करता हो।

बन्द सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में नरेड भी जालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी अविध शोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवर्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधादा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी वस्य व्यक्ति बुवारा वधोहस्ताकरी के वास सिक्ति में किस वा सकों ने।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा को उस अध्यान में विशा मना ही।

### अनुसूची

पलैट नं० 204, जो, 2री मंजिल, डी-इमारत, सालमन चेंबर्स, एल० बी० एम० मार्ग, कुर्ला, बस्बई-70 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/15162/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनौक: 31-7-1985

मोहर 🛮

प्ररूप बाह्र .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर अन्त्कत (निरीक्षण) ग्राजीन रेज-3, बमबई

बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रर्ष-3/37-६६/15405/84-85—श्रतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० ब्लाक नं० 5389, जो, इमार्त नं० 195, एम० एस० बोर्ड, 2री मंजिल, एम० श्राई० जी० पंत नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75 में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं) श्रौर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-12-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य मे उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने अ अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तिस्ताँ, अर्थात् :--- (1) श्री बी० एन० पाताडे।

(ग्रन्त'रक)

(2) श्री प्राणलाल मोतीलाल शहा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के वर्जन के सिए कार्यनाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नमृस्ची

ब्लाक नं० 5389, जो, इमारत नं० 195, एम० एच० बोर्ड, 2री मजिल, एम० श्राई० जो० पंत नगर, घाटकीपर (पूर्व), बम्बई-75 में थित है।

श्रतुस्वी जैसा कि कि० सं० श्रई-3/37-ईई/15405/84-85 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बस्बई

िनौंक: 31ø7-1985 ·

जोहर 🖫

प्ररूप आहें .टी. एन .एस. ------

1001 (1001 <del>- -</del> 10) <del>- -</del>

आयअर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर माय्यत (निरीक्षण) श्रजंग रोंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देण स० ग्रई-3/37-ईई/15005/84-85----- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. ते अधिक है

स्रीर जिनके। चं जनैट तं 1. जो, 10को पंजिल, इमाप्त नं 60, दामोदर पार्क, एल बार एस मार्ग (प०), बम्बई-86 में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध श्रनुसूच। में श्रीर पूर्ण म्य से विणित हैं) श्रीर जिस में क्यार्यकामा श्रायकर स्रीधिनयम 1961 की धारा 269 ए ख के श्रयान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट। है, तार्राख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित काजार मृस्य, उसके इर्यमान प्रतिफाल से एसे इस्यमान प्रतिफाल के पन्तक प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित बन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिस्त का प्रतिकात में बास्तविक स्प से कथित वहीं किया गया हैं :—

- (क) बन्दरण ये हुई किसी बाय की बावत, उपत विभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/वा
- (क) ऐसी किसी अपय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

, बच: श्व, उक्त विभानियम की भारा 269-ग के अनुसरण वी, बी, उक्त विभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) की वर्षीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्भात् :--- (1) मैसर्स मेहना ग्रासोसिएटस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्र) दर्शन मदनलाल गुप्ता ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना वारी करके पूर्वोक्त सम्पर्क्ति, के अर्थन के निए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसं सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पांत्र सिसित में किसे वा सकनें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### तमस्यो

पलैट नं० 1, जो, 10वीं संज्ञिल, इमारभ नं० 60, दामोदर पार्क, एल० बीं० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), दम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैपा कि कि से श्रई-3/37-ईई/15005/84-85 और जो पक्षम प्राधि हारी वम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण) भ्रजैन रोज-3, बम्बई

**दिनांक**: 31-7-1985

योक्ट 🕫

प्रकृप बार् , टी. एन. एस्. ----

बायकर जिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्दालक) श्रजन रोज-3, बम्बई

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे इस्में इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, जो, प्लाट नं० 191/12 गरोडिया नगर के सामने, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 कें धारा 269 के ख के श्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के हरयमान शितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि प्यापूर्वोक्त सम्पति का उचित वाजार मूर ट्रन हे दृश्यमान प्रतिकृत ने, ऐये दृश्यमान प्रतिक संक्राप्यद्वहुं प्रतिस से प्रशिक है बीर प्रगर क (प्रश्त दक्ती) चीर प्रश्तरिती (ब्रम्त रितियी) के बीच पेसे बस्तरण के लिए तथ पाया च्या प्रतिक्रम कि किवास बही किया गया है !--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाथ की वावत, के जक जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी कड़ने वा उससे वजने में कृतिका से लिए; बड़ि/बा
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धन या उन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सविधा के किए; और/वा

अत: अब, उक्त वीभीनवंग की भारा 269-ग के अनुभरण प्र`, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उस्भारा (1) के अधी , निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्षात् हु— (1) श्रीमती जैविश लेखे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० एन० मंखिजा श्रीर भ्रन्य।

(प्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्वन के सिख् कार्यनाष्ट्रियां सुक करता हूं।

उन्हां सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सुनान के राज्यम में प्रकाशन की तारीन है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सुन्ना की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृज्यित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृज्यातः;
- (व) इत त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य ग्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पृथ्वीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, थे। उक्क विभिन्नियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस बच्चाय में दिवा ववा हैंगे।

#### वन्त्रुप्ती

फ्लैंट नं॰ 16, जो, प्ताट नं० 191/12, गरोडिया नगर के भामने, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/15374/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-३, बम्बई ।

दिनांक: 31-7-1985

प्रस्प काइ". डी. एन. एस.,------

काथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 31 जुलाई, 1985 निर्देश मं० श्रई-3/37-ईई/15104/84-85—श्रतः मुखे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 001, जो, तल माला, इमारत नं० 14, क्याडिया नगर, संएक्टि रोड, कुर्ला (प०), बस्वई-70 में स्थित हैं (भीर इससे उपावद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप भी विणित हैं), और जिन्हा करारवामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्रधित्तर्ग के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-12-1984

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यवा प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्तिक रूप से किथा गया हैं:—

- (क) बन्तरम् सं शुद्रं किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसस अवने में स्विधा के लिए; बार्ड/बा
- (च) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ने जनते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिजी दारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, तकतः अधिनियमं की धारा 269-गं की अनुसरक में में जिल्ला सिधिनियम की धारा 269-गं की उपभारा (1) के में जिल्लासिक व्यक्तियों, अर्थात :— (1) दिवक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटंड।

(ग्रन्तरक)

(2) मन्नन सलिम खान श्रीर श्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि,, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 001, जो, तल माला, इमारत नं० 14. क्या-डिया नगर, मीएसटी रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है। श्रमुसूत्री जैमा ि क० मं० श्रई-3/37-ईई/15104/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिजस्टर्ड िया गया **है**।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि । र्रा सह्य ह ग्राय हर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रोज-३, बम्बई ।

दिनों 🖯 : 31-7-1985

मोष्ट्रः

प्रकृष बाह् . हो . पुन् , एस . ------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के नभीद सुमना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां ५ 31 जुलाई, 1985

निर्देश मं० ऋडी/3/37-ईडी/15546/84-85----श्रनः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाधार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० देतामेंट नं० 72, जो, फ्रेंबर, लाईफ को-म्राप० हार्कीण मोजाइटो लि०, तत माला, लियु वाडी, 252/ए, एम० जो० रीडा, वाबई-77 में स्थित हैं (ब्रीर इमेल उजावड़ अनुभूचा में ब्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ब्रीर जिसाम करारनामा आयाकर अधिनियम 1961 को धारा 269 के ख के अधोन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिट्ट, है, तारीख 1-12-1984

कारे पूर्विकत सम्पत्ति को उपित बाजार भृत्य से कम को स्वयमान प्रतिकास को सिए अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित खब्द क्य से उक्त अंतरण निधित में मास्तिक कप से किंपिस महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) 'एंसी किसी आम वा किसी अन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय संयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर खंड वीचिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती कुनारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया चाना चाहिए वा. कियाने में सुनिया के विदः

शत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अभूतरण वा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीन, निम्निनिवित स्पिक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीमती मोहिनी के० मिखला।

(श्रन्तर ह)

(2) श्री विनोद बी० सभनानी।

(भ्रन्तिरति)

कां बहु बुचना पारी करके भूजोंचत सम्मित्स के बर्बन के निष् कार्यनाहियां करणा हु !

उन्दर सम्बद्धि के सर्वप के सम्बन्ध के कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की ताड़ीच से 45 विद की जबीध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीच से 30 दिन की जबीध, वो भी नबीध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कांचलमें में ते विश्वी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 विन को भीतर उक्त स्थानर संपास में द्वित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्साक्षरी के गास जिक्ति में किए वा सकोंचे ।

स्वाधिकरण :--- दुसमें प्रमुक्त बच्चों बीर वर्षों का, को स्वक स्विधित्वय के सभाव 20-क को परिभाषित हैं, यही वर्ष होना को उस सभाव में जिस वस है।

#### वन्स्या

टेनामेंट नं० 72, जो, क्षेत्रर लाईफ को-म्राप० हाऊसिंग सोमाइटी लि०, तल माला, ाबु वाडा, 252/ए, एम० जी० रोड, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूचः जैता ि क० मं० श्रई-3/37-ईई/15546/84 85 श्रांग जो सनम प्राधि एरः वस्बई बारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया एया है।

> ए० प्रसद्ध सक्षम प्रावि हारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रोज-3. बम्बई

दितां ह : 31-7-1985

मोहुर ः

## प्रक्रम् बाइ . टॉ . एव . एव . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के नधीन स्वना

#### भारत बरकाड

अधिमय, सहायक आधकर आयक्त (निरीक्रण) ग्रर्जन रेंज~3, **बम्बई** 

बम्बई, दिनौंक 11 जुलाई 1985

निवेश सं० श्रई-3/37-हेई/15103/84-85-श्रतः मुझै, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-व में अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित कावार जुवन 1,00,000/- रा. से **वधिक हैं** 

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 301, जो, तिसरी मंजिल, समिना अपार्टमेन्टस' एन० एम० एम रोड, हिमालय सोसाइटो के पास, श्रसल्फा घाटकोपर (प०), बम्बई-84 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूर्च: में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),/ग्रीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ब के ब्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है सारीख 1-12-1984

का पूर्वीवत संपत्ति के उचित वाबार मूल्य से कम के अल्बनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्याब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित् नावाह मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे धरयमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अंतरिशतियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा नचा प्रतिफल, निम्नलिकित उक्दोब्ब से उक्त अंतरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अन्तरन से हुई किसी नाय की वाबत, उनक अधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वर्तीवरन में कमी करनेया उद्यसे बचने में बुविधा चै [िसए; कॉर∕वा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्सियों को जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अभिनियम, या भनकर संधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

वतः वद, उक्त विभिन्यम की भारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः----236GI|85

(1) मौसम स्टार बिल्डमं ।

(प्रत्तरक)

(2) श्री मेहबब प्रन्दल रेहमान ग्रीए प्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इह स्वना के राजपत्र में अकाशन की तारीच सं 45 विज् की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ प्र **यूचना की बामील से** 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विज के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-**बद्भ किसी अन्य व्य**क्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी **के पास लिखित में किए जा** सक<sup>र</sup>गे।

ल्क्बीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 - कर्मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्सकी

पर्लंट नं ० 301, जो, 3रो पंजिल, याबना प्रपार्टमेंटम, **इब०** एस० एस० **ोड**, हिमालय सोनाईटी के पास, भ्रमल्फा, वाष्टकोयर (प), बम्बई-84 में स्थित है।

**अनुसूची जं**सा कि कल सं अर्द-3/37-ईई/15103/84-85 भौर जो संअम प्राधिकारी बम्बई होता दिनों 5 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद ान प्राप्ति पर', सहायक श्रायक्तर श्रायका (निरःक्षण) ग्रजन रोज-3. वस्बई।

> > अर ४० व्याभ कोर्गन्य the start of the last terms furgifical services of the

दिनांक: 31-7-1985

भाहर:

प्रका नाइं. टी. एन. एक..----

नायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की नाम 269-क (1) के क्योग क्यान

#### भारत बरकाइ

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) 🐃

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्देश वस्तं ग्रई-3/37-ईई/15510/84-85—मतः भुझः ए० प्रसाद,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिंदे इसमें इसके पश्चात् (उन्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो, इमारत नं० 2, एमधाईश्री कालीनी, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है (धीर इसके उपाबद अनुसूर्व। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारी खाना 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मचा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के सिए तम पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अकरण उर्जाच्या मा बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बावत जनत अधि-नियम के अधीप कर दोने के जन्तरक की दाशित्य के कामी कारने या उद्यंत वचने में तृष्टिया की जिल्हों;
- (मे) एसी किसी बाब वा किसी धन बन्क कारिसावी की, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियंत्र, वा धनकर अधिनियंत्र, वा धनकर अधिनियंत्र, वा धनकर अधिनियंत्र, वा धनकर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) अधि प्रयोजनार्थ जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया बासा वाहिए था कियाने में सुविधा से लिए;

जत: अब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ण **के अनुसरण** जो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा रिंग्ही अं प्रभीत निम्निमि**त व्यक्तियों, वर्णीत डे-** (1) श्री बी० बालसुश्रमण्यन

(भ्रन्सरक)

(2) श्री भ्रहमद खान हुसैन खान।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुचना चारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कारका हूं।

उक्त सध्यत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास के वधीन, निम्निचितित व्यक्तियों, अधीत :---

स्पाद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदी का, जो उत्तर अधिमियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### तमसर्थीं

फ्लैट नं० 7, जो, इमारत नं० 2, एमग्राईजी० कालीनी कुली (प०), बम्बई-70 में स्थत है।

श्रनुसुको जैंसा कि ऋ० मं० श्रई-3/37-ईई/15510/84-85 श्रीर जो जजम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनां रु 1-12-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि तरा सहायक भ्रायकर भ्राय्यत (निरंक्षण) भर्जन रोज-3, बम्बई

दिनांकः: 31-7-1985

भाहर ह

प्ररूप आहूर्, टी. एन. एस ,,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/15379/84-85—भतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वस्थ करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, गोरेगांव मदन विहार की. श्रीप० हाऊसिंग सोलाइटी लि०, तल माला, 189, जवाहर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित हैं श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रीर पूण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसरा करारनामा श्रीयकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 के, खे, के श्रीकी बम्बई नियत संज्ञम गांवि होरों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा प्या प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किशिवत के बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृजिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

शतः शंश, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) केशर वं ।० इजारे धीर भन्य ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो महेंद्र भुमार मूलचन्द शहा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धनिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किमिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसृची

ु श्रनुसुचं: जैसा िक कर्यार प्रई-3/37ईई/5375/84-85 और जो नक्षम प्राधि शरा बम्बई द्वारा दिनां र 1- 2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद गाममा प्रतिर परः, सहाप्रक श्रायकर ऋत्युक्त (दिराक्षण) स्रजीन रोज-३, बस्बई

दिनां ह : 31-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप **वार**्ड दी , एन : एक :-----

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन र ज-3, बस्बई

बम्बई, दिन ः 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई- 3/37-ईई/15362/84-85**-मतः मुक्ते** ए**० प्र**साद,

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 क के अधीन स्थाप प्रीधिकारों की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार क्रव 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिमका मं ज पर्लंड नं उ. जो, इमारन नं 2ए, नित्यान बाग, चेंबूर, बागई में लियत है (श्रीप इमक्ष उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का के जिला है श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 ं ख, के अधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के जावालय में रिजस्ट्री है तारी खानि 1-12-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रवमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह निश्नास करने का कारण है कि अधापुबोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सा, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से आधार है आर अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिनया) के याच एस अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नोलाखत उन्वंद्य से उक्त बन्तरण मिवित के शिक्त कर से अधित वहाँ किया गया है :—

- (क) अम्हत्यम संबुद्ध किसी नाम की गायक, उनका सीकालयम के अभीन कर दोने की बनाइक की दश्यास्त्र भा कभी कारने या उन्तरे वचने में सुविधा की हिलाह, और/वा
- (श. एक जिसी कार का किसी धन या बन्य बास्तिबाँ .ा., (अन्हां भारतिय आयकर अधिनियम, 1922 ..) १२ हे ११) या उक्त अधिनियम, या धन-वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासना अवस्ति है सारा प्रकट नहीं किया गया का धन वा किया जाना चाहिए था, छिपाने बैं सिवधा के लिए;

अतः सम, उद्धा निधिनियम की भारा 2(19-ग के, बन्सरण् भा, औं. उद्धा प्रधिनियम की भारा 269-ा की उपभारा (1) की अपीन, पिम्नीप्रिणित व्यक्तियों, अभीत् :— (1) श्रं। गिरधारीलाल जे० थापर।

(बन्तरक)

(2) श्री निलम कपूर।

(अन्तरितो)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के केर्यन कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहरू किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निचित्त में किसे वा सकी।

स्वक्षाकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक् वीधीनवम, के अध्याय 20-क मे परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

## वनुसूची

फ्लैंट नं० 2, जो, इमारत नं० 2ए, नित्यानस्य बाग, चेंबुर, बमबई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि किश्म के श्रई-3/37-ईई/15362/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधि हारी बम्बई द्वारा दिनों है 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सञ्जम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरिक्षण) प्रजन रेंज्∹, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

## नकप नार्षेत्र द्वील पुरस्त पुरस्त ----

नायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

#### STEE SERVE

भाषांमय, सहायक नायकर नायकर (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-3, बम्बर्ड वम्बर्ड, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्वेश सं० द्वाप्यई-3/37-ईई/15307/84-85 ---अतः मुझे, **ए**ए प्रसाद

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृख्य 1,00,000/- राज से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 6, जो शंकर ज्योति को-भ्राप हाऊनिंग सोमायती लिं०, 10वा राम्ता प्लॉट नं 233-ए सबर्बन स्किम नं०-3, चेंबूर बम्बई में स्थित हैं (प्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), घौर जिपका करारतामा आयाकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खं के अधीन, बम्बई स्थित अक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, नारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और अभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार वृष्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया ब्रिक्ति, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक एप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्च जीवनियम के जधीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में केनी करने या उन्नक व्यन में दुविवा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन य अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त आंधिनियम, या अल-कर अधिनियम, या अल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए आ, किया में सुविधा के निष्;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क्षे अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, सुधाति क्षे (1) श्राबिनय कृष्णा चकवर्ती।

(भन्तरक)

(2) श्रं। रोनजोन मुखर्जी

(भ्रन्तरिती)

की यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ज से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध कहा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकद
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत व्यारा, अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीळरूण :----इसमें प्रयुक्त कब्यों और पद्यों का जो उक्स् जिथिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसर्वा

फ्लैट २० ६, जो, शंकर ज्योती को-ग्रॉप० हाऊस्णि सोसाइटी लि०, 10शा रास्ताप्लाट तं० 233-ए, सबर्बन स्किम नं० 3 चेंबर, बम्बर में स्थित है।

स्रनुसुधा जैसाकि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/15307/84-85 और आंसक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्ट किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षमः प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-3, बम्बई

दिना कः : 31-7-1985

नोहर 🛭

प्रस्प भार्ड , टी , एन , एस , -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, महायाक कार्यकर श्वापुक्त (निरक्षिक) प्रार्जन रोज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/15394/84-85----श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसको सं ० फ्लैट नं ० 6. जो, इमारत नं ० 18-ए, नवजीवन को-ग्रॉप० हार्कासग सोमाइटे लि०, चेंबूर, बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचः में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रीवीत, बम्बई स्थित जन्नम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिघात से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतर रिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में हास्किवक क्य के कथित नहीं किया गवा है :---

- (क) अंतरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त की भा नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के बायित में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के किए; अरेर/या
- एसी किसी जाय या किसी धन मा अन्य अपिस्तरों को जिन्हों भारतीय नायकर जंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जकत अजिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना घाहिए था, अख्यान में सुविधा के लिए।

बत क्य, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अर्थन, निम्निलिखा व्यक्तियों अथात :— (1) श्रीमती पूतली बाई जे० मलकानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो दीप ∌ टी० ही जवानी श्रौर श्रन्य ।

(ग्रन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अग्रीधि या तत्संबंधी अ्यक्तियो पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अर्गाध, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

रुक्किरण:---इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यो का, जो उक्त मध्यकर अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अधि होगा जा उस अध्याय में विकास पत्रा हैं।

#### अन्स्ची

पलैट नं ६ 6, जो, इमारत न० 18 -ए, नवजीवन को-ग्रांप० हाऊसिंग सोस इटी लि०, चेंबूर, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुचें। जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/18394/84-85 श्रौर जो मक्षम प्राधि गरी। बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम गाधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (जिर्दाक्षण) स्रर्जन रोज-3, बस्बई

दिनांषा: 31-7-1985

## इक्ष्य बार्ड हो, एवं, वृद्ध ......

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्योग सुवा

भारत बरकार

## कार्यालयः सहायकः जायकर बायुक्तः (विरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 ज्लाई 1985

निर्वेश सं० श्रई-3/37-ईई/15565/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार बुस्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीए जिसकी पर्लंड नं 5, जो, प्लाट नं 12, इंदूमती सवन पेस्टोम मागर, चेंबूर्बस्वई-89 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 वे ख के श्रिधीन, बस्बई स्थित गुझम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीखा 1-12-1984

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रावमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरातयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षास निम्मलिचित उद्योध्य से उचत अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण **ते हुई किसी जाय की बाबत उक्त वीध-**नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दसीयत्थ में कभी करने या दससं अध्यय में सुक्थिक के लिए; बॉर/मा
- (आ) एसी विस्ती आयः या किसी अन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए;

जत: जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-क के अनुसरण में, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्--- (1) मैंसर्न एच० एग० पी० इंटरप्रायसेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो के० ए० विण्वनाथन ग्रौर ग्रन्थ।

(श्रम्परिती)

नार्वे वह शृष्या बारों करके प्रांक्ति सम्परित के व्यंत के लिए कार्यवाहियां कुरु करता हुं।

## क्षपद्ध कुम्मारत के वर्षक के बस्त्राम में कोई भी नासंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पृत्रों का
- (क) इस सूचना के राज्यण में प्रकाशन की शारीख हैं

  45 दिश के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिस के ब्रुच किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए या सकर्षाः

स्पार्कीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में निरमाधित हैं, वहीं वर्ष होगा ओ उस अध्याय में दिया

#### अन्स्ची

पर्लंट नं० 5, जो, 'लाट नं० 12, इंदूमती सदन, पेस्टम सागर, चेंब्र, बम्बई-89 में स्थित है।

श्रनुसूनी जैसा कि ऋ० मं० श्रई-3/37-ईई/15565/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसद सक्षमः प्राधिकारी सहायक प्राथकर श्रापुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-3, बम्बई

सारीख: 31-7-1985

प्रकलः नाहाः हो। एनः एतः -----

(1) श्री बाबुलाल ग्रंबालाल जैन।

(ग्रन्तरक)

भागकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

(2) श्रां एम० डी० शेणांये।

(अन्तरितो)

#### भारत सरकार

## कार्यातम, सहायक मायकर मायुक्त (पिर्याजन)

श्चर्णन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/15280/84-85---श्रतः मुझे,

ए० प्रसाद

कायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परकार 'उसत विधित्तयम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाधार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिलकी सं० पलैंट नं० 10, जो, इमारत नं० ए, तल माला जीवन नैया को-श्रांप० हाउसिय सीमाईटी लि०, टेलेफोन एक्सचेंज के पोछे, चेंबूर नाका, बम्बई-71 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूबा में श्रीर पूर्ण रूप सं्विगित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के ख के श्रिधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, सारीख 1−12~1984

क्ये पूर्वीक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्ब है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वीक्त तंपित्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ने) और बन्तरिशी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरक के लिए तय बाबा नया प्रतिक्रस, निम्मीलिखत खब्देश्य से उसत बन्तरक मिन्नित में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बंतरण स हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के बन्तरक के बावित्य में कनी करणे वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, था बन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम नी धारा 269-ग के बनुसरण वी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकितः व्यक्तियों, अधितः :---- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

### उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के ताबपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संसधी व्यक्तियों ६९ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अविकास में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (श) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिंखित में किए जा सकरेंग।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है:

## अनुसूची

पर्लंट नं० 10, जो, इमारत नं० ए० तल माला, जीवन नैया को-आंप० हाउमिंग मोनाइटो लि०, टेलेकोन एक्सचन के पीछे, चेंबुर नाठा, बम्बई-71 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकी कर संरु प्रई-3/37-ईई/15280/84-85 श्रीर जो अक्षम प्राधिकार: बम्बड द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड फ्रिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरंक्षण) श्रर्जन रेज-3, यम्बई

षिनोक: 31-7-1985

प्रकृष आहे. टी. ६५. एस्.,-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### नारत सरकार

## कार्यानव सङ्घायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 ज्लाई 1985

निर्वेश सं० श्रई-3/37-ईई/15389/84-85—श्रनः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आकार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० डी-2, जो, इमारत नं० 8. 3री मंजिल बसन्त पार्क, ग्रार० सी० मार्ग, चेंबूर, बस्बई-71 में स्थित है (श्रौर इससे उपादक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य ते कम के करवजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करवे का कारण है कि यथाव्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिग्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित्त उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बलारण से हाड़ किसी नाय की बायत स्थल क्षिपित्रियम के नभीन कार दोने के जल्लरक वे द्रायतन म कमी कारने या अससे राजने में सुविधा के स्टाए, नौर/या
- (च) एसी किसी जाब या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया उपन चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

अत. अब, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ग क अन्सर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिच्च व्यक्तियों, अधीत् :—- 39—236 GI/85

(1) कुमारी देवी डी० बेल्लारा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० जी० नोरोन्हा।

(ग्रन्सरिती)

को सह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के नर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त संपत्ति से बर्जन के संबंध में कोई भी बासने ८--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अवधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्सक्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अभोहस्ताक्षरी के पाब निकित में किए जा सकोंगे।

ह्मच्चित्रण :---इसमें प्रमुक्त कर्यों और पर्वो का, को उनक निभिन्निम के अभ्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होंगा को उस अभ्याय में दिया नवा है।

## न्त्रवी

पर्नेट न० डी-2, जो, इमारत नं० 8, 3री मंजित, बसन्त पार्क, श्रार० सी० मार्ग, चेंब्र, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-3/37-ईई/15339/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी अस्बई द्वारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिन्दर्श किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 31-7-1985

प्रकृप काइं.टी.एन. एस.-----

# आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्याच्या, ब्रह्मायक आयक्तर भाष्ट्रका (निज्योक्षण)

म्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 ज्लाई, 1985

निर्देश मं० अई-3/37-ईई/15118/84-85----श्रनः मुझे, ए० प्रमाद

जाबकर जीपीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी जा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूल्य 1,00,000/-छ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं हुकान नं 13, जो नल माला, पारस निकेतन, प्लाट नं 35, 38 ग्रौर 39, सेक्टर नं 6, छेडा नगर, चेंबर, बम्बई-89 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 29 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाचार मूल्य से क्षम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए बन्द रित की गई है और मूओ यह निक्वास करने का कारण है कि सथा पूर्वोक्त संपत्ति का उल्वित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल न दिस्मान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकाद से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिवां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना ग्या प्रतिफल, जिन्निविद्य उद्देश्य से उन्तरण के लिए तय पाना ग्या प्रतिफल, जिन्निविद्य उद्देश्य से उन्तरण के लिए तय पाना ग्या प्रतिफल, जिन्निविद्य उद्देश्य से उन्तरण के लिए तय पाना ग्या प्रतिफल से का अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्त आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् ए— (1) श्री वेलजी शिवजी राम्भीया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री काँतिलाल के० गाँगरी

(भन्तरिती)

को अह सूचना प्रक्रा करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यभाहियां भूकं करता हुं।

इक्त संपत्ति के जर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बनिश या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकद्थ किसी अन्य श्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतेंगे।

स्पन्नीकरणः -- इसमें प्रमुक्त कर्का और पदों का, जो समत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **अनुस्**ची

दुकान नं० 13, जो, तल माला, यारस निकेतन, प्लाट नं० 35, 38 ग्रीर 39, सेक्टर नं० 6, छेडा नगर, चेंबूर, बम्बई-89 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/15118/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा निर्कत 1-12-1884 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, बस्बई

दिनाँक: 31-7-1985

बोहर:

म्बन् बाद्र्रं,दी,एन,एस ्नन्नन्नन

आयक्षर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) कर्ते भारा 269-म (1) के विधीन सूचना

#### 

कार्थाल्यः, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई, 1985 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/15338/84-85—-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चार 'उन्त अभिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-व के अभीन जक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थानर सम्पत्ति, जिलका उचित नाजार मूस्य 1,00,000/- क. ते निधक हो

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 55, जो, पहली मंजिल, इमारत ब्लाक-बी पहा इंडस्ट्रियल इस्टेट, देवनार, बम्बई 88 में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण क्य से विणित हैं) भ्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-12-1984

का पूर्योक सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के कावमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थानुवॉक्त सम्पर्ति का स्वित बाजार मूल्य, उतके दश्यनान प्रतिकल से एते कावमान प्रतिकल का पंक्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तर्ण के बिह्न तब बाया गया प्रतिक कम निस्मितिका उच्चेत्र्य से उच्या अन्वरण विश्वित में बास्त-

- (क) अन्सर्थ से हुई किसी आय की बाबते, उपत अधि-निष्ध के सभीन कर दोने के अन्तर्क के कवित्व में कसी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रीड/वा
- (क) एँसी किसी नाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार आँधानयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 रुप्तित की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया प्रधा था वा किया जाना जाहिए था, किया में सुविधा के सिक्;

अतः अथ , उक्त अभिनियम की भारा 269-व की अनुवरण ओं , मैं , उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन , स्मिनिचिष क्यिक्ट्रों अर्थात् अ— (1) श्री गोपाल ए० जोगवानी भीर भन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेण श्रार० लालसानी।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के तस्यन्थ में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायथंत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 बिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 बिन की सर्वाध, जो भी संक्षि बाद में सर्वाध्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हो,
- (च) इत तुक्का के राज्यत्र में प्रकावन की तारीच से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित इवारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## प्र**नुसू**ची

यूनिट नं० 55, जो, पहली मंजिल, इमारत ब्लाक-बी शहा इंडस्ट्रियल इस्टेट, देवनार, बम्बई-8 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-3/37-ईई/15338/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनाँक: 31-7-1985

नोहर 🛮

## वर्षम आई'.टी.एन.एस..------

# बाधकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन सूचना

#### भारत संस्कार

## कार्याजय, बहायक जानकर अध्यक्त (निरक्तिण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/15486/84-85—ग्प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नावकर निधानवन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रथात् 'उनक निधीनवन' कहा गना हाँ), की भारा 269-च के नभीन सक्षत्र प्रथिकारी को नह निस्तास करने का कारण है कि स्थान प्रशिक्त जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

भीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 2, जो, ब्ल्यू० डायमंड श्रपा मेंटस, महिष दयानन्द सरस्वती मार्ग, चेंबूर, बस्बई-71 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वीयस सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि बथापूर्वीकत सम्पत्ति का उणित बाजार भूत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के न्यि तय प्रवा गया प्रतिफल, निम्नितिस उष्विय से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त जीभीनवश के जभीन कर बोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचाने में सुविधा के लिए; जीर/बा
- (थ) एंबी किकी जांग मा किसी थन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आसंकर जीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, स्थिमों में सुविधा के किए;

क्का: बन, उनत सीमीननम की धारा 269-न से अनुसरण को. को उनत अधिनिसम की भारा 269-स की उपधारा (1) को अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती श्रार० डी० शरीफ

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीजयंत कुमार गुप्ता

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी सरके पूर्वोक्स सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भनीय मा तत्सम्बन्धी स्मिन्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यक में अक्स्पन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लैट नं ० 2, जो. ब्ल्यू डायमंड अपार्टमेन्टस, महर्षि दर्या-नन्च सरस्वती मार्ग, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-3/37-ईई/15486/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनौक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्फन रेंज-३, बम्बर्ड

दिनौंक: 31-7-1985

प्रकृष भाइं.टी. एत. एस------

बावकर गीभीनवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के ग्रेशन स्थान

#### भाषत सहस्रार

कार्यांत्रय, सहायक आवकर जाण्यत (निरीकण) ग्रजन रेंज-3, वस्बई

बम्बई, दिनॉब 31 जुलाई 1985 निदेश सं० प्रई-3/37ईई/15220/84-85--प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्समें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, कर्ने भाष 269-क के अधीन कथाम प्राधिकारी को वह जिल्लाक करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लाक स्रीयत बाजार मूख्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मं प्लाट वेग्रिरिंग नं 29, जो सर्वे नं 60, 61 (ग्रंश) 62 (ग्रंश), मेमर्स उदयगिरि को ज्योप हा सोमायटी लि देवनार, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है नारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्क तत्वित के उचित नायक मूल्य से कान के काममान प्रतिकास के लिए अन्तरित की नई है और मुक्के वह विकास करने का कारण है कि नभापूर्वोक्त सम्बक्ति का जीवत नाकर मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकास से, एसे अववान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और नंतिकास (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के जिए तब पाक नमा प्रतिकास, निम्निसिसिस उद्धारिय से उक्स अंतरण विकास में वास्तिवक रूप से किंग्रित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की यावत, आयकर जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दासित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/पा
- (का) एसी किसी नाम या किसी धन मा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जब, सक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, सक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीजीवत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री श्रबोक सरकार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती तारा ग्रार० एल०।

(भ्रन्तरिती)

का अह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तर सन्तरित को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबर्षि बाद में सजाप्त झाती हो, के भीतर पूर्वेक्ट कावितालों में से जिल्ही व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस बूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूथ किस्सी जन्म कावित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाव शिक्ति में किए जा तकोंगे।

स्थान्द्रिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बरीभिनाम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

#### कासची

प्लाट बेम्रिरंग नं० 29, सर्वे नं० 60, 61 (प्रंग), 62(अंग) मेनर्म उदयगिरि को०-प्राप० हाउनिंग सोनायटी लि० देवनार, बम्बर्ट में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि ऋम सं० ग्रई-3/37ईई/15220/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 1-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद पृक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक : 31-7-1985

मोहर : प

प्ररूप आ<u>ष्</u>रं<u>टी...पनः श्रवः.----</u>-

शयकार स्थितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्थान

on the state of the second state of the second second second second second second second second second second

#### भारत करकार

## कार्यासय, सहायक बावकर भागुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज-3, बम्ब**ई** बम्बई, दिनौंक 31 जुलाई 1985

निवेश मं० ग्राई-3/37ईई/15445/84~85--अत: मुझे, ए प्रसाद

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसके इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजाइ मूज्य 1,00,060/- रहा से विश्वक है

ग्रौर जिनकी मं० दुकान नं० 10, जो देवनार हिल को०-ग्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, देवनार, बम्बई-88 में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रार पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिवित्यम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए क्ष्यदित की गई है और मुक्ते यह निश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और कंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे वन्तरण के सिए त्य पावा ग्वा क्ष्यक कस निश्ननिवित उच्चेष्य से उच्य बंदरण विविद्य में क्ष्यतिक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) नन्तरण में हुई फिली बाब की नावक किवा आधिनियन के अधीत आर को के कालाहरू, की वादित्य में कनी कारने वा उत्तवी वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एती किसी भाग वा किसी पून या कृष्य जासित्वीं।

  ा जन्हें भारतीय आज-कर अधिनियम, 1922
  (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27);

  के प्रकोणनार्थ अन्तरियी क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, किया स्विमा के जिहा;

असः असः, उपसः निभिनियम की भारा 269-म के, जनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अभीतः :— (1) श्री त्रिजय वामण मधे

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स लक्ष्मो इलेक्ट्रिकल्स ।

(अन्तरिती)

को सह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्बन्ति के बर्जन के संबंध में केंग्र्स भी वासपे :---

- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकासन की तार्रीय से 45 दिन की अवधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस बूचना के चन्नपत्र में प्रवत्तासन की तारीय है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बंद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में क्लिए वा सकोंने।

स्यव्योक्तरण:—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उद अध्याय में दिया गवा हैं।

#### अनुसूची

दुकान नं० 10, जो, देवनार हिल को०-श्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, देवनार बाग, बम्बई-88 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कम मं० ऋई~3/37ईई/15445/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ृग्रर्जन रेज-3, बम्बई

**दिनौंक** : 31~7~1985

मोहर 8

## मुख्य बार्' ही तुर तुर .....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के सभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण श्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निदेश सं ० श्रई-3/37ईई/15330/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लेटनं० 7, जो उरी मंजिल, इमारत-ए, ग्रुतूर लान्स को०-ग्रोप० हाउमिंग सोसायटी लि०, सायल ट्राम्बे रोड़, बम्बई-71 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबस ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं) ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की घारा 269क, ख कें ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

जो पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफाल से, ऐसे द्रावयान शितफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तृतिक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरभ से हुई किसी जाय की वास्त, उसके जीवित्रक के संभीत कर दोने के संस्थरक के वादित्य में कभी करने ना उच्छे स्पने में सुविधा से सिए; नीट/वा
- (बा) एसी किसी अाय या विस्ती धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजालनाथ अन्तर्रिती देनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में सूर्यिश के लिए;

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाग (1) के अधीन, निम्निचिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती एल० एन० चुध ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमर्ता शालिनी टी० मिरचंदानी श्रीर श्रन्थ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या सरकावनधी अपिकतयों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी अविश्व हवारा;
- (क) इस स्थत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 किन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में द्वित्रवृष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार किकित में किए का तकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया न्या हैं।

#### धनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो 3री मंजिल, इमारत-ए, म्रनूर लान्य को०-म्रोप० हाउमिंग मोलायटी लि०, सायन-ट्राम्बे रोड़, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37ईई/15330/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-12-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रनाद नक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनाँक : 31-7-1985

प्रांक्ष आइ<sup>६</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-८, वस्वई

बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० भ्रई-3/37ईई/15465/84-85--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० बी-201 बी-202 बी-203 और बी-204 जो 2री मंजिल, विरवानी इंडिस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रैंस हाईप, गोरेगांव (पूर्व), बस्बई-62 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिपका करारनाम ग्रायकर ग्रीध नियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन बस्बई न्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पर्तिः के उचित बाजार मृल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्मह प्रतिकात से अधिक है बाँद जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तो पाया गमा प्रतिकाल, जिम्मिलिखत उद्देष्य से उक्त बन्तरण कि बित के बास्तिक क्य से किंबत नहीं किया गवा है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उससे दचने में सुविशा के निष्ठ; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अविकास अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिद्

बत: बब, उथत बाँधानियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मी, उथत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) हो अनीत, जिन्निविक्तित क्यांक्तयाँ, अधित हु---

(1) श्री राजेश शांतीलाल मोदी।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स गोम्मा इंडस्ट्रीज ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्मन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वनिध या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दावीन से 30 दिन की अविध, जो भी वर्षाध वाद में बनाप्त होती हो, में भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकावन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के याम निवित्त में किए वा सकत्रे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यों का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं वर्ष क्षोग जा उस अध्याय में दिया व्याही।

#### अनुसूची

माला मं० 201, बी-202, बी-203, श्रीर बी-204, जो 2री मंजिल, विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रैस हासक्षे, गोरेगांव, (पूर्व) बस्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्षम सं० श्रई-3/37ईई/15465/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई हारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाद मक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुकर (निर्माक्षण) श्राजन रेज-3, बाग्बई

दिनाँक : 31-7-1985

मीहर :

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### THE THE

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज~3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/15199/84-85--प्रतः भुन्ने, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विषयास करने का नारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 103, जो पहली मंजिल, प्रजी पार्क-बी, सीमवार बस्तीर रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

(भौर इससे उपाबद्ध अनुसुर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रांक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्वाधा या किया जाना साहिए था. भियाने के तिका स्वाधा के निका

े कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अन्सरण में, में. तक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :----40 —236GI[85 (1) देशनुख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(मन्तरह)

(2) श्री राजीव रमाकृति नेश्रकर ।

(भन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपित्त के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;

स्थाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंगियम, के अभ्याब 20-क में परिभाषित हैं, कहीं कर्य होगा, जो उस अभ्याय में दिया क्या हैं।

#### अनमुची

. पक्षेट नं० 103, जो 1लीं पंजिल, प्रजीत पार्क-बीं, सोमवार बझार रोड, मालाड(पूर्व), बस्बई-64 में स्थित है।

भन्सूकी जैसा कि कम सं० भई-3/37ईई/15199/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधि हारो सहायक मायकर मायुक्त (निराक्षण) भजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 31--7--1985

## प्रक्य नाइ दी. एन . एस \_-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क्य 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत तरकार

## कार्यालयः, सहायक अनमकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं॰ ग्राई-3/37ईई/15198/84-85-अतः मुझे, ए॰ प्रसाद;

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लेट न० 23 जो पहली मंजिला हेमल अपार्टमेंट, प्लाट बेअरिंग सी० एस० न० 19, 41, नं० 85/5, 96/1, व्हिलेज मालवाणी, माराड (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इत्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का अनुरण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एमें इत्यमान प्रतिकृत के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकृत, निम्निचिति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं आय की बाबत, जकत अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में अदिधा के निए; और/या
- (का) एसी किसी भाव वा किसी भन वा अन्य शास्तियों को, जिल्हा भारतीय आयं-कर श्रीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना जातिए था, छिपाने में सविधा को फिए;

त्रतः छतः, उकतः अधिनियम काँ धारा 269-म की अनस्परः मो, मी, ब्रक्तः अधिनियम काँ धारा 269-घ की संपंधाना (1) को अभीत रिजनीलियन व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मेससँ हेमल इंटरश्राइसेस ।

(अन्तरक)

(1) श्री ठाकुर रमेश रामचंद्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध में करेड्ड भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध कोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्बारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

ग्रनुसूची

पलेट नं० 23 जो पहली मंजिल हैमल अपार्ट मेंट प्लाट बेअरिंग सी० एस० नं० 19, 41 85/5 96/1 व्हिलेज मलावाणी मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/15198/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1--12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 31-7-1985

प्ररूप बाह्र दी. एन. एक ....

भारत विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### <u>भारत तरकार</u>

ंकायस्य, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं ० कई-3/37-ईई/14984/84-85 अतः मुझे; ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमे इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो हकैया प्लेस, सोमवार बझार, बाँम्बे टाकीज के पीछे, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है) ग्रीर जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) ग्रीर अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण मिबित में बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया नया है द

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनयभ के अधीन कर दोने के अन्तरक कें द्रायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा कें लिए; और/या
- (ण) ए सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा भी निए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निय्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) करमाली इंटरप्राइसेस ।

(अन्तरक)

(2) सीयद नूप मौहबूब।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना भारीं करको पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्षम के तिक् कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उक्त संपत्ति को मर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को जी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (घ) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित मों किए चा सकों ने।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

#### जन्सूची

दुकान नं० 2, जो रुकैया प्लेस, सोमवार बझार, बाम्बे टाकीज के पीछे, मालाड (प), बम्बई--64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-3/37ईई/14984/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 31-7-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश स॰ अई--3/37-ईई/15016/84-85---अतः मुने ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 73 श्रीर 74, जो 7वीं मंजिल, मनाली इमारत नं० 5, बालनाथ व्हिलेज, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर उससे उपावक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सभाम प्राधिक री के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-12-1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (उन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निगम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: इ.स., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स मनाली कार्पोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के बे गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### बन्स्ची

फ्लेटनं० 73 श्रीर 74, जो 7वों मंजिल, नमाली इमारस नं० 5, वालनाय व्हिलेज, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि अर्ह-3/37-ईई/15016/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयन्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रकृत बाहाँ, टी, एस. एखं मन्त्रमनन्त्रन

## बायकर वीर्थावयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन क्षता

#### मारक सहकान

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निवेश सं० अई-3/37ईई/15455/84-85--- प्रतः मुझे; ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्म प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी गं० फ्लेट नं० 304, जो, 3री मंजिल, श्रटलाँटा प्लाट नं० 38, श्राफ वालनाय व्हिलेज, मार्बे रोड़, प्रालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से यिश्वत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1985

को पूर्वोचत संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के क्याबाइ प्रतिकाल को लिए बन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थापूर्वोच्त सम्मित्त का उचित बाजार मूक्त उसके क्यामान प्रतिकाल से, एस क्यामान प्रतिकास का बल्ह्ह प्रतिकात से बाधुक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बल्हिरती (अन्त्रितियों) को बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गृहा प्रतिकाल, निम्निनिचित सब्देश्य से उनत ब्लाइण विविध में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे बिए; श्रीष्ट/या
- (क) होती किसी बाब या किसी धन या बन्च वास्तियों का, विष्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को निस्हः

बंद: बंब, बंबत विधिनयम की बाधा 269-व की व्यक्तरंथ में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों वर्षात् हिल्ल

- (1) म्रार० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सी० ग्रार० कामरा ग्रीर ग्रन्य। (भन्तरिती)

का बहु ज्याना वारी करने प्योंक्य संप्रित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

दक्त कम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्कोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सै 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितनकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिश्वित में किए जा सकरेंगे।

स्पाधीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

फ्लेट नं० 304, जो उरी मंजिल, घटलौटा, बी विंग, प्लाट नं० 38, ग्राफ वालनाय व्हिलेज, मार्वे रोष्णृ मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

म,नुसूची जैसा कि क० सं० मई-3/37ईई/15455/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 31-7-1985

मोहर ध

प्रकृत आहें,ठो एन एक ,-----

नायफर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) में नभीन सुपना

प्रारत करकार

## कार्याक्षय, सहायक नायकार नायुक्त (निरासका)

भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं॰ श्रई-3/37ईई/15024/84-85--श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उपित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलेट नं० 11, जो 1ली मंजिल, गोकुल श्रवार्टमेंट, गौशाला, लेन मालाड (प), बम्बई—97 में स्थित है (श्रौर इससे उवाबद्ध श्रनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका कारारनामा श्रायक्तर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1→12→1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त जन्तरण निसित्त में शस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (कां) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उबसा अधिनियम के अधीन कर दन के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के जिए;

कतः अथ, उकत अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्सरण बौ, मी, अकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) नी अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स दात्तानी कन्सट्कशनस।

(अन्तरक)

(2) एस० एम० भाट् और प्रन्य।

(भन्तरिती)

को वह भूष्मा वारी करके पृत्रीक्त सन्तृति के अवंत के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

सकत संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जबीध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बय्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण उ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर प्रिकित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया न्या ही।

## घनुसूची

फ्लेट नं० 11, जो पहली मंजिल, गोकुल श्रयार्टमेंट, गौबाला लेन, मालाड (प), बम्बई--97 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/15024/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक : 31-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. - - -

जायकर मांधीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 ज्लाई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/14988/84-85--- म्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित काकार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-207, जी, हकैया प्लेस, सोमवार बाजार, एस० नं० 388/2, मालाङ (प), बम्बर्ट-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बर्ट स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मूले यह विष्कृत करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहपमान प्रतिफल से ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंत-रितियों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मिसिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तविक रूप रूप से क्षित महीं किया पना है क्र—

- (कि अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ष, एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :--- (1) करमाली इंटरप्राइसेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हसन उस्मान शेख।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तत्मभवन्धी व्यक्तियाँ पर सचत को गामील में 30 विन को अविधि के मीतर पूर्वित्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा.
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बस्य किसी अन्य व्यक्ति स्वान अधाहरताध्यी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्यध्योकरण :---इसमा अगक्त कन्या आंग्र वशा था, जा टास अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, दर्श अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### क्रम संची

पत्रैट नं० बी~207, जो, रुकेया प्लेस सोनवार बाजार, एस० नं० 388/2, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37ईई/14988/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किय गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुव्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज--3, बम्बई

दिनांक : 31- ~1985

说证。

प्रकृत आहे, डी., एवं, एक्,

भागकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन स्वापा

#### गारव सहस्राह

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, विनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/15200/84-85---धतः मुझे ०प्र साव

आयकर त्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित वाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या पजैट नं० 104, जो पहली मंजिल, श्रजीत पार्क बी-विंग, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रांधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-12-84

को बुबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधान्नों कित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तियक रूप से क्रियंत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरक में हाई किमी काम की बाबत, अकन इश्विमियम को अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; बरि/बा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी पन वा अन्य नास्तिनों वारे. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त निधिनियम, का अनकर अधिनियम, का अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भवा था है जिस्सा भवा था जिस्सा को निर्देश

अतः ६ स. उकत अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरक कें, में, धकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स देशमुख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(मन्तरक)

2. श्रीमती एम० श्रार० नेरूरकर

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पृश्तीयत संपृत्ति के श्रवंत के विष् कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपरित को कर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्विध्यों में में किसी स्वित्त ब्वारा:
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाब निवित में किए था सकींगे।

स्विकेरणः-इतमे प्रयुक्त कक्यों और पदों का, वो उपक् अधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

#### वर्षक

पलैंट नं ० 104, जो पहली मंजिल, श्रजीत पार्क, बी-विंग, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० घर्र-3/37-ईई/15200/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकरण्य्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बस्बई

दिनोक : 31-7-85

प्रकृष वार्षं .टी .एन .एस . ------

(1) मेसर्भ मनाला कार्पीरेशन ।

(भ्रन्तरक)

[यम. 1961 (1961 का 43) **क**ी

(2) श्री ए० एम० बिदल।

(अन्तरिती)

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर वायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

वम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० प्रई-3/37ईई/15245/84-85---- ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

बाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० फ्लैट नं० 21, जो 2री मंजिल, मनाली इमारत नं० 5, बालनाय बिलेज, मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से बिणत है) श्रीर जिज्ञका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रवीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं वित्या गया है:—

- (क) कारण स हुई किसी आय की बाबत, उच्छ ो तिराम के प्रधीन कर दोगे के अन्तरक के वायित्व मी कमी अरने या उसमें बचाने में सृथिका के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- व के अनुसरण माँ, मौँ, जक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) क अधीन जंबनिकिस्ति अधिकताओं, अर्थान :--- का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी मार्काप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तरसम्बाधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति कृत्या;
- (स) इस सूचना के राजपथ मां प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मां हितबद्ध किसी जन्म व्यक्तित द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित माँ निष्णु जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### SHRIP

फ्लैंट नं० 21, जो 2री मंजिन, मनाली इमारत नं० 5, बालनाय विलेज, मालाड (प), वण्यक्र-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि अभ सं० अई-3/37ईई/15245/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बण्बई बारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्राजिन रेंज-3, बम्बई

दिनौक : 31-7-1985

मोहर :

1-236GI/85

प्रसप साइ. टी. एन. ०स. ----

भाषक र अधिनियम , 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-খ (1) को अधीर गर्भक

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, प्वम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० मई-3/37 ईई/15244/84-85---म्रनः मुझे ए० प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रुं. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंटनं० 503, जो 5वीं मंजिल, अटलौंटा डी० विंग, प्लाट नं० 38, स्राफ जालनाय बिलेस, मार्जे रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (स्रोर इपभे उपायद्ध सनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) स्रोर जियका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिगारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अलिरित को गई है अरि मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिको (अन्तरिकों) के वील एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया म्या प्रतिफल, रिनम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वएतिहक हुए से कथित नहीं किया गया है उन्न

- (क) जभारण सं हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिलियम के लधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य के कभी करने या उसले बचने ये स्विधा के लिए: और/या
- (ह) ऐसी किसी बाय या किसी पत या वस्त आंतिकार की, जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1022 (1922 का 15 पत्र का अधिनियम, 1022 का 15 पत्र का अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किसा जाना खाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अत. अब, तकर अधिनियम की धारा २०० र के जनसरक के, बीं लक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन.. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रार० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमनी श्रमीनापी० विनेकर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना दारी करके ्योंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हिण्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निरुए जा सकींगे।

स्वध्वीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रन्सूची

फ्लेट नं० 503, जो 5वीं यंजिल, श्रॅटलांटा, डी विंग फ्लाट नं० 38, आफ वालनाय विलेज, मार्वे रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्र $\mathbf{\hat{z}}$ -3/37 $\mathbf{\hat{z}}$  $\mathbf{\hat{z}}/15244/84-85$  और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनाँक : 31--7--19**85** 

## प्रकार वार्ष <u>, टी , एव , एव , ,</u>,,,,,,,,,,,,,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, प्रहासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/15456/84-85---श्रतः मुझे ए० प्रमाद

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियभ' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम फारने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 603, जो, 65ो मंजिल, श्रॅटलॉंटा इ विग, प्लाट नं० 38, श्राफ वालनाय लिरेज, मार्वे रोड़, मालाड (प), बम्बई—64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रॉप पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 है, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिक्तिक के निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि सभाप्रविक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रित्यक से, एसे स्वयमान प्रतियक का पन्तक प्रतियत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकत्त, निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिस में बास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरकृषं हुई किसी काम की मायस,, उपस अधिनियम के अभीन कार योग के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उत्तर्थ क्ष्मने में बृष्टिया के फिए; और/मा
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में प्रियम के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) क्षे अधीन, निज्नितिस्ति व्यक्तियों. सर्थात क्

- (1) श्रारक जोक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) कृमारी एम० श्रार्थ० नोरोन्हा। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके प्यानित सम्पत्ति के अर्चन के तिच् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी स्थक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, को भी अविभ बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पृत्रों कर स्वित्यों में से किसी स्थक्ति द्वारा,
- (स) इस सूजना के राजपत्र में श्काशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए या सकेंगे।

स्वस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया भज्य हों।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं  $\circ$  603, जो, 6% मंजिल, ग्रॅटलॉटा, इ विंग, प्लाट नं  $\circ$  38, ग्राफ बालनाय विलेज, मार्थे रोड़, मालाइ (प), बस्बई-64 से स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि श्रम सं० **ग्रई-3/37ईई**/15456/ 84-85 थोर जो तक्षम प्राधिकारी, द्वारा बम्बई 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है **।** 

> ए० प्रसा**ड** सक्षम प्राधिकारो पहायक स्रायकरण्यानुक्त (किंग्-झण) स्रजैन रेंज−3, **बस्बई**

दिनाँक : 31-7-1985

मोहुर 🖫

प्रकप आहं दी. एन , एस . ------

# नावकर जिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 263-म (1) क अभान गुमना

#### माउँच सुरुवार

## क्षप्रयोज्ञय , सहायक जायकार जायुक्त (चिर्रीक्क)

म्रजंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/15403/84-85--अतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वेक्त संपत्ति का उचित आजार मूक्य 1,90,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी मं० दुहात लं० 81, जो मालाइ शापिंग सेंटर एम० बी० रोड, प्मालाइ (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप में बॉणत है) श्रीर जिपहा करारतामा आयाहर श्रीक्षेत्रियम 1961 को आरा 2635 ख के अधीन बहुबई स्थित असम पाधिगकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारोख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोदत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हार्च किसी आम की बाबत, उक्त श्रीपानयम का अभीन कर दोने के बन्तरक को दायिसक में क्सी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11 है जिस्त अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के खिए;

मत: सर्व उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुप्ररण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे बधीर, निस्नितिसित व्यक्तियों, संधाद ्र-— (1) श्री गुणवंतराय मगनलाल ।

(अन्तरक)

(2') श्रीमती गुणवंतीबैन केशवणी।

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या हैं।

## बन्स्ची

दुकान नं० 81, जो भालाड शापिंग सेंटर ,ए४० वि० रोड्, मालाड (प), बस्बई-64 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैना कि क्रम सं० श्रई-3/37ईई/15403/84-85 श्रीर जो लक्षम प्राविशारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज~3, ब्रम्बई

হিলাক : 31-7-1985

मोहरु 🛎

प्ररूप बाइं .टी .एन .एस . ------

(1) श्रामतः फिला निलन खाडवाला ।

(2) थो। केरात्रलाल एम० पटेल और अन्य ।

(अन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचगर

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां 🤃 31 जुलाई 1985

निदेण सं० श्रई-3/37-ईई/15425/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ब्रॉग जिसका सं० फ्लेट नं० 17, जो, 3री संजिल, सेवाश्रम, लिंदी गार्डन रोड़, नं० 10, मालाड (प०), बस्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रृतसूत्रों) में श्रीर पूर्ण कर से विजित है) श्रीर जिनहा करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 है, ख के श्रियंत बस्बई स्थित सक्षम श्रीधि शरी के कार्याना में रजिस्ही है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं कया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा वायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🛶

- (क) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीड सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्जी

फ्लेट नं० 17, जो, 3री मंजिल, सेअश्वम लिख**र्टी गार्ड**न रोड़ नं० 1, मालाड (प०), बन्नई-64 में स्थित है। ग्रमुसूची जैसा ि कम मं० ग्रई-3/37-ईई/15425/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निर्कक्षण) त्र्यक्ते रेज−3, बम्बई

बतः बव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखिल, व्यक्तियों, अर्थात् 2.—

विनाक : 31-7-1985

गाहर:

प्रकल बाहै, टी. एव. एस.------

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भागत सरकार

नापोलया, नहायक ए(कार भारतः (निराधका)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश मं० श्रई--3/37-ईई/15500/84 -85----श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्तात जनत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का अपरण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

ग्रीर जिमकी मंब दुशान मंब 7, जो, ग्रंव प्रतीश कोब-ग्रांपव हाउमिंग मोशायटा लिब, जियोना फाटक रोड़ मालाड (पब), वस्वई, 64 में स्थित है (श्रीर इसने उपावड ग्रंतुमुचा में श्रीर पूर्ण कर में वॉणत है) ग्रीर जिला हा उरारनामा श्राय हर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 हे, ख के अधान बम्बई स्थित नक्षम प्राधिशारी के पार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम क द्रव्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित का गर्म एसे द्रव्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से विश्वत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी अप को वाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे अबने में स्थिता के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी पर या अहा आहि (कर्वा) को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिन्यमा, १००५ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या पनकार अधिनियम (1557 (15,7 सा 7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-घं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1 श्री वसंत ाडिया ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनशुखनाल ग्रार० घहा।

(भ्रन्तरितं/)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संस्वन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि कहा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्पितियों में भे किसी अविध्न व्यारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया बया हैं।

#### श्रनुसूची

दुशान नं 7, जी अंबू प्रतिक को०-प्रांप हाउिसन सोमायर्ट लि०, चिनोर्ने फाटए रोड़, मालाड (५०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा ि कम सं० श्रही-3/37ईई/15500/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद वक्षम प्राधि शरी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरःक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनां ह : 31-7-1985

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 **का** 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तम्बई, दिनां 👉 31 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रर्ध--3/37ईई/15507/84--85---श्रतः सुझे, ए० प्रसादः,

बागकर किंचिंग्यम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का भारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. ये जीवक है

श्रीर जिसकी सं पलेट नं 503-सं, जो, 5वी शंजिल, राजेन्द्र विदार श्रश्तर्टमेंटस, प्लाट नं 28, सर्वे सं 26, लिंज वालनाय, मालाड मार्थे रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (प्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विजित हैं) और जिसात करारनामा श्राय कर श्रीधनियम 1961 की श्रारा 269 के स्थान बम्बई स्थित सक्षम शाधिकारी के अर्थालय में रिजिल्ड्रा है, तारीख 1-12-1984

को पत्रांक्त सम्पन्ति के उचित बाबार मृन्य सं कम क स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विद्रुष्ट से किया गया है :—

- (क) अन्तरण मं हुन्द्र किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बागित्थ में कमी करने का उससे बचने में सुविध। के लिए; और/गा
- (क) एती विसी जाय या किसी वन या बन्य बास्तिस्तें की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स महना बिल्डर्स ।

(अन्तर ५)

(2) जान फ़िलिय ग्रीर फिलिप थामस ।

(प्रन्तरितः)

की यह स्वना बारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यग्रहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ए---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इन स्थान के रायपन के प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाणिक है, वही अर्थ होगा. जो उस राध्याय के कि पदा है थ

## अनुसूची

पनेट नं० 503-सी, जी, 571 पंजिल. राजेन्द्र बिहार अपिटिमेंटस, प्लाट नं० 28, सर्वे तं० 26, विलेज बालनाय मालाड मार्वे रोड़, मालाड (प), वम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची उसा हि कम सं० अई-3/37ईई/15507/84-85 और जो सक्षम प्राधि हारो, वम्बई ब्रास्स दिनांक 1-12-1994 को एजिस्टर्ड हिया गया है।

ए० प्रसाद ाक्षम प्राधि अर्थः सहायक द्याय धर द्रायुक्त (निर्यक्षण) स्रजन रेख⊶3, बस्तर्ध

दिनांक : 31-7-1985

प्ररूप नार्वं दी. एन . एस... -------

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन स्वान

#### भारत बहुकाह

कार्यालय. सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई--3/37ईडी/15404/84--85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

क्सयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हु"), की भारा 269-इट के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मूस्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसके मं दुकान नं 4, जो तलमाला, खिलाजंट इमारत मालाड, वम्बई--64 में स्थित है (और इसन उगाबद्ध श्रमुस्व) में श्रीर पूर्ण का ने विणित है) और जिलाज करारतामा श्रावकर श्रीधिनियम 1961 का धारा 269%, ख के श्रधांन वस्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के त्यांलिय में रिजिस्ट्रें है, तारीख 1-12-1984

को पृथींक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्ग हैं और मृभ्ने यह दिव्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित भी वास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहुइं किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर धीन के बन्तरक के दासिस्व मा कामी कारने या उप्तसंग्रेचनों में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी नाय या किसी धन ना जन्य बास्सियी को जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना नाहिए था, कियाने में स्विधा के निष्

जतः इतः, उक्त जिथिनियमं की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, इक्त जीधिनियमं की भारा 269-गे की उपभारा (1) के जभीतः, निम्नसिचितं स्थितियों, अंब्राहः (1) थों।मती परि० मी० शहा ।

(भ्रन्तर ह)

(2) श्रीमती लिक्कि परेरा श्रीर श्रन्य ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की कारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, भी भं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के त्यापात्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 वित के भीतर उक्त स्थाधर संपित्त में हिनबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्वो का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अवस्था की

दुकान नं० 4, जो, तलमाला, डिलिजंट बिल्डिंग,मालाड बम्बई-64 में स्थित है ।

श्रनुसुची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/15404/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि हारहे. बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिलस्टर्ड ्रिया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजन रेंज--3, बम्बई

दिनांक : 31--7--1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 जुलाई, 1985

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसवें इसकें प्रथात 'उक्त विभिनियम' कहा गया है) की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/-रु. से अधिक: है

श्रौर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 4, जो पहली में जिल, पल्लबी-ए इमारत, एस० नं ० 85. एच न० 3 (अंग), एम नं ० 87 (अंग), मी० एस० टी० नं ० 5631 (अंग) श्रौर 5634 (अंग), पंत नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-75 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को प्रोंक्त संपरित के बिक्त बाबार मृत्य से कम के स्वमान बित्तफल के किए अस्तरित की गई है और मृक्षे यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वमान प्रतिफल से, एते स्वमान प्रतिकल का नेवह प्रतिकत से विकास का नेवह प्रतिकत से विकास की करा कर कर कि स्वमान प्रतिकल का नेवह प्रतिकत से विकास की कर कर किए तम गावा का प्रतिकत का निम्मतिक्ति उद्देशक से उक्त बन्तरण निम्मतिक्ति में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बायत, अक्ट विधिनियम के वधीन कर दोने के बंतरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौरंथा
- (च) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या बन्ध बास्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था या किया जाना चाहिए था, कियाने में ्रियम के शिक्स;

बतः बदः अवत अभिनियम की भारा 269-ग के बन्दरण को, की, अवत अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अभीर िना निम्बित व्यक्तियों, अभीत :---42.--236GI[85 (1) मेसर्स अशोक कन्सद्रवशन कंपनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भालचन्द्र धोंडूराम पोरे ग्रौर श्रीमती विजया भालचन्द्र पोरे।

(म्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति हैं)।

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

वक्त राज्योत्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोद:---

- (क) इब बूचना के ग्राव्यक में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की जनिश या तत्स्मान्धी व्यक्तियों पर बूचना की ताजील से 30 दिन की जनिश, को भी जनिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिस्सी क्षतित ब्वाय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पातृ सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शर्म और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस जध्याय में दिया जवा है।

#### अन्स्ची

फ्लेट नं० 4, जो पहुंसी मंजिल, पल्तवी इमारत , एस० नं० 85, एच० नं० 3, (श्रंण), एस० नं० 87 (श्रंण), सी० एस० टी० नं० 5631 (श्रंण), श्रौर 5634 (श्रंण), पत नगर घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋम मं० ग्रई-3/37ईई/15506/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 31~7~1985

मोहर 🗓

प्रकल कार्य : व्यो : १९७ : १९४ : वर्गामध्यासम्बद्धाः

(1) श्री के० वी० पटेल ।

(भ्रन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

(2) श्री एम० के० शहा ।

(भ्रन्तरिती)

#### सार्द्धत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्तिका)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 ज्लाई 1985

निदेश मं० ग्रई-3/37ईई/15216/84-85--ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

अक्राकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन बचाम प्राधिकारी को वह विक्लाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उपित बाबार मुख्य 1,00,000/- रहः से माधिक हो

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 19, जो, 2री मंजिल, विश्वशांती इमारत, क्वारी रोड़, मालाड (पू), बम्बई-97 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रौर जिसका करारतामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

कई क्केंदिन सम्बद्धित के उच्चित बाजार मुख्य से कम के दब्धमान भॉतर्% के सिए अम्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का फ़ारण है कि यथापूर्वोज्ल सम्पत्ति का उन्नित सामार अपूरूप, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रविकल का पन्त्रह अतिभव से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निभ्नलिकित उद्योदय से खक्त अंतरण सिरीबत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क अन्तरण से हार्च किसी आराय की बाबत, उसत श्रीमिश्रण से तथी। बार दीन की अंतरक की वायिता में कभी करने वा उससे वयने में सुविधा के लिए, और/बा
- (चं, ए`सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की फिल्ह भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कर अधिनियम, 1**957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भाग <del>या किया जाना व</del>ातिस्थ रा विकास पा संस्थान ने शिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क वित्यों, क धीत :---

 में यह सुचतः चारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहिया शुरू करता हुई।

बनत सम्परितः के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी बाक्षेप 🚁

- (क) इस स्वना के राजपण पें प्रकाशन की तारीक · 4.5 विज की अविध \* १८सम्बन्धी व्यक्तियों पर नामनाकी तामीन से 🤈 ान की अवधि , जो अर्थ जबिध बाद में समाप्त होत के भीतर प्रवॉकक व्यक्तियों में से किसी अधिक शराः
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतार उत्तर स्थावर सम्याल भी हिलवद्या **किसी अन्य न्यक्ति इ**वारा अधाहमस्तकारी का पास लिखित मे किए जा सकोनें।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त **मिभिनियम** के अन्याय ुर्तान्क को परिश्लापित हाँ, बही अप्रे होगा भा उन्हरमान मा दिया गया है।

#### अन्त्र्यो

प्लेट नं० 19, जो 2री पंजिल, विश्वशांती इमारत. क्वारी रोड़, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० भ्राई—3/37ईई/15216/

84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक

1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~3, बम्बर्ड

दिनांक : 31-7-1985

प्रकल बार्ध टा. एम. एस. ----

1. मेसर्स मनाली कार्पोरेशन

(भ्रन्तरक)

आयुक्तर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुबना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 ज्लाई 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/15247/85-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिक्षे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की शत्प 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का फारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लंट नं० सी-64, जो, 651 मंजिल, मनाली इमारत नं० 3, वालनाय व्हिलेज, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-12-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उवित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते वह विद्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्तित से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और बतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाया नका प्रतिफल निकालिखित उद्योग्य से उक्त बंतरण रिस्कित में बालाविक रूप से कथित नहीं किया नवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बाधत, उक्का बाधिनियम के अभीन कर दोने के धन्तरक की वानित्य में कमी करने या उद्यवे अध्ने में सुनिभा के सिए; बाँड/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तिकों को, विन्हें भारतीय माय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोज-नार्थ जन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः। संय, उक्त मुभिनियम की भाष 269-म से बनुबरक में, में, उक्त निभिनियम की भाष 269-म की उपधास (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्,ः— 2. श्री के० भ्रार० पोतनीस श्रौर भ्रन्य (अन्तरिती)

को यह त्या भारी करके पृथांकत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औं अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के वात तिकित में किए जा सकेंचे।

#### वन्स्ची

प्लैट नं० सी 64 जो 6ठी मंजिल मनाली इमारत नं० 3 वालनाय व्हिलेज मालाड (प) बम्बई 64 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० धर्ड-3/37/-ईई/15247 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 3 बम्बई

दिनांक 31-7-85 मोहर: प्रकप बार्ष, दी, एन, एस, ------

कायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

#### धारत बरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आवृक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निदेश सं० श्चई-3/37ईई/15246/84-85—श्चतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा प्या है, की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर तन्त्रीत, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं पलेट नं ए-23, जो, 2री मंजिल, मनाली इमारत नं 4, प्लाट नं 48, 49, ग्रौर 50, वालनाय विलेज, मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दूरसमान प्रतिकत्त को सिए अन्तर्रित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके द्वारान प्रतिकत को पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नितिबत उद्देष्य से उसते अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिनियम के बंधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (व) देती किसी नाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

(1) मेसर्स मनाली कार्पोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

(2) केप्टन ए० के० मल्होत्रा।

. (भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क बचन के किए कार्यकाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (व) इस स्थाना के राजपन में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवबूध किती बन्ध व्यक्ति ब्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के शब निवित में किये जा सकींगे।

स्पथ्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियमः के अध्याय 20-के में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विसे गवा है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० ए-23 जो, 2ी मंजिल, मनाली इमारत नं० 4, प्लाट नं० 48, 49 श्रीर 50, वालनाय व्हिलेज, मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित हैं।

श्रनु 7सूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/15246/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सह।यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बत: अब. उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग कै बनुसरण बें, बें. उक्त जीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिकत व्यक्तियों, वर्षात के ...

दिनांक : 31-7-1985

प्रकृषाई, टी. एन. एव.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

#### मारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (जिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्राई-3/37-ई ई/15043/84-85--यतः, मुर्खे, ए० प्रसाद,

शयकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकं पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजिस बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 8, जो, तलमाला. हेमल श्रपार्टमेंट प्लाट बेग्रिरंग सी एस नं 19, 41, नं 85/5, 96/1, बिलेज मालवणी, मालाड (प), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसके उपावद श्रमुखी में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं), श्रीर जिलका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 को धारा 269 ं ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, में रजिस्ट्री है। तार्राख 1 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एस रहयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रेती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गितफल, निम्निलिखित उच्दिश्य से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त विधानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वाबित्य में कभी करने या उद्यस विधान में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया सवा था या किया जाना जाहिये था, ज्याने में सुविधा से विष्:

भत् बद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— मैसर्स हेमल इंटरप्राइसेस

(प्रन्तरक)

2. श्री हरि केणव बेसूर

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पथ्यक्तिक्रण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 8, जो, तल माला, हेमल पार्टमेंट, प्लाट बेग्निरंग सी० एस० नं०19, 41, नं० 85/5, 96/1, विलेज मालवणी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० मं० ग्राई-3/37-ई ई/15043/84-85 और जो सक्षम प्राधि हारा बम्बई द्वारा विनांक 1-12-84 को राजम्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-3, बम्बई

वार्चस्य : 31-7-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

बाबकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्वालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिलांह 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० **ब्राई**-3/37-ईई/15015/84-85----यतः, मुझे, ए**० प्र**साद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पर्लंट नं ए-21, जो, /2सरी मंजिल, मनालो हमारत नं 3, वालनाय ह्विलेज, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण हप से विणित है), श्रीर जिसहा करारमामा श्राय हर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिहारी के हार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से काम के करवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह दिस्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान् प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के साक्तिय में कजी करने वा उससे वचने में मृषिधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने में सुनिभा के लिए;

कतः अव, उक्त जिमितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के उधीन जिम्लिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- मैसर्स मनालं। कापेरिशन

(ग्रन्तर क

2. श्रो हरीहरन परसूराम ग्रौर ग्रन्थ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशेंक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बण्ध किसी व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं०ए- 21, जो, ृलरी मंजिल, मनाली इमारत नं० 3, वालनाय ह्विलेज, मालाड (प), बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसुची जैसा कि क० सं० श्राई-3/37-ई ई/15015/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रमाद नक्षम प्राधि हारी पहाय र श्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

नारींख : 31-7-1985

मोहर.

प्ररूप आहें.ट. एन एस .------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ऋाई-3/37-ई ई/154!1/84-85---यतः, मृक्षे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसर्ने इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या हैंं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार बृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 31, जो, तीयरी पंजिल, मनाली इमारत नं० 5, बालनाय विलेज, मालाड (प), अम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिल्हा इरायनामा श्रायहर श्रधनियम 1961 र्का धारा 269 क् ख के अर्धान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजिस्दें। है नार्यक 1 दिसम्बर, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति को उपित बाजार चल्य, उसके इक्ष्यमान प्रतिकल से दोसे इक्ष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण की दायित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उर... अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिथधाको लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मे , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातु :--

मैसर्स मनालः वापरिकातः

(म्रन्तरह)

2. श्री हत्यजन विह ग्रीर ग्रन्थ

(अन्तरितः)

कहे वह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कार्ड भी बाक्षण :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिवनों में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकावन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अभोद्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पन्दीकरणः - इतमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **5**3

### अनुसूची

पलैट नं० 31, जो, में पर्श मंजिल, मनाली इमारत नं० 5, वालनाय विलेज, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसुब जैलाकि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ई ई/15411/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनां 🛪 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए**० प्रश**ास रक्षम प्राधिकारः महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रोज-3, क्रम्बई

माराख : 31-7-1985

मोहर

प्रकव बार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 प्र (1) के अभीत स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक मायकर नायुक्त (निरोक्तक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्राई-3/37-ई ई/14986/84-85----पतः, मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परनात 'उन्त अधिनियम' कहा एवा हैं), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जियत बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 12, जो, रुकैया प्रलेस, सोमवार बाजार, बाम्बे टाकिज कस्प के पाछे, एस० नं० 388/2, सालाइ (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण का से बिणत है), श्रीर जिस हा करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि हारों के नार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्व से कम के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एंडे द्रश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिदात से विध्क है और यह कि अंधरक (बंतरकाँ) और अंतरिती दिली (अन्तरितिवाँ) के बीच एंसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्निलिखित उद्देदय थे उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिवक रूप से किंगन नहीं किया गया है :——

- (क) जनतरक से हुई जिश्मी आय की बाबल, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (म) एसी किसी आय गर किसी पन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम , 192? (1922 का 11) मा उसत अधिनियम , या धनकर अधिनियम , या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिनी युवास प्रकट नहीं किया गया था वा किया गया ना चाहिए था कियाने में सुविधा के निर्माः

भतः बन, उक्त विभिनिवम की भारा 269-ग के बन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विभीन, निम्नियिकित व्यक्तियों अर्थात 1. करमाली इंटरप्रायजेस

(श्रन्तर ह)

2. श्रा उस्मान खान गुलाब खान श्रीर झन्य

(भ्रन्तरिती)

को वह बुचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इब स्वना के धवपन में प्रकाशन की तारीब तं 45 दिन की नवीध या त्त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ण) इस सूचना के ग्राजपन में प्रकाशन की वारीण हैं 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे !

स्पच्छीकरण: ---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत मीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित: ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### मगत्त्र भी

दुकान नं 12, जो, क्कैया पर्वंस, सोमवार बाजार, बास्बे टाक्जि कैम्प के पिछे, एस० नं 388/2, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्राई-3/37 -ई ई/14986-84-85 और जो सक्षम प्राधि शर्र बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-84 को रिजस्ट ई किया गया है ।

> ए० प्रकार मजम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निर्केक्षण) श्रर्जन रेज-3, बस्बई

तारीख : 31-7-1985

## प्रकृष बाह्र', टी १८म, १८म -------

मैसर्स मनालं। कार्परिशन

(भ्रन्तरक)

श्रो सुरेश एस० छुगानीः

(श्रन्तिरती)

नाथकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-न (1) के वधीन सूचना

#### ब्राइक सरकार

## कार्यानय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां र 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० त्राई-3/37-ई ई/15410/84-85---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्थित, जिसका सिन्त वाधार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जितकी सं० फ्लैंट नं० सी-44, जो, चौथी नंजिल, मनाल, इमारन नं० 3, बालनाय विलेज, मालाइ (प०), बम्बई-बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 दिसम्बर 1984

- (अ) अन्तरम् संहुद्दी किसी नागु की नागत, उनस्त अभिनियम् को अभीन कर दोने के मन्तरक को वाजित्य में कभी करने या उससे नमने में सुनिधा को सिए: नौर/ना
- (क) एसी किसी नाम मा किसी पन या कम्य आरिस्त्यों को, जिन्हों भारतीय नागकार निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अपिनियम, या धनकर स्थितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किमा नवा था या किया करवा नाहिए था क्यान के स्थिता के सिय;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

बन्द बन्दीत के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप अ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की कविधि या तत्त्वंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी वक्ति वाद में समान्त होती हो, के शीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इक्त श्रुपना को राज्यका में प्रकावन की सार्थित से 45 विज्ञ को भीतर उपत स्थावर सम्यक्ति में दित-बहुव किसी बन्द स्थावत ब्वास, वभाइस्साक्षरी की श्राव जिल्लिस को किस् का स्केंचे।

स्वाकिरणः -- इसमें प्रवृक्त भवां और पदों का, सौ उन्स अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, शहीं अर्थ होना को उस कथ्यार में कि कर गया है।

## अनुसूची

पलैट नं सी-44, जो, चौथी मंजिल, मनाली इमारत नं 3 वालनाय ह्विलेज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं। अनुसूर्या जैसा ि क० मं० आई-3/37-ईई/15410/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 क रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रस**द** सजम प्राधि हारी सहायक आयक्त (निराक्षण) श्रजन रोज-3, बस्बई

**दिना**कः : 31-7-1985

मोह्नर ः

वन्य शार्ध ही एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अर्थन मचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई वम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/15389/84-85---श्रतः, मृक्षे • प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पलैट नं 4, जो, तलमला, इमारत नं 3, शिव की ित को ऑप हाउमिंग सोसायटी लि . चिचोली बंदर रोड़, मालाड (प ) ध्रवम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख्र श्रधीन, ब बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 सिसम्बर, 1984

को पृवाकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृजीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकार्गे) और बन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उन्तर अन्तरण निर्वित वां बास्तविक अप में किंधत नहीं किया प्रशा है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी का का शबत, उनक अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियां कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

स्त: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण सो, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दो अधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री साई बाबा बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

2 श्री ज्युबिलंट मार्टीन

(भ्रन्तरितः)

की यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण्णी में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्परजीकरण: इसमों प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त जिपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है ।

## श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 4, जो, तल माला, इमारत नं० 3, शिव कीर्ति को-आँप० हाउसिंग सोसायटी लि०, चिंचोली बंदर रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है ।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/15389/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई दिनांक 1-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रोज-३, बस्बई

दिनां ह : 31-7-985

मोहर ः

प्रस्य आहे. टी. एन , एस , -----

माई बाबा बिल्डसं प्राइवेट लिमिटेड

('प्रन्तरक)

2. श्री वाई० वी० इंगरूलका

(ग्रन्तरिती)

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनोक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्रई-/-3/27-/ईई/15382/84-85- —यदाः, मुखे, ए० प्रसाद,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० फ्लैंट नं० 14-ए, जो, तालरो मंजिल, इमारत नं० 1, शिव कोति को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, चिचीला बंदर रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 का, ख के श्रधान, बम्बई स्थित मक्षम प्राधि हारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, तारीख 1 दिसाबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफस के लिए बन्तिरत की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ष्म बॉर्चीन्यम् के ब्रुपीन् कर धीने के अंतरक के बाबित्य में कामी करने या उसमें बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (य) हो फियी वायु वा किसी थन वा अन्य वास्तिकां को, विन्हें भारतीय आवकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा एकट नही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण मैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, कर्यात् :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाताप त-

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध नाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवड्ड जिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पाक्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों नौर पदों का, जो उनके सिमिनयम, के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स् भी

फ्लैंट नं० 14-ए, जो, तीसरी मंजिल, इमार नं० 1, शिव कीर्ति को-प्रॉपि० हाउसिंग सोक्षायटी लि०, चिवोली बंदर रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है

श्रनुसूत्री जैसा कि कि० सं० श्रई-3/37-ईई/15382/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजन रोज-3, बम्बई

तारीख : 31-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्रई०-3/37-ई ई/15377/84-85---यनः, मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परकार् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उम्बत वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं पलैट नं 3, जो, तल माला , शिव की ति को श्रॉप हाउसिंग सोसायटी लि , इमारत नं 3, एस नं 297 वो-विग, चिचोली बंदर रोड़, मालाड (प ) बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रौर पूर्ण का से विणत है), श्रौर ।जन हा करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर 1984

को पूर्वेक्स संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिए नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए।

अदः अब, उरत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मित्यिस व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री साई वाबा बिल्डर्स, प्राइवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० बी० दुद्रमहर

(श्रन्तरितं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिएः कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

फ्लैंट नं 3, जो, तल माला, शिव कीर्ति को-भ्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, इमारत नं 3, वी-विंग, चिंचोली बंदर रोड़, मालाड (प), बस्वई-64 में स्थित है ।

श्रनुसूर्च: जैसा कि क्र.) सं० श्रई-3/37-ई ई/15377/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिसांक 1-12-1984 को रुजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

ातरीख : 31-7-1985

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ई ई/15380/84-85---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- फ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 75, जो, चौथी मंजिल, इमारत नं ० 2, सी-विंग, जिव कीर्ति को-आप० हाउसि मोमावटी लि०, चिचोली बंदर रोड़, म.लहाँ ा०) अर्ड ई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर र्रा रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा यकर अदि ।यम 1961 की धारा 260 के खे के भ्राधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्श है और मुक्ते यह विक्लास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्रयमान प्रतिकल सं, एोसे दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और मंतरक (अंतरकों) और अंसिंग्सी (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उक्दरेय से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने मी सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी साम या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

जत: अब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री साई बाबा बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्री एस० वी० सुर्वे

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी बाधांप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्टीकरण :--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

फ्लॅंट नं०75, जो, चौथी मंजिल इमारत नं० 2, सी-विंग, णिव कीर्ति को-ऑप० हार्डिसग मोसायटी लि०, चिचोली बंदर रोड, मालाड (प), यम्बई-64 स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नं अई-3/37-ई ई/15380/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिजस्टड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

नारीख: 31-7-1985

माष्ट्रर :

प्रकर नाही, दी, एन ् एस्,------

बावकर निर्धानवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्थान

#### MISO MENTE

## कार्यातयः, तक्क्षयकः सामकार थायुक्तः (निद्वानिक)

अर्जन रेंज- बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्वेण सं ा अई-3/37-ईई/15386/84ग85---यतः, में, ए० प्रसाद,

आयकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, विसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं० 11, जो, दूसरी मंजिल, इमारत नं० 3, बी-विंग, शिवाकीर्ति को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, चिंचोली दर रोड़, मालाड (प), तथा जो बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध सूची में ग्रीर पूर्ण रुप विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियमा 961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफंक के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विक्वास करने के कारण है कि यथाप्नों क्त संपरित का उचित बाजार मृत्य इसके बश्यमान प्रतिफंक से एसे बश्यमान प्रतिफंक का पन्छह शितात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के तिए तुब् पावा नवा बित्फल निम्निसिंश उन्नदेश से उपत अन्तरण निम्ति

- (क) जन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कभी कड़ने वा उससे बचने में सुविधा के निष्; बौर/वा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी धन वा अस्त आहिस्सवों को, विन्हें भारतीय जाय-कर विधितयुत्र, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ वृधिनियुत्र वा धन्कर विधितयुत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जनसीरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के सिस्।

चतः वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-थ के दानुसरक , में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा ﴿1﴾ अभीम, निस्निसिंख व्यक्तियमें, अभीम् के~~ 1. श्री साई बाबा बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(भन्तरक)

2. श्री एस० एम० मैया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिए कार्ययाहियां करता हुई।

उनत रामित्य से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्य ह---

- (क) इस स्वान के एकपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वान की तामीन से 30 दिन की वनधि, जो भी ब्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाच:
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: —-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिया गया है।

#### मन्सू ची

फ्लैट नं । 11, जो, दूसरी मंजिल, इमारत नं । 3, बी-विंग, शिव कीर्ति को-आप । हाउसिंग सोसायटी लि । चिचोली बंदर रोड़, मालाड (प)बम्बई-64 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/15386/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

तारीख: 31-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाह', टी. एत. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के मुधीन सुचना

### ब्रारतं बङ्गार

## कार्यांत्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/15388/84-85—-ग्रत:, मुझे, ए**० प्रसाद**.

शायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके बश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15, जो, इमारत नं० 3, तीसरी मंजिल शिव कीर्ति को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, श्री-विंग, चिंचोली बंदर रोड़ मालांड (प) बम्बई-64 में स्थित है। (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 1 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह जिस्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रदूषकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे जन्तरण के निए तय पाया जया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त जन्तरण सिचित के वास्तरिक के सिचत कर से कियत नहीं किया गया है है—

- (का) जस्तरण से हुन्दें किसी बाद की शावता, उक्त बाधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दासित्य में कमी करात का उनसे अपने में सुविधा के लिए; बाह्न/बा
- (w) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों का जिम्हें भारतीय जाय-कार जिम्हें भारतीय अय-कार जिम्हें किया अय-कार जिम्हें किया जाया था था किया जाना चाहिए था, जिम्हों में सिक्धा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-य के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के बधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री साई बाबा बिरुडर्स प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्री पी०एस० पिसात श्रीर अन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कहता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य स्थावित द्वारा सभोहस्ताक्षरों के पाइ सिखित में किए जा गकारों।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उपके जिपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्म होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

## श्रनुसूची

पलैट नं 15, जो, इमारस नं 3, तीसरी मंजिल, शिव कीर्ति को-आप हार्जीसग सोस। यटी लिं वी-विंग चिचोली बंदर रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ई ई/15388/84-85 भ्रीर जो सक्षम धिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 31-7-1985

प्ररूप आहू .टी . एन . एस . ------

अध्यक्तर मिशिता, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269 म (1) के नधीन सुचना

## भारत त्रकार

कार्यालय , सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/15378/84-85---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रके वश्चात् 'उसत अधिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० ७, जो, पहली मंजिल, इमारत नं ० ३, ए-चिंग, शिवकीित को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, जिचोली बंदर रोड़, मालाड (प०) है तथा जो बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध नुसूस्ची में ग्रौर पूर्ण ६५ में विजत है), ग्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के मेंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 1 सिवम्बर, 1984

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित को एक हैं हैं दोर मूझे यह विश्वास अरने का कारण हैं कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके कारमान प्रितिक से. एसे रस्यमान प्रतिक्त का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण स कुद्दा क्रांग्यों नाम का गावस सम्मा अधिन विनाम की पंजीत भाव द्वार के अनुमाल का धारिका भी कारी का जिला समने प्रामितिका भी के पित्रण, अधिनेत्र
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करी एकाड़ों भारतीय आग्रमार कोचनियम 1900 (१७७% का 11) या उचन अधिनियम या धन वर्ष कोचनियम या धन वर्ष कोचनियम पर धन वर्ष कोचनियम पर धन वर्ष कोचनियम पर धन वर्ष कोचनियम पर धन वर्ष किया गया था या किया थाना चाहिए था, जिल्लाने के निए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्द में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (१) के अधीन : निक्तिकिकाः अक्तियों : १९४० ... 1. श्री भाई बाबा बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्री एम० एन० डिसोझा

(अन्तिरती)

को यह मुख्या बारी करके पृथानत तम्पतित की अभेन के निष् कार्यवाहियों करता हूं।

उपस सामादि के अवंग के सम्बन्ध में के हैं की बहुक्षेप् ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## श्रनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो, पहली मंजिल, इमारप्त नं० 3, ए-विंग, णिव कीर्ति को-आप० हाउसिंग सोस यटी लि०, चिचोली बंदर रोड़, मालाइ (प), बम्बई-64 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि फ॰ मं॰ अई 3/37-ई ई/15378/84-85 श्रीर जो सक्षय प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंग-3, बम्बई

तारीखं : 31-7-1985

## अक्स बाइ टी. एन . एस , -------

बाधकर बिधानियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

## कार्याक्य, सहावक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

सर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई०-3/37-ईई/15384/84-85 - न्यतः, मुखे, ० प्रसाद,

आयकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--च के अधीन सभान प्राधिकारी को यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थायर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-ऊ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 10, जो, दूसरी मंजिल, इमानत नं 3, बी-विंग, शिवकी ति को-ग्रीप हाउसिंग सोसायटी लिं , निचोली बंदर रोड, मालाड (पं) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक प्रमुद्धा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के ग्रीधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 1 दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्श संपर्ति के उचित्र बाजार मूल्य से साम के स्वस्थान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं. और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि वधापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वस्थान प्रतिकाल से एते स्वयान प्रतिकाल का चन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया। प्रतिकाल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिक्त में वास्तविक रूप से किया गया हैं :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उसल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य झास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।
- , अतः अध, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--44 -236GI|85

1. श्री साई बाबा बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2. श्री संजीव एस० नाईक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध स्थावस ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए का सकोंगें।

स्मच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं की, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### न्नम्पर

फ्लैंट नं 10, जो, दूसरी मंजिल, इमारत नं 3, बी-विंग, शिव कीर्ति को-धाप० हाउमिंग सोसायटी लि०, चिंचोली बंदर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/15384/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-12-1984 को र रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज-३, बस्बर्ष

**लार्ीख : 31-7-1985** 

अक्र नार्ड. हो, एत एस -----

जायकर जीधीनसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भाउत सरका

## कार्यासय, ब्रहायक भागकर आयुक्त (विरोक्षण)

श्चर्जन रेज-3, बम्बर्ध

वम्बई, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निर्देश मं० अ**ई-3/37**-हेंडी/15385/84-85---अतः, मुझो, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाम (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भार। 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उधित बाजार मूल्थ 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो तल माला, इमारत नं० 3, लिए कीर्ति को-श्रांप० हाउसिंग सोसायटी लि०, चिनोली बंदर रोड, मालाड (प) जो बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुस्वी में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 वा ख के श्रधीन, बम्बई हिंखत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर, 1984

को पूर्णेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यज्ञान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्देश्य से उचत अन्तरण कि चित्र में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आव की वाबत, उभद्ध अधि नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भण या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिंह;

बर्तः, अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निस्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 1. श्री साई बाबा बिल्डर्स प्रायनेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० जो० भूसारी श्रीट श्रन्य ।

(ग्रन्तिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकीप ह—

- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारींल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी स्पीक्त दवारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्य से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकेंगें।

स्पत्कीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का., जो उनक जिभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## जन्**स्**ची

फ्लैट नं० 3, जो, तल माला, शिव कीर्ति को-श्रांप० हाउसिंग सोमायटी लि०, चिंचोली बंदर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैगा कि कि मं० प्रई-3/37-ईई/15385/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (जिरोक्षण) स्रजैन रोज-3, बस्बई

तारीख : 31-7-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्ष्री भारा 269-घ (1) के अधीन स्वाना

#### भारत तरकाड

## कार्यालय, सहायक वायकर जाब्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनार 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/14890/84-85--अत:, मुझे, ए॰ प्रसाद,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उधत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सलम प्राप्तिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका संव दुष्तान नंव 5, जो तलमाला, प्लाट नंव ए, मीव टीव एसव नंव 585, कृष्ण बाग है, है जो बम्बई में स्थित हैं(श्रीर इससे उपाबद श्रनुसुच। में श्रीर पूर्ण क्या ने विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 का धारा 269 क ख के अवान, बम्बई स्थित मक्षम शायकार। के जार्यालय में रजिस्ट्रा है तारीख 1 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकं दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाम की बाबत, डब्द बिधिनियम के बंधीन कर दन के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा कालए; बीर/या
- (ण) एसी किन्दी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रवोचनार्थ अस्तिरती ब्वास अकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, स्थिपन में सुविधा के सिए;

भारत भारत निम्मिनियम को भारत 269-म के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम को भारत 269-भ की उपभारा (1) से सभीत के निम्मिनियम स्थितियों, सम्बद्धि ---- (1) मसर्स चैतन्य इंटरप्राइजेस

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती तारा देवी म्रार० सिंह और म्रन्य (म्रन्तरिती)

को यह सूचना पार्टी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ा--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशप की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी न्यक्ति धुवारा;
- (च) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## यनुसुची

दुकान नं० 5, जो, तल माला, लाट नं० ए, सी० टी० एस० नं० 585, कृष्णा बाग, बम्बई में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-3/37-ई ई/14890/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक स्नाकर स्नायुक्त (निरोक्षण) सर्जन रोज-3, बम्बई

तार्राख : 31-7-1985

मोहर 😢

## दर्भ नार्षे क्षेत्रम् पुरु न्यान्यस्य स्वयं

## बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-म (1) वो संधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबकर आयुक्त (निरीक्षक)
प्रजीन रोज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्वेश सं० श्रई-3/37-ई ई/14898/84-85---अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर जिभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मत्ति, विश्वका उचित वाचार मृस्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रीद्योगिक ब्लाक नं जो, पिरामल इंडस्ट्रियल इसारत नं 4, एस० वी० रोड़, गोरेगांव है, तथा जो बम्बई-62 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269एख के श्रधीन, बम्बई स्थत सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तरीख 1 दिसम्बर, 1984

करें पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है बार अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथात नहीं किया गया है :—

- (क) जनतरण से हुई किसी जान की वास्ता, अपता अधिनियम के अधीन कर वेगे के जनतरक कें शामित्य में कमी करने या उत्तसे स्थाने में सुविधा केंद्रिश्य; और/वा
- (क) एसी किसी आव वा किसी वन वा अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१९22 का 11) या अक्स अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा वा वा विका काना चाडिए था स्थिपाने में शांक्या के जिल्हा;

जतः बतः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-गं के वनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियमं की भारा 269-गं की उपभाग (1) के विधीन निम्नतिचितं व्यक्तियों वर्षातः हिन्स 1. श्रीमती कमला बाई डीं० सराफ ।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्सभोहन इंजीनियरिंग वक्स ।

(ग्रन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके प्वींक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनक सम्मतिक के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोई :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की जनिश्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जनिश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त स्वित्तवों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिटबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रौद्योगिक लाक नं० 7, पिरामन इंडस्ट्रियल इमारत, नं० 4, एस० वी० रोड, गोरेगांव, बम्बई-62 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/7-ई ई/14898/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को े राजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रॅंज-3, बम्बई

तारी**ख** : 31-7-1985

त्रसम् बाइ ॄिटीुरु एतः पुराः,--------

# नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में नधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यान्य, सहायक जायकार जायुक्त (शिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० म्रई०-3/37-ई० ई०/14899/84-85--म्रतः भुक्षे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आएण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० जी--5, जो, ए-विंग, सर्वे० नं० 92, एच० नं० 4, सी० टी० एस० नं० 446, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई--63 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 दिसम्बर

द्धं पृतिकत संपत्ति को उणित बाजार मृत्य सं कम के द्ध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार बूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के निए तय गया प्रशास्तिक निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भी बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई जिली नाम की नाम्क उपन मुद्दैन-रिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक से वादित्य में कमी करने या ससमें बचने में सुविधा के लिये; गाँदि/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य आस्तियाँ की, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेशितमध्ये अन्तरितो ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा अं तिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ं अधीय, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रर्च डेकन डेव्हलोपर्स बिल्डर्स एंड कान्ट्रक्टर्स । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुनीता दिवाकर वाकडे । (श्रन्तरिती)

को बहु सूधना चारी करक पृथिता सम्पृत्ति के वर्षन के सिष्ट् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उन्ह सन्द<u>ित के बुर्वन के सम्बन्ध में</u> केंद्र भी मान्नेद ६---

- (क) इंड सुचना के रावपन में प्रकाबन की तारीन हैं
  45 दिन की नगीभ ना तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
  की तानीन से 30 दिन की अन्धि, को भी जब्धि
  नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इव जूमना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच चें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपर्तित में हित-नव्भ किसी जन्य क्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकोंने।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजिस हैं, बहुी अर्थ होगा औं उस अध्याम में दिवा जवा है।

## अनुस्ची

फ्लैट नं० जी-5, जो, ए-िवग, एस० नं० 92, एच० नं० 4, सी० टी० एस० नं० 446, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-3/37-ई० ई०/14899/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 🤋

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई०-3/37-ई० ई०/15158/84--85-श्रत मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो, 6ठी मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, चर्च व्हयू श्रपार्टमेंट, श्रोर्लेम, मालान (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 दिसम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा भू प्लिए; और∕या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधोन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स दिप कार्पोरेशन

(ब्रन्तरक)

(2) व्हिक्टर बी० लोबो।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### जनस्थी

फ्लैंट नं० 4, जो, 6टी मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, चर्चं क्र्यू श्रपार्टमेंट, श्रोर्लेम, मालाा (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई०-3/37—ई० ई०/15158/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 🕫

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को विभीन त्वना

### HIST TENED

## कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० भ्रई०-3/37—ई० र्व०/15172/84–85—म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकार सिंधनिषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें ध्रसकें प्रथात 'उन्त सिंधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रौद्योगिक यूनिट नं० 29 जो नहार श्रीर शेठ इंडस्ट्रियल इस्टेट कृष्णा सिनेमा श्रीर शांग्रीला विस्कीट फैक्टरी के पास एल० बी० एस० मार्ग भांडूप (प०) बम्बई-78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 1 दिसम्बर

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन त अधिनियंत्र के बधीन कर दोने के बन्दरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के रूए: बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

कतः अब, उठ त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियरें अर्थात् ः— (1) कुमारी माला एम० शहानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरेश रामजी वाला।

(अन्तरिती)

वा वह सूचना बादी कारके पूर्ववित सम्परित के वर्षन के सिव्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## वस्त बन्दर्शित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी स्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के दास निकार में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मंदिया गया है।

## धनुसूची

श्रीधोगिक यूनिट नं० 29 नहार एंड शेठ इंडस्ट्रियल इस्टेट कृष्णा मिनेमा श्रीर शांग्रीला बिस्कीट फैक्टरी के पास एल० बी० एम० मार्ग भांडूप (प०) बम्बर्ग-78 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई०-3/37-ई० ई०/15172/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ग द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजीस्टर्ज किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन <sup>टे</sup>ज-3 बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रारूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश मं० प्राई०-3/37-ई० ई०/1-303/84-85---- प्रतः मुझे ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित माजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ं यूनिट नं ं 6, जो, तल माला, गोबिंद उद्योग भवन, बाल राजेश्वर रोड़, मुलुंड (प॰), बम्बई-80 में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौष्ट जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, दिनांक 1 विसम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अध्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तश्कों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है .--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध्य के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, खिपाने को सुविधा की सिक्टः

तत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अथित् :— (1) मेसर्स पवानी एंड कंपनी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोबिंद कें वर्यनानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## **उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप** ६०००-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यांक्तथा पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (छ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास निश्चित में किए या सकेंगे।

"अब्दीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सक. हैं।

### अनुसृची

यूनिट नं० 6 जो तल माला, गोविंद उद्योग भवन; बाल राजेश्वर रोड़, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-3/37-ई० ई०/150303/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 🛭

प्रस्य नाइ. टो. एन्., एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

#### मारत संस्कार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ध्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं ० श्रई०-3/37-ई० ई०/14972/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें स्तक पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह निष्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, श्ररीहंत दर्शन, पहली मंजिल, की० पी० रोड़ श्रीर जी० जी० रोड़ का कार्नर, मुलूंड (प०), बम्बई—80 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आधकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 दिसम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिकार है जिए अस्ते ए तर नहीं हैं और मफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरफ सिविद में वास्नविक स्थ से किश्वत नहीं किया गया है फू

- (क) जन्तरण से हुई किली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वर्ट शामित्व में कभी करने या उत्तरी बचने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार क्षिप्तियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, पा धन-कार अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ बन्धिरसी द्वारा प्रकट पहों किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए;

ि बतः क्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण क्रों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिति कित व्यक्तियों, अर्थात् प्र——
46—236GI/85

(1) श्रीमती प्रभा भवान कटारीया।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती विजयाबेन एन० पंडया।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप रू-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंती बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिकारियक ही, बही अर्थ हरोगा, जो उस अध्याय में दिवा गया ही।

## **ग्रनुसू**ची

पत्तैट नं० 1, जो, प्रारीहत दर्शन, पहली मंजिल, बी० पी० रोड़ ग्रीर जी० जी० रोड़ का कार्नर, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

भ्रातुसूची जैसा कि का० सं० भ्राई०-3/37-ई० ई०/14972/ 84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्भई ब्रारा दिनांक 1-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, क्षम्बई

विनोक: 31-7-1985

## वृक्ष्य वाद्री<u>. दी. एवं</u> . एक , पण्यन्त्रन्तरत्वनन्तर

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत करकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)
प्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 2, जो अरीहंत दर्शन, पहली मंजिल, वि० पी० रोड और जी जी रोड का कॉर्नर, मुलड (प), बम्बई-80 (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर भिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्त विक रूप से कथित नहीं किया गया है हैं—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बुधने में सुविधा के लिए; बौट्र/बा
- म) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, १०५५ (1957 का 27) के प्रवाबनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

णतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की जीव, िप्तनिविद्यत व्यक्तियों, अर्थात् धे— (1) श्री भवान गांगजी कटारीया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लिलताबेन एन० शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्परिष् के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी नाक्षेप् उ-

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकासन की तारी के 45 दिन की सुवाध या तत्सम्बन्धी क्यां कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी नविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन क्यां कर में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं॥

फ्लैंट नं० 2, जो, ब्ररीहंत दर्शन, पहली मंजिल, बी० पी० रोड़ श्रीर जी० जी० रोड़ का कार्नेर, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-3/37—ई० ई०/14971/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

्ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **घायकर** प्रायुक्त (निरीक्षण ङ ∤रेंज−3, वम्बईन

विनाक: 31-7-1985

मोहर 🗈

## म्हन् वाष्ट्रं हो तुन्तु पुक् ु-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्र भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### नारुत तरकार

## कार्यालयः, सहायक मायकर मामुक्त (निर्देशक्)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देण सं० श्रई०-3/37-ई० ई०/15223/84-85--- स्रतः मुक्षे, ए० प्रसाव

अगयकर अभिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूच्या 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 141, जो, पहली मंजिल, शांती इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० एन० रोड़, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 दिसम्बर 1984

को प्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गरत की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण ही कि स्थाप्नोंक्त संपोल्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्स्रिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विष्

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

- (1) मेसर्स टिश्ना बिल्डर्स (बॉम्बे) प्राईवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स राजगिर बिल्डर्स ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, अं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्यों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :--इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा को उस अध्याम में दिया गया। इं

## नन्त्रा

यूनिट नं 141, जो, 1ली मंजिल, शांती इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० एन० रोड़, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-3/37-ई०ई०/15223/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

बोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

क्रायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्वेश सं० भ्रई०-3/37-ई० ई०/15484/84-85--- मतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का.43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 2, जो, कमरा नं० 6-डी, जय भवानी मार्ग, मुलूंड कालोनी, मुलूंड, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 दिसम्बर 1984

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिअस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एक्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मीड अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मिश्व में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-ियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/गा
- ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : (1) श्री दर्शन सिंह पी० रंधवा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमलूक सिंह एच० खेरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4: दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसे अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित र से किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—-इसमें प्रयुक्त घब्बों और पदौं का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः गया है।

## अनुस्ची

ब्लाक नं० 2, जो, कमरा नं० 6-डी, जय भवानी मार्ग, मुलुंड कालोनी, मुलुंड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसा कि ऋ० सं० ग्रई०-3/37-ई० ई०/15484/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजीरटर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायु<del>र</del>त (निरीक्षण) **मर्जन रेंज**–3, बस्बई

विनाम : 31-7-1985

मोहरः

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, शहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज रू- 3, वर ई

बम्बई, दिनांग्ड 31 जुलाई 1985

कायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिक रो को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं संव यूनिट नंव 138 है जो पहलीं मंजिल, शांती इंडिस्ट्रियन हे इस्टेड, एसव एनव रोड, मुल्ड (पिक्स), बन्बई 80 में स्थित है (और इसने उपाबड प्रमृज्यों में ओर पूर्ण का संविधा है), और जिसता त्तीरनामा आय-कर अविनियम 1961 की घारा 269 लखके प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिवस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को प्रबंक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य उसका दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क्षो अन्तरण से हुई किसी आयं की वाबदः, उक्छ विभिन्दमं के अभीन कर दोने के अन्तरक औं दासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा से लिए; औद्दर्शना
- (अ) एसी यिश्वा आय या किसी भन या अन्य जारित्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत. कथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन,

- (1) मेर्स्स टिक्रा विल्डर्स (वाम्बे) प्राइवेट रिमिटेड r (ग्रन्तरक)
- (2) मेरार्स राजगिर बिल्डर्स ।

(भन्तिरती)

को यह सुभना जारी करके पृत्रों क्ता संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुई।

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, को भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपका स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## जन्सूची

य्तिट नं० 138, जो, पह्नीं मंजिल, शांती इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० एन० रोड, मृलुंड (पश्चिम), बम्बई →80 में स्थित हैं।

अनुसूत्री जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/15222/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी अन्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~3, बम्बई

दिनां इ: 31-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एर.. एस ्------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) सी धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांवः 31 जुलाई 1985

निर्देग सं० ऋई--3/37-ईई/14882/84--85---श्रतः मुझे, ए० प्राप्त

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"). की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 100,000/- रह. से अधिक हैं

अंति जित्तकी संव पत्रैद्ध नंव 2 है, जो स्वामीनारायण दर्शन, डाव श्रास्त पीव रोह, मुलुंड (पव्चिम), बस्बई-80 में स्वित है (और इत्मे उपायड अनुसूत्री में और पूर्ण स्व मे विश्ति है), और जिल्ला एक्क्समा श्रायदण श्रृष्टिनियम, 1961 की धारा 269 है ख के श्रृबीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रायिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पार्त का उजित बाजार मृत्य उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशित उद्दोष्य से उक्त अन्त-एण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वािंग्रिय में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अभ या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर क्रीधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, स्थात् म (1) श्रीं एम० जै० गणाता

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुकेश डी० जोबनपूत्रा और मन्य।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अनुसूची**

पलैट नं० 2, जो, स्थामीनारायण दर्शन, डा० झार० पी० रोड, नुलुंड (म), धम्बई-80 में स्थित है अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० झई-3/37-ईई/14882/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1989 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶3, अम्ब**र्**

दिनोंक: 31-7-1985

मोहर 🔉

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर सायृक्त (निरक्षिण) भ्रजेन रेज़⊸3, यम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० घई-3/37-ईई/14906/84-85-- घतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० जे, वर्धमान नगर, डा० श्रार० पी० रोड, मुल्ड (प०), बम्बई-80 में स्थित हैं (और इससे उपावज अनुसूची में अहैर पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिसला करारतामा श्राय- कर अधिनियम, 1961 की धारा 269 त ज के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के वार्यालय में रिएस्ट्री हैं, तारीख 1-12-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह धिदवास कारने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गुम्तिविक मण में किथत नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण संहूद किसी बाय की बावत, उक्छ अधिनियम को अधीन कर दन की भान्यक जो दारित्व मी कमी कारने या तससे बच्चे मी सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

(1) श्रीमती सुनीता श्रजीतिसम श्रहुल्बालिया और श्रन्य।

(भ्रन्तस्दः)

(2) श्रींमती सरला किरीट भाणोक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कीइ भी नाक्षेप उ-

- (क) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्में बंधी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्ति हों।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिनगद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिक्ति में किए या सर्वारी

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्ची

फ्लैट नं० 304, जो, 3रीं मंजिल, इमारत नं० जे, वर्धमान नगर, डा० श्रार० पीं० रोड, मृलुंड (परिषम), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई- 3/37-ईई/14906/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिः ारी बस्बई द्वारा दिनाक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रक्षाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

बतः श्वा, उत्कत अधिनियम की भारा 269-म की बनुसरण मैं, में, उत्वन अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ⊭—

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 🔅

प्रस्प सार्वं दी. एन . एस . महत्रवास्त्रकार

भाभकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, ब्यबर्ध बम्बई, दिनोंस 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई--3/37--ईई/15393/84--85----श्रतः मुझे,

ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा १६०-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिन्हीं सं० पलैंट नं० डी-10 है, जो 2रीं मंण्डि, गोवर्धन नगर, एन्० बी० एस० मार्ग, मृलुंड (धिष्म), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्व हैं), और जिसका कराजनामा श्रायकर प्रतिनियम, 1961 की धाणा 269 व ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के वार्यालय में रिजस्ट्रीं है, तारींख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमाल बितिकल को लिए अन्तरित की गई है स्लैंट मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एवं इश्यमान प्रतिफल का जन्दह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तम नाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निलिखत में वास्तिविक रूप से किया गया है -

- (क) अन्तरण से हुंद्र किसी आय की वाक्क; उक्त अधिनियर के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा औं तिए; और√या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) धी अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था. छिपाने में सुविधर के लिए:

अस: अब, उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) ओं एम० एन० स्वामी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती काताबन के० सचदे।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्धित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों के स्विधियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर मंपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकीगे।

स्पष्किरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **श्रनुसूची**

पलैंट नं० डीं/10, जो. 2रीं मंजिल, गोवधैंन नगर, एल० बीं० एस० मार्ग, मुलुंड (पश्चिम), अम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० भई-3/37-ईई/15393/ 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी बम्बई द्वारा (स्ताव: 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रैंब- 3, बम्बई।

विनोक : 31-7-1985

माह्यर :

# क्ष्म बाह्रो, दी, पृष्ठ , पृष्ठ , <del>------</del>-

बाबकर बधिनियम, 1961 (1961 मेर. 43) वहीं भारत 269 (व) (1) वे बधीन ब्यान

#### भारत बरकार

कार्याजन, सहायक जायकार बायकर (निर्णाक्क)

ग्रर्जन रेंज~3, बम्बई गम्बई, दिनां ह 31 जुलाई 1985 निर्देश मं० ग्रई-3/37-ईई/15314/84~85⊶-**घतः मुझे,** ए० प्रमाद

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसर्थी हमके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की पत्का 269-का से अधान सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास कार्न का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित विश्वका उचित्र माधार भूग्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुतान नं० 23 है, जो 3रीं मंजिल, यूनित इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० श्रार० पीं० रोड, मुलुंड, बस्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायक्तर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधींत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीं है, तारीख 1-12-1984

की प्रतिकत सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यान विस्तान के निए वंतरित की नई हैं और वृक्षे वह विकास करने का कारण है कि वधाप्तींकत बम्बत्ति का उचित वाकार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल सं, एसे क्यमान प्रतिफल का बच्च प्रतिकत का कारण के क्यमान प्रतिफल को एसे क्यमान प्रतिकत का वच्च प्रतिकत से विभक्ष हैं और वंतरक (वंतरका) और वंदरितों (वंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया निया प्रतिकत निम्मसियत उद्योध्य से उच्या वंतरण जिल्का में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

- कि जैतरक से हुइ किसी नाय की बाबह, हुक्ब मिलियम के मधीन कार दोने के क्लेक के शोप्रता से कार्य कारने या उससे बचने मी सुनिका १ विद्या की
- (क) एंगी जिल्ली आप या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिल्लों भारतीय जाय-कर जिल्लियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिल्लियम, का धनकर जिल्लियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती इंगारा प्रकट नहीं किया गया था या विकास जाता जाता जातिए था, स्थिपार्थ में प्रविधा के लिए,

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मण्य मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कथील विकास किता काकित में क्यांत देखका 46---216GI '85 (1) युनिक बिल्डर्स।

(भन्तरक)

(2) किशोर एल० रामानी ओर मन्य।

(श्रन्तरितो)

**वर्ष वह कुश्**या चारी बातके दुशाँक्य क्वास्ति के नवंत के हिन्दू कार्यवाहियां करता हो।

बन्द सम्परित के गर्भन के सम्बन्ध भी काइ भी बाहरेंप :---

- (क) इब् , त्यंशा के राजपत्र में प्रकाश्य की तारीय के 45 किने की अमीध मा सत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पत स्वाप्त की मंजिए, जो भी जबिध बाद में समाप्त हाली है। असीए पूर्वोक्स व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति हुआ।
- (क) इस स्वना के कराक्ष मा १०३१ का प्राणित से 4/5 विन के भीतर उसत स्थापन सक्क्षण मा स्ट्रिबयुष किसी अन्य ज्यान द्यापा १ वन्द्रना हुकों के पास लिकित मा किस कराजा

रम्बार्किस्य:---इसमाँ प्रयूवत शब्दों और पदां का. आ उपके राज्यार अधिनियम के अध्याय 2€-क मों परिभाषित हाँ, वहीं क्षी होगा जो उर्श क स्थाय को तिकर राज्या

## अम् सूची

दुकान नं० 23, जो 3नीं मंजिल, युनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, ढा० भार० रोड, मृत्युंड, बम्बई-80 में स्थित है। भनुसूची जैसा कि क० मं० फई-3/37फईई/15314/84-85 और जो सक्षम प्राधितारीं कम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को जिन्ह िया गया है।

्र प्रसाद भक्षम प्राधिकारी महायम ग्रायक स्थाप्क (विरोक्षण) दर्शन रेंग--3, **यस्वर्ध** 

दिनौंक : 31-7-1985

## मक्त नार्द*े हो*ं सुन् सुरू<sub>ध</sub>करण्यासम्बद्धाः

(1) भज्य भिल्डर्स।

(मन्तरक)

(2) चन्द्रकांत भानू सावंत।

(म्रन्तिरतीं)

# नायकार मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) जी नधीन सूचना

### बाइव पुरुष्

कार्यालय, लहायक मायकर मायकत (निरीक्षण) प्रजैत रेज-3, मन्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई--3/37--ईई/14880/84--85--- ब्रतः मुझै, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें एक्स एक्साल् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-र के अधीन सक्षत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार जुन्द 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० पलैट नं० 3, जो, तल माला, ऋषभ आणिश, प्लाट नं० 74, सीं० टीं० एस० नं० 564, मृलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारन(मा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के अधींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीं है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित शाचार नृस्य से कम वे जनकाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित शाजार मृज्य, उचके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचक से अध्यि है और अंतरक (अंतरकों) और अंबरिती (अंत-रितियों) के शीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उम्त अंतरण निकित में शास्तिक क्य से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय को बाबत, अंक्स अधिनियम के संधीत कर दोने के सन्तरक की वायित्व में कमी करने वा उससे अधने में सुविधा से लिए; सांडर्/या
- (श) ऐसी किसी आय गा किसी भन वा जम्क आस्तिवाँ को, विन्हों भारतीय आयकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्दर ज़ींभनियम, वा भनकर विश्वित्वम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ वन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था जियाने में जुनिया के सिए;

उत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुजरण मों, मां. उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) ■ अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- को यह बुच्चा बारी अपने पृत्तीक्ष सम्पृत्ति के अर्थन के शिष्ट कार्यवाहियां करता हो।

## हार श्रमणि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाखेष :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (का), इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकारी

स्वच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याद में विका गया है।

## **प्रनुस्**ची

पर्लंड नं० 3, जो, तल माला, ऋषभ द्याशिश, प्लाड नं० 74, सीं० टीं० एम० नं० 564, मुलुंड (पूर्व), कम्बई-81 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० ऋई-3/37-ईई/14880/ 84-85 और जो सक्षम प्राधियारी कम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, बम्बई

विनौक : 31→7-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एव. -----

नायकार निभित्तियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नधीन स्थान

#### भारत सरकार

## कार्यासय, तहासक नामकार जामुक्त (निर्दाक्षक)

ऋर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्वेश वं० श्रई--3/37--ईई/1,5221/84--85--- मतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकों संव यूनिट नंव 137 है. जो पहली मंजिल, गांती इंडस्ट्रियल इस्टेट, एसव एकव रोड, मुलुंड (पश्चिम), बस्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसवा बरारनामा आयकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क छ ने श्रिधींन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के शार्यालय में रिनिस्ट्रीं है, तारींख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें श्रियमान प्रतिफल से कैं शब्द प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिक इप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंधरण सं हुई किसी साय की वायत, उक्त सिंगनयम के अभीत कर दोने के अन्तरक आर्थ . दासित्य में कमी करते वा उसस वयने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनके अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपध्यरा (1) फंअधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स टिका बिल्डर्स (बाम्बे) प्राइवेट लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स राजगिर बिल्डर्स।

(प्रन्तरितीं)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

## उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को रावपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेक हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वया करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्की

यूनिट नं० 137, जो, 1लीं मंजिल, शांतीं इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० एन० रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि या सं श्र श्रई-3/37-ईई/15221/ 84-85 ऑर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंत्र--3, त्रम्बई

दिनांक 31-7-1985 मोहर:

## प्ररूप आई.टी.एन.एत.-----

## भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुख्या

#### भारत सरकार

कर्णालपः, सहायक <mark>बायकर बाय्क्स (निद्रक्रिक)</mark>

श्चर्जन रेंज--3, बम्बई बम्बई, दिशं⊴ 31 जुलाई 1985

निर्देण मण अई--3/37-ईई/15498/84--85-- म्रतः मुझे,

ए० प्रगद,

आयकर अधिनितम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- के से अधिक है

अंद किएकी पंच अधिए। यूनिट नं० 82 जो, 2री मंतिक, विकास इंडिस्ट्रिया इस्टेट, भांडूप विशास इंडिस्ट्रियल शिमायनेत का-आपरेटिव हाउदिन सोपायटी स्मिटेड, विह्नेत राड, पिएट टायर्थ के नामने, भांडूप, अम्बर्ध-78 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण स्पर्स विश्वत है), आर किएता अरारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 है, ख के श्रधीन, बम्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के ायिक्य में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-12-1984

की पृत्रीकत संपंत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्तर (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य ते उच्त बन्तरण निस्तित में अग्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- ंक) अन्तरण स हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्ल मे कामी कारने या उससे वचने में स्विधा के लिए; अरि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1932 को १३) या उस्त अधिनियम, या धनकर विविधियम, 1957 (1957 का 27) की एपोरेशार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदेट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिये था छिपाने ने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनिय की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीतः निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ग्रस्टाम गनी।

(अन्तरक)

(2) भरत तलामगी छेश्रङ्ग और ग्रन्थ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्त नंगरित के अर्थन सर्वभ में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशत की तालीस से 45 दिन की स्विधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की स्विधि, जो भी संविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरों के पान् सिवित में किए वा सकी।

स्थवाकरणः ---इसमी प्रयुक्त शब्दों और उद्दों का, को उपतं विधिनयम, के बच्चाय 20-क मी परिभाषित हाँ, वहाँ वर्ष होगा, जो जस अध्याय मी दिया गया

## **भ**नुसूची

औद्योगिक यूनिट नं० 82. जों, 2री मंजिल, विशास इंडस्ट्रियल इस्टेट, भांडूप विशाल इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आर्पण झाउमिंग सोमायटी लिमिटेड, व्हिलेज रोड, मिएट टायमें के लामने, भांडूप, बस्बई-रि8 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि से प्रार्ह-3/37-ईii/1.5498/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंत्र-3, कम्बई

विनांक 🛭 31-7-1985 मोहर:

## प्रकल केंद्र , की. एनं , एस . - - - ----

## भावनार निर्मित्रक, 1961 (1961 का 43) की कुछ 269-म (1) के बणीन स्थाना

#### भारत सहस्रार

## कार्यालय, सहायक मायकर मामुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ऋई-3/37-ईई/15310/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बांबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मूक्ब 1,00,000/-रु. सं अभिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 7, जो, प्लाँट नं० 38, रोहिनी अपार्टमेंट्स, आर० आर० विवेदी रोड, मुलुंड (पिश्वम), बस्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रौरजिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, वस्वई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-12-84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभागुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बासार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एके दृश्यमान प्रतिफल का पेतृह प्रतिकात अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया बतिफल, निम्निजितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि मा

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाव की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के शन्तरक के दायिस्व शाक्षकी करने या हनके उसने में सुविधा के लिए अस्तिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा जनक जास्तिकों को विन्हें भारतीय नायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निविद्यम, या चयकर अधिनियम, या चयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती व्यारा तकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के दिवए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाषा (1) के अर्थान, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) श्रोमर्ता प्रभा खुशास गाडा।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमा वि० गाला।

(भ्रन्तरिती)

को वह बूचना कारी करेंके वृत्रीक्त विपेत्ति के वर्जन के तिर् कार्यवादिया करता हुए ।

उन्त सम्मति के जर्जन के संबंध में कोंक भी जासप :---

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तरेसंबंधी क्यक्तियों पर स्चाम की शामील से 30 दिन की शामि , जो भी अधि वास में समाप्त होती हो, के शीलर प्रकेंक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस कुषना के राजपत्र में प्रकाबन की तारींच की 45 दिन के भीतर उनेस स्थावर सम्पन्धि में हिसबद्ध किसी निन्य व्यक्ति द्वारा निभोहस्ताक्षरी के पान निर्वित में किए जा सकेंगे।

त्यक्तीकरण - इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों कर, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में बंधस परिभाविक ही, मही अर्थ होगा. या उस अध्याय में दिशा नवा ही।

दुकान नं० 7, जो, प्लाँट नं० 38, रोहिनी श्रपार्ट⊨ मेंट्स, स्रार० श्रार० तिदेदी रोड, मुलूंड (पश्चिम), बस्बई— 80 में स्थित है।

प्रमुस् जैसा कि कर संर ग्रई-3/37-ईई/15310/84-85 शीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रैंज-3, बम्बई

दिनाँक: 31-7-1985

मोहरः

प्रका आहें हो पुरा पुरान ------

नावकर निधितियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नधीन ज्याना

#### भारत बहुकार

कार्यांसय, सहायक वायकार वाव्यत (निद्वीक्रक)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निर्देश म'० ऋई-3/37-ईई/15426/84-85--- अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नामकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकी इसकी प्रकार जन्म नियम के कहा गया है), की भाष 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भ्रौर जियको सं० यूनिट नं० 82, है, जो, 2री मंजिल, विशाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, भांडूप (पिन्म), बम्बई-78 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वींगत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) बौर अंतरिती (अंतरिवियाें) के बौच ऐसे अंतरण के लिए देस पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उच्छ अन्तरण जिल्लिख में नाम्तिक रूप से किया वस है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की वावप्त, उपके जिथितियम के बधीन कर देने के जन्तरक के दामित्य में कनी करने या उससे नचने में सुनिका जे लिए; जॉर/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निपनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया धवा था या किया जाना चाहिए था, िज्याने में सविधा के विष्

अन्द्रः अन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की अनुसरण जो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों, अर्थास् स्— (1) श्रीमती भरीनाबाई एफ० मंडेल्ला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रस्लाम जस्मान गनी श्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पृवाँक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सिए कार्य-वाहियां करता हुः ।

उनतु संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के क्षेत्रपण में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की खबीभ या करसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विश्व में समाप्त होती हो, के मीतर प्रवेकिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस बूधना के राजपण में प्रकाशन की सारीय से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरों के शास जिल्ला में किए वा सकीने।

स्थयकीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में विद्या गुरा है।

#### and the

यूनिट नं० 82, जो, 2री मंजिल, विशाल इंडस्ट्रियल इस्टेंट, भांक्प (पश्चिम), सम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूर्च जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ई $\frac{5}{15426}$ 84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 1-12-1934 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज--3, बम्ब**र्ध** 

रिनॉक : 31-7-1985

मोहरु 🖫

त्रकप नाइ.टी.एन.्य्त.----

नायकर निध्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्वना

#### भारत भरकार

## कथानिय, बहायक नायकर नायुक्त (निरासिक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 ज्लाई 1985

निर्देश सं० श्रई-3/87-ईई/15195/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (उस्त अधिनियम) कहा नया हाँ), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उक्ति वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

स्रोर जिसकी यूनिट नं० 128 है, जो पहली मंजिल, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेंट, कांजूर सार्ग, बम्बई में स्थित है, (श्रीर इसमे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनिथम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-12-1984

का पूर्वाक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दरमंगान प्रिष्ठकल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे वह विवयास कालों का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाबार मूक्य, उसके व्यवमान प्रतिकास से एंसे दर्यमान प्रतिकास का भन्तह प्रक्रियात से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पामा गया प्रतिकास, निम्मितियात उद्योदय से उक्त मन्तरण निम्मित संस्त मूले किया गया प्रतिकास, निम्मितियात उद्योदय से उक्त मन्तरण निम्मित संस्त मूले किया गया है :---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी भाग की बाबत, उनत बीधिनियम के अभीन कर दोने के बन्दरण के दायित्य में अभी करणे या उससे बचने में सुविधा के स्मिए; क्रीर/बा
- (क) एसी किसी नाय वा किसी धन या नत्व अपस्तियों को, चिन्हों भास्तीय नाव-कर निधीनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधीनयन, वा धन-कर निधीनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जत: वव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुतरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निस्नितिकित व्यक्तियों, कर्षात् रि—→ (1) मैंसर्म हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इंटरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० के० नम्बीसार।

(ग्रन्भरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के ट्रैक्ट् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बार्शय :----

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत त्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-वह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निर्देश में किए जा सकींगे।

स्थाकीकरणः --- इसमे प्रयुक्त कर्को और पर्वो का, जो उक्त किंध-नियम के नभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा, को उस अभ्याय में दिया गया

## वम्बुवर

यूनिट नं० 128, जो, पहली मंजिल, हिरानंदानी इंड-स्ट्रियल इस्टेट, काँजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संरु श्रई-3/37—ईई/15195/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्ब**ई** 

दनौंक: 31-7-1985

ोहर:

प्रकृष् बार्चः दी. एतः एसः------

## भाषका<u>र</u> जीभीनवज्ञ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) को अभीन स्**य**ना

#### बारत बरकार

## कार्यालय, सहायक बाग्कर बागुक्तः (निद्धीसाच)ः

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ऋई-3/37-ईई/15181/84-85----- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

क्राप्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'द्रक्त अधिन सक्षम प्राधिकारी कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काइल हैं कि स्थाद्धर संप्रतित, जिसका, उभित नाकार मृश्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 501, जो, 5वीं मंजिल, "एफ" इमारत, वर्धमान नगर, 307 (2), जंक्शन प्रॉफ डॉ० म्रार० पी० रोड ग्रीर एम० जी० रोड, मुलूंड (पिन्सि), बम्बई-80 में स्थिन है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण एप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा भाय-कर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-12-1984 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूख्य से कम के द्रश्यमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपत्ति को उभित बाजार बृक्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के 'लए तय पाया नया प्रतिकस, निक्नसिचित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण । सांचा में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गरा है :---

- (क) बन्तरण से शुद्द किसी नाय की वाबस उनस अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक की ड्राड्डिस्स को कर्मी करणे वा उत्तक्ष वज्ने में ब्रुविधा के सिहा; वरि/वा
- एकी किसी साथ जा किसी भन या कन्य जाहिस्तुयों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अंजिनयम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निस्ए;

सतः सम, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसूरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-ो की उपधारा (१) के अभीन, निम्निसिवाद व्युक्तियों, अभिन्न :--- (1) मैं.सर्स वर्धमान बिल्डर्स (इंडिया) ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भगवानभाई वी० कोठारी स्रोर स्रन्य।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारो करके पृबांकत सपत्ति के अर्जन के लिए कार्जनाहियां करता हों।

## उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क्रायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, को जस अध्याय में विया गया हैं।

#### **अन्**सूच.

फ्लैंट नं० 501, जो, 5श्रीं मंजिल, "एफ" इसारत, वर्धमान नगर, 307 (2), जंक्शन श्रॉफ डा० श्रार० पी० रोड श्रीर एम० जी० रोड, मुलूंड (पिष्चम), ब्रम्बाई-80 में स्थित है।

प्रमुक्ती जैसा कि कि के सं प्रई-3/37–ईई/15181/84–85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रशाद सक्षम प्राधिकारी **सहायक भायकर श्रा**युक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, वस्**वई** 

दिनौंक: 31-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूधना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहावक बावकर बाबुक्त (निरक्षिण)

भ्रजीन रेंज, 3-बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/15020/84-85---ग्रतः मुसे,

वायकर अधिनिवस, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिवस' कहा गया हैं), कर्म धारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बंधि, जिसका स्वित बाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० श्राफिस बेग्रिंगि नं० 1, प्लाट नं० बेग्र, रिंग सीं० टीं० एस० नं० 348, एफ० पीं० नं० 5-ए, लक्ष्मींनारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोष्ठ, मालाड (पूर्व) भम्बई-97 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारउख 1-12-1984

कां पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वाब करने का स्त्रारण है कि यथा पूर्वोक्त संवत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकाल से पन्बह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकास, निम्निलिखित उच्चेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से काँचत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

्र वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत नियनिक्ति व्यक्तियों, वर्धात् :---- (1) श्री हरीयाल प्रजाभाई पटेल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कल्याणजी हिंग्जी महा और भ्रन्य।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्भित्त के जर्चन के लिए कार्यपाहिंगां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में ब्लोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की जन्निध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### अमृत्यी

श्रॉफींस बेग्नरिंग नं० 1, प्लाट बेग्नरिंग सीं० टीं० एस० नं० 348, एफ० पीं० नं० 5-ए, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), क्षम्बई- 97 में स्थित है।

श्रनुसूचीं जैसा कि कि ने श्रह्न 3/37—ईई/15020/84—85 अ2र जो सक्षम प्राधिकारीं अम्बई द्वारा दिनांक 1—1.2—1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस. -----

आवकर अभिनिवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुकता

भारत तरकार

कायलिक, तहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देण सं० श्रई-3/37-ईई/15318/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकः जिथिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह किरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्रलैट नं 308, जो, 3री मंजिल, सुनीसा अपार्टमेंट, एस० बी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूच में और पूर्ण रूप से घणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, पम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-12-84 की

की प्राेषित तस्पत्ति के खिलते बाबार मूल्य से कम के बस्तान प्रातिकान के लिए अंतरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्त संपत्ति का उत्वित बत्यार मूल्य, उत्ति व्यवनान प्रतिकाल ने, इसे क्यमान प्रतिकाल का बन्द्रह प्रतिकात से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्त-विसी (अन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्योध से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविका रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बानत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने वा उत्तसे बचने में त्निधा के लिए; अरि/वा
- (क) एती किसी आयं या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अदं, सक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के अभीम, निम्निसिस्त व्यक्तिकों, अर्थात् :-- (1) श्री अहेमंत मगनलाल गांधी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेण कृमार रतनलाल शमा। ं (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति को कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस तूचना को राजपन में प्रकाशन की तारलैंब ते 45 दिन की अविधि का तरसंबंधी क्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स क्वीक्तकों के से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इत तुमना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- व्याध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्त औरिनियम, ने बंध्याब 20-क में बधा परिभा-वित हैं, वहीं वर्ध होगा घो उत अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० ३०६, जो, उरी मंजिल, सुनीता भ्रपार्टमेंट, एस० बी० रोड, मालाड (पश्चिम), अम्बई⊷64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि नं श्रई-3/37-ईई/15318/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज- 3, बम्बई।

दिनांक: 31-7-1985

# अक्ष वाद्<sup>र</sup>्टी, एवं, एवं, उट्ट-न्ट-ट्टाइन्टन

बायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सुचना

#### भारत बरकार

# कार्यात्तम, बहायक वायकार वायुक्त (निड्याक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

भम्भई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/14835/84-85--- अतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रूट से अधिक है

और जिसके. सं० फ्लैट नं० 9 है, जो तल माला, हेमल अपार्टमेंट, प्लाट बेश्वरिंग सीं० एस० नं० 19, 41, नं० 85/5, 96/1, व्हिलेज मालवर्णा, मालाड (पश्चिम), बम्बई-में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण का से विणित है), और जिसका करारतामा आयकर अधि विभिन्न 1961 के धारा 269 के खे, के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-12-1984 की

का पूर्वितिस सम्मिति के उपित बाजार मृस्य से कम के श्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वित्त सम्मित्त का उपित बाजार मृस्य, उसके श्रममान प्रतिफल से, ऐसे श्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से ऑधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किंग्र नहीं जिला गया है ---

- (क) अन्तर्भ के दूर किथी नाथ की नायकः, उनकः निप्तित्व के नृथीन कर देने के मृत्युक के दाविश्व वो कनी करूर ना चल्ले नचने ने सुनिष्ध के निष्युः नीप्तित्वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, खिन्हें भारतीय भावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के तिए;

बतः बब, उक्त बिधिनियम की भारा 269-ग से बनुसरण वो, तो, उक्त बिधिनियम की भारा 269-व की स्थभारा (1) के बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् डे—— (1) मैं० हेमल इन्टरप्राइजेस।

(ग्रन्सरकः)

(2) श्री तिरोडकर पी० ग्रात्माराम।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना बारी करने पृश्नित सम्परित में नर्चन में निए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त क्यारित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबेन्:----

- (क) इस सूचना के राजपण को प्रकारण की सार्वीक हो 45 विन की अवधि वा तत्सवंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 विन की कमिंग, को भी अवधि वाद को बनान्य होती हो, के भीतर प्रशंकत व्यक्तिकों के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब सूचना को राजपत्र में त्रकाशन की सारीच ते 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वस्थ किसी अन्त व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये का सकीन।

स्वयद्गीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो जक्त जिभिनियम के अध्याय 20 क में प्रिशाधित हैं, वहीं अर्थ होता जो वस अध्याय में विया वया है।

## अन्स्घी

पलैंट नं० 9, जो तल माला, हेमल ग्रपार्टमेंट, प्लाट बेग्ररिंग स० एस० नं० 19, 41, नं०/ 85/5, 96/1, व्हिलेज मालवणी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/14835/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि,ांका 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 🖫

मरूप नाहरे ही एन , प्रमु . ------

नाब्धर अधिनियस : 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### STATE STATES

# कार्यास्य, सहायक नायकर बायकत (निर्दाक्तक)

धर्जन रेज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/15032/84-85---श्रतः मुझे, १० प्रसाद

असम्बद्ध विभिन्न मन्त्र 1961 (1961 का 43) (जिस क्लमें इसके परचात् 'उक्त विभिन्न मन्त्र नहा गया हैं), की भारा 269-व के वधीन सक्तन प्राधिकारी को यह विक्षास करने का कारण हैं कि स्थाबद्ध संपत्ति जिसका उचित बाबार बूल्व 1,00,000/-

और जिसकी सं० फलट नं० 101 है, जो व्हिलेज वालनाय, ओर्लेम, मालाड मार्चे रोड. मालाड, बम्बई में स्थित
है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिमला करारनामा आयकर प्रधिनियम
1961 की धारा 269 के के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम
प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तार ख 1-12-84
को पूर्वेक्त सम्पर्ति के उजित बाजार मूस्त ने का के सम्बन्धन
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह निकास
भरने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पर्ति का अपित नाजार
मूस्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल ने एसे अधनान श्रीतकल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतस्क (वंतरका) और
बंतरिती (वंतरितयों) के नीच एसे अंतरण के लिए तम पाता
गया प्रतिफल, निम्मौस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित
में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीभ-निवम् के बभीत अर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या स्थास बचने में सुविभा के लिए और/बा
- (क) एती किसी आध मा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोद्याम अन्तरिसी क्वारा प्रकट नहीं किमा क्या था वा किया थाना वाहिए था, किनाने में विकास के लिए।

बतः अव, अवेश अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण व, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) हे अधीन, निम्नृलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्र— (1) मेसर्स कानकाछे इंटरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री टानी मार्टीन और श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

का क्यू जूनना बाह्यी करूको पूक्तीका सम्परित के नर्जन के निष् कार्यगाहियां शुरू करता हुं।

उन्ह राम्परित के अर्चन के संबंध में कोई भी वास्रेप :---

- (क) इत बृचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनकि या तत्त्वन्यत्थी व्यक्तियों पर सूचना की दावीब से 30 दिन की स्वभि, के भी नक्षि नाद में बनान्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्त व्यक्तियों में से किसी ग्रम्भित ब्वारा;
- (क) इस धून्या के क्रब्रपूर्व में प्रकाशन की तारीं ह सं 45 विन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपदुध किसी जन्य कार्यित व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरणः— इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदौं का, जो जक्त बिनियम, के स्थाद 20 क में परिभाषित हैं, बहरी सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अमृस्यी

प्लैट नं० 101, जो, व्हिलेज वालनाय, ओर्लेम, मालाड मार्वे रोड, मालाड, वम्बई में स्थित है।

ग्रतुसूचीं जैसा कि कि के मं प्रई-3/37-ईई/15032/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिजस्टई किया 'गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेज-3, बस्बई

दिनाक: 31-7-1985

जोहर 🕾

प्रकल बाह् , टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### बारुव दरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/15153/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० श्राफीस प्रिमायसेस नं० 233, है जो मालाङ नटराज मार्केट को-श्रापरेटिव हार्डासग सोंसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 202, एस० बी० रोड, मालाङ (प) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269म ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, 'नम्मलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में शस्तिक रूप में किश्त नहीं किया गया है :—

- ा अव्योद्ध से हुन्। किसी आय की गावस, एक्स गिधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक की परिवरत में कभी कारने या ग्रामसे स्थाने में स्वीनधा के स्थान, अर्थि/दा
- (श) एसी किसी बाम या किसी धन या अन्य आस्तियों ने , जिन्हों भारतीय वाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या अस-कर श्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के परोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था वा किया जाना चाहिए था, जिल्पाने से स्विधा औ दिस्ए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, व्यक्तिविदेश व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री मनोज माणेकलाल लाहेरी।

(अन्सरक)

(2) मैसर्स दत्त इंटरप्राईज।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई नी बाक्षेप ::---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित- अस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उत्तर अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विमा गराहो।

#### अनुसूची

श्राफीय श्रिमायंग्स नं० 233, जो, मालाड नटराज मार्केट, को-श्रापरेटिव हाउमिग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 202, एस० वी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं ग्रई-3/37—ईई/15153/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 31-7-1985

मोहार :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

#### भारत संस्कार

# कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्चर्ड-3/37-ईई/15475/84-85-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

अगयकर जींधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परकात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-54 है, जो नालंदा नं० 1, प्लाट नं० 32/23, श्राफ नार्वे रोड, मालाड (पिश्चम), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, जारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक क्ष्यमान प्रतिफल से, एमें द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किया गया है:——

- (क) अंतरण से झुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दानित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के जिल्हा

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अभीन, निस्निशिक्त व्यक्तियमों, अर्थात् :—— (1) श्री किशनलाल एम० कनोडिया

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कृतूमा देवी भ्रवस्थी।

(भ्रन्तरिती)

को वह तुषाना जारी करके पूर्वनित तंपीत के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं। उसत तस्पत्ति के अर्थन के तस्पन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस नुगरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

#### जनसंची

फ्लैंट नं० बी-54, जो, नालंदा नं० 1, प्लाट नं० 32/23, श्राफ नार्वे रोड, मालांड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र $\frac{2}{5}$ -3/37 $-\frac{2}{5}$  $\frac{1}{5}/15475/84$ -85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~3, बस्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्ररूप बार्ड, टी., एन्. एस. ....

# नावक्ष विभिन्नक, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के न्यीन स्वता

भारत सरकार

# कार्यातव, सङ्गवक आवकर आयुक्त (निर्दाक्षक)

म्राजीन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जलाई 1985 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/14967/84-85---प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह निश्वास करने का फारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. ते विधिक हैं। धाँग जिसकी संग्रामा नंग 62, जो, 2री मंजिल, मेहना इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट नंग सीग एसंग्रामा वंश 493, एचंग 7, सीग टीग एसंग्रामा श्री एसंग्रामा हैं। विधिक्त प्राप्त के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्रम के सिए नन्तरित की गई है और मूम्ने यह विद्यास का कारण है कि वजावृत्तित सन्तित का उपित नाजार मूस्य सम्बद्धि वद्यमान प्रतिक्रम से, होते वद्यमान प्रतिक्रम के पंच् प्रतिकृत से विश्वक है और अन्यस्क (यन्तरकों) कीर जन्तिरती (अंतरित्वा) के कीय होते अंतरण के शिए तब गला नया प्रति-फल, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारतीयक स्थ से कायित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुर्द िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बार्रियल में कभी कर्षे या उससे वचने में स्विधा के भिन्द; बीह/वा
- (ग) होती किसी बाय वा किसी धन या सम्ब सास्तियों कों, जिन्हों भारतीय सायकर लिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्सत्त सिभिनियम, या धनकाड़ सिधिन्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यदा था या किया जाना चाहिए था. छिपाने को स्थिका के सिक्ट;

बतः बब, उक्त विभिन्नियमं की भारा 269-ग के बमुकरण कें, कें, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उन्धाद्य (1) के बजीन, निम्मीसिया व्यक्तिकां श्राक्त हु--- (1) श्री राजपूत दलपर्तासंग विरसिंग।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मीठालाल बी० पारेख (जैन), ग्रीर भ्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इत त्वना के रावपत्र में त्रकायन की तारीत से 45 दिन की जबिंध ना तरकावनिथी व्यक्तिकों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिंध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) हुद जूजना के ह्यायपत्र में प्रकातन की तारीस के 45 दिन के भीवर उपव स्थादर बज्ज़ित में हित्रबहुद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकारणः ---इसमें प्रमुक्त खब्दों श्रीर प्दों का, को सक्व बिश्तिनया, को बध्याम 20-क को श्रीरम्मिक ही, यही वर्ष होगा को उस अध्याद में दिया नवा है।

#### **प्रमुसुची**

माला नं० 62, जो, 2री मंजिल, मेहता इंडस्ट्रियल इस्टेंट, प्लाट नं० सी० एस० नं० 493, एच० नं० 7 सी० टी० एस० नं० 220, लिबर्टी गार्डेन रोड नं० 3, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37–ईई/14967/84–85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

्राए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रकृष काष्ट्र टी. एस. एस. -----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुमना

#### ब्रास्ट सरकार

# क्रायमिय, सहायक कायकर बायकर (चिरक्रिक)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/15286/84-85--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तन्त्रीण. जिसका उपित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो मफी श्रपार्टमेंट प्लाट नं० 18, हवा हिरा पार्क स्कीम, कुरार विलेज, मालाड, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बालार मूल्य से कम के अवसान मितिकत के लिए रिजम्झीकृत विलेख के अनुसार अंतरिक की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उत्तक इच्चमान प्रतिकल से, ऐसे इच्चमान प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के उच्च बंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किम्ब नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों ्रतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1077 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के बधीम, गिम्निलिकित अधिकतयों अर्थात रू--- (1) श्री सईद प्रब्दुल हुसेन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रार० बी० श्रगरवाल श्रौर श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथीयल सम्मिल के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## बक्त सम्पत्ति के अर्चन की सम्बन्ध में कोई भी वासोप ह---

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के सामपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीसर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास मिनीचत में किए जा सकोंगे।

स्यच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त घट्यां और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकान नं 1, जो, सफी श्रपार्टमेंट, प्लाट नं 18, हवा हिरा पार्क, स्कीम, कुरार विलेज, मालाड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईर्र/1528684-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-3 37-ईई/14897/84-85--श्रनः मुझे,

ए० प्रसाद

सायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), ली धारा 269-स के सधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विकास करने का खरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 8, है, जो 3री मंजिल, श्राकाण इमारत, साईबाबा पार्क, सिथ चौकी, मालाड (पिश्चम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाशद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), और जिलका करारनामा श्रायकर श्रधिनियस 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

कार प्रतिका संपरित के लोकत बाबार मृत्य में काम के वहसमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह जिक्बाम करने की कारण है कि यथापूर्वीयत सम्मित्त का अवित अकार कृष्य की कारण है कि यथापूर्वीयत सम्मित्त का अवित अकार कृष्य , उसके क्ष्रवमान प्रतिकास के एसे क्ष्यमान प्रतिकास के पश्चम प्रतिकास के विश्व एसे अंतरित के लिए तय पासा गया प्रतिकास के तिका निकालिक उद्देश्य से अक्स अंतरिक लिकित में कास्मितिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण में हुई किमी बाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एन्से किली अध्य मा किसी अन का अन्य कास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय नायकर विधिनयम 1922 हैं 1922 कर 11) वा अक्त विधिनयम, या अन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिधी हवारी प्रकट नहीं किला गांध भा भा का कामा चाहिए जा, जिला के लिए।

कतः जब,, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विक्तिरिया व्यक्तियों, अर्थात् "—— 48—24601/85 (1) मैंसर्स कान्टीनेन्टल कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लिना गोम्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वींक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में छोड़ें भी बाक्षेप :---

- '(क)' इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी विषय में समाप्त होती हो के भीतर प्वोंक्त क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकति।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्षां और पदों का, जो उन्नर अभिनेत्रमुक लेखाय 20-क ये गरिशामित हैं, दही वर्ष होना को उन्न कथाय में दिका नवा हैं।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो 3री मंजिल, श्राकाण इमारत, माईबाबा पार्क, मिथ चौकी, मालाड (पिण्चम), बम्बई--64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं०. श्रई-3/37–ईई/14897/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1–12–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 🏗

# प्ररूप बार्ड, टी. एन, एस. ------

# बायकर जोधीनयभ , 1961 (1961 का 43) की गतरा 269-म (1) की बभीम सुचना

#### TEST NEWSFILM

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनौंक 31 ज्लाई, 1985

बायकर शिक्षित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दर्भात ं जन लीभिनियम कहा गया है), की भारा 269-का के अमेर सक्ष्य आधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शालार मून्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी गंज जमीत हा हिस्सा, जो, तर्वे नंज 26, एसल नंज 1 (श्रंण) पंतासार एसल नंज 307 स्रोर नया वेस्रिंगि प्लाट नंज 66 (श्रंग), बिहलेश बालनात, तालुना बोस्बिली, 307/66, रागान्द्र लेन एक् उदेशन, मालाड (प), बम्दई में स्थित है (श्रंग इनले स्पायद सनुसूची में स्रोर पूर्ण क्य से विवित्त है) स्रोर जिल्हा करारनामा स्थायकर स्रिधितियम 1961 को धारा 269 कु ख है स्रधीन, दम्बई प्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याजय में रिजस्ट्रों है तारीखा 1-12-1984

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित का गई है और मुक्त यह विश्वास असिक के लिए अतिरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास असने का करना है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दरयमान इतिक से, एमें द्वायमान प्रतिकार का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती (अतिरिनियों) के बीच एसे अंतरण के लिय उस पाया मुसा प्रतिकार निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविक में वास्त्रिक कर राजिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं द्वाद जिल्ली आम को आवस, नकस अधिनमम को अभीन कर दान क कान्तरण म धायिएक मां कवी करने या उद्याप अणाने में कारणण के अमग्र, शेर्म/मा
- (क्ष) एसी विक्रि अध्य का किसी भन या कत्य कास्तिकां छै। तेवन्हा भारतीय जाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, शा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियी कुनारा प्रवेद्ध भड़ी (क्या प्रवेद्ध भड़ी का किया जाना काहिए था, कियान जो लाका का का

व्यक्त वस, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुगरण ब्रों, मी, उक्त व्यक्तियम की भारा 269-म की उपभारा (1) ब्रोब्रिशन, निम्निमिखित व्यक्तियों, वर्धात् :----

- (1) भैनर्स वर्धन बाकता कन्स्ट्र क्यान कम्पनी। (भ्रन्तरक)
- (2) प्रगति इंटरप्रायजेस ।

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुई।

टक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारांच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षारी के पास ेरिकित में किए जा सर्वीण ।

स्पट्टीकरण - इसमें अयुक्त शब्दां और पर्दों का, को जब्द अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा हैं।

#### are with

जमीन का हिस्सा, जो, सर्वे नं 26, एच० नं 1 (श्रंश) श्रीर सी० एप० नं 307 श्रीर नया बेयरिंग प्लाट नं 66 (श्रंश), व्हिलेज, वालवाय, तातृग्य बोर्विंगी, 307/66, रामचन्द्र लेन एक्सटेंशन, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि सं० श्रई- 1/37-ईई/15202/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि कारी सहायक अायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-3, बम्बई ।

दिन्राँक: 31-7-1985

मांहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 259-भ (1) के अभीत सुचना (1) श्रीमती विकासई लालचन्द कटारिया।

(अन्तरक)

(2) श्रो राजेन्द्र ग्रार० शिखायकर।

(ग्रन्तरितो)

#### भारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई, 1985 निर्देश सं० श्चई-3/37बईई/15243/84-85--श्चनः मुझे, ए० प्रभाद

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उजित वाणार मुख्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० श्राय/9, जो, 2रो मंजिल, इमारत हरीहार-1, प्लाट नं० 18-19-20ए, स्राफ क्लिन बालनाय, मार्वे रोड, मालाड (प), बस्वई-64 में श्थित है (स्रोर इसमे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), /श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रिधित्यम 1961 को धारा क ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधि हारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख

की प्रोंकिश संपत्ति के उभित बाजार सून्य से कम के इस्मजान प्रतिकल के लिए अंतरित को गई है और मुक्के यह निश्वास करने का कारण है कि सभाप्नोंकित सम्पत्ति का उचित बाजार सूरण उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रा प्रतिकात ले अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरिधा) के बीच एसे जन्तरण के लिए सथ पासा गया शांतफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में अस्ति कर से कथित नहीं किया गया है "—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बादर, सक्त अभिनियस के अभीन कर धन के अन्तरक के दावित्व में अभी अन्ते या नमसे बचने में मुविधा के लिए, आर्थिश
- (था) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या अस-कार शोगानसम, 1957 (1957 का 27) गर्योकसम्भ अतिरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना साहिए था छिपाने में सुनिध्य के लिए;

अतः थवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्हलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— को मह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सुम्पृत्ति के अर्थन के जिसु कार्यवाही सुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं व वे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों क्य मूचना की तामील में 30 दिन की अप्रिध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अवाहस्तानरी के पास निमित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण '→ इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही वर्ष होता को ता अध्याय में दिया

## अनुसूची

फ्लैट नं ब्राय/9, जो, 2री मंजिल, हरोहार-1, प्लाट नं 18-19-20ए, ब्राफ व्हिलेज वालनाय, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में ल्यित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/15243/84-85 आर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा विनाँक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक: 31-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्वस (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/15195/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रताद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

स्रोर जिन्हों प० पर्नै: त० ए 303, ता, राजेश पार्ह, केदार-भल रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूत्री में स्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं),/स्रौर जिसका करारनामा स्नायं कर स्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के स्रिधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-12-1984

का पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित वाजार मूस्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफस से एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्त्रह प्रतिश्वत से जिथक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्छे में सृविधा के लिए, बॉर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज-नार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ के अनुसरण भा, भा, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) अ अधीर जिल्लासिन व्यक्तियाँ, अर्थात ६--- (1) श्री एम० जे० घहा।

(श्रन्तरक)

(2) श्रं ए०एम० षोठ घ्रौरशया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति ते अर्जन के लिए कार्वजाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाभन की तारी के से 45 दिन की अविभि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीस से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्मित्त में हितचहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### म्रनुसूची

पलैट नं० ए-303, जो, राजेश पार्क, केदारमल रोड, भालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि० सं० ध्रर्थ-3/37-ईई/15195/84-85 और जो अक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनोंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी एड्रायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रोज-३ वस्बई ।

दिनौक: 31-7-1985

माह्र्रः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-४ (1) के अधीन सुभा

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) ऋर्जनरेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 31 जुलाई, 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईर्ी/14891/84-85--श्रतः मुझे ए० प्रभाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 8, जो, 2री मंजिल, फ्लाट नं ० 6 समाट समारत, जा इत्याग नगर, मालाइ, अस्प्रई-68 में स्थित है (ओर इन्मे उपायद्ध ऋनुसूत्रों में और पूर्ण रूप में विणित है)/ स्रोर जिसका क्रणरत्तामा स्रायक्षर स्रोधनियम 1961 की धारा 269 क ख के स्रयोत, बम्बई स्थित स्क्रम प्राधिकारों के क्रियोलिय में रिजिस्टों है लागेष 1-12-84

को प्रशंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिकल से एसे स्थमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्धेरय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत गहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहर्इ किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ीं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1) के अधीन, निम्हीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स शांग्रला कन्यद्वशन कम्पनी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वानाजा राजन वाबू

(भ्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उद्धत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो, 2की मंजिल, प्लाट नं० 6, सम्राट हमारत, जनकल्याण नगर, मालड, बम्बई-68 में स्थित हैं। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० में० ग्राई-3/37-ईई/14891/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनाँक 1-12-1984 को र्याजस्टर्ज लिया गया है।

> ए० प्रसाद पक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजनरेज-३, बम्बई

िनांक: 31-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985 निर्देश मं० श्रई-3/37-ईई/15568/84-85—श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

गणकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका अचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिपकी सं० फ्लैंट म० 5, जी, 2री मंजिल, श्रमृत इमास्त, साईवाबा पार्क, मिथ जीकी, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रोर इसीव उपावड अनुसूर्व। में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है)/ ग्रीर जिसका करारनामा ग्राय हर स्थितियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्राधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूका से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल जिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध्य के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैंसर्म कान्टीजेन्टल कापोरेशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोडो० के० कुंदर

(भ्रन्तरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, वो धन्द अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बल्ली अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हो।

## अन्स्ची

पर्लैट नं ० 5, जो 2री मंजिल, अमृत इमारत, साईबाबा पार्क, मिय चोर्का, मालाड (४), वस्वई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/15568/84-85 प्रांग जो मक्षत प्राजिकारा बन्धई द्वारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रंज-3, बस्बई

दिनाँक: 31-7-1985

शहर :

# प्ररूप आइ<sup>६</sup>. छो. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आध्वत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक - 31 जुलाई, 1985

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का जोच्त साधार गृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, जो, 2री संजिल, बी-दिश, निलगिरी अपार्टमेंट, भांती नगर के सामने, मिलाप विश्वटर के पास, एल० बी० रोड, मालाड (प), बस्बई-64 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्व। में श्रीर पूर्ण के पसे बिजत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याप्तय में रजिस्ट्री है नारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मून्य से कम के बहुदमान प्रतिपत्त को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिपत्त का क्लाइ प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के जीप एसे अंतरक के लिए तय पासा गया प्रतिकृत्ति निम्मालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक क्ष से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त खाँभनियम के अधीन कर दाने के श्रेसरफ के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की सिए, होंगे मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय सायकार स्थिपित्यम , 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनयम, या धन-कार अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दसारा प्रसं र रही किया गता या किया आता वाहिए था, छिपाने भी सुविधा से बिए:

बताः, अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग क्षे अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन,, निम्नीसिवात स्यक्तियों, अभीत् ∷— (1) नहार बिल्डमं

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो जिनोद कुभार विठ्ठलदास राठाड श्रार ग्रन्थ। (ग्रन्तरिनो)

को यह सूचना चारौ करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अभीध या तत्थम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्दाभ किसी अन्य व्यक्ति देवारा तथांहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमं प्रयक्त गड़्यों आरे पदों का, जो उक्त किभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय से विका गया ही।

#### मनुसूची

पलैंट नं ० 203, जो, 2रो मंजिल, बो-विंग, निलिगिरी अपार्टमेंट, गांनो नगर के मामने, मिलाप यिश्रटर के पाप, एम० वी० रोड, मालाड (प), वस्वई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि त्र० मं० श्रई-3/37-ईई/15304/85- 85 श्रौर जो सक्षम पायिकाकी बम्बई हारा दिनाँ के 1-12-1884 को एजिस्टई किया गया है। 4

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायक्त (निर्मक्षण) श्रर्जन रेंज-३, बम्बई ।

दिनाँक: 31-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई, 1985

निर्देश मं० ग्रई-3/37-ईई/115394/84-85--- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रह. स आधक ह श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 103, जो, पहली मंजिल, महाराजा की-श्राप० हाउसिंग सोमाइटी लि०, एम० बी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धान 269 के ख के श्रिधीन, बम्बई स्थिन सक्षम, प्राधिकारों के कार्याण्य में रिजस्ट्री है तारीख 1-12-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए स्क्तिरत की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और जंतरिती '(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कै लिए स्थ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कै लिए स्थ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कै लिए स्थ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कै लिए स्थ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखत व्यक्तियों, अधीत :---

डा० जुगल किशोर बी० ध्रमस्वाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमतो इन्द्र ए.ग० अगरवाल और श्रन्य । (श्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी वारक पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसिल में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

पलैटनं० 103,जो, पह्नी मंत्रिल, महाराज्ञा को-प्राप्त० हाऊसिंग मोझाइटा नि०, एम० वी० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित्ही।

श्रमुम् जो । िक क० सं० श्रई-3/37-ईई/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्प्रई द्वारा दिनाँक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रशाद सक्षम प्राजिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजेन रेंज-3, बम्बई ।

दिनौंकः: 31-7-1985

मोहर 🥫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/15366/84-85--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'त्रक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जो, व्हिलेज, मालवनी, सिटी सर्वे नं० 1652 (ग्रंभ) सीटीएस नं० 1645 (ग्रंग), मालाड, बम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विजित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रंभीन बम्बई स्थित सक्षमाधिकारी के ग्रंथीन कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख

1-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाचार मुस्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्श्वमान प्रतिफल ते, ऐसे क्यानान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच क्से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे क्याने में सूबिधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सविधा के लिए:

(1) श्रीमती हेलन इ० मिस्कुटटा।

(भ्रन्द्रक)

(2) श्रोमती सूरैया ए० शाइत ।

(अन्तरिती)

को बहु तृषमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लि कार्यवाहिक करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 1,5 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

रप्रस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त अन्दों और पर्दों का जो उनके व्याप 20-के में परिभाषित (े, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकास रही है।

# अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जो, व्हिलंज भालवनी, सिटी सर्वे नंब 1652 (ग्रंग), सीटीएन नंब 1645 (ग्रंग), मालाड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूनी जैसा कि कि गं० अई-3/37-ईई/15366/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी यम्बई ढारा दिनौंक 1-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गथा है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 31-7-1985

# क्षा कर्य । दो , दम , सून , १००००००

# ब्रायक्य मीप्रतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वता

(2) श्रीहर्रावदर मेठी ग्रीर प्रन्थ।

(1) श्रनीता इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (नि.रीक्षण). आरत सुरकार

> श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ऋई-3/37-ईई/15259/84-85—⊸श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जावकर जीभीनियज, 1961 (1961 का 43) (जिसं इससें इसके परपात् 'उक्त जीभीनवम' कहा गया है), की भारा 269-च के जभीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्पत्ति, विसका उवित वाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, जो, वाले राम 3 इमारत प्रांक मढ़ मार्वे रोड, उष्मा नगर के सामने, मालाड बम्बई में रिधल हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को प्वांवित सम्बक्ति के विकार वाकार मृत्य से कम के ध्यमान मित्रका के लिए अन्तिरित की गई है और भूने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्व तम्मित्र का उजित वाकार बृत्य, इसके ध्यवमान प्रतिफल ते एते ध्यवमान प्रतिफल का पंछह भित्रका से अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तम पाना मक मित्रका, निम्निविद्या उद्धिष्म से उन्तर मृत्तरण निविद्य वीका क्या मन्तरण निविद्य के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया प्या है :---

- (क), अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अभिनियम के अभीन कर वोर्स के अम्छारक हैं दासित्स में कमी कराई या उसके असने में स्वीवका के लिए सीट्र/वा
- (वा) एसी किसी आय या फिस्सी अन या अस्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयण अत् ति का १५% । १५% । १५% । १५% । १५% । १५% वर्ष अधिनयम, या वन्कर अधिनियम, या वन्कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं भिक्ष व्या वा या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविजः। के निए;

**ा यह यूचना** वारी करके पृथाँक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

डक्क संपरित के अर्जन के संबंध में फांद्र भी अक्ष्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकारन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरताक्षरी के गाम लिखिट मो विग्र पर सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो उस सध्याय में दिया गक्तः हैं।

# श्रनुसूची

फ्लैट नं० 20, जो, वाले राम 3 इमारत, ब्रॉफ मढ़ मार्बे रोड, उष्मा नगर के सामने भालाड, क्रमाई में स्थित है।

स्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० स्रई-3/37-ईई/15259/84-85 स्रौर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई बारादिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद अक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, बम्बई

अत: अा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण वें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (।) वे अधीन, निम्नलिचित स्मक्तिवाँ, अर्थांच् ----

दिनां तः 31-7-1985

महिर्दे 🖫

प्रस्य बाहै. दी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनोंक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/15449/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 1, ज), 3री मिजिल, प्लाट नं० 6, सम्माट इमारत, जन इल्याण नगर, मालाङ, बम्बई-68 में स्थित है (श्रौर इसस उपाबद्ध अनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीविकारी के दार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित् उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिखित स्यक्तियों, अर्थात:— (1) मैमर्स शौग्रीला कन्स्ट्रम्शन कम्पनी

(भ्रन्तरक)

(2) एम० एम० वेलजी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा
  व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुजुर्वी

पलैट नं ० 1, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं ० ६, सम्प्राट इमारत, जनकल्याण नगर, मालाङ, बम्बई- ६८ में स्थित है।

स्रतुसूची जैमा कि अ० मं० अई-3/87-ईई/15449/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया।

ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बर्ध।

**धिनौक**: 31-7-1985

## बक्रम बार्षे ह्यो स्वर वृष्ट -----

जायकार क्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2 € 9 - ज (१) को क्रमीक क्षकार

#### बाह्य बरक्रर

# कार्बाजन, सहायक जाधकर वाय्कत (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बंम्बई, दिनाँक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/15449/84-85---श्रनः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्रक्शल् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-क के सभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निध्यास करने का क्रारम है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उष्टिश शाबार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी नं प्लैट नं 2, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं 4 शालिमार इमारत, जन-कत्याण नगर, मालाड, बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचा में ग्रोर पूर्ण क्य से विणत है),ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 260 के खूके ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित गांवार मूल्य से कम के अवजान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और बुक्के कह किलाब करने का धारण है कि मथापूर्वोक्त संपर्ति का दिख्या वाक्ष्य मूल्य, उन्हों अध्यमन प्रतिफल से, एसे कावजान प्रतिकाल का पंक्र् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्विक्री (अन्तरिक्षितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इस पाया गया प्रति-फक निक्मिशिक्ति उन्हों किला का है कन्तर

- (क) म्यापुरण कं कुष्ट्रं हिंगती साथ को वायुक्त, उथक अधिनिन्द्र्य के स्थीन कर को के मन्तरक के दावित्य मा खारी काले वा जनके क्याने मा कृतिया के प्रमुख; अधि/या
- (क) हुन्ती किसी शास मा किसी धन का कथ का स्टिया का, जिल्ही साइतीय आसकर अधिराज्यका, 1922 (1922 का 11) या उसले अधिराज्यमा, का धन-कड़ अधिरियम, 1957 (1957 का 27) अप्रवाद्यां अन्तर्हारती ब्यास् प्रकट नहीं किया स्वाद्यां या किसा जाना जाहिए था, क्रियाने में सुविधा के स्विद्धाः

बता वय उनते की पतिवय की पारा 269-य की बन्तुकुष तो, तो, उनते वर्डिपनियम की पारा 269-य की उपपादा (1) के बधीन, निम्मृतिकित व्यक्तियों, वर्षात :--- (1) मैसर्स शौग्रीला कन्स्ट्रक्णन कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० पो० चन्दा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

# ब बत बम्परित के वर्षन के बस्बन्ध में कोई वाशेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तात्रील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ब) इस तुष्पा को राजपत्र में त्रकाश्चन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवस्थ किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए या सकरेंगे।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिना नवा है।

#### प्रपत्नर्य

फ्लैट नं० 2, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 4, शालिमार इमारत, जनकल्थाण नगर, मालाइ, बम्बई 68 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई. 3/37 ईई/15448/84~ 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राथकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 3, बम्बई

दिन**ौ**क: 31**-**7-1985

मोहर 🛚

प्रस्प आहें दी पुरु एवं । १९४० - १९४० - १८०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यास्व, सहायक नायकर भागूक्त (निराक्षक)

धर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बर्ष, दिनाँक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अर्ड 3/37 ईई/14985/84-85--- मृतः मुझे. ए० प्रसाद,

नायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा यया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-101, जो, हकैया पलेस, सोम-बार, बझार, बामबे टाकीज कम्पाउन्ड के पिछे, एस० नं० 388/2, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिनका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-84

का पूर्वोक्त मन्पतित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है 2—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के सिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण बी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्मात् अ-- (1) करमाली इंटरप्राईज।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीभ्रब्दुल खान।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के बर्जन के निए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे

स्थव्यक्रियण ;— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा के उस अध्याय में विमा गया हैं।

## **अन्**स्**यो**

फ्लैट नं० ए-101, जो, रूकैया पैलेस, सोमधार बझार, आम्बे टाकीज कम्पाउन्ड के पीछे, एस० नं० 388/2, मालाइ (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/14985/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसा<del>थ</del> सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बर्ष।

दिनांक: 31-7-1985

प्ररूप नाइ 🚉 टी. एन ु पुस्तु ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य धारा 269-भ (1) के वधीन बुचना

#### STATE STATE

कार्बालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/15447/84-85—--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम', उज्जा गया हों), की आरा १६०-स के अधीन सम्म अधिक्यार का यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ र र र से अधिक हो

ग्रोर जिसकी सं० प्लैट नं० 7 जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 6, सम्प्राट इमारत, जनकल्याण नगर, मालाइ, बम्बई-68 में स्थित है (ग्रोर इसने उनाबद्ध अनुमूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अभीत, बम्बई म्बिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं इर्इ किसी आय की वायक, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे यक्षने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एँसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अक्तः अधा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :——

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी सालन मध्ययास ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना बारो करकं पूर्वा कर सम्मिरित के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के कुर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राज्यम मा प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवस्थि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवस्थि, वा भी अवस्थि बाद मां समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति स्वाय अभाष्ट्रसाक्षरी के पास निश्चिष्ठ में किए जा सकेंचे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में गिरमावित है, वहीं वर्ष हरेगा जो उस कथ्याव में जिला स्वा है ।

#### अमृत्युषी

पलैटनं ० 7, जो, 2री अजिल्रूप्लाटनं ० 6, सम्राट ारन्न, जनकल्याण नगर, मालाङ, बम्बई-68 में स्थितहै ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० कई-3/37-ईई/15447/84-85 ग्रीर जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

दिनांक: 31-7; 1985

मोहर 🖫

प्रकथ आहें.डी. एत. एस. -- -----

भावकार कथिनियमः १५६१ (१९६६ सम् ४३) भरी भारा ३६०-६ ११) को सभीत संस्थान

#### भारत अरक्षा

# कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/15475/84--85—-अतः मुझो, ए० प्रसाद

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इनमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षण ग्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावन यासील जिसाला उचित बाकान संस्थे की वर्षोंकत सम्यक्ति के त्रिक्त बाजार सल्य में कम के दश्यमान 1,00,000/- रह. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 104. जो, तल माला, मालाड शापिंग मेंटर, एस० बी० रोड, मालाड (प), बस्बई-64 में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क व के अधीन, बस्बई स्थिन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-12-84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिभक्त के जिए अन्ति न की नई वह बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिभक्त के जिए अन्ति न की नई वह बाजार करने का कारण है कि यथाएगों के मम्पत्ति का उचित्त बाजार क्रूप्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एरेगे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और मंतरक (मंतरकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के निष्ट तम पाया गया प्रतिफल निक्तिविक स्था में किएस में अवस्थ बन्तरण कि निक्तिविक स्था में किएस में किएस में किएस में किएस के सिर्म क

- (६५) अनुसार सा उहे किन्सी आप का बायत, उपक्त नियम के अभीन कर बीने के अन्तरक के दायित्व की कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औड़/वा

अत: अब अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, की अवत कधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के क्षीर जिल्लीकोणन क्योंकरकों अधीर (1) श्रीडी० आर० मिरानी।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स उदय आर्टस।

(अन्तरिती)

का यह सूचमा जारी करके पृथा किए संपत्ति के वर्षन के विष् कार्यमाहियां कारता हो।

## वक्त कमरित् के वर्षक के सम्बन्ध में कोई ही बाबोब ह---

- (क) इस स्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 किन की सर्वाध या तत्सब्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की ताबीच से 30 किन की वर्वाध, जो भी वर्वाध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी स्टक्ति त्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपात्र में प्रकायन की तारीश स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एक विश्वित को निकृत् हा सकेंग्री

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों जीए पर्यों का, जो उक्क विभिन्नम् के बध्याय 20-कं में परिभाविक हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस कथ्याय में विका नया है।

## अनुसूची

दुकान नं 104, जो, तल मःला, मालाड शापिंग सेंटर, एस०वी० रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-3/37-ईई/15475/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

भोद्वर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब ई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/15145/84-85---अत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हां), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 11, जो, बाल-इ-राम 3, फ्लैट ई-10, ई-9, ई-111 के साथ ऊष्मा नगर, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्राथकर अधि. नियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1984 को पूर्वीक्स संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाधूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रो अधीन, निम्नीलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) अनीता इंटरप्रायसेस

(ध्रन्तरक)

(2) श्री आरोन जान धासेर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बवारा;
- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकान नं० 11 जो, बाल-इ-राम 3, तल माला, फ्लैट इ-10, इ-9, इ-111 के साथ, ऊष्मा नगर, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई- 3/37-ईई/15145/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

# प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

हासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3

बम्बर्व, दिनां रु 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई 3/37ईई/15050/84त85—अतः मुझे, ए**० प्र**साद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आधार स्त्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं.

श्रीर विश्वेत सं० फ्लैंश नं० बी-२03 जो 4 थी मंत्रिल भंडार वाडा, सागड (११०) बम्बई-64 में स्थिश है (श्रीर इसस उपाबद्ध अनुष्यी में श्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करणसाम आप्रकर श्रीविधियम 1961 की श्रारा 269 एख के श्रीण बन्बई दिया सत्तर प्राविधकारी के जार्यालय में रिजिस्टी है स्मिक्त 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के करयमान प्रतिफल के लिए अर्जा पत की गड़ी है अप अस्म यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापतों का सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान पितिजल से, एप्से उद्योगान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्वरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किमी जाय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (भ) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बवार प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना थाहिए था, जियाने से बृद्धिश खे किए;

अतः. स्व , उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, जें, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीतः निम्मिजिबिता स्वितयों, संभीत् :→ः 50--236QI[85

- मैं तर्म मनाए बिल्डर्स एंड जान्स्ट्रफान ५र्स ।
- (সল্লেখ্ড)
- श्रीमती मिः तक्षी एम० मेस्त्री।

(अस्तरिनी)

का यह स्वभा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

. उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्याक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमाँ प्रयुक्त शब्दों भार पद्धों का, वा उक्त हैं. वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क माँ परिभाषित मया हैं।

#### मनुसूची

पलैंट गं० बी-403 जो 4 थी मंजिल भंडार वाङा मालाड (व०) बम्बई-64 में स्थि: है।

अनुपूची नैताि कि के सं० आई3/37ईई/15050/84-85 स्रोर जो तक्षम गातिप्रारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताब सप्तम गाधि तरी सहायक स्वानंतर धार्मी (तिराक्षण) स्वीत रैंज-अस सम्बद्धी

्षितां ल हो 1+7 1985 नोहर १ प्ररूप मार्च . टा . एन . एस . ------

भायकर मौधीनसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) वो गयीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंक- 3,बम्बई बम्बई,जिनांत 31 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/14975/84-95-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रकार 'उन्ते आफ्रीनयम' अहा गा है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने जा करण हैं कि स्थापर सपरित, जिसका डिंग्स बाधार मुख्य 100,000/- रा. स अधिक हैं

मोरिजिशती संव दुजान तंव 24 जो प्रश्मी, नार्याण हा िंग सोंदा, सल मारा, पोराग रोड, माराडय(पूर्व), बम्बई-97 में स्थि: हैं (आर इतने ज्याबद्ध अनु कि में आर जो पूर्ण रूप ने काँग: हैं) आए जिस्का ज्या मार्था अधिनियम 1961 की धारा 269 अब के अधीन बम्बई स्थि: सक्षम प्राधि जारी के कथलिय में रिजिस्ट्री है िनांक 1-12-1984

का यहां नत सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित कं गई है और मझे यह विश्वास करने का का जा है कि यथापुंचा कत समपत्ति का उचित बाजार बृत्य, असक दृश्यमान प्रतिफल स., एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह् वितिवत से बिधिक है बार बन्तरक (अन्तरका) बार बतारिती (बन्तारिती) के बीच एसं जन्तरक के सिए तय पाया नया प्रति- कका निम्मिक्तिक उद्दृष्टिय से उन्तर बस्तरक (अन्तरका को निम्मिक्तिक उद्दृष्टिय से उन्तर बस्तरका (अन्तरका को निम्मिक्तिक वित्या गया हैं

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उन्हों विभिन्न के वर्धन कर दन के अन्तरक क धायत्व में कभी करने यो उससे बचन में सुविधा के निष्, बीर/बा
- (ण) एसी किसी बाग या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हा भारतीय बाय-कर आंधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बाधानयम 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बा धा बा फ्या अना बाहिए बा, खियान से सुविधा के लिए;

बंध अब उक्त किपिनियम की भाग 269-न की सन्तर्भ में, में, उम्त किपिनियम की भारा 269-में की इपभारा (1) में मभीन, निम्निनिसित ध्यक्तियाँ, अथित (\*\*\*) मंत्रजी रामिज्यान िहा

(अन्दाद हो)

श्रीमती मृत्त्याबेनः भिखालाक्ष राष्ट्रण्या ।

(अन्.:रिती)

क्षां सह क्ष्मता कारी करके पृत्रांत्रस कम्परित के सर्वन के जिल कार्यनाहिया करता हुए।

उन्त सन्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांद्रें भी बाक्षेप:---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिण की जनीथ वा क्लाम्बन्धी म्यक्कियों पर स्थाना की वात्रीज स 30 दिन को बन्धि, जो भी स्थाध बाद में समाप्त होती हो, के भीटर प्रांत्य व्यक्तिस्यों में से किसी म्यम्सि द्वारा;
- (च) इस संबन्ध के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 विज के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी सम्म स्थितित ब्वारा संधाहस्ताक्षरी के पार सिंग्यत मों किए का सकींगे।

स्वकीकरणः -----दवजे प्रयुक्त सक्ती और वर्षी का, को स्वक् कांधनियम, कं अध्याय 20-कं में परिशायित हैं, वहीं क्षी होगा जा उस अध्याय में दिया वृक्षा है।

## मनुसूची

दुरान नं० 24, जो लक्ष्मी नारायण शारित सें र, हस माला, कोतार रींड, माताड (पूर्व) बष्टई-97 में स्थित है। अनुरूवी जैस कि ऋ० सं० अई-3/3 ईई/14975/84-85

अनुरूची जैसा कि ऋ० सं० आई-3/3 ऋई/14975/84-85 स्मौर को तक्तम गाबिहारी बम्बई ब्रारा, दिलांक 1-12-1984 को रजिस्टब किया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधि गरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (गिरीक्षण) अर्जुन रेंज-3, अस्म्बर्ट

रिलांक 3-17-1985 मोदर: प्ररूप बाई'. टी. एन. एस.----

नायभर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग्र 269-व (1) के राधीन स्ताना

भीग 111-- वर्ग्ड 1

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिक)

अर्जा रे १-3, बमाई बम्बई, शितंक 31 जुलाई 1985

पिदेश सं० अई-3/3% दिं/15 ±03/84-85-अ: ए० प्रतद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर िशको संबद्धान नंब 5, जो ईस्ट, मालाड अतूल को-आ ऐटिव, हा िंग सो गर्दी िरिटिंड, प्लाट नं० 322, योग 327, ने प्रोटी रा रोड, साजाड (पूर्व), बम्बई- 34 में स्थि : है (श्रोर इतने उपात्रद्ध तनु (ची में ग्रीर तो पूर्ण रूर से वर्गित है) और गिर्मा कराएन मा एक्ट अधिम 1961 की धारा 269 हवा त अशीर बस्बई स्थित सक्षम प्राधि हारी के कार्यालय में २८७६ है दिनांक 1-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के बन्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से ए'से ध्रथमान प्रतिफल का यम्ब्रह प्रतिशत सं अधिक है और सतरक (अतरकों) और सतरिती (अन्सरितियों) के बीच एेसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीप्रिक्त, निम्नींलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वावतः, उक्त अभिनयम के अधीन कर दाने के अन्तरक की बायित्व में कभी करुने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर∕या
- (च) एसे किसी बाब या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) **के** प्रयाजनार्थ अतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा 🖷 सिए🏗

अत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) 🔏 बर्धान, निम्नलियित अधिकार्यों 🔊 अर्थात 🛎 🖚

कुनारी लक्ष्मी एम० मानित्रा ।

(अन्तरक)

2. श्री प्यार्यन्य जी० जैन ।

(अन्:िती)

को यह सुचना जारी करके प्रवेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

तक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 4.5 दिन की अठीध या तत्सबधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त हाती हां, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

**स्पर्धाकरण**:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दाका, **जो उक्त** अधिनियम, क अध्याय 20-क म परिभाषत ही बहा अधे हाया जा उम अब्दाय में दिया न्या है।

#### अनुसुदी

बुषान नं० 5, जो ईप्ट माताड अतूत को- गारेटिव हा∵ित्म सोसापटी लिल्टिंड, प्ताट नं० 322 श्रीर 327, ने श्रोटीया, रोड, मा ाड (पूर्व), बन्बई-6८ में स्थि : है।

अनुपूची जैत ि %० सं० अई-3/37ईई/15203/84-85 भारिको उत्तर स्थाउटी उसहै तथ, देशाउँ 1-12-1931 की रजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्राद सप्तम गाजिकरो सहाय ६ स्राय हर प्रयुक्त (निरक्षण) अर्ज १ रें न-3, बम्बई

िनांक 31-7-1985 मोहर 🛭

# पुरुष काईं, टी. एव. एव.,- - - ::---

बायकर वीधनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3.

बम्बई, दिना के 31 जुलाई। 1985

निर्देश सं० अर्ड 3/37ईई/14895/84-85--- अरु: मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीं जिसकी संव दुकान नंव 12 जो तन माना लक्ष्मीना एयण साणि सेटेंच टीव पीव एतव स्कीम नंव 1 पोदाच रोड मानाड (पूर्व) बम्बई-64 में स्थि: है (म्रोट इसपे उगबढ़ अनुसूची मंदिकों पूर्व कर से विनिहाहै) म्रोट जिसका का गानि माना आयव व्यविधियम 1961 क धारा 269 ख के अवीप बम्बई थिन सक्षम प्राधि तरी के कार्यालय में जिस्ट्री है दिशांक 1-12-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गृष्ठे हैं और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण हैं, कि यथापर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित रिता (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिस्ति में बास्तिक कप स किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संहाई किसी जाय की वावत, उक्क जरिशनियम के जभीन कर दोने के श्रन्तरक के वाधित्य में कमी करने वे। उससे स्वाने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (प) एसे किसी भाव या किसी धन वा जन्य जान्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रबोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था हा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

करा: जब, उक्क जिथिनियम की भारा 269-य के अनुसरक हैं. हैं उक्क जिथिनियम की भारा १६०-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—— ं 1. घहा इन्ब्हेरटमेट कंपनी ।

(अन्दर्भ)

2. श्री जयन्ती लाज वि० फ्रीया ग्रीर अन्य। (जन्म रिन)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट् सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में काइ भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसराए;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषत है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नसरी

दुकान नं 12 जो ता पाना लक्ष्मीनारायण प्राप्तिम सेंग्र टी०पी० एस० किम नं 1, पोदार रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई 64में स्थित है।

अनु ूची जैना कि कि० अई-?/3 ईई/14895/84-85 फ्रोर जो अम गिधिक री बम्बई द्वारा दिलांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> ए० प्रकाद सञ्जम प्राधिक री, सहायक कायकर अ युक्त (<sup>f</sup>नरोक्षण) अजैं र रेंक-3, बस्बई

दिनो ५ ३१- -1985

मोहर 🖰

मक्य बाद'. टी. पन्. एस . -----

न।यकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सचना

#### बारत सरका

कार्यालय, सहायक बायकार जायकत (निराक्षिक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँ ह 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/15027/84-85—म्झे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्री (जिसको मं० जमीन का हिस्सा मी० टो० एप० न० 129/1 स्त्रीर 129/27, हवःभाय रोड, विहलेज मालाड बम्बई में स्थित है (सीर इ.से उपात्रद्ध सनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) स्त्रीर जिसका करारनामा स्राय कर स्रधिनियम 1961 के धारा 269 कख के स्रधोन सक्षम प्राधिकाणी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्र, है दिनौक 1-12-1984

को पर्नोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जतारितियों) के बीच एसे जतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक इस, निम्निसित उद्वेषय से उण्त बन्तरण निवित्त में वास्त्विक इस से विश्व नहीं किया नया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के सन्तरक के इतियस में अभी करने वा उच्चतं वचने में सुविधा के सिए, बॉर्ट, वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा बस्य आस्तिवाँ को जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भवकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, रूफ अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीय, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्राभगवति ६ । अत्रहाति ।

(अन्तरक)

2 श्री मिक्तिह के० देवरा श्रीर श्रन्य।

(भन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🎏

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि शे तत्सम्बन्धा व्याक्तशा पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शोद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्त स्थाकतया जा से किसी स्थावस द्वारा;
- (म) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्प्या ते के हितबक्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पच्छीकारण :—इसमाँ प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहा अर्थ हाए।, जा उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का हिस्ता सिं० टीं एपा० नं∘ 129/1, ग्रौर हबीभाय रोड, व्हिलेज मालाड, बस्यई में स्थित हैं।

श्रनुपूर्वा जै गा हि क० सं० श्रई-3/37ईई/15022/84-85 श्रीर जो। नजम प्राधि हारों बम्बई द्वारा, दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम गांधि गरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिगौर : 31-7-1985

प्ररूप बाह् .टा.एन.एस.-----

आध्यक्तर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

ग्रंथालय, सहायक आयकर माथ्कत (निरीक्षण) अर्जन रेज-3.

बस्पई, दिनों ह 31 जुलाई, 1985 िश्च सं० ऋई-3/3/ईई/14980/84-85—-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

मारकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) **विसं इसमें** इसके पश्चात् 'उकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00 000/- रा. से अधिक है

मी (जि.की संव ओ ग्रीजिड गाला नंव 85, जो 2री मंजिल, मेहना इंडिस्ट्रियज इस्टेट, मालाइ, बम्बई-64 में स्थित है (ओर इ.अ. उनाब ह अपून्या में और जो पूर्ण रूप में विण्त है) और जित्तता करारनामा आय हर श्रिधित्यम 1961 की भारा 269 कख के श्रिधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है दिनौंक 1-12-1984

का पूना कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है आर अंतरिक (अंतरितियों) को सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ट विक रूप से कथित नहां किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किमी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1900 (1922 का 11) या उसत अभिनियम, या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

इत: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के क्रम्सरण मो. मो. जबन अभिनियम की धारा 260-म की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मैसर्स बा० शाँता लाल एण्ड कंपना।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स मंगल मूर्ती प्लास्टर्स ।

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में एट स् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए शा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त की धनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वस सची

भौद्योगिक गाला नं ० 85, जो २ री मंजिल, मेहता इंडस्ट्रियल इस्टेट, मालाड, बम्बई में स्थित है।

भनुसूचा जैसा कि कि मं अई-3/37ईई/14980/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, िनौंक 1-12-1984 को रिजजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रपाद सक्षम प्राधिकारो सहायक भायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंग-३, वस्बई

दिनौंक 31**7-198**5 गोहर:

## अक्स बाह्". दी. धनः, एव .------

भायकार प्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नवीन स्थाना

#### हारव बड्रकार

कार्यानर, महाबक आयकर जायकन (निरक्षिक) सहत्यक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, बम्बई वस्पर्ह, विर्तिष्ठ 31 जुलाई 1985

निदेश सं० श्राई-3/37ईई/15512/84-85—श्रदः मुझे, ए० प्रमाद

बारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इनके इसके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्षम दाधिकारी की, यह विश्वाल करन का कारण है कि स्थायक गर्मां जिसका उधित हाजार स्वय 1,00,000/- रा. से अधिक है

सौर जि.कः सं० यूकिः नं० 4, जे। तल मानाः, "गोविन्द उद्योग भवन", बान राजेण्वर शेष्ठः, माडेल टाउन, के तामने, मुलुंड (प०) सम्बई-80 में स्थित हैं (और इ.पे. उताबढ अनुसूचः में और औ पूर्ण कर से विभाग हैं) सौर जित का करारनामा झाय कर स्विधिया 1961 की घारा 269 कव के स्रधोन बम्बई स्थितः सक्षम प्राधिकारां के कार्यालय में रजिस्टुः हैं दिनौक 1-12-1984

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के तिकत बाजार मृत्य न कम क दश्यमान बिक्कम के किए बन्तरित की नई है बीर ब्रम्भे यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार ब्रुध्य, उसके सम्बद्धान अतिकत्त ते, ए त दश्यमान अतिकत का पंद्रह प्रतिकात स बीधक है बीर मतरक (बतरकों) बीर बतरिती (बत्तरितियों) के बीच ए स बतरण के लिए तय पाया गया प्रति-स्वा, निम्मानिकत स्वयं श्य म उक्त बन्तरण निष्कित में वास्त्रीयक स्प में किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण स हुई वि.सी बाथ की थावल, उक्त बीधानियम के अधीन कर इने के अन्तरक के अधिक्ष में कसी करन या उसस वचन म नृतिभा के सिए: और/का
- (च) एंडी किसी नाय या किसी धन वा नत्य वास्तियां की, जिन्हों भारतीय आवकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती इवारा अकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था, छिपान वो सुविधा के लिए;

अतः स्था, उक्त शिक्षितयम् की धारा 269-ग के अनुसरण भ्रा, गा, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग की प्रभारा (1) के अभीत्, निभ्निक्षित स्वक्रिकां, स्थास् स्थान 1. मीतर्स इंडी तायगत एनेत्सी।

(अन्दरक)

2. मैसर्न हर्रेडिया इंडल्ट्रोन।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना बारा करके पूर्वाक्त संपरित के अवन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

क्षच्या सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के के 45 दिन कि श्वाध का निकासना व्याधनामा पर स्थान की सामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी कविध बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्याधनमा म स विक्री व्यक्त दुवारा;
- (क) इस सूचना वे पाजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के मीतर उच्चत स्थावर संगापन थे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शास् सिचित में विका जा सद्धार ।

स्याकीकरण:----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वा का, जो उपक क्रिभित्यम क अध्यात 20-क में परिभागित हैं, बही अर्थ होंगा का उस अध्यात में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

यूनिट नं० 4, जो तल माला 'गोविन्द उद्योग भवत'', बाल राजेण्यर राड, माडेल टाउन के सामने, मुलुंड (२०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रमुस्त्रो जैसाँ कि क० स० अई-3/37ईई/15572/84-85 श्रीर जो ात्र सक्षित्रारः बस्बई ग्रास दिनौत 1-12-1984 को स्प्रिस्टर्ड किया गथा है।

> ए० प्रनाद सक्सम प्राधि गरी सहायण आयुक्त (तिराक्षण) ऋजीनरेज-3 बम्बई

विक्रीक 31-7-1085 भी हर : प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस.------

नामकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेत रेंज, जानन्वर

जारतन्धर, दिनौंक 9 भ्रम त 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5825—आतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर िसकी सं० जेंगा कि अनु वं में लिखा है तथा ज जानन्धर में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबह श्रनुमुची में ग्रीर पूर्ण स्प मे विभिन्न है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रीवकारी के कार्यालय जानन्धर में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रवीन तारीस विजम्बर 1984

को पर्जेवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विकास करन का कारण है कि यथाप्यंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार श्रुम्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रष्ट प्रतिकात म अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 .(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, चिपाने में स्विधा के लिए;

मतः सव, उस्त विधिनियमं की धारा 269-त कें अनुकृष्धं कें, ते, उद्यत क्षेत्रिक्वत की धारा 269-व की स्पर्धारा (1) कें कृषीयः निम्नानिषित व्यक्तिकां, सर्वाह्य क्षान्त (1) श्रा भ्राविनः कुमार सूरो पुत्र चमन लाल सूरउ, बासा—न्यू बैंक श्राफ इंडिया, नकाक्षर राङ, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जसिनित्र तिह पूल रोशन तिह. वासो— डब्ल्यु एत० 352, बस्ता शेख. जाजन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कायवाहिया करता हु।

# क्ष्मत सम्मतित के वर्षन के सम्मन्य में कोई' भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिहसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास विश्वत में किए का महर्ष।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क उधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय कें दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैता कि स्रनुप्तः नं० 3859 दिनौंक दितम्बर 1984 को रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी जालन्धर मे लिखा।

> जे० एल० गिरक्षर सक्षम प्राधि लारी सहायक स्नामकर सायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रैंज, जालस्थार

ंवितीक १8−8−1984 शोहर:

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSI

New Delhi, the 21st May 1985

No. A. 32014/1/85-Adm. III.—The President is pleased to appoint the following Section Officers of CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Dosk Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

Sl. Name No.		Period
1. Shri Y	ash Pal Dabas	1-5-85 to <b>30-6-85</b>
2. " Anil	Kumar	1-5-85 to <b>14-6-85</b>

2. The above noted Officers shall draw a special pay @ Rs. 75/- p.m., in terms of Deptt. of Personnel and A.Rs. OM No. 12/1/74-CS(I), dated 11-12-1975.

S. BANARJEE

Under Secaretry (Adm.)

#### New Delhi, the 12th July 1985

No.A-32013/2/85-Adm.I.—The President is pleased to appoint the following permanent Grade I officers of the CSS included in the Select List for Selection Grade for the year 1984, as Doputy Secretaries on ad-hoc basis in the Office of the Union Public Service Commission for a further period as shown against each ;—

SI, Name No.	Sl. No. in Select List	Period
<ol> <li>Shri Kishan Singh</li> <li>Shri Jit Singh</li> </ol>	13 19	1-5-85 to 31-5-85 1-6-85 to 30-6-85

This is in continuation of this Office Notification of even number dated 23-3-85 and 30-3-85.

#### The 24th July 1985

No. A.32014|1|85(i)-Admn.l.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Bhutani, Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on adhoc basis for the period 2nd July, 1985 to 30th September, 1985 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Bhutani should note that his appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on him any title for absorption in Grade A of CSSS or seniority in that grade. Further, his appointment is subject to the approval of the Department of Personnel & Training.

No. A.32014|1|85-(ii)-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Rameshwar Dass, Personal Assistant of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistant (Grade 'B' of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period 2nd July, 1985 to 30th September, 1985 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Rameshwar Dass should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on him any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in the Grade. Further, his appointment is subject to the approval of the Department of Personnel and Training.

#### The 7th August 1985

No. A-32013/2/85-Adm.I—The President is pleased appoint the following permanent Grade I officers of the ASS included in the Select List for Selection Grade for the year 1984, as Deputy Secretaries on ad-hoc basis in the office 52—236 GI/85

of the Union Public Service Commission for a further period of three months as shown against each.

Sl. No.	Name	SI, No. in Solect List	
1. Shri Krishan	<del>-</del>	13	1-6-85 to 31-8-85
2. Shri Jit Singh	L	19	1-7-85 to 30-9-85

M P JAIN

Under Secretary (Adm).
Union Public Service Commission

# **DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION**

New Delhi-110003, the 22nd August 1985

No. 3|31|85-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Bhatia, IPS (UP: 1974) as Superintendent of Police, on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the foremon of 1st August, 1985 and until further orders.

#### The 23rd August 1985

No. 3|29|85-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri D. N. S. Shrivastava, IPS (A&M 1964) as Dy. Inspector General of Police, on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 24th July, 1985 and until further orders.

No. 3|30|85-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Ravi, IPS (Kerala-1976) as Superintendent of Police, on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 29th July, 1985 and until further orders.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

#### STAFF SELECTION COMMISSION

New Delhi-3, the 20th August 1985

No. A-19014|1|84-Ad.—The President is pleased to appoint Shri D. S. Saggi, a permanent Section Officer of the Central Secretariat Service borne on the Cadre of the Ministry of Home Affairs, to officiate as Under Secretary on ad hot basis for a period of 42 days with effect from 16-11-84 to 27-12-84 and officiate as Under Secretary (Grade I of CSS) with effect from 28-12-84 until further orders in the Office of Staff Selection Commission.

N. C. KAPUR Under Secv. (Admn.)

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 19th August 1985

No. O.II-914|73-Estt (CRPF).—The Services of Dr. Sheikh Hamidullah. DGO, Grade.II of 62 Bn. CRPF are placed at the disposal of Ministry of External Affairs (Haj Cell) on deputation basis with effect from the afternoon of 8th August, 1985

#### The 20th August 1985

No. O.II-1513|80-Estt.—Consequent upon his retirement from Government service, Shri Karnail Singh relinquished the charge of the post of Dy. S. P., 71 Bn, CRPF in the afternoon of 31-7-1985.

No. O.II-1774 83-Estt(CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. S. K. Parimal as J.M.O. in the CRPF with effect from the forenoon of 27-7-85 on ad-

hoc basis for a period of three months or till the recruitment is made to the post of regular basis, whichever is carlier.

No. O.II-1942|84-Listt(CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) G. Ratna Kumarl as J.M.O. in the CRPF with effect from the forenoon of 15-7-85 on ad-hoc basis for a period of three months or till the recruitment is made to the post on regular basis, whichever is earlier.

#### The 21st August 1985

No. O.II-2003|85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Manazar Afague as Junior Medical Officer in the CRPF with effect from 28-7-1985 (FN) on ad-hoc basis for a period off three months or till the recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

#### The 22nd August 1985

No. D.I-26|85-Estt-1.—The services of Shri A. Guha Roy, Assistant Director (Ops), Directorate General, CRPF are placed at the disposal of Government of India, Ministry of Home Affairs, New Delhi on deputation, on his appointment as Chief Security Officer with effect from 7-8-85 (FN).

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt)

#### DIRFCTORATE GENERAL

# CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 21st August 1985

No. E-32015(4)|16|84-Pers.I.—The President is pleased to revert Shri S. S. Singh, Assistant Commandant (Ad hec), CISF Unit BSL Bokaro to his substantive rank of Inspector (Exc) with effect from the afternoon of 29th July, 1985.

No. E-32015(4)|51|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri Y. N. Sharma, on promotion as Assistant Commandant, CISF Unit IPCI. Baroda with effect from the forenoon of 7th August 1985.

Sd - ILLEGIBLE Director General CISF

# MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION DEPARTMENT OF LABOUR

(LABOUR BUREAU)

Shimla-171004, the 6th September 1985

No. 23|3|85-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by nine points to reach 615 (six hundred fifteen) for the month of July, 1985. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of July, 1985 works out to 747 (seven hundred forty seven).

J. N. SHARMA Director, Labour Bureau

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

CENTRAL REVENUE-L

New Delhl, the 26th August 1985

No. Admn. IO.O. No. 229.—Shri Jay Gopal Dass Puri an officiating Assistant Audit Officer (Permanent Section Officer) of this office expired on 13-8-1985 and his name has consequently been struck-off the rolls of this office with effect from 14-8-1985.

The date of birth of Shri Puri is 1-4-1928. He joined Government Service on 16-5-1949.

No. Admn. 10.0. No 230.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri Inder Singh Ratra, a Permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the forenoon of 21st August, 1985 until further orders

Sd.|- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (ACCOUNTS) I BIHAR

Ranchi, the 14th August 1985

No. Admn/Promoi (241.—The Accountant General (A/cs) I Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Rathindra Nath Mukherjee a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in the scale of Rs. 840.40-1000-F.B-40-1200 with effect from 30-7-85 (FN).

No. Admin Promo 1257.—The Accountant General (Alcs) I Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Kalyan Kumar Roy a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 30-7-85 (FN).

P. SENGUPTA Sr. Dy. Accountant General (Admn)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I KARNATAKĀ

Bangalore, the 8th August 1985

No. AG(Au) I|Admr.I|A-1|85-86|317.—The Accountant General (Audit)-I is pleased to promote Sri K. P. Madhava Rao, Assistant Audit Officer as Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of Seniors if any, with effect from the date of his taking over charge.

Consequent on his promotion as Audit Officer, the option to be exercised for fixation of pay in the higher scale as per Government of India decision (15) below FR 22(C), Swamy's Compilation (VIIth Edition) (G.I.M.H.A. Department of Personnel & A.R. OM No. F.7|1|80-Estt.P.I. dated 26th September 1981) should be exercised by him within one month from the date of promotion.

Sd- ILLEGIBLE Dy. Accountant General (Admn)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) KERALA

(AGE) KEKALA

Trivandrum, the 21st August 1985

No. Estt. |A|V|9-86|Vol.II|134.—The Accountant General (A&E) Kerala is pleased to appoint Shri M. Nagendran Nair, Section Officer to officiate as Accounts Officer wef 31-7-85 F.N. until further orders.

The appointment is provisional and subject to further orders as may be issued by the Hon'ble High Court of Kerala in civil Miscellaneous Petition No. 1749|84-K in O.P. No. 750|84 K.

S. B. PILLAY Sr. Dy. Accountant General (A)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GFNERAL (A&E)-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 19th August 1985

No. Admn-I|G.Os Promotion|1056.—Accountant General (A&E) Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote

the undermentioned permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 until further orders with effect from the dates noted against each:—

S. No.	Name			Permanent No.	Date from which promoted
,	Shri G. Ghusc			02/224	17-7-85 F.N.
		•	•	02/334	
	N. Jain			02/346	1-8-85 A.N.
3. Ki	shore Kumar			02/441	2-8-85 F.N.

(Authority:—A. G. (A & E)—I.M.P. orders dated 16-7-85 and 1-8-85).

SJ/ILLEGABLE

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL U.P. (AUDIT)-I

Allahabad, the 19th August 1985

No. A.G. (Air)-I/Admn.|13-7|1074.—Following substantive Audit Officers have retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from 31 July 1985 (A.N.).

- 1. Shri Surendra Nath from the office of the Accountant General (Au)-I, U.P., Allahabad.
- 2. Shri S. R. R. Sharma from the office of the Accountant General (Au)-1, U.P., Allahabad.
- 3. Shri Prem Singh from the office of the Accountant General (Au)-II, U.P., Allahabad.

B. K. CHATTOPADHAYAY Sr. Dy. Accountant General (Adm.)

# DGOF HEADQUARTERS CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calculta 700 001, the 1st August 1985

No. 7,85 [A:E 1:NG].—On attnining the age of superannuation, Shri Gosnaiial Ghosh Dastidar, Offg. Assistant Staff Officer (Substantive and Permanent UDC), retired from service with effect from 31-7-85 (AN).

2. Shri Dastidar has been transferred to the pension establishment with effect from the same date.

#### The 16th August, 1985

No 8/85/A/E-1/(NG):—The DGOF is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on seniority in gr. des and on deter shown against each:—

1. Shri Sornj Deo Natyan Sinha Offg Asstt.	Officer	From 31-7-85 (FN) until
2. Shti Hart Prasanna Chakraborty.	Do.	Do.
Offg. Assit.  3. Shri Sushil Kumar Chanda Offg. Assit.	Do.	Do.

- 2. The above promotions shall abide by the result of the appeal filled in the Hon'ble High Court at Calcutta.
- 3. The above Officer assumed the higher duties as A.S.O. w.e.f. 31-7-85 (FN).

S. DASGUPTA, Director (Adm.)

for Director General, Ordnance Factories.

#### MINISTRY OF COMMERCE

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi-110011, the 14th August 1985

#### IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

#### (ESTABLISHMENT)

No. 1/22/83-Admn.(G)/136.—The President is pleased to appoint: Shri K. V. Irniraya, IAS (KTK: 66) as Additional Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the forenoon of 7th August 1985 until further orders.

R. L. MISRA Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi-110011, the 12th August 1985

No. 6|1398|82-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation Shri R. L. Malick, Controller of Imports and Exports in this office retired from Government Service with effect from the afternoon of the 31st July 1985.

SHANKAR CHAND Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

# MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (\$MALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 21st August 1985

No. 12(484)|65-Admn.(G).—Consequent on his proceeding on foreign assignment as Consultant at Bahamas under Central Footwer Training Centre, Industrial Development Organisation, Commonwealth Secretariat, London, Shri Kamat Kumar Kapooi, relinquished charge of the post of Deputy Director (Industrial Management Training) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, on the afternoon of 5th May, 1985.

No. A-19018(769)|84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. Prasanna Chandran, Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation), Small Industries Service Institute, Trichur as Assistant Director (Gr. J) (Industrial Management Training) at Branch Small Industries Service Institute, Gulbarga under Small Industries Service Institute, Habli with effect from the forenoon of 10-6-1985 until further orders.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

#### DEPARTMENT OF SUPPLY

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 12th August 1985

No. A-1/1(153).—Shri E. L. Srinivasan, a permenent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Gr. II) of this Directorate General retired from Government service with effect from the aternoon of 31-7-1985, on attaining the age of superannuation, from the office of DS (Tex.) Bombay.

RAJBII: SINGH

Deputy Director (Administration for Director General of Supplies & Disposals

#### MINISTRY OF STEEL & MINES

# (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 15th July 1985

No. 7201B|A-32013(SO)|84-19A.—Shri S. K. Sinha Ray, Stores Supdt. (Tech.) Selection Grade, Geological Survey of India has been appointed by the Director General, G.S.I. on promotion as Stores Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in a temporary capacity with effect from the Iorenoon of 27-5-1985 until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel),
Geological Survey of India.

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nappur, the 19th August 1985

No. A-19012(143)|81-Fstt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. Ramamurthy, Assistant Editor on ad-hoc basis, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Assistant Editor on regular basis in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 2nd August, 1985.

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

# SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 19th August 1985

No. C-6241|579-A.—The undermentioned officers are appointed as Assistant Stores Officer (GCS Group 'B' post) in a substantive capacity with effect from the date as stated against each:—

- 1. Shi K. Ramaswamy (ST)-27-1-82.
- 2. Shri B. R. Bhatnagar-8-4-83.
- 3. Shri Bishwamber Singh (SC)-1-8-84.
- 4. Shri L. P. Srivastava-25-10-84.

G. C. AGARWAL Mejor General Surveyor General of India Appointing Authority

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA. RADIO

New Dolhi, the 6th August, 1985

No. 17/31/85-S IV.—Consequent upon their promotion the undermentioned Senior Engineering Assistants I are assumed charge of the post of Assistant Engineer at different stations/ offices of All India Radio and Doordarshan in a temporary capacity from the date shown against each till further orders:—

S. No.	N: me	 Station/ Office	Date of joining
1	2	3	4
2. Sh	a. Ashis Choudhury a. S. P. Choudhury a. S. C. Chakraborty	AIR, Calcutta LPT, Tezpur CE(EZ), AIR, Calcutta	20-6-85 (FN) 31-5-85 (FN)
	ı. G. Vasudovan ı. Vijay Kumar Bazaz	DDK, Madras	

1 2		3 4	_
6. Sh. R. S. Verma		AIR, Nagpur 28-6-85 (FN)	_
<ol><li>Sh, A. K. Sundrani</li></ol>		CE (R&D) 18-6-85 (FN)	
8. Sh. R. K. Dhar		CE(R&D) 27-6-85	
9. Sh. B. K. Sarmah .		AIR, Gauheti 4-6-85 (FN)	
<ol><li>Sh. S. B. Kulkarni .</li></ol>		TVRC, 5-6-85 (FN)	
		Ahmodn/.g/ar	
<ol><li>Sh. Sabyasachi Balshya</li></ol>		DDK, Gauhati 5-6-85 (FN)	
12. Sh. D. K. Choudhury		DDK, G.uh ti 5-6-85 (FN)	
13. Sh. M. I. Khan ,		AIR, Raipur 2-7-85 (FN)	
14. Sh. C. D. Shah .		DDK, Bombay 30-5-85(FN)	
<ol><li>Smt. Gita Lolgo .</li></ol>		DDK, Bombay 6-6-85 (FN)	
16. Sh. S. B. Doshpando .		DDK, Bombay 6-6-85 (FN)	
17. Sh. Ashok Kumar Goyal		AIR, Kohima 28-6-85 (FN)	
18. Sh. S. K. Chatterjee .		AIR, Ranchi 27-6-85 (FN)	
19. Sh. P. D. Hingankar,		CE(WZ) 18-6-85 (FN)	
20. Sh. N. Sundaram Pillai		DDK, Madras 9-7-85 (AN)	
21. Sh. S. Jayaram		CE(WZ) 27-6-85 (FN)	
22. Sh. T. S. Thyagarajan		DDK, Cuttack 6-7-85 (FN)	
23. Sh. N. Ramakrishnan		DDK, Cuttack 6-7-85 (FN)	
24. Sh. C. S. Radhakrishnan	•	DDK, Cuttack 2-7-85 (FN)	
25. Sh. H. N. Pradhan		DDK, Calcutta 13-6-85 (FN)	

B. S. JAIN, Dy. Director Administration (E) for Director General

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 14th August 1985

No. A-32014|1|83-RC.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee Shri K. Raghav Rao has been appointed to officiate as Branch Manager, Films Division, Lucknow, on a pay of Rs. 650|- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from the afternoon of 31st July, 1985 until further orders.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

# MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF FOOD) NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 14th August 1985

No. A19012[56]85-Estt.—The undersigned is pleased to appoint Shri P. D. Khaneja, J.S.A. Grade I of Ministry of Defence (DGI), Controllerate of Inspection (G.S.) to the Group 'B' post of Administrative cum Purchase and Sales Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the National Sugar Institute, Kanpur on deputation for a period of one year in the first justant with effect from the forenoon of 14th August, 1985.

Shri P. D. Khaneja, assumed charge of the post of Administrative cum Purchase and Sales Officer on the same date.

RAM KUMAR, Director

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 16th August 1985

No. PA|73(7) 85-R-IV|824.—The Controller, Bhabla Atomic Research Centre, appoints Dr. (Smt.) Meena Pramod Khalatkar as Resident Medical Officer in Medical Division of

the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1985 for a period of three years.

No. PA|73(7)|85-R-IV|826.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Dr. Rohit Raghunath Pendse as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1985 for a period of three years.

M. D. GADGIL Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-762, the 13th August 1985

No. NFC|PAR|0703|1566.—Dy. Chief Executive (A), NFC appoints Shri N. Bharathan, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad-hoc basis from 5-8-1985 to 7-9-1985 or unt. I further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th August 1985

No. A. 32013/5/83-EC (.)—The President is ploased to appoint the following Assistant Communitation Officers in the Civil Aviation Department to the post of Communication Officer on regular basis w.e.f. 16th July, 1985 and until further orders:—

Si. No.

Nt me

#### S/Sln i

- 1. D. P. Chohan
- 2. V. R. Srinivasan
- 3. C. L. Khora
- 4. S. S. Chowdhury
- 5, G. S. Vodi
- 6. K. C. Biswas
- 7. P. K. Datta
- 8, N. S. I'aul
- 9. P. Kamadoss
- 10. M. S. Sachdova
- 11. V. Kanganathan
- 12. S. II. Sen
- 13. K. C. Sengupta
- 14. P. N. Malık
- 15. Saibal Gupta
- 16. A. K. Mukherjee
- 17. K. S. Gopalan
- 18. S. N. Dutta
- 19. R. N. Mukherjee
- 20. M. L. Jalla
- 21. A. L. Dass
- 22. A. K. Goswami
- 23. Y. B. Bhopatkar
- 24. M. S. Nair
- 25. J. S. Sandhu
- 26. P. R. Nair
- 27. K. V. Khare
- 28. B. N. Karanjai

New Delhi, the 20th August 1985

No. A.32014 3 83-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Joseph Gurang. Store Assistant as Store Officer on ad-hoc basis for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from 20-6-1985.

2. Shri Gurang is posted in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, Netaji Nagar, New Delhi.

M. BHATTACHARJEE

Dy Director of Administration

# FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 19th August 1985

No. 16|438|85-Ests-I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Suresh Kumar Mahajan as Research Officer (Engineering), Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 6-8-1985, in a temporaray capacity, until further orders.

#### The 23rd August 1985

No. 16|425'84-Fsts-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun has been pleased to accept the resignation tendered by Dr. C. B. S. Dutt, Research Officer (Other than Engineering & Statistical), Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the afternoon of 29th April, 1985.

J. N. SAXENA Registrar, Forest Research Institute & Colleges

### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, NAGPUR

Nagpur, the 22nd August 1985

No. 7/85.—Consequent upon his promotion as Administrative Officer, Central Excise Gr. 'B' Shri P, L. Chikate, Office Superintendent has assumed his charge as Administrative Officer, Central Excise Gr. 'B' Central Excise, Divn. I Nagpur in the forenoon of 1-8-1985.

No. 8|85.—Shri G. M. Daterao, Superintendent Central Excise Gr. 'B' Officer of Central Excise Collectorate Nagpur having attained the age of superannuation retired from Government Service in the afternoon of 31-7-1985.

R. K. AUDIM Deputy Collector (P&E)

#### CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

# une-24, the 22nd August 1985

No. 608/190/85-Adm.—On attaining the age of superannuation, Shri Bhaskar Ganesh Patwardhan. Administrative Officer, Centra Water and Power Research Station Pune-24 retired from Central Government Service at CWPES, with effect from 31-7-1985 (AN).

T. P. YEGNAN
Assistant Research Officer
1]c Administration
for Chief Producer

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## Trivendrum-33, the 8th July 1985

No. C. No. 125 (1)/ADM/85-86—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 125A of the I. T. Act 1961 (43 of 1961) and of all other powers conferred in this behalf under the said Act, the Commissioner of Income tax. Trivandrum hereby directs that all the powers or functions conferred on or assigned to the Income tax officer mentioned in column 2 of the schedule below shall be exercised or performed concurrently by the Inspecting Assistant Commissioners mentioned in column 3 of the schedule below:—

#### SCHEDULE

SI. No.	Designation of the Income-tax Officer	Designation of the Inspecting Assistant Commissioner
1_	2	3
I.	(a) Income-tax Officer, A. Ward, Trivandrum.	
	(b) Incometax officer, B Ward, Trivandrum.	Inspecting Asstt Commissioner of Incom-etax,
	(c) Incometax officer, C. Ward Trivandrum,	Trivandrum Range, Trivandrum
	(d) Incometax officer, D. Ward, Trivendrum.	
11.	<ul><li>(a) Incometax officer, A.</li><li>Ward, S. Itry Circle,</li><li>Trivandrum.</li></ul>	Do.
	(b) Incometax officer, B. Ward' Salvry Circle, Triyandrum.	
III.	(a) Incometax officer, A. Ward, Quilon.	
	(b) Income-tax officer, B. Ward, Quilon.	Do.
	(c) Ircometax officer, C. Ward, Quilon.	
	(d) Incometax officer, D. Ward, Quilon.	
IV.	(a) Income-tex officer, A. Ward, Thiruvalla.	
	(b) Incometax officer, B. Ward, Thiravalla.	Do.
V.	(a Incometax officer, A. Ward, Alleppey.	
	(b) Incometax officer, B. Ward, Alleppey.	Do.
	(c) Incometax officer, C. Ward, Alleppey.	
VI.	(a Incometax officers, A. Ward, Kottayam.	
	(b) Incomotax officer, B. Ward, Kottayam.	Do.
	(c) Incometax officer, C. Ward, Kottayam.	
	(d' Incometax officer, D. Ward, Kottayam.	
	(e) Inometax officer, E. Ward, Kottayam.	

No. No. 125(1)/ADM/85-86—In exercise of the powers conferred by section 8AA of the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957) and of: Il other powers conferred in this behalf under the said Act, the Commissioner of Wealth-tax, Trivandrum hereby directs that all the powers of functions conferred on or assigned to the Wealth-tax officer mentioned in column 2 of the Schedule below shall be exercised or performed concurrently by the Inspecting Assit. Commissioners mentioned in column 3 of the schedule below:—

## **SCHEDULE**

SI No.	Designation of the Wealth-tax officer	Designation of the In- specting Assistant Com- missioner.	
1	2	3	
1	(a) Wealth-tax Officer, A. Ward, Trivandrum.		
	(b) Wealth-tax Officer, B. Ward, Trivandrum.	Inspecting Asstt. Com- missioner of Wealth tax, Trivandrum Range Trivandrum.	
	<ul> <li>(c) Wealth-tax Officer,</li> <li>C. Ward, Trivandrum.</li> <li>(d) Wealth-tax officer,</li> </ul>		
	D. Ward, Trivandrum.		
II.	<ul><li>(a) We lith-tax officer,</li><li>A, Ward, Salary Circle,</li><li>Trivandrum</li></ul>		
١	<ul><li>(b) Wealth-tax officer,</li><li>B. Ward, Salary Circle,</li><li>Trivandrum,</li></ul>	Do.	
Ш.	<ul><li>(a) We lith-tax officer,</li><li>A. Ward, Quilon.</li></ul>		
	(b) Wealth-tax officer, B, Ward, Quilon,		
	(c) Wealth-tax officer, C. Ward, Quilon.	Do.	
	(d) Wealth-tax officer, D. Ward,		
IV.	<ul> <li>(a) We lith-tax officer,</li> <li>A. Ward, Thiruvalla.</li> <li>(b) Wealth-tax officer,</li> <li>B. V'ard, Thiruvalla</li> </ul>	Do.	
v.	(a) Wealth-tax officer,		
	A. Vard, Alleppey.  (b) Wealth-tax officer, B. Vard, Alleppey	Do.	
	(c) Wealth-tax officer, C. Vard, Alloppey.		
VI.	(a) Wealth-tax officer, A. Ward, Kottayam.		
	(b) We lth-tax officer, B. V/ard, Kottayam		
	(c) Wealth-tax officer, C. V/ard, Kottayam	Do.	
	(d) Wealth-tax officer, D. Ward, Kottayam		

(b) Gift-tax officer, B. Ward,

Solary Circle, Trivandrum.

1	2	3	1	2	3
	E. Ward, Kottey im. r	inspecting Asstt. Com- nissioner of Welth-tax, rivandrum Range, rivardrum.	III.	<ul><li>(a) Gift-tax officer, Λ. Ward, Quilon.</li></ul>	Inspecting Asstt. Commissioner of Gift-tax Trivandrum Range Trivandrum.
2. The order shall take effect from 15/7/1985.  C. No. 125 (1) ADM/85-86—In exercise of the powers conferred by section 7AA of the Gift-tax 1958 (18 of 1958) and of all other powers conferred in this behalf under the said Act, the Commissioner of Gift-tax Trivandrum hereby directs that all the powers or functions conferred on or assigned to the				(b) Gift-tax officer, B. Ward, Quilon.	
				(c) Gift-tax officer, C. Ward, Quilon.	
				(d) Gift-tax officer, D. Ward, Quilon.	
Gift-tax officer mentioned in column 2 of the Schedule below shall be exercised or performed concurrently by the Inspecting Assit. Commissioners mentioned in column 3 of the schedule				(a) Gift-tax officer, A. Ward, Thiruvalla.	
below :		EDULE		(b) Gift-tax officer, B. Ward, Thiruvalla.	Do.
SI.	Designation of the Designation of the	V.	<ul><li>(a) Gift-tax officer, A. Ward, Alloppey.</li></ul>		
No.	Gift-tax officer.	Inspecting Asstt. Com- missioner		<ul><li>(b) Gift-tax officer, B. Ward, Alleppey.</li></ul>	Do.
1	2	3		(c) Gift-tax officer, C. Ward,	
I.	(a) Gift-tax officer, A. Ward, Trivandrum,		VI.	Alleppey.  (a) Gift-tax officer, A. Ward, Kottayam.	
	(b) Gift-tax officer, B. Ward, Trivandrum.	Inspecting Asstt. Commissioner of Gift-tax, Trivandrum Range, Trivandrum.		(b) Gift-tax officer, B. Ward, Kottayam.	
				(c) Gift-tax officer, C. Ward, Kottayam.	Do.
	(c) Gift-tax officer, C. Ward, Trivandrum.			(d) Gift-tax officer, D. Wad, Kottayam,	
	(d) Gift-tax officer, D. Ward, Trivandrum.			(e) Gift-tax officer, E. Ward, Kottayam,	
II.	(a) Gift-tax officer, A. Ward, Salary Circle, Trivandrum			2. The order shall take effect from	n 15/7/1985

Do.

M. J. MATHAN, Commissioner of Incometax Trivandrum

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM", WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 5th August 1985

REF. L. C. 764|85-86.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Sy. No. as per Schedule situated at Kozhikode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, Kozhikode on 19-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Kerala Credit Corporation, Calicut,

(Transferor)

(2) Shri A. Karthikeyan and Smt. A. Madhavi, 1|60, Beach Rond, Calicut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

19|20th share in the property of 74 cents in Sy. No. 79|3, 4, 6 (Old) Resurvey Nos. 603, 47 cents,  $600-3\frac{1}{2}$  cents, 601-10 cents and  $602-2\frac{1}{2}$  cents (total 63 cents). T. S. No. 1921-601-11 cents with 2 godown buildings with 3 side compound walls.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1985.

#### FORM I.T.N.S .---

(1) Mls. Kerala Credit Corporation, Calicut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A, Karthikeyan and Smt. A. Madhavi, 1|60, Beach Road, Calicut.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 5th August 1985

REF L. C. 765 85-86.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Sy. No. as per Schedule situated at Kozhikode (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Kozhikode on 12-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or everien of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

1|20th share in the property of 74 cents in Sy. Nos. 79|3, 4, 6 (old) R. Sy. No. 603—47 cents, 600—3½ cents, 606—10 cents, 602—2½ cents—63 cents total and Sy. T. S. 19-21—601—11 cents with 2 godown buildings and 3 side compound wall.

(b) treittating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Frnakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 52-236GI|85

Date: 5-8-1985.

seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th August 1985

Ref. No. 111-978 Acq. [85-86.-Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Khatian No. 1, Plot No. 3423, Paragana Jharia, P. S. Dhanbad situated at Meuza Dhaiya, Dist. Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registrtion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at in December, 1984

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Maheshwar Prasad Singh, 2. Shri Bisheshwar Pd. Singh, Sons of Raja Kali Prasad Singh, Jharia, Dhanbad.

(Transferor)

 Shri Abhay Kumar Shahabadi,
 Shri Nirbhay Kumar Shahabadi
 Sons of Shri Bishwanath Shahabadi, Dhanbad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from this service of meties on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1|3rd share of the total area of the tank with plain land and structures situated at Mouza Dhaiya, Dhanbad measuring 3.96 acros and morefully described in Deed No. 10959 dated 18-12-84 registered with D.S.R. Dhanbad.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 6-8-1985,

# NUMBER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (45 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th August 1985

Ref. No. III-976|Acq.|85-86.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

r. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-Khatian No. 1, Plot No. 3423, Paragana Jharia, P. S. Dhanbad situated at Mouza Dhaiya, Dist. Dhanbad on 18-12-1984 (and move fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registrion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Maheshwar Prasad Singh,
 Shri Bisheshwar Pd. Singh,
 Sons of Raja Kali Prasad Singh,
 Jharia, Dhanbad.

(Transferor)

Shri Nirmal Kumar Shahabadi,
 Shri Bimal Kumar Shahabadi
 Solo Shri Bishwanath Prasad Shahabadi,
 Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1]3rd share of the total area of the tank with plain land and structures situated at Mouza Dhaiya, Dhanbad measuring 3.96 acres and morefully described in Deed No. 10958 dated 18-12-84 registered with D.S.R., Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 6-8-1985.

(1) 1. Shri Maheshwar Prasad Singh, 2. Shri Bisheshwar Pd. Singh, Sons of Raja Kali Prasad Singh, Jharia, Dhanbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Bishwanath Prasad Shahabadi So Shri Uttam Chand Shahabadi, 2. Shri Raj Kumar Shahabadi So Shri Bishwanath Prasad Shahabadi, Dhanbad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th August 1985

Ref. No. III-977 Acq. 85-86 .- Whereas, I,

P. K. DUBEY,

r. K. DUBEY, weing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Khatian No. 1, Plot No. 3423, Paragana Jharia, P. S. Dhanbad situated at Mouza Dhaiya, Dist. Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 20-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

1|3rd share of the total area of the tank with plain land and structures situated at Mouza Dhaiya, Dhanbad measuring 3.96 acres and morefully described in Deed No. 11012 dated 20-12-84 registered with D.S.R., Dhanbad.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

New, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforexaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-8-1985.

#### FORM ITNS ----

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 12th August 1985

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl.|5830.—Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the hermovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. House on Plot No. 226, Improvement Scheme No. 44 at Indore situated at Indore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registrion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Indore in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any shouleys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-test Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manacly :---

(1) Smt. Laxmi Mata Wo Shri Nandlal Mata, 145, Jairampur Colony, Indore.

(Transferor)

31419

Smt. Gceta W|o Shri Rajesh Wadhwani,
 Smt. Lata W|o Shri Mahesh Wadhwa ni,
 Shri Udharam S|o Shri Sirumal Wadhwani.

All Ro 9, Raj Mahal Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

House on Plot No. 226 (Improvement Scheme No. 44) is situated at Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferec.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-8-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

9FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5831.--Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Land Survey No. 3915 to 3982 situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registrtion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

Indore on Dec. 1984 on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shivajirao Soo Shri Vijay Singh Rao Ingle, Shri Sambhajirao Soo Shri Vijay Singh Rao Ingle, Shri Hanumantrao Soo Shri Vijaysingh Rao Ingle Ku. Veena Doo Sh. Vijaysingh Rao Ingle, Ku. Kamini Ku. Usha Doo Sh. Vijaysingh Rao Ingle, Smt. Meerabai Woo Sh. Vijaysingh Rao Ingle, Smt. Shashikala Woo Sh. Vijaysingh Rao Ingle, Al roo H. No. 64, Dewas Road, Ujjain.

(2) Adarsh Vikram Sahkari Grah Nirman Sanstha Maryadit, Ujjain. President: Shri Mithanla So Shri Asharam Varina Adarsh Nagar, Damdama, Ujjain.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Survey No. 3915 to 3982 is situated at Ujjain. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-8-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5833,--Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 1.00.0001 and heaving No.

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing No. M. H. No. E-30, Saket Nagar situated at Indore (and more fully described in the Sciedule annexed hereto). has been transferred under the Registrion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the Said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Shri Rajinderlal So Shri Brijlal Uppal,
 Smt. Pushpa Wo Shri Rajinderlal Uppal,
 Ro D-5, Satyavati Colony, Ashok Vihar Phase-3,
 Delhi-110 052.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpaben Sanghvi Wo Shri Ramniklal Sanghvi Rlo 38, Saket Nagar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

M. H. No. E-30 is situated at Saket Nagar Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-8-1985.

Shri Rajinderlal Slo Shri Brijlal Uppal,
 Smt. Pushpa Wlo Sh. Rajinderlal Uppal,
 Rlo D-5, Satyavati Colony, Ashok Vihar Phase-3,
 Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramniklal Sanghvi S|o Shri Nagar Das Sanghvi, R|o 38, Saket Nagar Colony, Indore.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5834.-Whereas I,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the said fact, have easily better that mindovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearin No. M. H. No. E-30, Saket Nagar situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

M. H. No. F-20, is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 12-8-1985.

Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, M.P., the 12th August 1985

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 5835.—Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Land Kh. No. 303|1 situated at Vill. Niranjanpur, Teh. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor andio.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 195% (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

53--236GI|85

- (1) Bhagirath So Shri Dayaram 2. Saujiram So Shri Dayaram
  - Sitaram Slo Shri Dayaram Badri Slo Sawant

  - Salagram Slo Sawant
  - Narain So Shri Sawant.
  - Smt. Ghisibai

Wo Shri Kithan Khathi Al ro Niranjanpur,

Indore.

(Transferor)

(2) Shanti Nagar Sahkari Grah Nirman Sanstha Maryadit, Indore Thro' President Shri Anoopkumar Slo Sh. Jawaharlal Jain, Rlo 107, Agarwal Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Kh .No. 303 1 is situated at vill. Niranjanpur, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range Bhopal

Date :12-8-85,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5836.—Whereas, I,
S. C. SHARMA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land Kh. No. 290|2 & 290|3
situated at Vill. Niranjaupur, Teh. Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred angler the Registration Act. 1908, (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suld impressent of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tua Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Sardar Kalyan Singh Slo Arjun Singh 2. Jaswant Singh Slo late Puransingh 3. Umraosingh So late Puransingh 4. Balwant singh So late Puran Singh 5. Govind Singh So late Puran Singh 6. Ramkanwar Bai Wo late Puran singh Mahendra singh So late Puran singh Pratap singh So late Puran singh Kirtan Singh So late Puran Singh Vill, Niranjanpur, Indore

(Transferor)

(2) Shri Laxmi Co-op. Housing Society Ltd.,
President: Shri Manobarlal
Solo Hiralal, Rolo 20,
Martand Chowk, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Kh. No. 290|2 & 290|3 is situated at Vill. Niranjan-pur, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Date :12-8-85. Seal:

(1) Shri Ambalal Slo Goverdhan Purchit, Rlo 47-A, Prem Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ashutosh Grah Nilman Sahkari Sanstha Maryadit, 7, Subhash Chowk, Indore, President: Shri Omprakash Soni, Slo Narayandas Soni, Rlo 7, Subhash Chowk, Indore.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5837.-Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immov-

as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000|- and bearing Plot no. 9 situated at Gopalbagh Colony, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Indore on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the following the following

ior an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

### THE SCHEDULE

Plot No. 9 is situated at Gopal Bagh colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 12-8-85.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No IAC Acqn. Bpl. 5838.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Land Kh. No. 64 situated at Vill. Bavadiagalan, Teh. Huzur,

Dist, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the faur market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said nstrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) Shri Vindrachand Slo Shri Moolchand R.o. Vill. Buyadankalan. Teh. Huzur, Dist. Bhopal.

(Transferor)

(2) Rohit Housing Co-op. Society Ltd., Bhopal. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 64 is situated at Vill. Bavadiakalan, Teh. Huzur, Dist Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills. BHOPAL

Date: 12-8-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACL, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.5839.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

Bldg, at M.H.N. 5/396 at Knithwali Guli, situated at Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Gwalior on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansier as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Anandpur Trust, Anandpur Dist., Guna, Thro' attorney Mahatma Vichar Parnanandji Maharaj Chella Shri 108, Swami Darshan Purnanand Maharaj, Ro Anandpur, Dist. Guna.

(Transferor)

(2) Shri Holaram So Shri Ladumalji, Rio Fouzdar Ka-Mohalla, Dana-oil, Lashkar, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at M.H. No. 5|396 is situated at Kaithwali Gali, Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 12-8-85.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal the 12th Agust 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5840.-Whereas, I,

S. C. SHARMA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Bunglow No. 48 situated at Neemuch
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at Neemuch in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri S. J. Contractor 2. Shri N. J. Contractor 3. Shri P. J. Contractor, Bungalow No. 48, Neemuch.

(Transferor)

(2) Shri Gajendra Verma So Anand Swarupji Verma, Bungalow No. 48-A, Neemuch. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Bungalow No. 48 is situated at Neemuch, Dist. Mandsaur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent\_Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-8-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDI-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5841.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and bearing
Bunglow No. 48 situated at Neemuch
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering Officer at Neemuch on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri S. J. Contractor

Shri N. J. Contractor
 Shri P. J. Contractor

Bungalow No. 48, Neemuch.

(Transferor)

(2) Shri Raghunandan Prasad Verma Smt. Gulabdevi Verma Bungalow No. 48-A, Neemuch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immenable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazeta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bunglow No. 48 is situated at Neemuch, Dist, Mandam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 12-8-85.

#### FORM NO. I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC[Acqn|Bpl]5842.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

House on plot No. D-102-A (Scheme No. 27) situated at Shailendra Nagai, Raipur and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Raipur on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Rani Bai Jain Wo Dhanrai Jain. Rio, Sokar Pesh, Madras at present at Raipur. (Transferor)
- (2) Smt. Jaya Ben wlo Dashrath Bhai Patel. Rlo 38, Rambagh Patel Society, Mani Nagar, Ahmedabad (Gujarat).

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House on plot No. D-102-A (Scheme No. 27) is situated at Shailendra Nagar. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 12-8-85.

### 31431

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Anilkumar Ghosh Soo late Shri Jetendranach Ghosh, Roo Jagdalpur (Indraward).

(2) Shri Ram Fravesh So Kanhai Prasad Gupta & 3 others, Rio Tikrapara Kanker, Teh. Kanker, Dist. Bastar.

(Transferse)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5843.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land Kh. No. 3 (P.H. No. 30) situated at Lulegondi, R N.M.

Kanker, Dist., Bastar

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Kanker (Bastar) on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesiid property as aforesit property as aforesity as a foresit property as a foresit property as a foresit property as a foresit property and the property as a foresit property and the property as a foresit property as a foresit property as a foresit property as a foresit property and the property as a foresit property and the property as a foresit property and the property as a foresit property and the property as a foresit property as a foresit property and the property as a foresit property as a foresit property and the property as a foresit property as a foresity and the property and the property as a foresit property as a foresit property and the property as a foresit property and the property and the property as a foresit property as a foresit prope said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

54-236GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in Official Gazette. the the

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 3 (P.H. No. 30) is situated at Lulegondhi, Tch. Kanker, Dist. Bastar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 12-8-85.

#### FORM NO. I.T.N.S.—

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMET-AX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5844.—Whereas, I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 and bearing No.

Plot No. 3, D sector, Jamalpura situated at Berasia Road,

Bhopal

(and more fully described in the schedule annual hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on Dcc 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act: 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jaswant Rai Slo Nandlal, Rlo 21, Tapti Apartments, G.T.B. complex, T. T. Nagar, Bhopal,

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Pinyomal, Rjo 172, New Sindhi Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inverested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 3 is situated at D-sector, Jamalpura on Berasia Road, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the trans-

S. C. SHARMA Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

row, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-8-85.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 CF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5845.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

LIG C-6, situated at Saraswati Nagar, Jawahar Chowk,

Bhonal

(and more fully described in the Schedule onnexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bhopal on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or everion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore, in presuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely :-

(1) Shri Chaitram Slo Dashrath Sangore, Rlo B-47, Shastri Nagar, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Devibai wo Shri Takhatsingh, R|o 67|18, South T.T. Nagar, Bhopal.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House bearing L.I.G. C-6 is situated at Saraswati Nagar, Jawahar Chowk, Ehopal. This is the immevable property which has teen described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Ta Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 12-8-85.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5846.--Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Part of house (Bungalow) called 'Rocky Villa' situated at Ridge Road. Idgah Hills, Bhopal (2014, Road, Idgah Hills, Bhopal)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on Dcc. 1984

Bright on Dec. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fability of the transferor to pay tax trader the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the old tet or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Mahesh Slo Shri Mohandas Rlo 45E & 45C Rioge Road, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) Mohandas Slo Kalumal, R|o 45B & 45C, 'Rocky Villa' Ridge Road, Bhopal Idgah /Inls, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of Bungalow called "Rocky Villa" situated on plot Nos. 45B & 45C at Idgah Hills, Ridge Road, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 12-8-85.

 Shri Rajeshri Mahant Valsdowa Das Guru Shri Bajrangdas Valsdow of Dudadhari, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Manmohan Kumar S|o Shivadas of Mandhapara C|o Raj Engineering, Raipur & 3 others. (Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ret. No. IAC|Acqn|Bpl.|5847.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

No. H. No. 27|39(P) situated at Mandhapara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Raipur in December 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 27|39(p) is situated at Mohalla Mandhapara, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

HE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5848.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
No. House bearing Mun. No. 9 (Ward No. 30) situated at

31436

Neem Chowk, Ratlam, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Ratlam in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ar agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanafer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) 1. Smt. Badam Bai Wdlo Chandmalji Agrawal

2. Shri Shyamsunder 3. Ramakant

4. Shashikant Slo Chandmalji Agrawal, R[o 14, Goushulla Road, Ratlam (MP). (Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Shri Gumanmal Munat Slo Shri Champalalji Munat Rlo 9, Neemchowk, Raflam. Present address: 24/8, Choumukhi Pul, Raflam. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

# THE SCHEDULE

House bearing Mun. No. 9 (ward No. 30) is situated at Neem Chowk, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

> S. C. SHARMA Competent Atuhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-8-1985

#### FORM TINS

(1) Shri Gumanmal So Champalalii, Ro Choumukhi Pul, Ratlam (MP).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> > ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|pl.|5849.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

House bearing Municipal No. 8,

situated at Choumukhipul, Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

(2) Shri Nirmal Kumar Slo Motilolji Munat, Rlo Choumukhi Pul, Ratlam (MP).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said econerty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Countte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or thesaid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House bearing Municipal No. 8 is situated at Choumukhi Pul. Ratiam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1985

(1) Shri Neju Singh Slo Kaluram 9|5, Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. [AC|Acqn|Bpl.]5850.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 9|6, Street No. 5, situated at Manoramagani, Indiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in December 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income strong from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the taid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(2) Mis Prestige construction Co., 87[1, Taradevi Road, Siyagani, Indore.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Plot No. 9|6 is situated on street No. 5, Manoramaganj, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5851.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Plot No. 196, situated at Anoopnagar colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subscutton (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

55—236GI[85]

- (1) Shri Narayansingh Slo Ghambirsingh Rathore, 184, Saket Nagar, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Purushottemdas S|o Radhakrishna Joshi, 22, South Raj Mohalla, Indore.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 196 is situated in Anoopnagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-8-1985

Seal;

(1) The Gwalior Rayon Silk Mfg. (Wvg) Co. Ltd., Chemical Division, Nagda (MP).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Bharat Commerce and Industries, Birlagram, Nagda (MP).

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acon|Bpl.|5852.-Whereas, I,

S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

No. Land Survey No. 13 situated at Vill. Mehatwa,

Birlagram, Nagda,

(and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at Huchtund in December 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than niteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the carties has not been truly stated in the said instrument of trensfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 13 is situated in village Mehatwas, Burlagrum, Nagda. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl.]5853.—Whereus, 1, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

No. House on plot No. 243 (Scheme No. 44) of Indore Vikas Pradhikaran situated at Indore,

14-12-84

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) incilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 ef 1957);

New, therefore, in purmance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under cub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, nimely:—

(1) Shri Shanker Rao Soo Shri Tulsiram Jadhav, Roo 45, Sudar Gali, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Doulatram S|o Shri Chotarmalji Chotwani, R|o 27, Goudha Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

House on plot No. 243 (Scheme No. 44) of Indore Vikas Pradhikaran is situated at Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-8-1985

(1) Shri Govindlal Rutanlalji Sadani, 1, Mohta Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Yash Grib Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, 101, Agarwal Nagar, Indore. (Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bhopal, the 12th August 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC|Acqn|Bp1.|5854,—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 1.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,00,000|- and bearing No.

No. Plot No. 8 (Scheme No. 55), 2-C. Extension,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in December 1984, Indore in December 1984, for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; sed /or
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Plot No. 8 (Scheme No. 55) 2-c Extension is situated at New Palusia, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Shopal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-8-1985

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Savitridevi wlo Nankramji Gyanchandani, rlo 68. Sarvoday Nagar, Indore, Through General power of attorney, Sh. Vijay Kumar so Rattan Kumar Sachhar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rattankumar s|o Shri Uddhomalji, rlo 978, Khatiwala Tank, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn., Bpl. 5855.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing
House on plot No. S-86 of Schemt No. 31, situated at Indore Vikas Pradhikaran, Indore

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income assign from the transfers and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on plot No. S-86 (Scheme No. 31) of Indore Vikas Pradhikaran, is situated at Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly varified by the transferee.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-8-1985

The state of the s

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAI M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqu.|Bpl.|5856.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Single storeyed building on plot No. 36, situated at Chandralok Extension, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Neelkanth s|o Krishna Rao, Through power of Attorney Prakashchandra Singh, s|o Shri Raghunathsinghji Bakshi, r|o Shipra, Teh. Sanwer.

(Transferor)

(2 Shri Sudhir Kumar s|o Kalyanmaliji Tongya, r|o 36, Manishpuri, Khajrana, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 36 & the single storeyed building thereon is situated at Chandralok Extension, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhopal

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Yoga Bai wlo Gopinath Lakkadwale, rlo Chowk Bazer, Burhanpur, Dist. Khandwa.

(Transferor)

(2) Shri Gopal s|o Asaram More, r|o Alamgani, Burhanpur, r|o Chowk Bazar, Burhanpur, Dist. Khandwa.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5857.—Whereas, 1, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Land at Vill. Smdhkheda

situated at Village Sindhkheda, Teh. Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 4908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpuri December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 21 is situated at Sindhkheda, Teh. Burhanpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Date: 13-8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, he 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5858.—Whereas, I S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]—and bearing Property known as 7|B "Megh" situated at M.G. Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in December, 1984 for an apparent consideration, which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. (Dr) Usha Madan Phadake, Through attorney K.V. Phadke, 32, Amber, M.G. Road,

(Transferor)

(2) Smt. Sheela wlo Jawaharlal Agrawal, 63, Mangalam, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property known as 7|B "Megh" is situated at M.G. Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the mid-Act, I heroby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13 8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-FAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5859.-Whereas, I,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000)- and bearing

Land Kh. No. 21, situated at Village Sindhkheda, Teh. Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Yoga Bai woo Gopinath Lakhadwale, rlo Chowk Bazar, Burhanpur, Dist. Khandwa.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlabai woo Asaram More, r|o Alamganj, Burhanpur, Dist. Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 21 is situated at Village Sindhkheda, Teh. Burhanpur, Dist. Khandwa. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56.—236CH25 56—236G1/85

Date: 13 8-1985

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, EHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1985

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5860.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Plot No. 8, situated at Agrawal Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in December, 1984

Indore in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) Shri Virendra Mittal slo Dwarkadas Mittal, 316, Textiles Clerk Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Chandra wo Gurul Das, 17, Alapura No. 2, Indore (M.P.).

(Transferee)

oujections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Plot No. 8 is situated at Agrawal Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the sauid Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GÖVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5861.—Whereas 1. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing House & plot, situated at Nazul Sheet No. 29, Bhagat Singh Ward, Civil

Lines, Betul,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Betul in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the fair market value of the fair market value of the property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri (Dr) Arvind Kumar Yashwant Semual alias Arun. slo Sushil Semual, Bhilai, Dist. Durg.

(Transferor)

(2) Shri Shekhar Soman slo Balwant Soman. Betul Gani, Teh. Betul.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House & plot are situated in Nazul Sheet No. 29, Bhagat-Singh Ward, Civil Lines, Betul. This is the immovable pro-perty which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Date: 13-8-1985

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5862.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Plot No. 203, situated at Anoopnagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Futushottam Joshi slo Radhakrishaji Joshi, rlo 22, South Raj Mohalla, Indore.

(Transferor)

 Shri Rakesh.
 Shri Raj Kumar s|o Shri Ramanlalji Khandelwal, r|o 216-M, Khatiwala Tank, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 203 is situated at Anoop Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Date: 13-8-1985

Scal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Phonal, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Epl|5863.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing H. No. 11, (Old No. 28) on plot No. 21-A situated at Mirapath (Nehru Park), Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the office of the Registering officer at Indore in December, 1984

Indore in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Ku. Ansuyabai Dlo Shri Laxmanrac Dev, R|o Vill. Dakachya, Present address: 15, Ganesh Colony,

(Transferor)

(2) M/s. Chawla Constructions, 8, Jaora compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 11 (Old No. 28) is situated at Meerapath (Nehru Park) Indore This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee

> S. C. SHARMA, Competent Authority Inspecting Assitsant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills
> 'BHOPAL

Date: 13-8-1985

(1) Shri Ramuprasad

S|o Shri Hiralalji R|o 28, Godha Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satyanarain So Shri Ramchandraji Gupta 11-A, Sneh Nagar, Indore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5864.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,0,00,000|- and bearing

Rs. 1,0,00,000]- and bearing
House on plot No. 61, situated at
Rajmahal Extension Colony, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore in December, 1984
for an apparent consideration which is less than the foir

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nocice in the Official Gazette.

Explantion:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House on plot situated at 61, Rajmahal Extension Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills
> 'BHOPAL

Date: 13-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhoppl, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5865.-Whereas, I,

transfer with the object of :-

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable competence of the c property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

House constructed at plot No. 79
situated at Rajmahal Colony, Indore
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:---

Shri Mangilal Slo Shri Hanumanji 9. Kamla Nchru Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwandas Slo Shri Shambhumalji, Rlo 97, Kasera Bakhel. Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House at Plot No. 79 is situated at Rajmahal Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

> S. C. SHARMA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills 'B H O P A L

Date: 12-8-1985

Scal :

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Smt. Sumitradevi Wo Shri Karansinghji, B. Builders Colony (H. No. 19) Indore.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE EHOPAL, M.P.

(2) Shri Hastimal So Shri Suganchand & 2. Smt. Prakash Devi Wo Shri Hastimal, Janki Nagar, Indore.

(Transferce)

Bhopal, the 12th August 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC Acqu Bpl 5866.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Plot No. 27 situated at Janki Nagar Colony, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 27 is situated at Janki Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37?G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. SHARMA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills 'BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1985

NAME OF TAXABLE

### FORM ITNS-

MATERIAL SECTION AND SECTION AND SECTION AND SECTION ASSESSMENT

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5867,-Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

and bearing No.

Hat No. 4, 3rd floor, Plot No. 4

situated at Kailash Park, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than following the property of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--57—236GI|85

(1) Shri Premchand Mannalal, 4, Kailash Fark, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Narendra Kumar Rasiklal, Smt. Chandrika Bai Wo Shri Narendra Kumar 21/2, South Hathipala, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said propers may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 4 on 3rd floor of the building on plot No. 4 is situated at Kailash Park, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Iucome-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills 'BHOPAL

Date: 12-8-1985

#### FORM TINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ret. No. IAC|Acqn|Bpl|5868.--Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No.

Flat No. 1, 2nd floor, Plot No. 113 situated at Shrinagar Extension, Indore

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said 'instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Premchand Mannalal,
 Kailash Parl Colony, Indore,
 Through Genl. power of attorney
 Shri Nandkishore Ramkrishan Agrawal.

(Transferor)

(2) Shri SekharS|o V. K. Khadekar40. Shanti Nagar, Union Bank, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor, on plot No. 113 is situated at Shrinagar Extension, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
'B H O P A L

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12 8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5869.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

House bearing No. LIG-31 situated at Shanker Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the office of the Registering officer at Indore in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Balmukund Agarwal So Shri R. M. Agarwal, Co kita Paper Industries, Bilaspur.

(2) Shri K. G. Kuriakose, R|o LIG-31, Shanker Nagar, Raipur. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House bearing No. LIG-31 is situated at Shanker Nagar, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
'BHOPAL

Date: 12-8-1985

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Prakash Slo Shri Garjanlal Dongre, Mauza Gaykhuri, Ward No. 15, Balaghat,

(Transfetor)

(2) Shri Popatmal Slo Shri Jodhamal Motwani, Rlo Near Gayatri Mandir, Ward No. 14, Balaghat.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5870.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing House on plot bearing Kh. No. 5|39 (P.H. No. 13|1) situated at Gaykhuri (Ward No. 15), Balaghat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the office of the Registering officer at Balaghat in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on plot bearing Kh. No. 5|39 is situated at Mauza Gaykhuri, Ward No. 15, Balaghat. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce

S. C. SHARMA, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills
'B H O P A L

Date: 12-8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th August 1985

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|5871.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Conspetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Plot No. 34, Sector-A, situated at

Industrial Estate, Sanwer Road, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in December, 1984

for an appurent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aund /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mls. T. Choithram Foundation (A Public Charitable Trust) 61|16, Ramjas Road, Karol Bagh, Delhi. Adm. Office: 30, Godha Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Mls. M.T.C. Enterprises, 29, Godha Colony, Indore. Partners:

Smt. Meenabai M. Pagarani
 Shri Tulsi N. Gangaramani
 Smt. Chandra K. Moorjani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein aver defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 34 (Sector-A) is situated at Industrial Estate, Sanwer Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills "BHOPAL

Date : 14-8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5872.-Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Part of Sarea No. 273 (Land) situated at Street No. 3, Old Palasia, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in December, 1984 Indore in December, 1984

for an apparent consideration which is les than the fair marke tvalue of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparat consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Snt. Mohini Devi Wo Late Rowji Shah Hirendra Singh, 52, Bank Colony, Indore.

(Transferor)

(2) S.G.M. Hotels (P) Ltd., Thro' Director Sh. Surendra Sanghi 56, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it, that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Part of Sarca No. 275) Land is situated at Street No. 3, Old Palasia, Indore. This is the immovable propety which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills
> 'BHOPAL

Date: 14-8 1985

Scal:

#### FORM I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

enter anter a matematica estatuta estatuta en estatuta en la constitución de la constituc

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th August 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5873.-Whereas, I. S. C. SHARMA.

S. C. SHARMA.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 30 & the house built thereon situated at Janli Nagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the office of the Registering officer at Indore in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Mohammed Shakir Sio Shri Faiz Hajder Rio Janki Nagar Colony, H. No. 30, Indore,

(Transferor)

 (2) Snt. Prabhadevi
 Wo Shri Jagdish Prasadji &
 SiShri Rameshchandra, Dineshchandra & Shyamlal So Shri Jagdish Prasad 61, Janki Magai, Indore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 30 & the house built thereon is situated at Janki Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills
> 'BHOPAL

Date: 14-8-1985

(1) Smt. Prem Lata Sarovar, S-488, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

(2) Shri C. L. Puri, Mrs. Krishna Puri, Nitin Puri, R|o T-10, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,
4[14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Rof. No. IAC[Acq.1]37EE]12-84|1402.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. S-488, Greater Gailash-I, mg. 1100 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961, in the Office

of the Registering Officer at IAC|Acq. Range-I, in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The tarms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. S-488, Greater Kailash-I, New Delhi, measuring 1100 sq. ft. New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 8-8-1985

Scal:

(1) Dr. Vijay Sabharwal, 67 1, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Vidya Chandhok & Mr. Rajiv Chandhok, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

T.K.B.—236GJ[F5 FRESH 8x8x20 152to175 10-9-1985 (1 ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37FE|12-84|1403.--Whereos, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. GF-24, Bahadur Shah Zoffer Marg, (mg. 547 sq. ft.) situated of New Delhi.

(and more fully described in the schedule anexed hereto) has been transferred under the I. T. Act 1961, in the Office

of the Registering Officer at IAC|Acq. Range-I, in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys ar other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely: 58-236GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### HE SCHEDULE

Flat No. GF-24, Hans Bhawan Wing-I, Bahadurshah Zaffar Marg, New Delhi, measuring 547 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Acquisition Range-I, Delhi New Delhi Aggarwal Bhawan 4|14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 8-8-1985 Seal :

FORM ITNS------

(1) Mr. Parvinder Singh Bagga, 43, Race Course Road, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. L. Sarna & Mr. J. L. Sarna, M/s. P & S Exports Corporation, 802, Akash Deep, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.]/37FE|12-84|1405.-Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 805, Akash Deep, 26, B. K. Road, mg. 440 sq. ft.

situated at New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC|Acq. Range-I, in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the full market value of the property as aforesaid.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabila, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tox Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### LIL SCHEDULE

Flat No. 805, Akash Deep, 26, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 440 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-8-1985

Seal '

#### FORM I.I.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq,I|37EE|12-84|1406.-Whereas, J. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 801, mg. 624 sq. ft. in 98, Nehru Place, situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961, in the Office

of the Registering Officer at JAC|Acq. Range-I, in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the followung persons, namely:--

(1) M|s. Delhi Gun House, Kashmiri Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Amita Khosla, woo Dr. Rajiv Khosla, rlo 166, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 801, in Hemkimt Tower, 98, Nehru Place, New Delhi, measuring 624 sq. ft.

> R. P. RAIESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi[New Delhi

Date: 8-8-1985

Leal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGET AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL LOAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-84|1407.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Space No. 9A on 8th floor in Block 'E' of Hotel Cum Commercial Complex, Nebru Place situated at New Delhi mg. 52) sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1. T. Act 1961, in the Office of the Registering Officer

at IAC|Acq. Range-J, in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) incilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M[s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Bullding, Jangpura Extn., New Deihi-14.

(Transferor)

(2) Mr. Kewa Krishan Aggarwal slo late Shri Shri Sohan Lal,
Mrs. Shyanalata wlo Shri K. K. Aggarwal,
Miss Vandana & Miss Anjali
dlo's Shri K. K. Aggarwal & Shri Kewal Krishan
Aggarwal and Family (HUF),
Rlo C-6, Kailash Colony, New Delhi.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 9A on 8th floor, in Block E of Hotel Cum Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, measuring 520 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

Date: 8-8-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-Λ, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Rcf. No. IAC|Acq.1|37EE|12-84|1409.-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00|- and bearing Flat No. 1406, mg. 325 sq. ft. in 89, Nehru Place, situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the I. T. Act 1961, in the Office

of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri S. S. Aggarwal, AN 59-B, D.D.A. Flats, Shalimar Bagh, Delhi-33.

(Transferor)

(2) Shri Harsh Passi, A-23 194, Lodi Colony, New Delhi-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hat No! 1406, 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 325 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi 4 14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-8-1985

#### FORM ITNS ....

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 214 Dec. 84.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,09,000 and bearing No. T.S. 75 stuated at Ponnudi Village Terunthurai Dist. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

No. T.S. 75/2 situated at Ponnudi Village Terunthurai Dist. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office at Perunthurai Doc. No. 1901, 1902–1904 to 1908/84 on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Ramaswamy Gounder and Others Ponmudi Village, Perunthurai.

(Transferor)

(2) Sri M. T. Remachandran and Others 11, Veerappan Chittaram, Thiruvika Veedhi, Erode.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Ponmudi village Perunthurai Dist. (Perunthurai Doc. Nos. 1901, 1902 1904 to 1908).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, AGGARWAL HOUSE, 4/14A( ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC/Acq.J[37EE]12-84]1411.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Commercial Flat mg. 830 sq. ft. No. 805|43 situated at Vhiranjiv Tower, Nehru Place. New Delhi

(and more fully des.) bed in the schedule annexed beroto), has been transferred under the I. T. Act 1961, in the Office of the Registering Officer

at IAC Acq. Range-I, in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and]or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Ashok Kepur & Sons (HUF), through its Karta, 102, or Bagh, New Delhi-110003.

(Transferor)

(2) Mrs. Beens S. Jain woo Shri Subodh Chand Jain, Rlo Anant Bhawan, 4798 23, Daryagani, New Delhi-11002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Commercial Flat measuring 830 sq. ft. No. 805/43 Chiran-Jiv Tower, Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 8-8-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-84|1412.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1412 at 89, Nehru Place, mg. 150 sq. ft. situated at New Dolhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961, in the Office

of the Registering Officer at 1AC Acq. Range-I, in December. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration berefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Shri M. L. Arora & Miss Kavita Arora (u|g) Shri M. L. Arora, R|o S-339, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1424 at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 150 3q. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ретисти. пашоју :--

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|12-84|1413.—Whereas, I., R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevexpeeding Rs 1.00 000l- and hearing

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1415, 89, Nehru Place, mg. 500 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC[Acq. Range-I, in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under sub-section (1) of Section 269D of the raid Act to the following persons, namely,—
59—236GI|85

(1) Dr. Mrs. Karam Jit Kaur Bansal, B-5, N.D.S.E.-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Meena Gupta, House No. 644, Sector 16A, Faridabad (Haryana).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1415, Skipper Tower, 89, Nehru Place, New Delhi-19, mg. 500 sq. ft.

R P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 8-8-1985

#### FORM TIME

# NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-84|1414.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Space No. 10 on Vth floor, 328 sq. ft. 56, Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1. T. Act 1961, in the Office of the Registering Officer

of the Registering Officer

at IAC Acq. Range-I, in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bhajan Shanker and Smt. Shobha Saxena, 720, Double Storey, New Rajender Nagar, New Delhi.

(Transferer)

(2) Master Arjun Gupta,
Master Nakul Gupta,
sslo Shri Avinash C. Gupta,
rlo S-481, Greater Kailash-II, New Delhi and
Master Nikhil Laul and Miss Ritika Laul son and daughter Shri Ashwani Laul, rlo S-487, Greater Kailash-II, New Delhi-48. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 10 on 5th floor, 328 sq. ft. 56, Nehru Place, New Delhi-19.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 8-8-1985

Scal:

(1) M|s. Rajendras, N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

New Delhi-62.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. 1AC|Acq|I|37EE|12-84|1415.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

RTT-22 (Basement) G-2, at shopping centre cum-community facilities, Kalkaji situated at New Delhi measuring 61.75 sq. ft

(and more fully described in the Schedule anaexed herete), has been transferred under the I. T. Act 1961, in the Office of the Registering Officer at 1AC Acq. Range-I, in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shri Dharam Pal, 10|135, Dakehin Puri Extn., Ambedkar Nagar,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

RTT-22 (Basement) G-2, at shopping centre cum-community, facilities, Kalkaji, New Delhi, mg. 61.75 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-84|1416.— Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 116, mg. 500 sq. ft. in 21, B. K. Road, situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, on Decem-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andior
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by he transferre for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

Ms. Shiv Kapur Joginder Kapur 2720, Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa G. Thadani, Mr. G. C. Thadani, R|o 53, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 116, 21, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 500 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. 4 14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 8-8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI** 

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-1|37EE|12-84|1417.—Wherens, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 607, on 6th floor in 7, Tolstoy Marg mg. 466 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registiming Officer at IAC|Acq.Range-I, on December

marke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incone-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nov. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) Wg. Cdr. S. N. Sengal, Dr. (Mrs.) Saraljit Schgal, Minor Miss Shinika Sehgal R]o D-I|78, Kaka Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shakuntla Mehra, Mr. Rajiv Mehra, Mr. Rakesh Mehra R|o R-881, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 607 on 6th floor in 7, Tolstoy Marg, New Delhi, measuring 466 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit on Range-I Aggarwal House 4]14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 8-8-1985

Mr. G. S. Bedi Slo Mr. T. S. Bedi, 209, Golf Links, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION & ANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI,

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. 1AC|Acq.1|37EE|12-84|1418.---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

RS. 1,00,000] and bearing Flat No. A, on 8th floor in 17, Barakhamba Road, situated at New Delhi measuring 580 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in December 1004

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilita ting the reduction or evasion of the liability of the ti ensferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor;
- (1) facilitating the concealment of thy income of any moneys or other assets which have not been which cushs to be disclosed by the transfero for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) M|s. Sabharwal Associates, Head Office, Rayinder Bazar, Near Taj Hotel, Jamma Tawi (J&K), correspondence Address: C-36, Gulmohar Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A on 8th floor in 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 580 sq. ft.

> R. F. RAJESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4|14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-84|1419.--Wherens, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing No. Space No. 19 (LG.F) at 28, B. K. Road, mg. 140 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937))

row, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mls. Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd. 28, Barakhamoa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Harbans Lal Kakkar Slo Mr. Duni Chand Kakkar, Rlo E-174, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respoctive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Space No. 9, on Lower Ground Floor in Dr. Gopal Das Bhawan, 28, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 140.78 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal Houre 4|14A Asaf Ali Read, New Delhi.

Date: 7-8-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) Mrs. Saroj Arora, 51, U. B. Jawahar Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALT ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-84|1420.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority authority authorised by the

under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1008) is the discontinuous distribution of the second second

1908) in the office of the registering officer at S.R. Amritsar in Dec. 1984.

S.R. Amritsar in Dec. 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceamient of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Mrs. Sudesh Kumari Mrs. Vanita Chugh, Smt. Laj Kati d|o Mr. Inder Mohan A.C. CTS (B.N.P.) Diwas (M.P.).

- (a) by any of the afferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same aveaging as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lower Ground Floor 81 in 'Dr. Gopal Das Bhawan' 28, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 154.20 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 7-8-1985 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

#### FORM ITNA ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-84|1421.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 1420 in proposed Tower bldg. at plot situated at 38, Nehru Place, New Oelhi, mg. 399 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, in December 1984

1984

 $fo_T$  an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ansal properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) Master Ashish Paul, Master Amit, Paul clo Dr. K. K. Paul, No. 1, Mahadey Road,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHFDULE

Flat No. 1420 in proposed Tower, Building at plot No. 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 399 sq. ft.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 60---236GI | 85

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-84|1422.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 704, 13, Tolstoy Marg, mg. 696 sq. ft.

situated at New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I in December 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bakshi Vikram Vikas Const. Co. (P) Ltd, 13, Tolstoy Marg, New Delhi, (Transferor)

(2) Sardar Gurbachan Singh & Sardurni Shama Gurbehan Singh, 12, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Booking of office flat No. 704 measuring 696 sq. ft. on 7th floor in the proposed multistoreyed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-8-1985

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Elite Developers (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Rajinder Singh, B-8|4, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-84|1423.-Whoreas. I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 101 in proposed Elite House at Plot No. 36, situated at Community Centre, Kailash Colony Extn. (Zamrudour)) mg. 430 sq. it. N.D., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, in December 1984

in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and]or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101 in proposed Elite House at plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony Extension (Zamrudpur), New Delhi, measuring 430 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 7-8-1985

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC Acq. 1 | 37EE | 12-84 | 1425.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 | and bearing No. Flat No. 506, 72, Nehru Place mg. 532 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the Office of the Registering Office; at IAC/Acq. Range I. in December 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Shashi Bala Agarwal. Buland Banglow No. 1, Gudges Road, Civil Lines, Rampur-244901 (U.P.).

(Transferor)

(2) Shri Romash Kumar Mitta (KARTA), Romash Kumar Mittal (HUF), 320, Street Lath-maran, Devi Bhawan Bezar, Jagadhri-135003 (Harvana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 506, Lakshmi Bhawan, 72, Nehru Place, New Delhi-19, measuring 532 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following comons, namely :--

Date: 7-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOMP.TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37EF|12-84|1426.—Whereas, J, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Space No. 12 on L.G.F. in 'Vijaya' building at situated at 17, Barakhamba Road, New Delhi-1, mg, 110.80 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I, in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the edicat of the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any majorys or other acasts which have not been or which englet to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s Guiral Estates (P) Ltd.
  17, Barakhamba Road, New Delbi-110001.
  (Transferor)
- (2) Mr. Dushyant K. Mchtani slo Mr. Durga Parshad Mehtani, Street No. 14, House No. 10766, Partap Nagar, Delhi-7, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Space No. 12 on Lower Ground Floor in 'VIJAYA' Building, at 17, Barakhamba Road, New Delhi-7, mg. 110.80 sq. ft.

R. P. RAJFSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf All Road, New Delhi

Date: 7-8-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-84|1427.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and bearing
No. Space No. 8 on 9th floor in Block 'E' of Hotel-cumCommercial Complex, in Nehru Place, New Delhi, area

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq. Range-I in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M|s Nehru Place Hotels Ltd. Eros Cinema Building, Jangpura Extn. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Suresh Gupta, Slo Shri Harish Chandra Gupta, N-8. Panchsheela Park. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette ora period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Space No 8 on 9th floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex in Nehru Place, New Delhi. Approx. Area 484 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal Bhawan
4|14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 7-8-85

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Radha Rani Bhadauria, wo Sh. Ashoka Bhadauria Rlo 18B, Sheikh Sarai Phase-I, New Delhi,

(Transferee)

(2) Smt, Manju Arora wlo Sh, Sushil Kumar Rlo 54, State Bank Colony, New Delhi.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4]14-A, AHAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|12-84|1428.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Flat No. 309, mg. 230 sq. ft. at 51 52, Nehru Place, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Office at IAC|Acq. Range-I, on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

### THE SCHEDULE

Flat No. 309, measuring 230 sq. ft. in 51-52m, Nehru Place, Gedore House, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax AggarwalHouse. 4]14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-8-85

Scal:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

#### (2) M|s. Anand Bros (HUF) H-71, N.D.S.E. Part-I, New Delhi-49.

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-I|37-EE|12-84|1429.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1525, mg. 150 sq. ft. at 89, Nehru Place, situated at
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the I. T. I. Act, 1961 in the
Office of the Registering Office at
IAC|Acq. Itange-I, on December 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
 and/or

Flat No. 1525, at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 150 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4 | 14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-I|37-EE|12-84|1430.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (harelmafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. B on 13th floor in 17 B.K. Road, mg. 965 sq. ft. situated at with 169 sq. ft. Terrace. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T. I. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or RSY moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. Jagdish Chandra, Slo. Late Mr. Thakur Das, Rlo. C-33,, Anand Niketan, New Delhi.

(Transferor)

 (2) M|s. Anochor Chemicals, 812|813, Tulsiani Chambers, 212, Nariman Point. West Wing, Bombay-400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B on 13th floor in 17, Batakhamba Road, New Delhi, measuring 965 sq. 1t. with Terrace 169 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delbi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under subsection (1) Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:

61—236G[85]

Date: 9-8-1985

#### FORM ITNO

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th August 1985

Ref. No .IAC|Acq.-I|37-EE|12-84|1431.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 2098 of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs: 1,00,000|- and bearing
RTT-322, G-2, Shopping Centre Cum-Community situated at
facilities, Kalkaji, New Delhi, measuring 60 sq. ft.
(and more fully described in the Schedule annexed herete)
has been transferred under I.T. Act, 1961 in the Office of the

Registering Officer at IAC Acq. Range-I, on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M[s. Rajendera, N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Bhupind Kaur, H-39, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said homovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLAMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

RTT-322, (First Floor) G-2, Shopping Centre Cum-Community facilities, Kalkaji, New Delhi, measuring 60.5 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali RoadNew Delhi

Date : 9-8-1985

(1) Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Smita Puri, U|G Sh. S.M: Puri, R|o. E-55, South Extn.-I, New Delhi.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th August 1985

Ref. No I.ACAcq.-I|37-EE|12-84|1232.--

Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereignfter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 1325, mg. 150 sq. ft. in 89, Nehru Place, situated at

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the LT. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC|Acq. Range-I, on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be under in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1325 at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 150 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4 14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-8-1985

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-1|37-EF|12-84|1433,—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on 10th floor in 22, Barakhamba Road, mg. 500 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at JAC|Acq, Range-I, on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer **----/--**
- (b) facilitating the concealment of any meeme or any moneys or other assets which have no been or which ought to be disclosed by the trainferes for the purposes of the Indian Income-tax A: t, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealti-tax Act, 1957 (87 of 1937)4

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acculaition of the aforesaid property by the issue of the notes under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mis. Auto Pins (lindia) (P) Ltd., 9, Southern Avenue, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Mohan Wadhwa, Mr. Vijay Wadhwa & Mls. Radhika Investments. (1&2) 24|56, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat in 10th floor in 22, Barakhamba Road, New Delhi. measuring 5500 sq. ft.

> R. P. RAJESH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Licome-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4 14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 9-8-1985

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Rajendera, N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Girish Gurnani, I-35, Lajpat Nagar-II, New Delhi-24.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-I|37-EE|12-84|1434.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000; and bearing No.

RTT-20 (Basement) G-2 at Shopping Centre Cum-Community situated at facilities, Kalkaji, New Delni, mg. 10 sq.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferandlor
- (\$r' facilitating the concealment of any noome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

THE SCHEDULE

RTT-20 (Besement) G-2 at Shopping Centre Cum-Community facilities, Kalkaji, New Delhi, mg. 10sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitior Range-I Aggarwal House 4 14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 9-8-1955

Seal:

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mis. Rajendras. N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Ram Babu, 10|126, Dakshin Puri Extn., New Delhi-62.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4|14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 9th August 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Ref. No. IAC|Acq.-1|37-EE12-84|1435.—

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Whereas, 7. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00]—and bearing No

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Rs. 1,00,00]- and bearing No RTT-2 (Basement) G-2, Shopping Centre Cum-Community situated at facilities, Kalkaji, New Delhi, measuring 95 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC|Acq, Range-I, on December 1984 for an approximation provideration which is less than the fair

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

IAC Acq. Range-I, on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

#### THE SCHEDULE

(b) ficilitating the concealment of any income or any nienews or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RTT-2 (Basement) G-2, at Shopping Centre Cura-community facilities, Kalkaji, New Delhi, measuring 95-25 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Aggarwal House
4 | 14A, Asaf Ali Road
New Delbi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

FORM NO. I.T.N.S.----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s. Rajendras. N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Sukh Lal Mehra, A-122, Amar Colony, Laipat Nagar, New Delhi-24.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMSSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DEI.HI

New Delhi, the 9th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-I|37-EE|12-84|1436.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]- and bearing No.

RTT-115 (G.F.) G-2, Shopping Cum-community facilities, situated at Kalkaji, measuring 15 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transferred, under the LT. Act. 1961 in the

has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I, on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect at any income arising from the transfer; and /or

### THE SCHEDULE

RTT-115, Ground floor, G-2 at shopping centre cum-community facilities, Kalkaji, New Delhi, measuring 15 sq. ft.

(b) tacintating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-8-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sarla Bhatia, Wlo. Sh. N. A. Bhatia, Rlo. Al8, N.D.S.E. Part-I, New Delhi-49.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Dolhi, the 9th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-I|37-EE|12-84|1437.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
Flat No. 1524, mg. 150 sq. ft. at 89, Nehru Place, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I, on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that 

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1524 at 89, Nehru Place, New Delbl. measuring

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely !--

Date: 9-8-1985

Scal:

(1) Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan, 22, Darakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. L. Arora, Master Amit Arora, Master Sandcep Arora (U.G. of) Sh. S. R. Arora & Sh. M. L. Arora, Rlo. S|339, Greater Kailash-I, New Delhi.

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Deihi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-I|37-EE|12-84|1438.—
Whereas, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 1425, mg. 150 sq. ft, at 89, Nehru Place, situated

at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the sforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pablication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

to facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/on

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1425 at 89, Nehru Place, measuring 150 sq. ft.

(b) fredlitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-1 Aggarwal House 4 14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 62-236GI|85

Date: 8-8-1985

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NFW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-1|37-EE|12-84|1439.— Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 28 (L.G.F.) mg. 178 sq. ft. 17, B.K. Road, situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the LT. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at

Onice of the Registering Officer at IAC | Acq. Range-I, on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration are consideration and that the consideration are consideration and that the consideration are consideration and the statement of the consideration and the con consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of monsfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Sital Chadha, 2-C/4, New Rohtak Road. New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Vijay Lal Kochhar & Mrs. Amita Kochhar, Rio. D-II|35, Shahjahan Road, New Delhi-110 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Space No. 28, on Lower Ground Floor in proposed building Vijay, on Plot No. 17 Barakhamba Road, New Delhi, mg. 178-8 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 8-3-1985

#### - ---- \_ ----- <u>-</u>--\_----FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4|11-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-1|37-EE|12-84|1440,--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) (begeinster referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 1125, mg. 150 sq. ft. at 89, Nehru Place, situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been cansterred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-t on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. P. M. Govindani, So. Sh. Manghora Govindani, Ro. C-95, Panchsheel Enclave, New Delhi-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1125 at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 150 sq. ft

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4 14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4]14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. JAC|Acq.t|37EE|12-84|1441.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

One open Car Parking Space in the Lower Basement of proposed multi-storeyed commercial bldg., Arunachal, 19, B. K. Road, situated at N. D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Aca, Range-1, on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M[s. Kailash Nath and Associates 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Mrs. Anjali Trehan, B-540, New Friends Colony, New Delhi 65.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One open Car Parking Space in the Lower Basement of proposed multi-storeyed commercial building Arunachal, 19, Barakhamba Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Aggarwal House,
4 14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 8-8-1985

Seal

#### FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M.s. India Apparels, C-13, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

 Ch. Kesar Dass (HUF) through its Karta Sh. Kesar Dass,
 Ring Road, Lajpat Nagar-III. New Delhj.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37LE|12-84|1442, —Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Basement No. 2. mg. 855 eq. ft in 'Red Rose' 49- Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule appeared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1, T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq, Range-L on December

for an apparent consideration which is less than the fair nauket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any iscome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Basement No. 2, measuring 855 sq. ft. in 'Red Rose', 49-50, Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House. 4114-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely:—

Date: 8-8-1985

Scal:

#### FORM ITNS-

(1) Aquarius, E-13, Radhey Puri, Delhi-51.

(2) Mr. Rajiv Gupta, C-32, Panchsheel Enclave, New Delhi-17.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELIT

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC Acq 1/37EE/12-8 : 11 154,-- Whereas, I, R. P. RAIESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mailet value exceeding Dec. 100 2007. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 819, 6. Nehru Place, mg. 500 sq. ft. situated at New Delbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, on December 1964. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Bubility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. \$10, on 3th floor of 500 sq. ft. in Building No. 6, Nehru Place New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4]14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-8-1985

#### FORM ITNS----

(1) Ritika Arora & Meera Arora. Ulg. R. K. Arora. R/o C-85 Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-J, AGGARWAL HOUSE, 4]14 A. WAF ALE ROAD, MEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acq (1873) (12-84) (1445) —Whereas, I, R. P. RA) ESH, being the Competent Authority under Section 269B of the mome-tax Act (1901) [43] of 1901) (hereinafter referred to r, the said Act), have reason to believe that the immovable contribution of the cont property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Rs. 1,00,000! and bearing 140.
Flot No. 60 L. G. E. at 17, B. K. Road, mg, 146-97 sq., ft, situated at New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq Range-I, on December 1994.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; REAL (CH
- (b) (acilitating the concealment of any meomo or any which ought to be disclosed by the transferre for the permoses of the indisc december XCt, 1922 at 1 of 1922) or the mid-aid art or the Wealth-tar her 1957 (27 of 1957);

(2) i Mrs. Amtit Singh Wo H. S. Som,

- 2. Mrs. Kanwal Hazuria Wo Dr. R. S. Hazuria,
- Arvinder Singh Slo H, S. Soin, Rlo E-14, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi 48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition, of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective paracons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Lower Ground Floor No. 60 in 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 196 97 sq. ft.

R. P. RATESH Competent Authority Irence'ing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4114-A. Asaf Ali Road, New Delhi

Now, microtore, in purmance of section 2690 of the 1910 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 12-8-1985

Seaf :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37FE|12-84|1446.--Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

First floor front Flat at 18, Todar Mal Road, mg. 935 sq. ft.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC|Acq, Range-I, on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Swaraj Talwar, Talwar Buildings, Bharampuri, Talwa Buildings, Bharampuri, Ludhlana.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Mini, 70-C, Bhopa Road, Muzaflar Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

First floor front flat at 17, Todar Mal Road, New Delhi, measuring 935 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4|14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTTION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DILLHI

New Delhi, the 12th August 1985

Ref. No. IAC(Aco.I[ $37PE_1$ (2-84]1447.=-Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop No. 1, on the G. F. 12, Osian Building, mg. 688 sq. ft.

ships No. 1, of the Ci. 11. Osada Philadal, distribution of the Market and Ma

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-63-236GI[85

(1) Mls. Riviera Apartments (P) Ltd. 4. Dakshineshwar, 19. Hailey Road. New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M/s. High Investment (P) Ltd., Flat No. 4, 10, Hailey Road, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the algorisation of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, on the Ground Floor 12, Osian Building, Nehru Place, New Delhi, area 688 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House. 4]14-A, Asaf Alı Road, New Delhi

Date : 12-8-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# Shiv Kapur Joginder Kapur 2720, Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferor)

(2) 1, Sh. Bhajan Singh Chauhan, . Sh. Shamsher Rajan Chauhan, 3. Miss Sujata Chauhan, D 6|27, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4]14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 12th August 1985 Ref. No. IAC|Acq.I|12-84|37EE|1448.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. [961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 18. (F. 19.) at 21, Barathamba Road, mg. 595 sq. ft. situated at New Delbis described in the Schedule approved bereto).

has been transfered under the Schedule annexed hereto), has been transfered under the f. f. Net 1951 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, on December

1984

n uppoarent consuleration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fatt market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 18, First Floor in multistoreved building at 21, Parakhaniba Road, mg, 595 eq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4114-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-8-1985

Scal:

#### FORM 1.T.N.S.—--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th August 1985

Ref. No. PTA[39]84-85.—Whereas, 1, OGINDER SINGII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

H. No. 30. H. So. 31. H. So. 31.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any tionays or other assets which have not been or thich ought to be essets I by the transferce for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): all testing for

(1) Smt. Asha Lata Tangri Wio Sh. Satya Parkesh Tangri Rio 8 A. Hua Nagar Patiala now at H. No. 138, Housing Board Colony Ambala.

(Transferor)

(2) Sh. Tejinder Singh Slo S. Joginder Singh Rio 8 A, Hira Nagar Patiala,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dote of publication of this notice in the Official Gazcite or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 8A. Hira Nagar Patiala. (The property as mentioned in the role deed No. 3042 of Dec. 1984, of the Registering Authority Patiala.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. KHR|67|84-85.--Wherens, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

House No. 10-C.

situated at Phase III-A, Mohali.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in Dec. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or an, moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sneh Prabha Verma Wo Sh. M. K. Verma through his G. P. A. Sh. Raj Chand Sondhi Rlo 627 Phase V, Mohali.

(Transferor)

(2) Smt. Tajbinder Kaur, Wo S. Jaswant singh Saim Rlo H. No. 10-C. Phase-III, Mohali.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-C. Ph. 2 III-A, Mohali Ieh, Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No 3641 of Dec. 1984 of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Range, Ludhiani

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dite : 8-8-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 3th August 1985

Ref. No. KHR|68|84-85. --Whereas, 1, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000, and bearing
Lund measuring 7K 1M
situated at Bar Maira, Teh, Kharar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in Dec. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Ralla Singh, Hazura Singh, Bhajan Singh, Sslo Kirpa Singh and Sampuran Singh, Charan Singh, Karnail Singh Sslo S. Hazura Singh Rlo Vill. Bar Majra Teh. Kharar. (Transferor)

(2) Sh. Jagitt Singh Slo Sh. Pal Singh Rlo 503. Hill-N-Se-72, Peli Hill, Road. Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 7K 1M at Vill. Bar Majra, Jeh. Kharar, (The property as mentioned in the sale Jeed No. 3043 of Dec. 1984 of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGIL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-8-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. KHR(69/84-85.—Whereas, I, 10GINDFR SINGH, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and hearing Land measuring 14K 13M

Rs. 1,00,000]- and hearing
Land measuring 14K i3M
situated at Vill. Bar Majra Teh. Kharar,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kharar in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and low
- \*\*D) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ralla Singh,
Hazuta Singh,
Bhajan Singh,
Sslo Sh. Kirpa Singh and
Sampuran Singh,
Charan Singh,
Sslo Sh. Hazuta Singh
all Rlo Vill, Bar Majta
Teh. Kharar.

(Transferor)

(2) Pal Tech, Industries (Pvr.) Ltd.
Register f Office E-6 Rajouri Garden,
New Delhi
through its Director Sh. Baldeep Singh
R/o E-6 Rajouri Garden
New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 14K 13M at Vill. Bar Maita Tch. Kharar, (The property as mentioned in the sale deed No. 3644 of Dec 1984 of the Registering Authoraty Kharar.)

JOGINDER SINGH
Commetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludh'ana

\_Dote : 8-8-1985

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. CHD\84\85-85.—Whereas, I, JOGIND! R. SING!I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Residential Annaval and plot 5to 281 tand more fully discribed in the Schedule annaval hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in Disc. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aofresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infloring per cent of such apparent consideration and that the following the such the safet is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of with the object of:—

(a) facilitating the reduction or syssion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) feedilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons namely:—

(1) Lt. Col. V. K. Ralli Clo House No. 3221 Sector 21-D, Slo Late Sh. I. M. Ralli Chandigarh.

(Transferoi)

(2) S. Attan Singh
Slo S. Gulab Singh
and S. Gurpal Singh
Slo S. Attar Singh
S. Attar Singh
R. Attar Singh
Rlo 22/1A. Naraina Industrial Area, Phase-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Residential Annexee No. 281, Sector 33-A. Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 873 of Dec. 1984 of the Registering Authority Chandigarh.)

10GINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-8-1985

Scal:

1516 N. 11715 ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(4) Shri Rattan Chand S/o Shri Todar Mal, R/o H. No. 408, Sector 15A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Tarlok Chand S/o Shri Todar Mal, R/o H. No. 408, Sector 15A, Chandigarh.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 7th August 1985

Ref. No. CHD|88|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

1/2 share in House No. 408, situated at Sector 15A, Chandigarh

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (13) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/2 share in Houst No. 408 Sector 15A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 908 of December, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 7-8-1985

Scal:

FORM ITNS \_\_\_\_\_\_ (1) Shri Anil Kapur

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, J.UDHJANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

I udhiana, the 7th August 1985

Ref. No. CHO|90|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-fiter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovemmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000, and hearing House No. 730, situated at Sector 22-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of Chandigarh in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-iax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
64—236GI/85

(1) Shri Anil Kapur S/o Shri K. D. Kapur, Resident of USA through his general attorney Shri Raj Malhotra S/o Shri Gian Chand Malhotra R/o H. No. 1019 Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferoi)

(2) Mrs. Prem Lata W/o Shri Jagdish Mittar Joshi R/o II. No. 730, Sector 22-A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of nublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 730 Sector 22-4, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 914 of December, 1984 of the Registering Authority. Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 7-8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE. LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 7th August 1985

#### JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

House No. 1938 situated at Sector 22-B, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Rigistering Officer at Chandigarh in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fah market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Chander Mohan
2. Shri Ravi Kant,
3. Shri Sudhir Mohan,
4. Shri Vijay Kumar
All sons of Shri Ishar Dass
R/o H. No. 1922 Sector 22-B,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Mulkh Raj S/o Shri Karam Chand and Smt. Kulwant Rani W/o Shri Mulkh Raj R/o C/o H. No. 2539-A. Sector 20-C, Chandigarh.

(Transferec)

(3) Appollo Property Dealers, H. No. 1938 Sector 22-B, Chandigarh.

( Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (h) by any person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 1938, Sector 22-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 924 of December, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhana

Date: 7-8-1985

Scal :

#### FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 7th August 1985

Ref. No. CHD[97]84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Shop-cum-Flat site No. 223, situated to Morket and summersial Counter Morket and summer

situated at Motor Market and commercial Complex, Manimajra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1984

Chandigarh in December, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the chieft of ... transfer with the object of :-

(1) Mrs. Indu Kopani W/o Shri Harsh Kumar As Lawful General Attorney of Dr. (Mrs.) Kusum B. Ahlawat Woo Dr. Chattar Singh Ahlawat, R/o H. No. 102, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Balraj Singh Gill S.'o Shri Balwant Singh and Smt. Parminder Kaur Gill Wo Shri Balraj Singh Gill, R/o H. No. 725 Sector 11, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer: endior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1967):

THE SCHEDULE

Shop-cum-Flat site No. 223 Motor Market and Commercial Complex, Manimajra, U.T., Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 934 of December, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-8-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 7th August 1985

Ref. No. CHD|99|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

House No. 319, situated at Sector 21A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Rtgistering Officer at Chandigarh in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfermed/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Smt. Satya Bala Widow of late Shri A. N. Thakar, House No. 319, Sector 21A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S. Inderjit Singh S/o S. Mangal Singh, As Trustee of his Family Trust, House No. 109, Sector 21A,

(Transferee)

Chandigarh.
(3) Shii Rupesh Goyal,
H. No. 319, Sector 21A,
Chandigarh.

Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Sazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 319, Sector 21A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 955 of December, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDIIIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 7th August 1985

Ref. No. CHD|104|84-85.--Whereas, I, JAGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1 00 0001, and hearing

Residential site No. 116, situated at Sector 36A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Chandigarh in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said -Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sunil Kumar Satia & Sons (HUF), Through Shri Sunil Kumar Satia, Karta, son of Shri Kishore Chand Setia R/o House No. 502, Sector 8-B, Chandigarh. Through his Special Attorney Shri Ramesh Chander Setia S/o Shri Keshore Chand Setia R/o H. No. 502, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh Atwal S/o Shri Pritam Singh Mrs. Daljit Kaur W/o Shri Mohinder Singh Atwal R/o Village and P.O. Khurdpur, Distt, Jalandhar.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential site No. 116, Sector 36-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No.

960 of December 1984 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Ludhiana

Date: 7-8-1985

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDH!ANA

Ludhiana, the 7th August 1985

Ref. No. CHD|105|84-85.--Whereas, I, JAGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing House No. 1697, situated at 33-D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Rigistering Officer at Chandigarh in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Surjit Singh S/o Shri Amar Singh R/o 390/4, S.P. Marg Officers Enclave, New Delhi-21.

(Transfe ror)

(2) S. Balwant Singh Sandhu S. o S. Chanan Singh Sandhu R|o B.-1 Subhadra Flats Navrangpura, Ahmedabad-9. Through his general attorney Shri Kuldip Singh Jarg, S. o Capt. Teja Singh R o 141 Munirka Enclave, Near Vasant Vihar Bus Depot, New Delhi.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 1697 Sector 33-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 968 of Dec. 1984 of the Registering Authority, Chandigarh). Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 7-8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Lt. Col. Bhim Sain S/o Shri Bindra Ban. R|o No. 2|1 Prem Bhagat Enclave, Chinai Complex, Udhampur, J&K.

(Transferor)

(2) Shri Balraj Singh Rai So Shri Jaswant Singh Rai, Shri Prince Raj Singh Rai Slo Shri Jaswant Singh Rai, Shri Jaswant Singh Rai S/o Shri Arjan Singh Rai, Rlo H. No. 632, Sector 33-B, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

> > Ludhiana, the 7th August 1985

Ref. No. CHD|107|84-85.—Whereas, I, JAGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No. House No. 632, situated at Sector 33-B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Rtgistering Officer at Chandigarh in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Lix Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 632 Sector 33-B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale Deed No. 974 of December 1984 of the Registering Authority. Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: -

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 7th August 1985

Ref. No. NHN|4|84-85.--Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Land measuring 3 Bigha 1 Biswa situated at Village Ogli, Kala Amb Teh, Nahan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Rtgistering Officer at Ludhiana in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exteeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of canafer with the object of:--

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the ise of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per o... namely:-

(1) Shii Kher Din s/o Allahi Bax R/o Village Ogli Kala Amb, Teh, Naban,

- -- ------

(Transferor)

(2) M/s. Umesh Industrial Enterprises Pvt. Ltd. Kala Amb Nahan Through Managing Director Shri Gobind Ram Kohli S/o Shri Nanak Chand Kohli R, o 40, Shivaji Park Model Town, Yamuna Nagar, Distt. Ambala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degreed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bigha 1 Biswa at Village Ogli, Kala Amb, Teh. Nahan.

(The property as mentioned in tht sale Deed No. 252 of Dec. 1984 of the Registering Authority, Nahan.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-8-1985

 Smt. Prem Lata Sood W/o Shri Bal Bahadur Kumar, R/o 49-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(2) Smt. Mohinder 'Kaur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1/21 (2.4 (1) (1) (4) (7F 1961)

W/o S. Balwant Singh, R/o 26D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 7th August 1985

Ref. No. LDH|384|84-85.--Whereas, I,

Ref. No. LDH/384/84-85.—Whereas, 1, JOGD/IDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing 1/3 share of House No. 19-1 (instead of Sarabha Nagur, Ludhiana)

and the control of the state of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of temperary with the object of the said instrument. of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ıd/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-65 236GT/85

## THE SCHEDULE

1/3rd share of House No. 19-I, Sarabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale Deed No. 8691 of December, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Shri Sukhpat Rai Aggarwal
 S/o Shri Kunj Behari Lal
 R/o Back Side of Congress-I Office, G.T. Road,
 Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chander S/o Shri Ved Parkash, R/o 771, Patel Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 7th August 1985

Ref. No. LDH|355|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

1/4 share in H. No. B.VII.1108 situated at Sarai Bansi Dhar, Chowk Ghanta Ghar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Rtgistering Officer at Ludhiana in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

## THE SCHEDULE

1/4 share in H. No. B.VII.1108, Sarai Bansi Dhar, G.T. Road, Ludhiana,

(The property as mentioned in the sale Deed No. 8414 of December. 1984 of the Registering Authority. Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 7th August 1985

Ref. No.LDH|356|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

1/4 share in H. No. B.VII.1108 situated at Sarai Bansi Dhar, Chowk Ghanta Ghar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Rtgistering Officer at Ludhiana in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Ashok Kumar Aggarwal
 S/o Shri Kunj Behari Lal
 R/o Back Side Congress-I Office, G.T. Road,
 Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Bhushan Goyal s/o Shri Ved Parkash, R/o 771, Patel Nagar, Civil Lines,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this more in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4 share in H. No. 8.VII.1108, Sarai Bansi Dhar, Ghanta Ghar Chowk Ludhiana.

(The property as mentioned in tht sale Deed No. 8415 of the Registering Authority, Ludhiana.

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Now, therefore. in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-8-1985

#### ORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 9th Agust 1985

No. CHD 87 84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No. SCO No. 188-189, Sector 8, situated at Sector 8, Madhya Marg, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have the respective of the Registration Act, 1908 (16 of the Re

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Satnam Singh So Sh. Jawant Singh Mrs. Namita S. Singh Wo Sh. Satnam Singh, Sh. Vishal Singh (Minor) Through his father and natural guardian Sh. Satnam Singh R|o H. No. 2136 Sector 15-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Bhajan Singh So Sh. Keshar Singh Ro 10-I, 6 Hastings Park Road, Calcutta-27

(Transferee)

(3) M|s Modi Carpet Ltd. SCO No. 188-189, Sector 8, Madhya Marg, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCC No. 188-189, Sector 8, Madhya Marg, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 893, of Dec. 1984 of the Registering Authority Chandigarh)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ax (1) the following persons, namely :-

Date: 9-8-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISTTION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 9th Agust 1985

Ref. No. CHD|108|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

House No. 1230 situated at Sector 8-c Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi at Chandigarh in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(A) themsating the reduction of evasion of the insulty of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any acome or any atomeys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Major T. S. Ahlawat (Rtrd)
(NowCol.) son of Sh.
R. S. Ahlawat, R|o
H. No. 2186, Sector 19, Chandigarh

(Transferor)

(2) Sh. C. S. Rajwant H.UF.. Clo House No. 252 Sector 35, Chandigarh.

Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1230 Sector 8-c, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 975 of Dec. 1984 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date :9-8-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 9th Agust 1985

Ref. No. CHD[85]84-85,—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value. Rs. 1,00,000]- and bearing No. SCF No. 1 situated at Sector 27D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering officer at Chandigarh in Dec. 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Mangat Ram Sethi So Late Sh. Gala Ram Schti Smt. Shashi Sethi W[o Sh. Mangat Ram Sethi Smt. Kaushalya Rani Wo Sh. Prem Sagar, through General Attorney M. R. Sethi Smt. Daya Rani wo Sh. Tek Chand Smt. Shiv Rani Wo Sh. Sham Sunder through their General Attorney Sh. Mangat Ram Sethi Smt. Sunita Rani W G Sh. G. D. Sachdeva through General Attorney Sh. Mangat Ram Sethi Ro SCF No. 1, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Kesho Ram Sjo Sh. Ram Chand Smt. Murthi Devi Wo Sh. Kesho Ram Smt. Kanta Devi Smt. Kanta Devi Wlo Sh. Chhota Ram Snnjeev Kumar (minor) Slo Sh. Chhota Ram all Rlo H. No. 247 Sector 35-A, Chandigah.

(Transferee)

(3) M|s Friends Stationer Mart. SCF No. 1, Sector 27-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCF No. 1, Sector 27-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 876 of Dec. 1986 of the Registering Authority Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date :9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING

LUDHIANA

Ludhiana, het 12th August 1985

Ref. No. LDH|373|84-85.-Whereas, I,

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

1/9th share of H. No. B.XX.1171/6 (23D) situated at Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair ma ket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said her to the following nersons, tiamely : ---

(1) Shri Ajit Singh Gill S/o S. Manmohan Singh, Through Manmohan Singh, R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

(2) Shri Mitpal Singh S/o S. Harbhajan Singh, R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/9th share of H. No. B.XX.1171/6(23D), Sarbha Nagar, (The property as mentioned in the sale deed No. 8621 of Dec. 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ajit Singh Gill S/o S. Manmohan Singh, Through Manmohan Singh, R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Navtaj SinghS/o Shri Harbhajan Singh,R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, het 12th August 1985

Ref. No. I DH|367|84-85.--Whereas, I, JOGINDER SINGII, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing 1/9th share of Kothi No. 23-D

situated at Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said isomovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/9th share of Kothi No. 23-D, Sarbha Nagar, I udhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 8621 of Dec. 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax A quisition Range, Ludhiana

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) S Manmohan Singh Gill S/o Shri Anokh Singh, R·o II. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Mohinderjit Kaur W/o S. Charanbir Singh, R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING **LUDHIANA** 

Ludhiana, het 12th August 1985

Ref. No. LDH|374|84-85.-Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Iudhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing 1/9th share of H. No. B.XX.1171/6 (23D) situated at Sorabha Nagar, Ludhiana situated at Sarabha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore have a some consideration therefore the apparent consideration therefore the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore have a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore have a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore the property as a foresaid exceeds the apparent consideration that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration that the property as a foresaid exceeds the p said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/9th share of H. No. B.XX.1171/6(23D), Sarbha Nagar, (The property as mentioned in the sale deed No. 8642 of Dec. 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.)

THE SCHEDULE

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (t) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-66 -236 GI 85

Date: 12-8-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, het 12th August 1985

Ref. No. LDH|566|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000; and bearing '1/9th share of Kothi No. 23-D situated at Sarabha Nagar, I udhlana tend more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I udhlana in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

 S. Manmohan Singh Gill S/o Shri Anokh Singh, R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur W/o Shri Seeepal Singh R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhlana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/9th share of Kothi No. 23-D, Sarbha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 8728 of Dec. 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
I udhiana

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, het 12th August 1985
Ref. No. LDH|380|84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
1/9th share of H. No. B.XX.1171/6 (23D)
situated at Sarabha Nagar, Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Ludhiana in December, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S. Manmohan Singh Gill S/o Shri Anokh Singh, R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Varinder Kaur W/o S. Navtej Singh R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

1/9th share of Kothi No. 23-D, Sarbha Nagar, Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 8621 of Dec. 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER: SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-8-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 194-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 12th August t1985

Ref. No. LDH|381|84-85.—Whereas, I, JOGJNDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!- and bearing No. 1/9th share of H. No. B.XX.1171/6 (23D) situated at Sarabha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in cursuance of Section 269C or the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Ajit Singh Gill
 So S. Manmohan Singh Gill,
 Through S. Manmohan Singh,
 R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar,
 Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Charanbir Singh S|o| S. Harbhajan Singh, R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/9th share of H. No. B.XX.1171/6(23D), Sarbha Nagar, (The property as mentioned in the sale deed No. 8621 of Dec. 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Ludhiana

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHJANA

Ludhiana, the 12th August t1985

Ref. No. LDH|390|84-85.—Whereas, 1 JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 1/9th share of Kothi No. 23-D situated at Sarabha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than lifteen per cent of such apparent

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andlor

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-F section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri S. Ajit Singh Gill Slo S. Manmolian Singh Through S. Manmohan Singh Gill R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Parminder Kaur W/o S. Manjit Singh, Ro H. No. 23D. Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/9th share of Kothi No. 23-D, Sarbha Nagar, Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 8729 of Dec. 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-8-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 12th August t1985

Ref. No. LDH|368|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. 1/9th share of Kothi No. 23-D situated at Sarabha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 S. Manmohan Singh Gill S/o Shri Anokh Singh, R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. Manjit Singh
 S/o S. Harbhajan Singh,
 R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar,
 Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/9th share of Kothi No. 23-D, Sarbha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 8561 of Dec. 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uder sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Date: 12-8-1985

----<del>----</del>

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING **LUDHIANA** 

Ludhiana, the 12th August t1985

Ref. No. LDH|394|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 1/9th share of Kothi No. 23-D situated at Sarabha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the (iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of way income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

(1) S. Manmohan Singh Gill S/o S. Anokh Singh, S. Badan Singh and S. Ajit Singh Through S. Badan Singh GPA R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Avtar Kaur Wd/o Shri Harbhajan Singh, R/o H. No. 23D, Sarabha Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/9 share of Kothi No. 23-D, Sarbha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 8780 of Dec. 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :-

Date: 12-8-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Smt, Kamaljit Kaur Wo S. Darshan Singh, Ro 58-1. Saibha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|409|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority uder Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. [15th share of building No. B-2-1555|2 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near Clock Tower Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December 1984

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

(2) Smt, Ranbir Kaur Wlo S. Karamjit Singh, Rlo 522, Rattan Market, Gill Road, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1|15th share of building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 8988 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH[457|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 1|15.h share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near Clock Tower Ludhiana

Clock Tower Ludhiana
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Ludhiana in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ameta which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act. to he action for—236 GII85.

Smt. Kamaljit Kaur
 Wo S. Darshan Singh,
 Ro 59-I, Sarbha Nagar,
 Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. Karamjit Singh S|o S. Harbhajan Singh, R|o 522, Ratan Market, Gill Road, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower, 1 udbians.

(The property as mentioned in the sale deed No. 9337 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhlana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Ludhiana

Jute : 6 2-1922

### FUKM IINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1Ax AC1, 1961 (43 UF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-1AX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|407|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-iax Act. 1901 (45 of 1901) (necessation reteriod to as the 'said Act'),

have reason to believe that the imar make property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 1/15 h share of Building No. B-2-1555/1 and 1555/2 (o.d.) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near Clock Tower Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in December 1984 tor an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Harjeet Kaur Wio S. Kuidip Singh, Kilo 58-1, Sarbus Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. Baldev Singh Slo S. Dalip Singh, Rlo 522, Kattan Market, Gill Road, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

I|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower, Ludhians.

(The property as mentioned in the sale deed No. 8986 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Pange,
Ludhiase

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

Seul :

## FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|433|84-85.—Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter reterred to as the said Act') have reason to believe that the innevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 1|15,h share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near Clock Tower Ludhiana

(and more fully a scribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December 1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

How, the source, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Har Jeet Kaur
 Wo S. Kuldip Singh,
 Ro 59-1, Sarbha Nagar,
 Ludhiana.

(Transferer)

(2) Smt. Iqbal Kaur W|o S. ωαιρ singh, R|o 522, Ratan Market, Gill Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

I|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 9178 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

IOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Luchiana

Date : 8-8-1985

#### PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHLANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|462|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Compount Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

1/15th share of Building No. B-2-155/1 and 1555/2 (Old) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near Clock Tower Ludhiana

(and more fully described in the Scheduse annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in December 1984

tor a... apparer to mon which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any medical ansing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oth the wall has been nor which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Kamaljit Kaur Wlo S. Da.shan Singh, Rlo 59-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. Baldev Singh Slo S. Dalip Singh, Rlo 522, Rattan Market, Gill Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hersin as are defined in Chapter XXA or the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

I|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower Ludhiang.

(The property as mentioned in the sale deed No. 9380 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pange,
Ludhiana

Date: 8-8-1985

#### FORM NO. I.T.N.S.--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|445|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Compount Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

No. 1/15-h share of Building No. B-2-1555/1 and 1555/2 (old) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near Clock Tower Ludhiana

(and more 1997) accepted in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro erty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trensferor to pay has under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any someys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of '922) or the said Act, or the Wealth-iex Act, 1957 (27 of 1957);

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afferonid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Harjeet Kaur Wlo S. Kuldip Singh, Rlo 59-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Ranbir Kaur Wlo S. Karamjit Singh, Rlo 522, Ratian Market, Gill Road, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 d and it to of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Ac. shall have the same meaning as given in ment Chapter.

### THE SCHEDULE

I|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 9247 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-8-1985

#### FURM ITNS----

Smt. Surinder Kaur
 Wo S. Manjit Singh,
 Ro 59-I, Sarbha Nagar,
 Ludhiana.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Ranbir Kaur Wo S. Karamjit Singh, Rlo 522, Rattan Market, Gill Road, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|423|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. 1|15 h share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near Clock Tower Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the R gistration Act, 1908 (16 of 1961) in tht Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Acc in respect of any income arming from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expurse later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

himplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

I|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 9098 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

IOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

New, therefore, in pursuance of Section 26°C of the smill Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscotion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

Seml :

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|434|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 |43 of 1961) (hereinafter referred to 48 the 'Said Act') have reason to believe that the isamovable property having a fair market value acceeding Rs. 1,00,000/-Rs 1.00,000l, and hearing

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 1|15 h share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2
(old) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near
Clock Tower Ludhiana

Clock Tower Ludmana
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the R gistration Act, 1908 (16 of
1961) in th Office of the Registering Officer at

Ludhiana in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the said Met. I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely test

- (1) Smt. Surinder Kaur Wo S. Manjit Singh, Ro 59-1, Sarbha Nagar, Ludhiana.
- (2) S. Karamjit Singh Slo S. Harbhajan Singh, Rlo 522, Ratian Market, Gill Road, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in (hapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

I|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower, Ludhiana,

(The property as mentioned in the sale deed No. 9179 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Harjeet Kaur Wlo S. Kuldip Singh, Rlo 59-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(2) S. Karamjit Singh Slo S. Harbhajan Singh, Rlo 522. Ratian Market, Gill Road, Ludhiana.

(Transferee)

(Transferor)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|459|84-85.—Wheeras, 1, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersally property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing

No. 1/15 h share of Building No. B-2-1555/1 and 1555/2 (old) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near Clock Tower Ludhiana

(and more unity) sed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Is come-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Ac., or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/15th share of Building No. B-2-1555/1 and 1555/2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 9339 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhan.

Now, therefore, in rursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDII|443|84-85.—Whereas, I, JOGINDER\_SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 1/15th share of Building No. B-2-1555/1 and 1555/2 (old) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near Clock Tower Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facultating the reduction or evasion of the tlability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the followaforesaid property by the issue of this notice under subrersons, namely :-

68 -236GI|85

(1) Smt. Kamaljit Kaur Wlo S. Darshan Singh, Rlo 59-1, Sarbha Nagar. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. ParminderKaur Wlo S. Baldev Singh. Rlo 522, Rattan Market, Gill Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 9245 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 8-8-1985

#### PART III—SEC 1 <del>------</del>

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Smt. Harjeet Kaur Wo S. Kuldip Singh, Ro 59-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|422|84-85.—Whereas, I, TOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Rs. 1,00,000]- and bearing

31544

No. 1|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near Clock Tower Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in December 1984

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) Smt. ParminderKaur Wlo S. Baldev Singh, Rlo 522, Rattan Market, Gill Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

I|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 9097 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range Ludhiana

Date : 8-8-1985 Seal :

## MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, ŁUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|458|84-85,—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 1/15th share of Building No. B-2-1555/1 and 1555/2 (old) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near Clock Tower Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at

I udhiana in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consinderation theregion by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Smt. Surinder Kaur Wlo S. Manjit Singh, Rlo 59-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

S. Baldev Singh
 S. Dalip Singh
 Rlo 522, Ratlan Market, Gill Road
 Ludbiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

I|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 9338 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range, Ludhjana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Surinder Kaur S. Manjit Singh R|o 58-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Parminder Kaur Wo S. Baldev Singh Rio 522, Rattan Market, Gill Road, Ludhiana.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|406|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing 1|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near Clock Tower Ludhiana (and proper fully described in the Schedule conveyed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in smacet of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1|5th share of Building No. 2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass Near Clock Tower Lud

(The property as mentioned in the sale deed No. 8987 of Dec., 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :-

Dalo: 8-8-1985

سر ياني

## FORM I.T.N.3.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|427|84-85.—Whereas, I.

Ref. No. LDH|427|84-65.—whereas, 1, JOGINDER SINGH. neing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 1 share of House No. 132-R situated at Model Town, Ludbiage.

hiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the cronerty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shanti Sarup So Shri Ram Ditta Ro 132-B, Model Town, Ludhiana

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur Wlo Sh. Yash Singh Rlo 132-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of H. No. 132-R, Model Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 9160 of Dec., 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under enbaction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-8-1985

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|378|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Property being Manna Singh Cold Storage at 8K 4M situated at Kara Bara,L udhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he Office of the Regisering Officer at Ludhiana in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of namefer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) M/s Manna Singh Cold Storage Bye-pass near Sabzi Mandi, Ludhiana through Smt. Tajinder Kaur W/o S. Manna Singh R/o H. No. B-2, 738/2, G. T. Road, Ludhiana and S. Raghbia Singh So S. Ram Singh and S. Kanwalnan Singh and Jasjit Singh So S. Raghbir Singh R o Ambala, and Smt. Tajinder Kaur Wo S. Parmiit Singh So S. Manna Singh Ro B-2, 738[2, G. T. Road,

(Transferor)

Ludhiana

(2) M|s kissan Cold Storage, G. T. Road, Byc-pass Ludhiana through S. Palwinder Singh S|s Shri Gurcharan Singh Shri Preedmohinder Singh S|o S. Gurcharan Singh S. Gurcharan Singh So S. Harnam Singh Ro Vill. Sakhowal, Teb. & Dist. Ludhiana. Smt. Paramjit Kaur
Woo S. Ranjodh Singb
Ro Vill. Heera Teh. & Dist. Ludhiana
S. Jagir Singh so S. Chet Singh
Ro H. No. 146,
Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being Manna Singh Cold Storage at 8K 4M at Kara Bara, Ludhiana.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 8631 of Dec., 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range, Ludhiana

Date: 8-8-1985

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. CHO|83|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the fracome-fax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value esseeding

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

H. No. 3230 situated at Sector 27-D, Chandigath (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in Dec., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to before that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hari Ram Dua Slo Shri Jiwan Dass Dua Shri Munshi Ram Gulati Slo Shri Gulab Ram Gulati Rlo Kothi No, 3230, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Kaur Wo Shri Bhagwan Singh Shri Bhagwan Singh So Shri Ram Singh Ro Vill. Brahampura, Teh. Taran Taran, Dist. Amritsar, Punjab.

(Transferce)

(3) hri Kirpal Singh
Shri Kirtar Singh
Shri Gurcharan Singh
Shri Prem Singh
Shri Ajit Singh
Shri Rajinder Singh
all R|o H. No. 3230,
Sector 27-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3230, Sector 27-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 860 of Dec., 1984 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range, Ludhiana

Da'o: 8-8-1985

### Carlo FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. CHD|103|84-85,---Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

and bearing SCF No. 156 to 158A & 158B to 160 situated at Sector 8.

Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he Office of the Regisering Officer at Chandigarh in Dec., 1984

Chandigarn in Dec., 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the eforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
executes the apparent consideration therefor by more than
fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons as welly:-

(1) 1. Shri Mohan Singh (HUF) S|o Shri Sher Singh 2. Sh. Sukhdev Singh (HUF) S|o Sh. Mohan Singh 3. Sh. Inderjit ingh (HUF) S|o Sh. Mohan Singh 4. Sh. Jagbir Singh (HUF) S|o Sh. Gurmukh Singh 5. Smt. Kiran Deep W|o Sh. Jagbir Singh 6. Sh. Baldev Singh (HUF) S|o Sh. Gurmukh Singh 7. Smt. Gurdeep Kaur W|o Sh. Baldev Singh 8. Neelam Kaur D|o Sh. Jagir Singh All R|o C|o H. No. 130, Sector 9-B, Chandigarh.

(Transferor)

(Transferor)

(2) Sh. Bhagat Singh (HUF) So Saran Singh Sh. Harcharan Singh (HUF) So Sh. Saran Singh Sh. Harnam Singh (HUF) So Sh. Prem Singh Smt. Harnam Singh (HUF) So Sh. Prem Singh Smt. Dalvinder Kaur Wo Sh. Bhagat Singh Sh. Jaswant Singh Mann (HUF) So late Sh. Labh Singh Sh. Mohinder Singh (HUF) So Sh. Dogar Singh Smt. Surjit Kaur Wo Sh. Mohinder Singh Smt. Ravinder Kaur Do Sh. Harbhajan Singh Balvinder Kaur Do Sh. Harbhajan Singh Smt. Jaswant Kaur Wo Sh. Harnam Singh Smt. Jaswant Kaur Wo Sh. Harnam Singh Amarinder Kaur Do Sh. Pritam Singh Sh. Prithipal Singh So Sh. Jagir Singh All Co House No. 130, Sector 9-B, Chandigarh.

(Transferce)

(3) Swaraj Mazda (Govt. undertaking) SCF No. 156|158A & 158B-160, Sector 8, Chandigarh. (Person in occupation of the property)

(4) Amarjit Singh (HUF)
Swaran Kaur, Sant Kaur, Jagir Singh (HUF)
Kanwaljit Singh (HUF), Varinder Kaur, Karan
Singh, Surinder Singh (HUF) Parminder Kaur
SCF No. 156|158A & 158B—160,
Sector 8, Chandigarh

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferenic persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

SCF No. 156|158A & 158B—160, Sector 8, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 959 of Dec., 1984 of the Registering Authority. Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range, Ludhiana

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 12th August 1985

Ref. No. IDH|397|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Land measuring 71 Kansals 12 Marlas (Khata No. 417|
476—419|478, 420|479—421|480—432|494 situated at Dhandari Kalan Tehsil

dari Kalan Tehsil
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in he Office of the Regiscring Officer at
Ludhiana in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

69 -- 236GI]85

- (1) S|Shri Darshan Singh, Jeet Singh, Maljit Singh,
  Maghar Singh Ss|o S. ardara Singh & S|Sh. Gurnam Singh, Gian Singh Ss|o S. Naranjan Singh,
  R|o Dhandari Kalan, Tehsil Ludhiana.
  - (2) Wing of Small Industrial Units, All India Cycle Trade Travellers Association (Regd.) Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 71 kanals 12 Marlas (Khata No. 417) 476—419 478, 420 479—421 480—432 494 situated at Dhandari Kalan, Tehsil Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 8828 of December, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range, Ludhiana

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th August 1985

Ref. No. CHD|91|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. sare H. No. 23 situated at Sector 9-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Vinod Kumar Aggarwal So Sh. Faqir Chand Aggarwal Advocate. Ambala City.

(Transferor)

(2) Sh. Rakesh Kumar Aggarwal Slo Sh. Fagir Chand Aggarwal Advocate, Ambala City. Mrs. Nisha Aggarwal Wo Sh. Rakesh Kumar Aggarwal Ro Anaz Mandi, Ambal aCity.

(Transferee)

(3) Sh. Krishan Kumar Aggarwal Rlo H. No. 25, Sector 9-A. Chandigarh Mrs. Kamal Talwar Sh. B. C. Mehra to Brigadier Sh. Dharam Pal Sh. Tej Pal Smt. Sundari all R|o H. No. 23, Sector 9-A, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

share H. No. 23, Sector 9-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 915 of Dec., 1984 of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGIL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range, Ludhiana

Date: 9-8-1985

#### PORM ITME

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Surinder Kaur Wo S. Manjit Singh Ro 59-I. Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Iqbal Kaur Wo S. Dalip Singh Ro 522, Rattan Market, Gill Road, Ludhinna.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH[444]84-85.—Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immev-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00]- and bearing 1|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) situated at Kucha Sant Dass Near Clock Tower, Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have crason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as anreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein and defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- Act, 1957 (27 of 1957):

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ten

THE SCHEDULE

1.15th share of Building No. B-2-1555 t and 1555 2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 9246 of Dec., 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asett. Commissioner of Income-tax Acuisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 249C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-8-1985

### GOVERNMENT OF INDIA

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Kamaljit Kaur Wo S. Darshan Singh Ro 59-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Iqbal Kaur W|o S. Dalip Singh R|o 522, Rattan Market, Gill Road, Ludhiuna.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th August 1985

Ref. No. LDH|435|84-85.—Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

1|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554( New) situated at Kucha Sant Dass, Near Clock Tower, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) n the Office of the Registerng Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

1|15th share of Building No. B-2-1555|1 and 1555|2 (old) B-2-1554 (New) Kucha Sant Dass, Near Clock Tower, Ludhiana.

((The property as mentioned in the sale deed No. 9180 of Dec., 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THB INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th August 1985

Ref. No. LDH|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>3</sub>. 1,00,000 and bearing

I share of II. No. 132-R situated at Model Town, Ludmana (and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Shanti Sarup
 Sho Sh. Ram Ditta
 Rho 132-R, Model Town
 Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur Wlo Sh. Yash Pal Singh Rlo 132-R, Model Town. Ludhiana,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

4 share of H. No. 132-B, Model Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 9177 of Dec., 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range, Ludhiana

Date: 9-8-1985

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th August 1985

Ref. No. LDH|395|84-85.--Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

Land measuring 2 bighas pukhta situated at Dagri, Teh, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market falue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S|Shri Jaspal Singh, Gurmukh Singh, ss|o S. Naurata Singh & Shri Avtar Singh S|o S. Sardara Singh R|o V. Dugri, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

 Shri Kuldip Singh Slo S. Puran Singh, 98, Model House, Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of '45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULB

Land measuring 2 bighas (pukhto) situated at Dugri, Tch. Ludhiana. (The Property as mentioned in the sale deed No. 8791 of December, 1984 of the Registering Authority. Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 91811985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th August 1985

Ref. No. LDH 376 84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 1|4 share of H. No. B-XX(1193]22 situated at Sarbha Nagar

Ludh'iana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

at Ludhiana in December, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fift on per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parales has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Neena Wadhwa wlo Ravinder Kumar Wadhwa R[o 3-1, Sarbha Nagar Ludhiana.

(Transferor)

(2) M|s Rishi Pal Properties (P) Ltd. 704, Pragati Towers, Rajindera Palace New Delhi. through S. Manmohan Singh Director of the Company,

<del>randa <u>arangan</u>a bermananan</del> da wa<del>nada</del>n kabupat tang bermalah ka

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

1|4 share of H. N. B-XX-1195|22, Sarbha Nagar Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 8628 of Dec. 1984 of te Registering Authority Ludhiana.)

> JOGINDER SINGP Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 9-8-1985 Seal

(1) Sh. Ravinder Kumar Wadhwa S|o Sh. Dwarka Dass R|o 3-1, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th August 1985

Ref. No. LDH|377|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing 1|4 share of H No. B-XX-1195|22, situated at Subhra Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that hte consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) M[s. Rishi Pal Properties (P) Ltd. 704, Pragati Towers, Rajindera Palace New Delhi through S. Manmohan Singh Director of the Company.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-XX-1193/22, Sarbha Nagar,

(The property as mentioned in the sale deed No. 8629 of Dec. 1984 of the Registering Authority, Ludhiana)

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9-8-1985

### The rest of the second FORM ITNS-

(1) Sh. Ravinder Kumar Wadhwa Slo Sh. Dwarka Dass Rlo 3-I, Sarbha Nagar Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rishi Pal Propertics (P) Ltd. 704 Pragati Towers, Rajindera Palace New Delhi through S. Manmohan Singh Director of the Company,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th August 1985

Ref. No. LDH|385|84-85.-Whereas, I. JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing 1/4 share of H. No. B-XX-1195/22, situated at Sarbha Nagar Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1|4 share of the H. No. B-XX-1195|22, Sarbha Nagar Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 8692 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhiana.).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-s. Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following parsons, namely:— 70--236GI 85

Date: 9-8-1987

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th August 1985

Ref. No. LDH|386|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and

bearing No. 1|4 share of H. No. B-XX-1195|22 situated at Sarbha Nagar Ludhiano

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Neena Wadhwa Woo Sh. Ravinder Kumar Wadhwa Ro 3-1, Sarbha Nagar Ludhiana.

(Transferor)

(2) Mls. Rishi Pal Properties (P) Ltd. 704, Pragati Towers, Rajindera Palace New Delhi through S. Manmohan Singh Director of the Company.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Clapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1|4 share of H. No. B-XX-1195|22, Sarbha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 8693 of Dec. 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th August 1985

Ref. No. KHR[63]84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

Government in this behalf under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

House No. 228, situated at Phase-I, Mohali Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule below) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Kharar in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax unifer the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Ast, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said \*Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Sh. Des Rai Jain So Sh. Tarai Ram Managing Turstee
  M|s J. J. Family Trust SCO No. 15, Sector 17-E Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Satwant Kaur Wo S. Darshan Singh Oberai R.o H. No. 314, Sectodr 21-A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. 228, Phase-I, Mohali, Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 3615 of Dec. 1984 of the Registering Authority Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9-8-1985

### FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th August 1985

Ref. No. CHD[98]84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and

bearing No. H. No. 75 (built on Plot No. 166) situated at Sector 18-A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability oil the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (31 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

(1) Mrs. Nirmal Khosla Wo Late Dr. Hardev Khosla, Kum Kum Do Sh. Late Dr. Hardev Khosla, Mr. Sunil Khosla So Late Dr. Hardev Khosla Ro 1191, Sector 8-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Akarjeet Kaur Wlo Sh. Partap Singh Rlo 1575, Sector 18, D, Chindagarh.

(Transferce)

(3) Sh. Hawa Singh Hooda Advocate
 H. No. 75, Sector 15, 18-A, Chandigarh.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

H. No. 75 (built on Plot No. 166) Sector 18-A, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 909 of Dec. 1984 of the Registering Authority Chandigarh).

THE SCHEDULE

Date: 9-8-1985

(1) Sri K. Muniappan, Slo Sri Kandasamy Chr., 118, Mecknagai Road, R.S. Puram, CAIMBATORE.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Shanmugasundaram, Slo Sundararamaudayar, Pondypathiram Avudayar Koil St., Pudukkottai-614618.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS, the 9th August 1985

Ref. No. 53|Dec.84|R.II.—Whereas, 1,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Property as specified in schedule to
Doc. No. 4526|84,
3|1 Krishnamenon St., Thelungupalayam,
situated at Coimbatore taluk S, No. 549
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore|Doc. No. 4526|84 on
Dec. 84

Dec. 84
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: 3|1, Krishnamenon St., TheJungupaleyam, Coimabtore Taluk.

Coimbatore|Dec. No. 4526|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-8-85

Seal

\_\_\_\_\_

### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS, the 9th August 1985

Ref. No. 56 Dec.84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, using the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. G.S. No. 376|2 & 376|1 situated at Vadavalli Village Combatore T.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore Doc. No. 4766|84 on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fileen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income vi uny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. K. P. Ayyaswamy and Others, Kaliveerampalayam, Vadavalli Village, Coimbatore Taluk.

(Transferor)

(2) M|s. Abirami Real Estate, by its
 Managing Partner Kannan,
 23, Venkatachalam Road, R.S. Puram Coimbatore.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural lands at Vadavalli Village G.S. No. 376|2, 376|1 Coimbatore Taluk. (Coimbatore Doc. No. 4766|84).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-8-85

(1) Smt. Mariyamuthuammal, Wo Late Devesagayam, 563, Trichy Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri M. S. T. Sampath, 563, Trichy Road, Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE JUSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS, the 9th August 1985

PART III--SEC. ()

Ref. No. 61|Dcc.84.—Whereas, 1,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. T.S. No. 10|1739, situated at Trichy Road, Ramanathapuram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 5555/84 on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westill: Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at Ramanathapuram. (Coimbatore Doc. No. 5555|84).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely .-

Date: 9-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS, the 9th August 1985

Ref. No. 66|Dec.84.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No. T.S. No. 461|1, 449|2, situated at

Ramanathapuram Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 5603 84 on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Sri P. Balasubramanan, 156, Tea Estate, Compound, Race Course, Colmbatore.

(Transferor)

(2) K. Radha, President, 24. Meena Estate, Sowripalayam, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Agricultural lands at Ramanathapuram T.S. No. 461/1, 449<u>|</u>2.

Coimbatore Doc. No. 2372|84,

MRS. M. SAMUFI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax's Acquisition Range-II, Madras.

Date: 9-8-85 Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS, the 9th August 1985

Ref. No. 69 Dec.84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
No. T.S. No. 1|919|1 part, situated at
Anupparpalayam Village Coimbutore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 5508 84 on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons. namely:—
71—236GI|85

 M|s, Vinayak Constructions P. Ltd. 250, Subbiah Mudaliar Street, Coimbatore,

(Transferor)

(2) Sri E. R. A. Kandaswamy, 2|143 Sundarapuram Combatore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land at Anupparpalayam Village Coimbatroc Corporation Limits T.S. No. 1|919|1 part. (Coimbatore Doc. No. 5508|84).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 9-8-85 Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS, the 9th August 1985

Ref. No. 70|Dec.84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair nurket value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. 1|9191|1 part Block No. 12 situated at Anuppaer palayam Village Coimbatore Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 5509|84 on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such saparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. Vinayak Construction P. Ltd., 250, Subbiah Mudaliar Street, Coimbatore-641001.

(Transferor)

(2) Sh. G. Ranganthan and Another Lakshmi Nilayyam, Maniakaramplayam Coimbatore-641006. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Anuppaer palayam Village Coimbator Town 1| 919|1 part Block No. 12. (Coimbatore Doc. No. 5509|84).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

MADRAS, the 9th August 1985

Ref. No. 87 Dec.84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding bearing No. T.S. No. 82 3, 82 4 situated at Upplipalayam CBE TK (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Singanaltur Doc. No. 2372 84 on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. V. Venkatapathy and Others, 2931. Thiruchi Road, Upplipalayam, Coimbatore-15.

(Transferor)

(2) Sri K. Ramasamy, 3, Alamelu Nagar, Kamaraj Road, Upplipalayam Coimbatore-15, Smt. Valliammal, Samathottam, Kayamby Village N. TK.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Upplipalayam T.S. No. 82]3 82]4 Coimbatore T.K.
(Singanallur Doc. No. 2372[84).

MRS. M. SAMUEI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 9-8-85 Seal :

(1) Sri S. R. Ramalingam slo Rangasamy, Thangaperumal Veedhi, Erode.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 93|Dec. 84|R,11.--Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovation property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing No. Ganapattipurum, Palladam situated at Thiruppur District (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Palladam Doc. No. 1857/84 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(2) Sri M. Narayanasamy and M. Lingasamy, Kollathupatti, Periapalayam, Perundurai, Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land: Ganapathipuram, Palladam, Thiruppur district, Pallamadm Doc. No. 1857 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-8-85.

Scal:

### 31571

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 97|Dec|84.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

New Ward No. 13, (Old Ward No. 1), situated at Srinivasa Naicker Street, Kanakkampalayam Village

(and more fully Jescribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet, Coimbatore (Doc. No. 2757|3-12-1984) on Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties have not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri A. Aruchunan, Slo Sri Angamuthu Servai, Srinivasa Naicker Street, Udumalpet Tk., Coimbatore Dt.

(Transferor)

(2) Sri K. Thiagarajan, Slo Sri Kadhirvelu Chettiar, No. 17B, Vinayakar Street, Udumalpet, Tk., Coimbatore Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land and building at New Ward No. 13, (Old Ward No. 1) Srinivasa Naicker Street, Udunalpet, Coimbatore Dt. (S.R.O. Udumalpet, DOC. No. 2757[3-12-84)

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 9-8-85.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

Smt. N. Mangayarkarasi,
 Vinayagan Koil St.,
 Mahalingapuram B. Colony,
 Pollachi.

(Transferor)

(2) Sri Krishnasamy Chettiar, 13, Ramar Koil St., Pollachi— Thottampatti.

(Transferec)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 107|Dec. 84|R.II.—MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Survey ward 5-Pollachi situated at Kaspa Pollachi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi Doc. No. 2392 84 on Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to Doc. No. 2393|84.

Pollachi Doc. No. 2392 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-8-85.

### FORM ITNS----

 Smt. Saboor Bibi, w/o Mohd. Sulaiman, Sirumugai Road, 57, Mettupalayam Town, Chikkadasampalayam.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 111 Dec. 84 R.II.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sai' I Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Chikkadisanpalayam Village, situated at Mettupalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam Doc. No. 2423, 2471 84 on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Sri Vasudevan, Kannan, Sivakumar, Sri M. Gopalakrishnan, Chandramohan, and another, All sons of Halagounder, Bala Kola village, Bengal village, Udagamandalam, Taluk, Nilgiri district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquialtion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural Land Chikkadasampalayam Village, S. No. 396[1, 503[1, 398 Mettupalayam Taluk.

Mettupalayam (Doc. No. 2423, 2471 84.).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons. namely:—

Date: 9-8-85,

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Sri B. Rajubettan Hill Crest, Coonoor.

(Transferor)

(2) Sri R. B. Gopalakrishnan and another Rosery, Coonoor,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 113 Dec. 84.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Rs. 1,00,000 and bearing Rs. No. 171 situated at Coonoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor Doc. No. 1669 & 1670 on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

Land and Building D. No. 135, 137, 138 Ward No. 19. Coonoor Doc. No. 1669 & 1670 84.

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 9-8-85.

end of management of the control of

THE RESERVE OF THE PARTY AND THE THE PARTY IN (1) Sri K. Sellamuthu Pillai and Others Vasantha Road, Dharapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. Raghupathi, 15, Cloth Bazar, Dharapuram.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 114 Dec. 84.—Whereas, J. MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. T.S. No. 75|2C situated at Ward 6 Vasantha Road, Dhara-

puram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharapuram Doc. No. 2838 84 on Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 75|2C Ward 6 D. No. 38 B 1, Dharapuram Road, Vasantha Road. (Dharapuram Doc. No. 2838 84)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-72---236GI|85

Date: 9-8-85.

er erskapmingsvigen (bedvig minnsperied amalike er by dearen vind agge art. ) (bassanser titt) i strutt. Hit i mytte i sterkstranser er by

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 116 Dec. 84.—Whereas, J MRS, M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. T.S. No. 150|4|1 situated at Thottipalayam Palladam T.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Tiruppur Doc. No. 2438|84 on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income atising from the transfer; nod/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. K. Meenakshi, 23, Gathubai govindji Nagar, Kumaranthapuram, Tiruppur Town.

(Transferor)

(2) Smt. R. Santhamani, 3(1) Patthichettyapuram, TiruppurTown.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expresisons used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 150|4|1 Thottipalayam Palladam T.K. (Tiruppur Doc. No. 2438|84).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 9-8-1985

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref No. 117 Dec. 84.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-rax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. T.S. No. 1298,99 1300|31|2
situated at K.P.N. colony, Thiruppur Town
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 o' 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur Doc. No. 2439 84 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri A. Kannuswamy, So Ayyavupillai, 58, Gandhi Road, Anna Nagar Bhavani. Transferor)

(2) Smt. P. Mageswari, Wo Parthasarathy, 3-E Patthichettypuram, Thiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property case be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building 15 Ward Union Mill Road, KPN Colony, 2nd street, Thiruppur Town. (Dharapuram—Doc. No. 2439|84).

MRS. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 9-8-1985

Sen1:

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 118 Doc.84 R.H.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Palladam | Taluk—Thottipalayam village situated at T.S. No. 1306|33|2. at Tiruppur|Doc. No. 2485|84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras on Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. S. M. Thangammal, woo Late S. Muthusami Chettiar, Gurugatha gounder Lane, Thiruppur Town, Palladam.

(Transferor)

(2) Mrs. C. Mani, Wo Dr. Chandramohan, Port Worth, Texas Town, U.S.A.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: T.S. No. 1306|33|2, 7B, Thottipalayam, Palladam. Tiruppur Doc. No. 2485 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 9-8-1985

### FORM TINS

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 123 Dec. 84.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. T.S. No. 386 situated at North Ramalingam Street,

Myladuthurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Myaladuthurai Doc. No. 1134 on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of the consideration of the cons

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Smt. N. S. Shamala Ammal, 12, North Ramalinga Street, Myladuthurai, (Transferor)

(2) Smt. A. Havabeevi, Main Road, Pavatagudi, Nanilam T.K.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at North Ramalingam Street, Myladuthurai (Myladuthurai Doc. No. 1134).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 9-8-1985

(1) Sri Nagaraj Iyer, Malamadawalam, Myladuthurai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Serbunisa, Surangkudi, Myladuthurai.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 124|Dec. 84.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing

No. T.S. No. 834 828 stinated at Mayladuthurai Ward I
(and more fully described in the scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 or
1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at MayiladuthurailDoc. No. 1119/84 (2 Nos.) on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land and Building at Mayladuthurai T.K. Ward No. T.S. No. 834 828. Mayladuthurai (Doc. No. 1135/84).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1985

 Sri V. Muthu, Vasur Road, Kurainadu Mayiladuthurai Town,

(Transferor)

(2) Shri M. Abdul, Vazud, (2) Rogun Main Road, Maviladuthurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 127 Doc.84 R.H.—Whereas, I MRS. M SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing

No. 3, Mettutheru, Pattamangalam, situated at Mayiladuthurai town

land more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupporur|Doc. No. 2371|84 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys to other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: T.S. No. 226, 225, No. 15, 16, Ward 3, Mettu theru, Pattamangalam, Mayiladuthurai. Mayiladuthurai|Doc. No. 1119|84|2 Nos.

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 196! '43 OF 1961)

### (1) Sr. V. S. Vijayaragga, Sri V. Lohit Kumar, 1, Muthia Mudali St. Madras-6.

(Fransferor)

(2) M|s. Prewo (P) Ltd., 139|1, Mahatma Gandhi Road, Madras-41. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL MADRAS

Madras 600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 130 Doc.84 R.H.—Whereas, I MRS, M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Property as specified in schedule to Doc. No. 2371|84
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Tirupporur Doc. No. 2371/84 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforemid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in suspect of any income arising from the trainfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

### THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 2371/84 Tirupporur/Doc, No. 2371/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II. Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A:t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—58—226 GI|85

Date: 9-8-1985

Seul :

FORM NO. I.T.N.S.---

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 210|Dec.84|R.II.-Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. 113. Palavathankattalai Village, situated at Kumbakonam

No. 113. Palawathankattaia Village, situated at Kumbakonnin (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam|Doc. No. 2779, 2781, 2785|84 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

  1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax
  1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

73-236GT|85

(1) Smt. R. Vasantha, 2. Smt. Ranganayaki Ammal, woo Rajagopala Iyer, 24 Sowrashtra Big St., Kumbakonam. 3. Sml. Kumudha, 4 U. Murariyaradha Iyer St., Salem 1. 4. Sri S. R. Sundararaman, 24, Sowrashtra Big St., Kumbakonam.

(Transferor)

(2) Sri K. V. Krishnan, slo Venkataramaiyar, Colony Dulajapuram Plot No. 11. Thanjavur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: 113, Palavathan Kattalai Village, Kumbakonam, Kumbakonam Doc. No. 2779, 2781, 2785 84.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 9-8-1985

### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC Acq. I | 37 FE | 12-84 | 1410. - Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Arrivalle 1961)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

a rair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing Residential flat on the 6th floor mg. 1600 sq. ft. in Group Housing Scheme, Adishwar Apartments at 34, Ferozeshah Road situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the J. T. Act 1961, in the Office

of the Registering Officer at IAC|Acq. Range-I, in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer; rad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mr. Arun K. Surpal, 5-A|9, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-2,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and express in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Residential flat on the 6th floor North Tower, Lane side plinth area 1600 sq. ft. in proposed multi-storeyed Group Housing Scheme, ADISHWAR APARTMENTS at 34, Ferozeshah Road, New Delhi-1, and one car parking space.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 8-8-1985

#### FORM ITNE -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th August 1985

Ref. No. 218 Dec 84.—Whereas, I MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1.00,000]- and bearing No. Agri. Land S. Nos. 41|3, 41|2 & 41|4 situated at Sesuraapattu, Kommeen Panchyat, Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908° (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Villianur, Pondicherry (Doc. No. 1130|84) on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this poice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri V. Murugesa Gounder, So Sri Veerasamy Gounder, 2. Sri R. Murugesa Gounder, So Sri Ramasamy Gounder, Sesuraapattu, Villianur Kommeen, Pondicherry.

(Transferor)

(2) Sri V. V. Raaghavalu, Sjo Sri Veerasamy, Managing Director, Sri Varry Packing Pvt. Ltd., SIDCO Shed Industrial Estate, Hosur, Dharmapuri T.K.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri, Lands at Sesuraapattu, Villanur Kommeen, Pondicherry. SRO. Villianur, Doc. No. No. 1130|84.

MRS, M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 7-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 225 Doc.84 R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

64, Rozariza St., situated at Pondicheri Commune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pondicherry|Doc. No. 3032|84 on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as avered to between the parties has not been truly stated in the

agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any

(1) Smt. Arulpragasa Marie alias Irudaya Marie, wo M. Pakiamatlin, No. 76, Rozaisc St., Kantrial Park, Pondhichery. (Transferor)

(2) Theoprile Julius Cezer slo Theoprile Arul Thomas, No. 55, St. Rozarise St., represented by: Mr. Menot Viveganandan Antonic, No. 18, Perumal Koil,

St., Pondichery.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: 64, Rozaize St., Pondicherry Commune. Pondicherry Doc. No. 3032 84.

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heretore, in pulsuance of Section 2050 of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows: ing persons, namely:---

Date: 9-8-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 156|Dec. 84|84|Mds.—MRS. M. SAMUEL, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

T.S. No. 476, No. 4 situated at Vatap Periampalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at

1908) in the officer of the Registering Officer at Perunthurai Doc. No. 1928/84 on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. Jayabalan, and another Nadu Veedhi, Nachiyalur.

(Trans/eror)

 Shri Cheenimalai Gounder, and others, Attadyankadu, Vettap periam palayam Village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Vettap periam palayam village. (Perunthurai Doc. No. 1928[84).

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Rf. No. 229 Dc.84.—Wheras, I,

MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. 98|1, 98|3, 98|7 situated at Vengampur Village Erode

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at

1908) in the officer of the Registering Officer at Kodumudi Doc. No. 1068 84 in Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of, any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt, V. R. Geevarathinam, and others, Unjalur Kapsa, Erode Taluk.

(Transferor)

(2) Sri Swamyappa Gounder, Chinniampalayam, Ethchipalayam Village, Erode Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land at Vengampur Village, Erode Talukk. Kodumudi Doc. No. 1068|84.

MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1985

#### FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 234|Dec.84|R-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000[- and bearing No.

Rs. 1,00,000[- and bearing No. West Neruji Road, Ka-pa Villupuram situated at Ward No. 13, Patta 249, Villupuram-1

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Villupuram Doc. 213|84 on Dec., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Maragathammal, Wlo Krishnasamy Mudaliar, 18. Ooral Road, Villupuram.

(Transferor)

(2) Sri Navanoothakrishnan and others, 22-Aodathiammal St., Nagerkoil, Kanniakumari. Sri S. Sankaran and others, Puduppalayam Main Road, Cuddalore. South Arcot District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Kaspa Villupuram. West Neehruji Road, Villupuram-1.

Villupuram Doc. No. 2113 84.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 9-8-1985

(1) Shri T. Raju and others, Mill Road, Gopichettypalayam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri G. P. Gopalan, 17, Annamalai Veedhi, Venkatachalampettai, Gopichettypulayam.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 236|Dec.84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. 15, Mill Road situated at Kodachur Copichettypalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Gopichettypalayam Doc. No. 1318|84 on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the such transfer as agreed to between t

ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Vacant land Ward No. 15. Mill Road, Kodachur Village Gopichettypalayam. (Gopichettyyalayam Doc. No. 1318/84),

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Actt to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 249 Dec. 84 R-II. -- Whereas, I. MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding value

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Sivegiri situated at Erode
(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sivagiri Doc. No. 1337 to 1339 84 on Dec., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ead or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -74---236GI 85

(1) Sri Muthusamigounder, Chongottuvolappa gounder, Mogalavinayagan Pudur, Sivagiri, Erode.

(Transferor)

(2) Sri Sadasiyam, So Natarajagounder, Thamaraipalayam. Vengambook, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shell have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to Doc. No. 1337 to 1339/84 Sivagiti Dec. No. 1337 to 1339 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-8-1985

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D|1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 259|Dec.84|R-II.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

No. 103, Muthuppettai, R.S. No. 1149, situated at Thiruthuraipoondi Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muthupettai/Doc. No. 1157/84 on Dec., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Chokkalingam Chettiar, Sri Ramasami Chettiar and Chellappa Chettiar, Arimalam, Thirumayam Taluk.

(Transferor)

 Sri N. Sundaresa Devar, Srimathi Valliammai, T. Nagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 103, Muthupettai, R. S. No. 114/9, Thiruthurai-pondi Taluk.

Muthupettai/Doc. No. 1157/84.

MRS, M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 9-8-1985

### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 263 Dec.84.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Property as per the schedule of Doc. No. 2710]84 situated

at Kumbakonam

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 2710|84) on Dcc., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; mid/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269G of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri S. Balakrishnan, So Sri Swaminathan, Pather K. N. East Street, Kumbakonam.

(Transferor)

(2) 1. Sri Thambu Chettiar,
2. Sri Meenakshi Sundaram Chettiar,
3. Sri Sampath Chettiar,
S|o Sri Ramakrishna Chettiar,
Pillaiar Koil Street, Subramaniapuram.

('Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as per the schedule of Doc. No. 2710|84. S.R.O. Kumbakonam Doc. No. 2710|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-8-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Chinnammal. (1)Ponniarajapuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. Padmavathi Ammal, 22, Karuppagoundan Veedhi, Coimbatore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. 72 Dec. 84 R-II.--Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Ponniarajapuram, Property as specified situated at in schedule to Doc. No. 5270|84
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore Doc. No. 5270 84

on Dec., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 5270/84. Coimbatore Doc. No. 5270 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 9-8-1985

 Sri Louis Claude Gerard Sinnas, 14, Rottery Road, Richard Town, Bangalore-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Mr. Navin Talakshi, Son of Talakshi, No. 4, Taylors Road, Madras-10.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUSITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 7 December 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Open Terrace in Second Floor at Door No. 84 situated at New Avadi Road, Kilpauk, Madras-10 and undivided 1|3 interest in the land (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Periamet (Doct. No. 1255|84) on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and Building-Open Terrace in Second Floor at Door No. 84, New Avadi Road, Kilpauk, Madras and undivided 1/3 interest in the land.

S.R.O., Periamet Doct. No. 1255|84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF DODGA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUSITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 8|December|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under sction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

and bearing No.

Ground Floor at D. No. 84, and undivided 1/3 interest in the land situated at New Avadi Road, Kilpak, Madras-10 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 1253/84) on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  andlor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Louis Claude Gerard Sinnas, S|o Victor Sinnas, No. 14, Pottery Road, Tichard Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Shri Harshad Talkshi, Slo Talakshi, No. 4, Taylors Road, Madras-10.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be waste in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building, Ground Floor at Door No. 84, New Avadi Road, Kilpauk, Madras and undivided 1/3 interest in the land.

S.R.O., Periamet Doct. No. 1253|84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 23-7-1985 Seal:

#### FORM I.T.N.S.-

### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 9|December|84.—Whereas, 1, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
First Floor at No. 84 situated at New Avadi Road, Madras10 and undivided 1|3 interest in the land

(and more fully described in the Schedule below), has been transferred and the agreemnt is registered under Periamet (Doct. No. 1254|84) on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (1) Louis Claude Gerard Sinnas, So Victor Sinnas, No. 14, Pottery Road, Richar Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Mrs. Jaya Poonja Bhai, Wo Talakshi, No. 4, Taylors Road, Madras-10.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offiical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought the disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and Building, First Floor at Door No. 84, New Avadi Road, Kilpauk, Madras-10 and undivided 1/3 interest in the land.

S.R.O., Periamet Doct. No. 1254 84.

K, VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st July 1985

Ref. No. 15|12|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 100,000 and heaving No.

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat I-B, I Floor, 813, P. H. Road situated at Kilpauk, Madras-600 010.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. Periamet (Doc. No. 1217 84) on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid poreptry and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri M. L. Patwari, Miss Raksha Sha Shri Rewat Chand Smt. Sua Devi; 82, Narayana Mudali Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Smt. Palani Ammal, 32, Amanda Road, Alwarpot, Madras-18.

(Transferee)

Objections ,if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat I-B, First Floor, 813, P. H. Road, Kilpauk, Madras-10. S.R.O. Periamet (Doc. No. 1217/84).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 606

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said on, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

 U. E. A. Mohamed Farook, Peris Agraharam, Erode.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. M. Abdul Rahim, 33, Woothukattan Street Madras-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th July 1985

Ref. No. 22|12|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 49 Woothukattan Street, situated at Madins-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Document No. 1205|84) in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Vacant site at No. 49, Woothukattan Street, Madras-3. S.R.O. Periamet, Document No. 1205|84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hemby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
75—236GI[85]

Date: 16-7-1985

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th August 1985

Ref. No. F. No. 29[December]84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAIU, being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing No.

No. 142, Amman Koil Street, situated at Madras-79 (and room fully described in the Schedule approach hareto). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 609|84) in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as greed to between the parties has not been traily exceed in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) V. Kothandaraman,

V. Venkataraman, V. Subbaraman,

V. Rajaraman,

No. 142, Amman Koil Street, Madras-79.

(Transferor)

(2) Nemichand Karnawat, Uchheba Devi Karnawat Rajendra Kumar Karnawat, Devendra Kumar Karnawat, Ravindra Kumar Karnawat, No. 83, Audlappa Naicken Street, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for

Land and Building: No. 142, Amman Koll Street, Madras-79.

S.R.O. Sowcarpet, Doc. No. 609|84.

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:---

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Mrs. M. Krishnaveni, No. 23, Veeraswami Pillai Street, Madras-1.

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Haji S. Mohamed Mustafa, No. 70, Portuguese Church Street, Madras-1.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th August 1985

Ref. No. F. No. 32|December|1984.—Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' I have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

No. 23, Vecraswami Pillai Street, situated at Madras-1 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. I, Madras North (Doc. No. 3380|84) in December, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and Building: 23, Vecraswami Pillai Street, Madres-1. (J.S.R. I, Madras North, Doc. No. 3380]84.)

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range J. Medias-606 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-8-1985

#### --- .-. : <del>---</del> FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th August 1985

Ref. No. F. No. 34|December|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAIU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000]— and bearing
No. 62, Odaipattadai Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
J.S.R. 1, Madras North (Doc. Nos. 3357 & 3479|84) in

December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri R. Krishnan, Sio Raju Gounder, 72, Vallal Pachiappan Street, Kancheepuram.

(Transferor)

(2) (i) Shri A. B. Subramania Sa,

(ii) Shri A. B. Kandasamy Sa. (iii) Shri A. B. Kanuba Sa.

84, Middle Street, Kancheepuram, (Nadu Theru).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant site: 62, Odaipattadai Village. (J.S.R. I, Madras North, Doc. Nos. 3357 & 3479 84).

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 5-8-1985

Scul:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st July 1985

Ref. No. 57 Dec. 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

owing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. House at Kottai Varadappa Naidu Street, 6th Ward situated at Salem Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), a been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. III, Salem (Document No. 1334|84) in December,

1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri A. S. Jaheertheen, So Shri A. Sherputhcen, 20, Varadappa Naidu Street, Kottai, Salem-1.

(Transferor)

(2) (a) Shri A. Akbar Basha,(b) Shri A. Sardhar Basha, and

(c) Shri A. Abdul Kareem, 27. Varadappa Naidu Street, Kottai, Salem-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House at Kottai Varadappa Naidu Street, 6th Ward, Salem Town
J.S.R. III, Salem, Doc. No. 1334|84.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 31-7-1985

#### FORM I.T.N.S.—--

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st August 1985

Ref. No. 72|December|84.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 47|1, situated at Gandhi Road, Sivacamypuram, Salem-7
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Salem (Doc. No. 2730|84) in December, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more
than litteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri S. Sriraman, Slo Sri R. Srinivasa Iyengar, 1, Venkatesapuram, Salem-7.

Transferor)

 Sri N. Subramanlam, Slo Sri G. Nagamanickam,
 Sagadevapuram, Salem-7.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 47|1, Gandhi Road, Sivachamypuram, Salcm-7. S.R.O. Salem, Doct. No. 2730|84.

K. VFNUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 1-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1985

Ref. No. F. No. 86|December|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Agricultural land, survey No. 667|2 situated at Tharapadavedu Village Gudiyatham Taluk N. Arcot District (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Katpadi (Doc. No. 3905 & 3908|84) in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

(1) Shri Kannan Goundar, and Shri K. Chinna Raju, Tharapadavedu Village, Gudiyatham Taluk, North Arcot District.

(2) M<sub>3</sub>s. Sri Balaji Syndicate, No. 21, D Mundy Street, Vellore-632 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned  $\dot{\cdot}$  -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the state of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given, in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands: Survey No. 667/2 Thorapadavedu Village, Gudiyatham Taluk, North Arcot District. (S.R.O.: Katpadi, Doc. No. 3905 & 3908/84).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1985

Beal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th July 1985

Ref. No. 96 December 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Door No. 1A, situated at CHP Colony Street No. 6, Tiruchengode, Salem District (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and the agreemnt is registered under 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengodu (Doct, No. 2904 84) in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than offiteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not beth truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. M. Margathammal & Others, No. 20, Chetty Street, Tiruchengodu Town and Taluk, Salem District.

(Transferor)

(2) Sri M. Arumugham, 48-Kailasampalayam (V), Ettimadaiputhur, Tiruchengodu TK., Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 1A, CHP Colony Street No. 6, Tiruchengodu, Salem District. S.R.O., Tiruchengodu, Doct. No. 2904|84,

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 25-7-1985

feal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st July 1985

Ref. No. F. No. 113 Dec. 84.—Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imenovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Survey No. 6 of Vellagoundanpalayam Village situated at Dharmapuri District

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S.R.O. Dharmapuri (West) (Doc. No. 1664|84) in Decem-

ber, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, us respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the followring persons, namely :----76-236GI 85

(1) Dr. P. Subramanyam, 86, P. R. Srinivasa Rao Street, Dharmapuri.

(Transferor)

(2) Shri P. Chellappa Gounder & Smt. Manimegalai, 27-A, Narasimha Achari Road, (South) Dharmapuri.

(fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fr m the service of notice on the respective persons whichever period explanations later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land in Survey No. 6, of Vellagoundanpalayam Village, Dharmapuri.

S.R.O. Dharmapuri (West), (Doc. No. 1664|84).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 31-7-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd August 1985

Ref. No. 129 December 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000- and bearing Survey No. 8912 stuated at Alagapuram Village, Salem Taluk and District (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1980, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam (Doct. No. 2556/84) in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :---

(a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922

(11 of 1972) or 1 or d Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

1. Sri G. Govindaramenujam,

Smt. G. Gnana Selvan,
 Samuel Navaneetha Selvan,

4. Vijayalakshmi,

5. Rani

6. Minor Prem Kumar, No. 12, Clyments Road, Purasawalkam, Madras-7.

(Transferor)

(2) Sri P. Thiruvasagam, So M. Perumal Chettiar, Door No. 33, L.I.C. Colony, Alagapuram, Salem-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building in Survey No. 89/2, Alagapuram Village, Salem Taluk and District.

S. R. Suramangalam, Doct. No. 2556 84.

K. VENUGOPALA RATU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 2-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP IAX ACT, 1961 (43 OP 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th August 1985

Ref. No. F. No. 134|12|84.--Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 11, Samayavarathamman Koil Street, stuated at

Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1980, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II M. dras North (Document No. 3451/84) in

Decemoer, 1984

to, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mineys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sujanammal and 6 others. 11. Semayavarathamman Koil Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) P. M. Naina Mohamed, 45, Seven Wells Street, Madras-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PLANATION :- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Land and Building: No. 11, Samayavarathamman Koil Street, Madras-1.

(J.S.R. II, Madras North, Document No. 3451 84).

K. VENUGORALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the followvig, persons, namely:-

Date: 5-8-1985

Seaf :

FURM IINO

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 005, the 22nd July 1985

Ref. No. 137 December 84.—Whereas, I.

K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority Autorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Door No. 84 situated at Coral Merchant Street, Mannady. Madras-1

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Madras North (Doct. No. 3356 84) in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent convideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent con ideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

16 mm, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely .-

(1) V. A. Jameela Beevi, No. 1 Piot No. 1, Karpagam Avenue, Madras-600 028.

(Transferor)

(2) 1. Sri S. Narayanan,

2. Sri S. Ponouswamy,

 Sri S. Folindswally,
 Sri S. Sampath,
 Sri S. Sundaram,
 Sri S. Perumal,
 Sons of P. M. Subremania Mudaliar,
 No. 84, Coral Merchant Street, Mannady Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein #5 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 84, Coral Merchant Street. Mannady, Madras-1.

S.R.O., Madras North, Doct. No. 3356|84.

K. VENUGORALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 22-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (45 UF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 5th August 1986

Ref. No. 141]Decemb.r|84.—Whereas, I, K. VENU\_OrALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tal. Act, 1901 (43 of 1961) (hereinalter referred to an the 'mail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

Po No. 2586, An a Nagar West, situated at Madras (Naduvakkarai Valage).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at S.R.O. Anna Nagar (Doc. No. 4242|84) on December 1984 for an apparent consideration which is less than the air market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the value Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. K. Lak.hmi Ammal, 25/1, C. K. Chennappa Garden, Laubuga Road, Cross Bangaiore.

(Transferor)

(2) Smt. Sita Devi Kabra. 33, Veer raghavan Road, Madras-81.

(T.ansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chanter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 2586, Anna Nagar West, Madras (Nadu-akkarai Village) (S.R.O. Anna Nagar— Document No. 4242|84).

K. VENUGOPALA RATU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1985

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th August 1986

Ref. No. 143|December | 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he emaiter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovab'e property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 1007 situated at Villivakkam, Mndras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 4287 & 4288 84) in December

1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsuid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestud exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer: mad /Of
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee OΤ the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri T. Karthikeyan, Chella, a.ti Pest, Ti. uenendur Taluk, Tirunciveli Dist.

(Transferor)

(2) Sri L. Ravi, Flot No. 2, 10th Avenue, Harrington Read, Madras-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days tream the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this action in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land and Bu'ding at Plot No. 1007, Villiv kkam, Madras S. R., Anna Nagar Doct. No. 4287 and 4288 84.

K. VENUGOPALA RAJU Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madra -600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the alterested property by the issue of the acque under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-8-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SILL OF THE LAX, ACQUISITION RANGE-I Madras-600 006

Mad. as-600 006, the 5 h August 1986

Ref. No. F. No. 144|De-embe.|84.—Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'axid Act'), have reason to believe 'hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Land at Plot No. 362, Villivakkam, situated at Anna Nagar, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Anna Nagar (Doc. No. 4296|84) on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fame market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the somaideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said 'Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 cm 122 and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely these

(1) Shri N, Ramakrishnan, No. 595. Pa K ...ma, 11th Lane, Broadway, Madras-108.

(Transferor)

(2) Shri K. C. Mohan, No. 362. No.th Main Road, Anna Nacar, Madras-600 101.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Stazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Plot No. 362, Vi'livakkam, Anna Nagar, Madras. S.R.O. Anna Nagar—Document No. 4296|84.

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Mad. as-600 006.

Date : 5-8-1985

Sen! ;

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 .06

Madras-600 006, the 5th August 1986

Ref. No. 145|Decembe |84.—Whereas, I, K. VENUJOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing T. S. No. 25 Part & 26 Part, situated at Ayyanavaram

Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 4302|84) on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any isocome arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No. A Sevefore, in pursuance of Section 269C of the said Av. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Mangalam Sundararaman Wo Sanda a aman, Plot No. 449, E" Block, Anna Nagar, Madaas-40.

(Transferor)

(2) D. Rajalakshmi, Wo Damodaran, K-97, Anna Nagar, Madras-102.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shell have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building: T.S. No. 25 Part & 26 Part Ayanavaram Village, Madras.

(S.R.O. Anna Nagar Doc. No. 4302|84).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006,

Date: 5-8-1985

Seel 1

#### FORM ITNS-

(1) Sti J. B. Iswariah, Academy House, B.S.F. Academy, Tekanpar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Mrs. Annamma George, Wlo Shri Guvarghese George, Kishakkeveedu, Panavila, Nalachira. Trivandrum-15.

(Transferee)

NOTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE** OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5.h August 1986

Ref. No. 146|Dec.|84.— VENUGOPALA RAJU, 146[Dec.]84.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing

Plot No. 3922, Anna Nagar, Madras situated at (Mullam

Village)

and /or

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Anna Nagar (Doc. No. 4301|84) on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration with the object of :—

 facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisit on of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 3922, Anna Nagar, Madras. (Mullam Village) S.R.O. Anna Nagar.—(Doc. No. 4301/84)

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—77—236G1|85

Date: 5-8-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th August 1985

Ref. No. F. No. 148 December 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 3213, situated at Periakudal Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 4172 84) on Dectmber 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Suresh Chand Gupta and Devendra Kumar Mehta 17-F Block, Anna Nagar, Madras.

(Transferor)

 N. Sugună, 477, Kilpauk Garden Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Site. Plot No. 3231, Periakudal Village (S.R.O. Anna Nagar-Document No. 4172/84).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-rax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th August 1986

Ref. No. 150|December|84.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No.

Land in Survey No. 22, Mullam Village, Anna Nagar, situated at Madras-40.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R.O. Anna Nagar (Doc. No. 4177/84) on December 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Vigneswara Enterprises, 689, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Malathi Kumaraswamy, No. 8, Chandra Bagh Avenue, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land in Survey No. 22 in Mullam Village, Anna Nagar, Madras-40.
S.R.O. Anna Nagar Document No. 4177|84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1985

#### 31618

#### FORM 1.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 306, the 21st July 1985

Ref. No. 151|Dec|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Plot No. 3278, Anna Nagar, situated at Madras (Naduvak-karai Village)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

S.R.O. Anna Nagar (Doc. No. 4185[84) in December, 1984 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Seal:

(1 Smt. Bikhi Bal, Wo Sri Ramgopal Jhaver, No. 354, Mint Street, Madras-600 079.

(Transferor)

(2) Smt. Kamal Jbawar, Wo Shri Mohanlalji Jhawar, No. 5, Kannaiah Naidu Street, Madras-600 017

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at Plot No. 3278, Anna Nagar, Madras (Naduvakkarai Village).

S.R.O. Anna Nagar—(Doc. No. 4185]84).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 31-7-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th July 1985

Ref. No. 152|12|84.—Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

10, 3rd Cross Street, East Shenoy Nagar, situated at Madras 20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

of 1908) in the office of the registering officer at Anna Nagar (Document No. 4149184) in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 K. Swaminathan, So R. Krishnaswamy, Asstt. Manager, Contracts, Power Division in Mather and Platt. (India Ltd. Mamilton House, J. N. Haredia Marg, Bombay-38.

(Transferor)

(2) Dr. S. Balasubramanian, Slo P. N. Santhanam Chettiar, No. 10, 3rd Cross Street, East Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); Land and building at No. 10 3rd Cross Street, East Shenoy Nagar, Madras-30.

THE SCHEDULE

S.R. Anna Nagar-Document No. 4149|84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursues, namely:—

Date: 16-7-1985

#### FORM ITNS----

(1) Mrs. M. A. Syed Meera Achi, 47, Muthumari Chetty St., Mannadi, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. M. N. Anwar. No. 11, Andiappa Gramani St., Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th August 1986

Ref. No. F. No. 164|December|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and beaung No. 123, Mannarsamy Koil Street, situated at Royapuram, Madras-13

Madras-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Royapuram (Doc. No. 1955[84) in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

#### THE SCHEDULE

Land and Building at No. 123, Mannarsamy Koil Street, Royapuram, Madras-13.

(S.R.O. Royapuram—Doc. No. 1955 84).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 2 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-8-1985

## NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th August 1986

Ref. No. F. No. 153 December 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding P.s. 100,000- and bearing Plot No. 2758, Arignar Anna Nagar, situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at Anna Nagor (Doc. No. 4092 [84) on December 1984 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957):

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) V. G. Kesary, 16. Venkatesan Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

 Dr. G. N. Rajagopalan Slo G. N. Rangaswami Avyangar, 30, Viswanathapuram Main Road, Madras-24.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Unfinished building—Plot No. 2758, Arignar Anna Nagar.
(S.R.O. Anna Nagar—Document No. 4092|84).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madias-600 006.

Date: 5-8-1985

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 005, the 5th August 1985

Ref. No. F. No. 3 December 84.—Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-Rs. 1,00,000, and bearing No.
17, Ulgappa Maistry Street, situated at Chintadripet, Madras-2

fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the registering officer at Periamet (Doc. No. 1299|84) on Dicember 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

(1) D. Rathina Bai

S. Durairaian

D. Gunasekaran, D. Vijayacekaran K. Gnanasekaran,

D. Dhanasekaran

No. 17, Ulagappa Maistry Street, Chintadripet, Madras-2.

(Transferor)

(2) L. Karunakaran 147, Swami Naicken Street, Chin:adripat, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building No. 17, Ulagappa Maistry Street, Chintadripet, Madras-2.

(S.R.O. Periamtt Doocument No. 1299/84).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 5-8-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th August 1985

Ref. No. 162|December|84.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 46, Swaminaicken Street situated at Chintadripet, Madras2.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madras Central (Doc. No. 1189|84) in December, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by assert than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- ii) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1938 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in cursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat: proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing mersons, namely account to the said Act, to the fellowing mersons, namely account to the said Act, to the sai

2. Mrs. Chandramma, No. 209. Bazaar Road, Nazarathpettai, Madras-56.

(1) 1. Mr. G. S. Narayanan Nadar,

(Transferor)

(2) Mrs. A. M. S. Syed Amath Khadiriyar, Wlo S. M. Sathak Abdul Kadir, 23, Narasingapuram Street, Mount Road, Madras-2,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: 46, Swaminaicken Street, Chintadripet, Madras-2.

(S. R. O. Madras Central Doc. No. 1189|84)

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 5-8-1985

Seal :

78-236 G1|85

~ar\_---

#### FORM NO. ITNS

(1) Smt. S. Chandra Wo Shri S. S. Sukumaran, No. 211, K. K. Nagar L. I. C. Colony, Madurai-20.

(Transferor)

NATICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri M. Chettiappa Chettiar S|o Shri Marutha Chettiar, No. 11. Lakshmipuram 5th Street, Madurai.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 8|DEC|84|MDU|A,-Whereas, I, K. VENUGAPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Plot No. 4, R. S. No. 15|9 situated at Managiri Village, Madurai North, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the registering officer Tallakulam, Madurai (Doct. No. 4209|84 on 3-12-1984 for an apparent consideration which he less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afteresaid exceeds the apparent consideration therefor by means that the consideration for such transfer as agreed to between the

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chap er XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 4 in R. S. No. 15/9, Managiri Village, Madurai North, Madurai,

(Doct. No. 4209 84).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-8-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-J MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 8-B|DEC|84|MDU.-Whereas, I.

K. VENUGAPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Plot No. 4 R. S. No. 15[9, situated at Managiri Village,

Madurai North

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Tallakulam, Madurai (Doct. No. 4209184 on 3-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (12 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. S. Chandra Wo Shri S. S. Sukumaran, No. 211, K. K. Nagar L. I. C. Colony, Madurai-20.

(Transferor)

(2) Shri M. Chettlappa Chettlar So Shri Marutha Chettlar, No. 11, Lakshmipuram 5th Street,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEPULE

Plot No. 4 in R. S. No. 15|9, Managiri Village, Madurai North, Madurai. (Doct. No. 4212 84).

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT, OF UNDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L MADURAJ-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 9|Dec.|84.—Wheraes, I. VENUGAPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing

T. S. No. 87417 situated at Madural (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at SRO, Tallakulam Doc. No. 4278 84 in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accusiation of the aforesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

(1) Smt. N. Subbalakshmi, Wo Shri P. R. Narayanan, 513 Fourth Main Road, Saraswathipuram, Музоге.

(Transferor)

(2) Smt. P. A. Meena, Wo Shri P. S. S. Alagar Raja, 5 North Krishnan Koil Street. Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land T. S. No. 87417 New No. 4441. Area: 50 v 24 sft. Tlaalkulam, Madurai,

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai

Date: 8-8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION PANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 10|Dec.|84.—Whereas, I, K. VENUGAPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

S. No. 163 situated at K. K. Nagar, Madurai (and more fully described in the schedule a mexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SRO, Tallakulam Doc. No. 4256 84 in Dec., 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri V. Raju, S|o Shri N. V. Vellaisamy Ambalam, Main Road, Nathem Village, Madurai Dt.

(Transferor)

(2) Shri K. Arumugham, So Shri V. R. Kasi Viswanathan Chettiar, 9 Meenakshi Koil Street, Madurai.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of tale notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land S. No. 163, Plot No. 365 K. K. Nagar, Madurai.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **MADURAI-625002**

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 11[DEC|84]MDU.- Whereas, 1, K. VENUGAPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Plot No. 12, in R. S. No. 49|2B and 49|3 situated at Managiri Village, Madurai North, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer Tallakulam, Madurni (Doct No. 5258/84) in December.

1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) "acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. D. Chinnammal and Smt. Rukmani Ammal, Clo V. P. Vellia Ambalam, Narasingampatti Village, Melur Taluk, Madurai Dist.

(Transferor)

(2) Shri S. Ravi, So B. Siyarajan, Kattukuttipatti Village, Thirupattur Taluk, Ramanad Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 12 in R. S. No. 49|2B and 49|3, Managiri Village, Madurai North, Madurai. (Doct. No. 4258|84).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai

Date: 8-8-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 12|Dec|84.-Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Plot No. 7, R. S. No. 49|2B situated at Managiri Village,

Madurai North

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. D. Chinnammal and Shri V. Vt. Vellia Ambalam, Power Agent for Smt. Rukamani Amnial, Wlo late Ramasamy Ambalam, Narasingampatti Village, Melur Taluk, Madurai Dist.

(Transferor)

(2) Smt. R. Indirani, Wlo Shri S. Ramaswamy, 'Ananda Vilas', Bodinaickanur Post, Madurai District.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this not . in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 7, R. S. No. 49|2B, Managuri Village, Madurai, North Taluk, Madurai, (Doct. No. 4259|84).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. F. No. 15|Dec.|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

31630

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing
T. S. No. 77 situated at Madurai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act. 1908. (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at SRO. Tallakulam Doc. No. 4274|84 in Dec., 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the constalment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. S. Kamalamaheswari, Wlo Shri V. S. Subramaniam, 12/1 Vagai Vadakarai, Madurai,

(Transferor)

 Shri M. A. Dhunaskaran, S|o Shri Mangalanathan, Padamathur Village, Sivaganga Tk., P. M. District,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

riouse Building T. S. No. 77 Tallakulam, Madurai.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai

Date: 8-8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADURAL-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 16 Dec. 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]—and bearing R. S. No. 82 6 & 7 situated at Sathamangalam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registring Officer at SRO, Tallakulam Doc. No. 4305 84 in Dec., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the storesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as alteresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cem of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Age. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons, namely;....

79-236 GI|85

(1) Smt. J. Thogaimayeel Ammal, 152A North Veli Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Mr. M. S. Sabia Bivi, Thatara Lane, West Masi Street, Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter  $\lambda\lambda$  of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building R. S. No. 82|6 & 7 Plot No. 394. Area: 1000 sft. Sathamangalam, Madurai,

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai

Date : 8-8-1985

Senl :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 17 Dec. 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-1 and bearing Rs. 1,00,000-1 and bearing Rs. No. 76 481 situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registerion Officer at SRO, Tallakulam Doc. No. 4337 84 in Dec., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beneve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arrowshid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Marshal Rajam,
 Wo Shri A. S. Antony,
 Lakshmipuram 1st street,
 Madurai.

(Transferor)

(2) Shri M. Jafrulla, Slo Sh'i Monamed Ismail, Narikudi, Thiruchuli Tk., Ramanathapuram Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building R. S. No. 76|4B1 Tallakualm, Madurai.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission r of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai

Date : 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1)-OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **MADURAI-625002**

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 39|Dec.|84.-Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU.

being the Completen variously under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Ac.'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing T. S. No. 732 I situated at Dindigut

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registrat on Act, 1908, (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Dindigul Doc. No. 2089|84 in Dec., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be ductosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act. 1922 (1) of 1922; with said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri R. Velusamy, So Shri K. Kamasamy Gowder, Vankalapuram, Salvarpatti Village, Vedasandur Tk.

(Transferor)

(2) Smt. Vembu Ammal, Wo Shri R. Natesan Pillai, 20 Durairaj Nagar, West Govindapuram, Dindigul.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building T. S. No. 732 1 Mindigul, Madurai.

K, VENUGOPALA RAJU Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-I Madurai

Date : P 8-1985

#### FORM IINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 44 Dec. 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immunable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Door No. 6|54 situated at Sholavandan, Madurai,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Sholvandan Doc. No. 1795/84 in Dec., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of he property as aforesa a exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ramaswamy Raja, Sjo Shri Eralgondal Perumal Raja, 6 50 Double Agraharam, Sholavandan.

(Transferor)

(2) Shri S. Sekara, Slo Shri Sankaralingam Mudaliar, 2|3-A. Mudahar Fort. East Street. Sholavandan.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

#### THE SCHEDULE

Rice Mill Building. Door No. 6|54. Area : 561 x 791 sft. Sholavandan.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADURAL 625002

Madural, the 8th August 1985

Ref. No. 45|Dec.|84.—Whereas, I
K. VENUGOPALA RAJU
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that 'he usanovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000]—and bearing No.
No. Door No. 6:50
situated at Sholavandan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under he Registration Act, 1908, (16 of
1908) in the office of the Registrating Officer
at SRO, Sholavandan Doc. No. 1795|84
on Dec. 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Shri Ramaswamy Ruja,
 Sho Shri Eralgondal Perumal Ruja,
 Double Agraharum,
 Sholavandan.

(Transferor)

(2) Smt. S. Susheia, Wlo Shri S. Sekar 2.3A Mudaliar Fort East Street, Sholavandan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersugated :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any mount arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought so be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

House Building & Vacant land Door No 6|50 Area: 324 x 1154 sft. — 564 x5 sft. Sholavandan, Madurai.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai

Date: 8-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADURAL 62:002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 51|Dec.|84.—Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. S. No. 764]1

situated at Kulavanikarpuram, Palavamkottai

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Mehapalayam Doc. Nos. Nil 1, Nos. 221, 224, 225, 227, 228.

on Dec. 1984

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than litteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the manufactor to say under the said Act, the respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be desclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Alan Mohamed Anifa, Slo Shri Mohideen Pitchai, Patet Street, Metapalayam,

(Transferor)

 Shri S. Michel Sowrimuthu, Rt. Father M. Susaimariyen, Diasis Niruvanam, Palayamkottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expue, later,
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, webin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning at given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land S. No. 764|1 Area 350 cents Kulavanikapuram, Melapatayam.

K. VENUGOFALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madurai

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Ast. I hereby instate proceedings for the acquisition of the aforessid attractive in the issue of this notice under subsantion (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-85

#### FORM NO. I.T.N.S.—

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADURAI 625002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 55 Dec. 84. -Whereas I.

No. S. No. 73|1 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immuvable property having a fair market value exceeding Ra 1,00,000/and bearing ....

vituated at Managiri Village, Madurai

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

at SRO, Tellakulam Doc. No. 4 85 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair ma ket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent conside a ion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in terred of any income arising from the trumster; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not need or which ought to be disclosed by the transferee for the purpoles of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. L. Premanathan, Sio Shri M. G. Lakshman, 53 Kamarajar Salai, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. V. Uma, Wlo Shri P. Velayudinam, Bankaiam Colony, Kamarajar Salai, Madurai.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Vacant Jands S. No. 7311 Area: 9 cents 372 sft. Managiri Village, Madural Tk.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortward property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 8-8-85

Seul |

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. S. Lalitha Wlo Shri Sivinesen, No. 4B. Muhamadiapuram, Melur Town.

(Transferor)

(2) Smt. Soundrammal, Wo Thiagarajan, Simmakkal, Madurai Town.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAL 625002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 56|Dec.|84|MDU.--Whefrens. I,
K. VENUGOPALA RAJU
being ht Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

and bearing No.

No. Land in R.S. No. 7/128,
situated at Managiri Village, Madurai North, Madurai
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of
1908) in the office of the Registerian Officer
at TALLAKULAM, MADURAI (DOCT. No. 25/85) on 4-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property ency be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are denned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land in R.S. No. 712B in Managiri Village. Madurai North, Madurai. (Doct. No. 25|85)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the end Act. in respect of any moome arising from the transfer: and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957))

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I

K. VENUGOPALA RAJU

Competent Authority

Mudurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 8-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI 625002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 57|Dec.|84.—Whereas, I.

K. VENUGOPALA RAJU
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. R. S. No. 172|2 situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at RO, Tallakulam Doc. No. 26|85 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri M. A. Subbusamy,
 Sho Shri Anandana, ayanayer,
 Tamil Sangam Road,
 Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. Meenal.
Wlo Shri Muniasamy,
31A/AC Ariayappa Thevar Compound,
Indira Nagar,
Kamarajapuram, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land R.S. No. 172/2 Area: 60 cents Tallakulam. Madurai.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madutai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

80---236 GI 85

Date: 8-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI 625002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 59|Dec.|84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. T.S. No. 3686

situated at Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I. Pudukottai Doc. No. 3138/84.

on Dec. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri M. Sivaprakasam, So Shei T. Marudhapillai, 14, Poves Thenapet, 4th Street, Vania Thenapet, Madras.

(Transferor)

\_\_\_\_\_

(2) Shri N. Abdulla, Slo Shri Naina Mohamed, West Thaniam-East Street, Thirumayam Tk. Pudukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

House Building T.S. No. 3686 Area: 160 x 161 sft. Pludu-Kottai.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai

Date: 8-8-85

#### FORM ITNS-

 Shri Jala, Slo Shri Abdulkudas, Ambalpuram Il Street, Pudukottai.

Slo Shri Muthiahvelar.

(2) Shri Palanisamy,

Kulipiral Po. Thirumayam Tk. Pudukottai Dt.

Nciveli,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI 625002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 60 Dec. 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU Inspecting Assistant Commission of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. T.S. No. 1572 & 1573 part situated as Pudukottai

situated at Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at at JSR-I, Pudukottai Doc. No. 3148/84

on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid map rt and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-kection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Buildings T.S. No. 1572 & 1573 Area; 100 x 37 sft. Pudukottai,

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I

Date: 8-8-85

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrfi Alagappan. Ice Keni Street, Kandanoor Road, Karaikudi.

(Transferor)

(2) Shri Singamuthu. late Kathamutha. North Raja Street, Old Santhaipettai. Pudukottai.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U MADURAI 625002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 67 Dec. 84.--Whereas, I. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. S. No. 124/10 situated at Pudukottai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regsitration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at JSR-I Pudukottai Doc. No 3150/84

on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason te believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Rice Mill T.S. No. 124 10 Area 90 cents Pudukottai.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurat

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acception (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-8-85

#### 31643

#### FORM I.T.N.S.—

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. Muthusamy Iver Slo Shri Swaminatha Iver, 32 East Andar Street, Trichy

(Transferor)

(2) Smt. R. Vijavalakshmi, Wlo Shri R. Ramaswamy, North Siruppathur, Lelgudi.

(Transferee)

#### THE SCHEDULE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI 525002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 67|Dec.|84.--Whereas, I K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. T.S. No. 1836 & 1837.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

at JSR-IIII, Trichy Doc. No. 1817/84

on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen ser cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were regard a volves.

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is et of any income arising from the transfer;

#### THE SCHEDULB

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

House Building T.S. No. 1835 & 1836 Area; 97 x 15 sft. Trichy.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquaition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-L MADUR VI 625002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 70[Dec.[84. --Whereas, 1, K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. T.S. No. 140

situated at Trichy situated at Trichy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR III, Trichy Doc. No. 1910|84, on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eventon of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; And/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2600 of the auto Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Raja mani, Slo Shri S. Ramathurai Iver. 19 Rettainal Street, Fort, Trichy Town. (Transferor)

(2) Shri Mannitlal So Shri Saramal, 204 Mint Street. Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Building T.S. No. 140 Block No. 33 Ward F. Trichy.

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai

Date: 8-8-85

#### L'AT WAS AND WOOD A TOTAL TO THE TOTAL TOT

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FORM ITNS ----

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADURAL 625002

Madurai, the 7th August 1985

Ref. No. 73 Dec. 84.—Whereas, I, VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. T.S. No. 18

situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-III. Trichy Doc. No. 1966;84

on Dec. 1984

on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unaster with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sridaran, So Shri Krishamasam, Naidu, 18 West Puliward, Trichy.

(Transferor)

(2) Shri M. Muniappa Pillai, Slo Shri Marudhai Pillai, Mis. Diamond Finance, 419 Big Bazar Street, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

#### THE SCHEDULE

House Building TS No. 13 Jabor Shah Street, Trichy Area; 2279 sft.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Santhanam Chediar Slo Shri Periannan Chettiar, 29A Chinna Chowk, Trichy Town

(Transferor)

(2) Shri G. Thalasuraman,
 Slo Shri Abiya Govindarajalu,
 30, Periva Chetti Street,
 Trichy Fown Pettai

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADURAL 625002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 74|Dec.|84,...Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. T.S. No. 182 situated at Trichy

situated at 171chy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-III, Trichy Doc. No. 1985185 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 182 Block No. 2 Area: 4406 sft. Trichy.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-85

-----

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAL 625002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 78 Dec | 84,—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Block 24 situated at Thennor Village, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Woraipur Doc. No. 3727 84 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:—81—236GI|85

 Shri S. P. Ramaswamy, Sio Shri Subbiah Chettiar, 212, S.P.S.A.R. House, C.M.C. Road, Karaikudi, Pramanathapuram

(Transferor)

(2) Smt. P. L. Thaiyel Nayaki. Wlo Shri P.R. Palaniappan. Nanchathupatti. Thirumayam. Pudukottai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building Block No. 24 in New Wrd F. Are; 2400 sft. Thenoor Village, Trichy District.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai

Date : 8-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAL 625002

Madurai, the 7th August 1985

Ref. No. 81|Dec.|84.—Whereas I, K. VENUGOPALA RAJU

being the Compelent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing T.S. No. 58, 59 situated at Karur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Melakarur Doc. No. 2936|85 on Dec. 1984

on Dec. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri P. K. Subramaniam, Sjo Shri Kandasamv Pillai, Ratinam Salai, Karur.

(Transferor)

(2) Shri S. Ravindran, Slo Shri K. P. Sivalingam, Mls Muralisankac Bros., Ratinam Road, Karur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 58, 59 Door No. 40 Area; 11233 Karur.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai

Date: 8-8-85

#### 31649

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURA1 625002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 93|Dec.|84,--Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. G.R. 284|2A|3

situated at Arivalum (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at JSR-III, Ariyalur Doc. No. 1890|84. on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and|or
- (b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1222 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri B, G, Ramakrishna, Slo Shri Gurumoorthy Iyer, 3|52 Manikantan Street, Iyyappa Nagar, Trichy Town,

(Transferor)

 Shri B. Jothilingam,
 Slo. Shri N. K. Balaktishnan Chettjar,
 Rajaji Nagar, Ariyalur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanced:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. G.R. 284|2A|3. Area: 12150 sft. Rajaji Nagar, Ariyalur.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Agett. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-8-85

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI 625002

Madurai, the 7th August 1985

Madural, the 7th August 13

Ref. No. 96 Dec. 34.—Whereas, I,
K. VENUGOPALA RAJU
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred ta
s the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a Fair Market Value exceeding
Rs. 1,00,000]— and bearing No.
S. No. 1683 part, 1697 part
situated at Puliyur Village, Karur.
(and more fully described in the Schedule annexed herete),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the effice
of the registering officer at
JSR-I, Karur Doc. No. 367/84 in Dec. 1984

on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:—

 Shri Pitcha muthu, Slo Shri Patanjanpa Gowder, P. Vellaiyumpatti Puliyur, Karur Tk.

(Transferor)

Shri T. Thuappan,
 Sho Shri Thenappa Chettiar,
 Puliyur Trustee,
 Rani Mammali Achi of Chettinadu Charitable Trust,
 Karur Γk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said istimevable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land. T.S. No. 1683 part. Area: 6.99 acres. Pullyur Village, Karur.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai

Date: 7-8-85

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADURAI 625002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 97 Dec. [84.--- Whereas, I. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. S. No. 150 part, 166|2 part, 166|3, p. 165|1 p. 165|2 & 3 p. 167|3 & 4 p. situated at Kulithalai

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-L Karur Doc. No. 1384|84. on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evacion of the sferor to pay tax under the said any income arising from the and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. L. Bright, Slo Shri Rt. Bright, International Child Welfare Service (India). Nilgiris Dt. Kothagiri.

(Transferor)

(2) hri M. Palaniappan, Slo Shri P. Muthuswamy Mudaliar. 18E. Coimbatore Road. Karur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building, T.S. No. Part of 165, 166, 167. Area: 35.78 acres. Kulithalai Village, Karur.

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-8-85

#### FORM I.T.N.S.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I MADURAI 625002

Madurai, the 8th August 1985

Ref. No. 10A|DEC|84|MDU.--Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. Door No. 42|43, New No. 50, Alamara Theru Karur Town.

situated at Alamaratheru, KARUR TOWN (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I, MADRAS NORT on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) Inclinating the reduction or evasion of the liebalty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shri P. Raju Mudaliar, Shri K. R. Ramasamy, Shri R. Balasubramanian, Shri R. Somasundaram, Alamaratheru, Karur.

(Transferor)

(2) Smt. N. Balambigai, Perumal Koil Street, KARUR TOWN.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said issumovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 42, 43 (New No. 50), Alamaratheru, Karur Town. (Doct. No. 3297/84).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai

Date: 8-8-85 Seal:

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 101 & 101A|Dec. 84|MDU.-Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing Land and building in T.S. No. 597 & 598, Ward Division 3 Karur Town situated at Karur Town

(and more fully described in the schedule annexed hereto) (and more fully described in the schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office registering officer at 1SR I, Madras North (Ooct. No. 3296|84 on 3-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the limbility of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said 9ct, to the following persons, (1) Shri P. Raju, Slo K. A. Ramaswamy, R. Balasubramaniam, R. Somasundaram, Alamara Theru, Karur.

(Transferor)

(2) Shri K. Natarajan, Perumal Koil Street,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building in T.S. No. 597 & 598 in Ward 2, Division 3, Alamaratheru, Karur Town. Doct. No. 3296|84).

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madurai-625 002

Date: 8-8-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 104|Dec.|84|MDU.—Wherens, I, K. VENUGOPALA RAJU,

K. VENUGUPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing T.S. No. 1610 & 1613|10 4th St., Ansari Nagar, Madurai situated at Ansari Nagar, Madurai (Doct. Nos. 5961, 2845 & 2843|84 2844

2843 84 2844

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at JSR I, Madural on 12-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Vijaykumar Pintal (power Agent) s o Marutham Gupta, Thambu Chetty Street, Madras-1.

(Transferor)

- (2) (1) D. Murugesan alias Murugan, So Shri D. Dharmarajan, 14, Krishnarayapuram Agraharam, Madurai.
- (2) (2) Shri D. Ramesh,
   So Shri D. Dharmarajan,
   Krishnarayapuram Agraharam, Madurai.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Door No. 17, T.S. No. 1610|2 & 1613|10 4th Street, Ansari Nagar, Madurai. (Doct. Nos. 2843, 2845, 5961 & 2844|84)

> K, VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625 002

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 8-8-1985.

(1) Smt. Thayarammal & Others, 9. Old Punchai Mettu Street, Madurai.

Standard Appliances.

Town Hall Road, Madurai.

Partner,

(2) Shri M. V. Shanmugavel Nadar,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Rcf. No. 110 Dec. 84.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing T.S. No. 29 situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SRO Madurai Doc. No. 2897|84 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income earling from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Building T.S. No 29 Door No. 82A Area: 1380 sft. Town Hall Road. Madurai.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Madurai-625 002

Date: 8-8-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons namely:—
82—236 GU85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 116|Dec.|84|MDU.—Whereas, I, K, VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Door No. 4, T.S. No. 97, North Perumal Maistry St., situated at Madurai Town

transfer with the object of :--

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office<sub>T</sub> at JSR I, Madurai (Doct, Nos. 6191, 6192, 6194 & 6199|84) on 31-12-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Shri J. Ramakrishnan, So Jayaram Naidu, 4. North Perumal Maistry St., Madurai.

(Transferor)

 Smt. R. Scethalakshmi,
 Wo Shri M. Rasu Chettiar,
 Mela Masi Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 4 T.S. No. 97, North Perumal Maistry Street situated at Madurai Town (Doc. No. 6191, 6192, 6194 and 6199/84).

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority,
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I,
> Madurai-625 00

Date: 8-8-1985.

#### FORM ITNS -----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 117 Dec. 84 MDU.—Whereas, I. K, VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. 40, Kamaraj Salai Madurai Town situated at Madurai Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer JSR I, Madurai (Doct. Nos. 5707, 5708, 5712 & 5713 84) on

26-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Musthak Shah Sahib Sathguru and minors No. 1, Keelamathur, Madurai South Taluk.

(Transferor)

(2) M/s. Ambassador Textiles, by partner Smt. Susheela Arvin Shah, No. 156, East Veli Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building No. 40, Kamaraar Salai, Keelamathur, Madurai (Doct. No. 5707, 5708, 5712 and 5713|84)

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Madural-625 002

Date: 8-8-1985.

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 117A Dec. 84.—Whereas, 1, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

S. No. 1974 | 1 part situated at Madurai

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO-I, Madurai Doc. No. 5709|84, 5710, 5708|84 on Dec.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indlan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mustapa Sahib Satguru, S|o Shri Muhait Shah Satguru, 1 Keelamathur, Madurai South Tk.

(Transferor)

(2) Shri R. Narantheralalan, Slo Shri Rawajilal,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House land S. No. 1974 1, Area: 2 cents 23 sit. 10 inches Keelamathur, Madurai South Tk.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625 002

Date: 8-8-1985

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADURAL-625002

Madurai-625002, the 8th August 1985

Ref. No. 120|Dec.|84.-Whereas, I,

transfer with the object of :--

K. VENUGOPALA RAIU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reseen to believe that the immovable property, having a fair market value amounting Rs 1 00 0001- and hearing

movable property, having a fair market value according Rs. 1,00,000|- and bearing S. No. 135|1 part situated at Thiruparamkunram, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

JSR-I, Madurai Doc. No. 130/84 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easen which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. R. Rajendran, Slo Shri C. S. Varadachari, For Sitalakshmi Trust, Hill Crist, Pasumalai, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. Kamalam Rajendran, Wlo Shri C. R. Rajendran, C. P. Schasayer Charitable Trust, Hill Crist, Pasumalai, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land. Plot No. 160K, T.S. No. 135/1 part. Area 200 x 168 sft. Thiruparamkunram, Madurai.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625 002

Date: 8-8-1985.

(1) Mehboob Mohd.

(Transferce)

(2) Abdullah M. Saheb Jendi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37G|2591|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land with Bldg. CTS No. 418|1 to 6, 419|1 to 8, Abdulla Manzil Ambedkar Chowk, Kurla, Bombay-70 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer 1029|83|84-85 dated 7-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 31-7-1985.

Seal •

## FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Sushiladevi L. Chugh & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hotel Annapoorna by its partners.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. ВОМВЛУ

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37G|2559|84-85.-Whereus, I,

A. PRASAD, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-vable property, having a fuir market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Piece or parcel of land bearing plot No. 8-A, Collector's colony, Wadhavli, Chembur, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and (he agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

## THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer Bombay under No. AR. [3073]84|84-85 dated 5-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

mow, werefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 31-7-1985.

(1) Sh. Jaywant B. Bhoir & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shivshankar Co-op, Hsg. Sct. Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III[37G|2557|84-85.—Whereas, 1,

Ref. No. AR.III 3/G|255/|84-85.—whereas, 1,
A. PRASAD,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have
reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Part or parcel of land S. No. 74 (p) CTS No. 564, Mulund (E), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Bombay on 3-12-1984

for an apparent consideration for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

ra) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part or parcel of land S. No. 74 (p) CTS No. 564 Mulund (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. 2293 83 dated 3-12-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,. Bombay

Dated: 31-7-1985.

FORM ITNS ---

(1) Jaywant B. Bhoir & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Sagar Firth Co-op. Hsg. Sct. Ltd

(Transferee)

## MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III 37G 2558 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing viece or parcel of land S. No. 74 CTS No. 564 (P) Mulund

lombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority

t Bombay on 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the eforesaid property and I have reason o belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. sed/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or either assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following norm os mamely ---

83-236 GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unadraigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer Bombay under No. 2294 84-85 dated 3-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Acquisition Range-III. Inspecting Assistant Commis-Bombay

Dated: 31-7-1985.

(1) Aditya Construction & Development Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Shii Madhav K. Kamat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### COVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 31st Tuly 1985

Ref. No. AR.III 37EE 14018 84-85. - Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

land bearing S. No. 51, H. No. 1(p) S. No. 20, H. No. 6, S. No. 22, H. No. 2, S. No. 31 H. No. 3, S. No. 34, H. o. 2 (2) Dindoshi, Chincholi, Bombay

(and more fu'ly described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the avoresald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer. and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incone-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-12X Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 51, H. No. 1(p) S. No. 34, H. No. 2, (p) S. No. 51, H. No. 1(p) S. No. 20, H. No. 6, S. No. 22, H. No. 2, S. No. 31, H. No. 3, Village Dindhoshi and Taluka, Borivli, Chincholi, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authory, Bombay under No. AR.III 37EE 14018 84-85 dated rity, Bom 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Rombay

Dated: 31-7-1985.

(1) Mrs. Ashwin T. Gala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15031|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 10, 3rd floor proposed Bldg. at Brahman Waui Pipe Road, Kurla, Bombay-70, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

formbay on 1-12-1984 (or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with she object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the inbility of the masteror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, be transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shri Yogindra Mohan and Usha Joshi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 42 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 10, 31d floor Proposed Building at Brahman Wadi, Pipe Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III|37EE|1503|84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 31-7-1985

FORM LT.N.S.

(1) Smt. S. L. Thakker.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. R. DLesai.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOMETAX, ASSISTANT COMMIS-

#### ACQUISITION RANGE-IJI, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.37EE|15164|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. B-21. 6th Floor Bldg. Ratan Palace, Garodia Nagar, Chattonar Borshuy 77.

Ghatkopar Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) rachitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-21, 6th Floor Ratan Palance, Carodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE 15164 84-85 on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

....... therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely:--

Date: 31-7-1985

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS --

(1) Shri Gordhandas S. Garodia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sarita M. Garodia.

(Transferec)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III]37EE]14942[84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fite market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Mamakwala Bungalow, M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-77

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1384

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mamakwala Bungalow, Mahatama Gandhi Road, C.T. S. No. 210, of Village Ghatkopar and CTS No. 501 of Village Kirol, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.III|37EE|14942|84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresuid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-7-1985

FORM ITNS ----

(1) Shri Purshotamda; Lalji Thakkar & Ors.

(2) Manish Housing Development.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 15174 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imassyable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Piece of parcel of land S. No. 41, H. No. 4, CTS No. 285, Hariali Village Vikhtoli, Bombay,

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incomic arising from the transfer; no!bas
- (b) facilitating the concentment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter

## THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 41, Hissa No. 4, C.T.S. No. 285, Mariali Village Vikhroli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.III[37EE]1529[84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 31-7-1985

- (1) Mrs. Gita Narayanan.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vijayaraghavan Sarangpani. (Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION KANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15229|84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 16, Garodia Nagar, Jyoti C.H.S. Ltd. 143, Garodia

Nagar, Ghatkopar, Bombay-77,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 16, Garodia Nagar Iyoti Co-op. Hsg. Society Ltd., 143, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.III[37EE]15299[84 85 on 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

(1) Smt. Nirmal Womnath Kapoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardar Khan Usmankhan Pathan.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RAINGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III/37EE/14900/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 44, 4th floor E-Wing Bldg. No. 2, 396, Teximent
CHS Ltd. Off L.B.S. Marg, Kurla, Bombay-70,

situated at Bombay

1070

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce io. the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 2957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby a state proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property --

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this police in the Official Gazotte

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 44, 4th Floor E-Wing Bldg. No. 2, 396, Teximent C.H. S. Ltd. Off: L.B.S. Marg, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III|37EE|14900|84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay.

Date: 31-7-1985

(1) Shri V. D. Mehta.

(Transferor)

(2) Shri H. P. Parmar & Others,

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III[37EE]15077[84-85.---Whereas, ], A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 7]1, Dhiraj Apartment, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., (Reg. No BOM HSG N wand 6955 of 1981) Oghadbhai Lanc, Ghatkopar, Bombay-77,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparaent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following
octions and section 269D of the said Act to the following

84--236GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

7|1, Dhiraj Apartment, Co-op. Hsg. Society Ltd., (Reg. No. BOM|HSG|N ward|6955 of 1981), Oghadbhai Lane, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III|37EE|15077|84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 31-7-1985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III|37EE||15553|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 6, Jyotsana C.H.S. Ltd. 2nd Floor R. B. Mehta Rd. Ghatkopar (E), Bombay-77,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is les than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mon. than fifteen percent of such apparent consideration and a the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1954 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subthe (1) of Section 769D of the said Act to the following wrse namely :-

(1) Vasudevan Narasimhan.

(Transferor)

(2) Himatlal Kanji Patel & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, Jyotsana C.H.S. Ltd. 2nd floor R. B. Mehta Road Ghatkopar (E), Bomobay-77. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.III[37EE]15553[84-85 on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 31-7-1985

Seal ;

(1) Ms. Neelam Developers.

(Transferor)

(2) Mr. M. N. Swamy.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III[37EE]15294]84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 602, 6th floor C-Wing Bldg. No.2, Shant Park, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay 81,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforovald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

602, 6th Floor C-Wing, Bldg. No. 2, Shant Park Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.III]37EE|15294|84-85 on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition ange-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 31-7-1985

(1) Smt. N. P. Maniar.

(Transferor)

(2) Shrl V. L. Gala.

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. Noo. AR-III[37EE]15241[84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000, and bearing

No. The Niharika Co-op. Hsg. Society Ltd. Bhawehwar Chhaya, flat No. 3, Rajawadi, Bomobny-77,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, The Niharika Co-op, Hsg. Society Ltd., Bhawehwar Chhaya, Rajawadi, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomobay under Serial No. AR.III 37EE 15241 84-85 on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition ange-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-7-1985

Bombay on 1-12-1984

#### FORM ITNS-

#### (1) B. C. Shah (H.U.F.) & Ors.

(Transferor)

## (2) Senti Fasteners.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Boombay, the 31st July 1985

Ref. No. A-III 37EE 15153 84-85.---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Serial 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing

Unit No. 23, Gr. Fl. Suyog Indl. Estate, L.B.S. Mare, Vikhroli (W), Bombay-83, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed herto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersignad :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 23, Gr. Floor Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg, Vikhroli (W), Bombay-83,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-[II]37FE]15153|84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition ange-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-7-1985

#### FORM ITN9-

(1) Mrs. Kuljit Kaur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. V. Nathan. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY,

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III]37EE|15266|34-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 2, 1st floor, D wing, Damodar Park, Ghatkopar (W), Bombay-86,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 411 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, D-Wing, Damodar Park, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III|37EE|15266|84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tall
Acquisition ange-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 31-7-1985

#### FORM ITNS--

(1) M/s Khanolkar & Desai

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vrushali V. Shinde

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** Bombay, the 31st July 1985

Ref. Ne. AR.III|37EE|15108-A|84-85.— Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 2 (Wing-C), 2nd Floor, Abhijeet, Near Vakola
Bridge Police Station, Santacruz(E), Bombay,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 (Wing-C), 2nd Floor, Abhijeet, Near Vakola Bridge Police Station, Santacruz(E), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15108-A|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

- (1) Smt. Kiter alias Quiteria Thomas Rodrigues & Oca (Transferors)
- (2) Shri Ram A. Pandey & Ors.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY** 

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14952|84-85.-Whereas, I. Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Piece or parcel of land bearings S. No. 312, H. Nos. 24, 28 and 23, CTS Nos. 48883, 4884 & 4205, Village Kole Kalvan, Kalina, Santacruz(E), Bombay-98. (and more fully described in the schedule annexed hereto), have been transferred and the correspond to resistant and the correspond to the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under action 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated by the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aut in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 312. H. Nos. 24, 28 and 23, CTS Nos. 48883, 4884 & 4205, Village Kole Kalyan, Kalina, Santacruz(E), Bombay-98.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14952|84-85 Authority, Bem dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

(1) V. R. Sharma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION WORLD OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. T. Chhabria

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No AR.III|37EE|15501|84-85.--

Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding the control of the

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 37, 3rd floor, Akash Dahashan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Santacruz(E), Bombay-55. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under School 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subtersons, namely :--\$5--236 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Flat No. 37, 3rd floor, Akash Dahashan Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Santacruz(E), Bombay-55.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15501|84-85 dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bembay

Date : 31-7-1985

#### FORM I.T.N.S .---

(1) M|s, Ratilal & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. K. Gotecha & Others

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.III|37EE|15499|84-85.— Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. B.38, 6th floor, Mahavir Mansion, Bidg., Plot No.
16, Garodia Nagar, Ghatkopar(E), Bombay-77
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. B.38, 6th floor, Mahavir Mansion, Bldg., Plot No. 16, Garodia Nagar, Ghatkopar(E), Bombay-77
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III37EE 15499 84-85 dated 1-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

(1) M<sub>s</sub>. Manish Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. A. Thomas

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

> Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 15288 84-85.-

Ref. No. AR.III|37EE|15288|84-85.— Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 9, Hazari Baug, Hariali Village, Vikhroli, Bombay-83.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 9, Hazari Baug, Hariali Village, Vikhroli, Bombay-The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III 37EE 15288 84-85

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

dated 1-12-1984.

#### FORM ITNS ---

(1) Mis. Vimal Sales Corporation

(Transferor)

(2) Shri D. L. Ramchandani

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 15400 84-85 .--

whereas, I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the ininiovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 311, Hill view, Industrial Estate, 3rd floor, L.B.S. Marg, Ghatkopar(W), Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the control of the Income tax Act. 1961 in the officer of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compilent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 311, Hill view, Industrial Estate, 3rd floor, L.B.S. Marg, Ghatkopar(W), Bombay-86. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15400|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followmg persons, namely :-

Date : \$1-7-1985

(1) M/s. Ratilal & Co.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S.P. Parckh

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15056|84-85.---Whereas. I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000] and bearing
Flat No. Al8, 3rd floor, Mahavir Mansion, Plot No. 16,
Garodia Nagar, Ghatkopar(E), Bombay-77.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as arosesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer the parties have not been really stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weatth-ta; Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A|8, 3rd floor, Mahavir Mansion. Plot No. 16, Garodia Nagar, Ghatkopar(E), Bombay-77.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,III|37EE|15056|34-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely :--

Date: 31-7-1985

Seel :

are the from the control of the first of the FORM ITNS-

(1) Ms. Ramraj Builders

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Svam Malkani

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

> Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15369|84-85.--

Whereas, I, A. PRASAD, neing the Computer authority under Section 269B of the meome-tax Act, 1361 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Fla. No. 4, 4th Fl. Rum Sagar, Kaju Pada Bridge Ghatkopar,

Вошвау-84.

tend more fully described to the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bambay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-send exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manafer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer REM / OR
- (b) facilitating the concealment of any income or an, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 20 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, 4th Fl. Ram Sagar, Kaju Pada Bridge Ghatkopar, Bombay-84. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15369|84-85 dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 31-7-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Suyog Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. J. Sangot & Others

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, ROMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14974|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

Flat No. 50|A, 1st floor, Suyog Industrial Estate, L.B.S. Read, Vikhroli(W), Bombay-83, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bumbay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or :-

(a) by any of the aforcsald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of the notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same maning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 50 A, 1st floor, Suyog Industrial Estate, L.B.S. Read, Vikhroli(W), Bombay-83. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37EE|14974|34-85

THE SCHEDULE

dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

(1) Mis. Star Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. S. I. A. Siddiqui

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 14945 84-85 .--

Ref. No. AR.III[37EE]14945[84-85.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat Nos. 7 & 8, SA. Bina Apts., Asalpha, Near Himalaya Society, N.S.S. Road, Ghatkopar, Bombay-84.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Fig. Nos. 7 & 8. SA. Bina Apts., Asalpha, Near Himalaya Society, N.S.S. Road, Ghatkopar, Bombay-84. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14945 84-85 Authority, Bom dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

Date: 31-7-1985

## (1) M|s. Neclam Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. S. Swamy

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15295|84-85,—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 601, 6th Fl. C-Wing Bldg. No. 2, Shant Park, Garodia Nagar, Ghatkopar(E), Bombay-81, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under inclinal 259AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the contralment of any income or any moneys or other stats which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

регволя, namely :--86---236 GI|85 Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

601, 6th Fl. C-Wing Bldg. No. 2, Shant Park, Garodia Nagar, Ghatkopar(E), Bombay-81. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15295|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 31-7-1985

......

FORM ITNS-----

and the contract of the contra

(i) M/s Ramraj Builders

(Transferor)

(2) Smt. Deepa Dilip Borhaade

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

## ACQUISITION RANGE-III,

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IU|37EE|15368|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5th on 2nd Floor, Ram Sagar, Kajupada Bridge, Near Shivsena Office, Asalphe, Ghatkopar(W), Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilisating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5th on 2nd Floor, Ram Sagar, Kajupada Bridge, Near Shivsena Office, Asalphe, Ghatkopar(W), Bombay-86, be agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/15363/84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

(1) Smt. M. K. Makhija.

(Transferor)

(2) Mrs. K. S. Sabhnani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III 37EE 15563 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 72.B, Fair Life Co.op. Hsg. Soc. Ltd., 2nd floor, Sindhu Wadi, 252|A, K. G. Road,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 72.B. Fair Life Co.op. Hsg. Soc. Ltd., 2nd floor, Sindhu Wadi, 252 A, M. G. Road, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III|37EE|15563|84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-7-1985

(1) Smt. Mohin K. Makhija.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 2000 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. B. Sabhnani.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III|37EE|15564|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing 1 lat No. 72-A, Fair Life CHSL first F. Sindhu Wadi, 252-A, M. G. Road, Ghatkopar, Bombay-77 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than face on sideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Tenament No. 72-A, Fair Life Co-op. Hsg. Soc. Ltd., first fl. Sindhu Wadi, 252-A, M. G. Road, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-J[I]37EE[15564] 84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

## FORM ITNS----

(1) Shri M. M. Dholakia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. B. Kamdar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III|37EE|15469|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax A.1, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001- and bearing

to as the sant Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 5423, Bdlg. No. 197, Maharashtra Hsg. Board, Pant (and more fully described in the Schedule annexed bereto), Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-75 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

Bombay on 1-12-1964

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said introevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5423, Bldg. No. 197, Maharashtra Housing Board, Pant Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-75.

The agreement has been registered by the Competent Authority, IBombay under Serial No AR-III 37EE 15469 84-85 on 1-12-34.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 31-7-1985

(1) M|s. Vikram Developments,

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shree Laxmi Construction.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III 37EL 15290 84-35.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immediate

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 19 Gr. Fl. G-Wing Vikram Apartments, New Maneklal Estate, L.B.S. Marg.

Ghatkopar (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the anid Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 19, Gr. Fl. G-Wing, Vikram Apartment, New Maneklal Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III|37EE|15290 on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sai? Act, I hereby initiate proceezings for the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269DL of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

(1) Mrs. B. J. Attar,

(Transferor)

(2) Mrs. S. I. Parkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (47 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III/37EE/15162/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 200B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No. Flat No. 204, 2nd floor, D Bldg., Salman Chambers, L.B.S. Marg, Kurla, Bombay-70 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or;
- (b) facilitating the concealment of any income or enty moneys or other seests which have 100 been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under seasection (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely ....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Oficial Gazette or a period of 30 days from the sorvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, D Bldg., Salman Chambers, 1 B.S. Marg, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III|37EE|15162|84-85 on I-12-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Date: 31-7-1985

(1) Mr. B. N. Patade.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pranlal Motilal Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-111/37EE/15405/84-85,--Whereas, I, A. PRASAD,

peing the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Bldg. No. 195, Block No. 5389 M. H. Board Second Fl.

M.I.G. Pantnagar, Ghatkopar (E), Bombay-75

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AH of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the afercenid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeexcleds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between be parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- in tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurporten of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act. 1957 1**27** of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the case of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Bldg. No. 195, Block No. 5389, M. H. Board, Second Fl. M.I.G. Pantnagar, Ghatkopar (E), Bombay-75.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III|37EE|15405|84-85 on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 31-7-1985

FORM ITNS-----

(1) Ms. Mehta Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Darshan Madanlal Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR-III 37EE 15005 84-85. Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1.00,000|-and bearing No. Flat No. 1, 10th fl. Bldg. No. 60, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-84

Bombay on 1-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than rifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used acted as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from she transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any rioneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, 10th fi. Bldg. No. 60, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III|37EE|15005|84-85 on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---87---236GI|85

Date: 31-7-1985

FORM ITNS----

(1) Smt. J. V. Lele,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. N. Makhija & Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in viriting to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III 37EE 15374 84-85. Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a, the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair maket value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing flat No. 16, S. No. 236-A, Garodin Mayor Pember 73. dia Nagar, Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable traperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Opp. Garodia Nagar, Plot No. 191|12, Ghat-

konar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE 15374 84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 31-7-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Decpak Builders Pvt. I.td.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mannan Salim Khan & Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III|37EE|15104|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Flat No. 001, Gr. Fl. Bldg. No. 14, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla (W), Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act.
shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 001, Gr. Fl. Bldg. No. 14, Kapadja Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III 37EE 15104 84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-rax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 31-7-3985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Mohini K. Makhija.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (2) Shri Vinod B. Sabhnani.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III 37EE 15546 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Tenahent No. 72, Fair Life CHSL. Ground Fl. Sindhu Wadi, 252]A, Mahatma Gandhi Rd., Ghatkopar, Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paties has not been truly dated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Tenament No. 72, Fair Life Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Gr. Fl., Sindhu Wadi, 252 A. M. G. Road, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III 37EE 15546 84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

Seai :

#### FORM JTNS----

(1) Mls. Star Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mehboob Abdul Rehman & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III[37LE]15103[84-85.---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable propity having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 301, 3rd Fl. Sabina Apr. N.S.S. Road, Near Himalaya Soct. Asalpha, Ghatkopar, Bombay-84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Objectios, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Fl. Sabina Apartments, N.S.S. Road, Near Himalaya Soct. Asalpha Ghatkopar (W), Bombay-84.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37FE|15113|84-85 on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Acquisition Range-II. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Bombay Acquisition Range-II.

Date: 31-7-1985

Now, therefore, in pursuance of Soction 369C of the ana. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

(1) Shri V. Balasoramamanian,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ahmad Khan Hussain Khan,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15510|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 7, Bldg. No. 2, MIG. Colony, Kurla (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period ot 30 days from the service or notice on the res-

pective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the satu Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, Bldg. No. 2, MIG Colony, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III|37EE|15510|84-85 on the Competent 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bomb

Date: 31-7-1985

(1) Keshar V. liari & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mahendrakumar Moolchand Shah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III/37-EE|15379|84-85.--Whereas, I, A. FRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000'- and bearing Flat No. 3, Georgaon Madan Vihar Co-op. Hsg. Sci. Ltd., riat No. 3, Georgaon Madan Vihar Co-on. Hsg. Sct. Ltd., 189, Jawahar Nagar, Gr. floor, Goregaon (W), Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Goregaon Madan Vihar Co-op. Hsg. Sct. Ltd., 189 Jawahar Nagar, Gr. fl. Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|15379|84-85 dt. !-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Now, therefore, in pursuance of section 2000 of the said act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, namely:-

Date: 31-7-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Girdharilal J. Thapar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Neelam Kapoor.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III ВОМВАУ

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III[37-EE]15262[84-85,-Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 2, B'dg. No. 2-A Nityanand Baug, Chembur, Bon.bay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been temsferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ot

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2, Bldg. No. 2-A, Nityanand Baug, Chembur, The agreement has been registered by the Connectent uthority. Rombay under No. AR.III/37-EE/15362[84-85] Authority. dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-7-1985

(1) Shri Binay Krishna Chakravarty.

( Cransferor)

(2) Shri Penjon Mockerjee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Fombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IIII07/1 F/15307[84-85.-Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 6, on plot No. 233-A. Subaraban Scheme No. III,

10th Road, Chembur, Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Seation 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One residential flat No. 6, Shankar Jyoti Co-op. Hsg. Sct. Ltd., 10th Road on plot No 233-A, Subaraban Scheme No. III. Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37-FF 15307 84-85 dt. 1-12 1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, amely:— 88-236GI|85

Date: 31-7-1985

Seal ;

(1) Smt. Putlibai J. Malkani.

( Fransferor)

(2) Shri Deepak T. Sahijwani & Ora.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III 37-EE 15394 84-85. Whereas, I,

A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 6, Building No. 18-A, Navjivan Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Chembur. Bombay

(and more fully described in the Schedule annaxed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB off the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Building No. 18-A, Navjivan Co-op. Hag. Sct. Ltd. Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. AR.III[37-EE]15394|84-85 Authority. B dt. 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Date: 31-7-1985

#### (1) Ms. H. S. P. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. A. Vishwanathan & Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.III 37-EE 15565 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No:
Flat No. 5, plot No 12. Indumati Sadan,
Pestom Sagar, Chembul, Bombay-89
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12,1984 on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the felr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

THE SCHEDULE Flat No. 5, plot No. 12, Indumati Sadan, Pestom Sagar, Chembur, Pombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|15565|34-85 dt. 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, ir pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-7-1985

(1) Shri Babulal Ambalal Jain.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shri M. D. Shenoy.

(Iransferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-III EOMBAY

hombay, the 31st July 1985

Ref. No.  $\Delta R. HI|37-IF_115280.84-85$ .—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1661 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a 16h market value exceeding

**Rs.** 1,00.0001- and 1.5, and i.g.

Flat No. 10, (11, 11, 1) felding A, Icevan Naiya Co-op Hsg. Sct. Ltd., Plot No. 400, Behind Telephones Exchange, Chembur Naka, Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Scotion 269AL of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less thann the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manager is the access which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsersion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, Building No. A. Gr. floor, Jecvan Naya Co-op. Hsg. Sct. 1.td. Behind Telephones Exchange, Chembur Naka, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Correctent Authority, Bombny under No. AR.III 37 FE;15250 84-85 dt, 1-12-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-IJI

Ecombay

Date: 31-7-1985

#### FORM ITNS----

(1) Kum, Devi D. Bellara.

(Fransferor)

(2) M<sub>1</sub>, V. G. Noronha.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPIREMING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISHION RANGLIII BOMBAY

Bombay, the 31st July 1935

Ref. No. AR.HI 37-1:L (15, 39 84-85.--Whereas, 4,

A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) thereinafter referred to m the 'said Act'), have treeon to believe that the immovable

m the 'said Act'), have reson to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing Flat No. D-2. Bldg No 8 3rd floor, Basant Park, R. C. Marg. Cherebra remains 71 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and be in concert is registered under Section 260AR of the Lacometax Act, 1961 in the office of the Compount Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the atoresaid moperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there'er by more than fifteen per each of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a))facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of rother assets which have not been or which ought to be dictored by the transferee for the purposes of the indian meometax. Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation - the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No D-2, Bldg. No. 8, 31d fl. Basant park, R. C. Marg, Chembur, Bombay-71.

The agreemer has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III 37-EF [15331]84-85 dt, 1-12-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III E-mbay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the other ing persons, namely ----

Date: 51-7-1985

31708

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARJII|37-EE|15118|84-85,---Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 13, Gr. Floor, Paras Niketan Plot Nos. 35, 38 & 39, Sector No. VI. Chheda Nagar, Chembur, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB off the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ta: Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act 1917 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I here's initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Velji Shivii Rambhia.

(Transferor)

(2) Kantilal K. Gangri.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 13, Gr. Floor, Paras Niketan Plot Noc. 35, 38 & 39, Sector No. VI, Chheda Nagar, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37-EE|15118|84-85 dt. 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 31-7-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mr. Gopal A. Jagwani

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh R. Lalsani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37-EE|15338|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000]- and bearing
Unit No. 55, first floor Building Block B, Shah Industrial
Premises Co-op. Hsg. Sct. Ltd. 67, Deonar, Bombay-88
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB off the Income-tax Act, 1961
in the office of the Competent Authority at Bombay
on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ef 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 55, first floor Building Block B-Shah Industrial Estate, Deonar, Bombay-88.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37.EE 15338 84-85 dt. 1-12-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 31-7-1985

(1) Mrs. R. D. Shariff

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Javant Kumar Gupta.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Rcf. No. ARJII|37EE|15486|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 2098 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imme vable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 2, Blue Diamond Apt. Maharshi Dayanand Saraswati Marg. Chembur, Bombay 71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB off the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-anid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said Instrument of sransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concesiment of any income or any meneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDITE

Flat No. 2, Blue Diamond Apartments, Maharshi Dayanand Sarswati Marg, Chembur, Bombay 71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bo Bombay under No. AR.III 37-FE | 15486 | 84-85

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Cange-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

(1) Shri Alok Satkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Taralal Wo Late Dr. R. Lal & Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III]37-EE[15290|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Plot bearing No. 29 of a Sub-Div. layout (S. No. 60, 61 (P) 62(p), prepared by H|s. Uday Giri Co-op. Hsg. Sct. Ltd.,

Doonar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any manneys or other assets which have not been 6, which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 29, layout S. No. 60, 61(p) 62(p) prepared by M[s. Uday Giri Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Deonar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37-EE 15320 84-85 dt, 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section solve Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°P of the said Act, to the following persont, namely:— 89--236GI|85

Date: 31-7-1985

#### FORM I'MS-

(1) Mr. Vijay Vaman Moghe.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M[s. Laxmi Electricals.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JII BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 15445 84-85.—Whereas, L. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Shop No. 10, Deonar Hill C.H.S. Ltd. Deonar Baug,
Deonar, Bombay-88

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AE of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Shop No. 10, Deonar Hill Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Deonar Baug, Deonar, Bombay-88.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.III 37-EE 15445 84-85 Authority, Bodt, 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-7-1985

- (1) Smt. L. N. Chugh.
- (Transferor)
- (2) Smt. Shalini T. Mirchandani & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15330|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovas the Said Act) have leason to believe in able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 7, 3rd Fl. Bldg-A, Atur Lawns C.H.S. Ltd.

Sion Trombay Rd. Bombay 71.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7, 3rd Fl Bldg-A, Atur Lawns C.H.S. Ltd. Trombay Road, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.III[37EE]15330[84-85 dated 1-12-1984.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid the property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: --

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 31-7-1985

(1) Mr. Rajesh Shantilal Mody.

(Transferor)

N()TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Gomma Industries.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15465|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

(2) SmGala No. 201, B 202, B203 and B204 2nd fl. Virwani Indl. Estate, Wester Express Highway Geregaon (E), Bombay-62. situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, in hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Gala No. B201, D202, B203 and B204, 2nd Fl. Virwani Indl. Estate, Wester Express Highway, Goregaon (E), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37EE]15465[84-85] dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 31-7-1985

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Sh. Rajiv Ramakant Nerurkar.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 31st July 1985

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15199|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovas the Said Act), have reason to believe that the able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 103, first fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beta

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1×22 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as all defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 103, First Il. Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15199|84-85 date 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Dated: 31-7-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

#### GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 15198 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and

bearing No. Flat No. 23, 1st fl. Hemal Apartment, plot No. 19, 41, Village Melwani, Malad (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the earties has not been truly stated in the said instrument of gansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ms. Hemal Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Thakur Ramesh Ramchandra

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 23, 1st fl. Hemal Apartment, plot bearing C.S. No. 19, 41, Nos. 85|5|96|1, Village Malwani, Malad (W). Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III 37EE 15198 84-85 Authority, Bombay dated:—1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 31-7-1985

(1) Karmali Enterprise.

(2) Saiyed Noor Mohboob.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14984|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-land bearing No. 2, Rukaiya Palace, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies, Malad (W), Bombay-64. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evastion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Rukaiya Palace Somwar Bazar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay unded No. AR.III[37EE]14984[84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 31-7-1985

(1) M|s. Manali Corporation.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Mrs. K. K. Gunta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15016|84-85.-Whereas, I, A. FRASAD

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 73 & 74 7th fl. Manali Bldg. No. 5, Valual Village, Malad (W),

Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than affirm any control of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incomo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given In that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 73 & 74, 7th fl. Manali Bldg. No. 5, Valnai Village Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent thority, Bombay under No. ALLIN 37EE 15016 84-85 Authority, Bombay dated1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 31-7-1985

FORM ITNS-----

(1) R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Sh. C. R. Kamra & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref., No. AR.III|37ΕΕ|15455|84-85.---Whereas, I, Δ. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No. Flat No. 304, 3rd fl. Antlanta B-Wing, Off Vanai Village, Marve Road,

Malad (W), Bombay-64. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) technishing the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any naoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
90—236G1|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd fl. Atlanta B-Wing, Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Maled (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37EE]15455[84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 31-7-1985

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III]37FE|15024|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 11, 1st floor, Gokul Apartment, Gaushala Lane, Malad (E), Bombay-97. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) incilitating the reduction or evasion of the timbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Dattani Constructions.

(Transferor)

(2) S. M. Bhatt & Others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used neroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor, Gokul Apartment, Gaushala Lane, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15024|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge-III, Bombay.

Date: 31-7-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Karmali Enterprise.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mr. Hasn U. Shaikh,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14988|84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD

A. FRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 207, Rukaiya Palace,

Somwar Bazar, Malad (W), Bombay-64,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) Pacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. B-207, Rukaiya Palace, Somwar Bazar, S. No. 388/2, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14988 84-85 date 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7 1985

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-AAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. R. Nerurkar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-III|37EE|15200|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD

A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 104, 1st floor, Ajit Park, B-Wing, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64

Bombay-64.

Situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair newtest rolly of the preparity and Labor recent to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating te reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer. and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Ajit Park, B-wing, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III]37EE]15200[84-85 on 1-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any no mays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 31-7-1985

#### FORM ITNS ...

#### (1) Mls. Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. A. M. Bindal,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15245|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD

A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 21, 2nd Fl. Manali Bidg. No. 5, Plot Nos. 48, 49, & 50, Valnai Village, Madad (W), Bombay. situated at Bombay (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, 2nd fl. Manali Bldg. No. 5, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EF 15245 84-85 date 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-7-1985

Soal :

(1) R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Amita P. Vinekar.

may be made in writing to the undersigned:-

ever period expires later:

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III[37EE[15244]84-85.--Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000|- and bearing No. bearing No. Fiat No. 503, 5th Fl. Atlanta D-Wing Valnaj Village, Marve Rd. Malad,

(West), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen pr cnt of such apparent consideration and ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th fl. Atlanta D-Wing, Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15244|84-85 date 1-12-1984.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 31-7-1985

N p > (07 5 1 ) 7 PM ( 12 20 0 ) 12 PM

(1) R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss M. I. Noronha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15456|84-85,-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. Flat No. 6031 6th fl. Atlanta E-Wing plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Office at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the profile has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evecion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th fl. Atlanta E-Wing, plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, III 37. FE 15456 84-85 dated 1-12-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-7-1985

(1) Shri Gunvantrai Maganlal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gunvantiben Kehavji.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15403|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 81, Medad Shopping Centre, S. V. Road,

Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registtring Office at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 81, Malad Shopping Centre, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III]37.EE]15403|84-85 dated 1-12-1984.

> Λ. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-19#

#### FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15425|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No. 17, 3rd Fl, Sevashram, Liberty Garden Rd. No. 1, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) raculating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferse that the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
92—236GI|85

(1) Mrs. Neela Nalin Khanwala.

(Transferor)

31727

(2) Mr. Keshavlal M. Patel & Ors.

(Transferee)

Objections, if easy, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovsible property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, chall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 17. 3rd Fl. Sevashram, Liberty Garden Rd. No. 1, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37EE]15425]84-85 dated 1-12-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

(1) Basant Kadia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OP 1961)

(2) Shri Mansukhlal R. Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15500|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a few market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Shop No. 7, Ambu Praik C.H.S. Ltd. Chineholi

Phatak Rd. Malad (W), Bombay-65.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property wihtin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ambu Partik Co-op. Hsg. Set. Ltd. Chincholi Phata Road, Malad (W), Bombay-64.

'The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|15500|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely : -

Date: 31-7-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Rombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15507|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 503-C, 5th fl. Rajendra Vihar Apartments, Plot No. 28, S. N. 26, Village Valnai, Malad Marve Rd. Malad (W), Bomblay-64, situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfact and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sucht to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mis Mehta Builders.

(Transferor)

(2) John Philip and Philip Thomas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 503-C 5th Fl. Rajendra Vihar Apartmen's, Plot No. 28, Survey No. 26, Village Valnai, Malad Marve Road, Malad (W), Bornbay-64.

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under No. AR.III | 37.FE | 15507 | 34-85 dated 1-12-1984.

A. PFASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bembaj

Date: 31-7-1985

(1) Smt. C. C. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME JAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Lizzie Pereira and Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.HII3711,15404[84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 and tearing

No. Scop No. 4, Or. 14. Diligent Builders, Malad,

Bomsay-64,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds t heapparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tsx Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sold Act, to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Gr Fl. Diligent Builders, Malad, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bornbay under No. AR.III]37.EE|15404|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-[1], Bombay

Date: 31-7-1985

CTTTTTTTTTTT

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/15506/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000; and bearing

No. Flat No. 4, 1st floor in Pallavi-A Bldg. CST No. 5631 (Pt.) & 5634 (Pt.) at Pent Nagar, Ghatkopar (E) Bombay-75 situated at Bombay

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 30mbay on 1-12-1984

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than teen per cent of such apparent consideration and that the isideration for such transfer as agreed to between the ties has not been truly stated in the said instrument of isfer with the object of:—

 a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

acilitating the concealment of any income or any ioneys or other assets which have not been or hich ought to be disclosed by the transferee for e purposes of the Indian Income tax Act 1922 1 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax t, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis Ashok Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Bhalchandra Dhonduram Pore & Mrs. Vijaya Bhalchandra Pore.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor in Pallavi-A Bldg. S. No. 85 H. No. 3 (Pt) S. No. 87 (pt.) CST No. 5631 (pt) & 5634 (Pt) at Pant Magar, Gbutkopar (East), Bombay-75.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bornbay under No. AR,III|37,EE|15306|84-85 dated 1-12-198-1.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Bombay

rursuance of Section 269°C of the said receedings for the acquisition of the issue of this notice under subthe said Act, to the following

Date: 31-7-1985

- (1) Shri K. V. Patel.
- (Transferor)
- (2) Shri M. K. Shah.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15216|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the

encome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 19, 2nd Fl. Vishvashanti Quarry Road, Malad(E), Rombay, 97

situated at Rombay

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Bombay on 1-12-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given i that Chapter.

#### THE SCHEDULE

- (a) factituating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922-111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 19, 2nd fl. Vishvashanti Bldg. Quarry Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the C Authority, Bombay under No. AR.HI]37.EE|15' dated 1-12-1984.

Competer Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, tamely :--

Date: 31-7-1985

(1) M/s Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. R. Potnis & Ors,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.JII|37.EE|15247|84-85.--Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. Flat No. C-64, 6th Fl. Manali Bldg. No. 3, Valori Village Maint (W) Bumber 64

Valani Village, Malad (W), Bombay-64,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the ncome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weal'b-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-64, 6th fl. Manali Bldg. No. 3, Valnai Village Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|15247|84-85 dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

Seal;

FORM ITNS ---

(1) Mls Manali Corporation

(Transferor)

(2) Capt. A. K. Malhotra,

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15246|84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Flat No. A-23, 2nd Fl. Manali Bldg. No. 4, Valnai Village, Mulad (W), Bombay-64. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

tacilitating the reduction or evasion of the liability and/or

### of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. A-23, 2nd fl. Manali Bldg. No. 4, Plot No. 48, 49 & 50, Valnai Village Malad (W), Bombay-64.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent thority, Bombay, under No. AR.II|37EE|15246|84-85 Authority, Bom dated 1-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

and, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dute: 31-7-1985

#### FORM ITNS----

(1) M|s Hemal Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Srihari Keshav Belur.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37.EF|15043|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,090]- and bearing No. Flut No. 8, Gr. Fl. Hemal Apt, Plot bearing C.S. No. 19, 41, No. 85[5, 96]1, Village Malwani, Malad (W), situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the said instrument of the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Gr. Fl. Hemal A artment plot bearing C.S. No. 19, 41, Nos. 85[5, 96]1, Village Malwani, Malad (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE|15043|84-85 dated 1-12-1984.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-iax, Acquisition Range-III, Bombay

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :--

92--236GI 85

Date: 31-7-1985

FORM I.T.N.S.---

myny i dy processoring a monto y a contraction and a contraction of the contraction of th

(1) M|s Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Hariharan Parasuram & Ors.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### ULTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-FER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37.EE|15015|84-85.--Whatels, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. A-21, 2ad 9 Mana'i B'dg. No. 3, Valuai Village, Malad (W), Bombey-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registration Office at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sction 2690 of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given as that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-21, 2nd Fl. Monali Bldg. No. 3, Valnai Village Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent whority, Bombay under No. AR.III[37.EE]15015|84-85 Authority, Bomb dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Rombay

Date: 31-7-1985

(1) Ms. Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Sing & Ors.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.-III[37-EE|15411|84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Flat No. 31, 3rd Fl. Manadi Bldg. No. 5. Valnai Village.
Malad (W). Bombay-64
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Agr. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 31, 31d Fl. Manali Bldg. No. 5, Valnai Village, Malad (W) Bombar 51,

The apprement has been registered by the Competent Authority. Bombay under iso. AR-III[37-EE]15411[84-85] dated: 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-D1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 31-7-1985

(1) Karmali Enterprise.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Usman Khan Gulab Khan & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref No. AR.-III|37-FE|14986|84-85.-

Whereas, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,0001- and bearing No.

situated at Bombay Shop No. 12, Rukaiya Palace. Somwar Bazar, Malad (W),

Bombay 64

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Asi, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons wanchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 12. Rakaiya Palace. Sonwar Bazar, Behind Bombay Talkies camp; S. No. 388,2, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III]37-EE]14986]84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 31-7-1985

Scal :

#### FORM ITNS-----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.-III|37-EE|15410|84-85.--

Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

situated at Bombay Flat No. C-44, 4th fl. Bldg. No. 3, Valnai Villad, Malad (W),

Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Manali Corporation.

(2) Mr. Suresh S. Chhngani.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-44, 4th fl. Manal Bldg. No. 3, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III | 37-EE | 84-85 dated Authority, 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ux Acquisition Range-III Bombay

Date: 31-7-1985

<sup>&</sup>gt; Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Jubilant Martins.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-JII ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, he 31st July 1985

Ref. No. AR.-III|37-EE|15389|84-85.— Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 4, Gr. Fl. Bldg. No. 3, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Chincholi Road, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

Gandhinagar under document No. 2993 85-86 on 28-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, Gr. Fl. Bldg. No. 3, Shiv Kirti C. H. S. Ltd. Chineholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III]37-EF]15389[84-85 Authority, dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

#### FORM ITNS---

\_\_\_\_\_

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Y. V. Ingrulkar.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Rombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.-III]37-EE]15382|84-85.-

Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00.000]- and bearing No.

situated at Bombay

Stlat No. 14-A, 3rd Fl. Bldg. No. 1, Shiv Sakti C.H.S. Ltd. Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (2017 + 27 of 1927);

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14-A, 3rd fl, Bldg, No. 1, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Chineholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III]37-EE|15382|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mr. P. B. Dudumkar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|15377|84-85.— Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding Rs, 1.00,000[- and bearing No.

situated at Bombay
Shiv Kirti Co. op. Hsg. Soc. Ltd. S. No. 397, Flat No. 3,
ground floor, Bldg. No. 3, wing Chincholi Bunder Rd.
Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pactics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer: and∕e⊤
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the purention of this notice in the Official Gamette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shiv Kirti Co.op. Hsg. Soc. Ltd., S. No. 397, Flat No. 3, ground floor, Bldg. No. B wing, Chincholi Bnnder Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III|37-EE|15377|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Shree Sai Babu Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri S. V. Surve.

('Fransferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION PANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1985

Ref. No. AR.-III|37-EE|15380|84-85,-

whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 75 4th fl. Bldg. No. 2, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Malad

(W), Bombay-64 rituated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 75, 4th fl. Bldg. No. 2, C-Wing Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III|37-EF|15380|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III **Bomba**:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the follow-93- -236GII85

Date : 31-7-1985

Soal :

#### FORM ITNS-

(1) Shri Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2697(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. M. Maiya,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUIS'T'ON PANGE ÎL

Bombay, the 13th July 1985

Ref. No. AR-III|37-EE|15386|84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'and Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 11. 2nd fl. Bldg. No. 3, B-Wing, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Chinchol' Bunder Road, Ma'ad (W), Bembay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the Constero to pay the under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publioation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd fl. Bldg. No. 3, B-Winf, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Chincholi Bunder Road, Bombal-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-JII|37-EE|15386|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the aforesaid property by the issue of this poice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 31-7-1985

Scal ;

FORM ITNS----

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. S. Pisa; & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ENCOME TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.-III|37-EE|15388|84-85.— Whereas, I, A. PRASA...

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value excooding Rs. 1,00,000[- and bearing No.

Rs. 1,00,000; and bearing No. Flat No. 15, Bldg. 3, 3rd fl. Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Malad.

(W), Bombay-64 situated at Bombay

has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the end Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, B'dg. No. 3, 3rd Fl. Shiv Kirti C.H.S. Ltd. B-W ng Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR-III|37-EE|15388|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act. I hereby unitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

Seal

FORM ITNS----

(1) Shree Sei Baba Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shri M. N. D'Souza.

(Transferec)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.-III|37-EE|15378|84-85.--

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No.

Flat No. 7, 1st fl. B dg. No. A-Wing Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Chincholi Bunda Road, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay

(and more tuny described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and [ have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of sansfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfers, to pay tax under the said Act, in the ct of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

ww, therefore, in pursuance of Section 269C of the said in a consistency of the acquisition of the sid property by the issue of this notice under sub-section 269C of the said Act with following Graciy :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this writtee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property -

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, first fl. Bldg. No. 3, A-Wing Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Chincholi Bunder Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III]37-EF|15378|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 31-7-1985

FORM ITNS-

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(2) Shri Sanjiv S. Naik.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.-IJI|37-EE|15384|84-85.--Whereas. I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|and bearing

Flat No. 10, 2nd fl. Bldg. No. 3, B-Wing, Shiv Kirti C.S.H. Ltd.. Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annex d hereto), has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Competent Authority at Bombay on 1-12 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoms and property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other allects which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd fl. Bldg. No. 3-Wing Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No.-III 37-PE 15384 84-85 dated : 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Inc. m - ax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

FORM ITNS ....

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri A. B. Bhusari & Ors.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BUMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR III|37-EE|15385|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/-and bearing

Fiat No. 3, Gr. Fl. AB dg. No. 3, A-Wing, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Chinchol. Bunder Road, Malad (W), Bombay

situated at Bombas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in hte Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid wacceeds the apparent consideration therefor by more than written per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937, (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by an' of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Gr. Fl. Bldg. No. 3, Shiv Kirti Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III|37-15385|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Panca-UI
Bombay

7-4- · 31-7-1985

Scal:

#### FORM ITNS----

(1) Messrs. Chaitanya Enterprises.

(Transferor)

(2) Taradevi R, Singh & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref No. AR-III 37EE 14890 84-85.—Whereas, 1. A. PRASAD,

ompetent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R 1 00.0001 and bearing

immovable property, having a fair market value exceeding R 1 00.0001 and bearing Shop No. 5, ground floor, Plot No. A, C.T.S. No. 585, Krishna Baug, Bomb y, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Reg stration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-12-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such consider as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act in the stand any income arising from the transfer; and|or

(b) feellitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or its said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Office I Go atte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, wanchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground floor. Plot No. 'A', C.T.S. No. 585, Krishna Baug, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Pombay under Serial No. AR-III/37EE/14890-84-85 on 1-12-1984.

> A. PRASADI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissiones of Income tax Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate p oceedings for the a quisition of the aforaged property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, samely :--

Date: 31-7-1985

Sea!

(1) Smt. Kamlabai D. Saraf.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mohan Engg. Works.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. III|37EE|14898|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Indl. Block No. 7, in Indl. Bldg. No. 4, S.V. Road, Goregaon,
Bombay-62 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair bilieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen oer cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rensfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely !--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sast Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Block No. 7 in Piramal Indl. Bldg. No. 4, S.V. Road, Goregaon, Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent uthority Bombay under No. AR. III 37-EE 14898 84-85 Authority B on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority.
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

#### (1) Arch Decon Developers Builders & Contractors. (Transferor)

(2) Mrs. Sunita Diwakar Wakade.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. III 37-EE 14899 84-85.--Whereas, I,

Ref. Inc. ... A. PRASAD, the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding
Rs. 1,00.000|- and bearing No.
Flat No. G-5, A-Wing, S. No. 92, H. No. 4, CTS. No. 446
Goregnon (E), Bombay-63 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. G-5 in A-Wing S. No. 92, H. No. 4, CTS. No. 446 Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR. III 37-EE 14899 84-85 on 1-12-1984,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Botning

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

94-236GI 85

Date: 31-7-1985

#### FORM ITNE

(1) Ms. Deel Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

31752

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bonibay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|15158|84-85.--Whereas, I, A, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/-Rs. 1.00.000, and hearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 4, 6th H. Flat under Cont. Church View Apartment,
Orlem, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Bombay on 1-12-1984

Bonday on 1-12-1964 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any measure or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Victor B. Lobo.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 6th Fl. under construcion, Church View Apartment, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A. III|37-EE|15158|84-85 on 1-12-1984,

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

#### FORM I.T.N.S .--

- (1) Miss Mala M. Shahani.
- (Transferor)
- (2) Mr .Harsh Ramji Vala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|15172|84-85,—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 29, Naha & Seth Indl. Estate, Near Krishna Cinema & Shangrila Biscuit Factoy, L.B.S. Marg, Bhandup (W), Bombay-78 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and mostfully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the nome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

29, Nahar & Seth Indl. Estate, Nar Krishna Cinema and Shangrila Biscuit Factory, L.B.S. Marg, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.  $\Pi1|37\text{-EE}|15172|84\text{-}85$  on 1-12-1984,

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 31-7-1985

- (1) M/s. Pawani & Company.
- (Transferor)
- (2) Shri Gobind K. Daryanani, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|15303|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100.0001, and hearing

1,00,000]- and bearing
Unit No. 6, Gr. Fl. Gobind Udyog Bhavan, Bal Rajeshwar
Road, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 6, Ground Fl. Gobind Udyog Bhagvan, Bal Rajeshwar Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR. III|37-EE|150303|84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

Scal:

(1) Smt. Prabha Bhavan Kataria.

(Transferor)

(2) Smt. Vijayaben N. Pandya.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|14972|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 1, Arihant Darshan 1st Fl. V. P. Road, & G.G. Rd. (Corner), Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the neome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer 2s agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Arihant Darshan 1st Fl. Corner of V.P. Road & G. G. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR. III|37-EE|14972|84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:

Date: 31-7-1985

- (1) Shri Bhavan Gangji Kataria
- (Transferor)
- (2) Smt. Lalitaben N Shah.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|14971|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 2, Arihant Darshan 1st Fl. Corner of V. P. Road & G.G. Road. Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the noome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Arihant Darshan 1st fl. Corner of V.P. Road, and G.G. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III 37-EE 14971 84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:

Date: 31-7-1985

(1) Ms. Tibra Builders (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M[s. Rajuir Builders,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. III 37-EE 15223 84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Encome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. 141, Shanti Indl. Estate, S. N. Road, Mulund (W),

Bombay-80 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemat is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- · Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 141, first Fl. Shanti Indl. Estate, S. N. Rd. Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR. III[37-EE]15223[84-85] Authority, B on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

(1) Shri Dharshan Singh P. Randhawa

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Maluk Singh H. Khehra.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|15484|84-85,--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Block No. 2, Room No. 6, D, Jai Bhavani Marg, Mulund, Bombay-82 ituated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely: --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. 2, Room No. 6-D, Jai Bhavani Marg, Mulund Colony, Mulund, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III|37-EE|15484|84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Tibra Builders (Bombay) Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) M|s. Rajgir Builders.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA.

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. III|37-EE|15222|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 138, 1st Fl. Shanti Indl. Estate, S. N. Read, Muland (W), Bombay-80 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (\*) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this society in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or everion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 138, 1st Fl. Shanti Indl. Estate, S. N. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR. III|37-EE|15222|84-85 Authority, B on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following петвоих паmely :— 95—236GI|85

Date: 31-7-1985

(1) Shri M. J. Ganatra.

(Transferor)

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukesh D. Jobanputra & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. III 37-FE | 14882 | 84-85. - Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 2, Swaminarayan Darshan, Dr. R. P. Road, Mulund (W). Rombay-80 situated at Rombay

(W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 2, Swaminarayan Darshan Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37-EE/14882/84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

Scal:

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Table 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

No. AR.III 37EE 14906 84-85.—Whereas, I, Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immo-

vable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 304, 3rd floor, Building No. 'I', Vardhman Nagar,
Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: MEGI/OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Sunita Ajit Singh Ahulwalia & Ors.

- -----

(Transferor)

(2) Mrs. Sarla Kirti Manek.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and regulations used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor, Building No. 'I', Vardhman Nagar, Dr. R. P. Road, Mulurd (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.111]37EE|14906|84-85 dt. 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 31-7-1985 Scal :

#### FORM 1.T.N.S.---

(1) Mr. M. S. Swamy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kantaben K. Sachde.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 51st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15393|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. D/10, 2nd floor, Goverdhan Nagar, L.B.S. Marg, Muland (M). Rombay

Muland (W), Bombay. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreemnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D/10, 2nd floor, Goverdhan Nagar, L.B.S. Marg. Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15393|84-85 dt. 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-7-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) M/s. Unique Builders.

(Transferor)

31763

#### (2) Mr. Kishor L. Ramani & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 15314 84-85.--Whereas, 1. Λ. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Innome-tux Act, 1961 (43 of 1961) (horeinniter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 23, 31d floor, Unique Industrial, Dr. R.P.F.

Fulund, Bombay-80. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-12-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair nucker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective passens. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein = are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 23, 3rd floor, Unique Industrial, Dr. R.P.F. Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Ecribay under No. AR.III|37EE|15314|84-85 dt. 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:--

Date: 31-7-1985

. Seal:

FORM I.T.N.S .--

(1) M/s. Ajay Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Chandrakant Baanu Sawant.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III[37EE]14880[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 3, ground floor, Rushabh Aashish, Plot No. S. No. 74, CTS. No. 564 Mulund (E), Bombay-81.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1<sup>1</sup> of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, Rushabh Aashish, Plot No. S. No. 74, CTS. No. 564 Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ÅR.III|37EE|14880|84-85 dt. 1-12-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely

Date: 31-7-1985

Soul:

FORM ITNS----

(1) M/s. Tibra Builders (Bombay) Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) M/s. Rajgir Buildtrs.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III 37EF 15221 84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teasen to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 1.0(0.000]- and bearing Unit No. 137, 1st floor, Shanti Industrial Estate, S.N. Road, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afercenic persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 137, 1st floor, Shanti Industrial Estate, S.N. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III 37FF 15221 84-85 dt. 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

Scal:

FORM I.T N.S .---

(1) Mr. Aslam Gani.

(Transferors)

(Transferees)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, -BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15498|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Industrial Unit No. 82, second floor, Vishal Industrial Fstate, Bhandup Vishal Industrial Premises Housing Society Ltd., Village Road, Opp. Ceat Tyres, Bhandup, Bombay-

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome wishes trees the unrefer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Mr. Bharat Talakshi Chheda & Ors.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the e of the publication of this notice in the Official Gazzetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 82, second floor, Vishal Industrial Permises Housing Society Ltd., Village Road, Opp. Ceat Tyres, Bhandup, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III|37EE|15498|84-85 dt. Authority,

> A. PRASAD Competent Authority tuspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

#### FORM ITNS----

(1) Mrs. Prabha Khushal Gada.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) +2) Mrs. Prema V. Gala.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III]37EE]15310]84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Shop No. 7, Plot No. 38, Rohini Apartments, R.R. Trivedi Road, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income tax Act 1927 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subspicion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely in

96-236 GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the wild Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop. No. 7, Plot No. 38, Rohini Apartments, R.R. Trivedi Road, Mulund(W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15310|84-85 dt. 1-12-1984

A. PRASAD
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 31-7-1985

Soal :

(1) Mrs. Zarinabai F. Mandealla.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Aslam Usman Gani & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III[37EE]15426|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196: (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs 1,00,0001- and bearing Unit No. 82, second floor, Vishal Industrial Estate, Bhandup (W), Bombay.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from e corvice of action on the respective persons whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein ... are defined in Chapter XXA of the and Act shall have the same meaning, as given in that Chapter-

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storeshid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, unmely:--

Unit No. 82, second floor, Vishal Industrial Estate, Bhaudup (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Compctent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15426 84-85 dt. 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay

Date: 31-7-1985

Soal :

#### FORM TINS

## (1) M/s. Hiranandani Industrial Enterprises. (Transferor)

(2) Mr. P. K. Nambiar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15195|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Unit No. 128, 1st floor, Hiranandani Industrial Estate, Kanjur Marg, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1937) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the .aid Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 128, 1st floor, Hiranandani Industrial Estate, Kanjur Marg, Bombay.

The agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15195|84-85 dt. 1-12-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 31-7-1985

(1) M/s. Vardhman Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhagwanbhai V. Kothari & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15181|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000]—and bearing No. Flat No. 501, 5th floor, 'F' Building, Vardhman Nagar, 307(2)Jn. of Dr. R. P. Road & M.G. Road Mulund (W), Rombay-80

Bombay-80.

situated at Bombay (and more in described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in Writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, 'F' Building, Vardhman Nagar, 307(2) in of Dr. R. P. Road & M.G. Road Mujund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15181 84-85 dt. 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

(1) Shri Harilal Punjabhai Patel.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kalyanji Hirji Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Rtf. No. AR.III|37EE|15020|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovunder Section 269B of able property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Office No. 1, at plot bearing CTS No. 348, F.P. No. 5A, Laxminarayan Shonoing Centre, Poddar Road, Malad (E), Bombay-97.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the propert as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

THE SCHEDULE

Office No. 1, at plot bearing CTS No. 348, F.P. No. 5A, Laxminarayan Shopping Centre, Poddar Road, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15020 84-85 dt. 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 11) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 31-7-1985

Scal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac shall he e the same meaning as given its that Chapter.

#### FORM LT.N.S.-

(1) Shri Hemant Manganlal Gandhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-IAX ACI, 1961 (43 UF 1961)

(2) Shri Mahesh Kumar Ratanlal Sharma.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15318|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000]— and bearing No.
Flat No. 308, 3rd floor, Sunita Apartment, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.
situated at Bombay
(and more funny usscribed in the Schedule annexed fereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-12-1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 308, 3rd floor, Sunita Apartment, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.III 37EE 15378;84-85 Authority, 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rengality, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit on of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

Scal:

(1) M/s. Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Tirodkar P. Atmaram

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.JIT|37FE|14885|84-85.—Whereas, I, Whereas, I, A. PRASAD, being the Competer sutherity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

ble property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing Flat No 9 or, oil Hemal Apartment Plot No. 19, 41, Nos. 85|5, 96|1, Village Malwani, Malad(W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability

  of the transferor to pay take under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer:
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this source in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, Gr. Fl. Hemal Apartment, Plot No. 19, Nos. 85|5, 96|1, Village Malwani, Malad(W), Bembay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14885|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of incompetax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 31-7-1985

Scal:

FORM LINS

(1) M/s. Concord Enterprises

(Transferor)

(2) Shri Tony Martin & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15032|84-85.— Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

Flat No. 101, at Village Valuai Orlem, Malad, Marve Road, Malad (E), Bombay-64.

(and more tuly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regis-ered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984 tor an apparent consideration which is less unn the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have no ocen of which ought to be disclosed by transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Apt, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the seal Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 101, at Village Valnai Orlem, Malad, Marve Road, Malad(E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15032|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date : 31-7-1983

(1) Shri Manoj Maneklal Lasher.

(Transferor)

(2) Mis. Datt Enterprise

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, ROMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III]37EE[15153]84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Office premises No. 233, Malad Natraj Market Co-op. Hsc Soc. Ltd. Plot No. 202, S. V. Road, Malad(W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, thall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefer to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office premises No. 233, Malad Natraj Market Co-op, Hsg. Sec. Ltd. Plot No. 202, S. V. Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37EE]15153[84-85] dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C c. he said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely:

97-236 GI|85

Date: 31-7-1985

(1) Mr. Kishanlal M. Kanodia

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kutuma Devi Awasthy

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 15475 84-85 .--Ref. No. AR.III[37EE]15475[84-85.—
Whereas, I. A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000]- and bearing
Rs. 1.00,000]- and bearing
Rilat No. B454, Nalanda No. 1. Plot No. 32[23]. Off Marve
Road, Malad(W), Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred, and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent against the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any the conceanment of any factors of any moments or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-54, Nalanda No. 1, Plot No. 32|23, Off Marve Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15475 84-85 Authority, Bom dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistan' Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-7-1985

## (1) Shri Rajput Delpatsingh Veersingh

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mithalal B. Parekh (Jain) & Ors. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ret, No. AR.JII|37EE|14967|84-85.-

Ret, No. AR.III|37EE|14967|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Gala No. 62, 2nd fl. Mehta Indl. Estate, Plot No. C. S. No. 493, H. No. 7 CTS No. 220, Lberty Garden Road No. 3. Malad(W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und

has been transferred and the agreement is registered und

has been transferred and the agreement is registered und Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 62, 2nd fl. Mehta Indl. Estate, Plot No. C. S. No. 493, H. No. 7 CTS No. 220, Liberty Garden Road No. 3, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14967 84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-7-1985

#### FURM ITNS-

(1) Shri Sayed Abdul Hussain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. V. Agarwal & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15286|84-85.—
Whereas, I. A. PRASAD,
being the Competent Authority authorised by the Central
Government in this behalf under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Shop No. 1, Safi Apartment Plot No. 18, Hava Hira Park,
Scheme Village Kurar Village, Malad(E), Bombav,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered ur.
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-12-1984

Bomoay on 1-12-1964 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1947 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Safi Apartment Plot No. 18, Hava Hira Park, Scheme Village Kurar Village, Malad(E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/15286/84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely:—

Date: 31-7-1985 Scal: FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Contenental Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Leena Gomes

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

> Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III]37EE|14897|84-85.—

Whereas, I, A, PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here:nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 8, 3rd Fl. Akash Bldg. Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad(W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer are agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under suband the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd Fl. Akash Bldg. Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.III 37EE 14897 84-85 dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date 31-7-1985

(1) Mis. Vardhan Bafna Const. Co.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pragati Enterprises

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15202|84-85.--

Whoreas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Piece or parcel of land S. No. 26, H. No. 1(p) CS No. 307 and now bearing plot No. 66 (p) Village Valnai Taluka Borivli, 307/66, Ramchandran Extn. Linking Rd., Malad(W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazelte.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

## THE SCHEDULE

Piece or parcel of land S. No. 26, H. No. 1(p) CS No. 307 and now bearing plot No. 66(p) Village Valnai Taluka Borivli, 307|66, Ramchandran Extn. Linking Rd., Malad(W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15202|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

Date: 31-7-1985

#### (1) Smt. Sitabai Lalachand Kataria

(Transferor)

31781

(2) Mr. Rajendra R. Shivaikar

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15243|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. I|9, 2nd H. Haridwar-I, Plot No. 18-19-20-A Off
Village Valnai, Marve Rd., Malad(W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax-Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. I|9, 2nd Fl. Haridwar-I, Plot No. 18-19-20-A Off Village Valnai, Marve Rd., Malad(W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authorty. Bombay under No. AR.III|37EE|15243|84-85 dated 1-12-1984,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

(1) Mr. M. J. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. M. Sheth & Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15195|84-85,-Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. A-303, Rajeshpark, Nadarmal Rd. Malad (E),

Bombay-97

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trusfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A-303, Raeshpark, Kedarmal Road, Malad (E), Bombay 97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37EE]15195'84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 31-7-1985.

(1) M/s. Shangrila Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Vanaja Rajan Babu.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14891|84-85.—Whereas, I,

 PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 8, 2nd fl. Plot No. 6, Samrat Bldg. Janakalyan Nagar

Malad, Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said interagraph of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 265 C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under subSection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--98-236 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor, Plot No. 6, Samrat Bldg., Janakalyan Nagar, Malad, Bombay-400 068.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. AR.III | 37EE | 14891 | 84-85 Authority. Bom dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Dated: 31-7-1985,

(1) Mis. Continental Corpn.

(Transfer

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. K. Kunder.

(Transfere

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15568|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1.00,000l- and bearing No. Flat No. 5, 2nd Fl. Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad (W), Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: mad/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said prope. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this noti in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of th publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein ; are defined in Chapter XXA of the sail Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd Fl. Amrut Bldg. Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15568 84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombar

Dated: 31-7-1985.

#### (1) Nahar Builders (India).

(Transferor)

31785

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vinod Kumar Vithaldas Rathod & Ors. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15304|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the uncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act') have reason to believe that the imnovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. clat No. 203, 2nd fl. B-Wing Neelgiri Apartments Opp. Shanti Nagar, Near Milap Theatre S.V. Road, Malad (W),

Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of8

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of 8 the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd fl. B-Wing Neelgiri Apartment Opp. Shanti Nagar, Near Milap Theatre, S.V. Road, Malad (W), Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bornbay under No. AR.HI 37EE 15304 84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :-

Dated: 31-7-1985.

Scal:

FORM I.T.N.S. --

(1) Dr. Jugal Kishore B. Aagrwal,

(Transferor)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Indu S. Agarwal & Ors,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 15394-A 84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Flat No. 103, first fl. Maharaja C.H.S. Ltd. S.V. Road, Malad

(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 103, First Fl. Maharaja Co-op. Hsg. Scty. Ltd., S.V. Road, Melad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15394-A 84-85 dated 1-J2-1984.

> A. PRASAD Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 31-7-1985,

Scal:

(1) Mrs. Helen Egbert Misquitta.

(Transferor)

(2) Mrs. Suraiya A. Shait.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III 37EE 15366 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

that the immovable property, having a fair market value executing Rs. 1,00,000]- and bearing No. piece or parcel of land at Malvani Village, City S. No. 1652 (p) CTS No. 1645 (P) Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land at Village Malvani, City Survey No. 1652 (p) CTS No. 1645 (p), Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.III/37EE/15366/84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Dated: 31-7-1985.

(1) Anita Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harvinder Seth & Others.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15259|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 201, Vale Ram III Bldg., Off. Madh Marve Road,

Opp. Vshma Nagar, Malad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent coansideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay eax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, Vale Rum III Bldg., Off. Madh Marve Rd., Opp. Vshma Nagar, Walad.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15259|84-85 dt. 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 31-7-1985

FORM ITNS——

(1) M|s. Shangrila Construction Co.,

(Transferor)

(2) M. M. Velji.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EF|15449|84-85.—Whereas, J. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0000]- and bearing

Flat No. 1, 31d floor, Plot No. 6, Samrat Bldg., Janakalyan Nagar, Malad, Bombay-68. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the consealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiats proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 3rd floor, Plot No. 6, Samrat Bldg., Janakalyan Nagar, Malad, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37EE[15449]84-85 dt. 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 31-7-1985

Scal:

(1) M/s. Shangrila Construction Co.,

(Transferor)

(2) S. P. Chanda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15448|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Flut No. 2, 3rd floor, plot No. 4, Shalimar Bldg., Janakalyan Nagar, Malad, Bombay-68.

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 701
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aformald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd floor, plot No. 4, Shalimar Bldg., Janakalyan Nagar, Malad, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15448|84-85 dated 1-J2-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

#### - - ---- -----FORM ITNS-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.111(37EE)14985[84-85.-Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. A. 101, Rukaiya Palace, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Comp. S. No. 388/2, Malad (W), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—99—236 GI/85 (1) Kamal Enterprises.

\_31,6\*\* \_22, \_\_\_\_

(2) Abdul Khan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquilition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A. 101, Rukaiya Palace. Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Comp. S. No. 388]2, Malad (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,III 37EE 14985 84-85 dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 31-7-1985

(1) Mis. Shangrila Const. Co.

(Transferd

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Celin Mathias.

(Transfere

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

Bombay, the 31st July 1985

BOMBAY

Ref. No. AR.III|37EE|15447|84-85.-Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Flat No. 7, 2nd floor plot No. 6, Somrat Bldg., Janakalyan Nagar, Malad, Bombay-68.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald the fair market value of the property as aforesald property and I have reason to be a source of the property as aforesald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property and I have reason to be property as a foresald property as a said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notive in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whicheve, period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officia Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor plot No. 6, Samrat Bldg., Janakalyan

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15447 84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ton Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 31-7-1985

Seal .

(1) D. R. Mirani.

(Transferor)

31794

(2) Mls. Uday Arts.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

> Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15475|84-85.--Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Shop No. 104, Gr. Fl. Malad Shopping Centre, S. V. Road. Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and hie agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 104, Gr. Fl. Malad Shopping Centre, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III[37EE]15475]84-85 Authority, Bom dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range-III **Bombay**

Date: 31-7-1985

(1) Anita Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Aaron John Dhaser,

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR,III|37EE|15145|84-85.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Shop No. 11, Val-E-Ram III, Flat No. E-10, E, 9, E-11, C.pr. Usha nagar, Marve Road, Malad (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Cartier 250 Apr of the leasure transfer 1061 in the Schedule Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on I-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 11, Val-E-Ram III, Flat No. E-10, E, 9, E-11, Opp. Usha nagar, Marve Road, Malad (W)

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. dated 1-12-1984. AR.III 37EF 15145 84-85

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection 11) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Datel 31-7-1985 Seal :

(1) M/s. Cenar Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Minakshi M. Mestry.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONE OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-HI BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III/37EE/15050/84-85.--Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. B-403, Fourth floor, Bhandar Wada. Malad (W),

Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority 85 dated 1-12-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. B-403, Fourth floor, Bhandar Wada, Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.III]37EE[15050 dated 1-12-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Date: 31-7-1985

(1) Ponjabi Bamkrisan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Kuktaben B. Raichura.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14957|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 24, Laxminarayam shopping Centre, shop No. 24, Cr. Fl. Podar Road, Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 24, Laxminarayam shopping Centre, shop No. 24, Cr. Fl. Podar Road, Malad (E), Bombay-97

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR.III]37EE|14975|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-IIF
Bombay

Date: 31-7-1985

(1) Miss Laxmi M. Mamnia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pyarchand G. Jain.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

> Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15203|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Shop No. 5, East Malad Atul C.H.S. Ltd. Plot No. 322 and 327, Neotia Road, Malad (E), Bombay-64 and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and his agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to selieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any reconstructing the contestment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 5, East Malad Atul C.H.S. Ltd. Plot No. 322 and 327, Neotia Road, Malad (E), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent whority, Bombay under No. AR.III 37EF 15203 84-85 Authority, Bondated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit on of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-7-1985

Seni:

(1) Shah Investment Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayantilal V. Furia & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 31st July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.III 37EE 14895 84-85, -Whereas, I. A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000]- and bearing
Shop No. 12, Laxminarayan Shopping Centre, T.P.S. Scheme
No. 1. Podar Road, Malad (E). Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same nothing as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

.b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ot 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 12, Laxminarayan Shopping Centre, T.P.S. Scheme No. 1, Podar Road, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37E!\*/14895/84-85 dated 1-12-1984.

THE SCHEDULE

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 31-7-1985